राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

National Institute of Fashion Technology

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

33वीं

वार्षिक रिपोर्ट

2018 - 2019

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
निफ्ट अधिनियम, 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
निफ्ट परिसर, हौज खास, गुलमोहर पार्क के सामने, नई दिल्ली – 110016

33वीं वार्षिक रिपोर्ट

2018-19

विषय वस्तु

06	संगठनात्मक ढांचा
09	परिचय
11	निफ्ट पाठ्यक्रम
12	पीएचडी और अनुसंधान
16	सतत शिक्षा पाठ्यक्रम
17	परामर्श परियोजनाएं
20	घटनाक्रम और उपलब्धियां वर्ष 2018-19
23	कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ
26	संकाय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण एवं विकास
28	अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संबंध
31	क्लस्टर विकास
34	राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
35	सूचना प्रौद्योगिकी
37	एंटरप्राइज रिसोर्स योजना
38	प्रवेश
39	छात्र विकास गतिविधियां
41	दीक्षांत समारोह
42	कैंपस प्लेसमेंट
44	फाउंडेशन प्रोग्राम
47	फैशन डिजाइन
49	लेदर डिजाइन
53	टेक्सटाइल डिजाइन
56	निटवेअर डिजाइन
59	फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी
62	फैशन संप्रेषण
65	फैशन प्रबंधन-अध्ययन
68	फैशन प्रौद्योगिकी
71	डिजाइन स्पेस
निफ्ट कैंपस रिपोर्ट्स	
75	बेंगलुरू
81	भोपाल
88	भुवनेश्वर
95	चेन्नई
104	गांधीनगर
112	हैदराबाद
120	जोधपुर
127	कन्नूर
129	कांगड़ा
132	कोलकाता
144	मुंबई
153	नई दिल्ली
158	पटना
166	रायबरेली
177	शिलांग
186	श्रीनगर
189	लेखा रिपोर्ट
242	निफ्ट परिसर के पते

संगठनात्मक ढांचा

शासक मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) मार्च, 2019 तक के सदस्य

क्रम संख्या	शासक मंडल सदस्य का नाम और पदनाम	पता
1	श्री राजेश वी. शाह, अध्यक्ष, शासी मंडल -निफ्ट	7 शाह हाउस, जानकीकुटूर, पृथ्वी थिएटर लेन, जुहू, मुंबई
2	सुश्री कनिमोझी, माननीय सांसद राज्यसभा	14-1, फर्स्ट मेन रोड, सीआईटी कॉलोनी, मायलापुर, चेन्नई
3	सुश्री पूनम महाजन, माननीय सांसद लोकसभा	101, परम हाउस, शांति नगर, सीएसटी रोड सांताक्रूज ईस्ट, होटल ग्रांड हयात के पास, मुंबई
4	सुश्री वी सत्यभामा, माननीय सांसद लोकसभा	न. 9 श्री नगर, कचेरी स्ट्रीट, गोबिचेट्टीपालयम, तमिलनाडु
5	डॉ सुभाष चंद्र पांडे, आईए एवं एएस, एसएस एवं एफए, वस्त्र मंत्रालय	वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
6	श्री पुनीत अग्रवाल, आईएएस, संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय	वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
7	सुश्री इशिता रॉय, आईएएस, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली -1100 001
8	श्री गौरंग शाह, डिजाइनर	इंडियन एम्पोरियम, जी पुल्ला रेड्डी बिल्डिंग, बेगमपेट, हैदराबाद
9	सुश्री अनाविला मिश्रा, वस्त्र डिजाइनर	धैर्य अपार्टमेंट, 11 वीं रोड, मधु पार्क के पास, खार (पश्चिम), मुंबई, महाराष्ट्र
10	श्री सब्यसाची मुखर्जी, डिजाइनर	सब्यसाची कॉटर, 80/2, टॉपसिया रोड साउथ, मारुति बागान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
11	सुश्री वंदना कोहली, फिल्म निर्माता, संगीतकार और लेखक	अपार्टमेंट रु 6, ब्रीच कैंडी गार्डन, 76 भुलाभाई देसाई रोड, (प्रेमसंस के सामने), ब्रीच कैंडी, मुंबई - 400 026
12	श्री सुनील सेठी, अध्यक्ष भारतीय फैशन डिजाइन परिषद	209, ओखला औद्योगिक एस्टेट, चरण -III, मोदी फ्लोर मिल के पास, ओखला, नई दिल्ली - 110020
13	श्री संजय लालभाई, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अरविंद लिमिटेड	रेलवेपुरा पोस्ट, नरोदा रोड, अहमदाबाद, गुजरात
14	श्री पी के गुप्ता, अध्यक्ष शारदा समूह संस्थान एवं कुलपति, शारदा विश्वविद्यालय	प्लॉट नं 32-34, नॉलेज पार्क -III, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
15	सुश्री शारदा मुरलीधरन, आईएएस, महानिदेशक, निफ्ट	राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, हौज खास, नई दिल्ली

मार्च 2019 तक निफ्ट मुख्यालय के अधिकारीगण

सुश्री शारदा मुरलीधरन,
आईएएस महानिदेशक

सैयद अशरफ,
ओएसडी स्थापना

प्रो. डॉ. एम. के. गांधी,
प्रमुख (ईआरपी)

प्रो. डॉ. सुहेल अनवर,
निदेशक प्रशासन (प्रभारी) एवं परियोजना प्रमुख

श्री डी. पी. सोलंकी,
संयुक्त निदेशक (मुख्यालय)

प्रो. डॉ. रघुराम जयरामन,
प्रमुख (उद्योग एवं पूर्व छात्रसंघ मामले)

श्री बी.के. पांडे,
मुख्य लेखा अधिकारी एवं निदेशक (वित्त एवं लेखा) (प्रभारी)

सुश्री रजनी शाह,
सहायक बोर्ड सचिव एवं विधि अधिकारी

सुश्री उषा नरसिम्हन,
प्रमुख (क्लस्टर)

प्रो. डॉ. शर्मिला जे दुआ, डीन (शैक्षणिक)

प्रो. डॉ. मोनिका गुप्ता,
प्रमुख (सतत् शिक्षा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम)

प्रो. डॉ. अर्चना गांधी
प्रमुख (अनुसंधान)

प्रो. विजय कुमार दुआ
प्रमुख (शैक्षणिक मामलात)

प्रो. बिनवंत कौर
प्रमुख (अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू लिंकेज)

डॉ. सुधा ढींगरा
प्रमुख (एफओटीडी, एफडीपी और ब्रिज)

डॉ. संजीव कुमार,
निदेशक (एनआरसी) एवं सूचना प्रौद्योगिकी

प्रो. वर्षा गुप्ता प्रमुख
(कॉर्पोरेट संचार सेल)

मार्च 2019 तक शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष

श्री नितिन कुलकर्णी,
डिजाइन स्पेस विभाग

श्री एम अन्नाजी शर्मा,
फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग

प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन,
लेदर डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. अनुपम जैन,
फैशन संचार विभाग

प्रो. जोमिचन एस. पट्टाथिल,
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद,
वस्त्र डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. मालिनी दिवाकला,
फैशन डिजाइन विभाग

प्रो. डॉ. विभावरी कुमार,
फाउंडेशन प्रोग्राम

प्रो. डॉ. यतेन्द्र एल,
फैशन एवं जीवनशैली एक्सेसरिज विभाग

प्रो. सुनीता वासन,
निटविअर डिजाइन विभाग

मार्च 2019 तक निफ्ट परिसरों के अधिकारीगण

बेंगलुरू

सुश्री सुसन थॉमस, आईआरएस, परिसर निदेशक

श्री एम मुथुकुमार, संयुक्त निदेशक

भोपाल

श्री अरिंदम दास, परिसर निदेशक (प्रभारी)

प्रो. समीर सूद, संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

भुवनेश्वर

प्रो. संजय श्रीवास्तव, परिसर निदेशक (प्रभारी)

डॉ. बिनय भूषण जेना, संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

चेन्नई

प्रो डॉ. अनीता मनोहर, परिसर निदेशक

श्री बी. नरसिम्हन, संयुक्त निदेशक

गांधीनगर

श्री अरिंदम दास, परिसर निदेशक

श्री एन. बी. वैष्णव, ओएसडी

हैदराबाद

प्रो. वी. शिवलिंगम, परिसर निदेशक (प्रभारी)

डॉ. जी. एच. एस. प्रसाद, संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

जोधपुर

डॉ. विजया देशमुख, परिसर निदेशक

कांगड़ा

प्रो. डॉ. सिबिचन मैथ्यू, परिसर निदेशक (प्रभारी)

श्री डी. के. रांगरा, संयुक्त निदेशक

कन्नूर

डॉ. एलंगोवन एन, परिसर निदेशक

कोलकाता

कर्नल सुब्रतो बिस्वास (सेवानिवृत्त), परिसर निदेशक

श्री खुशाल जांगिड़, संयुक्त निदेशक

मुंबई

प्रो. डॉ. पवन गोडियावाला, परिसर निदेशक (प्रभारी)

श्री बृजेश देवरे, संयुक्त निदेशक

दिल्ली

प्रो. डॉ. वंदना नारंग, परिसर निदेशक

सुश्री नीनू टेकचंदानी, संयुक्त निदेशक

पटना

प्रो. संजय श्रीवास्तव, परिसर निदेशक

श्री एन. एस. बोरा, संयुक्त निदेशक

रायबरेली

डॉ. भरत साह, परिसर निदेशक

श्री अखिल सहाय, संयुक्त निदेशक

शिलांग

प्रो. मोनिका अग्रवाल, परिसर निदेशक

श्री मृणाल सजवान, संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)

श्री डी. पी. सोलंकी परिसर निदेशक (प्रभारी)

श्री शंकर कुमार झा, संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

वाराणसी (उप केंद्र)

श्री एस. के. झा, संयुक्त निदेशक

परिचय

संक्षिप्त इतिहास

वर्ष 1986 में स्थापित, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) हमारे देश में फैशन शिक्षा का अग्रणी संस्थान है और वस्त्र एवं परिधान उद्योग को पेशेवर मानव संसाधन प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ज्ञान, शैक्षणिक स्वतंत्रता, महत्वपूर्ण आजादी और रचनात्मक सोच को एकीकृत करते हुए फैशन शिक्षा में अग्रणी है। संस्थान, तीन दशकों से, अकादमिक उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में और सक्षम पेशेवरों को विकसित करने के एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। भारत के राष्ट्रपति की उपस्थिती में इसे भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा वर्ष 2006 में वैधानिक संस्थान बनाया गया था और और पूरे देश में इसके 16 पूर्ण विकसित, पेशेवर रूप से प्रबंधित परिसर स्थापित हैं।

शैक्षणिक समावेशन निफ्ट की पहचान रहा है और इसके विस्तार में उत्प्रेरक है। संस्थान सौंदर्य और बौद्धिक उन्मुखताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को एक साथ लाता है। जहां शुरुआती प्रशिक्षकों में फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क, यूएसए के प्रमुख प्रगतिशील विद्वान शामिल थे, वहीं स्वंय के संकाय को बुद्धिजीवियों के एक प्रतिष्ठित समूह से तैयार किया गया था, जिन्होंने प्रभावी शिक्षण हेतु गतिशीलता की भावना का मार्ग प्रशस्त किया। अब, संस्थान प्रमुख फैशन व्यवसायियों, शिक्षा उत्साही, उद्यमियों, रचनात्मक विचारकों, शोधकर्ताओं और विश्लेषकों के एक मजबूत समुदाय का नेतृत्व करता है।

अपनी यात्रा के माध्यम से, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) ने अपनी शैक्षणिक रणनीति को मजबूत किया है। उत्साहजनक वैचारिक नेतृत्व, अनुसंधान प्रोत्साहन, उद्योग पर ध्यान केंद्रित करने, रचनात्मक उद्यम और सहकर्मी शिक्षण ने संस्थान के अकादमिक आधार को सुदृढ़ किया है।

रचनात्मक विचारकों की एक नई पीढ़ी को पोषित करते हुए, संस्थान को स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट अध्ययन में डिग्री देने का अधिकार है। विश्व स्तरीय शिक्षण प्रथाओं की विचारधारा को व्यक्त करते हुए, संस्थान ने अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक गठबंधन किया है। इस प्रकार, संस्थान ने डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में फैशन शिक्षा के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है।

कई वर्षों से, निफ्ट, हथकरघा और हस्तशिल्प के डिजाइन विकास और स्थिति निर्धारण के क्षेत्र में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के लिए एक ज्ञान सेवा प्रदाता के रूप में भी काम कर रहा है।

संस्थान का विजन चुनौतियों को स्वीकार करता है और उच्चतम शैक्षिक मानकों को स्थापित करने हेतु प्रेरित करता है। निफ्ट सदैव उत्कृष्ट बने रहने के लिए प्रयासरत रहता है।

हमारा विजन

"हम निफ्ट के अपने सभी परिसरों में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से संबंधित फैशन में उच्चतम मानकों को सीखने का एक अनुभव प्रदान करते हैं और उल्लेखनीय रूप से अपने रचनात्मक छात्रों को भारत की टेक्सटाइल और शिल्प से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तथा उन उद्योगों के संदर्भ में उभरते वैश्विक रुझानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन उद्योगों की हम सेवा करते हैं।"

हमारा मिशन

हम राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में निम्नलिखित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं :

- प्रतिभाशाली युवा पुरुषों और महिलाओं को अपनी आविष्कारक क्षमता को पोषित करने और स्वयं, उद्योग तथा समाज के लिए मूल्यवान विशिष्ट कौशल हासिल करने के लिए एक परिवर्तनीय शैक्षिक वातावरण प्रदान करना।
- भारत की विस्तारित कलात्मक विरासत के विशाल वर्णक्रम जो अभी भी दृढ़ता से समकालीन है और जिसमें विघटनकारी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं उसके लिए एक प्रेरणादायक, आधुनिक और विकसित पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- हमेशा साहचर्य की शक्ति पर बल देते हुए अपने छात्रों, संकाय सदस्यों और भूतपूर्व छात्रों में सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विविधता का महत्व बताना तथा उसे उत्सव के रुप में मनाना।
- कठोर और अत्याधुनिक अनुसंधान के प्रचार के माध्यम से कपड़ा, परिधान, खुदरा और सहायक उद्योगों के सभी पहलुओं के लिए डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में अभिनव और परियोजना आधारित शिक्षाविदों के प्रचार में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनना।
- अपने संकाय सदस्यों तथा छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों, फैशन हाउस, स्टार्ट-अप हब और अपने कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक निगमों के साथ गहन बातचीत करने के लिए सक्षम बनाना।
- पेशेवर उत्कृष्टता और व्यक्तिगत निष्ठा के मानकों को सटीक करने के लिए प्रतिबद्ध रहने वाले स्नातकों को आगे लाना।

निफ्ट के पाठ्यक्रम

निफ्ट निम्नलिखित व्यावसायिक कार्यक्रमों की पेशकश करता है:

- डिजाइन स्नातक: 4 वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम की 6 वर्ग में पेशकश की जाती है:
  - एक्सेसरी डिजाइन
  - फैशन संचार
  - फैशन डिजाइन
  - निटवेअर डिजाइन
  - लेदर डिजाइन
  - टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन प्रोद्योगिकी में स्नातक: 4 वर्षीय पूर्णकालिक परिधान उत्पादन में पाठ्यक्रम
- फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर: 2-वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम
- फैशन प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर: पूर्णकालिक 2-वर्षीय पाठ्यक्रम
- डिजाइन में स्नातकोत्तर (डिजाइन स्पेस): पूर्णकालिक 2-वर्षीय पाठ्यक्रम
- डॉक्टरल पाठ्यक्रम: निफ्ट डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएचडी प्रदान करता है।
- डिप्लोमा प्रोग्राम: डिजाइन प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2-वर्ष और 1-वर्ष के पूर्णकालिक पाठ्यक्रम।
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम: फैशन व्यवसाय के विभिन्न विशेष आला क्षेत्रों में एक वर्ष की अवधि तक के अल्पावधि अंशकालिक पाठ्यक्रम।
- स्वनिर्धारित पाठ्यक्रम: संगठनों की विशिष्ट आवश्यकता के लिए तदनुकूल पूर्णकालिक और अंशकालिक विशेष पाठ्यक्रम।
- सतत शिक्षा पाठ्यक्रम: विशेष कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जो उद्योग का सहयोग करने के साथ ही प्रवेश-स्तर तथा मध्य स्तर के भावी और कार्यरत पेशेवरों को कार्यबल के रूप में वापस लौटने में भी सहायता करते हैं।
- डुएल डिग्री पाठ्यक्रम: निफ्ट - फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क, यूएसए की रणनीतिक भागीदारी निफ्ट के कुछ चुने गए मेधावी छात्रों को निफ्ट और एफआईटी दोनों से ही डुएल डिग्री प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। निफ्ट के छात्र अपने मातृ संस्थान में 2 वर्ष का अध्ययन करते हैं तथा शेष 1 वर्ष का अध्ययन एफआईटी में किया जाता है। इसके उपरांत छात्र निफ्ट में अपना अध्ययन पुन: आरंभ करते हैं तथा दोनों ही संस्थानों से डुएल डिग्री हासिल करते हैं।

पीएचडी और अनुसंधान

पीएचडी पाठ्यक्रम: निफ्ट डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में पीएचडी प्रदान करता है जैसा कि उद्योग के टेक्सटाइल, फैशन, जीवन शैली और परिधान क्षेत्रों के व्यापक संदर्भ में लागू होता है। पाठ्यक्रम को व्यापक रूप से शिक्षण क्षेत्र तथा उद्योग के प्रयोग के लिए मौलिक ज्ञान सृजित करने हेतु वस्त्र फैशन और परिधान क्षेत्र में अनुसंधान संचालित करने के प्रयोजनार्थ तैयार किया गया है।

पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया सामान्यत: प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह के दौरान आरंभ होती है तथा जुलाई माह के दौरान परिणाम और पंजीकरण की घोषणा की जाती है। पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हता पात्रता डिग्री ऑफ डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी निर्दिष्ट की गई है।

पीएचडी पाठ्यक्रम वर्ष 2009 में आरंभ किया गया था जिसमें 7 छात्र थे तथा वर्तमान में निफ्ट में 31 छात्र पीएचडी में अध्ययन कर रहे हैं। पाठ्यक्रम की अवधि के संबंध में छात्र से 5 वर्षों में पर्यवेक्षक अध्ययन पूर्ण करने की आशा की जाती है जिसे महानिदेशक निफ्ट के विशिष्ट अनुमोदन द्वारा अधिकतम 7 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। आज तक 22 स्कालरों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

स्कालरों के पीएचडी अनुसंधान के शीर्षक निम्नलिखित हैं:-

क्र सं	छात्र का नाम	अनुसंधान का विषय
बैच -2009		
1.	भावना वर्मा	उत्तर भारत के निटवियर औद्योगिक क्लस्टर्स : परिलाभों का विश्लेषण
बैच -2011		
2.	परमिता मजूमदार	त्रिपुरा के आदिवासी परिधान और इसके परिवर्तन पर एक अध्ययन (थिसिस प्रस्तुत)
बैच-2012		
3.	प्रेरणा कौशल	भारत के घरेलू परिधान आपूर्ति श्रृंखला में स्थायी प्रथाओं का कार्यान्वयन: उद्योग और उपभोक्ता अध्ययन (पीएचडी पूर्व सामग्री प्रस्तुत)
4.	अमित कुमार अंजनी	गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में सिलाई मशीन संचालन के लिए कौशल सेट की आवश्यकता का विश्लेषण (थिसिस प्रस्तुत)
बैच-2013		

5.	अरिंदम दास	पेशेवर फैशन डिजाइन शिक्षा में आकलन प्रणाली की प्रभावशीलता
6.	जोमिचन एस पट्टाथिल	भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में परिधान कैड को अपनाना, विभिन्न हितधारकों की धारणा का आकलन
	बैच–2014	
7.	निशांत शर्मा	फैशन उद्योग में फैशन शिक्षा और फैशन पेशेवरों की मांग: पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता
8.	रिचा शर्मा	फैशन उद्योग के लिए टेक्सटाइल पर फोटो ल्यूमिनेसेंट विशेषता पिगमेंट के लुमिनेसेंस के प्रभाव पर अध्ययन
9.	शालिनी माथुर	टेक्सटाइल डाइंग और छपाई में निरंतर विकास का मूल्यांकन और : जोधपुर में एक अध्ययन
10.	मुथुकुमार	ब्रांडेड स्पोर्ट्स जूतों के डिजाइन के प्रति ग्राहक धारणा: चयनित मामले
11.	संजय शर्मा	हिमाचल प्रदेश के हथकरघा क्षेत्र का सामाजिक आर्थिक विश्लेषण और एक नैदानिक अध्ययन
	बैच–2015	
12.	आर. एस. जयदीप	पारंपरिक पय्यानूर बेल मेटल क्राफ्ट की दृश्य पहचान और उत्पाद विकास के लिए इसका अनुप्रयोग
13.	अनुपम कपूर	भारतीय उपभोक्ता के कपड़ों की खपत और निपटान के तरीके
	बैच–2016	
14.	एकता गुप्ता	गुजरात के कच्छ जिले की मोती भरत सुई शिल्प पर अध्ययन
15.	नीतू सिंह	अधोवस्त्र में ब्रांड अनुभव को प्रभावित करने वाले कारक: महाराष्ट्र के अधोवस्त्र बाजार (मुंबई, नागपुर, पुणे, कोल्हापुर) पर एक अध्ययन
16.	शीना गुप्ता	उत्तर भारत में उभरते लक्जरी बाजारों में अभिनव रुझानों की भूमिका
17.	सविता राणा	भारतीय रंग संवेदनशीलता
	बैच–2017	
18.	आस्था गर्ग	परिधान खरीद निर्णय पर सीओओ (कंट्री ऑफ ऑरिजन ऑफ ब्रैंड) और सीओएम (कंट्री ऑफ मेनुफैक्चर) का प्रभाव
19.	भारती मोइत्रा	भारत में परिधान उद्योग में उचित व्यापार और नैतिक प्रथाओं का एक अध्ययन
20.	सुस्मिता दास	1847 से 1947 तक ब्रिटिश राज के दौरान बंगाल में महिलाओं की वस्त्र और पहचान
21.	सुरंजन लाहिरी	परिधान विनिर्माण क्षेत्र के मानव संसाधन के लिए डिजिटल साक्षरता का एक अध्ययन
	बैच–2018	
22.	मोहन कुमार वी.के.	भारत में कंप्यूटरीकृत अभिन्न बुनाई का अध्ययन: डिजाइन और प्रौद्योगिकी में अन्वेषण
23.	अभिलाषा सिंह	परिधान निर्माण उद्योग के लिए एफडीएम / मटेरियल एक्सट्रूजन तकनीक का उपयोग कर स्पेयर पार्ट्स और अटैचमेंट का विकास
24.	रोमी अग्रवाल	वैश्विक व्यापार समझौतों के समय में एक नीतिगत ढांचा विकसित करना, जो वर्तमान स्थिति को बनाए रखने और भारत के वस्त्र और कपड़ा उद्योग के विकास को गति देने में मदद करेगा।
25.	शिप्रा रॉय	मैसूर रोजवुड इनले कारीगरों के बीच शिल्प कार्य
26.	रितु सेठी	मध्यप्रदेश में दो ब्लॉक प्रिंटिंग क्लस्टर पर शिल्प विरासत और स्थिरता–अनुसंधान
27.	शुभांगी यादव	भारत के हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल मार्केटिंग पर अध्ययन
28.	महिमा नंद	स्थिरता संचालित उद्यमशीलता: एक खोजपूर्ण दृष्टिकोण
29.	शांतनु रमन	नकली फैशन खरीदने के इरादे के निर्धारक

30.	नीरज कपूर	'फैशन क्लोथिंग' पर एक मनोवैज्ञानिक कारक के रूप में 'व्यक्तिगत मूल्यों' (मूल्यों की सूची) पर एसईएम के अनुभवजन्य अध्ययन के माध्यम से व्यवहार की खरीद के प्रभाव का अध्ययन करना: शहरी सहस्राब्दी पर एक अध्ययन
31.	दिव्य सूर्यवंशी	चयनित भारतीय राज्यों के विशेष संदर्भ के साथ परिधान उत्पादन उद्योगों की पूर्ति के लिए भारतीय कच्चे माल के बाजारों पर एक संक्षिप्त अध्ययन

निफ्ट ने वर्ष 2018 में आयोजित दीक्षांत समारोह में निम्नलिखित स्कॉलरों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की:

क्रम सं	पीएचडी स्कॉलर का नाम	पर्यवेक्षक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक
1	डॉ. जसपाल सिंह कालरा	प्रो. डॉ. वंदना भंडारी	चिकनकारी कारीगरों की डिजाइन शिक्षा: सामाजिक नवाचार के लिए एक उपकरण
2	डॉ. हेमलता जैन	प्रो. डॉ. एम. वसंता	उत्तर कर्नाटक के पट्टेडा अंचु साड़ी और शिल्प के संरक्षण और पुनरुद्धार पर अध्ययन
3	डॉ. अंकुर सक्सेना	डॉ. अजीत खरे	दिल्ली / एनसीआर परिधान उद्योग में ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग की संभावनाएं
4.	डॉ. विकास कुमार	प्रो. डॉ. बनया भूषण जेना	स्पोर्ट्स वियर ब्रांडों को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया की भूमिका
5.	डॉ. कौस्तुव सेनगुप्ता	प्रो. डॉ. अनीता मनोहर	मेट्रो शहरों में भारतीय युवाओं के मूल्यों और जीवन शैली (वैल) पर एक एकीकृत विश्लेषण और उनके कपड़ों के रंग वरीयता, रंग-भावना और रंग-छवि एसोसिएशन पर इसका असर
6	डॉ. रम्पा रेश्मी मुंशी	प्रो. डॉ. अनीता मनोहर	चन्नापटना के टर्न-वुड लैक वेयर क्लस्टर में उत्पाद विविधीकरण में कारीगर की सहायता के लिए खराद मशीन का विकास
7	डॉ. युवराज गर्ग	प्रो. डॉ. बनया भूषण जेना	पर्यावरण अनुकूल कपड़ों की मैपिंग जागरूकता, उपलब्धता और स्वीकार्यता

पेटेंट

निफ्ट फैकल्टी और छात्रों ने निम्नलिखित पेटेंट के लिए आवेदन किया है:-

- डॉ. प्रबीर जना और डॉ. दीपक पंघाल द्वारा कंप्यूटरीकृत सिलाई कौशल मूल्यांकन प्रणाली का संयुक्त रूप से आविष्कार किया गया।
- एडवांस सुई गार्ड, इन्वेंटर्स- श्री सरफराज अहमद और डॉ. दीपक पंघाल
- एसएनएलएस सिलाई मशीन के लिए पेडल-लेस अटैचमेंट; श्री अभिषेक गंगोपाध्याय, श्री अंकुर मखीजा, निफ्ट गांधीनगर द्वारा आविष्कार और स्व-वित्त पोषित।
- सिलाई सुई वेंडिंग मशीन (एनवीएम); सुश्री अक्षिता मिश्रा, श्री अंकुर मखीजा, निफ्ट गांधीनगर द्वारा आविष्कार किया गया।
- औद्योगिक सिलाई मशीन (एडीसीटीओसी) के लिए स्वचालित डिटेचेबल साइकिल टाइम और आउटपुट कैलकुलेटर; सुश्री मीनाक्षी गुप्ता, श्री अंकुर मखीजा, निफ्ट गांधीनगर द्वारा आविष्कार; मैसर्स शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद द्वारा समर्थित और प्रायोजित।
- एसएनएलएस मशीन (ओएमबीएनसीए) के लिए ऑन-मशीन ब्रोकन नीडल कलेक्टिंग अटैचमेंट; सुश्री नीतिका यादव, सुश्री इशिता उप्रेती, श्री अंकुर मखीजा, निफ्ट गांधीनगर द्वारा आविष्कार और स्व-प्रायोजित; मैसर्स शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद द्वारा समर्थित।

निफ्ट पीएचडी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

निफ्ट नई दिल्ली और निफ्ट बेंगलुरु में आयोजित दो-दिवसीय पाठ्यक्रम में निफ्ट के 60 पीएच.डी. पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ ली. मैकगोवन द्वारा संचालित किया गया था। यह प्रशिक्षण पीएचडी पर्यवेक्षण में अच्छी प्रथाओं, पर्यवेक्षण के प्रकार, छात्रों के साथ कार्य करना, अनुसंधान के साथ कार्य करना, पीएचडी प्रक्रिया के प्रबंधन, संघर्ष प्रबंधन और अनुसंधान नैतिकता पर केंद्रित रहा।

निफ्ट शोध आचार समिति

निफ्ट शोध आचार समिति की स्थापना मार्च, 2019 में की गई थी। यह एक स्वतंत्र समीक्षा समिति / बोर्ड है, जिसका गठन चिकित्सा और गैर-चिकित्सा सदस्यों के लिए किया जाता है, जिसकी जिम्मेदारी शोध अध्ययन के मानव विषयों से जुड़े अधिकारों, सुरक्षा और भलाई के संरक्षण को सुनिश्चित करना है।

एनआरईसी का उद्देश्य अध्ययन प्रस्तावों के वैज्ञानिक और नैतिक पहलुओं की एक सक्षम समीक्षा सुनिश्चित करना है।

सतत शिक्षा पाठ्यक्रम

वस्त्र क्षेत्र में तीव्र विकास गति के साथ उद्योग में भावी और कार्यरत पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। निफ्ट में सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सीईपी) की स्थापना उद्योग की जनशक्ति प्रशिक्षण और ज्ञान-उन्नयन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई है।

सीईपी के माध्यम से पेश किए गए पाठ्यक्रम पेशेवरों और भावी कार्मिकों की सतत शैक्षिक जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हम इस तथ्य पर गर्व करते हैं कि यह देश के परिधान क्षेत्र के लिए पसंदीदा सतत शिक्षा केंद्रों में से एक है।

निफ्ट द्वारा पेश किया गया सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सीईपी) परिधान उद्योग के डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से संबंधित ज्ञान के प्रशिक्षण और प्रसार को बढ़ावा देना जारी रखता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान, नौ निफ्ट परिसरों में 49 सतत शिक्षा पाठ्यक्रम पेश किए गए, जिनसे 10,26,52,333 रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो कि पिछले वर्ष के राजस्व 9,75,62,980 रुपये की तुलना में 5.22% अधिक है।

वर्ष 2019-2020 के दौरान 12 निफ्ट परिसरों में 78 पाठ्यक्रमों की पेशकश करने का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें कुल राजस्व 12,22,86,500 रुपये (लगभग) प्राप्त होने का अनुमान है, यह वर्ष 2018-19 के दौरान पेश सतत शिक्षा कार्यक्रमों से सृजित राजस्व में 19% की अनुमानित वृद्धि है।

सतत शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के अलावा, निफ्ट ने शैक्षणिक वर्ष 2014 से डिप्लोमा कार्यक्रमों की पेशकश शुरू की है, जिनका उद्देश्य बुनियादी ढांचे और अन्य संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए परिसरों को वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाना है।

डिप्लोमा कार्यक्रमों का उद्देश्य राज्य के स्थानीय छात्रों के लिए नए निफ्ट परिसरों में स्थित मूल्य वर्धित कार्यक्रमों की पेशकश करना है। वर्ष 2018-19 के दौरान, कुल 1,54,01,200 रुपये के कुल राजस्व में दो निफ्ट परिसरों में चार डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। वर्तमान में, वर्ष 2019-20 के दौरान तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम दो निफ्ट परिसरों में पेश किए जाने का प्रस्ताव है।

परियोजनाएं - परामर्श परियोजनाएं

निफ्ट विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के साथ परामर्श परियोजनाएं चलाती है। परियोजनाएं संकाय और छात्रों को अनुभवात्मक अधिगम से रूबरू कराती हैं। यह तकनीकी कौशल को उन्नत करके और डिजाइन मूल्य वर्धन द्वारा विभिन्न हितधारकों को लाभ पहुंचाती है। निफ्ट द्वारा की गई कुछ प्रमुख परामर्श परियोजनाएं, जिनका मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक है, का विवरण नीचे दिया गया है:

• मध्यप्रदेश में राज्य कौशल विकास मिशन द्वारा मध्यप्रदेश में वस्त्र क्षेत्र में युवाओं (10000 व्यक्तियों) को कौशल विकास के लिए मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना / मुख्यमंत्री कौशल योजना के अंतर्गत कौशल विकास परियोजना स्वीकृत की गई है। परियोजना का मूल्य 12.72 करोड़ रुपए है।

• निफ्ट, ज्ञान पार्टनर के रूप में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की पारंपरिक कला / शिल्प कौशल उन्नयन और प्रशिक्षण विकास (यूएसटीटीएडी) योजना के प्रचार के लिए ई-मार्केटिंग पोर्टल्स और ब्रांड निर्माण के साथ संपर्क करके मीडिया के माध्यम से डिजाइन संपोषण, उत्पाद श्रेणी विकास, पैकेजिंग / प्रदर्शनियों, फैशन शो पर कार्य कर रहा है। परियोजना का मूल्य 12.79 करोड़ रुपए है।

• हथकरघा और वस्त्र विभाग, केरल सरकार के लिए मूल्य वर्धन हथकरघा उत्पाद योजना की ब्रांडिंग को लागू करने में निफ्ट एक ज्ञान भागीदार है। कुल परियोजना मूल्य 3.7 करोड़ रुपये है। निफ्ट को परियोजना के लिए पेशेवर शुल्क के रूप में परियोजना लागत का 12% अधिकतम मिलेगा।

• ग्वालियर में परिधान विनिर्माण में एक ऊष्मायन केंद्र (इन्क्यूबेशन सेन्टर) की स्थापना के लिए उद्योग विभाग, मध्यप्रदेश सरकार और औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (आईआईडीसी), ग्वालियर ने कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार की योजना "परिधान विनिर्माण में एक ऊष्मायन केंद्र स्थापित करने के लिए पायलट चरण" के तहत निफ्ट एक ज्ञान भागीदार के रूप में है। कुल परियोजना लागत 12 करोड़ रुपये है। जिसमें निफ्ट को परियोजना के लिए 14.24 लाख रुपए प्राप्त होंगे।

• एकीकृत उत्पाद मैपिंग डिजाइन संपोषण, उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (केएसके और वीआईबी) ब्रांड को मजबूत करना और कर्नाटक राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, कर्नाटक सरकार के लिए विकास, प्रशिक्षण और विपणन गतिविधियां का संयोजन करना। परियोजना की लागत 3.50 करोड़ रुपए है।

• विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर योजना के तहत के जोधपुर मेगा क्लस्टर के लिए एक उत्पाद डिजाइन विकास और नवाचार केन्द्र स्थापित करना। परियोजना की लागत 4.47 करोड़ रुपए है।

• मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईटीटी) योजना के तहत 09 एमओओसी पाठ्यक्रमों हेतु फैशन डिजाइन और प्रौद्योगिकी विषयों के लिए ई-सामग्री-चरण II का विकास करना। परियोजना का मूल्य 1.16 करोड़ रुपए है।

• कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के व्यापक हथकरघा क्लस्टर विकास योजना के तहत 'भागलपुर मेगा हथकरघा क्लस्टर' के एकीकृत और समग्र विकास के लिए क्लस्टर प्रबंधन और तकनीकी एजेंसी के रूप में आधारभूत सर्वेक्षण, नैदानिक अध्ययन, डीपीआर की तैयारी, परियोजना की प्रगति की निगरानी और कार्यान्वयन के लिए निफ्ट को कार्य सौंपा गया है। परियोजना का मूल्य 62.57 लाख रुपए है।

• खादी बोर्ड, बिहार सरकार की बिहार खादी परियोजना के लिए व्यापक डिजाइन संपोषण, स्थिति निर्धारण और ब्रांडिंग, रंगाई और छपाई का विकास, डिजाइन विकास, क्षमता निर्माण, मूल्य वर्धित खादी परिधान का उत्पादन और बिहार खादी ब्रांड का निफ्ट के माध्यम से प्रसार करना। परियोजना की लागत 80 लाख रुपये है।

• टेक्सटाइल इंडिया 2017 के दौरान खादी क्षेत्र पर निफ्ट और केवीआईसी के बीच राष्ट्रीय स्तर पर अभिसरण के लिए केवीआईसी के साथ, हेरिटेज फैब्रिक खादी को 'खादी फैशन' के रूप में विकसित करने के लिए उत्पादन स्तर और बिक्री बिंदु पर डिजाइन इनपुट शुरू करने के माध्यम से बाजार को आधुनिक बनाने के लिए डिजाइनर वियर और बाजार प्रचलित रेडीमेड वस्त्र, डिजाइन विकास और खादी संस्थानों के साथ प्रशिक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ-साथ मानकीकरण लाने में सक्षम बनाने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

• इथियोपियाई वस्त्र उद्योग विकास संस्थान (ईटीआईडीआई), इथियोपिया मानव संसाधन और इथियोपियाई वस्त्र उद्योग की क्षमता निर्माण और बेंचमार्किंग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना के तहत ईटीआईडीआई कर्मियों / विशेषज्ञों को गारमेंट विनिर्माण और मर्चेंडाइजिंग क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप तथा उच्च शिक्षा और एमडीपी कार्यक्रमों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन। परियोजना का मूल्य लगभग रु 21 करोड़ है।

• प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम के लिए 21-23 जनवरी, 2019 के दौरान व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में मुख्य द्वार तैयार करना और स्थापित करना । परियोजना का मूल्य 86.50 लाख रुपए है।

इंडिया साइज प्रोजेक्ट

भारतीय लोगों के लिए एक व्यापक शरीर आकार चार्ट विकसित करने के लिए निफ्ट एक व्यापक मानव विज्ञान अनुसंधान अध्ययन कर रहा है। प्रस्तावित अध्ययन का लक्ष्य भारतीय परिधान क्षेत्र के लिए वस्त्र परिधान चार्ट को न केवल मानकीकृत करना है बल्कि इस अध्ययन के निष्कर्ष विभिन्न क्षेत्रों जैसे मोटर वाहन, एयरोस्पेस, फिटनेस और खेल, कला, गेमिंग इत्यादि में व्यापक असर होगा जहां इस डेटा की अंतर्दृष्टि से परिस्थिति विज्ञान के अनुसार डिजाइन उत्पादों का उत्पादन कर सकते हैं जो भारतीय आबादी के लिए उपयुक्त हों।

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित परियोजना में भारत के छह क्षेत्रों अर्थात कोलकाता (पूर्व), मुंबई (पश्चिम), नई दिल्ली (उत्तर), हैदराबाद (मध्य), चेन्नई (दक्षिण), और शिलांग (पूर्वोत्तर) में स्थित छह अलग-अलग शहरों में 3 डी होल बॉडी स्कैनर के उपयोग द्वारा 25000 (पच्चीस हजार) पुरुष और महिलाओं के शारीरिक माप की आवश्यकता होगी।

मई 2017 में शुरू हुई अपनी तरह की यह परियोजना वर्ष 2021 तक पूरी होने की संभावना है। यह भारत को कुछ ऐसे अन्य देशों के साथ वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा, जिन्होंने ये सर्वेक्षण किए हैं। भारतीय परिधान के लिए मानकीकृत आकार चार्ट, जो इस अध्ययन के नतीजन प्राप्त होगा, न केवल उपभोक्ताओं को बेहतर फिट वस्त्र प्रदान करने के लिए अहम होगा बल्कि वापसी / बिक्री हानि में कमी, ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि के माध्यम से उद्योग को भी काफी बढ़ावा मिलेगा और भारतीय परिधान और निर्यात की ओर अधिक ध्यान आकर्षित करेगा।

विजननेक्स्ट - प्रवृत्ति और पूर्वानुमान की पहल

ट्रेंड इनोवेशन लैब 'विजननेक्स्ट' पहल एक स्वदेशी फैशन पूर्वानुमान सेवा प्रदान करेगी, जो हमारे देश के लिए मौसमी दिशा-निर्देश तैयार करने का प्रयास करती है। प्रवृत्ति पूर्वानुमान सेवा को हमारे राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय निर्माण और बाजार की आवश्यकताओं से जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित सेवा इस आधार पर आधारित है कि फैशन एक गतिशील उद्योग है, जो मौसमी रुझानों और भविष्य की दिशा का अनुमान लगाने के लिए पूर्वानुमान पर निर्भर करता है। आज तक, कोई भी फैशन-पूर्वानुमान एजेंसी अपने जटिल भू-जनसांख्यिकीय और बहुलवादी सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण-प्रणाली के कारण, भारत के लिए विशिष्ट प्रमुख दिशा निर्देश और पूर्वानुमान प्रदान करने में सक्षम नहीं हो पाई है। यह शोध प्रस्ताव इसी शून्य को समाप्त करने के लिए बनाया गया है। परियोजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. भारत के लिए स्वदेशी फैशन ट्रेंड और पूर्वानुमान प्रक्रिया के विकास की पहल: एकीकृत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ पहली बार स्वदेशी फैशन पूर्वानुमान प्रक्रिया के विकास की शुरुआत करना।

2. भारत के लिए फैशन ट्रेंड अंतर्दृष्टि रिपोर्ट विकसित करना: फैशन ट्रेंड अंतर्दृष्टि रिपोर्ट जो भारतीय फैशन और परिधान उद्योग के लिए देश से क्षेत्रीय प्रभाव को हटाने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करते हुए, शैली और रंग दिशा में सूक्ष्म और स्थूल रुझानों का पता लगाएगी।

3. अंतर्दृष्टि का प्रसार करने के लिए उद्योग की क्षमता निर्माण: 'विजननेक्स्ट' भारतीय फैशन ट्रेंड विश्लेषण और इनसाइट्स विषय पर फैशन उद्योग के पेशेवरों को जागरूकता प्रदान करने के लिए

गोलमेज सम्मेलन का आयोजन करेगा जो उपभोक्ता केंद्रित उत्पाद और व्यवसाय विकास को प्रभावित करेगा।

विश्लेषण बहु-स्तरीय और बहु-आयामी होगा, जिसमें बहु-विषयक टीमें शामिल होंगी। इसके अलावा, गुणात्मक तकनीकों को नियोजित करने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोगात्मक जुड़ाव सूचना को सामूहिक स्वर और कैस्केड में संकलित करने में सक्षम करेगा। अंततः प्रत्येक चरण में परिणामों के संयोग से प्रवृत्ति के नक्शे और चाल की पहचान के लिए एक मौसम के लिए मनोदशा और दिशा निर्धारित होगी।

उम्मीद है कि अनुसंधान भारत के विशिष्ट रुझानों के पूर्वानुमान के लिए एक कठोर वैध प्रक्रिया प्रदान करेगा। यह परियोजना निफ्ट चेन्नई और दिल्ली में इनसाइट्स और पूर्वानुमान करने के मुख्य केंद्रों के रूप में नियोजित की जाएगी।

भारतीय वस्त्र और क्राफ्ट रिपोजिटरी

निफ्ट के क्राफ्ट क्लस्टर पहल को विकास आयुक्त, हैंडलूम और विकास आयुक्त, हस्तशिल्प, कपड़ा मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त है। क्राफ्ट क्लस्टर पहल के माध्यम से सृजित वस्त्र और शिल्प ज्ञान को भारतीय वस्त्र और क्राफ्ट रिपॉजिटरी नामक राष्ट्रीय ज्ञान पोर्टल में प्रसारित किया जाएगा। यह भी प्रस्तावित है कि इस रिपॉजिटरी में वस्त्र और शिल्प संसाधनों के आभासी रजिस्टर स्थापित किए जाएं, जो बुनकर सेवा केंद्र, शिल्प संग्रहालय, ऐसे ही अन्य संस्थानों और निजी संग्रह में उपलब्ध हों । रिपॉजिटरी कपड़ा और वस्त्र शिल्प के एक आभासी संग्रहालय, एक डिजाइनर संग्रह, स्वदेशी मामलों के अध्ययन को विकसित करेगा, और संबंधित अनुसंधान पर ऑनलाइन जानकारी के एग्रीगेटर के रूप में भी कार्य करेगा।

रिपॉजिटरी का उद्देश्य एक संवादात्मक मंच प्रदान करना है जहां व्यक्तिगत शिल्प व्यक्तियों और उनके उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की जा सकती है। वस्त्र और क्राफ्ट रिपोजिटरी (टीसीआर) में विभिन्न उप-रिपॉजिटरी शामिल होंगी और यह शोधकर्ताओं, उद्यमियों, शिल्पियों और शिल्प के प्रति उत्साही लोगों को कई सूचना सेवाओं के साथ-साथ सीखने और रचनात्मक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करेगी। टेक्सटाइल और क्राफ्ट रिपॉजिटरी को पूरा होने पर नेशनल सेंटर ऑफ टेक्सटाइल डिजाइन के पोर्टल के साथ गठबंधन / विलय कर दिया जाएगा (जो कि इस तरह की जानकारी तक सार्वजनिक पहुंच प्रदान करने वाले पोर्टल को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है)।

निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर

युवा उद्यमियों, कारीगरों, स्टार्ट-अप्स, निफ्ट के पूर्व छात्रों और छात्रों के समर्थन के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाकर फैशन के मुख्य क्षेत्रों में व्यवसायों को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। इससे यह निर्णय लिया गया है कि संभावित उद्यमियों के लिए नए डिजाइन विचारों को व्यवहार्य उद्यमों में बदलने और बुनियादी ढाँचे और निर्दिष्ट सेवाओं तक पहुँच प्राप्त करने के लिए एक डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर (निफ्ट और वस्त्र उद्योग की आवश्यकता के लिए विशिष्ट डोमेन में) स्थापित किया जाना है। डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर (डीआईआई) व्यवसाय विकास के लिए प्रासंगिक सहयोग की सुविधा भी प्रदान करेगा। लक्षित लाभार्थियों में निफ्ट के पूर्व छात्र और वर्तमान छात्र शामिल हैं जो उद्यम शुरू करना चाहते हैं और साथ ही ऐसे अभ्यर्थी जो निफ्ट का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन निफ्ट इन्क्यूबेटर का सहयोग लेना चाहते हैं। उद्योग जगत के लोग, मौजूदा स्टार्ट-अप, डिजाइनर, उद्यमी और कारीगर जो अपने व्यावसायिक विचारों को विकसित करने या उन्हें उन्नयन करने के लिए डीआईआई की सेवाओं और सुविधाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, तो वे भी ऐसा कर सकते हैं।

निम्नलिखित क्षेत्रों में निफ्ट के मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई परिसरों में इन्क्यूबेशन सुविधाएं (क्षेत्रीय इन्क्यूबेटर्स) स्थापित करने का निर्णय लिया गया है:

1. परिधान, घर और स्थानों के लिए टेक्सटाइल
2. पहनने योग्य स्मार्ट प्रणाली
3. फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी
4. परिधान जिसमें एथलेजर और एक्टिववियर शामिल हैं

चिन्हित किए गए डोमेन निफ्ट के विशेषज्ञता के क्षेत्र के लिए अद्वितीय हैं और अन्य सरकार समर्थित इनक्यूबेटरों द्वारा प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं। तीन स्थानों को उद्योग, सलाहकारों, मार्गदर्शक और अनुभवी निफ्ट फैकल्टी की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है।

निफ्ट डीआईआई को स्थापित करने के लिए कंपनी अधिनियम के तहत एक धारा 8 कंपनी (सेंटर ऑफ फैशन इनोवेशन) पंजीकृत की जानी है, जो चेन्नई, मुंबई और नई दिल्ली में तीन क्षेत्रीय इनक्यूबेटरों को संचालित करेगी।

निफ्ट के संकाय / कर्मियों की सेवाएं परियोजना की अवधि के लिए कोर टीम के रूप में परियोजना के लिए उपलब्ध रहेंगी। इनक्यूबेटरों के उपयोग के लिए संबंधित निफ्ट परिसर में प्रयोगशाला सुविधाएं निर्धारित समय पर उपलब्ध होंगी। परिसरों में, निफ्ट के छात्र सह-पाठयक्रम और पाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से परियोजना में योगदान दे रहे हैं - जैसे फोटोशूट, बाजार अनुसंधान, आदि।

उल्लेखनीय घटनाक्रम और उपलब्धियां

पुनर्गठित पाठ्यक्रम का सफल कार्यान्वयन

निफ्ट में पुनर्गठित पाठ्यक्रम ने जुलाई 2018 में इसके कार्यान्वयन के बाद से शैक्षणिक सत्र 2018-19 से सभी अकादमिक पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित किया है और गतिशीलता प्रदान की है। पाठ्यक्रम को संशोधित करने और पुन: प्रस्तुत करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अभ्यास के विकल्प और उनकी पूर्ण क्षमता के विकास के लिए सक्षम मार्ग प्रदान करना था। पाठ्यक्रम में छात्रों को शानदार अनुभव प्रदान करने और आजीवन सीखने की क्षमता विकसित करने की परिकल्पना की गई है। उद्योग की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और छात्रों के लिए वांछनीय कौशल के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए नए और उभरते विषयक क्षेत्रों को पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है।

इसे मेजर विषय के साथ एक मजबूत नींव बनाने और विषय के सम्पूर्ण विशिष्टीकरण के साथ विषय का गहराई से अध्ययन द्वारा प्राप्त किया जाता है। अंत:विषयक माइनर छात्रों को अपनी विशेषज्ञता को मजबूत करने और / या उन्हें एक आकांक्षी स्ट्रीम लेने का अवसर प्रदान करते हैं। दूसरी ओर आम ऐच्छिक पाठ्यक्रम जिसकी एक समग्र और आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व के विकास की ओर ले जाने वाले पाठ्यक्रम के रूप में कल्पना की गई थी। पुनर्गठित पाठ्यक्रम छात्रों के आत्म-अध्ययन, सहकर्मी बातचीत, पुस्तकालय अनुसंधान, क्षेत्र अन्वेषण आदि के माध्यम से लचीलेपन और रचनात्मक कौशलों को बेहतर बनाता है।

अतिथि शिक्षक और जूरी सदस्यों के रूप में किसी भी बाहरी विशेषज्ञ को नियुक्त करने से पहले पेशेवर योग्यता और विषय वस्तु को गहराई से मापा जाता है। नए पाठ्यक्रम में विशेष प्रयोगशालाओं और बुनियादी ढांचे के उपयोग की भी आवश्यकता है जो सभी निफ्ट परिसरों में उपलब्ध कराए जाएंगे। इस क्षेत्र में पिछले शैक्षणिक वर्ष में अविश्वसनीय अधिगम देखने को मिला है। सुसंगत प्रतिक्रिया और निगरानी तंत्र पाठ्यक्रम को और अधिक मजबूत तरीके से परिवर्तन करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है ताकि निफ्ट में नए पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।

मानव संसाधन नीति के कार्यान्वयन के माध्यम से मानव संसाधन का निर्माण

- नियमितीकरण, प्रोन्नति
- आरक्षित श्रेणी के लिए विशेष भर्ती अभियान
- पदों का उन्नयन
- कैडर का निर्माण
- संकाय और निदेशकों के लिए भर्ती नियमों में संशोधन
- कैंपस निदेशकों की भर्ती
- प्रभाव:
  - प्रोत्साहित, प्रेरित और उन्नत शिक्षक
  - एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित नए शिक्षकों की भर्ती के लिए एक प्रमुख अभियान
  - शिक्षक पदों में रिक्तता को कम करना

सिस्टम पहल और डिजिटलीकरण

- सभी 16 परिसरों में सुरक्षित आईटी प्रणालियों के माध्यम से पेपरलेस डिजिटल लेनदेन और संचार
- सभी कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं को 100% डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान

- जेम पोर्टल के माध्यम से सभी वस्तुओं की खरीद
- सीएमएस के माध्यम से ऑनलाइन गतिविधि बढ़ाने के लिए प्लेसमेंट 2018 के लिए ई-ब्रोशर
- निफ्ट-उद्योग डेटाबेस और निफ्ट-फैकल्टी एलुमनी डेटाबेस की शुरूआत और समेकन
- मूल्यांकन और परीक्षा नीतियां
- सभी परिसरों में सार्वजनिक निधि प्रबंधन प्रणाली

निफ्ट ई-ऑफिस का कार्यान्वयन

निफ्ट ने भारत सरकार के डिजिटल इंडिया पहल के शासनादेश के अनुपालन में कार्यालय प्रबंधन के लिए एक एकीकृत ई-ऑफिस समाधान सफलतापूर्वक लागू किया है। ई-ऑफिस प्रबंधन समाधान दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने और कागज रहित कार्य वातावरण में त्वरित निर्णय लेने की सुविधा के लिए बनाया गया है। निफ्ट में लागू ई-ऑफिस समाधान में डिजिटल दस्तावेज फाइलिंग सिस्टम (डीडीएफएस) और एचआर ऐप प्रबंधन समाधान शामिल हैं।

डिजिटल डॉक्यूमेंट फाइलिंग सिस्टम चरण-1

डीडीएफएस एक ऑनलाइन फाइल / इनवर्ड प्रोसेसिंग सिस्टम है, जो निफ्ट में हेड ऑफिस और इसके 16 परिसरों में लागू किया गया है।

मानव संसाधन अनुप्रयोग चरण-2

इलेक्ट्रॉनिक वातावरण में मानव संसाधन प्रबंधन के लिए 13 निफ्ट परिसरों में मानव संसाधन (एचआर) एप्स समाधान 2018 में लागू किया गया है। ई-ऑफिस एप्लिकेशन में मानव संसाधन प्रबंधन से संबंधित कई मॉड्यूल शामिल हैं जैसे कि छुट्टी का रिकॉर्ड, कार्यालयीन दौरे, एलटीसी, प्रतिपूर्ति, पेरोल आदि।

ब्रांडिंग और संचार रणनीतियाँ

निफ्ट नवीनतम तकनीकी नवाचारों और विशेष रूप से आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) के विकास और 'जेड' पीढ़ी के बीच मोबाइल प्रौद्योगिकी के प्रसार के साथ अपने नेतृत्व को बनाए रखने के लिए प्रयास किया है। एक प्रगतिशील संस्थान के रूप में हमने अपने सबसे बड़े हितधारकों, छात्रों सहित सभी हितधारकों के जीवन में स्मार्टफोन के महत्व को पहचान लिया है। सभी हितधारकों को सुसंगत, लक्षित तरीके से प्रासंगिक, लक्षित सामग्री तक पहुंचने की आवश्यकता का संज्ञान लेते हुए और यह सुनिश्चित करते हुए कि संदेश साइबर स्पेस में अत्यधिक जानकारी में कहीं खो न जाए, निफ्ट ने नए युग के संचार चैनलों का लाभ उठाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए अपनी संचार रणनीति को पुन: तैयार किया है।

निफ्ट के सभी हितधारकों की संचार आवश्यकताओं और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, निम्नलिखित पहलों के साथ एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया गया:

क) सोशल मीडिया प्रसार: निफ्ट पिछले कुछ वर्षों में प्रवेश के लिए सीमित तरीके से डिजिटल माध्यम का उपयोग कर रहा है। हालाँकि, यह काफी हद तक एक तरफा संचार तक ही सीमित था और जनरेशन जेड बच्चों के साथ जुड़ने की अधिक सार्थक तरीके से आवश्यकता महसूस की जा रही थी (जनरेशन जेड के बच्चे अत्याधुनिक मीडिया और कंप्यूटर वातावरण में बड़े हो रहे हैं और अपने जनरेशन वाई अग्रजों की तुलना में अधिक इंटरनेट प्रेमी और विशेषज्ञ हैं।) । इन हितधारकों के साथ संवाद करने के लिए छात्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़ने की पहल शुरू की गई थी। हिंदी में सामग्री पोस्ट करने के माध्यम से भी संचार किया गया था। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन, यूट्यूब चौनल जैसे कई प्लेटफार्मों का उपयोग किया गया था और पहुंच स्पष्ट दिखाई दे रही थी (फेसबुक पेज 1 लाख से अधिक लाइक, इंस्टाग्राम 15 हजार फालोवर हैं)।

ख) निफ्ट शैक्षणिक वेबसाइट का नियमित अद्यतन: विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक इंटरैक्टिव और समावेशी मंच बनाने के लिए निफ्ट वेबसाइट को नया रूप दिया गया। वेबसाइट के कुछ प्रमुख तत्वों में निफ्ट एडवांटेज, एलुमनी बाइट्स, स्टूडेंट्स स्पीक, क्राफ्ट पहल विवरण, निफ्ट द्वारा की गई आइकॉनिक परियोजनाएं, ग्लोबल कनेक्ट, इंडस्ट्री लिंकेज, करियर एवेन्यू, इवेंट्स एंड अनाउंसमेंट्स, कैंपस लाइफ, स्टूडेंट प्रोजेक्ट्स और अन्य गतिविधियां शामिल हैं। कैंपस माइक्रोसाइट्स के साथ निफ्ट वेबसाइट नियमित रूप से अपडेट की जाती है और इसकी खूब सराहना की जा रही है और यह पहले ही 96 लाख हिट प्राप्त कर चुकी है।

ग) प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से ब्रांड की पहचान: ब्रांड पोजिशनिंग के विचार के अनुरूप, प्रॉस्पेक्टस को न केवल नए पाठ्यक्रम को उजागर करने के लिए तैयार गया था, बल्कि एक सुसंगत दृश्य डिजाइन स्पेस में निफ्ट को भी सम्मिलित किया गया था, जिसमें समय के अनुरूप जानकारी और ग्राफिक्स जैसी कई विशेषताओं और रचनात्मक विषय के साथ निफ्ट की छवि को मजबूत करने के लिए उपयोग किया जाता है।

घ) सस्टेनेबिलिटी फोकस: सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्थान होने के नाते, नागरिकों की भावी पीढ़ियों को आकार देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, निफ्ट ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग को शामिल करने का बीड़ा उठाया है, निम्नलिखित श्रेणियों के तहत शुरू की गई स्थिरता पर रिपोर्टिंग को प्रारंभिक बिंदु के रूप में शामिल किया गया है:

- परिसर में पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता
- अनुसंधान और परियोजनाओं में स्थिरता के पहलू
- सामाजिक भागीदारी लिए छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी

सामाजिक पहल (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति)

क. सार्थक: पूर्ण शुल्क छूट के साथ, छात्रों के व्यापक वर्ग के लिए वित्तीय सहायता योजना

- अनाथ छात्रों के लिए पूर्ण ट्यूशन शुल्क में छूट
- बीमारी संबंधी समस्या होने पर छात्रों को एक सेमेस्टर के लिए ट्यूशन शुल्क में छूट
- वास्तविक और मानवीय आधार पर डिग्री पूरी करने के लिए 6 साल से अधिक के कार्यकाल विस्तार की मंजूरी प्रदान करना।
- उड़ान: विदेशी एक्सपोजर के लिए मीन्स कम मेरिट स्कीम

निफ्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों को विदेशी संस्थानों में अध्ययन करने के लिए अवसर देने की अनूठी पहल की है, जिनके साथ निफ्ट ने सेमेस्टर एक्सचेंज, दोहरी डिग्री के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। 'उड़ान' नीति – विदेशी संस्थानों में अध्ययन करने के लिए निफ्ट छात्रवृति योजना वर्ष 2018-19 से आरंभ हुई है। यह मेधावी छात्रों को निफ्ट में अध्ययन के साथ-साथ विदेशों में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में अध्ययन करने में सक्षम बनाएगा और उनकी यात्रा, शिक्षण शुल्क और निर्वाह भत्ता को वहन करेगा।

निफ्ट द्वारा नई परियोजनाएं

- निफ्ट डिजाइन इनोवेशन इन्क्यूबेटर (डीआईआई) – डीआईआई परियोजना की स्थापना को वस्त्र मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है। परियोजना का मूल्य 17.53 करोड़ रुपए है।
- इंडियासाइज परियोजना – रेडीमेड वस्त्र की बेहतर फिटिंग के लिए भारतीय जनसंख्या के शरीर माप के आधार पर आकार चार्ट विकसित करने के लिए वस्त्र मंत्रालय के अनुसंधान और विकास योजना के तहत भारत के आकार का सर्वेक्षण। परियोजना का मूल्य 31 करोड़ रुपए है।
- विजननैक्सट – कपड़ा मंत्रालय के अनुसंधान और विकास योजना के तहत ट्रेंड इनसाइट और फोरकास्टिंग लैब परियोजना को मुख्य रूप से अनुमोदित किया गया है। चरण- I का मूल्य 20.41 करोड़ रुपए है।
- क्राफ्ट रिपॉजिटरी – दी रिपॉजिटरी- इंडियन टेक्सटाइल्स क्राफ्ट्स" परियोजना को वस्त्र मंत्रालय द्वारा मुख्य रूप से अनुमोदित किया गया है। परियोजना का मूल्य 15.57 करोड़ रुपए है।

नए परिसर

i) निफ्ट परिसर पंचकूला (हरियाणा)

परिधान उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति बनाने के उद्देश्य से सेक्टर 23 पंचकूला में निफ्ट कैंपस का शिलान्यास 29 दिसंबर, 2016 को हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर और माननीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा किया गया। यह पहल हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी और साथ ही उन्हें फैशन और वस्त्र के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर प्रदान करेगी। हरियाणा सरकार ने भवन निर्माण के साथ ही शैक्षणिक अवसंरचना और राजस्व घाटे के लिए 133.16 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं, निफ्ट ने छह नियमित स्नातक और मास्टर पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है, जिसमें से प्रत्येक में 30 सीटें हैं, इनमें से 20% सीटें हरियाणा के अधिवास उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। निफ्ट ने पांच सतत शिक्षा पाठ्यक्रम भी तैयार किए हैं, प्रत्येक प्रोग्राम में 30 सीटें हैं जो कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेंगी ताकि जो व्यक्ति उद्योग में काम कर रहे हैं वे अपना ज्ञान बढ़ा सकें और अपना खुद का व्यवसाय भी स्थापित कर सकें।

ii) निफ्ट परिसर राँची, झारखंड

परिधान उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति बनाने के उद्देश्य से 15 फरवरी, 2018 को आयोजित 40 वीं बैठक में निफ्ट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा निफ्ट कैंपस स्थापित करने की मंजूरी दी गई थी। यह पहल झारखंड के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी और उन्हें फैशन और वस्त्र के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर प्रदान करेगी। झारखंड सरकार भवन निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये, शैक्षणिक अवसंरचना के लिए 30 करोड़ रुपये और अनुमानित घाटे के लिए 20 करोड़ रुपये प्रदान कर रही है। निफ्ट ने पांच नियमित स्नातक और मास्टर पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है, जिसमें से प्रत्येक में 30 सीटें हैं, इनमें से 20% सीटें झारखंड के अधिवास उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। निफ्ट ने पांच सतत शिक्षा पाठ्यक्रम भी तैयार किए हैं, प्रत्येक प्रोग्राम में 30 सीटें हैं जो कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेंगी ताकि जो व्यक्ति उद्योग में काम कर रहे हैं वे अपना ज्ञान बढ़ा सकें और अपना खुद का व्यवसाय भी स्थापित कर सकें।

iii) निफ्ट विस्तारित केंद्र, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

निफ्ट एक्सटेंशन सेंटर वाराणसी को 29 अक्टूबर, 2015 को निफ्ट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित किया गया था, जो बुनकरों और कारीगरों के कौशल को उन्नत करने और नए कौशल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण का संचालन करने और वाराणसी उद्योग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अनुकूलित प्रशिक्षण मॉड्यूल की पेशकश करने के लिए निफ्ट रायबरेली के विस्तारित केंद्र के रूप में मई 2016 में स्थापित किया गया था। कपड़ा मंत्रालय ने वाराणसी एक्सटेंशन सेंटर की स्थापना के लिए 4 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। निफ्ट वर्तमान में वाराणसी के मौजूदा कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अनुकूलित छोटी अवधि के कार्यक्रमों को विकसित करने और चलाने के लिए लघु अवधि के चार सतत शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इनमें 130 छात्र उत्तीर्ण हुए जिनमें से कुछ को वाराणसी और उसके आसपास प्लेसमेंट मिला है। कई बुनकर और उद्योगपति उपरोक्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अपने ज्ञान को बढ़ाने और व्यवसायों को लाभान्वित हुए हैं। निफ्ट एक्सटेंशन सेंटर वाराणसी सक्रिय रूप से यूरोपीय संघ [ई, एफआईईओ, एमएसएमई, डब्ल्यूएससी आदि जैसे संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न औद्योगिक बैठकों में भाग लेता है और निफ्ट केंद्र में की गई गतिविधियों को प्रदर्शित करता है जिसमें डिजाइन हस्तक्षेप और रुझान पूर्वानुमान शामिल हैं।

कॉर्पोरेट संचार सेल

निफ्ट की डिजिटल संचार रणनीति ने जुलाई 2017 में अपनी स्थापना के बाद से व्यापक विकास और विविधीकरण प्राप्त किया है। इसने अपने सभी 16 परिसरों में निफ्ट की ब्रांडिंग जरूरतों का ध्यान रखा है और ब्रांड निफ्ट के रूप में अपनी पहुंच का विस्तार किया है। आंतरिक रूप से, विभिन्न परिसरों, विभागों और छात्रों को शामिल करने वाली सामग्री के सहयोगी निर्माण और प्रबंधन के माध्यम से कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस सेल (सीसीसी) के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से रणनीति को मजबूत बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2018-19 निफ्ट की ब्रांड पहचान को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से समर्पित है, जिसमें डिजिटल मीडिया का लाभ उठाने और वेबसाइट को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर अच्छी तरह से ध्यान केंद्रित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस प्रकार अब तक किए गए प्रयासों का फल विभिन्न हितधारकों को प्राप्त हुआ है।

निफ्ट की वेबसाइट का विकास

अपने शुरुआती समय की तुलना में निफ्ट वेबसाइट में एक व्यापक बदलाव आया है। डिजिटल रणनीति के कार्यान्वयन के पहले चरण में, पहला कदम वेबसाइट का सम्पूर्ण डिजाइन सुधार करना था, जबकि, इस वर्ष, इस पर समृद्ध और सार्थक सामग्री उपलब्ध कराने पर था। यह इस इंटरकनेक्टेड दुनिया में डिजिटल चौनलों के बढ़ते महत्व की स्पष्ट पहचान के रूप में है, जहां स्पष्ट, सटीक और लगभग वास्तविक समय संचार की आवश्यकता अपार है। नतीजतन, वेबसाइट तेजी से शैक्षणिक समुदाय, उद्योग, छात्रों, पूर्व छात्रों और भावी छात्रों के बीच बातचीत के लिए एक समावेशी मंच के रूप में उभर रही है। वेबसाइट को अधिक आकर्षक और प्रासंगिक बनाने के लिए पुरानी सामग्री को लगातार नई और अधिक रचनात्मक सामग्री द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। सामग्री को मूल और त्रुटि मुक्त रखने के लिए एक सामग्री लेखक भी लगे हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, वेबसाइट ने पाठ्यक्रम के हालिया पुनर्गठन के बारे में भावी छात्रों और बड़े पैमाने पर हितधारकों को सूचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वेबसाइट ने नए पाठ्यक्रम के प्रॉस्पेक्टस और हाइलाइट्स को पोस्ट करके और प्रवेश-संबंधित गतिविधियों के बारे में छात्रों को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया है।

सोशल मीडिया में उपस्थिति

अपने कार्यान्वयन की शुरुआत के बाद से, नई संचार रणनीति ने निफ्ट की सोशल मीडिया उपस्थिति को बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इसने अपनी सोशल मीडिया रणनीति को फिर से समायोजित करके, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर गतिविधियों की आवृत्ति में वृद्धि करके और सभी संचार को समकालीन और युवाओं, विशेष रूप से वर्तमान और भावी छात्रों के आसपास केंद्रित रखने के लिए ऐसा किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से, सीसीसी ने विविध प्रचार रणनीतियों के माध्यम से

डिजाइनरों के जीवंत समुदाय को एक साथ लाने के लिए एक संवाद शुरू करने का प्रयास किया है।

निफ्ट की सोशल मीडिया उपस्थिति का उद्देश्य रचनात्मक रूप से सूचना का प्रसार करना है; पूर्व छात्रों, डिजाइनरों और कलाकारों के समुदाय को पुनर्जीवित करना; निफ्ट के 16 परिसरों में से प्रतिभा और दृष्टि को आत्मसात करने के माध्यम से छात्र समुदाय के लिए एक मंच तैयार करना; छात्रों और पूर्व छात्रों की अतीत और वर्तमान में किए गए ऑफलाइन गतिविधियों, घटनाओं और उपलब्धियों को समेकित और चैनलाइज करना; छात्रों और डिजाइनरों के एक मजबूत समुदाय के निर्माण के लिए परस्पर संपर्क और अधिक संपर्क को प्रेरित करना। सबसे बड़ा उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के एक संस्थान के रूप में निफ्ट की उपस्थिति को प्रस्तुत करना और संवाद करना है।

वर्तमान में, निफ्ट के फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, यूट्यूब और ट्विटर पर आधिकारिक अकाउंट हैं। पूरी तरह से आउटरीच के लिए, आधिकारिक खातों को नियमित रूप से बनाए रखा जाता है। इसके अलावा, लिंक्डइन और फेसबुक खातों के प्रमाणीकरण के लिए प्रयास चल रहे हैं। फेसबुक पेजों की बहुलता से बचने के लिए, इसे समेकित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

फेसबुक

एक अरब से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ, फेसबुक उन्नत आउटरीच, उपयोगकर्ताओं के एक विविध समुदाय तक पहुंच, सक्रिय सहभागिता और प्रतिक्रिया तथा सूचना का वास्तविक समय प्रसार के लिए एक तैयार मंच प्रदान करता है। इस प्रकार, सोशल मीडिया मार्केटिंग के संदर्भ में, फेसबुक निफ्ट की सोशल मीडिया रणनीति के लिए एक अनिवार्य मंच है। पहले कम उपयोग किए जाने के कारण, निफ्ट के फेसबुक पेज को नए सिरे से सक्रिय किया गया है और नियमित आधार पर हितधारकों के साथ सक्रिय बातचीत के लिए उपयोग किया जा रहा है। पृष्ठ का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है:

- सभी निफ्ट परिसरों में घटनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी का प्रसार करना
- रचनात्मक कोलेटरल का उपयोग करते हुए प्रवेश, पुनर्गठन पाठ्यक्रम, रिक्तियों, प्रतियोगिताओं, फेस्ट और प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी साझा करना
- शिल्प क्लस्टर पहल और संबंधित शिल्प प्रलेखन कार्य के तहत छात्रों की गतिविधियों को बढ़ावा देना
- वार्षिक फेस्ट - स्पेक्ट्रम 2019 पर अपडेट साझा करने के लिए

इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, निफ्ट फेसबुक पेज पर अब 1 लाख से अधिक लाइक हैं और इसकी 4.6 रेटिंग है। आधिकारिक पृष्ठ के लिए फेसबुक प्रमाणीकरण (ब्लू टिक) प्राप्त करने के लिए भी प्रयास चल रहे हैं।

इंस्टाग्राम

इंस्टाग्राम एक छवि-केंद्रित मंच है, जो अपने कई फोटो और वीडियो संपादन विकल्पों के लिए युवाओं के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है। इसकी वर्णनात्मक दृश्य अपील और इसकी अनूठी विशेषताएं जो फोटो और वीडियो की एक श्रृंखला पोस्ट करके दृश्य कहानी के निर्माण की अनुमति देती हैं, एक शक्तिशाली मंच प्रस्तुत करती है। इसके अलावा, यह त्वरित, सुलभ है, अपने इंटरफेस में कम पदानुक्रमों को नियोजित करता है और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सुलभ है। ये सब इसे बेहद लोकप्रिय एप्लिकेशन बनाते हैं।

फेसबुक की तुलना में, इंस्टाग्राम पर निफ्ट की उपस्थिति अभी हाल ही में हुई है। फिर भी, इसके फालोवर्स की संख्या वर्ष 2017-18 में 4,800 फालोवर्स से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 12,600 फालोवर्स तक पहुंच गई है। दृश्य अपील और प्रासंगिक सामग्री की नियमित पोस्टिंग के माध्यम से यह संभव हो पाया है। एनालिटिक्स भी, हाल ही में उपयोगकर्ताओं की बढ़ी हुई व्यस्तता, सहभागिता और प्रतिक्रिया का सुझाव देते हैं।

लिंक्डइन

एक पेशेवर नेटवर्क होने के नाते, लिंक्डइन केवल निफ्ट की ब्रांडिंग के लिए महत्वपूर्ण नहीं है; यह उद्योग के आउटरीच और अपने छात्रों के लिए रोमांचक पेशेवर अवसरों को खोजने के लिए भी प्रासंगिक है। 19,400 से अधिक फालोवर्स के साथ, मंच निम्नलिखित में मदद कर सकता है:

- रोजगार और इंटर्नशिप रिक्तियों के लिए छात्रों और भावी नियोक्ताओं को जोड़ना
- संबंधित उद्योगों में निपुणता के लिए निफ्ट अपने छात्रों को प्रशिक्षित करने वाले कौशल के एक संपूर्ण पोर्टफोलियो का संयोजन करता है
- निफ्ट की पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन
- निफ्ट को एक ऐसे ब्रांड के रूप में दिखाना जो लोग अपने प्रोफाइल में जोड़ना चाहेंगे
- नियोक्ताओं के एक व्यापक डेटाबेस का निर्माण करना जो छात्रों तक पहुँच सकते हैं

यूट्यूब चैनल

पुराना और सबसे लोकप्रिय वीडियो प्लेटफॉर्म में से एक, यूट्यूब का उपयोग वीडियो-आधारित सामग्री को अपलोड करने, प्रकाशित करने और साझा करने के लिए किया जाता है- जैसा कि कुछ फिल्मों, संगीत, सूचनात्मक वीडियो, वृत्तचित्रों के लिए किया जाता है। निफ्ट को लंबे प्रारूप वाले वीडियो के माध्यम से अपनी गतिविधियों को व्यापक दर्शकों के साथ साझा करने के लिए मंच की क्षमता का एहसास करने में देर हुई। निफ्ट द्वारा अपना चौनल बनाने के एक साल बाद, इसमें 541 ग्राहक और विभिन्न विषयों

और शिल्प, स्पेक्ट्रम, कंवर्ज, प्रमुख सम्मेलनों, लघु फिल्मों, जैसी अन्य घटनाओं पर 15 वीडियो उपलब्ध हैं। निफ्ट धीरे-धीरे है, लेकिन एक प्रभावी तरीके से प्रासंगिक वीडियो सामग्री बनाने और अपनी गतिविधियों के साथ अपने चैनल को आबाद करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ट्विटर

ट्विटर के माध्यम से, निफ्ट ने सटीक और प्रासंगिक बयानों को पोस्ट करने और अपने फालोवर्स को निफ्ट की मुख्य गतिविधियों की सूचना देने और अद्यतन करने के इरादे से माइक्रोब्लॉगिंग की दुनिया में प्रवेश किया है।

सामग्री संपादन

ब्रांड निफ्ट की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, सामग्री संपादन का अत्यधिक महत्व है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी रिपोर्ट और अन्य बाहरी संचार सटीक, व्याकरणिक रूप से सुसंगत, गैर-दोहराव, त्रुटि मुक्त और उच्च गुणवत्ता वाले हैं। यह वेबसाइट, ब्रोशर और इकाइयों के प्रमुखों की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सामग्री एकत्र करके, इसे संकलित करके और फिर इसे कई स्तरों पर संपादन और प्रूफरीडिंग के माध्यम से किया जाता है।

वार्षिक रिपोर्ट में कैम्पस रिपोर्ट का समावेश

अलग-अलग परिसरों की उपलब्धियों और परियोजनाओं को उजागर करके ब्रांड निफ्ट बनाने की कोशिश में, वर्ष 2017 से, वार्षिक रिपोर्ट की संरचना में परिसर की रिपोर्ट पेश की गई। प्रत्येक बीते वर्ष के साथ, शैक्षणिक उत्कृष्टता की खोज में 16 परिसरों के तेजी से प्रयासों को रेखांकित करने के लिए एक क्रमिक बदलाव किया जा रहा है। इस तरह का दृष्टिकोण न केवल विभिन्न परिसरों के प्रयासों को स्वीकार करेगा, यह उन्हें कठिन प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

स्थिरता रिपोर्टिंग पर ध्यान केंद्रित करना

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता चिंता का विषय रही है। स्थायित्व सूचकांक के आधार पर दुनिया भर में कई शैक्षणिक संस्थानों को स्थान दिया जा रहा है। जबकि निफ्ट के पास पर्यावरण की देखभाल के लिए पहले से ही गतिविधियां / पहल हैं, यह अति महत्वपूर्ण है कि उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन सेल ने पिछले वर्ष, वार्षिक रिपोर्ट में रिपोर्टिंग की निम्नलिखित श्रेणियां पेश कीं और वर्ष 2018 में इन्हें फिर से संबोधित करने का लक्ष्य रखा गया:

- परिसर में पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता
- अनुसंधान और परियोजनाओं में स्थिरता के पहलू
- सामाजिक समानता के लिए छात्रों और संकाय की भागीदारी

छात्र जुड़ाव

कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन सेल की गतिविधियों में छात्रों को शामिल करना छात्रों के साथ-साथ निफ्ट के लिए भी लाभकारी साबित हुआ है। जबकि सेल को उनकी प्रतिभा, कौशल और रचनात्मक विचारों से लाभ प्राप्त होता है; छात्रों को रियलटाइम समस्याओं से अवगत कराया जाता है और ग्राफिक्स, डिजाइन विकास, सोशल मीडिया आउटरीच, आदि से संबंधित कौशल सीखने और सीखने की क्षमता मिलती है, जो उनके पोर्टफोलियो में जुड़ जाती है।

संकाय अभिविन्यास प्रशिक्षण और विकास

पुनर्गठित पाठ्यक्रम के लागू होने के परिणामस्वरूप, नए कौशल और ज्ञान के साथ संकाय को प्रशिक्षित करने और लैस करने तथा फैशन व्यवसाय में बदलते रुझानों के साथ उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता महसूस की गई।

संकाय के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रमों के प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सेमेस्टर की शुरुआत से पहले परिसर आत्मनिर्भर रहें और बाहरी संसाधनों पर निर्भरता को कम करें। परंपरा से हटकर, वर्ष 2018 में टीओटी का आयोजन प्रत्येक परिसर में एक विशिष्ट विषय को पढ़ाने वाले संकाय के लिए किया गया है, जो कि विभागीय प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आकलन के आधार पर है, न कि प्रशिक्षण के लिए चुने गए संकायों के पैटर्न पर, जो कि अन्य संकायों द्वारा उनकी रुचि के अनुसार जारी की गई हैं।

नए पुनर्गठित पाठ्यक्रम और शैक्षिक उद्धार की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, जो निफ्ट की आवश्यकता है, यह स्पष्ट हो गया कि नियमित कार्यक्रम निफ्ट के संकाय प्रशिक्षण की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हो सकते हैं। प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) की मौजूदा नीति या घरेलू प्रशिक्षण संकाय को प्रशिक्षित करने के लिए अनुकूलित मॉड्यूल के विषय को संबोधित नहीं करता है। इसलिए, निफ्ट के शासक मंडल ने भारत में प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के प्रतिष्ठित संकाय और विशेषज्ञों द्वारा अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण आयोजित करने की स्वीकृति दी।

टीओटी का फोकस का क्षेत्र फाउंडेशन कार्यक्रम में शिक्षण के लिए शिक्षाशास्त्र और ट्रांजेक्शन मॉडल और विशेषज्ञता के लिए उभरते क्षेत्रों पर था। बड़े डाटा का विश्लेषण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय, लक्जरी बिजनेस- उत्पाद और खुदरा, डिजाइन प्रक्रिया और इस तरह के कई प्रशिक्षण जुलाई और अगस्त 2018 में आयोजित किए गए। 241 संकाय सदस्यों ने इनमें भाग लिया और प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए।

फालमाउथ विश्वविद्यालय, यूके से प्रो. डॉ. एलन मरे ने जुलाई और अगस्त, 2018 में नई दिल्ली और बेंगलुरु में दो संकाय-प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। 'कोर डिजाइन शिक्षाशास्त्र और भविष्य की प्रवृत्तियों' पर पांच दिनों की अवधि की प्रत्येक कार्यशाला में सभी निफ्ट परिसरों से संकाय ने भाग लिया। शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और डिजाइन शिक्षा को अधिक अभिनव बनाने के तरीकों के रूप में रोजगार पर चर्चाएं मुख्य आकर्षण रही।

प्रोफेसर डॉ. ली ह्यूग मैकगोवन, एक पुरस्कार विजेता फैकल्टी और क्रिएटिव इंडस्ट्रीज में शोधकर्ता, क्यूयूटी, ऑस्ट्रेलिया ने पीएचडी पर्यवेक्षकों के लिए दो कार्यशालाओं का आयोजन किया। प्रत्येक कार्यशाला तीन दिनों की थी और निफ्ट दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। जनवरी से मार्च, 2019 तक शीतकालीन सत्र में एससीएडी - हांगकांग में 11 सप्ताह के प्रशिक्षण में चार निफ्ट संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

निफ्ट फैकल्टी को सूक्ष्म स्तर पर उद्योग के अपने काम के ज्ञान को अपडेट करने में सक्षम बनाने के लिए या उद्योग और इसकी अंतर्संबंध की समग्र समझ के लिए, फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट

की सुविधा है जो फैकल्टी को नवीनतम प्रथाओं से रूबरू कराती है और कक्षाओं में उस का प्रसार करने में सक्षम बनाती है। कुल 38 संकाय सदस्यों ने जून-जुलाई 2018 के दौरान प्रतिष्ठित संगठनों / कंपनियों जैसे रिलायंस जियो, सन ऑफ नोबल, वैदिक परिधान प्राइवेट लिमिटेड, तुकाटेक, अरविंद डेनिम, ल्यूमियर बिजनेस सॉल्यूशंस लिमिटेड, एएनसी लाइफस्टाइल आदि में उद्योग संलग्नक किए।

इन प्रशिक्षणों कार्यक्रमों के अतिरिक्त, दो संकाय सम्मेलन, प्रत्येक 4 दिन की अवधि के, डिजाइन संकाय के लिए एक हैदराबाद में तथा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संकाय के लिए बेंगलुरु में दूसरे का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य सभी 16 परिसरों में प्रत्येक संकाय के लिए पुनर्गठित पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी का प्रसार करना था। पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, नीतियों में बदलाव, नई शुरू की गई विशेषताएं जैसे शैक्षणिक मार्गदर्शन और शिक्षण एवं सीखने के अभिनव तरीके कॉन्क्लेव में पेश किए गए थे।

नए भर्ती किए गए संकाय के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग 25 से 29 मार्च 2019 तक आयोजित की गई थी। नए शामिल किए गए 31 संकाय सदस्यों ने इंडक्शन ट्रेनिंग ली, जिसे विशेष रूप से उनके लिए विकसित किए मॉड्यूल के माध्यम से प्रदान किया गया था। निफ्ट संगठनात्मक संरचना का परिचय प्रदान करने के अलावा, शैक्षणिक, स्थापना और लेखा प्रणाली के कार्य, संकाय को सीएमएस के बारे में भी अवगत कराया गया, सामंजस्यपूर्ण और सहयोगात्मक दृष्टिकोण, रचनात्मक शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन पद्धति और प्रतिक्रिया प्रथाओं के बारे में सूचित किया गया था।

केरल के कोल्लम में जनवरी 2018 में पांच निफ्ट परिसरों के संकाय और निदेशकों के लिए सार्वभौमिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। दिसंबर 2018 में चेन्नई के पास महाबलीपुरम में एक और दौर आयोजित किया गया था। इसे एक संयुक्त आवासीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था, जो सभी परिसरों में आदान-प्रदान और अंत:विषय सीखने और साझा करने के लिए मंच प्रदान करता है।

सार्वभौमिक प्रशिक्षण का उद्देश्य निफ्ट की दृष्टि और आदर्शों के लिए स्वामित्व और प्रतिबद्धता विकसित करना और उस के लिए एक योजना विकसित करना है। यह व्यक्तिगत संकाय की ताकत की पहचान करके और संस्था में उनके योगदान का अनुकूलन करके, टीम वर्क की भावना और कौशल के निर्माण में मदद करता है। हिमाचल प्रदेश में जून 2019 में छह परिसरों के संकाय और निदेशकों के लिए सार्वभौमिक प्रशिक्षण का तीसरा और अंतिम दौर आयोजित किया गया था ।

अध्यक्ष, विभागीय संकाय के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्रशिक्षण देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि टीओटी, स्वनिर्धारित और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान और शिक्षण कौशल का उन्नयन किया जा सके।

अप्रैल 2018 से मई 2019 के दौरान, इन हाउस संकाय द्वारा 14 प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी), आईआईएम - बेंगलुरु, आईआईएम - अहमदाबाद और आईआईएससी बेंगलुरु जैसे संस्थानों के संकाय द्वारा 7 अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम और आईआईएम तथा आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में 4 घरेलू प्रशिक्षण, इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा दो प्रशिक्षण कार्यक्रम संकाय के लिए आयोजित किए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

निफ्ट की शैक्षणिक रणनीति में अंतर्राष्ट्रीयवाद शामिल है। इन वर्षों में, निफ्ट ने सचेत रूप से अपनी अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता में वृद्धि की है और विदेशों में अन्य प्रतिष्ठित फैशन संस्थानों के बीच स्वयं को स्थापित किया है। निफ्ट ने 26 अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय फैशन संस्थानों और संगठनों के साथ करार और भागीदारियां की है जो समान शैक्षणिक विचारधारा रखते हैं। एक तरफ यह निफ्ट के छात्रों को सहयोगी संस्थानों के साथ विनिमय कार्यक्रम के लिए चयन करके फैशन की वैश्विक मुख्यधारा के साथ एकीकृत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है और दूसरी तरफ, एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को इसी तरह के 'विदेश में अध्ययनश जैसे ढेरों विकल्प प्रस्तुत करता है। इस प्रकार निफ्ट के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के छात्रों के साथ बातचीत करने, उन्हें अपनी दृष्टि को व्यापक बनाने और विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों वाले छात्रों के साथ संपर्क स्थापित करने, उनके दृष्टिकोण को अधिक व्यापक बनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को दिया जाने वाला 'विदेश में अध्ययन' का अवसर सभी 16 निफ्ट परिसरों और विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों के तहत उपलब्ध है।

शैक्षणिक विशिष्टता प्रदान करने के लिए संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय संबंध छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/ संगोष्ठियों/ अनुसंधान तथा अन्य आयोजनों में भाग लेने में सहायता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त कार्यनीतिक संधियां संकाय के शैक्षणिक स्तर के उन्नयन को भी प्रोत्साहित करती है। संकाय का विनिमय तथा संयुक्त शोध पहल सुनिश्चित करते हैं की संस्थान की शिक्षण पद्धतियां तथा सुविधाएं निरंतर अद्यतन बनती रहे और उनका उन्नयन होता रहे और वे विश्व के श्रेष्ठ संस्थानों के समतुल्य बने रहें।

शिक्षण नीतियों, अवधारणाओं और व्यवसायिक विचारों के आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए निफ्ट का संकाय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रमों, अंतर्राष्ट्रीय मेलों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और व्यापार मेलों में भाग लेता रहता है, जिससे कि उनका व्यापक अनुभव कक्षाओं तक आ सके और निफ्ट के ज्ञान संग्रह में और वृद्धि हो सके।

कुछ महत्वपूर्ण संस्थान जिनके साथ निफ्ट ने सहयोग स्थापित किया है, में शामिल हैं:- क्वींसलैंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया; डे मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, यूके; ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट्स, स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, स्विट्जरलैंड, ईएनएसएआईटी, फ्रांस; एनएबीए, इटली; ईएसएमओडी, जर्मनी; सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड्स; एम्स्टर्डम फैशन इंस्टीट्यूट, नीदरलैंड; बुनका गौकेन यूनिवर्सिटी, जापान; यूनिवर्सिटी नॉर्थम्प्टन, यूके के; पोलिटेक्निको डी मिलानो, इटली; केईए-कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, डेनमार्क; नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए; सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन (एससीएडी), यूएसए तथा कई अन्य। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अतिरिक्त, निफ्ट ने फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान (एफडीडीआई), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी), सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(सीसीआईसी), खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) जैसे संगठनों / संस्थानों के साथ 06 घरेलू संबंध स्थापित किए हैं।

सेमेस्टर एक्सचेंज

सहयोगी संस्थानों के छात्रों का निरंतर आदान-प्रदान होता रहता है। जुलाई-दिसंबर 2018, जनवरी - जून 2019 सेमेस्टर, में निफ्ट के क्रमशः 15 और 23 छात्र अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग ले रहे हैं। साथ ही शैक्षणिक सत्र जुलाई - दिसंबर 2019 के लिए निफ्ट के 06 छात्रों को पोलिटेक्निको डी मिलानो, इटली; ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट, यूके; सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड जैसे संस्थानों में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम / स्नातक प्रोजेक्ट / शोध परियोजना के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी निफ्ट की ओर आकर्षित करता है तथा शैक्षणिक और सांस्कृतिक समृद्धि में अपने अनुभव की पेशकश करता है। निफ्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भारतीय संस्कृति, कला और शिल्प में अंतर्दृष्टि विकसित करने और भारतीय बाजार और इसकी गतिशीलता को समझने के लिए सेमेस्टर एक्सचेंज और लघु अवधि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2018-19 में ईएनएसएआईटी, फ्रांस, बीयूएफटी, बांग्लादेश; क्यूयूटी, ऑस्ट्रेलिया; एससीईडी, इजराइल के छात्रों को निफ्ट द्वारा सेमेस्टर एक्सचेंज के अवसर प्रदान किए गए हैं।

लघु अवधि के पाठ्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए निफ्ट द्वारा आयोजित, लघु अवधि कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (एसटीसी) स्विट्जरलैंड के 35 छात्रों ने फरवरी, 2018 में भाग लिया और इनमें से 13 ने फरवरी, 2019 में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। निफ्ट के छात्रों के लिए लघु अवधि के कार्यक्रम का अवसर एसटीसी, स्विट्जरलैंड द्वारा समर प्रोग्राम के रूप में तीन सप्ताह की अवधि के लिए दिया गया था। मई 2018 में 28 निफ्ट के छात्रों ने इसमें भाग लिया।

बीयूएफटी, बांग्लादेश के साथ सहयोग

निफ्ट और बांग्लादेश यूनिवर्सिटी ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी (बीयूएफटी) के बीच शैक्षणिक सहयोग दो संस्थानों के छात्रों को अद्वितीय अवसर प्रदान कर रहा है। बीयूएफटी छात्र निफ्ट में सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लेते हैं, बदले में बीयूएफटी निफ्ट छात्रों को बांग्लादेश में परिधान उद्योग इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं / अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने की सुविधा प्रदान करता है। वर्ष 2018 में, निफ्ट के 04 छात्रों ने बांग्लादेश में जून से अगस्त 2018 तक 14 सप्ताह की अवधि की परिधान इंटर्नशिप की शुरुआत की और 07 छात्रों ने बांग्लादेश में 16 सप्ताह की अवधि (जनवरी से जून 2018: 04, जनवरी से जून 2019: 03) के दौरान उद्योग आधारित स्नातक परियोजनाओं का लाभ उठाया। दोनों को बीयूएफटी द्वारा व्यवस्थित किया गया। बदले में 08 बीयूएफटी छात्रों ने निफ्ट (जनवरी से जून 2018:

04, जनवरी से जून 2019: 04) में सेमेस्टर एक्सचेंज के अवसर का लाभ उठाया है।

एफआईटी में ड्यूल डिग्री का अवसर

फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क, यूएसए के साथ निफ्ट की कार्यनीतिक साझेदारी, निफ्ट के कुछ चुने गए मेधावी छात्रों को निफ्ट और एफआईटी दोनों से दोहरी डिग्री प्राप्त करने के एक अद्वितीय अवसर प्रदान करती है। इस साझेदारी में निफ्ट के छात्र मातृ संस्थान में 2 वर्ष का अध्ययन करते हैं तथा शेष 1 वर्ष का अध्ययन एफआईटी में प्राप्त करते हैं। इसके उपरांत छात्र एफआईटी से एक साल की दोहरी डिग्री और निफ्ट से चार वर्ष की स्नातक डिग्री हासिल करने के लिए निफ्ट में अपना अध्ययन पुन: आरंभ करते हैं। वर्ष 2018-19 में, निफ्ट से विभिन्न डिजाइन विषयों के 21 मेधावी छात्रों को दोहरी डिग्री अवसर का लाभ उठाने और एफआईटी, न्यूयॉर्क से दोहरी डिग्री प्राप्त करने के लिए चुना गया था। इनमें से कुछ छात्रों ने एफआईटी के माध्यम से यूएसए में आठ सप्ताह के उद्योग इंटर्नशिप के अवसरों का भी चयन किया है।

निफ्ट परिसरों में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों का दौरा

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों / संस्थानों से शैक्षणिक सहयोग प्रतिनिधि शैक्षणिक सहयोग की परिकल्पना के लिए निफ्ट परिसरों का दौरा करते हैं। यह निफ्ट को मौजूदा भागीदारों और नए विश्वविद्यालयों के साथ संबंध बनाने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2018-19 में, अतिथि प्रतिनिधियों को निफ्ट द्वारा पेश किए गए नए पाठ्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी गई, जो कई प्रकार की विशिष्टताओं के साथ एक वैश्विक पाठ्यक्रम संरचना प्रदान करता है, जिसे दूसरे देशों में छात्रों को विदेशों में अध्ययन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से आने वाली टीमें इस प्रकार थीं:

- 9 अक्टूबर, 2018 को इंस्टीट्यूट फ्रेंकिस, फ्रांस
- 9 अक्टूबर 2018 को इस्टिटू यूरोपो डी डिजाइन (आईईडी) समूह
- 23 अक्टूबर, 2018 को नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी
- 5 अक्टूबर, 2018 को सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन (एससीएडी), हांगकांग
- 18 अक्टूबर, 2018 को फालमाउथ विश्वविद्यालय
- 24 अप्रैल 2018 को इतालवी हब ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (आईएचईटी)
- 17 दिसंबर 2018 को सैक्सियन, एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय
- 22 फरवरी, 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन, यूके
- 7 फरवरी 2019 को स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (एसटीसी), स्विट्जरलैंड
- 18 फरवरी, 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स, यूके
- 26 फरवरी, 2019 को नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, मेलों और प्रदर्शनियों में निफ्ट संकाय की भागीदारी

शिक्षण अध्यापन-शास्त्र, अवधारणाओं और पेशेवर विचारों के आदान-प्रदान को सुकर बनाने के लिए, निफ्ट के संकाय सदस्य शैक्षिक विनिमय कार्यक्रमों, अंतर्राष्ट्रीय मेलों, सेमिनारों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और व्यापार कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिससे कक्षा में पर्याप्त अनुभव प्राप्त होता है और निफ्ट का ज्ञान भंडार समृद्ध होता है।

संकाय द्वारा भाग लिए गए कुछ मेलों में, दिनांक 8 से 9 अक्टूबर, 2018 को दुबई में आयोजित किया गया ईस्ट रिटेल फेयर, 31 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2018 तक लंदन में आयोजित किया गया लंदन प्रिंट डिजाइन मेला शामिल हैं।

उपरोक्त के अलावा, वर्ष 2018-19 में संकाय सदस्यों ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों जैसे 9-13 अप्रैल, 2018 को ढोंगहुआ विश्वविद्यालय शंघाई द्वारा आयोजित आईआईएफटीआई 2018 सम्मेलन, 8 जून से 10 जून, 2018 कोबे, जापान और 23-26 जुलाई, 2018 के दौरान लीड्स, यूके में 91वां वस्त्र संस्थान विश्व सम्मेलन 2018 आदि में शोध पत्रों की प्रस्तुति में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

क्लस्टर विकास

क्राफ्ट क्लस्टर पहल कार्यक्रम, निफ्ट के छात्रों को भारत के विविध समृद्ध और अद्वितीय हथकरघा और हस्तशिल्प से हर वर्ष एक व्यवस्थित, निरंतर और नियमित एक्सपोजर प्रदान करता है। छात्र अपनी विशेषज्ञता के अनुसार, डिजाइन इंटेलिजेंस, डिजाइन नवाचार, उत्पाद विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, खुदरा उद्यमिता, संगठनात्मक विकास और सिस्टम डिजाइन एवं विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कलस्टर में योगदान करते हैं।

छात्र प्रक्रिया नवाचार, उत्पादन योजना और अनुसंधान आधारित तात्कालिक व्यवस्था और गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्रों में भी योगदान देते हैं। छात्र पोस्टर और ब्रोशर और कैटलॉग जैसे लोगो और प्रचार सामग्री के माध्यम से हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों की विशिष्ट पहचान विकसित करने के लिए कारीगरों और बुनकरों की सहायता करते हैं।

क्लस्टर पहल शिल्प समूहों में एक संपूर्ण हस्तक्षेप की परिकल्पना करती है। यह प्रक्रिया छात्रों को शिल्प, गुच्छों, दस्तकारों, उनकी सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं और सांस्कृतिक लोकाचार के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ शुरू होती है। फिर यह शिल्प और लोगों, प्रक्रियाओं और सामग्रियों और शिल्प के समकालीन परिदृश्य के प्रलेखन के लिए जाता है। अगला कदम सूचनाओं का विश्लेषण करना, अंतराल की पहचान करना और हस्तक्षेप के क्षेत्रों को समझना है।

कारीगर और छात्र नए उत्पाद विकास को नया स्वरूप देकर सह-निर्माण और विचार करते हैं। फिर छात्र शिल्प और कारीगरों के लिए एक विशिष्ट पहचान बनाने, वेबसाइट, इंस्टाग्राम पेज बनाने के माध्यम से शिल्प को बढ़ावा देते हैं। छात्र कारीगरों को सिखाते हैं कि कैसे अपने उत्पादों की फोटो खिंचवाएं और कैसे उन्हें अपलोड करें तथा शिल्प और कारीगरों के लिए प्रचार सामग्री जैसे विजिटिंग कार्ड आदि तैयार करते हैं।

प्रत्येक परिसर ने 5 साल की अवधि के लिए 2 - 5 शिल्प समूहों को अपनाया है। पहल के तहत शामिल गतिविधियों की सूची तालिका 1 में प्रस्तुत की गई है।

तालिका 1: विभिन्न विभागों द्वारा की गई गतिविधियों की सूची

क्रम सं	गतिविधि	गतिविधि की प्रकृति
1.	छात्र परिसर के आसपास के क्षेत्र में एक शिल्प क्षेत्र का दौरा करते हैं	1-5 दिनों की अवधि के लिए शिल्पकारों के साथ बातचीत के माध्यम से शिल्प को समझना और आसपास के शिल्प क्लस्टर के दौरे के माध्यम से उनकी चुनौतियों को समझना।
2.	निफ्ट परिसर में कारीगरों द्वारा शिल्प प्रदर्शन	छात्रों को कौशल प्रदर्शन के लिए परिसर के आसपास के क्षेत्रों में शहरी शिल्प क्लस्टर से या चिन्हित गए शिल्प समूहों से कारीगरों को आमंत्रित किया जाता है।
3.	शिल्प अध्ययन और संगोष्ठी	उद्योग, सरकारी एजेंसियों और शिल्प क्षेत्र के पेशेवरों सहित दर्शकों के लिए चयनित शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है।
4.	शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन	छात्रों को देश के ग्रामीण सौंदर्यशास्त्र, गांवों की सांस्कृतिक और सामाजिक समझ के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए दो सप्ताह के शिल्प क्लस्टर का दौरा आयोजित किया जाता है; शिल्प प्रलेखन में प्रक्रिया प्रलेखन और नैदानिक अध्ययन शामिल हैं।
5.	शिल्पकारों के साथ उत्पाद विकास	यह सेमेस्टर VII के छात्रों द्वारा शुरू की गई एक इन-फील्ड गतिविधि है जिसका उद्देश्य क्षेत्र में उत्पादों को विकसित करना है।
6.	कारीगरों और बुनकरों के लिए जागरूकता कार्यशालाएँ	इस पहल के तहत उनके द्वारा कवर किए जाने वाले शिल्प समूहों के लिए वर्ष में एक बार प्रत्येक विभाग द्वारा जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। ये कार्यशालाएँ शहरी बाजारों के बारे में उनकी समझ बढ़ाने के लिए आयोजित की जाती हैं। वे रुझानों पर ज्ञान साझा करने और बाजार की मांगों को समझने के लिए निफ्ट संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करते हैं।

सभी निफ्ट परिसरों ने विभिन्न समूहों के भीतर इन शिल्प क्लस्टर गतिविधियों का संचालन किया। इनमें- इल्कल, चिंतामणि, माहेश्वरी एवं चंदेरी साड़ियां, नौपटना, कांचीपुरम, पटोला, मशरु, पोचमपल्ली इकत, वारंगल दरियां, पट्टू बुनाई, फुलिया, बालुचरी, पैथानी, मुबारकपुर ब्रोकेड और जवाजा दरी, बनारस ब्रोकेड और अन्य हथकरघा के क्लस्टर शामिल थे। हस्तशिल्प समूहों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- चन्नापटना लकड़ी लाख के बर्तन, पत्थर की नक्काशी, मिट्टी के बर्तन, बेंत और टोकरी की बुनाई, नारियल के खोल के आभूषण, बांस के शिल्प, टेराकोटा, लेम्बनी कढ़ाई, मैसूर रोजवुड जड़ाई, कासुती कढ़ाई, जरदोजी, पीपल के पत्ते की कला, केले के रेशे की शिल्प, ब्लॉक प्रिंटिंग, कढ़ाई और जरी काम, डोकरा बेल मैटल, पिपली शिल्प, कागज की लुगदी, पटचित्रा, अप्लीक, ट्राइबल ज्वैलरी, सबाई क्राफ्ट, लेदर क्राफ्ट, टेम्पल अम्ब्रेला क्राफ्ट, सॉफ्ट डॉल मेकिंग, हैंड निटिंग, वुड कार्विंग, सी-शेल क्राफ्ट, पाम लीफ बास्केट, केन फर्नीचर चमड़े की कठपुतली, तंजौर पेंटिंग, कलमकारी, माता नी पच्चेड़ी, क्रोकेट लेस, मोजरी क्लस्टर, पाइन सुई शिल्प, उरावु बांस क्लस्टर, कोरा घास की चटाई, पय्यानुर बेल धातु शिल्प, कांथा, कोल्हापुर चप्पल, टाई और डाई, लघु चित्रकारी, चांदी के आभूषण, काली मिट्टी के बर्तन, मधुबनी, अस्थि शिल्प और अन्य।

शिल्प आधारित स्नातक परियोजनाएं

वर्ष 2019 में निफ्ट परिसरों के छात्रों द्वारा छह हथकरघा क्लस्टर आधारित और बीस हस्तकला क्लस्टर आधारित स्नातक परियोजनाएं शुरू की गई। स्नातक सेमेस्टर के छात्रों ने खंडुआ हैंडलूम क्लस्टर और नाहरलागुन ब्लॉक स्तर के हैंडलूम क्लस्टर में डिजाइन हस्तक्षेप और बनारस ब्रोकेड्स, कच्छ क्षेत्र से काला कॉटन, इकत से पोचमपल्ली में डिजाइन हस्तक्षेप और बुनाई हस्तक्षेप जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शिल्प आधारित परियोजनाएं शुरू कीं। हस्तशिल्प परियोजनाओं में अलीगढ़ का फूल पत्ती काम, पाइन सुई शिल्प, फड़ चित्र, बंगाल का बांस शिल्प, डल तानगंज की सुआ चियांकी में कढ़ाई और बंगाल का कांथा शिल्प शामिल हैं।

इन सभी परियोजनाओं को डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प के कार्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया है।

क्राफ्ट बाजार:

प्रत्येक निफ्ट कैंपस ने क्राफ्ट बाजार का आयोजन किया है जहां कारीगरों और बुनकरों को चुने गए समूहों से आमंत्रित किया गया है। इन शिल्प बाजारों को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया है और इन्हें बुनकर और कारीगरों द्वारा विकसित उत्पादों की बिक्री के लिए मंच तैयार किया गया है। शिल्प बाजारों को मीडिया से सम्मान प्राप्त हुआ है और इसे स्थानीय समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया गया है। कारीगरों ने उन्हें आमंत्रित करने और उन्हें शहरी बाजारों से रूबरू करने और शहरी ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने में उनकी मदद करने की पहल की सराहना की है।

क्राफ्ट रिपोजिटरी

निफ्ट ने अपने हितधारकों के लिए एक वर्गीकृत एक्सेस सिस्टम के साथ शिल्प क्लस्टर रिपोर्ट का एक स्थायी डिजिटल भंडार तैयार किया है। निफ्ट की यह पहल रचनात्मक नवाचारों और शिल्प समूहों में प्रयोग करने के लिए युवा डिजाइन पेशेवरों द्वारा डिजाइन हस्तक्षेप के अवसरों को बढ़ाने के लिए वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के नए क्राफ्ट क्लस्टर पहल के उद्देश्यों के अनुरूप है।

निफ्ट अब भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम अनुपालन में इंडियन टेक्सटाइल एंड क्राफ्ट रिपॉजिटरी नामक एक राष्ट्रीय ज्ञान पोर्टल में क्राफ्ट क्लस्टर पहल के माध्यम से उत्पन्न टेक्सटाइल और शिल्प ज्ञान के निकाय को चौनल करने का इरादा रखता है। अखिल भारतीय क्राफ्ट क्लस्टर पहल के माध्यम से निफ्ट ने जो ज्ञान विकसित किया है, उसे एक बड़े मंच पर संप्रेषित करने की आवश्यकता है। इससे वैश्विक स्तर पर भारतीय टेक्सटाइल और क्राफ्ट की व्यापक जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

रिपॉजिटरी के स्कोप में भारतीय हथकरघा वस्त्र, कपड़े और शिल्प पर ऐतिहासिक और समकालीन जानकारी और सूचना का प्रसार शामिल है, जिसमें शोध छात्रों, शिल्प उत्साही और संबंधित उद्योग से जुड़े लोग शामिल हैं। इसमें भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को सीधे पहुंच प्रदान करने के लिए शिल्पकारों और बुनकरों का एक एकीकृत डेटाबेस बनाना, हथकरघा और हस्तशिल्प, इसके उत्पादन और अनुप्रयोगों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए छवियों, फिल्मों, आडिओ-विजुयल्स, शिल्पकारों, बुनकरों और डिजाइनरों पर पॉडकास्ट व्याख्यान श्रृंखला विकसित करना शामिल है।

इसमें समकालीन बाजार के लिए डिजाइनरों द्वारा पारंपरिक कौशल और टेक्सटाइल का ज्ञान और हस्तशिल्प का प्रदर्शन करना, डेटाबैंक विकसित करना और टेक्सटाइल, कपड़े और शिल्प से संबंधित क्षेत्रों पर शोध पत्र, केस अध्ययन, शोध प्रबंध और डॉक्टरेट शोध और संसाधनों से संबंधित डेटा प्रदान करना, कपड़ा, शिल्प और कपड़ों से संबंधित बाजार के रुझान, व्यापार आँकड़े और संसाधन निर्देशिका आदि शामिल है।

क्राफ्ट रिपोजिटरी इन शोधों के परिणामों को निफ्ट समुदाय और इससे परे एकल मंच पर एकत्रित करने, दिखाने और साझा करने की आवश्यकता को संबोधित करता है। निफ्ट हमेशा ज्ञान के प्रसार में सबसे आगे रहा है और क्राफ्ट रिपोजिटरी उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (एनआरसी), निफ्ट के संसाधन केंद्रों के नेटवर्क का समन्वय निकाय है। इसका उद्देश्य निफ्ट के संकाय और छात्रों के लिए एक अत्याधुनिक ज्ञान पोर्टल विकसित करना है। वर्ष 2018-19 में एनआरसी की गतिविधियों को सभी निफ्ट केंद्रों में सहयोगी संग्रह विकास और बेंचमार्किंग के माध्यम से अधिकतम संसाधन साझाकरण और मानकीकरण प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया था। संसाधन केंद्रों के इस नेटवर्क की सामग्रियों और प्रिंट संसाधनों के एकीकृत संग्रह संस्थान के शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों की सहायता करते हैं। संसाधन केंद्रों ने डिजाइन समुदाय, उद्योग और उद्यमियों को सूचना सेवाएं भी प्रदान की हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान एनआरसी की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

• ई-जर्नल्स और ऑनलाइन डेटाबेस / सेवाओं जैसे टेक्सटाइल आउटलुक इंटरनेशनल, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कंप्लीट, आर्ट एंड आर्किटेक्चर सोर्स, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी कंप्लीट, जस्टर और प्रॉक्वेस्ट के एबीआई-इनफॉर्मेशन के सब्सक्रिप्शन का नवीनीकरण सभी निफ्ट परिसरों के लिए किया गया था।

• प्रकाशक के कई डेटाबेस जैसे बर्ग फैशन लाइब्रेरी, फेयरचाइल्ड बुक्स लाइब्रेरी, ब्लूम्सबरी डिजाइन लाइब्रेरी और फैशन फोटोग्राफी आर्काइव तक पहुँच प्रदान करने के लिए सभी निफ्ट केंद्रों के लिए ब्लोग्सबरी फैशन सेंट्रल का नवीनीकरण किया गया।

• हजारों प्रमुख पत्रिकाओं के ऑनलाइन वैश्विक डिजिटल पत्रिका पोर्टल तक पहुँच प्रदान करने के लिए सभी निफ्ट परिसरों के लिए मैज्टर के डेटाबेस की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया। यह सभी निफ्ट छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सदस्यों के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से भी उपलब्ध है।

• एनआरसी ने प्रमुख प्रवृत्ति सेवा एजेंसियों जैसे कि प्रोमोस्टाइल और डब्ल्यूजीएसएन की अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्ति पूर्वानुमान सेवाओं और सभी निफ्ट परिसरों के लिए अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रिंट आवधिक की सदस्यता के नवीकरण के माध्यम से अपनी किफायती गतिविधियों को सुदृढ़ किया।

सूचना प्रौद्योगिकी

नई सहस्राब्दी में फैशन पेशेवरों की सफलता उनकी फैशन और सूचना प्रौद्योगिकी को अर्थपूर्ण ढंग से एकीकृत करने की क्षमता पर निर्भर करती है। निफ्ट में शैक्षणिक समुदाय को प्रदान की जाने वाली आईटी सहायता भारत में अन्य सभी डिजाइन संस्थानों के लिए ईर्ष्या का विषय है।

इस विभाग की पहल ने पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए अन्य विभागों के साथ मिलकर काम करके संस्थान में आईटी समर्थित शिक्षण माहौल के निर्माण का नेतृत्व किया है। प्रत्येक निफ्ट कैंपस में अब योग्य और अनुभवी आईटी पेशेवरों के साथ स्वतंत्र, पूर्णत: प्रचालित सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कंप्यूटर प्रयोशालाएं अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला में सर्वर, वर्कस्टेशन, पर्सनल कंप्यूटर, प्लॉटर, डिजिटाइजर, इमेज स्कैनर्स, विस्तृत प्रारूप प्रिंटर, डिजिटल कैमरा आदि स्थापित हैं। वर्तमान में सभी पंद्रह निफ्ट परिसर राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ कनेक्शन के साथ जुड़े हुए हैं।

चित्रण, पैटर्न बनाने, ग्रेडिंग, मार्कर बनाने, निटवेअर डिजाइन, वस्त्र डिजाइन, एक्सेसरिज डिजाइन और लेआउट के लिए कैड (सीएडी) सॉफ्टवेयर बड़े पैमाने पर पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में उपयोग किया जाता है। ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन, 2डी / 3डी मॉडलिंग, फोटो इमेजिंग और एडिटिंग; सांख्यिकीय विश्लेषण और बाजार अनुसंधान के लिए अन्य सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग किया जाता है। छात्रों को अन्य कंप्यूटर अनुप्रयोग जैसे आरडीबीएमएस, विंडोज प्रोग्रामिंग, मल्टीमीडिया, ईआरपी, एडवांस्ड प्लानिंग और शिड्युलिंग; सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग आदि भी सिखाया जाता है और ये प्रौद्योगिकी छात्रों को विभिन्न प्लेटफार्मों पर सॉफ्टवेयर विकसित करने में सक्षम बनाते हैं। निफ्ट सभी परिसरों में छात्रों को वाई-फाई सुविधा प्रदान करता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान आईटी विभाग ने सेवाओं में दक्षता और प्रक्रियाओं की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निफ्ट कार्यालय और शैक्षणिक प्रबंधन में आईसीटी अनुप्रयोगों को उन्नयन करने के लिए कई पहल की।

• निफ्ट मुख्यालय कार्यालय और सभी परिसरों के कर्मचारियों के सफल प्रशिक्षण के समापन के बाद निफ्ट हेड ऑफिस और सभी परिसरों में क्लाउड आधारित इलेक्ट्रॉनिक कार्यालय प्रबंधन प्रणाली या ई-ऑफिस समाधान (डीडीएफएस) लागू किया गया था। कर्मचारियों के लिए एचआर ऐप जो जीवन चक्र प्रबंधन, छुट्टी प्रबंधन और अन्य भत्तों की प्रतिपूर्ति सहित पूर्ण कार्यालय प्रबंधन प्रणाली के स्वचालन का समर्थन करते हैं, को भी लागू किया गया था।

• आईटी विभाग की सीएमएस टीम ने 2018 के नए पाठ्यक्रम को लागू करने और नए दिशानिर्देशों के अनुसार प्रक्रियाओं के स्वचालन द्वारा पुराने पाठ्यक्रम के साथ इसे समेकित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौजूदा और नए पाठ्यक्रम के लिए वर्ष के दौरान नई परीक्षा और मूल्यांकन नीति लागू की गई थी। नई नीति के अनुसार अंक प्रविष्टि, जूरी पैनल प्रक्रिया, ग्रेड रिपोर्ट, समेकित एसजीपीए रिपोर्ट, नए पाठ्यक्रम पर प्रतिक्रिया विश्लेषण आदि के साथ नए मूल्यांकन मैट्रिक्स को पेश किया गया था।

• नए पाठ्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद, बेंगलुरु और नई दिल्ली में आयोजित संकाय सम्मेलन के दौरान संकाय के लिए हेड ईआरपी द्वारा कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। नए पाठ्यक्रम पर छात्रों के लिए विभाग द्वारा यू-ट्यूब पर करियर विकल्प के संबंध में, गहन विशेषज्ञता का चयन, आईडीएम, सामान्य ऐच्छिक आदि विषयों पर एक लघु वीडियो अपलोड किया गया था।

• सीएमएस की अन्य नियमित गतिविधियाँ जैसे कि स्टूडेंट परमानेंट ट्रांसफर (एसपीटी), आईडीएल एक्सचेंज प्रोग्राम, मोबाइल ऐप में क्यूआर कोड की शुरुआत के साथ प्लेसमेंट की प्रक्रिया, ब्रिज प्रोग्राम एप्लीकेशन प्रोसेस, मार्क डिजिटाइजेशन आदि को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

• निफ्ट छात्रों के लिए एकीकृत ईमेल, कैलेंडरिंग और सहयोग समाधान और 2018 के छात्रों के बैच के लिए व्यक्तिगत ईमेल आईडी और समूह मेल आईडी (विभागवार वार और बैचवार) बनाई गई।

• सभी निफ्ट कैंपस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का इष्टतम उपयोग किया गया था। शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों विभागों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कई परिसरों में वर्चुअल रीयल-टाइम कक्षा अध्यापन किया गया और आभासी बैठकों, कार्यशालाओं, सेमिनार आदि का आयोजन किया गया।

• आधार आधारित बॉयोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली को निफ्ट हेड ऑफिस और दिल्ली परिसर में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है।

उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी)

सीएमएस टीम ने प्रदान किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार प्रक्रियाओं के स्वचालन के माध्यम से नए पाठ्यक्रम (2018) को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभागों द्वारा नियमित विषयों के रूप में प्रमुख (मेजर) विषयों की पेशकश की गई थी। सीएमएस प्रणाली ने छात्रों को विभाग द्वारा पेश की गई गहन विशेषज्ञता को चुनकर कैरियर का चयन करने के लिए छात्रों के लिए यूजर फ्रैन्ड्ली सुविधाएँ प्रदान की। एमडीएस और प्रौद्योगिकी विभागों द्वारा पेश किए गए बहू कैरियर विकल्पों के लिए प्रावधान किया गया था। अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए अन्य विभागों के छात्रों को विभागों द्वारा अंतर विभाग माइनर विषय प्रदान किए गए। छात्रों को अपनी प्राथमिकताएं अपलोड करने की अनुमति दी गई थी और आवंटन फीफो के आधार पर किया गया था। सीएमएस प्रणाली प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक करियर विकल्प के तहत दिए गए विषयों की सूची और विषयों के बारे में विवरण दिखाती है ताकि छात्रों को यह जानने में मदद मिल सके कि वे किस तरह के विषयों को पढ़ने वाले हैं।

डिजाइन विभाग के छात्रों को सेमेस्टर 1 से सेमेस्टर 4 तक 4 सामान्य वैकल्पिक अनिवार्य विषयों को उत्तीर्ण करना है और सेमेस्टर 5-7 तक 2 अनिवार्य जीई विषयों को उत्तीर्ण करना है। प्रौद्योगिकी विषय के छात्रों से सेमेस्टर 4 तक 3 अनिवार्य विषयों को और सेमेस्टर 7 तक 1 विषय को उत्तीर्ण करने की आशा की जाती है। हालांकि, स्नातक स्तर में प्रत्येक छात्र से सेमेस्टर 7 तक 5 जीई क्रेडिट स्कोर करने की अपेक्षा की जाती है। सीएमएस प्रणाली डिग्री प्राप्त करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट के साथ पाठ्यक्रम पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सेमेस्टर को पूरा करने वाले विषयों की संख्या का ट्रैक रखती है।

नए पाठ्यक्रम में विभिन्न विभागों के छात्र परिसर द्वारा प्रस्तावित विषयों की सूची से सामान्य ऐच्छिक (अनिवार्य और वैकल्पिक) का चयन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया छात्रों को एक ही समय में प्रस्तुत विभिन्न विषयों को चुनने की अनुमति नहीं देती है। नए पाठ्यक्रम के निर्बाध वितरण को सुनिश्चित करने के लिए, ईआरपी विभाग ने परिसरों में सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश करते समय दिशानिर्देश दिए हैं। विषयों को मॉड्यूलर या गैर-मॉड्यूलर के रूप में पेश किया जा सकता है और सिस्टम विषयों को वितरित करते समय किसी भी अतिव्यापी की अनुमति नहीं देता है। सिस्टम यह भी सुझाव देता है कि छात्रों की कुल संख्या को समायोजित करने के लिए एक सेमेस्टर में कितने विषयों और बैचों की पेशकश की जाए।

छात्रों और हितधारकों को नए पाठ्यक्रम को समझने के लिए और इसके कार्यान्वयन के लिए ईआरपी प्रमुख द्वारा कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें हैदराबाद, बेंगलुरु और नई दिल्ली में आयोजित संकाय सम्मेलन में प्रस्तुतियां शामिल रही। नए पाठ्यक्रम, कैरियर पाथ, गहन विशेषज्ञता के चयन, आईडीएम और सामान्य ऐच्छिक विषय संबंधी शॉर्ट वीडियो यूट्यूब पर छात्रों को उपलब्ध कराया गया था। सिस्टम स्वचालित रूप से प्रदान किए गए पूर्वनिर्धारित मापदंडों के अनुसार प्रत्येक कार्यक्रम के लिए सीट की क्षमता का प्रबंधन करता है।

मौजूदा और नए पाठ्यक्रम के लिए वर्ष के दौरान नई परीक्षा और मूल्यांकन नीति लागू की गई थी। मैट्रिक्स के लिए प्रवेश प्रविष्टि के साथ नई मूल्यांकन मैट्रिक्स को नई नीति के अनुसार पेश किया गया था। नई नीति के लिए जूरी पैनल प्रक्रिया, जूरी अंक प्रविष्टि, परिणाम पुनर्मूल्यांकन, ग्रेड रिपोर्ट, समेकित एसजीपीए रिपोर्ट आदि बनाए गए। संपूर्ण ग्रेडिंग प्रक्रिया को सापेक्ष ग्रेडिंग प्रक्रिया से पूर्ण ग्रेडिंग में बदल दिया गया। पूर्व किए गए अनुसार पुनः परीक्षा के लिए अनुवर्ती अवधारणा पेश की गई थी। सबसे लोकप्रिय आईडीएम, आईडीएम वरीयता विश्लेषण रिपोर्ट, जीई / डीएस / आईडीएम आवंटन रिपोर्ट, जीई वरीयता विश्लेषण रिपोर्ट, शैक्षणिक निष्पादन रिपोर्ट, नए पाठ्यक्रम और प्रदत्त शिक्षा पर फीडबैक जैसी विभिन्न रिपोर्ट बनाई जाती हैं।

अन्य गतिविधियों में छात्र स्थायी स्थानांतरण (एसपीटी 2019), आईडीएल विनिमय कार्यक्रम, अंशकालिक और पूर्णकालिक छात्रों के लिए नए शोध अनुप्रयोग, मोबाइल ऐप में क्यूआर कोड की शुरुआत के साथ प्लेसमेंट 2019 प्रक्रिया, प्लेसमेंट के लिए नया विश्लेषिकी, छात्र और संकाय के लिए ऐप, नया पाठ्यक्रम, हिंदी अधिकारी पद हेतु आवेदन, अनुसंधान प्रक्रिया स्वचालन परीक्षण, शैक्षणिक कैलेंडर, नए पाठ्यक्रम पर फीडबैक एनालिटिक्स, ब्रिज प्रोग्राम एप्लीकेशन प्रोसेस, मार्क डिजिटाइजेशन, एनएडी ऑटोमेशन प्रक्रिया शामिल हैं।

प्रवेश

वर्ष 2018 के लिए, सोलह परिसरों में, दस कार्यक्रमों में कुल 3565 सीटों की पेशकश की गई थी। निफ्ट में प्रवेश के लिए 31862 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। इनमें से योग्यता के आधार पर 3305 नियमित, राज्य के मूल निवासी और एनआरआई उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया गया था। वर्ष 2018 में पेशकश की गई, भरी गई और रिक्त सीटों की स्थिति निम्नानुसार है:

श्रेणी	पेशकश की गई सीटें	भरी गई सीटें	रिक्त सीटें
नियमित	2988	2910	78
राज्य के मूल निवासी	234	169	65
एनआरआई उम्मीदवार	343	226	117
कुल	3565	3305	260

छात्र विकास गतिविधियां

छात्र विकास कार्यक्रम

निफ्ट, छात्रों को अपनी शिक्षा को अधिक समग्र और पूर्ण बनाने के लिए निफ्ट परिसर में शारीरिक, शैक्षिक और कलात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सभी निफ्ट परिसरों में छात्र विकास कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इन गतिविधियों में सहभागिता उन्हें सामाजिक बनाने के साथ-साथ अध्ययन, आमोद-प्रमोद करने के लिए तरीके प्रदान करते हुए उनके शैक्षणिक अध्ययन को पूरक एवं सुगम बनाती हैं और दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पुन: सशक्त करते हैं।

फैशन स्पेक्ट्रम 2019

'फैशन स्पेक्ट्रम' निफ्ट का बहु प्रतीक्षित वार्षिक उत्सव है और यह सभी परिसरों में आयोजित किया गया था। इस वर्ष के उत्सव में व्यापक रूप से सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक क्लब के संगम की गतिविधियों का समावेश देखा गया। सभी परिसरों में आयोजित इस कार्यक्रम की विषयवस्तु में शामिल थे- डिजाइन प्रतियोगिताएं, व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं; नुक्कड़ नाटक; वाद-विवाद; सितारे /सेलिब्रिटी / डीजे प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम; रक्त दान और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताएं इस उत्सव के मुख्य आकर्षण थे। उद्योग जगत के सदस्य, संकाय सदस्य और निफ्ट के छात्र तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थान, विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक स्थान पर उपस्थित हुए।

कन्वर्ज 2018

कन्वर्ज एक अंतर परिसर (इंटर-कैम्पस) सांस्कृतिक और खेल आयोजन है जो विभिन्न निफ्ट परिसरों के छात्रों को पारस्परिक संपर्क का अवसर प्रदान करने के साथ ही उनके समग्र विकास के लिए प्रत्येक वर्ष दिसंबर के महीने में आयोजित किया जाता है। प्रत्येक निफ्ट परिसर में किया जाने वाला प्रारंभिक चयन यह सुनिश्चित करता है कि इस आयोजन में प्रत्येक परिसर से सर्वोत्तम प्रतिभाओं का मुकाबला दूसरे परिसर के श्रेष्ठ छात्रों के साथ हो। सभी निफ्ट परिसरों के छात्रों ने अत्यधिक जोश और उत्साह के साथ निफ्ट राएबरेली कैंपस द्वारा आयोजित कन्वर्ज 2018 में भाग लेकर इसे सफल बनाया। समारोह निफ्ट परिसर के छात्रों में श्एक मातृ संस्थाश की भावना पैदा करने में एक प्रमुख कदम है। सभी 16 निफ्ट परिसरों में से लगभग 50 छात्रों ने जोश और उत्साह के साथ इस समारोह में भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं में निफ्ट भुवनेश्वर को प्रथम स्थान मिला। द्वितीय स्थान निफ्ट मुंबई और तृतीय स्थान निफ्ट बेंगलुरु को मिला। बेस्ट डिसिप्लिन पुरस्कार निफ्ट कन्नूर द्वारा जीता गया और निफ्ट कोलकाता के छात्रों द्वारा मिस्टर एंड मिस कनवर्ज विजेताओं का पुरस्कार जीता गया।

अन्य गतिविधियां

समग्र साकल्यवादी विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी परिसरों के छात्रों ने निम्नलिखित एसडीए (छात्र विकास गतिविधि) क्लबों द्वारा आयोजित अनेक गतिविधियों में भाग लिया :

i सांस्कृतिक क्लब

ii साहित्यिक क्लब

iii खेल, रोमांच और फोटोग्राफी (एसएपी) क्लब

iv नैतिकता, सामाज सेवा और पर्यावरण (ईएसईई) क्लब

इन गतिविधियों में सहभागिता से छात्रों के शैक्षणिक अध्ययन को संपोषण और सहायता तो मिली ही, साथ ही उन्हें मेलजोल बढ़ाने, आराम करने तथा तरोताजा होने का अवसर भी प्राप्त हुआ। छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इनमें सहभागिता की क्योंकि इससे उन्हें उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ था।

प्रत्येक कैंपस में बहु-सांस्कृतिक उत्सव जैसे लोहड़ी, होली, वैसाखी और दिवाली मनाए गए थे। छात्रों ने सभी परिसरों में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया और इसमें भाग लिया। छात्रों को समाज में योगदान देने और जीवन बचाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रक्त दान शिविर आयोजित किया गया। एनजीओ के दौरे, कई परिसरों में 'शिक्षा ऋण कैसे प्राप्त करें' विषय पर वार्ता और 'आर्थिक एवं वित्तीय जागरूकता सत्र' भी आयोजित किया गया।

दीक्षांत समारोह

संबंधित शैक्षणिक वर्ष में स्नातक होने वाले छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए हर वर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है। वर्ष 2018 में प्रत्येक परिसर ने मई-सितंबर 2018 के दौरान दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। दीक्षांत समारोह शैक्षणिक वर्ष के दौरान ही आयोजित किए जाने के द्वारा इसकी निरंतरता बनाए रखने और स्नातक बैच की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित की गई।

वर्ष 2018 में कुल 2737 स्नातक छात्रों ने डिग्री प्राप्त की। परिसर वार और कार्यक्रम वार ब्रेक-अप नीचे तालिका 1 में दर्शाया गया है:

तालिका 1: दीक्षांत समारोह 2018 : स्नातक छात्रों का परिसर-वार और कार्यक्रम-वार विवरण

शैक्षिक कार्यक्रम	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर	चेन्नई	गांधीनगर	हैदराबाद	जोधपुर	कांगड़ा	कोलकाता	कन्नूर	मुंबई	नई दिल्ली	पटना	रायबरेली	शिलांग	कुल
एडी	30	23	30	22	33	30		28	30		29	36	29	24	20	364
एफसी	30		29	29	37	30		28	28	29	33	33	25			331
एफडी	37		37	40	56	27		31	46	27	45	32	30	32	24	464
केडी	27			27		23			30	28	33	31				199
एलडी				32					22			34		26		114
टीडी	30	34	33	24	28	32		27	26	22	34	35	30			355
बीएफटी	32		23	27	28	26	27	25	23	28	28	30	27			324
एमओडी										30	35	32				97
एमएफएम	32	25	27	33	35	31	28		30	29	33	33	28	24	20	408
एमएफटी	21			16	20							24				81
कुल	239	82	179	250	237	199	55	139	235	193	270	320	169	106	64	2737

उपरोक्त के अलावा, दिल्ली परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह -2018 में 5 छात्रों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) डिग्री प्रदान की गई थी।

कैंपस प्लेसमेंट

फैशन डोमेन में उभरते हुए गंतव्य बांग्लादेश, वियतनाम और कंबोडिया में फैशन और जीवन शैली उद्योगों के साथ एक मजबूत संबंध बनाने के लिए, यूनिट-इन-चार्ज (उद्योग) के साथ हेड - इंडस्ट्री एवं पूर्व छात्र मामले ने इन देशों के विनिर्माण, खुदरा और अन्य फैशन व्यवसाय क्षेत्रों के प्रमुखों से मिलने के लिए वहाँ का दौरा किया।

यात्रा के दौरान, टीम ने निफ्ट के विभिन्न प्रयासों को प्रस्तुत किया और उद्यमी विकास के लिए सहयोग के अवसरों की खोज की जैसे इनक्यूबेटरों और अनुसंधान चेयर्स की स्थापना, परियोजना और परामर्श, उद्योग और पूर्व छात्रों के सम्मेलन, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, इंटर्नशिप, स्नातक परियोजना, कैंपस प्लेसमेंट आदि। उन्होंने फैशन शिक्षा के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए वियतनाम में संस्थानों का भी दौरा किया। इस यात्रा के सिलसिले में बांग्लादेश और वियतनाम की कंपनियों ने कैंपस और ऑफ कैंपस प्लेसमेंट 2019 के माध्यम से निफ्ट के स्नातक छात्रों को अवसर प्रदान किए।

कन्नूर, केरल, भारत की अपनी यात्रा के दौरान, क्लासिक फैशन, जॉर्डन के प्रबंध निदेशक के साथ ऑनलाइन बातचीत के परिणामस्वरूप, उन्होंने ने कैंपस और ऑफ कैंपस प्लेसमेंट 2019 के दौरान निफ्ट का दौरा किया और 50 से अधिक स्नातकों को उनके जॉर्डन कंपनी में नौकरी देने की पेशकश की।

भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के तत्वावधान में निफ्ट द्वारा स्थापित किए जाने वाले ट्रेंड लैब ष्विजन नैक्सटष् के लिए आवश्यक शर्तें निर्धारित करने के लिए उद्योग जगत के दिग्गजों और निफ्ट के पूर्व छात्रों के साथ गोलमेज सम्मेलन 3 नवंबर, 2018 को ओबेरॉय (ऑर्किड हॉल), 39, एमजी रोड, बेंगलुरु में आयोजित किया गया था। इस पहल का उद्देश्य एक स्वदेशी फैशन पूर्वानुमान सेवा तैयार करना है जो हमारे देश के लिए मौसमी दिशाओं को डिजाइन करती है।

विजन नेक्स्ट पहल को निफ्ट द्वारा भारतीय फैशन उद्योग की बारीकियों और इसकी चुनौतियों पर विचार करते हुए हमारे राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय सामाजिक-सांस्कृतिक निर्माण और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप, हथकरघा हाट, जनपथ, दिल्ली में आवंटित स्थान से निष्पादित किया जाएगा।

उद्योग और पूर्व छात्र कनेक्ट के हिस्से के रूप में, निफ्ट के आई एवं एए ने 27 से 28 मार्च, 2019 तक होटल रेनेसंस, पवई, मुंबई में आयोजित इंडिया फैशन फोरम (आईएफएफ) 2019 में भाग लिया। निफ्टा वार्षिक कैलेंडर बनाने, निफ्टा सचिवालय की समीक्षा स्थिति, निफ्ट बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई परिसरों में निफ्टा सचिवालय बनाने, निफ्टा बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई परिसरों आदि में निफ्टा सचिवालय के लिए सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट (एसपीओसी) बनाने के लिए निफ्ट बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई परिसरों में निफ्टा पूर्व छात्र एसोसिएशन (निफ्टा) की बैठक आयोजित की गई थी।

कैम्पस प्लेसमेंट के लिए आई एवं एए की तैयारी के भाग के रूप में, 10 अप्रैल 2019 को आरआईसी, संकाय सदस्यों और छात्र स्वयंसेवकों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सीएमएस में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था, जिससे वे कैंपस प्लेसमेंट 2019 के लिए सीएमएस सुविधाओं को समझने और उनका उपयोग करने में सक्षम हो सकें।

प्रशिक्षण के मुख्य आकर्षण थे-

- क्यूआर कोड एम्बेडेड जॉब अनाउंसमेंट फॉर्म और जॉब सीकर फॉर्म का उपयोग

- मोबाइल ऐप की संवर्धित विशेषताएं
- सीएमएस में अन्य प्लेसमेंट सुविधाएँ

निफ्ट कैम्पस प्लेसमेंट 2018 का आयोजन निफ्ट के 08 परिसरों में किया गया था अर्थात नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, कोलकाता, कन्नूर।

अभिविन्यास कार्यक्रम और पूर्व छात्र सम्मेलन के दौरान सभी परिसरों में पूर्व छात्रों के साथ बातचीत का आयोजन में किया गया था।

प्लेसमेंट के लिए छात्रों की तैयारी में सहायता करने के लिए परिसरों में सॉफ्ट स्किल और रिज्यूम बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। कक्षा परियोजनाओं को आरआईसी इकाई द्वारा चौनलाइज किया गया था।

आई एंड एए टीम ने छात्रों को इंटर्नशिप, आरपी / जीपी और पीपीओ को आगे बढ़ाने के लिए परिसर में समान अवसर प्रदान किए।

प्रख्यात उद्योग कर्मियों और निफ्ट पूर्व छात्रों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान सभी पाठ्यक्रमों और परिसरों में आयोजित किए गए थे।

फाउंडेशन प्रोग्राम

फाउंडेशन कार्यक्रम का लक्ष्य उन्नत संवाद और अनुभव के माध्यम से प्रवेशकों को अंतर-अनुशासनात्मक वातावरण प्रदान करना है। पारगमन पाठ्यक्रम निफ्ट छात्रों के बीच एक संस्कृति विकसित करता है, जो उन्हें कुशल और सामाजिक रूप से जागरूक डिजाइनरों और फैशन तकनीशियन के रूप में जीवन के लिए तैयार करेगा। फाउंडेशन अध्ययन के दौरान छात्रों को विभिन्न वातावरण का अनुभव होता है, उनकी आकांक्षा का पता लगाता है और प्रयोग के साथ कल्पना को जोड़ता है। फाउंडेशन कार्यक्रम के दौरान पढ़ाए गए विषय डिजिटल डिजाइन प्रौद्योगिकियों और संचार के अग्रणी उपयोग के साथ प्रतिनिधित्व तकनीकों, कला, शिल्प और डिजाइन संवेदनशीलताओं, डिजाइन अवधारणाओं, विधियों, फैशन की ओर प्रक्रियाओं और अभिविन्यास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कार्यक्रम डिजिटल डिजाइन प्रौद्योगिकियों और संचार माध्यमों के अग्रणी उपयोग पर केंद्रित है। अनुभव कौशल, सहयोगात्मक मूल्य सृजन और वैचारिक स्पष्टता और संवर्धित संवेदनशीलता के लिए विकासशील दृष्टिकोण के माध्यम से उनके जुनून को बढ़ाने के लिए आवश्यक स्थान प्रदान करेगा। प्रथम वर्ष के दौरान प्राप्त अनुभव छात्र समुदाय के बीच समग्र विकास को बढ़ावा देगा।

कार्यक्रम में ऐसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों के व्यक्तित्व विकास का समर्थन करते हैं। मेजर विषयों के साथ, छात्रों को उनकी सह-पाठयक्रम क्षमताओं को मजबूत करने के लिए फाउंडेशन स्तर से सामान्य ऐच्छिक विषय पेश किए जाते हैं। सामान्य ऐच्छिक विषय व्यक्ति के संपूर्ण या समाज के ज्ञान और दृष्टिकोण के आधार पर छात्र के मौलिक संज्ञानात्मक अभिविन्यास को बढ़ाएगा। इसमें प्राकृतिक दर्शन, मौलिक, अस्तित्वगत और आदर्शवादी पद, विषय, मूल्य, भावनाएं और नैतिकता शामिल हैं। विकासशील समस्या निवारण कौशल और महत्वपूर्ण सोच कौशल पर भी जोर दिया जाता है। संगीत, नृत्य और थिएटर में सामान्य ऐच्छिक विषय, छात्रों के समूह द्वारा प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए पेश किए जाते हैं। प्रत्येक टुकड़े का आधार तर्क और अनुसंधान और पढ़ने के द्वारा समर्थित किया जाएगा। संचार सामान्य ऐच्छिक विषय के अध्ययन से छात्र प्रभावी ढंग से और उचित रूप से संवाद करने में सक्षम हो जाएंगे।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

अध्ययन के प्रथम वर्ष के दौरान, छात्रों को प्रेरकों, उद्योग विशेषज्ञों, पेशेवरों, ट्रेंडसेटर, प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, सिद्धांतकारों और डिजाइनरों सहित कई प्रकार की सुविधा प्रदान की जाती है। यह कार्यक्रम छात्रों को स्वतंत्र व्यक्तित्व विकसित करने में मदद करेगा और उन्हें तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में खुद के लिए अनुकूल बनाने और सीखने की अनुमति देने के लिए आजीवन शिक्षार्थी बनाएगा।

उद्योग कनेक्ट

• निफ्ट बेंगलुरु में एफपी डिजाइन के छात्रों के लिए श्री विवेक विलासिनी ने एक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जो एक कलाकार है और मल्टीमीडिया के साथ कला की खोज करते हैं। उनका कार्य सांस्कृतिक भारतीय समाज पर विभिन्न प्रभावों को पकड़ने का प्रयास करता है। छात्रों को बाबू ईश्वर प्रसाद से भी वार्ता प्रस्तुत की गई, जिन्होंने बेंगलुरु, बड़ौदा, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ और नई दिल्ली में कई समूह / क्यूरेट शो में भाग लिया। कलाकार के काम ने प्रकृति के संशोधित दर्शन दिखाए, उन्हें पैटर्न और सामंजस्यपूर्ण मिश्रण में बदल दिया। कलाकार ने आगे वीडियोग्राफी के माध्यम से अपने काम को दिखाया। कलाकार ने अपनी कुछ व्यंग्य रचनाओं जैसे 'दस का बीज,'- फिल्म -

'गली बीजा'- एक कन्नड़ फिल्म, जो जियो मामी, मुंबई फिल्म फेस्टिवल में दिखाई और एनएफडीसी फिल्म बाजार में भी दिखाई गई, जिसमें मुख्य नायक के रूप में सड़क पर काम किया।

छात्रों को सुश्री अंजली शर्मा का व्याख्यान प्रस्तुत किया गया था, जो बेंगलुरु में प्रेट फैशन लेबल दी फ्रेंच कर्व की मालिक हैं। उनकी राय में किसी भी समस्या को दूर करने के तीन मंत्र हैं - दृढ़ता, ध्यान केंद्रित करना और कड़ी मेहनत। डिजाइनर ने एक ग्राहक की मांग और उन कारकों के बारे में बात की, जिन पर परिधान व्यवसाय निर्भर करता है और आगे उनकी व्याख्या की है जैसे - रचनात्मकता, लागत, प्रौद्योगिकी, स्थिरता आदि। उन के लिए सुश्री काव्या नाग, एक उद्यमी ने 'उद्यमिता और स्थिरता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वक्ता ब्रांड "कोकोनेस" की प्रबंध निदेशक हैं, ने उत्पाद पैकेजिंग के लिए विचार की स्थापना के बारे में बात की। श्री जॉर्ज मैथेन, जो कि एक प्रसिद्ध ग्राफिक उपन्यासकार और कलाकार हैं, जिसे अप्पुपन नाम से भी जाना जाता है - ने अपने बचपन से लेकर नवीनतम प्रकाशित कार्य तक की यात्रा पर बात प्रस्तुत की। उन्होंने अपने कथा कला ग्राफिक हलाहल की किंवदंतियों पर भी बात की।

• एफपी डिजाइन निफ्ट नई दिल्ली में श्री मनीष त्रिपाठी, डिजाइनर, और निफ्ट दिल्ली के पूर्व छात्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया, उन्होंने कहानी शुरू करते हुए बताया कि कैसे वह निफ्ट में बहुत मेहनत कर रहे थे तथा अतिरिक्त पैसे कमाने और अपनी रचनात्मकता का पता लगाने के लिए निफ्ट में कई रचनात्मक कार्य किए। यह लक्ष्य के प्रति दृढ़ता और समर्पण का बड़ा उदाहरण था। छात्रों को सुश्री निदा महमूद, डिजाइनर और पूर्व छात्र ने व्याख्यान दिया। उसे किच की रानी के रूप में जाना जाता है। उन्हें सुश्री अस्मिता अग्रवाल से वार्ता प्रस्तुत की गई। उन्होंने ब्राइडल एशिया, पैट्रियट, एल'ऑफिशियल, एशियन एज, एचटी में एडिटर के रूप में काम करने के कारण फैशन पत्रकारिता की दुनिया के बारे में बात की। उन्होंने सुश्री आशा गुलाटी से भी बात की, जो एक प्रायोगिक कलाकार हैं, जो कला कार्यों और प्रतिष्ठानों में कार्यरत हैं, उन्होंने कागजी तकनीकों और कागज बनाने के बारे में बहुत कुछ पता लगाया है। विभिन्न डिजाइन क्षेत्रों फैशन, इंटीरियर और आर्किटेक्चर, प्रोडक्ट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग आदि में ओरिगामी तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्होंने संस्कृती स्कूल, ब्रिटिश काउंसिल, जापान फाउंडेशन, लुइस विटन, सिलेक्ट सिटी वॉक, एंबियंस मॉल, ताज ग्रुप ऑफ होटल्स, स्टेनलेस, फैशनिस्टा, आर्ट डीश्ऑनॉक्स, फ्रेजर और हॉव्स के साथ काम किया है और विश्व बुक्स पब्लिकेशन के साथ सीबीएसई के लिए 11 कला पुस्तकें लिखी और संपादित की हैं।

• निफ्ट हैदराबाद में एफपी डिजाइन में श्री संतोष कुमार, आर्किटेक्ट और विजुअल मर्चेंडाइजर के व्याख्यान प्रस्तुत किए गए थे, जिन्होंने कला और डिजाइन के बीच संबंध को व्यक्त किया और पेश किया। उनका व्याख्यान बहुत प्रभावशाली था, जहां उन्होंने रूप, आकार, स्थान और रंग संबंध के बारे में बात की, साथ ही इतिहास और समय के साथ इनमें बदलाव के साथ फैशन, इंटीरियर और वास्तुकला, उत्पाद, दृश्य बिक्री आदि के बारे में भी बात की। उन्हें श्री गणेश नल्लारी, फैशन डिजाइनर और थियेटर कलाकार, निफ्ट-हैदराबाद-टेक्सटाइल डिजाइनर के पूर्व छात्र, डांसर और डेंटिस्ट गणेश नल्लारी -3 इन 1 हैं, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव रखते हुए और बहुत सफल रहे हैं, फैशन का परिचय देते हैं, छात्रों के साथ किए गए कुछ अभ्यासों के साथ उनका व्याख्यान इंटरैक्टिव था। उनके व्याख्यान ने छात्रों को अपने विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया। सुश्री नमिशा नायडू, एनआईडी से ग्राफिक और यूआई डिजाइनर ने भी छात्रों को वार्ता प्रस्तुत की। उन्होंने साधारण शुरूआत करने के बाद एक मील का पत्थर हासिल किया है और युवाओं को प्रेरित करने की क्षमता है। उन्होंने क्राफ्ट के महत्व के बारे में बताया और अपने दस्तावेज को प्रलेखित करने के बारे में बताया। उन्हें कौमुदी स्टूडियो की संस्थापक डॉ शर्मिला नागराज और वोक्ससेन स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन ओरिएंटेशन की निदेशक से वार्ता प्रस्तुत की गई; उन्होंने ज्यादा अपने शोध कार्य और छात्रों को अपनी पसंद से प्रेरित करने पर बात की और छात्रों के सभी प्रश्नों को हल करने और उनका जवाब देने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र लिया।

• निफ्ट चेन्नई में एफपी के छात्रों को नए पाठ्यक्रम में निर्धारित 'डिजिटल डिजाइन और संचार' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया था। उन्हें श्री आर. चंद्रशेखर, डिजिटल आर्टिस्ट - सीईओ, अनीगरा एकेडमी द्वारा एक अन्य वार्ता प्रटूट की गई। सुश्री अमृता चौधरी ब्रांड 'दिशा' की संस्थापक ने उद्यमी उद्यम के बारे में भी उनसे बातचीत की, जो टाई डाई और शिबोरी तकनीकों का उपयोग करके सुंदर वस्त्र बनाने के व्यवसाय में है।

निम्नलिखित विशेषज्ञों द्वारा उनको 'सामाजिक डिजाइन से परिचय' विषय पर व्याख्यान दिया गया था: निफ्ट चेन्नई में श्री चंद्रू दुरैराज, पीक परफोर्मेंस कोच और सामाजिक दूरदर्शी

श्री जी. मणिकाभारती, उद्यमी और सामाजिक दूरदर्शी

निफ्ट चेन्नई में एफपी के छात्रों को सुश्री श्रुति हरि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ने एक समृद्ध व्याख्यान दिया, सुश्री शिल्पा मीठा, शिल्पकार, लघु मूर्तिकार और सोशल मीडिया उत्साही ने खाद्य पर बात की और सुश्री ऐश्वर्या मणिवन्नन, कलाकार, इंटीरियर डिजाइनर, क्यूरेटर और वर्ल्ड सिलंबम चौंपियन ने आर्ट एवं सिलंबम पर बात की।

• निफ्ट कांगड़ा में एफपी डिजाइन छात्रों को सुश्री नीरू, खाद्य ब्लॉगर, दिल्ली, श्री गुरजस बल, सिनेमैटोग्राफी और संपादक, दिल्ली, सुश्री अवनी पंड्या, शिल्प और सरफेस, एनजीओ-धर्मशाला, श्री ओ. सी. शर्मा, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी, कलेक्टर ऑफ मास्टर आर्टिस्ट वर्क्स / पेंटिंग एंड एक्सक्लूसिव बुक्स लाइब्रेरी, लेखक और कलाकार द्वारा व्याख्यान दिया गया था। श्री धनी राम खुश्दिल, कलाकार, पहाड़ी मिनिएचर पेंटिंग, स्टूडियो का दौरा और कांगड़ा मिनिएचर पेंटिंग पर डेमो दिया, प्रो. योगा वर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और पूर्व प्रो-वाइस चांसलर- सीयूएचपी, -शिक्षण में आध्यात्मिकता' पर व्याख्यान दिया, डॉ. प्रदीप नायर, प्रोफेसर और डीन, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन और न्यू मीडिया, सीयूएचपी, सुश्री पूनम शर्मा, सूफी गायक, एसोसिएट

प्रोफेसर - कन्या महा विद्यालय (दी ऑटोनॉम्स) दी हेरिटेज इंस्टीट्यूशन, जालंधर, पंजाब और सुश्री दीप्ति बवेजा, क्रिएटिव डायरेक्टर और शिक्षाविद्, कोच और मेंटर ने '5 मंत्र जो आपके जीवन को बदल देंगे' विषय पर व्याख्यान दिया।

• निफ्ट भुवनेश्वर में एफपी डिजाइन छात्रों को श्री नीरज कुमार सिन्हा द्वारा ओडिशा के हथकरघा पर जोर देने के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिल्प का परिचय और शिल्प क्षेत्र के लिए विभिन्न चुनौतियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया था। श्री बंदेश वरुण ने समस्या समाधान पर व्याख्यान दिया और विभिन्न सीटीएस टूल्स का उपयोग करके व्यावहारिक रूप से व्यावहारिक विचारों का सृजन करें। सुश्री रचिता रथ ने समस्या समाधान आदि खोजने के लिए जरूरतों / समस्याओं आदि के एकीकरण और विभिन्न विषय ज्ञान के आवेदन के संदर्भ में एक सामाजिक क्लस्टर का अध्ययन करने के लिए सामाजिक डिजाइन के 9 बुनियादी सिद्धांतों के आवेदन पर व्याख्यान दिया।

• निफ्ट भोपाल में एफपी डिजाइन में श्री अमित कुमार गहलोत द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया, जो आईआईसीडी, जयपुर और नॉटिंघम ट्रेंट विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे, जो पर्ल अकादमी ऑफ फैशन, जयपुर के पूर्व पाठ्यक्रम मुखिया, धातु शिल्प में विशेषज्ञ और स्व-नियोजित डिजाइनर रहे और व्याख्यान का विषय डिजाइनरों के लिए धातु शिल्प के ज्ञान का महत्व (विषय-सामग्री अध्ययन, मॉड्यूल - धातु) है और श्रीमती अनुभूति बेहर, जो फैशन टेक्नोलॉजी में एक निफ्ट मुंबई की पूर्व छात्र है, वर्तमान में प्रमुख डिजाइनर- मृगनयनी, एम.पी. सरकार है और व्याख्यान का विषय डिजाइनरों के लिए यार्न तकनीकों के ज्ञान का महत्व है (विषय-सामग्री अध्ययन, मॉड्यूल- यार्न) ।

• निफ्ट जोधपुर में एफपी डिजाइन छात्रों को संगीत और डिजाइन फोकस पर श्री फाइमान खान द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया और श्री लोकेश घई ने उनके द्वारा किए गए अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन प्रोजेक्ट्स पर एक और व्याख्यान प्रस्तुत किया था।

• निफ्ट श्रीनगर में एफपी डिजाइन छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में डिजाइन, विपणन और शिल्प पर श्री रहकम साह द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया था।

पुरस्कार

• श्री प्रदीप पी, निफ्ट बेंगलुरु में एफपी डिजाइन सेमेस्टर - II के छात्र को न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु द्वारा 28 - 29 सितंबर, 2018 को आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

• सुश्री ज्योति रत्न श्री, निफ्ट बेंगलुरु में एफपी टेक -II की छात्र ने मित्र ज्योति ट्रस्ट, एचएसआर लेआउट, बेंगलुरु को नेत्रहीनों के लिए पाठ्यक्रम और पुस्तकें विकसित करने में मदद की है। वह नेत्रहीन लोगों के लिए विभिन्न प्रतिस्पर्धी पुस्तकों की स्कैनिंग और संपादन कर रही है।

• सुश्री प्रियंका एस. के. निफ्ट कन्नूर में एफपी टेक सेम -2 ने पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु में 22-24 फरवरी, 2019 को आयोजित - क्रिया 2019 में इनोवेटिव माइंड्स में पेपर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता है ।

• निफ्ट मुंबई में एफपी की छात्रा सुश्री ख्याति ऋषि ने सतत शैक्षणिक उत्कृष्टता (6 वर्ष) के लिए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2018 में चक्रव्यूह फैशन शो, 2018 में प्रथम स्थान और टाइम्स स्पर्धा प्रतियोगिता में टाइम्स ऑफ इंडिया गोल्ड मेरिट सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया।

• निफ्ट मुंबई में एफपी के छात्र श्री रोहित गजभिये ने 27.12. 2018 को आईआईटी, मुंबई में आयोजित वोग इंडिया फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार और रनर अप रहे।

• मुंबई कैंपस में एफपी के छात्रों को सेंट एगनेल स्कूल में आयोजित महिला बास्केटबॉल में तृतीय पुरस्कार मिला।

• जोधपुर कैंपस एफपी के छात्र, श्री हर्ष कौशल, ने बैडमिंटन एकल का खिताब जीता है - प्रथम पुरस्कार लहारिया, एफडीडीआई जोधपुर, 21- 22 मार्च, 2019, श्री हर्ष कौशल और सुश्री आस्था बुट्टा, ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स, प्रीमियर जीता है। लहारिया में प्रथम पुरस्कार, एफडीडीआई जोधपुर, 21-22 मार्च, 2019, श्री हर्ष कौशल ने औरा, एम्स जोधपुर, 1-4 मार्च, 2019 में बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता है।

• निफ्ट जोधपुर एफपी की छात्रा, सुश्री जान्हवी राजपुरोहित ने फैशन शो- प्रथम पुरस्कार, रेड एफएम, जोधपुर, 15 मार्च, 2019 को जीता है। सुश्री जान्हवी राजपुरोहित ने राष्ट्रीय स्तर पर नृत्य महासंघ (आयु समूह - 16-19 वर्ष) भी जीता है - प्रथम पुरस्कार, बेंगलुरु।

• निफ्ट जोधपुर एफपी के छात्रों, सुश्री शारिन जयंत, सुश्री सौम्या नाइक, सुश्री हर्षिता शर्मा, सुश्री नमामि शर्मा, श्री ध्रुविक बमनिया ने जोधपुर रेलवे स्टेशन पर भित्तिचित्र बनाए।

• निफ्ट भुवनेश्वर एफपी के छात्र श्री मोहित खेत्रपाल ने आईआईटी, भुवनेश्वर में फोटो-आर्ट मैनिपुलेशन में प्रथम पुरस्कार जीता है।

फैशन डिजाइन

फैशन डिजाइन कार्यक्रम निफ्ट का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसने भारतीय फैशन उद्योग के विकास में एक प्रभावशाली भूमिका निभाई है। अपने अस्तित्व के 3 दशकों में विभाग के स्नातकों ने भारतीय और वैश्विक फैशन परिदृश्य में उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की है। फैशन डिजाइन में चार साल के कार्यक्रम का उद्देश्य गतिशील डिजाइन पेशेवरों को तैयार करना है जो बदलते फैशन उद्योग की चुनौतियों का सामना कर सकें। यह उन्हें फैशन के क्षेत्र से संबंधित मजबूत रचनात्मक और तकनीकी कौशल से भी लैस करता है, जो उन्हें एक विकसित फैशन बायोस्फियर के अनुकूल होने के लिए सशक्त बनाता है। पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक अधिगम और व्यावहारिक व क्रियाशील प्रशिक्षण का संयोजन शामिल है जो एकीकृत विकास को सक्षम बनाता है।

विभाग सक्रिय रूप से अनुसंधान, रचनात्मकता और व्यक्तिवाद की गहन संस्कृति को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल रहता है। इसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय फैशन रुझानों के बारे में जागरूकता सहित फैशन उद्योग के सभी पहलुओं में छात्रों के लिए वृहत एक्सपोजर शामिल है। फैशन डिजाइन 15 निफ्ट परिसरों अर्थात् बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कोलकाता, कन्नूर, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली, शिलांग और श्रीनगर में पेश किया जाता है। विभाग बढ़ते फैशन उद्योग के परिवर्तनों के लिए बहुत संवेदनशील है और अपने पाठ्यक्रम और शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को वर्तमान और अग्रेषण रखता है। उद्योग प्रासंगिकता के प्रति एक दृढ़ संकल्प के साथ पाठ्यक्रम को शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में पुनर्गठित किया गया था।

संशोधित पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जुड़ने की परिकल्पना करता है जहां डिजाइन सोच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पाठ्यक्रम संशोधन फैशन डिजाइन के पूर्व छात्रों और विशेषज्ञों के लिए मुख्य और संबंधित क्षेत्रों की पहचान करने और परिष्कृत करने के लिए क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ आयोजित बातचीत पर आधारित था। जिम्मेदार और नैतिक फैशन पर ध्यान केंद्रित इस पाठ्यक्रम सुधार में एक महत्वपूर्ण ड्राइवर रहा है।

ऐतिहासिक और समकालीन फैशन प्रभावों का अध्ययन केंद्रित डिजाइन व्याख्याओं और प्रेरणाओं के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है। एक तार्किक, अनुक्रमिक व्यावहारिक अनुभव छात्रों को डिजाइन की अवधारणा करने, पैटर्न बनाने, ड्रेप और त्रुटिहीन गुणवत्ता के वस्त्र बनाने में सक्षम बनाता है। इस फोकस के अनुसार विभाग में अध्ययन के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान डिजाइन और चित्रण, परिधान विकास के बुनियादी ढांचे, परिधान और इतिहास एवं समकालीन फैशन के लिए मूल्यवर्धन के रूप में की जाती है। फैशन के उभरते डिजिटल क्षेत्र को लक्षित करना, प्रौद्योगिकी के साथ साझेदारी करना एक महत्वपूर्ण परिवर्धन रहा। प्रमुख क्षेत्रों में पहनने योग्य प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन वस्त्रों जैसे पाठ्यक्रमों का समावेश, स्मार्ट फैशन की ओर डिजाइन तैयार करने का प्रयास करता है।

विशिष्ट क्षेत्रों के रूप में लक्जरी और कॉउचर और छवि निर्माण तथा स्टाइल की लोकप्रियता को विशिष्ट क्षेत्रों के रूप में पेश किया जाना माना जाता है। लक्जरी और वस्त्र विशेषज्ञता हाई फैशन खंड को लक्षित करती है जिसे स्वतंत्र डिजाइनरों के लिए रोमांचक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इस स्ट्रीम में सावधानीपूर्वक डिजाइन विवरण शामिल है और यह देखने में नएपन, डिजाइन के साथ जटिल निर्माण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। छवि निर्माण और स्टाइल एक फैशन स्नातक के लिए समान रूप से उत्साही क्षेत्र है। स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन पर दिखावे

के लिए मेकअप और स्टाइल सेलेब्रिटी कल्चर पर मौजूदा बढ़ते फोकस ने फैशन शो के कार्यक्रम में विशेषज्ञता की इस स्ट्रीम को प्रेरित किया है।

यह विभाग 3 अंत:विषय माइनर अर्थात फैशन खोज, स्नातक छात्रों के लिए फैशन प्रतिनिधित्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फैशन प्रक्रिया प्रदान करता है। फैशन अध्ययन माइनर, परिधान डिजाइन और विकास के बुनियादी कौशल से छात्रों को लैस करता है। फैशन प्रतिनिधित्व माइनर, छात्रों को चित्रण और स्टाइल के माध्यम से फैशन का संचार करने में सक्षम बनाता है। फैशन प्रक्रिया माइनर, परिधान विकास के सिद्धांतों की समझ की सुविधा प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम की बेहतर प्रस्तुति को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण संकाय एक प्रमुख घटक है। वर्ष के दौरान विभाग ने दो ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जो विशेषज्ञता के नए क्षेत्रों को लक्षित करते हैं। दिल्ली परिसर में लक्जरी-पहचान, ब्रांडिंग और पोजिशन पर एक अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण आयोजित किया गया था और इस प्रशिक्षण में विभिन्न निफ्ट परिसरों से 15 संकायों ने भाग लिया। मुंबई परिसर में आंतरिक संकाय द्वारा फैशन समाज और संस्कृति विषय पर प्रशिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न निफ्ट परिसरों के 11 संकायों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

पाठ्यक्रम शिक्षण कक्ष परियोजनाओं के साथ उद्योग लिंकेज के एकीकरण के लिए अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2018-19 में, विभाग ने निम्नलिखित तरीके से शिक्षण कक्ष परियोजनाओं पर उद्योग के साथ काम किया है:

हैदराबाद

छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ विभाग ने महिला बाइकर्स के लिए तेलंगाना हैंडलूम फैब्रिक का उपयोग करके कपड़े डिजाइन करने की एक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना के पीछे की अवधारणा अक्टूबर 2018 में आयोजित बथुकम्मा उत्सव के दौरान दिखाए जाने वाले तेलंगाना हथकरघा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। इस परियोजना को डॉ. मालिनी दिवाकाला द्वारा समन्वयन किया गया था और सेमेस्टर 5 फैशन डिजाइन के छात्रों की भागीदारी के साथ सुश्री जस्ती पूजा और सुश्री फातिमा बिलग्राम द्वारा समन्वित किया गया था।

जोधपुर

फैशन डिजाइन सेमेस्टर 5 के दो छात्रों ने क्लास रूम प्रोजेक्ट के तहत एम्स कन्वोकेशन अटायर डिजाइन प्रतियोगिता जीती। एम्स के दीक्षांत बैच, संकाय और गणमान्य व्यक्तियों के लिए टोपी बनाना और टोपी का डिजाइन तैयार करना इस डिजाइन परियोजना का एक हिस्सा था।

नई दिल्ली

मैसर्स नंदन डेनिम के सहयोग से क्लास रूम प्रोजेक्ट फैशन डिजाइन, दिल्ली कैंपस द्वारा शुरू किया गया था। परियोजना सेमेस्टर के भाग के रूप में 7 छात्रों ने कंपनी द्वारा प्रायोजित वस्त्रों का उपयोग करते हुए डिजाइन और एन्सेम्बल विकसित किया गया। इस परियोजना का समन्वय सुश्री अनुपमा चक्रवर्ती द्वारा किया गया था।

सेमेस्टर 6 के लिए विषय पूर्वानुमान आधारित डिजाइन विकास के लिए क्लास रूम प्रोजेक्ट मैसर्स शाही एक्सपोर्ट हाउस, फरीदाबाद के सहयोग से किया गया था। परियोजना के हिस्से के रूप में छात्रों ने मौरिस ब्रांड के पूर्वानुमानित कथनों के अनुसार वस्त्र डिजाइन किए। इस परियोजना का समन्वय सुश्री अनुपमा चक्रवर्ती द्वारा किया गया।

सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता ने फैशन डिजाइन के सेमेस्टर 7 के छात्रों के लिए पोशाक, विग, मेकअप आदि को समझने के लिए ओपेरा डे पेरिस में दो सप्ताह के छात्र विनिमय मॉड्यूल का समन्वय और संचालन किया।

मैसर्स इको- तस्सर के साथ एक कक्षा परियोजना, जो सेमेस्टर 6 के छात्रों द्वारा की गई थी, परियोजना में प्राकृतिक रेशमी कपड़ों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विकसित किए गए संग्रह के डिजाइन और शोकेस शामिल थे। इस परियोजना का समन्वयन प्रोफेसर डॉ. वंदना नारंग और सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता ने किया था।

मुंबई

बेल्जियम के साथ जुड़े मुंबई कैंपस का विभाग भारतीय कला और बेल्जियम के डिजाइनों के बीच सहयोग प्रदर्शित करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला में बेल्जियम के डिजाइनरों जीन-पॉल और सेलीन के साथ पारंपरिक भारतीय परिधनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय समागम पर जोर दिया गया।

लेदर डिजाइन

निफ्ट चेन्नई, कोलकाता, नई दिल्ली और रायबरेली में स्थित लेदर डिजाइन विभाग, परिधान, जूते, चमड़े के सामान, लक्जरी उत्पादों, जीवन शैली उत्पादों और हस्तशिल्प पर ध्यान केंद्रित चमड़े और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के लिए विशेष रूप से फैशन उद्योग क्षेत्रों की पेशेवर मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूरा करता है। लेदर डिजाइन विभाग द्वारा पेशकश किए जा रहे 4 वर्ष की पेशेवर डिजाइन डिग्री कार्यक्रम विशिष्ट लक्ष्य बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामग्री ज्ञान के साथ जूते और चमड़े के उत्पादों में डिजाइन अवधारणाओं के एकीकरण पर जोर देती है। फिल्ड दौरों, टैनरी प्रशिक्षण और उद्योग इंटर्नशिप के माध्यम से उद्योग के लिए एक्सपोजर पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बाजार अनुसंधान, फैशन के रुझान और पूर्वानुमान, डिजाइन के तरीकों और प्रक्रियाओं, सामग्री और उत्पाद विकास, एर्गोनॉमिक्स और उपयोगकर्ता इंटरफेस, फैशन मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग के लिए तकनीकी जानकारी सहित बहुआयामी दृष्टिकोण, विभिन्न बाजार क्षेत्रों की जरूरतों और वरीयताओं के अनुसार चमड़े और संयोजन सामग्रियों में विभिन्न उत्पाद प्रकारों के लिए विभिन्न सामग्रियों को संभालने के लिए छात्रों में एक क्षमता विकसित करता है और ग्राहकों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में लक्षित करता है।

लेदर डिजाइन विभाग उद्योगों की अनुकूलित जरूरतों को भी पूरा करता है अर्थात अनुसंधान और विकास गतिविधियां जैसे बाजार और फैशन की प्रवृत्ति अनुसंधान और विश्लेषण, नया डिजाइन और उत्पाद विकास; मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ जैसे कि डिजाइनिंग और पैटर्न इंजीनियरिंग, सीएडी, उत्पाद स्टाइल और रेंज विकास, नया सरफेस डिजाइन और सामग्री विकास, उत्पाद मर्चेंडाइजिंग और खुदरा तकनीक आदि क्षेत्रों में कौशल विकास; विभिन्न कार्यशालाओं, लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसडीपी) दोनों इन-हाउस और आउटरीच मोड, प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी), परियोजना दक्षता, आदि का आयोजन करके बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे डिजाइन, पेटेंट, ट्रेड मार्क्स और भौगोलिक संकेत आदि की सुरक्षा करना। विभाग अपने नियमित डिजाइन डिग्री कार्यक्रम के अलावा, उत्पाद विकास, उत्पादन, विपणन और बिक्री, ब्रांडिंग और फुटवेयर और लेदर उत्पाद उद्योगों में खुदरा बिक्री जैसे सतत शिक्षा कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

लेदर डिजाइन विभाग का दर्शन

"लेदर डिजाइन विभाग उत्पाद डिजाइन और संबद्ध अनुशासन के क्षेत्र में बौद्धिक रूप से खुले पेशेवरों को तैयार करता है, जो बिना किसी पूर्वाग्रह के सीधी और स्वतंत्र सोच रखते हैं और पेशेवर रूप से समृद्ध और सुदृढ़ होते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को समानुभूति के साथ डिजाइन अनुसंधान की ओर अग्रसर करने में सक्षम बनाता है जो व्यक्ति को फैशन लेदर और संबद्ध उत्पाद उद्योग की डिजाइन जरूरतों के लिए नवीन रूप से योगदान करने में मदद करता है और लगातार उभरते हुए मेगा रुझान और बड़े स्तर पर समाज की बेहतरी के लिए खोज के साथ मिलकर डिजाइन व्यवसाय के वाणिज्यिक और रचनात्मक पहलुओं को संतुलित करता है।"

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

पुनर्गठित 4 वर्ष का बी. डीएस (लैदर डिजाइन) डिग्री प्रोग्राम एक अनूठा कार्यक्रम है जो डिजाइनर, उत्पाद डेवलपर्स, उत्पाद स्टाइलिस्ट, सीएडी विशेषज्ञ, डिजाइन मर्चेंडाइजर और फैशन लेदर उत्पादों, लक्जरी वस्तुओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में संबद्ध उत्पाद क्षेत्रों के लिए डिजाइन उद्यमी के रूप में अच्छी तरह से दक्ष पेशेवरों को तैयार करने का इरादा रखता है। डिजाइन पेशेवरों और उद्यमियों के विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का समर्थन करने के इरादे से, लेदर डिजाइन कार्यक्रम के पाठ्यक्रम, डिजाइन और उत्पाद विकास के साथ कोर के रूप में, फैशन उत्पाद क्षेत्र के विभिन्न उद्योग खंडों जैसे वस्त्र, लेदर का सामान, जूते, लक्जरी सामान और हाथ से तैयार किए गए उत्पाद की जरूरतों को पूरा करता है।

व्यावसायिक विशेषज्ञता चार विषय श्रेणियों, अर्थात मेजर विषय, गहन मेजर विषय, अंत:विषय माइनर और सामान्य अध्ययन के माध्यम से पाठ्यक्रम के आवश्यक ज्ञान, कौशल, रचनात्मक अन्वेषण और प्रथाओं को प्रदान करके विकसित की गई है। सभी 8 सेमेस्टर के मेजर विषय आवश्यक सामग्री और उत्पाद ज्ञान, रचनात्मक, तकनीकी और हस्त कौशल और रचनात्मक, अभिनव और व्यावहारिक वास्तविक जीवन के शिक्षण अनुप्रयोगों के लिए क्षमता प्रदान करते हैं, जो कि सभी सेमेस्टर के मेजर विषयों के मुख्य डोमेन अर्थात सामग्री का अध्ययन- चर्म और गैर चर्म, डिजाइन और फैशन का अध्ययन, परिधान उत्पादन और विपणन, परिधान डिजाइन स्टूडियो, ड्राइंग और डिजिटल डिजाइन और शिल्प क्लस्टर एकीकरण के माध्यम से सीखते हैं।

दो मेजर ऐच्छिक विषयों के रूप में गहन विशेषज्ञता, आगे मेजर विषय को मजबूत और गहन बनती है और परिधान रेंज और पहनावा पूरा करने के लिए उत्पादों और सामानों की बहु श्रेणियों के साथ छात्र के पोर्टफोलियो के निर्माण को सुनिश्चित करती है। पेशेवर आवश्यकताओं के अनुसार विशेषज्ञता को व्यापक बनाने के लिए फ्लोटिंग विषय भी पेश किए जाते हैं। इस प्रकार, मेजर विषय, गहन विशेषज्ञता और फ्लोटिंग मेजर विषय सुनिश्चित करते हैं कि फैशन उत्पाद क्षेत्रों के लिए आवश्यक तैयार डिजाइन पेशेवरों और उद्यमियों को तैयार करने के लिए प्रत्येक स्नातक सेमेस्टर के साथ विभिन्न स्तरों पर आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की जाती हैं।

डिजाइन और उत्पाद विकास मार्ग के अलावा, तीन और संबद्ध कैरियर मार्ग - डिजाइन प्रोडक्शन, डिजाइन मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग और डिजाइन कम्युनिकेशन को फैशन उत्पाद क्षेत्र की विभिन्न श्रेणियों में कैरियर की पसंद के मेनू का प्रसार करने के लिए पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। इन संबद्ध कैरियर मार्गों की परिकल्पना अंतर विषयक माइनर विषयों के माध्यम से की गई है। यह सुनिश्चित करना है कि छात्र की रुचि और विशेषज्ञता के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने के लिए विभिन्न संयोजन - क्षेत्र श्रेणियां (6 विकल्प) और कैरियर मार्ग (4 विकल्प) प्रदान करता है।

समानांतर में, पाठ्यक्रम अन्य यूजी कार्यक्रमों के लिए अंतर विषयक माइनर, जो चमड़े के बुत एवं कल्ट फैशन और लेदर के जीवन शैली उत्पादों का समृद्ध ज्ञान और पीजी कार्यक्रम के लिए, उन्हें संबद्ध कैरियर विकल्पों हेतु सक्षम करने के लिए लक्जरी उत्पाद लाइन भी प्रदान करता है। उपरोक्त के अलावा, सभी पाठ्यक्रम सेमेस्टर के विभिन्न विषयों के स्तर पर एक मजबूत उद्योग कनेक्शन और इंटरैक्शन को समायोजित करते हैं जो छात्रों को वास्तविक समय परिदृश्यों के लिए एक्सपोजर प्राप्त करने और उद्योग के वातावरण में व्यावहारिक रूप से सामना की जाने वाली चुनौतियों पर काम करने में सक्षम बनाते हैं।

उद्योग संबंधी गतिविधियाँ- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों/ यात्राओं में भागीदारी

• 'मीट एट आगरा फेयर 2018' में भागीदारी

मीट एट आगरा (लेदर, जूते के घटक और प्रौद्योगिकी मेला) के 12 वें संस्करण का आयोजन 26-28 अक्टूबर, 2018 से आगरा में एएफएमएसी और सीएलई द्वारा किया गया था। रायबरेली के एलडी सेमेस्टर- V के छात्रों ने पहली बार निफ्ट थीम पैवेलियन की स्थापना कर मेले में भाग लिया। अध्यक्ष-एलडी ने 'जूते और चमड़ा उत्पाद उद्योग के लिए निफ्ट की भूमिका और सेवाएँ' विषय पर एक प्रस्तुति दी और मीट के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों के पैनल चर्चा में भी भाग लिया।

• लेदर अनुसंधान उद्योग गेट-टुगेदर- लेरिग 2019 में भागीदारी

चेन्नई परिसर के संकाय सदस्यों, एलडी सेमेस्टर IV और VI के छात्रों ने 30-31 जनवरी, 2019 से सीएसआईआर-सीएलआरआई में आयोजित लेरिग 2019 - लेदर अनुसंधान उद्योग सम्मेलन गेट-टुगेदर में भाग लिया। सम्मेलन का विषय ष्लेदर क्षेत्र के लिए अगली पीढ़ी की प्रोद्योगिकी" था। उद्योग 4.0 के लिए दृष्टिकोण और कवर किए गए विषय थे: उद्योग 4.0- लेदर क्षेत्र पर प्रभाव, बड़े पैमाने पर निजीकरण उत्पादन-जब तक आप इसे चालू नहीं करते, भारतीय ऊर्जा परिदृश्य, लेदर उद्योग में ऊर्जा की बचत के अवसर, लेदर उद्योग में स्थिरता की पहल, उद्योग 4.0 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका - भारतीय चर्म उद्योग के लिए अनुप्रयोग।

• इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर आईआईएलएफ - 2019 का आयोजन 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान चेन्नई के नंदाम्बक्कम में ट्रेड सेंटर में किया गया था। एलडी के संकाय सदस्यों ने आईआईएलएफ - 2019 में चेन्नई, कोलकाता और रायबरेली के सेमेस्टर VI के छात्रों के साथ दौरा किया और लेदर, चर्म उत्पाद, जूते, सहायक उपकरण, मशीनरी और पुर्जों, आदि में अंतर्राष्ट्रीय रुझान और प्रथाओं पर एलडी पाठ्यक्रम की उद्योग संबंधी गतिविधियों के भाग के रूप में एक्सपोजर प्राप्त किया।

• मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम की पहल के तहत 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान काउंसिल ऑफ लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनर मेले के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया। सभी संकाय सदस्यों, एलडी के छात्रों ने मेले का दौरा किया। एलडी विभाग के संकाय सदस्यों ने निफ्ट स्टाल बनाने में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

• इंडिया इंटरनेशनल लेदर गुड्स फेयर (आईएलजीएफ) - 2019

एलडी कोलकाता के संकाय सदस्यों ने लेदर, चर्म उत्पाद / सहायक उपकरण, मशीनरी और पुर्जों, आदि में अंतर्राष्ट्रीय रुझानों और प्रथाओं पर एक्सपोजर हासिल करने के लिए एलडी सेमेस्टर IV और VI के छात्रों के साथ एलडी पाठ्यक्रम के उद्योग संबंधी गतिविधियों के हिस्से के रूप में कोलकाता में आईटीपीओ और सीएलई द्वारा आयोजित इंडिया इंटरनेशनल लेदर गुड्स फेयर 2019 का दौरा किया।

हितधारकों को पाठ्यक्रम संचार के लिए पहल

लेदर डिजाइन विभाग ने भारतीय लेदर, फुटवियर, वस्त्र और जीवनशैली वस्तुएँ / एक्सेसरी क्षेत्रों के उद्योग हितधारकों के बीच एलडी विभाग को बढ़ावा देने और स्थापित करने के लिए उद्योग सदस्यों, प्रचार निकायों जैसे सीएलई, एलएसएससी और साथी संस्थान जैसे सीएलआरआई के साथ कई बैठकें आयोजित और शिरकत की। एलडी क्योर पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए सीपी-एलडी द्वारा प्रस्तुति दी गई थी, विभिन्न उद्योग संबंधी गतिविधियों, नए उभरते क्षेत्रों, नए पाठ्यक्रम में उद्योगों के साथ सहयोग की गुंजाइश / संभावनाएं पर चर्चा की गई थी। उद्योग के सदस्यों ने नए प्रारूप में संरचित केंद्रित, प्रगतिशील और एकीकृत सीखने की प्रक्रिया और नए पाठ्यक्रम में शुरू किए गए लेदर डिजाइन स्नातकों के लिए परिकल्पित विभिन्न करियर पथों के निर्माण के लिए नए प्रारूप की सराहना की।

वर्ष 2018-19 के दौरान आयोजित और शिरकत की जाने वाली बैठकें इस प्रकार हैं:

(i) श्री नरेश भसीन, क्षेत्रीय अध्यक्ष-सीएलई वेस्ट, प्रबंध निदेशक- मैसर्स राम फैशन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ बैठक। 11 जुलाई, 2018 को मुंबई में उद्योग सदस्य-पश्चिमी क्षेत्र और आईआईएलएफ 2019 और 4 वें डिजाइनर मेले के दौरान 1-3 फरवरी, 2019 को चेन्नई में।

(ii) श्री हबीब हुसैन, अध्यक्ष, लेदर सैक्टर कौशल परिषद (एलएसएससी), राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), भारत सरकार के साथ बैठक और ए. वी. थॉमस, प्रबंध निदेशक लेदर - अलाइड उत्पाद उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, 13 जुलाई 2018 को और एलएसएससी उप-समिति की बैठकों के दौरान, एलएसएससी कार्यालय, एमएसएमई कैम्पस, गिंडी, चेन्नई में बैठक की।

(iii) 19 सितंबर, 2018 को डॉ. बी. चंद्रशेखरन, निदेशक सीएसआईआर-सीएलआरआई और वैज्ञानिकों की टीम के साथ और बाद में कई अन्य अवसरों पर बैठक की।

(iv) श्री पी आर अकील अहमद, चेयरमैन-काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई), प्रबंध निदेशक - मैसर्स फ्लोरेंस शूज प्राइवेट लिमिटेड, अंबुर और श्री सेल्वम आईएएस, कार्यकारी निदेशक, सीएलई हेड ऑफिस, चेन्नई, आईआईएलएफ में चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान और आगरा मीट और कई अन्य अवसरों पर बैठक की।

(v) श्री इसरार अहमद, क्षेत्रीय अध्यक्ष सीएलई खसाउथ, निदेशक-मैसर्स फरीदा शूज, अंबुर के साथ बैठक और इंडस्ट्री मेंबर्स- आईआईएलएफ 2019 और डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान और कई अन्य मौकों पर एलडी चेन्नई के सीसी-एलडी और फैकल्टी मेंबर्स के साथ-साथ इंडस्ट्री मेंबर्स की बैठक।

(vi) 10 अक्टूबर, 2018 को श्री पूरन धवर, क्षेत्रीय अध्यक्ष-सीएलई नॉर्थ और इंडस्ट्री मेंबर्स उत्तर क्षेत्र के साथ और 26-28 अक्टूबर, 2018 को आगरा मीट 2018 के दौरान बैठक।

(vii) श्री साहिल मलिक, प्रबंध निदेशक, मैसर्स डा मिलानो के साथ 10 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में उनके कॉर्पोरेट कार्यालय में बैठक।

(viii) श्री मुक्तारुल अमीन, पूर्व चेयरमैन-सीएलई और कानपुर लेदर एंड फुटवियर उद्योगपतियों (मध्य क्षेत्र) के साथ 11 अक्टूबर, 2018 को कानपुर लेदर कॉम्प्लेक्स, उन्नाव में बैठक और आईआईएलएफ 2019 के दौरान और डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान चेन्नई में बैठक।

(ix) श्री रमेश जुनेजा, क्षेत्रीय अध्यक्ष - सीएलई - पूर्व, प्रबंध निदेशक ख़ मैसर्स जे सी एक्सपोर्ट्स, कोलकाता और उद्योग सदस्य पूर्वी क्षेत्र के साथ आईआईएलएफ 2019 के दौरान और चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान बैठक।

x) श्री रामजी योगासुंदरम, क्षेत्रीय अध्यक्ष-दक्षिण, भारतीय चमड़ा उत्पाद संघ (आईएलपीए) और प्रबंध निदेशक, मैसर्स रामजी लीवर्स, चेन्नई के साथ 27 मार्च, 2019 को बैठक।

(xi) श्री एन शफीक अहमद, अध्यक्ष- साउथ इंडियन शू मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, चेयरमैन-इंडियन फिनिश्ड लीव्स मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (आईएफएलएमईए), अंबुर, तमिलनाडु और अंबुर लेदर एंड फुटवियर उद्योगपतियों के साथ 28 मार्च, 2019 को बैठक।

(xii) नोएडा में एफडीडीआई गवर्निंग काउंसिल मीटिंग के दौरान श्री अरुण कुमार सिन्हा आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई, नोएडा के साथ और चेन्नई में आईआईएलएफ 2019 और चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान बैठक।

(xiii) एफडीडीआई की 70 वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान सुश्री सुधीर मणि त्रिपाठी आईएएस, संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय के साथ उद्योग भवन में उनके कार्यालय में और चेन्नई में आईआईएलएफ 2019 के उनके दौरे और चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान बैठक।

(xiv) श्री मुरली, निदेशक-सेंट्रल फुटवियर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सीएफटीआई), चेन्नई के साथ आईआईएलएफ 2019 और चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 और एमएसएमई संस्थान कार्यालय, चेन्नई में एलएसएससी सब कमेटी की बैठकों के दौरान बैठक।

(xv) कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ लेदर टेक्नोलॉजी (केआईएलटी) के निदेशक श्री सुनील कुमार के साथ आईआईएलएफ 2019 के उनके दौरे के दौरान और चौथे डिजाइनर मेले 1-3 फरवरी, 2019 के दौरान बैठक।

सीएसआईआर के साथ एमओयू के लिए की गई पहलें

लेदर डिजाइन विभागों, निफ्ट और सीएलआरआई की टीमों और डीन (अकादमिक) और सक्षम प्राधिकारी के मार्गदर्शन के अनुसार बैठकों में विचार-विमर्श और मनन के आधार पर, समझौता ज्ञापन (एमओयू) का एक मसौदा तैयार किया गया था और अनुमोदन के लिए निफ्ट मुख्यालय और सीएलआरआई मुख्यालय को प्रस्तुत किया गया था। निफ्ट की 35 वीं सीनेट की बैठक में एमओयू का मसौदा प्रस्तुत किया गया था। फिर सीनेट के दौरान दी गई सलाह के अनुसार, सीपी एलडी ने सुझावों को शामिल करके सीएलआरआई के साथ निफ्ट के एमओयू को संशोधित किया है और कानूनी वेटिंग और अनुमोदन के लिए संशोधित और अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया है। अंतिम मसौदे को कानूनी तौर पर आगे बढ़ाने के लिए निफ्ट और सीएलआरआई दोनों के सक्षम अधिकारियों ने मंजूरी दे दी थी।

सीएलई के साथ एमओयू के लिए की गई पहलें

लेदर निर्यात विभाग, निफ्ट और सीएलई के अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और लेदर निर्यात परिषद के विभिन्न उत्पाद पैनल में शामिल प्रमुख उद्योगपति के बीच कई बैठकों में हुए विचार-विमर्श और किए गए मनन के आधार पर और डीन (अकादमिक) तथा सक्षम प्राधिकारी के मार्गदर्शन में सीएलई के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) का एक मसौदा तैयार किया गया था और अनुमोदन के लिए निफ्ट मुख्यालय और सीएलई मुख्यालय को प्रस्तुत किया गया था। निफ्ट की 35 वीं सीनेट की बैठक में एमओयू का मसौदा प्रस्तुत किया गया था। फिर सीनेट की बैठक के दौरान दी गई सलाह के अनुसार, सीपी एलडी ने सुझावों को शामिल करके निफ्ट के साथ सीएलई के एमओयू को संशोधित किया है और कानूनी वेटिंग और अनुमोदन के लिए संशोधित और अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया है। अंतिम मसौदे को कानूनी तौर पर आगे बढ़ाने के लिए निफ्ट के सक्षम प्राधिकारी ने मंजूरी दे दी गई थी। डिलिवरेबल्स के साथ अंतिम मसौदा एमओयू भी सीपी-एलडी द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया गया था और विस्तार से चर्चा की गई थी। अध्यक्ष-सीएलई ने सकारात्मक रूप से जवाब दिया और सिद्धांत रूप में सहमत हुए। एमओयू का मसौदा सीएलई की ओर से प्रक्रिया में है और आगे की कार्यवाही के लिए सीएलई अध्यक्ष के अंतिम निर्णय / पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है।

अंतिम स्नातक परियोजनाएं / आयोजन

• एलडी नई दिल्ली के बैच (2014-2018) के स्नातक छात्रों ने 25 मई 2018 को प्रदर्शनी हॉल, निफ्ट परिसर, में आयोजित स्नातक शो में उद्योगपतियों और विशेष पुरस्कार प्रायोजक के रूप में (2 पुरस्कार, नकद पुरस्कार) विशेष अतिथि श्री अंशु अभिराम, अपोलो इंटरनेशनल की उपस्थिति के बीच अपने अंतिम डिजाइन संग्रह का प्रदर्शन किया।

• निफ्ट, एलडी चेन्नई के बैच (2014-2018) के स्नातक छात्रों ने 26 मई, 2018 को फैशन शो के दौरान छात्रों द्वारा अभिनव डिजाइन के साथ थीमेटिक प्रदर्शन और प्रदर्शनी में अपने डिजाइन संग्रह / स्नातक परियोजना को प्रदर्शित किया था। सर्वश्रेष्ठ 5 संग्रह ने 26 मई, 2018 को निफ्ट कैम्पस के तिरुवल्लुवर सभागार में फैशन शो 2018 में अपने डीसी संग्रह को प्रस्तुत किया।

• एलडी कोलकाता के बैच (2014-2018) के स्नातक छात्रों ने 29 मई, 2018 को स्वाभूमी, कोलकाता में आयोजित स्नातक शो में उद्योगपतियों और विशिष्ट अतिथि श्री रमेश जुनेजा, अध्यक्ष -सीएलई-पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता की उपस्थिति के बीच कोलकाता में अपना अंतिम डिजाइन संग्रह प्रदर्शित किया था।

• एलडी रायबरेली के बैच (2014-2018) के स्नातक छात्रों ने 28 मई, 2018 को गोल्डन ब्लॉसम इम्पीरियल रिसॉर्ट्स, लखनऊ में उद्योगपति और मुख्य अतिथि श्री नवनीत सहगल, आईएएस, प्रधान सचिव, खादी और ग्रामोद्योग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ की उपस्थिति में आयोजित स्नातक शो में अपने अंतिम डिजाइन संग्रह का प्रदर्शन किया।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन कार्यक्रम छात्रों को ज्ञान से लैस करता है और उनकी रचनात्मकता और परिधान और घरेलू फैशन उद्योगों के लिए डिजाइन अनुप्रयोग की समझ को विकसित करता है।

बुनाई, प्रिंट डिजाइन, कढ़ाई और सतह सजावट मुख्य टेक्सटाइल विषय हैं और एक साथ मिलकर छात्रों को एक व्यापक और बहुमुखी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम टेक्सटाइल प्रौद्योगिकी के साथ डिजाइन की रचनात्मक ताकतों के एकीकरण पर बनता है और यह ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी ध्यान में रखता है, जिसमें आज डिजाइनर काम करते हैं।

निफ्ट में टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने खुद को डिजाइन शिक्षा के अपने विशिष्ट और अभिनव दृष्टिकोण के माध्यम से और भारतीय फैशन और वस्त्र उद्योग से इसकी निकटता के माध्यम से प्रतिष्ठित किया है। कार्यक्रम संरचना को बाजार सर्वेक्षण, उद्योग यात्राओं, इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं के माध्यम से एक मजबूत उद्योग अभिविन्यास के साथ निर्माण करने की योजना बनाई गई है। छात्रों को शिल्प क्लस्टर पहल के माध्यम से एक शिल्प वातावरण का एक्सपोजर भी मिलता है, जो उन्हें पारंपरिक प्रथाओं के प्रति संवेदनशील बनाता है।

इस विभाग में 72 संकाय सदस्य हैं जो 13 परिसरों में कार्यरत हैं। वर्तमान में, लगभग 1300 छात्र इन 13 परिसरों में टेक्सटाइल डिजाइन की पढ़ाई कर रहे हैं। ये परिसर हैं- बेंगलुरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई और पटना।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

बी.डेस डिग्री (टेक्सटाइल डिजाइन) के लिए विकसित किया गया नया पाठ्यक्रम मॉडल उन वरिष्ठ उद्योग सदस्यों, जिन्होंने वर्षों से टेक्सटाइल डिजाइन स्नातकों को नियुक्ति पर रखा है, पूर्व छात्र जो उद्योग में उच्च पदों पर आसीन हैं, वर्तमान छात्रों और संकाय सदस्यों से आत्मसात किए गए फीडबैक पर आधारित है । पूर्व छात्रों के विचार, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है, को भी प्रशंसित डिजाइन संस्थानों द्वारा अकादमिक इनपुट और शिक्षाशास्त्र में एक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए विचार किया गया था।

वस्त्र डिजाइन कार्यक्रम मुख्य रूप से टेक्सटाइल पर बुनाई, छपाई और मूल्य - वर्धन पर केंद्रित है, दोनों हस्त और डिजिटल कौशल का उपयोग अनुप्रयोग उन्मुख दृष्टिकोण के माध्यम से करता है। संशोधित पाठ्यक्रम संरचना का डिजाइन, दौरों, उद्योग से जुड़ी परियोजनाओं, और उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान के माध्यम से बढ़े हुए उद्योग इंटरफेस के साथ एक मजबूत टेक्सटाइल आधार बनाने के लिए किया गया है। मौजूदा उद्योग एक्सपोजर, इंटर्नशिप और स्नातक परियोजना के अलावा, नए पाठ्यक्रम में सेमेस्टर III में एक समग्र मिल के एक अनिवार्य दौरे और सजीव अनुभव के लिए उद्योग संक्षिप्त पर आधारित सेमेस्टर V, VI और VII में डिजाइन परियोजनाएं शामिल हैं। एक नया विषय, प्रोफेशनल प्रोजेक्ट भी सेमेस्टर VII में शामिल किया गया है जो नए वस्त्र उत्पादों, नई व्यावसायिक अवधारणाओं, उत्पाद से बाजार आदि के बारे में उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान की श्रृंखला शुरू की जाएगी। मूल्यांकन स्वतंत्र परियोजना के माध्यम से उद्योग के साथ छात्र जुड़ाव, फैशन वीक या अन्य उद्योग आयोजनों में भागीदारी के आधार पर, या चल रही परामर्श परियोजना में संकाय सहायता के माध्यम से होगा।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम नए उभरते क्षेत्रों को संबोधित करने का इरादा रखता है ताकि उद्योग की जरूरतों को जल्दी से पूरा किया जा सके। नए विषयों, सेमेस्टर VI में वस्त्र और भविष्य के टेक्सटाइल में नवाचार, नए फैब्रिक, नवीन फैब्रिक विकास, तकनीकी वस्त्र, स्मार्ट फैब्रिक प्रौद्योगिकी, अत्याधुनिक तकनीक आदि को कवर करने का लक्ष्य है। छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र पर शोध करने और एक प्रतिबिंब रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक स्वतंत्र अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों जैसे डिजिटल कढ़ाई, 3 डी प्रिंटिंग, प्राकृतिक रंगाई और डेनिम वॉश और फिनिश को पाठ्यक्रम में समामेलित किया गया है।

टेक्सटाइल डिजाइन ग्रेजुएट जॉब प्रोफाइल की मैपिंग के बाद, यह मूल्यांकन किया गया कि पूर्व छात्रों को, मुख्य रूप से टेक्सटाइल डिजाइनर, व्यापारी और परिधान या होम सेगमेंट में मैनेजर के रूप में तैनात किया गया था। एक विशिष्ट उत्पाद श्रेणी के लिए वस्त्र डिजाइन करने हेतु छात्रों को लैस करने के प्रयास में, दी जाने वाली गहन विशेषज्ञता में परिधान – फैशन एक्सेसरीज उपकरण तथा गृह और स्पेस के लिए टेक्सटाइल शामिल हैं। कपड़ा डिजाइन और विकास के बारे में विशेष ज्ञान जिसमें परिधान या घर के लिए बुनाई, छपाई और अलंकरण शामिल हैं, संबंधित उद्योग में प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए स्नातकों को तैयार करेंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में, मेजर और गहन विशेषज्ञता को तीन प्रमुख क्षेत्रों – बुनाई, छपाई और सरफेस अलंकरण में मजबूत उद्योग अभिविन्यास के साथ ज्ञान के आधार को मजबूत करने के लिए एकीकृत किया गया है।

वस्त्र डिजाइन विभाग तीन अंत:विषय माइनर, अर्थात् टेक्सटाइल संरचना और सरफेस, और स्नातक छात्रों के लिए टेक्सटाइल एप्रिसियशन और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वस्त्र निर्माण और सोर्सिंग प्रदान करता है। टेक्सटाइल स्ट्रक्चर और सरफेस माइनर के दृष्टिकोण के माध्यम से वस्त्रों के तत्वों में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, जबकि टेक्सटाइल एप्रिसिएशन माइनर टेक्सटाइल और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोग की व्यापक समझ प्रदान करता है। टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग एंड सोर्सिंग माइनर टेक्सटाइल की समझ को मजबूत करता है, फैब्रिक के अनुभव को बढ़ाता है और उपयुक्त अंत अनुप्रयोग के लिए प्रदर्शन, आराम और सौंदर्य संबंधी विशेषताओं का आकलन करता है।

उद्योग संबंध

सत्र 2018–19 में, परिसरों में वस्त्र डिजाइन विभाग ने छात्रों को रियल टाइम लर्निंग माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा परियोजनाओं सहित विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया। महत्वपूर्ण गतिविधियों और कक्षा परियोजनाओं में से कुछ नीचे दी गई हैं:

• निफ्ट ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 27–29 जून, 2018 से मेस फ्रैंकफर्ट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एंबिएंट और हेमटेक्स्टिल इंडिया 2018 व्यापार मेलों में भाग लिया। निफ्ट वाल ने अपने अंतिम ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में तीन टेक्सटाइल डिजाइन छात्रों द्वारा विकसित घरेलू और जीवन शैली उत्पादों को प्रदर्शित किया। संग्रह में डीसी (हैंडीक्राफ्ट) द्वारा प्रायोजित, हैदराबाद के टेक्सटाइल डिजाइन के छात्र सृष्टि चौहान द्वारा आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में विकसित प्राकृतिक रंगाई से युक्त हस्त ब्लॉक प्रिंटेड कलमकारी कुशन का एक संग्रह शामिल है। एक अन्य संग्रह में मत्रिका भंडारी, टेक्सटाइल डिजाइन की छात्र, दिल्ली कैंपस द्वारा डिजाइन की गई रंग–बिरंगी बुनी हुई दरियाँ, गद्दी लगा स्टूल और पाउफ्स शामिल हैं जो जवाजा,

राजस्थान में विकसित किए गए और डीसी (हैंडलूम) द्वारा प्रायोजित हैं। तीसरा संग्रह, के गायत्री प्रिया टेक्सटाइल डिजाइन के छात्र, चेन्नई कैंपस द्वारा पुलीकट, चेन्नई में स्थित मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यक महिला कारीगरों के साथ पुलीकट वूमेन पॉम लीफ, केन एंड बैम्बू और एलाइड प्रोडक्ट वर्कर्स इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड द्वारा विकसित ताड़ के पत्तों के आंतरिक उत्पादों को प्रस्तुत किया। इस परियोजना को निफ्ट और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'पारंपरिक कला/ शिल्प उन्नयन और विकास के लिए प्रशिक्षणश(यूएसटीटीएडी) योजना के तहत प्रायोजित किया गया था। निफ्ट प्रदर्शनी को आगंतुकों और सहभागिता करने वाले संगठनों द्वारा सराहना की गई। अभिनव चिक शिल्प उत्पादों ने निर्यातकों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों का ध्यान आकर्षित किया।

• सेमेस्टर V के छात्रों ने इकोतसर सिल्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित छात्र डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया। यह प्रतियोगिता जिसमें तसर यार्न का उपयोग करके नवीन बुनाई का विकास किया गया था, को सेमेस्टर V तसर यार्न में उन्नत एडवांस्ड बुनाई स्ट्रक्चर्स के डिलिवरेबल्स के साथ एकीकृत किया गया था और इकोतसर द्वारा सभी परिसरों को प्रदान किया गया था। प्रतियोगिता में एनआईडी, बनस्थली विश्वविद्यालय, आईआईसीडी और पर्ल अकादमी सहित कई डिजाइन संस्थानों ने भाग लिया। जूरी द्वारा चयनित सभी शीर्ष 30 बुने हुए डिजाइनों को बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता और मुंबई परिसरों के निफ्ट छात्रों द्वारा विकसित किया गया था। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित शीर्ष 5 विजेता थे; थरानी के., चेन्नई कैंपस; शिवानी कृष्णा और आंचल मलिक, कांगड़ा कैम्पस; हर्षिता रोहिला और निधि आर्य, दिल्ली कैम्पस।

• बेंगलुरु कैंपस ने सेमेस्टर ट के छात्रों (जुलाई-दिसंबर 2018) के साथ प्रिंट डिजाइन प्रोजेक्ट के भाग के रूप में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लाइफस्टाइल समूह के साथ कक्षा परियोजना शुरू की। उद्योग ने ब्रांड साइमन कार्टर के लिए पुरुषों की शर्ट के लिए प्रिंट विकसित करने हेतु ब्रीफ जानकारी प्रदान की। परियोजना का निर्देशन सहायक प्रोफेसर सुश्री काकोली दास द्वारा किया गया था। कंपनी ने 3 छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए और स्नातक परियोजना की पुष्टि की तथा सभी छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

• चेन्नई कैंपस ने विषय, टेक्सटाइल आर्ट, सेमेस्टर VII (जुलाई-दिसंबर 2018) के भाग के रूप में रचनात्मक वस्त्रों को विकसित करने के लिए अपनी सुविधाओं का उपयोग करने के लिए स्टूडियो, शटल्स और सुई के साथ करार किया। पाठ्यक्रम को स्टूडियो में आंशिक रूप से संपादित किया गया था।

• नई दिल्ली कैंपस के सेमेस्टर VII के छात्रों ने प्रदर्शनी 'रिविजिटिंग गांधी: दी आर्ट ऑफ शेली ज्योति 2009-2018' में अपने टेक्सटाइल इंस्टॉलेशन दिखाए। शोकेस डॉ. रूबी कश्यप सूद द्वारा निर्देशित विषय 'टेक्सटाइल आर्ट' के एक हिस्से के रूप में कलाकार के साथ किए गए कक्षा परियोजना का परिणाम था। आईजीएनसीए, नई दिल्ली में प्रदर्शनी ने 2009 से 2018 के बीच बनाई गई शेली ज्योति के टेक्सटाइल कार्यों को प्रदर्शित किया, जो भारतीय इतिहास और पहचान - स्वराज, खादी, नमक और इंडिगो के साथ जुड़े थे। शेली ज्योति द्वारा उपलब्ध कराए गए सार के आधार पर, छात्र समूहों ने गांधी के विश्वासों और विचारधाराओं को दर्शाते हुए अपने वस्त्र प्रतिष्ठानों की अवधारणा की। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 6 अक्टूबर, 2018 को माननीय कपड़ा मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने विशिष्ट अतिथियों राजमाता शुभनगिरिजे गायकवाड़, चांसलर, एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्जी, ट्रस्टी, कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक; श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, केवीआईसी और डॉ. सचिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, आईजीएनसीए की उपस्थिती में किया। छात्रों के टेक्सटाइल इंस्टॉलेशन दिनांक 6-21 अक्टूबर, 2018 के दौरान प्रदर्शित किए गए थे और आगंतुकों द्वारा इनकी सराहना की गई।

• टेक्सटाइल डिजाइन, दिल्ली कैंपस सेमेस्टर III (सितंबर - दिसंबर 2018) के एकीकृत असाइनमेंट के हिस्से के रूप में लीवा (आदित्य बिड़ला समूह) के साथ एक कक्षा परियोजना का संचालन किया गया था। परियोजना के हिस्से के रूप में, लीवा ने फैब्रिक प्रायोजित किया और छात्रों ने विशिष्ट ब्रांडों के लिए शिबोरी, बैटिक और कढ़ाई का उपयोग करके नवीन सरफेस का विकास किया। लीवा ने उनके लीवा पर सरफेस डिजाइन अन्वेषण के लिए 3 विजेताओं का चयन किया। सुश्री मानवी तेजपाल को प्रथम स्थान दिया गया; दूसरा स्थान श्री छविंदर पांचाल ने हासिल किया और तीसरा स्थान सुश्री अनुप्रिया को दिया गया। तीनों छात्रों को इंडिया फैशन वीक में 16 मार्च 2019 को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। तीन विजेताओं के अलावा, दस छात्रों के रचनात्मक विकास को परिधान ब्रांड, बिबा द्वारा चुना गया।

• हैदराबाद कैंपस के सेमेस्टर VII (जुलाई-दिसंबर 2018) के छात्रों ने शिल्प ग्राम, शिल्पग्राम में हस्तशिल्प मेले के लिए स्पेस डिजाइन को क्रियान्वित किया। इस गतिविधि को विजुअल मर्चेंडाइजिंग विषय के भाग के रूप में लिया गया।

• कोलकाता कैंपस ने सेमेस्टर V (जुलाई 2018) के छात्रों के साथ प्रिंट डिजाइन प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में पश्चिम बंगाल के शिल्प परिषद के साथ कक्षा परियोजना शुरू की। परियोजना का परिणाम साड़ी और परिधान अवधारणाओं पर आधारित था, जिसे कारीगरों द्वारा विकसित किया गया था और एक फैशन शो में प्रस्तुत किया गया था।

• मुंबई कैंपस ने क्लासी प्रोजेक्ट के लिए एक जापानी केमिकल कंपनी असाही कासी के साथ करार किया। परियोजना के हिस्से के रूप में, सेमेस्टर VII के छात्रों ने विषय, एडवांस्ड डिजाइन प्रोजेक्ट (जुलाई 2018) के हिस्से के रूप में ब्रांड और खुदरा अनुसंधान किया। परियोजना का समन्वयन डॉ. मोहम्मद जावेद द्वारा किया गया था।

निटविअर डिजाइन

निटविअर डिजाइन विभाग, फैशन परिधान और सहायक उपकरण उद्योग के निटविअर डोमेन के लिए विशेषज्ञ पेशेवरों की आवश्यकता को पूरी करता है। विभाग छात्रों को निटविअर फैशन परिधान और उत्पादों के डिजाइन और निष्पादन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम का दायरा फाउंडेशन परिधान से लेकर आउटर वियर तक कई खंडों को समाहित करता है। अधुनातन प्रवृत्ति और फैशन में पूर्वानुमान के साथ रहने के लिए छात्रों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान और विस्तृत डिजाइन के तरीकों पर जानकारी दी जाती है। विभाग छात्रों को पेशेवरों के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाता है जो निटविअर फैशन के सभी पहलुओं, फैब्रिक डिजाइन से उत्पाद प्राप्ति तक को संभाल सकते हैं।

ज्ञान और कौशल में चार साल के समामेलित एक्सपोजर के माध्यम से, निटविअर डिजाइनर रचनात्मक सोच, मजबूत तकनीकी कौशल और फ्लैट बुनाई, सर्कुलर बुनाई और कम्प्यूटरीकृत बुनाई के संबंध में गतिशील बाजार उन्मुखीकरण के साथ उभरना चाहता है। छात्र निटविअर अपेरल्स की सभी श्रेणियों में काम करने की क्षमता हासिल करते हैं जैसे मेन्सवियर, महिलाओं के कपड़े, बच्चों के कपड़े, सक्रिय या स्पोर्ट्सवियर, आरामदायक परिधान, शीतकालीन वस्त्र, अधोवस्त्र और अंतरंग परिधान आदि।

वर्तमान में निटविअर डिजाइन पाठ्यक्रम सात निफ्ट परिसरों अर्थात् बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कन्नूर, कोलकाता और मुंबई में संचालित किया जा रहा है।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

निटविअर डिजाइन विभाग का शुरू किया नया और पुनर्गठित पाठ्यक्रम वैश्विक शैक्षणिक संरचना के बराबर है। अंतर-विषयक माइनर विषयों, सामान्य ऐच्छिक विषयों और फ्लोटिंग माइनर विषयों के साथ नए मार्गों की परिणति छात्रों को समग्र विकास के लिए सक्षम बनाती है और मुख्य विशेषज्ञता के अलावा उनके हितों के क्षेत्रों का पता लगाने का अवसर प्रदान करती है। उद्योग के माध्यम से वास्तविक क्षेत्र के एक्सपोजर पर जोर उद्योग यात्रा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और मेलों, विशेषज्ञ व्याख्यान, कक्षा परियोजनाओं आदि को जोड़ता है जो उन्हें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और फैशन की दुनिया में अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में साबित करने के लिए सहायता करते हैं।

नए पाठ्यक्रम में छात्रों को चार मेजर (प्रमुख) विषयों, गहन विशेषज्ञता क्षेत्र से एक विषय, अंत:विषय माइनर क्षेत्र से एक विषय, एक सामान्य वैकल्पिक विषय और प्रत्येक सेमेस्टर में एक वैकल्पिक विषय सीखना होगा। सभी सेमेस्टरों में निटविअर प्रोग्राम द्वारा प्रस्तुत प्रमुख विषय बुनाई, फ्लैट पैटर्न और निर्माण, फैब्रिक प्रौद्योगिकी, चित्रण और प्रस्तुति तकनीकों के व्यापक क्षेत्रों को कवर करते हैं। सभी सेमेस्टर में शिल्प के अध्ययन और अभ्यास को भी उचित महत्व दिया जाता है।

विभाग अंतरंग परिधान और स्पोर्ट्सवियर के नामों से चुनने के लिए दो गहन विशेषज्ञता क्षेत्र प्रदान करता है।

अंतरंग परिधान विशेषज्ञता का उद्देश्य छात्रों को निटविअर के अंतरंग परिधान खंड में विशेषज्ञता प्रदान करना है। यह छात्रों को विषयगत दृष्टिकोण के माध्यम से डिजाइन प्रक्रिया को समझने और अभ्यास करने में सक्षम करेगा। छात्र नवीनतम रुझानों, पूर्वानुमानों, डिजाइन सौंदर्य और प्रसिद्ध सहकर्मी कार्यों से प्रेरणा लेते हुए खंड के कार्यात्मक पहलू को ध्यान में रखते हुए अंतरंग परिधान संग्रह की अवधारणाओं को डिजाइन करना सीखेंगे।

स्पोर्ट्सवियर विशेषज्ञता निटविअर डिजाइन छात्र के लिए एक अद्वितीय अवसर प्रदान करती है जो कि निटविअर उद्योग के सबसे होनहार और चुनौतीपूर्ण खंड में विशेषज्ञ है। छात्रों को खेलों की विभिन्न श्रेणियों के विविध कार्यात्मक और सौंदर्य संबंधी जरूरतों के लिए सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा को सीखना होगा। उपयोगकर्ता की विभिन्न आवश्यकताओं और प्रदर्शन की उम्मीदों को समझना इस विशेषज्ञता के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं।

अंतर-विषयक माइनर विषय क्षेत्र जो अन्य विभाग के स्नातक छात्रों के लिए पेश किए जाते हैं, वे वर्ल्ड ऑफ निट्स एंड फैशन फॉर स्पोर्ट्स हैं।

'वर्ल्ड ऑफ निट्स' का उद्देश्य छात्रों को निटविअर की मनोरम दुनिया से परिचित कराना है। यह अपशिष्ट रहित, स्थायी उत्पाद के रूप में बुनाई की समझ प्रस्तुत करना चाहता है। जहां पाठ्यक्रम छात्रों को उद्योग में उपलब्ध वर्तमान बुनाई तकनीकों की जानकारी देता है, वहीं यह उन्हें निटवियर के साथ काम करने में भी मदद करता है कि वे कपड़े, सामान और घरेलू उत्पादों कोख़ निट फैब्रिक के सौंदर्य और स्पर्श दोनों तत्वों का उपयोग करते हुए विकसित करने में सक्षम हों । इस पाठ्यक्रम के अंत में शिक्षार्थी निट के साथ आत्मविश्वास से काम करने और उन्हें एक रचनात्मक माध्यम के रूप में उपयोग करने में सक्षम होंगे ताकि वे फैशन उत्पादों की एक श्रृंखला विकसित कर सकें।

'फैशन फॉर स्पोर्ट्स' का उद्देश्य फैशन व्यवसाय- स्पोर्ट्सवियर में सबसे बहुमुखी और सबसे तेजी से बढ़ती श्रेणी की ओर उन्मुखीकरण प्रदान करना है। यह एक वर्ग के रूप में स्पोर्ट्सवियर के विभिन्न घटकों से शिक्षार्थी का परिचय कराता है, और कैजुअल, एक्टिव, प्रदर्शन खेल और एथलिविंग के बीच अंतर करता है।

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रस्तुत इंटरडिसिप्लिनरी माइनर विषय क्षेत्र निटविअर मर्चेंडाइजिंग है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को निटविअर व्यवसाय की बारीकियों को प्रबंधित करने की समग्र समझ देना है। इसका उद्देश्य निटविअर बाजार में बिक्री करने, उत्पाद पर इनपुट के साथ, उत्पाद विकास और लागत (सर्कुलर और फ्लैट निट के लिए) पर तकनीकी विवरण, गुणवत्ता नियंत्रण और आश्वासन के लिए विशिष्ट क्षेत्र और निटविअर की आपूर्ति श्रृंखला के लिए उपलब्ध चौनल के लिए इनपुट देना है।

मेजर और विशिष्ट विशेषज्ञता के अलावा, विभाग मेजर-फ्लोटिंग विषय जैसे डिजिटल प्रलेखन विधियाँ, बुने हुए फैब्रिक से परिधान निर्माण, स्टाइल चित्रण, लाउंज वियर डिजाइन परियोजना और लिंगरी डिजाइन परियोजना / स्पोर्ट्स डिजाइन परियोजना भी प्रदान करता है।

विभाग उद्योग में व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने के लिए किसी भी निटविअर उद्योग में 8 सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप प्रदान करता है।

कार्यक्रम के अंत में, छात्र के पास निटविअर उद्योग में 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना करने या रचनात्मक डिजाइन संग्रह को डिजाइन करने और निष्पादित करने का विकल्प होता है।

उद्योग संबंध

विभाग निटविअर उद्योग की आवश्यकता को पूरा करता है, इसलिए प्रोग्राम मैट्रिक्स के लिए चुने जाने वाले सभी विषयों में उद्योग को निटविअर उद्योग के दौरे, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और मेलों के दौरे और एक्सपोजर, उद्योग विशेषज्ञ और पूर्व छात्रों द्वारा व्याख्यान, क्लासरूम प्रोजेक्ट आदि जो छात्रों को समग्र ज्ञान प्रदान करते हैं जो उन्हें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और फैशन की दुनिया में अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में साबित करने के लिए सहायता करते हैं। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

• सभी परिसरों के सेमेस्टर VI के छात्रों ने सेमेस्टर जनवरी जून 2018 में 'स्पोर्ट्सवियर-डिजाइन एंड डेवलपमेंट' विषय के क्लास रूम प्रोजेक्ट में 'भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अकादमी के लिए स्पोर्टस ट्रैक सूट, टी शर्ट डिजाइनिंग" प्रतियोगिता में भाग लिया।

• सभी परिसरों में से सर्वश्रेष्ठ पाँच प्रविष्टियों का चयन किया गया और चयन का दूसरा दौर सर्वश्रेष्ठ तीन के लिए हुआ, जिन्हें ग्राहक के लिए प्रोटोटाइप विकास हेतु भेजा गया।

• अधिकांश परिसरों में सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए उद्योग में सर्कुलर निटिंग विषय का कुछ अंश संशोधित किया गया था।

• सभी परिसरों के सेमेस्टर VII के छात्रों ने उद्योग के कामकाजी माहौल को समझने के लिए फ्लैट निटिंग, सर्कुलर बुनाई और कम्प्यूटरीकृत फ्लैट बुनाई, 2018 जैसे विभिन्न निटवियर उद्योग में 8 सप्ताह का उद्योग इंटर्नशिप किया था और ग्राहक सार के अनुसार निटवियर रेंज या संग्रह विकसित किया था।

• सभी परिसरों के सेमेस्टर VI के छात्रों ने संबंधित शहरों में डेकाथलॉन स्टोर का दौरा किया था, जो स्पोर्ट्सवेयर के लिए विषय-डिजाइन विकास के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों के आधार पर स्पोर्ट्सवियर रेंज विकसित करने के लिए किए गए थे।

• श्री चंद्रमौली एन ने एसोसिएट प्रोफेसर श्री मुहिल्वनन के साथ, 15 फरवरी, 2019 को पुलिस ग्राउंड कन्नूर में एमएसएमई डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, त्रिशूर द्वारा आयोजित "एक्सपोर्ट एक्सपो 2019 ख़ उद्यम संगम" ष्कन्नूर क्षेत्र और फ्रेम वर्क एनालिसिस से संभावित परिधान (आरएमजी) निर्यात" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

• निफ्ट परिसरों से सुश्री सुबाशिनी जे एस, श्री श्रीधर अमानची, सुश्री दीपाली जाना, श्री शिवानंद शर्मा, श्री अभिषेक बजाज, सुश्री तूलिका टंडन, श्री धनराज सरवासे संकाय ने नई दिल्ली में 21-22 जनवरी, 2019 को भारत की सबसे बड़ी अधोवस्त्र प्रदर्शनी 'इंटेमएशिया' का दौरा किया।

• श्री निशांत शर्मा, श्री एन चंद्रमौली, श्री अभिषेक बजाज और श्री धनराज सरवासे ने तिरुप्पुर, तमिलनाडु में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय निट टेक मेला - 2019 में भाग लिया

• श्री अशोक प्रसाद, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली ने 17 नवंबर, 2018 को पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली में टेक्सटाइल समिट - 2018 में एक पोस्टर प्रस्तुति "कम्प्यूटरीकृत फ्लैट बुनाई मशीनों की संभावना: 2030" में भाग लिया।

• सुश्री स्मिता घोष दस्तीदार ने जुलाई-दिसंबर 2018 के दौरान सभी परिसरों में निफ्ट प्रविष्टियों के लिए समन्वयन किया। निफ्ट के फाइनल में पहुँचने वाले छात्रों के साथ जूरी और वूल्मार्क - वूल रनवे 2018 के लिए फाइनल प्रदर्शनी में गई ।

• शिक्षण कक्ष परियोजना एलन सोली के साथ आयोजित किया गया था जहाँ बेंगलुरु कैंपस के छात्रों को पुरुषों और महिलाओं के पहनावे के लिए प्रिंट डिजाइन विचार प्रस्तुत करने थे। इसे विषय - पोर्टफोलियो डेवलपमेंट के तहत आयोजित किया गया था। श्री जयंत जी, डिजाइन प्रमुख, एलन सोली ने उद्योग में लागू होने वाले ट्रेंड स्पॉटिंग और फोरकास्टिंग पर संक्षिप्त जानकारी दी।

• प्रोलाइन के साथ शिक्षण कक्ष परियोजना विषय - स्पोर्ट्स वियर के तहत किया गया था जहां बेंगलुरु कैंपस के छात्रों को प्रोलाइन एथलेजर और प्रोलाइन एक्टिव के लिए नए ब्रांडिंग और लोगो के लिए विचार विकसित करना था। छात्रों ने उस के लिए ग्राफिक्स पर भी काम किया।

• कक्षा अभ्यास, शॉपर्स स्टॉप से श्री विनय मिश्रा, डिजाइन मैनेजर (एक्सक्लूसिव सेलेब्रिटी लेबल्स) द्वारा सेमेस्टर VI के स्टूडेंट्स के साथ फ्लैट-निट में प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए साझा किए गए ब्रीफ के साथ पूरा किया गया था। वे '18-25 वर्ष की महिला समूह के लिए उत्पादों की एक श्रृंखला डिजाइन करने' में शामिल थे, मेट्रो शहरों में रहने वाले शहरी ग्राहक जो प्रयोगात्मक और फैशनेबल होते हैं, जब कपड़ों की बात आती है और उन्हें प्राप्त करने के लिए कम अपशिष्ट के लिए बुनाई की फैशन तकनीकों का उपयोग करते हुए एक शृंखला विकसित करते हैं, महिला वर्ग के लिए एक ही समय में आराम और सौंदर्य अपील प्रदान करने के पहलुओं के आधार पर सिल्हूट विकसित किया जाता है।

फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज

एक्सेसरीज डिजाइन पाठ्यक्रम, आभूषण, शिल्प, व्यक्तिगत एक्सेसरीज, सॉफ्ट वस्तुएं और वर्क गियर जैसे असंख्य प्लेटफार्मों में नवाचारों की पेशकश करने के लिए एम्बेडेड फैशन ज्ञान के साथ डिजाइन पेशेवरों को तैयार करता है। एक्सेसरीज डिजाइन कार्यक्रम एक करियर आधारित शिक्षा है जो आज प्रासंगिक है और इसमें बदलते भविष्य के परिदृश्य को संबोधित करने की क्षमता है।

छात्रों को हस्तांतरणीय कौशल और लचीलेपन के साथ भविष्य के करियर में प्रवेश करने के लिए अपने संयोजन मार्गों को डिजाइन करने का अधिकार है। एक्सेसरीज डिजाइन कार्यक्रम का नया लचीला पाठ्यक्रम आत्म अभिव्यक्ति के लिए काफी कुछ स्थान प्रदान करके कौशल को गहन करने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम में अपनाई जाने वाली शिक्षाशास्त्र में डिजिटल प्रवाह की अधिक से अधिक मात्रा है और वास्तविक समय में अत्यधिक अनुभव प्राप्त करने और बाहरी पेशेवर दुनिया से जुड़ने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम स्मार्ट वियर युग के दौरान प्रासंगिक बना रहता है और भविष्य के निर्देश प्रदान करता है।

छात्रों के पास अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए काम करने का विकल्प है और वे डिजाइन सोच के तरीकों के साथ सक्षम हैं और व्यवसाय का एक संयोजन की जानकारी उन्हें अपने स्वयं के डिजाइन व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करता है। सीखने की प्रक्रिया के दौरान वे संभावनाओं और आशाजनक व्यापारिक निर्देशों की एक सारणी से रूबरू कराया जाता है। उनके सामने अवसर वहीं पर उपलब्ध हैं जो स्पष्ट रूप से उनके उद्यमशीलता के ताने-बाने को एक किक स्टार्ट देते हैं। एक्सेसरी डिजाइन प्रोग्राम छात्रों के लिए स्वयं, उद्योग, संस्थान और देश के लिए मूल्य निर्माण का स्थान है।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

मेजर

एक्सेसरी डिजाइन मेजर विषय सामाजिक रूप से प्रासंगिक फैशन परिदृश्य में व्यापक डिजाइन ज्ञान प्रदान करता है। ज्ञान को एक प्रक्रिया के रूप में डिजाइन की वैचारिक समझ, एक माध्यम के रूप में सामग्री और समकालीन आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए उन्हें परिणामों को संश्लेषित करने की क्षमता के साथ बढ़ाया जाता है।

कार्यक्रम नवीनतम चिक रुझानों के संतुलन और हाथ से तैयार किए गए कारीगरों के उत्पादों और प्रक्रिया के लिए जुनून के माध्यम से सहस्राब्दी छात्रों को डिजाइन की प्रक्रिया को परिपूर्ण करने की पेशकश करता है। छात्र रचनात्मक रूप से डिजिटल प्रवाह की अधिक से अधिक मात्रा के साथ दृश्य कौशल विकसित करने में लगे हुए हैं। वे पारंपरिक तकनीकों के एक स्वदेशी कगार के साथ सामग्री जोड़-तोड़ कौशल के साथ सशक्त खड़े हैं।

छात्रों को उनके हस्ताक्षर शैली एक्सेसरी डिजाइन संग्रह के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को स्पष्ट करने के लिए सक्षम किया जाता है, तथापि इसे बाजार और उद्योग की चुनौतियों के लिए प्रासंगिक रखा जाता है। उदार फैशन जीवन शैली के सामान का यह डिजाइन संग्रह रूपों, रंगों और सामग्रियों के तालमेल से उपजी पैटर्न पर आधारित है।

गहन विशेषज्ञता (डीएस)

एक्सेसरी डिजाइन के छात्रों को विशिष्ट विशेषज्ञता के गहन अध्ययन के विकल्प के साथ सशक्त बनाया जाता है, जिसमें विशिष्ट कौशल के रूप में आभूषण डिजाइन, फैशन उत्पादों और वर्क गियर शामिल होते हैं । विद्यार्थी किसी एक गहन विशेषज्ञता के प्रति सजग चयन कर सकता है। यह प्रक्रिया परिसर में अध्ययन के दौरान हर छात्र से जुड़ी विभाग के संकाय संरक्षक द्वारा पूर्ण रूप से समर्थित है।

डीएस -1: ज्वेलरी डिजाइन: उत्पाद, लोगों और कामकाज के मामले में छात्रों को आभूषण डोमेन ज्ञान की गहन समझ प्राप्त होती है। छात्र आभूषण बनाने के पारंपरिक और तकनीकी कौशल से लैस किए जाते हैं।

छात्रों को समकालीन सौंदर्यशास्त्र के साथ फैशन ज्वैलरी संग्रह तैयार करने और उन्हें फैशन स्पेस में स्थान देने के लिए सक्षम किया जाता है।

डीएस -2: फैशन उत्पाद और कार्य गियर: कार्यक्रम सहस्राब्दी छात्रों को नवीनतम चिक रुझानों के संतुलन के माध्यम से डिजाइन प्रक्रिया को सही करने और हाथ से तैयार किए गए कारीगर उत्पादों के लिए एक जुनून और पारंपरिक फैशन एक्सेसरी स्पेक्ट्रम भर में प्रक्रिया प्रदान करता है। छात्र फैशन, रूप और कार्य के संदर्भ में फैशन एक्सेसरी श्रेणी के ज्ञान की गहन समझ प्राप्त करते हैं।

छात्रों को एक्सेसरी बनाने में पारंपरिक और तकनीकी कौशल में दक्षता प्राप्त होती है । छात्रों को सामग्री और प्रक्रिया के संदर्भ में प्रवाह प्राप्त होता है जो खोजपूर्ण अनुभव पर बनाया गया है। छात्र समकालीन सौंदर्यशास्त्र और फैशन स्पेस में स्थिति के साथ फैशन एक्सेसरी संग्रह डिजाइन करने में सक्षम हैं।

डीएस -3: सजावट और डिजाइन: छात्रों को लिविंग स्पेस, शयनकक्ष - स्नानघर की लक्जरी एक्सेसरी में अवसर मानचित्रण के साथ स्पेस और दृश्य को समझते हैं। वे लिविंग स्पेस खंड में सौंदर्य और अलंकरण संबंधी अनुप्रयोग की धारणा प्राप्त करते हैं।

वे मिश्रित मीडिया के साथ निर्माण प्रक्रिया और उत्पादों का पता लगाने के लिए मिल जाते हैं, जिससे विनिर्माण और फाइन डाइनिंग उत्पादों की बारीकियों को जानते हैं तथा संदर्भ और डिजाइन उत्पादों जो पर्यावरण के साथ समन्वय में हैं के संबंध में उदार कलाकृतियों को डिजाइन करते हैं।

माइनर

एक्सेसरी डिजाइन का नया पाठ्यक्रम इंटर-डिसिप्लिनरी माइनर्स (आईडीएम) की पसंद के माध्यम से बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है। यह संयोजन उन्हें एक से अधिक कौशल और सहानुभूति सिखाने के साथ ही सभी विषयों में सहयोग करता है, वहीं अतिरेक को भी काटता है। विभाग तीन आईडीएम प्रदान करता है; स्नातक के लिए दो (फैशन एक्सेसरीज और होम एक्सेसरीज) और स्नातकोत्तर के लिए एक (फैशन एक्सेसरी ट्रेंड्स)।

आईडीएम 1: फैशन एक्सेसरी: छात्रों को फैशन एक्सेसरी श्रेणियों, उनके सांस्कृतिक संदर्भ, एक्सेसरी पर स्थानीय और वैश्विक रुझानों का प्रभाव को समझने के लिए मिलता है। वे फैशन के सामान के लिए अवधारणाओं की कल्पना करने और प्रोटोटाइप को साकार करने में उपयुक्त सामग्री चुनने की क्षमता हासिल करते हैं। वे एक व्यवहार्य डिजाइन समाधान को निष्पादित करने और एक प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए फैशन एक्सेसरी डिजाइन परियोजना प्राप्त करते हैं।

आईडीएम 2: होम एक्सेसरीज: छात्र एक सांस्कृतिक - पारस्परिक संदर्भ में घरेलू एक्सेसरी की समझ प्राप्त करते हैं। वे घर सज्जा उद्योग के आकार और संरचना की भावना प्राप्त करते हैं और इस स्पेस में अवसर की स्पष्ट रूप से कल्पना करते हैं। वे घर की एक्सेसरी के संबंध में दृश्य वास्तुकला बनाने के लिए कौशल प्राप्त करते हैं। घरेलू एक्सेसरी के लिए विभिन्न तकनीकों, असेंबलियों, सामग्री संयोजन का अन्वेषण करते हैं। एक स्पष्ट आवश्यकता व्यक्त करने और एक मूर्त प्रोटोटाइप विकसित करने के आधार पर घरेलू एक्सेसरी डिजाइन परियोजना को तैयार करने और विचार करने का अवसर प्रदान करता है।

आईडीएम 3: फैशन एक्सेसरी ट्रेंड्स (स्नातकोत्तर): छात्र फैशन एक्सेसरीज श्रेणियों के स्पेक्ट्रम को समझते हैं। उन्हें सांस्कृतिक रुझान मानचित्रण और पूर्वानुमान करने के लिए मिलता है। फैशन एक्सेसरी के संदर्भ में अवधारणा विकास के लिए रुझानों का अनुवाद करते हैं। वे रुझानों की व्याख्या करने और एक डिजाइन सार के लिए उपयोगकर्ता प्रोफाइल को विकसित करने और विभिन्न सामग्रियों और प्रक्रिया का अनुभव करने के लिए लागू होते हैं जो एक्सेसरी विकास से संबंधित हैं। छात्रों को एक संभव डिजाइन एवं समाधान निष्पादित करने और एक प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए एक फैशन एक्सेसरी डिजाइन परियोजना की कल्पना कर सकते हैं।

कैरियर मार्ग

एक्सेसरी डिजाइन छात्रों को हस्तांतरणीय कौशल और लचीलेपन के साथ भविष्य के करियर में प्रवेश करने के लिए अपने संयोजन मार्गों को डिजाइन करने का अधिकार है। परिकल्पित किए गए कुछ मार्ग इस प्रकार हैं: एक्सेसरी डिजाइन, ज्वेलरी डिजाइन, डेकोर डिजाइन, डिजाइन थिंकिंग, डिजाइनिंग आइडिएशन एंड कॉन्सेप्ट डेवलपमेंट, डिजाइन रिसर्चर, फैशन ट्रेंड कंसल्टिंग, इंटरनेशनल और घरेलू दोनों बाजारों के लिए एक्सेसरी डिजाइन समाधान, शिल्प आधारित उत्पाद डिजाइन, डिजाइन फ्यूचर्स आदि। छात्रों के पास कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दोनों के लिए काम करने का विकल्प है।

लेकिन, छात्रों को डिजाइन सोच के तरीकों और व्यापार के संयोजन के साथ जाना जाता है, जो उन्हें अपने स्वयं के डिजाइन व्यवसाय को शुरू करने के लिए प्रेरित करता है। सीखने की प्रक्रिया के दौरान वे संभावनाओं और आशाजनक व्यापारिक निर्देशों की एक सारणी से रूबरू कराया जाता है। उनके सामने अवसर वहीं पर उपलब्ध हैं जो स्पष्ट रूप से उनके उद्यमशीलता के ताने-बाने को एक किक स्टार्ट देते हैं। अतीत में, उनमें से कई ने प्रमुख डिजाइन उद्यम स्थापित किए हैं।

उद्योग संबंध

सत्र 2018-19 में, छात्रों के लिए वास्तविक समय सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा कक्ष परियोजनाओं सहित एक्सेसरी डिजाइन विभाग ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है। महत्वपूर्ण गतिविधियों और कक्षा परियोजनाओं में से कुछ नीचे दी गई हैं:

• एक्सेसरी डिजाइन, "रेंज डिजाइन" के लिए सुश्री आर रेशमी मुंशी, सहायक प्रोफेसर और विषय संकाय के साथ बेंगलुरु कैंपस के सेमेस्टर VI के छात्रों ने एंटीक लकड़ी का उपयोग करके वास्तुकला के पीस और एक्सेसरी उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए मैसर्स नैटसन एंटीक्काट्र्स प्राइवेट लिमिटेड, एमजी रोड, बेंगलुरु के साथ एक कक्षा परियोजना की।

• एक्सेसरी डिजाइन, बेंगलुरु कैंपस से सेमेस्टर III के छात्रों के साथ सुश्री शिप्रा रॉय, सहायक प्रोफेसर ने 29 नवंबर, 2018 को उद्योग संपर्क के लिए विषय 'डिजाइन आइडियाज फॉर फ्यूचर' के दौरान 'नृत्यग्राम', हेसरघट्टा, बेंगलुरु का दौरा किया।

• गांधीनगर कैंपस के एक्सेसरी डिजाइन छात्रों, सुश्री रुक्मणी ने रिवाइविंग इंडियन क्राफ्ट में पहला स्थान और मिस्टर आशीष कुमार ने कैरेट लेन डिजाइन प्रतियोगिता 2018-नेशनल अवार्ड विजेता में रिवाइविंग इंडियन क्राफ्ट में दूसरा स्थान हासिल किया।

• कोलकाता कैंपस के एक्सेसरी डिजाइन छात्रों, सुश्री कुशी जैन ने कैरेट लेन डिजाइन प्रतियोगिता 2018-नेशनल अवार्ड विजेता में लेजर कटिंग तकनीक में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

फैशन संप्रेषण

फैशन की बढ़ती दुनिया में, निफ्ट में फैशन संप्रेषण (एफसी) डिजाइन कार्यक्रम, फैशन और जीवन शैली उद्योग में खुलने वाले नवीनतम, सर्वाधिक रोमांचक और आवश्यक मार्ग है। ब्रांड आइडेंटिटी का महत्त्व बराबर देखा गया है कि ब्रांड किस उत्पाद को बेचता है। भारतीय खुदरा परिदृश्य में कई प्रैट और लक्जरी ब्रांड दिखाई देते हैं, और उनमें से प्रत्येक के लिए अधिकतम प्रभाव और दृश्यता के लिए एक अद्वितीय ब्रांड पहचान विकसित करना आवश्यक हो गया है। फैशन संचार ने इन ब्रांडों के लिए अपने उत्पादों, पहचान और रणनीति के लिए इन ब्रांडों के लिए एक मंच प्रदान करके इसे व्यवहार्य बना दिया है।

पिछले एक दशक में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और डिजिटल क्रांति की तेज गति को देखते हुए, पुनर्गठन विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म, आईटी एप्लीकेशन (एप्स) और दुनिया भर में संचार डिजाइन के वातावरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका के माध्यम से दृश्य और फैशन संचार के क्षेत्र में केंद्रित है।

वर्तमान में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पटना, रायबरेली और श्रीनगर जैसे 14 निफ्ट परिसरों में फैशन संप्रेषण कार्यक्रम की पेशकश की गई है। एफसी विभाग में संकाय की कुल संख्या 61 है।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

फैशन संचार कार्यक्रम मुख्य रूप से चार प्रमुख डोमेन यानी ग्राफिक डिजाइन, स्पेस डिजाइन, फैशन मीडिया और फैशन थिंकिंग और इन प्रमुख क्षेत्रों की संबंधित शैलियों पर ध्यान केंद्रित करता है, ज्ञान, एप्लिकेशन और अभ्यास आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हस्त और डिजिटल कौशल का उपयोग करता है।

पुनर्गठन पाठ्यक्रम को उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा दौरों, उद्योग से जुड़े परियोजनाओं और व्याख्यानों के माध्यम से बढ़े हुए उद्योग इंटरफेस के साथ एक मजबूत संचार डिजाइन का आधार बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, मौजूदा उद्योग एक्सपोजर, इंटर्नशिप और स्नातक परियोजना के अलावा, नए पाठ्यक्रम में एक अनिवार्य उद्योग सेमेस्टर- III के बाद से फार्म क्षेत्र के दौरे, कक्षा परियोजनाओं और उद्योग के पेशेवर / विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान शामिल हैं। निरंतर मूल्यांकन छात्र की नियमितता पर आधारित होगा, कक्षा परियोजनाओं में भागीदारी के माध्यम से उद्योग के साथ जुड़ाव, फैशन वीक या अन्य उद्योग आयोजनों में भागीदारी, या चल रहे परामर्श परियोजना में संकाय सहायता के माध्यम से होगा।

फैशन संचार के स्नातक गतिशील पेशेवरों के रूप में उभरते हैं, जो फैशन, जीवन शैली उद्योग और उससे परे के लिए सबसे प्रभावी और वित्तीय रूप से व्यवहार्य संचार समाधान पेश करने के लिए योग्य हैं।

तेजी से आगे बढ़ रही डिजिटल क्रांति ने नए विषयों के लिए फैशन संचार डिजाइन को खोल दिया है, जिसमें छात्रों को न केवल पारंपरिक डिजाइन कौशल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी मानववादी अवधारणाओं और सिस्टम डिजाइन प्रक्रियाओं का भी पता लगाने और डिजाइन करने की आवश्यकता होती है:

- नई सामग्री अर्थात, प्रयोगात्मक, संयोजन और भविष्य
- फैशन थिंकिंग - फैशन के माध्यम से डिजाइन और सोच
- ओमनी-चौनल (यूएक्स), संवेदी डिजाइन, संवर्धित वास्तविकता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका के साथ आभासी अनुभव डिजाइन जैसे मॉड्यूल शामिल किए गए हैं, क्योंकि वे फैशन और अन्य खुदरा उद्योग के भविष्य हैं।
- 2 डी एनिमेशन और गति ग्राफिक्स

जैसे-जैसे नए करियर उद्योग में बढ़ते जा रहे हैं, फैशन क्षितिज के स्नातकों के लिए अपने क्षितिज का पता लगाने और विस्तार करने की असीम गुंजाइश है। ब्रांडिंग, स्टाइलिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, फोटोग्राफी, कमर्शियल फैशन स्पेस, यूआई और यूएक्स डिजाइन और ग्राफिक्स के क्षेत्र में, फैशन संचार स्नातक एक से अधिक क्षेत्रों के बारे में बहुमुखी और उत्साही दोनों ही हैं। संचार स्नातक छात्र ज्ञान, अवधारणा आधार और कौशल से अच्छी तरह से वाकिफ हैं।

नियमित रूप से इस तरह के प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्रों की मांग करने वाली कुछ सबसे विपुल कंपनियों के साथ, फैशन संचार निफ्ट में सबसे वांछनीय डिजाइन विषयों में से एक है।

उद्योग संबंध

विजुअल मर्चेंडाइजिंग में मैक्स (लैंडमार्क समूह) के फ्रंट-एंड पेशेवरों के लिए रिटेल में ईडीपी प्रशिक्षण। लेविस कैंपस उत्पाद मॉड्यूल वी.02, अवधारणा और लेविस इंडिया लिमिटेड के मध्य-स्तरीय कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रायोगिक विपणन पर एक व्याख्यान श्रृंखला विकसित की है, उपरोक्त गतिविधियाँ श्री प्रशांत के. सी., एसोसिएट प्रोफेसर, बेंगलुरु कैम्पस द्वारा की गई हैं।

डॉ. डिंपल बहल, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली द्वारा वाराणसी में कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के व्यापार सुविधा केंद्र की दृश्य संवर्धन। सुश्री मौलश्री, सहायक प्रोफेसर और डॉ. दीपक जोशी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने कांगड़ा देवी मंदिर के लिए कॉफी-टेबल बुक के विकास पर डीसी कांगड़ा द्वारा प्रायोजित 'अपना कांगड़ा' प्रोजेक्ट पर काम किया।

उच्च माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए शसितारश प्रोजेक्ट, केरल हैंडलूम स्कूल यूनिफॉर्म प्रोजेक्ट, केरल हैंडलूम ब्रांडिंग प्रोजेक्ट का समन्वय निफ्ट कन्नूर के सहायक प्रोफेसर, श्री अभिलाष बालन द्वारा किया गया था।

वीएम फॉर कॉटेज एम्पोरियम, सीसीआईसी जून, 2017 से चल रही एक परियोजना है, जो कि सुश्री श्रीनंद पालित, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता द्वारा शुरू की गई है। सुश्री सुषमा सैतवाल, निफ्ट मुंबई के एसोसिएट प्रोफेसर, ने गढ़चिरौली जिला क्लस्टर, महाराष्ट्र में 'वन विभाग के लिए रणनीतिक विपणन समाधान' की एक परियोजना शुरू की थी। श्री विशेश आजाद, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली, अक्टूबर -2018 में आयोजित बिट्स, पिलानी के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव मेटामोरफोसिस-2018 में लघु फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता रहे, प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यू, चेन्नई कैंपस को 31 दिसंबर से 24 मार्च, 2019 तक एससीएडी विश्वविद्यालय, हांगकांग द्वारा आयोजित 'ग्राफिक डिजाइन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया और उन्होंने इसे पूरा किया।

एफसी चेन्नई कैंपस ने 9 अगस्त, 2018 को 'तेजस इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' से डॉ. डब्ल्यू. एस. राजकुमार, निदेशक-पीआर और संचार द्वारा एक उद्योग विशेषज्ञ व्याख्याता/सत्र का आयोजन किया। पेपर इंजीनियरिंग कार्यशाला 24-25 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली कैंपस में आर्ट पेपिरस/सोना पेपर्स द्वारा आयोजित किया गया था। सुश्री अर्चना शाह, बांधेज द्वारा एक विशेषज्ञ सत्र अक्टूबर, 2018 में गांधीनगर परिसर में डिजाइन प्रबंधन और उद्यमिता में किया गया था। श्री अजय राघव, प्रिंसिपल, इंफोसिस बेंगलुरु में अनुभव डिजाइन, कन्नूर कैंपस में एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए एक दिवसीय लोगो डिजाइन कार्यशाला (2018)। सुश्री सत्या सरन, प्रख्यात लेखक और फैशन जर्नलिस्ट को मुंबई कैंपस में 'फैशन जीवनशैली पर आधारित लेख, कहानी और अनुभव कैसे लिखें' पर रचनात्मक लेखन पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

श्रीनगर कैंपस में दिसंबर 2018 में एफसी के छात्रों के साथ स्थिरता और शिल्प पर एक व्याख्यान के बाद कश्मीर के लिए प्रतिबद्धता, विषय पर सुश्री श्रुति जे. मित्तल, परियोजना प्रमुख के साथ वार्ता आयोजित की गई। विभिन्न शिक्षण कक्ष परियोजनाएं जैसे कि जेबेन और एवदैट अपैरल प्राइवेट लिमिटेड जैसे ब्रांड के साथ किए गए थे। पैंटालून इंडिया के साथ शिक्षण कक्ष परियोजना को गांधीनगर कैंपस के एफसी छात्रों द्वारा अनुभव संचालित स्टोर इंस्टॉलेशन के लिए स्टोर एक्सपीरियंस डिजाइन के एक भाग के रूप में शुरू किया गया था।

सेमेस्टर VI, पटना कैंपस के छात्रों ने सेंट्रल मॉल, पटना में वीएम पर वैलेंटाइन वीक के दौरान वीएम पर लाइव प्रोजेक्ट किया। श्री करुण कुमार वर्तमान में एफसी कन्नूर कैम्पस में सेमेस्टर VIII की पढ़ाई कर रहे हैं, शिक्षण कक्ष परियोजना: डबल धोती 'रॉयल' के हैंडटेक्स उत्पाद लॉन्च के लिए पैकेजिंग डिजाइन।

फैशन प्रबंधन अध्ययन

वर्ष 1987 में आरंभ किए गए दो साल के मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट (एमएफएम) कार्यक्रम (तत्कालीन एएमएम) का उद्देश्य, प्रबंधन, विपणन, व्यापार और खुदरा बिक्री और उद्यमशीलता के क्षेत्र में नवीन नेतृत्व और प्रबंधकीय प्रतिभा विकसित करना है, जो वस्त्र निर्यात, फैशन और जीवनशैली, खुदरा तथा संबधित क्षेत्रों की आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त है।

चार सेमेस्टर में विभाजित कार्यक्रम फैशन मार्केटिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, रिटेल और मॉल मैनेजमेंट, ब्रांड मैनेजमेंट, रिटेल खरीद, ग्लोबल सोर्सिंग और उत्पाद विकास, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, एक्सपोर्ट मर्चेंडाइजिंग, मैनेजमेंट कंसल्टिंग, शिक्षा विश्लेषिकी, उद्यमशीलता, खुदरा प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला, ग्राहक संबंध, डिजिटल मार्केटिंग आदि क्षेत्रों में परिधान, जीवन शैली के सामान (घड़ियां, जूते, आईवियर, आभूषण) होम फर्निशिंग, लक्जरी प्रबंधन, टिकाऊ उत्पादों और कल्याण में करियर बनाने के इच्छुक लोगों के लिए एक ठोस मंच प्रदान करता है। छात्रों को भी शिल्प समूहों से रूबरू और संबद्ध किया जाता है, जिसके कारण वे हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पाद दोनों के बेहतर मार्केटर बन जाते हैं।

पुनर्गठित पाठ्यक्रम

मेजर विषय, गहन विशेषज्ञता और अंतर विषय माइनर की शुरूआत ने छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र को चुनने और विपणन तथा खुदरा बिक्री, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार या उद्यमिता में विशेषज्ञता प्रदान की सुविधा दी है। सामान्य ऐच्छिक विषय उन्हें समग्र व्यक्तित्व विकास देता है। फ्लोटिंग विषय उन्हें एक विशेष विषय लेने के लिए पसंद करने की स्वतंत्रता देते हैं जो उन्होंने पहले से ही किया था या उनके लिए प्रासंगिक नहीं था। पाठ्यक्रम के पुनर्गठन को उभरते क्षेत्रों और भविष्य की व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए आवश्यक कौशल को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

कार्यक्रम की प्रगति के रूप में ज्ञान और कौशल के आवेदन पर जोर दिया गया है। बड़े डेटा और एनालिटिक्स, न्यूरो मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, लक्जरी ब्रांड मैनेजमेंट, सर्विसेज मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और विशेष उत्पाद समूहों के अध्ययन, इनोवेशन मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, और स्थिरता जैसे अध्ययन के नए नए क्षेत्र युवा दिमाग को आगे उनके हित के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक अवसर प्रदान करते हैं। उद्यमिता को पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में और विशेषज्ञता के रूप में विकसित किया गया है ताकि भारत की अवधारणा में योगदान दिया जा सके और इसे अपने दम पर किया जा सके। पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, छात्र क्षेत्रीय अध्ययन करते हैं और ग्रामीण उत्पादों / शिल्प, सामाजिक जिम्मेदारी परियोजनाओं में खुद को शामिल करते हैं और कार्यशालाएं करते हैं। वे समस्याओं को हल करने के लिए पिछले सेमेस्टर की शिक्षा को एकीकृत करने के लिए अपनी पसंद के एक संगठन के साथ कंपनी प्रायोजित स्नातक अनुसंधान परियोजना शुरू करते हैं।

यह विभाग 14 परिसरों में संचालित किया जा रहा है अर्थात बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पटना, रायबरेली और शिलांग।

उद्योग संबंध

सत्र 2018-19 में, परिसरों में फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग ने छात्रों को वास्तविक समय के सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा परियोजनाओं सहित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियाँ और कक्षा परियोजनाएँ नीचे दी गई हैं:

निफ्ट बेंगलुरु के छात्रों को निम्नलिखित स्थानों पर ले जाया गया:-

- हथकरघा और हस्तशिल्प बाजार, खादी पार्क का दौरा।
- दस्तकार प्रकृति बाजार का दौरा, खुदरा घर, स्टोर, अध्ययन के लिए मॉल का दौरा
- खुदरा वातावरण, प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार अनुसंधान। परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा, कताई और बुनाई इकाइयां, परिधान निर्माण इकाई का दौरा।

भुवनेश्वर

- दिनांक 23.03.2019 से 27.03.2019 तक शाही निर्यात, उत्सव परिधान लिमिटेड, अरविंद डेनिम, ओरियन मॉल, अमेजॅन वेयर हाउस, सैमसंग एक्सप्रैस लैब, सेंट्रल मॉल, मेट्रो कैश एंड कैरी बेंगलुरू जैसे उद्योग दौरों का आयोजन किया।

गांधीनगर

सत्र के दौरान: जुलाई से दिसंबर: 2018

- अहमदाबाद वन मॉल, अमदाबाद (खुदरा यात्रा); अतिरा, अहमदाबाद; नीला बुद्धा, अमहदाबाद; अरविंद, संतेज इकाई अहमदाबाद; वाइब्रेंट गुजरात समिट; सिंटेक्स ग्रुप, अमहदाबाद; एवीडीएटी अमहदाबाद; क्रॉस स्टिच एंड अपैरल, नारोल अहमदाबाद; इंडिया फैशन फोरम, मुंबई; ओमनी चौनल के प्लेयर्स जैसे जीवम, पेप्परफ्री, मुंबई; अरविंद प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद।

कन्नूर

- सुश्री मुक्ती सहायक प्रोफेसर छात्रों को मर्चेंडाइजर्स के लिए फैशन सामग्री और उत्पादन प्रबंधन 'विषय के लिए 20 फरवरी 2019 को कन्नूर में मरियम और दिनेश परिधान की उद्योग यात्रा के लिए लेकर गई और छात्रों को कोचीन में केइटेक्स गारमेंट में ले जाने की योजना बनाई है।

मुंबई

- एमएफएम-I छात्रों ने श्री तन्मय कांडेकर, सहायक प्रोफेसर और श्री सचिन भटनागर, सहायक प्रोफेसर के साथ दिनांक 17 अक्टूबर, 2018 को रूबी मिल्स लिमिटेड, खोपोली का दौरा किया।

पटना

- दिसंबर 2018 में, एमएफएम- I के छात्रों ने कोलकाता में रीजेंट गारमेंट एंड अपैरल पार्क में स्थित एक्सोडस एक्सपोर्ट हाउस और जेपीएम टेक्सटाइल का दौरा किया।

छात्रों ने कोलकाता में सिटी सेंटर -2 मॉल का भी दौरा किया।

- पटना के पास परेब गाँव में मेटल वेयर क्लस्टर का दौरा किया। छात्रों ने विभिन्न उत्पादों, आपूर्ति श्रृंखला, मूल्य निर्धारण और कच्चे माल की सोर्सिंग के लिए उत्पादन के तरीके सीखे।

रायबरेली

- 05.10.2018 को स्पिनिंग मिल, थाना भोजन क्षेत्र रतापुर के पास, रायबरेली (एमएफएम- I)
- 25.02.2019 को जेड स्क्वॉयर मॉल, कानपुर (एमएफएम- II)
- 16.03.2019 को एमएलके एक्सपोर्ट (प्राइवेट) लखनऊ (एमएफएम- II)
- 27.03.2019 और 28.03.2019 को आईएफएफ 2019 मुंबई (एमएफएम-II)

शिलांग

एमएफएम के छात्रों ने बेवाकोफ ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड, लेवी एंड कंपनी (श्रीदेवी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड), जेनेसिस लग्जरी, किशन एक्सपोर्ट इंटरनेशनल, आदित्य बिड़ला, काको, ऋचा एंड कंपनी, सोशल ऑरेंज, एआरवी फैशन, रेडनिक एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, पेपे जीन्स, वीएफ ब्रांड्स, ओरिएंट क्राफ्ट लिमिटेड, स्ट्रेंज क्राफ्ट आदि में अपनी इंटर्नशिप की।

- एमएफएम चौथे सेमेस्टर के छात्रों ने सेलिब्रेशन अपैरल लिमिटेड, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, लिमिरॉड, स्पैनबाई और बाउसिट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, बेनेटन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, शिवान एंड नरेश, रिटेलाइल क्लोथिंग कंपनी, गुड अर्थ, मोशी मोशी मीडिया, रेडनिक एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, लैंडमार्क ग्रुप (लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड), लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड, वूनिक टेक्नोलॉजीज, डेकाथलॉन, जोया चौहान में अपना जीआरपी किया।
- दिनांक 8 से 12 अक्टूबर, 2018 तक सभी एमएफएम प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री एस. डी. बुहरॉय, सहायक प्रोफेसर और सीसी: एफएमएस के साथ एक उद्योग दौरे के लिए दिल्ली गए।
- 25 अक्टूबर, 2018 को सभी एमएफएम छात्र आरआरटीसी उमरन की उद्यमिता यात्रा के लिए गए, उनके साथ श्री एस. डी. बुहरॉय, सहायक प्रोफेसर और सीसी: एफएमएस और श्री एफ. ब्लाह, एमटीएस गए थे।

शिक्षण कक्ष परियोजनाएं

एमएफएम-I सेमेस्टर के बेंगलुरु के छात्रों ने 'माई फिट चैलेंज' पर मार्केटिंग रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए वैन हेसेन, मदुरा ग्रुप के साथ लाइव प्रोजेक्ट किया।

एबीएफआरएल (मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल)

एमएफएम- छात्र (समूहों में) एबीएफआरएल के तहत किसी भी ब्रांड के स्टोर की समीक्षा करने हेतु दो दिनों के लिए नीचे दिए गए पहलुओं में स्टोर के संचालन को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं:

- स्टाक प्रबंधन
- नुकसान की रोकथाम और संकोचन नियंत्रण
- स्टोर वित्तीय और लेखा परीक्षा

गांधीनगर

एमएफएम - II के छात्रों ने उद्योग के साथ निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू कीं:

1. जनवरी-जून 2018 सेमेस्टर के एमएफएम-II छात्रों के लिए सेंट्रल अहमदाबाद में लाइव विजुअल मर्चेंडाइजिंग प्रोजेक्ट आयोजित किया गया।
2. एमएफएम – I छात्रों के लिए जुलाई-दिसंबर 2018 के दौरान मर्चेंडाइजिंग, मार्केटिंग और कस्टमर एक्सपीरियंस मैनेजमेंट और रिटेल ऑपरेशंस पर लाइव प्रोजेक्ट किया गया।

हैदराबाद

जीटीएन टेक्सटाइल्स - चितकुल गाँव, हैदराबाद ग्लोबल फैशन के भाग के रूप में फोरम मॉल, ऑर्बिट मॉल और सुल्तान बाजार, हैदराबाद में फैशन कॉन्सेप्ट्स एंड मर्चेंडाइजिंग के भाग के रूप में - ग्रुप रिसर्च

नई दिल्ली

- हथकरघा और हस्तशिल्प बाजार, खादी पार्क का दौरा।
- दस्तकार प्रकृति बाजार का दौरा, खुदरा हाउस, स्टोर, अध्ययन के लिए मॉल का दौरा
- खुदरा वातावरण, प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार अनुसंधान। परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा, कताई और बुनाई इकाइयों, परिधान निर्माण इकाई का दौरा।

शिलांग

फैशन बिजनेस रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एफबीआरआईटी) के साथ-साथ फैशन विपणन (एफएम) ने ट्रेंडी अफेयर, हाई एवं स्थानीय एथनिक वियर, स्थानीय प्रमुख दैनिक समाचार पत्र, मेघालय टाइम्स और रेस्टोरेंट फूड और फाइन डाइनिंग तथा मेनू स्ट्रीम लाइनिंग पर काम से जुड़े विभिन्न कक्षा उद्योग बिजनेस रिसर्च प्रोजेक्ट का संचालन किया।

फैशन प्रौद्योगिकी

निफ्ट के संस्थापक विभागों में से एक, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग एकमात्र विभाग है जो दो कार्यक्रमों की पेशकश करता है; बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (बीएफटी) और मास्टर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एमएफटी)। विभाग का ध्यान विनिर्माण और संबद्ध क्षेत्रों के क्षेत्र में परिधान और सिले हुए उत्पाद उद्योग के लिए सक्षम तकनीकी-प्रबंधकीय पेशेवर उपलब्ध कराने पर रहा है। जिस कोर्स को 1988 में पीजी डिप्लोमा कोर्स (गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी) के रूप में पेश किया गया था, उसने वैश्विक स्तर पर परिधान उद्योग में तेजी से प्रतिष्ठा हासिल की। इस पाठ्यक्रम को यूजी और पीजी डिग्री स्तर पर अपने वर्तमान नामकरण में फिर से शुरू किया गया था और इसने उत्पादन प्रौद्योगिकी, उत्पादन और गुणवत्ता प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और संबंधित क्षेत्रों में अति आवश्यक कुशल फैशन पेशेवरों को तैयार करके अपने लिए एक स्थान बनाया है।

पुनर्निर्मित पाठ्यक्रम

वैश्विक परिधान विनिर्माण श्रृंखला में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ और बड़े पैमाने पर तेजी से आ रहे विनिर्माण के नए रास्ते, वैश्विक स्तर पर तकनीकी हस्तक्षेप और मूल्य वर्धित सामान के लिए एक जबरदस्त अवसर प्रदान करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जब तकनीकी मेगा ट्रेंड्स वैश्विक विनिर्माण उद्योग में बदलाव कर रहे हैं, दिलचस्प बात यह है कि जब तकनीकी मेगा रुझान वैश्विक विनिर्माण उद्योग की ओर बढ़ रहे हैं, भारतीय परिधान उद्योग प्रक्रिया में सुधार पर अधिक जोर देकर प्रौद्योगिकी की ताकत को कमतर आंक रहा है। यह परिदृश्य उत्तेजक, आधुनिक और विकसित पाठ्यक्रम के लिए एक गुंजाइश प्रदान करता है जो उत्पाद नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करता है। इसने स्नातक और मास्टर कार्यक्रम को पुनर्परिभाषित करने की यात्रा को प्रेरित किया और इसके परिणामस्वरूप नए पाठ्यक्रम का निर्माण हुआ। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, यूजी और पीजी दोनों स्तरों पर पाठ्यक्रम मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस; प्रौद्योगिकी प्रबंधन और उत्पाद विकास के विभिन्न मार्गों के माध्यम से विशेषज्ञता में विकल्पों का लचीलापन जैसे विषयों के माध्यम से तकनीकी नवाचारों की आवश्यकताओं को संबोधित करता है और डिजाइन और प्रबंधन की अंत:विषय क्षमताओं का भी निर्माण करता है। जहां यूजी स्तर का पाठ्यक्रम रुचि पैदा करके उद्योग 4.0 के लिए बुनियादी कौशल और जागरूकता का निर्माण करता है, वहीं पीजी पाठ्यक्रम सुनिश्चित करता है कि तकनीकी, परिचालन और उत्पाद विकास क्षेत्रों में ज्ञान के अनुसंधान और गहनता पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो इसके मूल विभाग हैं।

प्रमुख और गहन विशेषज्ञता का एकीकरण: पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि परिधान उत्पादन प्रौद्योगिकी, परिधान उत्पादन प्रबंधन और परिधान उत्पाद विकास के रास्ते में यूजी प्रमुख विषय छात्रों के मूल ज्ञान में समान रूप से योगदान करते हैं, जबकि तीसरे वर्ष के बाद से किसी एक पाथवे में गहन विशेषज्ञता का चयन करते हुए उनके ऐपेटाइट का उपयोग करते हैं। गहन विषय न केवल ज्ञान आधार के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हैं, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण भी संभालते हैं।

पीजी कोर्स में, चूंकि इनपुट में विभिन्न पृष्ठभूमि से प्रौद्योगिकीविदों और इंजीनियरों का एक विविध मिश्रण है, इसलिए प्रमुख विषय न केवल स्मार्ट गारमेंट्स, स्मार्ट फैक्टरी और परिचालन उत्कृष्टता के पाथवे पर इनपुट प्रदान करते हैं, बल्कि परिधान उद्योग और

विनिर्माण के दृष्टिकोण से इसके कामकाज के साथ मूल विषयों को भी शामिल करते हैं। अनुसंधान और अन्वेषण पर ध्यान केंद्रण पाठ्यक्रम में लघु परियोजनाओं के रूप में इनबिल्ट है, जिनके लिए एक निश्चित परिणाम की आवश्यकता होती है।

उद्योग की गतिशीलता और नवीनतम रुझानों को ध्यान में रखते हुए, पाठ्यक्रम में शामिल कुछ उभरते हुए क्षेत्र इस प्रकार हैं:

i कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)
ii इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
iii मेकाट्रोनिक्स
iv डेटा विश्लेषण
v डेटा साइंस के लिए पायथन
vi रोबोटिक्स और ऑटोमेशन
vii स्मार्ट फैक्टरी
viii स्मार्ट गारमेंट्स / स्मार्ट वस्त्र
ix क्लाउड और एज कम्प्यूटिंग
x मिश्रित और संवर्धित वास्तविकता
xi 3 डी बॉडी स्कैनिंग और सिमुलेशन

शिल्प क्लस्टर पहल

डीएफटी पाठ्यक्रम में नव निगमित क्राफ्ट क्लस्टर पहलों को निफ्ट के छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने और क्षेत्रीय संवेदनशीलता और विविधताओं, संसाधनों और पर्यावरण में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

शिल्प क्लस्टर से संबंधित विषयों और गतिविधियों को स्पष्ट रूप से स्पष्ट उद्देश्यों और परिणामों के साथ पहचाना गया है। प्रत्येक सेमेस्टर में, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा किए जाने वाले शिल्प क्लस्टर पहल को निर्दिष्ट किया गया है।

डीएफटी द्वारा शिल्प क्लस्टर पहल के प्रमुख विवरण नीचे दिए गए हैं:

सेमेस्टर-I

कला और डिजाइन सौंदर्यशास्त्र (एडीए) विषय के तहत - शिल्प के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए स्थानीय शिल्प का दौरा

सेमेस्टर –II

फैशन ओरिएंटेशन के तहत शिल्प पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

सेमेस्टर –III

शिल्प अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण के तहत क्लस्टर के नैदानिक अध्ययन के लिए फील्ड विजिट और दस्तावेजीकरण

सेमेस्टर–IV

चुने हुए क्लस्टर में कच्चे माल के लिए विकासशील विनिर्देशों के माध्यम से परिधान की गुणवत्ता को समझना

सेमेस्टर-V

एर्गोनोमिक सिद्धांतों का उपयोग करते हुए कार्य टूल और स्पेस रिडिजाइन का विकास।

सेमेस्टर-VI

लाइव मामलों के साथ संगठनों की लाभप्रदता पर सामग्री की गुणवत्ता (अंतिम उत्पाद के लिए कच्चा माल) और गुणवत्ता की लागत / खराब गुणवत्ता की लागत के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर महत्वपूर्ण फोकस के साथ कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करना।

सेमेस्टर-VII

टेक्सटाइल और परिधान निर्माण से संबंधित ओएसएचए विनियमों/ दिशानिर्देशों और मस्कुलोस्केलेटल विकारों (एमएसडी), इसके कारणों और उपचार, उत्पादकता पर मुद्राओं के प्रभाव और सुरक्षित कार्य माहौल में एर्गोनॉमिक्स की भूमिका पर जागरूकता बढ़ाने पर मुख्य ध्यान देने के साथ कार्यस्थल रीडिजाइन पर क्राफ्ट सेमिनार का आयोजन करना।

सेमेस्टर-VIII

गुणवत्ता में सुधार, एर्गोनोमिक कार्यस्थल रिडिजाइन, संयंत्र लेआउट रिडिजाइन आदि सहित प्रौद्योगिकी के गहन हस्तक्षेप के लिए शिल्प के क्षेत्र में क्लस्टर अनुसंधान परियोजनाओं को अपनाना।

उद्योग संबंध

सत्र 2018-19 में, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने परिसरों में कई गतिविधियां आयोजित की। उद्योग संबंधों में छात्रों को शॉप-फ्लोर व्यावहारिक सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ सत्र, कार्यशालाएं, कारखानों का दौरा और परियोजनाओं जैसी गतिविधियां प्रदान की गई । विभाग द्वारा की गई कुछ प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:

• विनिर्माण, ई-कॉमर्स, सतत उत्पादन, कट ऑर्डर प्लानिंग, ईआरपी सॉफ्टवेयर, ऑटो सीएडी, सिलाई मशीनें, खुदरा रुझान, तकनीकी वस्त्र, आईपीआर, ऑनलाइन खुदरा प्रबंधन, व्यापार शिष्टाचार, कारखाने के फर्श में प्रकाश व्यवस्था और रोशनी, फैशन मर्चेंडाइजिंग, उत्पाद लागत, बिग डेटा और डेटा विश्लेषण, अनुकूलित परिधान निर्माण से संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञ व्याख्यान।

• ज्ञान निर्माण और नेटवर्क निर्माण अभ्यास के हिस्से के रूप में विभिन्न कॉन्क्लेव, खरीदार और विक्रेता सम्मेलन, कपड़ा मिलों और प्रमुख परिधान निर्माताओं और निर्यात इकाइयों का दौरा किया गया था।

• व्यक्तित्व निर्माण और टीम निर्माण के हिस्से के रूप में, छात्रों को व्यक्तिगत केंद्रों से बाहर जाने वाले कार्यक्रमों पर ले जाया गया।

डिजाइन स्पेस

डिजाइन स्पेस

मास्टर ऑफ डिजाइन 'कार्यक्रम समकालीन डिजाइन और संबंधित उद्योग की बहु-अनुशासनात्मक और गतिशील प्रकृति पर केंद्रित है। डिजाइन उद्योग का प्रगतिशील भविष्य नए युग कौशल वाले युवा और बहुमुखी स्नातकों पर निर्भर करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई सहस्राब्दी के लिए नई सोच की शुरुआत करना है, ताकि भविष्य में उद्योग और समाज के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके।

विभाग के 4 परिसरों में 15 संकाय सदस्य हैं। वर्तमान में, लगभग 246 छात्र 4 परिसरों बेंगलुरु, नई दिल्ली, कन्नूर और मुंबई में एम.डेस की पढ़ाई कर रहे हैं।

पुनर्निर्मित पाठ्यक्रम

यह कार्यक्रम उन पेशेवरों को तैयार करता है जो अंत:विषय दृष्टिकोण के साथ बहुमुखी वातावरण में काम कर सकते हैं। अनुसंधान उन उपकरणों में से एक है जो चुनौतियों का सामना करने में सशक्त बनाता है, जो समकालीन जटिल प्रणालियों में उभर सकती हैं। इसलिए, यह कार्यक्रम डिजाइन थिंकिंग एंड रिसर्च प्रैक्टिस', 'सस्टेनेबिलिटी एंड क्राफ्ट्स', 'डिजाइन इनोवेशन', 'विजुअल डिजिटल विजुअलाइजेशन स्किल्स' और इंडस्ट्री कनेक्ट' जैसे प्रमुख विषय क्षेत्रों की नींव के आधार पर अपनी विशेषज्ञता का निर्माण करता है।

छात्रों को समग्र दृष्टिकोण का त्याग किए बिना केंद्रित इनपुट देने वाले 4 व्यापक विशेषज्ञता विषयों से चयन के लिए विकल्प प्रदान किए जाते हैं। इन चार विशेषज्ञ विषयों की पेशकश की जाती है; समाज के लिए डिजाइन, अनुभव डिजाइन, डिजाइन रणनीति और सैद्धांतिक अध्ययन। कैरियर मार्ग को रुचि के विभिन्न क्षेत्रों से नए रास्ते बनाने के लिए प्रत्येक विशेषज्ञता में काम किया जाता है। संकाय, पेशेवरों और उद्योग के सदस्यों द्वारा दो वर्षों के दौरान विशिष्ट प्रशिक्षण और कौशल विकास के माध्यम से प्रत्येक छात्र की अद्वितीय योग्यता और क्षमता को पहचाना जाता है।

कार्यक्रम को मौजूदा ज्ञान के आधार पर बनाने के लिए प्रत्येक गहन विशेषज्ञता और स्तर वार प्रगति के साथ प्रमुख विषयों के एकीकरण को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। प्रमुख विषयों की प्रकृति इस प्रकार रखी गई है कि वे डिजाइन प्रणालियों और उपकरणों का ज्ञान प्रदान करते हैं जो किसी भी डिजाइन स्ट्रीम द्वारा आवश्यक होगा। प्रमुख विषयों में सीखे गए मूलभूत साधनों और प्रणालियों का उपयोग गहन विशेषज्ञता वाले विषयों में किया जाता है। छात्र के सर्वांगीण विकास के संदर्भ में समग्र शिक्षण परिणामों पर काम किया गया है।

उद्योग संबंध

एम.डेस कार्यक्रम कई डिजाइन और अन्य अनुशासन छात्रों के लिए एक खुला वातावरण प्रस्तुत करता है और उन्हें ज्ञान प्रसार और रचनात्मकता के गतिशील वातावरण में डालता है। एम.डेस का पाठ्यक्रम छात्र उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल स्थापित करने के लिए एक औपचारिक

सेटिंग बनाता है, जिसके माध्यम से उद्योग परियोजना की संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करने के लिए एक पहल की जाती है, जो कि सेमेस्टर 3 से पहले औद्योगिक वातावरण में पूरा हो जाएगा। यह प्रत्येक छात्र को एक बड़े दायरे के शोध प्रबंध परियोजना के लिए अंतिम सेमेस्टर की ओर इसे आगे ले जाने के लिए एक व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

कार्यक्रम में दी गई चौथी गहन विशेषज्ञता में यह परिकल्पना की गई है कि इस तरह की गतिविधि से उद्योग का इंटरफेस मजबूत होता है। यह गतिविधि प्रत्येक सेमेस्टर में औपचारिक क्रेडिट किए गए विषयों के संदर्भ में की जाती है, जिसमें उद्योग के सदस्यों के साथ वर्ग की बातचीत होती है; उद्योग में छात्र के क्षेत्र का दौरा, उद्योग मामले का अध्ययन, मेलों और सेमिनारों की यात्रा; जिसका समापन श्उद्योग निर्देशित परियोजना प्रस्तावश और बाद में इंटर्नशिप के स्थान पर श्उद्योग निर्देशित परियोजनाश के रूप में होता है। यह प्रयास छात्रों की क्षमता, योग्यता और विशेष क्षमता को ध्यान में रखता है, जिसका पोषण और निगरानी संकाय, पेशेवरों और उद्योग के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इस शैक्षणिक गतिविधि का उद्देश्य विकासशील उद्योग क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्योग, छात्रों और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाना है।

सत्र 2018-19 में, परिसरों में मास्टर ऑफ डिजाइन विभाग ने छात्रों को वास्तविक समय में सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए कक्षा परियोजनाओं सहित विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया। महत्वपूर्ण गतिविधियों और कक्षा परियोजनाओं में से कुछ नीचे नीचे दी गई हैं:

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्योग व्याख्यान श्रृंखला

नए पेश किए गए विषय 'उद्योग प्रथाओं का परिचय' के रूप में एक व्याख्यान श्रृंखला और वार्ता का आयोजन किया गया था। प्रत्येक परिसर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसमें भाग लिया। यह सभी परिसरों के बीच उद्योग इनपुट को समन्वित करने का एक प्रयास था।

आमंत्रित उद्योग पेशेवर सभी 4 डोमेन के विशेषज्ञ थे, जिन्होंने छात्रों को उस विशेष उद्योग डोमेन में वर्तमान सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने के लिए बनाया। इसमें सफलता और असफलता की कहानियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस प्रकार की विशेष विशेषज्ञता में इस तरह की बहु-विषयक समझ की आवश्यकता होती है। सभी 4 केंद्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंस और रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान विषय के इनपुट का एक हिस्सा रहे।

सोसायटी के लिए डिजाइन और सैद्धांतिक अध्ययन के लिए डिजाइन

श्री के. वी. नागेश, सहायक प्रोफेसर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज; श्री प्रसाद संदभोर, सह-संस्थापक, यूएक्स कंसल्टेंट ईके स्टेप फाउंडेशन; सुश्री अनविला मिश्रा, प्रख्यात फैशन डिजाइनर और शासी मण्डल (बीओजी) सदस्य; सुश्री शिबानी जैन, मालिक / सीईओ, बाया डिजाइन और सुश्री रितु सेठी, सीईओ, क्राफ्ट रिवाइवल ट्रस्ट।

अनुभव डिजाइन

सुश्री प्राची तनेजा (पूर्व छात्र) उपयोगकर्ता अनुभव शोधकर्ता, फ्लिपकार्ट; श्री शशांक जौहरी, सह-संस्थापक, ईके स्टेप फाउंडेशन; श्री अफरोज हुडली, मालिक / सीईओ, मेम्बूरिन एंटरप्राइज, ऑस्ट्रेलिया। सुश्री सोनल श्रीवास्तव (पूर्व छात्र), यूएक्स डिजाइनर, उबेर;

श्री प्राजक्ता, यूआई / यूएक्स डिजाइनर, थिंक डिजाइन; श्री अभिलाष के वीटील, डिजाइनर और संस्थापक आदि।

डिजाइन की रणनीति

श्री मनोज कोठारी, संस्थापक, ओनिओ डिजाइन; सुश्री फिरोजा जरीर दलाल, डिजाइन सलाहकार।

उद्योग निर्देशित परियोजना प्रस्ताव (मेलों / सेमिनारों के साथ) और कक्षा परियोजना

फोरम में उद्योग कर्मियों के साथ बातचीत करने और डिजाइन परियोजना के लिए विचार और अवधारणाएँ या ब्रीफ तैयार करने के लिए मेलों, प्रदर्शनियों, सेमिनारों, डिजाइन फोरम का दौरा किया।

• मुंबई परिसर के सभी छात्रों ने विषय के भाग के रूप में मुंबई में इंडिया फैशन फोरम का दौरा किया और स्थिरता में औद्योगिक प्रथाओं और नवाचार के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। दिल्ली केंद्र में, छात्रों ने विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों जैसे डिजाइन एक्स डिजाइन, कन्वर्जेंस 2019, लिल फ्लेय, इंडिया आर्ट फेयर, दी इरेगुलर आर्ट फेयर, इंडिया डिजाइन फोरम, सर्जिंग सिल्क, एआई इंडिया इंडिया गेमिंग शो और इंटक उत्सव 2019 का दौरा किया। कई छात्र अपनी परियोजना की प्राप्ति के लिए उद्योग के सदस्यों से जुड़े।

• मुंबई में दिनांक 13.04.18 को फ्रीलांस संचार डिजाइनर श्री अदहम बाकरी द्वारा 'अरबी सुलेख और स्ट्रीट आर्ट' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया था।

• सुश्री रश्मि गुलाटी, सहायक प्रोफेसर द्वारा समन्वित, एनविला मिश्रा, परियोजना के एक भाग के रूप में रेहवा समाज के लिए प्रदर्शन डिजाइन प्रदर्शनी पर एम. डेस मुंबई द्वारा एक कक्षा परियोजना का संचालन किया गया था। छात्रों ने प्रदर्शन डिजाइन के अनुसंधान और विकल्प विकसित किए। सुश्री भाविका घाटे और सुश्री पूरवी टंडन, सेमेस्टर I के छात्र मुख्य रूप से एडी शो 2019 के लिए उत्पादों के दृश्य बिक्री प्रदर्शन के लिए विषय की अवधारणा में शामिल रहे।

• गुलमेहर और प्रमा से 2 कक्षा सजीव परियोजना एम. डेस दिल्ली में प्राप्त हुए थे, जहां छात्रों को उद्योग द्वारा सीधे ब्रीफिंग दी गई थी और टीमों का गठन करके विभिन्न समस्याओं को दूर करने के लिए कहा गया था और साथ ही उनकी गहन विशेषज्ञता के पूरक भी थे। दोनों संगठनों ने इस पूरी प्रक्रिया में जबरदस्त प्रतिक्रिया दिखाई।

प्रशिक्षको का प्रशिक्षण

निम्नलिखित उद्योग सदस्यों ने नए पाठ्यक्रम 'डिजाइन रणनीति' के नए और उभरते क्षेत्र पर सत्र प्रस्तुत किए, मुंबई कैंपस के श्री नितिन अरुण कुलकर्णी द्वारा टीओटी का आयोजन किया गया और इसमें बेंगलुरु, नई दिल्ली, कन्नूर और मुंबई के एम. डेस कार्यक्रम के सभी संकायों ने भाग लिया।

डिजाइन पर रणनीति के लिए श्री मनोज कोठारी, संस्थापक, ओनियो डिजाइन, पुणे; 'छात्रों के लिए उद्योग प्रथाओं का परिचय' पर सुश्री दीपा सोमन, प्रबन्ध निदेशक, लुमियरी बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड,; 'उद्योग के लिए डिजाइन रणनीति' पर श्री चंद्रशेखर व्यावाहरे, निदेशक, फ्यूचर डिजाइन।

निफ्ट कैम्पस रिपोर्ट

बेंगलुरु

संकाय द्वारा शैक्षणिक उपलब्धियाँ

डॉ. सुधा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, ने फरवरी 2018 में एएमईटी विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी की और उन्हें अगस्त, 2018 में डिग्री प्रदान की गई।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

• सुश्री स्वेता जैन ने बिजनेस स्टडीज ऑन सोशल साइंस में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बन्नेरगट्टा कैम्पस, बेंगलुरु में आयोजित सिंथेसाइज- एक अंतर्राष्ट्रीय अंत: विषय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। उसके शोध पत्र का शीर्षक था 'कंज्यूमर बिहेवियर ट्रेंड्स इन फास्ट फैशन' और उसे 'सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति' से सम्मानित किया गया।

• प्रो. डॉ. विभावरी कुमार ने इनसाइट 2018, एनआईडी अहमदाबाद में शहरी क्षेत्र में सौंदर्यशास्त्र और भावनाओं के लिए डिजाइन: अंतिम मील मेट्रो स्टेशन पर एक अनुभवात्मक डिजाइन परियोजना नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री निथ्या वेंकटरमन ने आईआईएससी, बेंगलुरु में अनुसंधान पर डिजाइन (आईकॉर्ड श2019) के 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेकिंग दी बेस्ट ऑफ ओब्सोलेंस ख्ए स्टडि ऑन दी चेंजिंग लैंडस्केप ऑफ प्रॉडक्ट लाइफ साइकल" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। स्प्रिंगर द्वारा 'रिसर्च इनटु डिजाइन फॉर ए कनेक्टेड वर्ल्ड' (वेंकटरमन एंड एलंगोवन) (2019) नाम की पुस्तक में भी 'मेकिंग दी बेस्ट ऑफ ओब्सोलेंस ख्ए स्टडि ऑन दी चेंजिंग लैंडस्केप ऑफ प्रॉडक्ट लाइफ साइकल" पेपर प्रकाशित किया गया है। रिसर्च इनटु डिजाइन फॉर ए कनेक्टेड वर्ल्ड वॉल्यूम (2) 223-228.

• सुश्री स्वेता जैन ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (जैन, स्वेता (2019) के साथ ष्इंपेक्ट ऑफ इनोवेटिव्नेस, फैशन कॉन्शसनेस एंड कम्प्लिसव बाइंग बिहेवियर" पर भी एक पेपर प्रकाशित किया। 'इंपेक्ट ऑफ इनोवेटिव्नेस, फैशन कॉन्शसनेस एंड कम्प्लिसव बाइंग बिहेवियर"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग वॉल्यूम (9), अंक (2) 1262-1269

• डॉ. संजीव मालगे ने 'एमिटी जर्नल ऑफ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट (मैलेज, संजीव (2018)' के साथ 'भारत में सदस्यता बॉक्स मॉडल द्वारा अपनाई गई विभिन्न रणनीतियाँ' पर एक पत्र प्रकाशित किया। भारत में सदस्यता प्रबंधन मॉडल द्वारा अपनाई गई विभिन्न रणनीतियाँ। एमिटी जर्नल ऑफ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट वॉल्यूम (1), अंक (2)

• सुश्री कृतिका जी. के. ने निम्नलिखित पत्र प्रकाशित किए:

क) 'निर्णय लेने की प्रक्रिया के विशेष संदर्भ के साथ उपभोक्ता व्यवहार पर सोशल मीडिया का एक अध्ययन' (कृतिका (2018। निर्णय लेने की प्रक्रिया के विशेष संदर्भ के साथ उपभोक्ता व्यवहार पर सामाजिक मीडिया का अध्ययन। रिव्यू ऑफ रिसर्च- एक बहु-विषयक जर्नल वॉल्यूम (7), अंक (6)

ख) 'उपभोक्ता व्यवहार पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव: एक

सामान्य परिप्रेक्ष्य' रिव्यू ऑफ रिसर्च- एक बहु-विषयक जर्नल वॉल्यूम (7), अंक (6)

ग) 'दी सोशल मीडिया यूजर: ए थ्योरोटिकल बैकग्राउंड टु दी डेवलपमेंट ऑफ सोशल मीडिया यूजर टाइपोलॉजी' (2018। ईएलके एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड रिटेलिंग मैनेजमेंट वॉल्यूम (9), अंक (4)।

- सुश्री नेत्रवती टी. एस. ने दो पत्र प्रकाशित किए-

क) "ऑनलाइन कंज्यूमर पर्सेप्शन ऑन कैशलेस ट्रांजेक्सन एंड एकसेपटेन्स ऑफ ई-वॉलेट (मोबाइल वॉलेट)" (2019) जेईटीआईआर (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च), एएन इंटरनेशनल ओपन एक्सेस जर्नल वॉल्यूम (6) अंक (3)

ख) 'ए स्टडि ऑन इंपेक्ट ऑफ ग्रोथ डिजिटल नेटवर्क ऑफ इंटरनेट ऑन ऑनलाइन एपरेल शॉपिंग' (2018) आईजेएआरआईआईई (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च एंड इनोवेटिव आइडियाज इन एजुकेशन)। वॉल्यूम (4) अंक (6)

- सुश्री आर रश्मि मुंशी ने दो पत्र प्रकाशित किए-

क) "कंज्यूमर्स विव्ज ऑन हैंडीक्राफ्ट प्रेफरेंस: ए केस स्टडी ऑन चन्नपटना टर्न वुड लैक वेयर हेंडीक्राफ्ट" (2018)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजमेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट वॉल्यूम (8), अंक (4)

ख) 'लेथ एंड हैंड टूल यूज्ड इन टर्न वुड लैक वेयर चन्नपटना फॉर प्रॉडक्ट फॉर्म्स' (2018)। टेक्सटाइल एंड फैशन टेक्नोलॉजी (आईजेटीएफटी) इंटरनेशनल जर्नल वॉल्यूम (8), अंक (6)

शिल्प क्लस्टर आउटरीच

निफ्ट बेंगलुरु सक्रिय रूप से क्राफ्ट क्लस्टर गतिविधियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने में लगा हुआ था जिसका उद्देश्य छात्रों को हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के साथ काम करने के लिए जमीनी स्तर पर से जुड़ना था। इस वर्ष की आउटरीच 5 हथकरघा समूहों और 5 हस्तकला समूहों के साथ रही।

इस वर्ष, कारीगरों और बुनकरों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से परिसर में एक शिल्प बाजार (एक मेगा प्रदर्शनी सह बिक्री कार्यक्रम) आयोजित किया गया, जिसमें पूरे भारत के 70 से अधिक शिल्पकारों ने भाग लिया। इसने कलामकारी, तंजौर पेंटिंग, लेदर कठपुतली, कांथा, बिदरी शिल्प, बंजारस, वुड-इनले/नक्काशी, मधुबनी, कोंडापल्ली, टेराकोटा, पट्टचिरा, बनारस हैंडलूम, कासवु, कांचीपुरम, मोलाकलमारू, इल्कल, पोचमपल्ली, पुंजा धोरी, कश्मीरी शॉल, जामदानी आदि के विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की। इस 3 दिवसीय कार्यक्रम में कारीगरों ने पिथ शिल्प, कलामकारी और तंजौर पेंटिंग पर विशेष प्रदर्शन दिखाया।

उद्योग अनुबंध और छात्रों का प्लेसमेंट

निफ्ट बेंगलुरु ने 26-29 अप्रैल, 2019 के दौरान अपने कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया। अथक प्रयासों और कंपनियों और पूर्व छात्रों द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई करने के बाद, बेंगलुरु कैंपस द्वारा कैंपस प्लेसमेंट 2019 के दौरान कुल 406 रिक्तियों का सृजन किया गया। कुल मिलाकर 69 कंपनियों ने निफ्ट बेंगलुरु में प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराया लेकिन पंजीकृत कंपनियों में से केवल 53 कंपनियां ही प्लेसमेंट के लिए आईं। विप्रो ने पीजी और यूजी दोनों के लिए क्रमश: 10 लाख प्रतिवर्ष और 9 लाख प्रति वर्ष के वेतन पैकेज के साथ उच्चतम वेतन पेश किया था। पदस्थापित उम्मीदवारों को दी जाने वाली औसत वेतन पोस्ट-ग्रेजुएशन पाठ्यक्रमों के लिए 4.8 लाख प्रति वर्ष और स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 4.2 लाख प्रति वर्ष है। सभी केंद्रों से 136 छात्रों को बेंगलुरु परिसर में ड्राइव के दौरान पदस्थापित किया गया था और 10 मई, 2019 तक कुल 88 निफ्ट बेंगलुरु के छात्रों को पदस्थापित किया गया था।

सभी विभागों के 23 पूर्व छात्रों के साथ ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान पूर्व छात्रों की बातचीत आयोजित की गई, जिन्होंने नए बैच के साथ बातचीत की और निफ्ट और उनके करियर में अपनी यात्रा के बारे में अपने अनुभव साझा किए। विभागों में स्नातक परियोजनाओं और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अवसर पैदा करने के लिए आईएए इकाई द्वारा पहल की गई थी। इस संदर्भ में, एबीएफआरएल, रिलायंस ब्रांड्स, अजियो, लाइफस्टाइल, मैक्स, फ्लिपकार्ट, अरविंद ब्रांड्स, मिंत्रा, वेलस्पन, लगुना क्लोदिंग, रेमंड्स आदि जैसे प्रमुख नियोक्ताओं ने अवसर दिए और स्नातक प्रोजेक्ट और ग्रीष्म इंटर्नशिप के लिए उम्मीदवारों की भर्ती की। कुछ प्रमुख आकर्षण एबीएफआरएल स्ट्राइड ड्राइव और क्लासरूम प्रोजेक्ट्स हैं जो छात्रों को एबीएफआरएल, एयरकिड्स, फॉसिल, रीवा अपैरल्स, रापा वॉक, माय सोशियो लाइफ आदि से दिए गए हैं। सभी अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए सॉफ्ट स्किल वर्कशॉप नवंबर के पहले सप्ताह में आयोजित की गई थी, जो छात्रों को साक्षात्कार, समूह चर्चा और कैंपस प्लेसमेंट 2019 और स्नातक प्रोजेक्ट साक्षात्कार के दौरान अपने काम को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए उन्मुख करता है। मार्च 2019 में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए एक रिज्यूमे निर्माण कार्यशाला की भी व्यवस्था की गई थी।

सेमिनार और कार्यशालाएं

- वस्त्र डिजाइन विभाग ने 'फैशन में नई प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी की परिकल्पना और आयोजन सुश्री मोनिका ए.एन., और सुश्री काकोली दास, सुश्री ऋचा शर्मा और श्री रवि कुमार भी समन्वय टीम का हिस्सा थे। विभाग ने श्रीमती असाही कसी, जापान द्वारा बम्बरग फाइबर पर एक कार्यशाला और सामग्री व्याख्यान भी आयोजित किया।

- सुश्री शिप्रा रॉय, परियोजना समन्वयक के रूप में, सितंबर 2018 में बेंगलुरु परिसर में डी-मोंटफोर्ट विश्वविद्यालय (डीएमयू) के छात्रों के लिए एक 'क्राफ्ट सेंसिटाइजेशन वर्कशॉप' पूरा किया।

- एफ एंड एलए विभाग ने श्री सुमित, प्रमुख डिजाइनर, टाइटन,

श्री हेमंद, डिजाइनर और श्री वैशाख एम, डिजाइनर से विशेषज्ञ इनपुट के साथ, लक्षित ग्राहक पहचान पर छात्रों को जागरूक किया।

• विभाग ने डिजाइन प्रक्रिया और पैकेजिंग डिजाइन में एक दिवसीय कार्यशाला के लिए वरिष्ठ डिजाइनर श्री जोगी पंगहल को भी आमंत्रित किया।

• फैशन प्रबंधन विभाग के छात्रों ने 27-28 मार्च, 2019 को मुंबई में आयोजित इंडिया फैशन फोरम (आईएफएफ) / इंडियन रिटेल फोरम (आईआरएफ) में भाग लिया।

• निटविअर डिजाइन विभाग ने श्री प्रवीण मुनियप्पा, एमडी, स्टूडियो 9. द्वारा इमेज एंड फैशन स्टाइलिंग फोटोग्राफी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों ने सुश्री नैन्सी एंथनी द्वारा आयोजित हेयर एंड मेकअप कार्यशाला में भी भाग लिया।

• डिजाइन स्पेस विभाग के छात्रों ने विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया - इनमें नासकॉम द्वारा आयोजित डिजाइन समिट एंबेड 2.0, बेंगलुरु डिजाइन सप्ताह (स्प्रेड डिजाइन बार्न द्वारा आयोजित हीरो यूएक्स कार्यशाला), आइडिया डिजाइन कॉलेज में प्रोफेसर जूलियन रॉबर्ट्स द्वारा एक घटाव काटने की कार्यशाला, दी एक्स अंडर 25 समिट 2019, बेंगलुरु में जयमहल पैलेस होटल, टॉकिंग अर्थ: फ्यूचर सिटीज एडिशन 1 बोहेमियन हाउस, रिचमंड सर्कल, बेंगलुरु सर्विस-जाम 2019 से 91 स्प्रिंगबोर्ड, इंदिरानगर, बेंगलुरु, दी बेंगलुरु फैशन, ओटेरटा होटल, बेंगलुरु, आदि शामिल हैं।

• परिसर ने फैशन प्रबंधन और फैशन प्रौद्योगिकी विभागों के लिए नवंबर 2018 में पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला की मेजबानी भी की। वर्ष 2019 से लागू, संशोधित पाठ्यक्रम की सामग्री और वितरण पर विचार-विमर्श करने के लिए, कैंपस में अखिल भारतीय निफ्ट परिसरों से संकाय सदस्य जुटे।

उद्योग आधारित परियोजनाएँ

टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने प्रिंट डिजाइन, सर्फेस डिजाइन और होम फर्निशिंग में विभिन्न कक्षा-आधारित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया। ग्राहकों में क्लासिक पोलो, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लाइफस्टाइल - एलेन सोली, हिमतसिंग्का लिनेन्स, इंडियन डिजाइन एक्सपोर्ट्स और इकोस्टार जैसे ब्रांड शामिल थे।

फैशन टेक्नोलॉजी विभाग ने 'परिधान गुणवत्ता और तकनीकी पहलुओं' पर मैक्स लाइफस्टाइल और खुदरा क्षेत्र के लिए एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया। इस परियोजना को सफलतापूर्वक ग्राहक साइट पर संकाय द्वारा प्रदत्त साप्ताहिक सत्रों के साथ पूरा किया गया था।

डॉ. यतींद्र एल और सुश्री शिप्रा रॉय के समन्वयन में, फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज विभाग ने "पारंपरिक कला / शिल्प विकास के लिए कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन" (यूएसटीटीएडी) पर एक परियोजना शुरू की और क्रमशः चन्नपटना टर्न वुड लाख शिल्प और मैसूर रोजवुड इनले शिल्प मैसूर के साथ काम किया। परियोजना अभी भी जारी है।

विभाग ने मैसर्स नैटसन के एंटीक्वार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु के साथ भी समन्वय किया और सुश्री रश्मि मुंशी के मार्गदर्शन में प्राचीन लकड़ी के वास्तुशिल्प टुकड़ों का उपयोग करने और उन्हें

एक्सेसरी उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए एक कक्षा परियोजना का संचालन किया।

फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के छात्रों ने 'माई फिट चैलेंज' पर एक विपणन अनुसंधान परियोजना के लिए वान हेसेन, मदुरा समूह के साथ एक लाइव परियोजना शुरू की। विभाग ने फैशन विपणन और फैशन बिजनेस रिसर्च और आईटी एकीकरण के लिए विभिन्न कक्षा परियोजनाओं का भी संचालन किया। ग्राहकों में माय सोशियो लाइफ, क्रेजी पंच, अर्बन मेनिया, मिस्टर अजय कुमार, लिडकर और उदयम कंसल्टेंसी जैसे ब्रांड शामिल थे।

निटविअर डिजाइन विभाग के छात्रों ने एलेन सोल्ली के साथ पुरुषों और महिलाओं के पहनावे के लिए प्रिंट डिजाइन विचारों पर एक कक्षा परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

उन्होंने प्रॉलाइन एथलेजर और प्रॉलाइन एक्टिव के लिए नए ब्रांडिंग और लोगो विकास पर प्रॉलाइन के साथ एक परियोजना को भी पूरा किया।

छात्र विकास गतिविधियाँ

- श्री रवि कुमार, सुश्री शिखा कुमारी और टीम ने आईआईएमबी में 'यूएनएमएएडी' में भाग लिया और फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार जीता। श्री रवि कुमार ने ज्योति निवास कॉलेज में आयोजित फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार भी जीता। श्री रोहित लाल, सुश्री अंजुरी रायजादा और सुश्री कल्पना वर्मा को आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में उनके प्रवेश के लिए तृतीय पुरस्कार मिला।

- फैशन संचार विभाग के छात्रों ने संस्थान का नाम रोशन किया है- सेमेस्टर टप्प् के श्री अंकित आनंद ने इंडिया कौशल प्रतियोगिता 2018 में विजुअल मर्चेंडाइजिंग (दक्षिणी क्षेत्र) के लिए स्वर्ण पदक जीता। वह रूस के कजान में आयोजित किए जाने वाले विश्व कौशल 2019 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सुश्री साक्षी कुमारी और श्री ऋषि कुमार कंडिमल्ला ने नेस्ले और फिच द्वारा गठित कयूरियस यंग ब्लड अवाड्र्स में प्रतिष्ठित 'रेड एलीफेंट' 2018 जीता।

- निटविअर डिजाइन विभाग के छात्रों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए। सुश्री सिमरन धोंड को जून 2019 में आईआईएफडब्ल्यू, बॉम्बे में अपने डिजाइन संग्रह को प्रस्तुत करने के लिए चुना गया है। श्री यश पाटिल, सेमेस्टर VIII, रेमंड के डिजाइन चौलेंज 2.0 में 3 रनर-अप रहे। श्री अवनीन्द्र ने प्रोलाइन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 'सर्वश्रेष्ठ ग्राफिक्स' का पुरस्कार जीता।

- सुश्री सौम्या लोचन ने जागृति- आईआईएससी, बेंगलुरु में तीसरे अखिल भारतीय युवा सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

- इस दशक में पहली बार, बेंगलुरु परिसर ने एसपीआईसी-मैके की मेजबानी की, जिसमें मार्गी मधु, कुडियट्टम के प्रसिद्ध कलाकार, ने हनुमान और सीता के रामायण के एक भाग को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में निफ्टियंस ने अच्छी तरह से भाग लिया और प्रदर्शन को देखने वाले अन्य संस्कृतिवादियों ने बहुत सराहना की।

- स्थिरता, फैशन में बजवर्ड, परिसर में एक अभ्यास के रूप में रेखांकित किया गया था जब एसडीएसी कार्यालय ने परिसर में ग्रीनस्टिच और जीएफएक्स के सहयोग से एक पहल 'क्लॉथ-स्वैप' की मेजबानी की थी। छात्रों ने अपने पुराने कपड़ों के आदान-प्रदान से लाभ उठाया और सर्कुलर फैशन के अभ्यास में एक अंतर्दृष्टि भी प्राप्त की।

- निफ्ट रायबरेली में अंतर-निफ्ट उत्सव कन्वर्ज 2018, आयोजित किया गया था। छात्रों को उनके प्रस्थान से पहले टीम-निर्माण के लिए एक अभिविन्यास दिया गया था; फिनस्ट्रैट द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के माध्यम से-व्यक्तित्व विकास और टीम निर्माण निफ्ट बेंगलुरु में कार्यशालाओं का आयोजन करने वाले एक संगठन ने दूसरे रनर-अप की स्थिति हासिल की। कैंपस ने 7 स्वर्ण पदक, 7 रजत और 25 कांस्य पदक जीते। स्वर्ण पदक विजेता थे- एकल गायन के लिए स्वरा, एकल नृत्य के लिए प्रेम कपूर, शॉटपुट के लिए सिमरन धोंड, लंबी कूद के लिए स्वर्णिमा और 4 X 100 रिले दौड़ के लिए विद्या कोम की अगुवाई वाली टीम।

- बेंगलुरु वापस आने पर कंवर्ज टीम का शानदार स्वागत किया गया।

कैम्पस विकास और समुदाय आउटरीच कार्यक्रम

पूरे परिसर को रहने योग्य, आत्मनिर्भर बनाने और क्षैतिज रूप से एकीकृत करने की दृष्टि से, इस वर्ष परिसर ने बिलहरी- सुबह की राग- प्रत्येक विभाग द्वारा आयोजित 20 मिनट का कार्यक्रम, प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर आयोजित किया। फैशन डिजाइन, फैशन और लाइफस्टाइल एक्ससेरी, फैशन संचार विभागों ने 2019 के अंतिम सेमेस्टर में कार्यक्रम का आयोजन किया है।

7 परिसर के अग्रभाग को एक वार्तालाप-स्टार्टर में बदल दिया गया, जिसमें संस्थान के संस्थापक-संरक्षक, सुश्री पुपुल जयकर को दिखाती हुई 40 फीट की कलाकृति का अनावरण किया गया, जो अंत:विषय पृष्ठभूमि के साथ सम्मिश्रित थी। दीवार को श्रमसाध्य रूप से ग्राफिक उपन्यासकार / कलाकार अप्पुपेन के साथ छात्रों द्वारा अच्छी तरह से चित्रित किया गया था, अच्छी तरह से सक्षम सुरक्षा तंत्र और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ उनकी मदद के लिए रखा गया है।

अपने समुदाय के आउटरीच कार्यक्रम के भाग के रूप में, निफ्ट बेंगलुरु ने बेंगलुरु में व्हाइटफील्ड रेलवे स्टेशन के सामने वाले हिस्से को डिजाइन और चित्रित किया। सूचना प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका पर स्टेशन पर आईटी भीड़ को फिर से सुदृढ़ करने के लिए, एडला लवलेस और उनके विश्लेषणात्मक इंजन की दीवार पर घमंड था।

पहली बार, निफ्ट बेंगलुरु ने अप्रैल 2019 के अंतिम सप्ताह के दौरान कैंपस में पांच दिवसीय अवकाश बूट शिविर की मेजबानी करके 'जनरेशन अल्फा' से युवा डिजाइन के प्रति उत्साही लोगों तक पहुंच बनाई, जिसे डिजाइन स्केशन कहा जाता है। इसमें 10 -15 वर्ष के बीच के बच्चों ने भाग लिया, जिन्हें प्ले-विथ कलर्स,

यूआई-यूएक्स, आईटी एप्लीकेशन इन डिजाइन, हैंड निटिंग और क्रॉचेट, टेबलटॉप बुनाई आदि के बारे में जानकारी दी गई।

कैंपस ने 'स्क्रैप से कला' कार्यक्रम को एक साथ रखकर साइकिल चलाने की खुशी का जश्न मनाया। छात्रों ने कैंपस के भीतर और बाहर से बेकार और फेंकी हुई सामग्री एकत्र की, और उन्हें एक साथ मिलाकर सुंदर कलाकृतियों और प्रतिष्ठानों में ढाल दिया।

डेली डंप- एक संगठन जो अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण के लिए स्थायी प्रणाली का निर्माण करता है, के साथ साझेदारी के तहत परिसर में एक कंपोस्टिंग यूनिट की स्थापना से अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ जीवन को भी सुदृढ़ किया गया था। कैंपस में पारंपरिक बल्बों और ट्यूबलाइटों के स्थान पर पर एलईडी लाइट की स्थापना के द्वारा कार्बनफुटप्रिंट को कम करने और ऊर्जा की खपत घटाने में भी योगदान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम

निफ्ट बेंगलुरु में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू संबंध इकाई बेंगलुरु कैंपस के छात्रों के लिए विभिन्न संबद्ध विश्वविद्यालयों के बीच सेमेस्टर और समर एक्सचेंज प्रोग्राम की सुविधा प्रदान करती है। इस शैक्षणिक वर्ष में निम्नलिखित छात्र अपने संबद्ध विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम के लिए गए:

क) सुश्री अनुष्का मनोहर, फैशन संचार विभाग, एम्स्टर्डम फैशन इंस्टीट्यूट (एएमएफआई), नीदरलैंड्स गई - जनवरी 2019 में अपने मूल विभाग से दोबारा जुड़ गई।

ख) सुश्री सिमरन गौरीश धोंड, निटवियर डिजाइन विभाग, बुंटा गौकेन विश्वविद्यालय, टोक्यो गई, जनवरी 2019 में अपने मूल विभाग में फिर से शामिल हो गई।

ग) सुश्री ई शिवानी, फैशन टेक्नोलॉजी (बैचलर्स) विभाग, दी ऑकोल नेशनेल सुप्रीयर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स (इनसैट), रूबिक्स, फ्रांस गई

घ) श्री अवनेन्द्र, निटविअर डिजाइन विभाग, दी एकोल नेशनल सुपारीयर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स (इनसैट), रूबिक्स, फ्रांस गई

आई एवं डीएल कार्यालय ने विभिन्न भागीदार विश्वविद्यालयों के साथ उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी देने के लिए सितंबर 2019 के दौरान परिसर के सभी छात्रों (सेमेस्टर III से VI) के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। उन्हें उन छात्रों के साथ बातचीत करने का अवसर भी दिया गया था जिन्होंने पिछले वर्ष में इस तरह के विनिमय कार्यक्रम किए थे। मिस्टर ऋषि राज, सुश्री सिमरन धोंड, सुश्री इशिता राहुल, सुश्री तेजस्विनी राज और सुश्री दिव्या ने विदेश में कैंपस के जीवन और अपने पूरे अनुभव से क्या सीखा पर अपने अनुभव को साझा किया।

निफ्ट बेंगलुरु एकमात्र ऐसा परिसर है जो दो अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों के दौरों की मेजबानी करता है। कैंपस ने जनवरी-फरवरी 2019 के दौरान दो सप्ताह के समर एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए ज्यूरिख के श्वेइसेरसिह टेक्स्टिलफैच्सुले (एसटीएफ) के 13 छात्रों की मेजबानी की। आगंतुक छात्रों को विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए एक अनुकूलित मॉड्यूल दिया गया।

फैशन और फिल्मों, उत्पादन तकनीक, भारत में उद्यमिता मॉडल आदि जैसे विषयों पर उन्हें टेडेई, शिबोरी, ब्लॉक प्रिंटिंग, ड्रेपिंग और स्टाइल और भारतीय जातीय पहनावे के लिए बुनियादी परिधान निर्माण पर कार्यशालाएं दी गईं। छात्रों ने निफ्ट परिसर से अपने सहयोगियों के साथ एक सांस्कृतिक संध्या में भी भाग लिया। इनसैट के 12 छात्रों का एक बैच (दी एकोल नेशनल सुपारीयर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स) ने फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग से सफलतापूर्वक अपना सेमेस्टर (जनवरी से जून 2019) पूरा किया। छात्रों ने प्रबंधन में न केवल अपने मूल विषयों से, बल्कि योग और मीडिया अध्ययन जैसे सामान्य ऐच्छिक विषयों से भी सीखा और अनुभव प्राप्त किया।

निफ्ट बेंगलुरु कैंपस के सात (7) छात्रों को ज्यूरिख के श्वेसेरसिच टेक्स्टिल्फैच्सुले (एसटीएफ) में समर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। वे वर्तमान में ज्यूरिख में अन्य संस्थानों से अपने समकक्षों के साथ मेजबान संस्थान में कोर्स कर रहे हैं। कैंपस के तीन छात्रों को दी फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी, न्यूयॉर्क) के साथ दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए चुना गया है। फॉल 2019 इंटेक के लिए विश्वविद्यालय के साथ उनका आवेदन अभी भी प्रक्रिया में है। इसी तरह, तीन छात्रों को पॉलिटेक्निको डी मिलानो (पीडीएम), मिलान के साथ स्प्रिंग 2019 के लिए चुना गया है।

सतत शिक्षा पाठ्यक्रम

परिधान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समन्वित परिधान मर्चेंडाइजिंग और विनिर्माण टेक्नोलॉजी (एएमएमटी) मार्च, 2019 में सफलतापूर्वक पूरा हो गया था। परिधान डिजाइन और विकास (एडीडी) – फैशन प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समन्वित, सफलतापूर्वक मार्च, 2019 में पूरा किया गया था। कैंपस अपने सतत शिक्षा (सीई) कार्यक्रमों को इस शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से 12 पाठ्यक्रमों के लिए खोल रहा है। इस वर्ष इसने 2 नए पाठ्यक्रम भी पेश किए हैं।

स्नातक शो 2019

कैंपस ने बे-एरिया, आरएमजेड इको वर्ल्ड, बेंगलुरु में डिजाइन विभागों (फैशन डिजाइन, एक्सेसरी डिजाइन, फैशन संचार, टेक्सटाइल डिजाइन, निटविअर डिजाइन और डिजाइन स्पेस) के लिए अपना ग्रेजुएशन शो आयोजित किया।

वर्ष 2019 की कक्षा के डिजाइन संग्रह का स्थिर प्रदर्शन गैलरी, आरएमजेड इको वर्ल्ड, बेंगलुरु की एक आला आर्ट गैलरी में आयोजित किया गया था, जिसके चलते इसे 25 मई से 1 जून, 2019 तक पांच दिनों के लिए जनता के लिए खोला गया। डिजाइन संग्रह फैशन शो 25 मई को आरएमजेड इको वर्ल्ड में एम्फीथिएटर में आयोजित किया गया था, जिसमें 600 से अधिक लोगों की बड़ी भागीदारी देखी गई, दोनों ने मेहमानों और जनता को आमंत्रित किया। समारोह की मुख्य अतिथि सुश्री श्वेता जयशंकर, पूर्व मिस इंडिया, उद्यमी और लेखिका थीं। इसकी अध्यक्षता महानिदेशक निफ्ट द्वारा की गई थी। इस कार्यक्रम ने 2019 बैच के छात्रों की स्नातक परियोजनाओं को प्रदर्शित किया और प्रत्येक विभाग से पुरस्कार विजेता छात्रों को सम्मानित किया।

कैंपस में फैशन टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट स्टडीज के विभागों के लिए स्नातक शो आयोजित किया गया, जिसमें दोनों विभागों की बेहतरीन परियोजनाओं का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जैन मैथ्यू (प्रोफेसर और डीन – वाणिज्य और प्रबंधन, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी), श्री परमेश्वर सीएच (वैश्विक विनिर्माण निदेशक, अकाउरेल इंडिया), श्री कौशलेन्द्र नारायण (निदेशक, संचालन, सिल्वरपार्क परिधान) और श्री नितिन प्रसाद ने की। (क्षेत्रीय प्रमुख, पीवीएच- भारतीय उपमहाद्वीप)

भोपाल

महत्वपूर्ण लैंडमार्क्स और उपलब्धियाँ

छात्र विकास गतिविधियाँ

1. भोपाल कैंपस ने रायबरेली कैंपस में आयोजित कन्वर्ज 2018 में सांस्कृतिक, खेल और साहित्य की विभिन्न प्रतियोगताओं में भाग लिया। स्टूडेंट ओस राजवंशी ने मेमे मेकिंग में गोल्ड मेडल जीता, जबकि शिवांगी सिंह ने स्लैम कविता पाठ में ब्रॉन्ज जीता।

2. भोपाल कैंपस ने मार्च 2019 के दौरान 'स्पैक्ट्रम '2019' का आयोजन किया। इस साल के स्पेक्ट्रम – 2019 का थीम 'विवेरेट्टी–दी ट्राईस्ट ऑफ कार्निवल' पर आधारित था। इसमें रियो, वेनिस, लद्दाख और कोचीन जैसे दुनिया के विभिन्न कार्निवलों पर आधारित चार राउंड शामिल थे। बेस्ट शो स्टॉपर ड्रेस की विजेता सुश्री जिज्ञासा भूषण और बेस्ट मॉडल सुश्री शुभांगी सक्सेना रही।

दूसरे दिन के कार्यक्रम में कैनवस की दीवार पेंटिंग और फोटोग्राफी सहित रचनात्मक प्रतियोगिताओं के साथ छात्रों द्वारा भोजन और कला के स्टॉल शामिल थे। स्पोर्ट्स क्लब द्वारा ओपन क्लब के साथ–साथ साहित्यिक क्लब द्वारा विभिन्न मजेदार खेलों का भी आयोजन किया गया। वंचित बच्चों के लिए काम करने वाले 'एक जुट' संगठन के छात्रों को गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए गए।

3. सुश्री शिवांगी सिंह, एडी–6, भोपाल कैंपस की छात्रा, आईआईटी रुड़की रोडीज थॉमप्सो, 2018 में प्रथम विजेता रही।

4. 26 जुलाई, 2018 को भोपाल कैंपस में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान एलुमनी मीट आयोजित की गई थी। कई नई कंपनियां जैसे एडी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, निकोबार, पोटहोल एट दी फार्म, एम 7 बी फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, वेट्रा फर्नीचर, डुएट लग्जरी कासा डेकोर, कासा नोना, देसी ड्रामा क्वीन, स्क्वायर लूप्स, औरूफी, इंजीरी, बांधेज, थोटपोट, बैरागॉन वीव्स, खादी कल्ट और महिलाओं को स्नातक परियोजनाओं के साथ–साथ प्लेसमेंट 2019 के लिए पहचाना गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- प्रो. डॉ. समीर सूद को एमएसएमई विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 17–18 मई, 2018 से प्रशाशन अकादमी, भोपाल में आयोजित प्रबंधन सम्मेलन के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। जिसमें मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने में भोपाल परिसर की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

- प्रो. डॉ. समीर सूद को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्राहलय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन द्वारा 20 दिसंबर, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बजरंग', छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक विविधताओं और पारंपरिक जीवन शैली के साथ बच्चों को पेश करना है ताकि सामाजिक सद्भाव, मानवीय मूल्यों और भाईचारे की भावना को स्थापित किया जा सके।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- 4 शिक्षण कक्ष, 06 स्टूडियो
- पूरी तरह से सुसज्जित बुनाई लैब और डाइंग और प्रिंटिंग लैब
- सामान्य और लेदर कार्यशालाएं
- वीडियो सम्मेलन कक्ष (मुख्यालय और सभी निफ्ट केंद्रों के साथ जुड़ा हुआ है)
- उच्च गति इंटरनेट के साथ पूरी तरह से सुसज्जित आईटी लैब्स, कनेक्टिविटी और नवीनतम ग्राफिक सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन, डिजिटल टेबलेट्स और सॉफ्ट बॉडी ड्रेस फॉर्म।
- 3 डी प्रिंटर, लेजर कटिंग मशीन,
- संसाधन केंद्रख्रकिताबों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं, बाउंड आवधिक, ऑडियो विजुअल संसाधन के समृद्ध भंडार।
- सामग्री विंग में 300 परिधान, फैब्रिक स्वेच, हस्तशिल्प और सहायक उपकरण
- कैंटीन / मेस और स्टेशनरी की दुकान

भौड़ी में बन रहे नए भोपाल स्थायी परिसर में निम्नलिखित सुविधाएं शामिल हैं:

- एकीकृत प्रशासनिक विंग, सम्मेलन कक्ष
- 40 से अधिक संकाय कमरे, 4 संकाय लाउंज और 7 रिसर्च स्कॉलर रूम
- 6 आर्ट रूम, 14 क्लास रूम, 2 डिजाइन स्टूडियो, डिजिटल स्टूडियो, वीविंग स्टूडियो, बुनाई लैब्स, कंप्यूटर आईटी लैब, फर्नेस एंड ज्वेलरी वर्कशॉप, पैटर्न मेकिंग और सिलाई लैब्स, ग्राफिक डिजाइन लैब, लेदर वर्कशॉप, फोटो लैब, टेस्टिंग लैब, वीएम लैब, स्पेशलाइज्ड मशीन लैब, सरफेस डिजाइन लैब
- अभिलेख कक्ष, व्यायामशाला
- लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए छात्रावास

अल्पकालिक पाठ्यक्रम

भोपाल कैंपस ने प्रो. डॉ. समीर सूद (प्रोफेसर और संयुक्त निदेशक, निफ्ट भोपाल) की देखरेख में वर्ष 2014 में सीईपी प्रोग्राम फैशन डिजाइनिंग एंड क्लोथिंग टेक्नोलॉजी 'पाठ्यक्रम शुरू किया। इस कोर्स का उद्देश्य कपड़े या फैशन उद्योग में प्रवेश करने के इच्छुक उम्मीदवारों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम को छात्रों, उद्योग, डिजाइन हाउस और सरकारी संगठनों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। एफडीसीटी छात्रों ने फैशन शो के रूप में अपने फैशन डिजाइन कौशल का प्रदर्शन किया जैसे 'मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड', मध्य प्रदेश सरकार की ओर से एम.पी. चंदेरी, माहेश्वरी, बांस, बाग प्रिंट, जरदोजी आदि 'मध्य प्रदेश की कला और शिल्प विरासत' को बढ़ावा देने के लिए 'वस्त्राविद्या', 'वस्त्राविनास', 'धरोहर' का आयोजन किया गया। यह उल्लेखनीय है कि ''इंडियन फेडरेशन हरित ऊर्जा'', नई दिल्ली और मध्य प्रदेश राज्य "बांस मिशन", मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से एक फैशन डिजाइन शो (ग्लोबल बैम्बू समिट) 'स्पंदन' मध्य प्रदेश के सतत विकास और गरीबी उन्मूलन तथा जलवायु परिवर्तन के लिए एक परिवर्तन एजेंट के रूप में बांस की सामग्री के वस्त्र डिजाइन और सहायक उपकरण बनाने के लिए बांस को बढ़ावा देने के प्राथमिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आयोजित किया गया था।

अभिनव विचारों के अन्वेषण के लिए, व्यावहारिक ज्ञान के छात्रों को स्थानीय विरासत स्थलों का दौरा करने का अवसर दिया जाता है जैसे आईजीआरएमएस, राज्य संग्रहालय, भारत भवन, गोहर महल आदि। उद्योग के एक्सपोजर के लिए छात्रों को प्रसिद्ध कपड़ा उद्योगों जैसे मैसर्स प्रतिभा सिंटेक्स, इंदौर का दौरा करने का अवसर दिया जाता है। एफडीसीटी के पूर्व छात्रों को प्रतिष्ठित संगठनों, डिजाइन हाउस में प्रतिस्थापित किया गया और उनमें से कुछ ने अपना उद्यम शुरू किया और वे समय-समय पर एफडीसीटी के छात्रों (पढ़ रहे) के साथ अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हैं।

परियोजनाएं

ईको टासर, नई दिल्ली के साथ टीडी-5 में विषय-एडब्ल्यूएस के लिए कक्षा परियोजना, जुलाई-दिसंबर 2018, जिसमें टीडी के छात्रों ने श्री अर्नब सेन की मेंटरशिप के तहत भागीदारी के लिए 36 स्वैच तैयार किए और भेजे।

आईएसडीएस प्रमाणीकरण परियोजना

कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के आईएसडीएस परियोजना को जुलाई 2015 में शुरू किया गया था। निफ्ट को आरएसए कपड़ा समिति द्वारा मान्यता प्राप्त 'आकलन एजेंसी' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, ताकि कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार की आईएसडी योजना के तहत प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन किया जा सके। भोपाल कैंपस ने प्रमाणीकरण/मूल्यांकन कार्य किया तथापि उद्योग ने उम्मीदवारों को नियुक्त किया और इस प्रकार रोजगार के अवसर पैदा किए। इस परियोजना को एक मजबूत और लाइव प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है जो परियोजना की वास्तविक समय प्रगति प्रदान करता है। भोपाल कैंपस द्वारा लगभग 23,948 उम्मीदवारों का सफलतापूर्वक मूल्यांकन / प्रमाणित किया गया और बाद में मध्य प्रदेश के वस्त्र / परिधान उद्योग द्वारा उपयुक्त रूप से उन्हें प्रतिस्थापित किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत परिधान और फैशन उद्यमियों के लिए डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल कैम्पस ने 23-24 अप्रैल, 2018 को सेमिनार हॉल, एमपी भोज (ओपन) विश्वविद्यालय परिसर, कोलार रोड, भोपाल में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू एन डी पी) के सहयोग से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत परिधान और फैशन उद्यमियों के लिए एक डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश के लगभग 30 उद्यमियों ने भाग लिया था जो मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्मी योजना (एमवाईयूवाई) के लाभार्थी थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए यूएनडीपी के समर्थन, फैशन उद्यमिता, डिजाइन प्रक्रिया / निजी लेबल / खुदरा एकीकरण, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, जीईएम, और भारतीय खुदरा ब्रांडों की विक्रेता विकास प्रक्रियाओं के सत्र शामिल थे।

आईएसडीएस परियोजना के तहत एमपीएलयूएन के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू)

उक्त परियोजना में, भोपाल कैंपस ने वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के आईएसडीएस परियोजना के तहत स्वीकृत 1500 व्यक्तियों के अतिरिक्त प्रशिक्षण लक्ष्य के लिए मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन) को पीएमयू सेवाएं प्रदान कीं। परियोजना प्रबंधन इकाई के रूप में निफ्ट भोपाल ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जिसमें परियोजना के उद्देश्य, विवरण, संचालन, पद्धति, वित्तीय योजना और प्लेसमेंट रणनीति शामिल है। भोपाल कैंपस द्वारा आईएसडीएस के तहत प्रशिक्षित, मूल्यांकन और पदस्थापित उम्मीदवारों का प्लेसमेंट रिकॉर्ड भी रखा गया था।

विशेष कौशल विकास कार्यक्रम

मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड ने मध्य प्रदेश राज्य में वस्त्र और परिधान क्षेत्र में 'विशेष कौशल विकास कार्यक्रम' के तहत उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी थी। कपड़ा और परिधान क्षेत्रों में एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन भोपाल परिसर के मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया गया था। इसके अलावा, संबंधित क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा इस कार्यक्रम के तहत प्रमाणन सेवाएं प्रदान की गईं। विशेष कौशल विकास कार्यक्रम में, लगभग 994 व्यक्तियों को मध्य प्रदेश राज्य में वस्त्र / परिधान उद्योगों द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षित, मूल्यांकन और पदस्थापित किया गया था।

ग्वालियर में ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) परियोजना

कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के परिधान ऊष्मायन परियोजना में, भोपाल कैम्पस आईआईडीसी, ग्वालियर (औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम - ग्वालियर) के साथ ग्वालियर, मध्य प्रदेश में एक 'परिधान ऊष्मायन केंद्र' स्थापित करने के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। ऊष्मायन केंद्र परिधान विनिर्माण में उद्यमशीलता को बढ़ावा देगा, अतिरिक्त विनिर्माण क्षमता निर्माण होगा और अतिरिक्त नौकरियों का भी सृजन करेगा।

इस परियोजना में भोपाल कैंपस ने संचालन के लिए आईआईडीसी के साथ समन्वय किया, इनक्यूबेट्स का चयन, निविदा दस्तावेज का गठन और इनक्यूबेशन सेंटर के लिए परिधान विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए आवश्यक मशीनरी और उपकरण, फर्नीचर और अन्य सहायक उपकरण का चयन और खरीद भी किया।

मध्य प्रदेश कौशल विकास परियोजना

इस परियोजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास रोजगार सृजन बोर्ड (एमपीएसवाईईजीबी) में मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास रोजगार सृजन बोर्ड (एमपीएसवाईवाई) के लिए टेक्सटाइल क्षेत्र में भोपाल कैंपस प्रशिक्षण सेवा प्रदाता के रूप में मध्य प्रदेश में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए मुख्य मंत्री कौशल संवर्धन योजना (एम एम के एस वाई)/ मुख्य मंत्री कौशल योजना (एम एम के वाई) मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास मिशन के (एम पी एस एस डी एम) को लागू करना है। एनएसडीसी के स्थापित मानदंडों के अनुसार कठोर प्रक्रियाओं के बाद भोपाल कैंपस द्वारा प्रशिक्षण भागीदारों का चयन किया गया। परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भोपाल कैंपस आवधिक भौतिक और वित्तीय रिपोर्टों को प्रस्तुत करने सहित परियोजना के संपूर्ण कार्यान्वयन और निष्पादन के लिए भी जिम्मेदार है। लगभग 644 प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रशिक्षित, मूल्यांकन और पदस्थापित किया गया है।

समर्थ के अंतर्गत एमपीएलयूएन के लिए पीएमयू

निफ्ट भोपाल, मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन) के लिए समर्थ (स्कीम फॉर कपैसिटी बिल्डिंग इन टेक्सटाइल सेक्टर) के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख कौशल विकास योजना है। निफ्ट भोपाल सभी प्रशिक्षण केंद्रों के साथ समन्वय करता है और एमपीएलयूएन को पीएमयू सेवाएँ प्रदान करता है। गुणवत्ता ऑडिट टीम के एक भाग के रूप में, यह निरीक्षणों के माध्यम से प्रशिक्षण केंद्रों के कामकाज की जाँच करने के लिए भी जिम्मेदार है। कार्य के उपर्युक्त दायरे के अलावा, कपड़ा मंत्रालय और उनकी परियोजना निगरानी इकाई (एजेंसी) के साथ निरंतर अनुवर्ती, सभी दायित्वों और रिपोर्टों का समय पर वितरण भी भोपाल कैम्पस द्वारा किया जाएगा।

डिजाइन संग्रह शो 'धरोहर- विरासत के तत्व' और साड़ी ड्रेपिंग कार्यशाला 'एडवेंचर नेक्स्ट 2018'

भोपाल कैंपस ने 3-5 दिसंबर, 2018 से अशोका लेक व्यू, भोपाल में "एडवेंचर नेक्स्ट 2018" में एक डिजाइन संग्रह शो "धरोहर- विरासत के तत्व" और साड़ी ड्रेपिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। एडवेंचर नेक्स्ट 2018 मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का 3-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन था, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान, कोरिया और विभिन्न अन्य देशों के लगभग 100 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 22 समकालीन डिजाइनों को तीन अनुक्रमों में दिखाया गया था- किरमिजी (दी क्रिमसन ब्यूटी), धारीरित्री (दी अर्थ- इटर्नल पीस) और अरन्या - (बांस - समृद्धि का प्रतीक) और मुख्य रूप से मध्य प्रदेश की कला और शिल्प विरासत जैसे चंदेरी, माहेश्वरी, बांस, बाग प्रिंट और जरदोजी पर आधारित है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

- सुश्री आदिषा निगम और सुश्री दीपांजलि डी सिल्वा ने फरवरी 2019 में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आयोजित न्यूमिरोयोनो क्विज प्रतियोगिता में डिजिटल रौंद विजेता का खिताब हासिल किया।

- श्री पुलकित वर्मा ने फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार और एम्स (भोपाल) 2018 द्वारा आयोजित सोलो डांस में सुश्री शुभांगी ने द्वितीय पुरस्कार जीता।
- भोपाल कैंपस की छात्र टीम सुश्री मेघा जेठी, श्री साहिल, सुश्री राफिया और सुश्री राखी वर्मा ने मार्च 2019 में आयोजित मैनिट फैशन शो, मैविक में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुश्री कविता गुप्ता और सुश्री बरखा शिवाल ने 28 सितंबर, 2018 को जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित वार ऑफ वर्ड्स वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

स्नातक परियोजना और स्नातक कार्यक्रम

भोपाल कैंपस का 7 वां दीक्षांत समारोह और स्नातक परियोजना शो 8 जून को होटल जेहान नुमा पैलेस, भोपाल में मुख्य अतिथि श्री आलोक संजर, माननीय, संसद सदस्य, भोपाल की उपस्थिति में आयोजित किया गया; इस अवसर पर गणमान्य अतिथि श्री श्रेयस्कर चौधरी, प्रबंध निदेशक, मैसर्स प्रतिभा सिंटैक्स और सुश्री शारदा मुरलीधरन आईएएस, महानिदेशक- निफ्ट उपस्थित रहे। कुल 82 सफल स्नातकों - 25 फैशन मैनेजमेंट, 23 एक्सेसरी डिजाइन और 34 टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने दीक्षांत समारोह में अपनी डिग्री प्राप्त की।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरी विभाग

- सेमेस्टर VI के छात्रों के साथ कारीगरों के लिए जागरूकता कार्यशाला
- सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए ढोकरा शिल्पकारों, बैतूल द्वारा शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला
- सेमेस्टर VII के छात्रों द्वारा शिल्प आधारित डिजाइन विकास
- सीआरडी के तहत सेमेस्टर V के लिए बैतूल में फील्ड विजिट।
- बेल धातु शिल्प के लिए कार्यशाला आयोजित की गई और 11 कारीगरों को फरवरी 2019 में प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया।
- फरवरी 2019 के दौरान सेमेस्टर IV और VI के छात्रों के समग्र शिक्षण हेतु बैतूल के कारीगरों के लिए एफ एंड एलए विभाग द्वारा कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

फाउंडेशन कार्यक्रम विभाग

- गोंड कला का अध्ययन किया गया और छात्रों को उस पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से जनजातीय कला के प्रति संवेदनशील बनाया गया था
- शिल्प दस्तावेज के लिए लोकरांग शिल्प मेला, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्राहलय क्षेत्र की यात्रा।

टेक्सटाइल डिजाइन विभाग

- चंदेरी क्लस्टर के लिए बुनकरों के लिए शिल्प बाजार और कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- सेमेस्टर IV और V के छात्रों द्वारा चंदेरी क्लस्टर का दौरा किया गया
- सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए उज्जैन बैटिक और ब्लॉक प्रिंटिंग क्लस्टर का दौरा किया गया
- सेम III के छात्रों के लिए जरदोजी क्लस्टर का दौरा किया गया

फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग

- एफएमएस विभाग द्वारा भोपाल कैंपस में महेश्वर के कारीगरों और एमएफएम- III सेमेस्टर के छात्रों के लिए 29 से 31 अक्टूबर, 2018 के दौरान कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। महेश्वर / चंदेरी शिल्पकारों के विपणन एक्सपोजर के लिए एक 'शिल्प बाजार" का भी आयोजन किया गया था।
- महेश्वर बुनाई क्लस्टर के लिए क्लस्टर प्रलेखन।
- महेश्वर कारीगरों के लिए शिल्प बाजार का आयोजन किया गया था।
- लोकरंग शिल्प मेले का फिल्ड दौरा किया गया

पीएचडी आरंभ और पूर्ण की

कुल तीन संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और निफ्ट भोपाल के तीन संकाय सदस्यों ने पीएचडी पूरी की है।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुतियाँ (छात्र और संकाय दोनों)

- प्रो. डॉ. समीर सूद ने मार्च 2018 के वॉल्यूम 8 में रिसर्च एक्सपो इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल (आईएसएसएन: 2250-1630) में 'सोशल कम्प्लायंस इन इंडियन एपरेल इंडस्ट्री: ए स्टडि ऑफ लेजिसलेशन एंड इनिशियटिव' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड आईटी (आईएसएसएन: 0975-721एक्स) वॉल्यूम 9 / नंबर 1 / जुलाई-दिसंबर 2017 में ष्सोशल कम्प्लायंस फॉर गारमेंट फैक्टरी इन ग्लोबसष् शीर्षक वाला एक पत्र और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईएसएसएन: 2455-4030) में ष्इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री एंड गारमेंट एक्सपोर्ट्सष् नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री अर्नब सेन, सहायक प्रोफेसर ने 27 मार्च, 2018 को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित फैशन, परिधान और वस्त्र" पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएफएटी), 2018 में ष्डाइंग ऑफ पॉलीट्रिमेथिलीन टेरेफेथलेट फाइबर विद नेचुरल डाई एंड बायोमार्डेंट्स: आप्टिमाइजेशन यूजिंग रेस्पोंस सर्फेस मेथोड़ोलोजी" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। मई, 2018 में फैशन, परिधान और वस्त्र" पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएफएटी), 2018 में आईएसबीएन - 97893-86238-51-1 के साथ प्रकाशित हुआ।
- श्री अर्नब सेन ने शोध पत्र प्रकाशित किया, जिसका हवाला इस प्रकार दिया गया: - ए. सेन, ए. भोवाल, एस. दत्ता, कम्पेरिजन ऑफ डाइंग ऑफ पॉलिएस्टर फाइबर विद नेचुरल डाई एंड बायो-मॉर्डेंट, प्रोग्रैस इन कलर, कोलोरंट एंड कोटिंग्स, 2018, वॉल्यूम 11 पीपी 165-172.

ख सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, ने पत्रिका सिल्क मार्क वोग अक्टूबर-दिसंबर 2018 संस्करण में "चंदेरी- इतिहास से सूत्र" नाम से एक लेख प्रकाशित किया।

• डॉ. देवज्योति गांगुली ने टेक्सटाइल इंजीनियरिंग डिवीजन बोर्ड, आईईआई के तत्वावधान में इंजीनियर संस्थान भारत, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्यों के केंद्रों द्वारा आयोजित हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, फैशन और कपड़ों में वैश्विक ट्रेंड् की विविधता पर अखिल भारतीय संगोष्ठी में ष्डेवलपमेंट ऑफ कोमोफ्लेज प्रिंटिंग एंड इट्स यूज इन फैशनेबल वियर" नाम से एक पत्र प्रकाशित किया।

संकाय उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

• प्रोफेसर डॉ. समीर सूद, डॉ. राजदीप सिंह खानूजा, सहायक प्रोफेसर और सुश्री साक्षी राठौर, सहायक प्रोफेसर के साथ एमएफएम सेमेस्टर II के छात्रों ने 14-16 फरवरी, 2019 को उद्योग यात्रा के लिए दिल्ली / एनसीआर का दौरा किया।

• भोपाल कैंपस के संकाय सदस्यों ने हैदराबाद और बेंगलुरु कैम्पस में क्रमश: जून और जुलाई 2018 में फैकल्टी कॉन्क्लेव में भाग लिया।

• प्रोफेसर डॉ. समीर सूद, डॉ. राजदीप सिंह खानूजा ने आईआईएम-अहमदाबाद में 20-22 फरवरी, 2019 को आयोजित "पारिवारिक व्यवसाय: संगठन, रणनीति, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार" में भाग लिया।

• डॉ. राजदीप सिंह खानूजा ने 4-8 मार्च, 2019 से निफ्ट-कोलकाता में आयोजित "उपभोक्ता तंत्रिका विज्ञान: न्यूरो-मार्केटिंग के माध्यम से फैशन उपभोक्ताओं को समझना" पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सुश्री साक्षी राठौर और डॉ. प्रभात कुमार ने 25 मार्च से 29 मार्च 2019 तक नई दिल्ली में निफ्ट मुख्यालय में आयोजित नव नियुक्त संकाय के लिए 'इंडक्शन प्रोग्राम' में भाग लिया।

• टीओटी विषय: - आईएसडी संकाय श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, 8 मार्च 2019

• डॉ. अनुपम सक्सेना और श्री अर्नब सेन ने 26-29 दिसंबर, 2018 को महामालापुरम में आयोजित सार्वभौमिक प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सभी टीडी संकाय सदस्यों डॉ. अनुपम सक्सेना, सुश्री विशाका अग्रवाल, श्री देबज्योति गांगुली, श्री अर्नब सेन और सुश्री स्वाति व्यास ने हैदराबाद कैम्पस में आयोजित 25-29 जून, 2018 को क्यूर कार्यशाला में भाग लिया।

• डॉ. अनुपम सक्सेना और सुश्री स्वाति व्यास ने नई दिल्ली कैंपस में 15-17 अक्टूबर, 2018 से सीआईसी कार्यशाला में भाग लिया।

• डॉ. अनुपम सक्सेना ने दिल्ली में 3-4 दिसंबर, 2018 को क्यूयूटी, ऑस्ट्रेलिया से प्रोफेसर ली ह्यूग मैकगोवन द्वारा पीएचडी पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण में भाग लिया।

• डॉ. अनुपम सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 19 फरवरी, 2019 को आयोजित एनईआरसी प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सुश्री स्वाति व्यास, सहायक प्रोफेसर, टीडी, ने दिल्ली में डॉ. शालिनी सूद और डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता द्वारा आयोजित ट्रेंड्स एनालिसिस टीओटी में भाग लिया। प्रो सुधा ढींगरा और बाहरी विशेषज्ञों द्वारा 'होम एंड स्पेस के लिए परिधान और फैशन एक्सेसरी/ टेक्सटाइल पर टीओटी का आयोजन; और प्रो कृपाल माथुर द्वारा आंतरिक विशेषज्ञ, और सुश्री ऋचा शर्मा एंकर संकाय, बेंगलुरू और श्री ए बालासुब्रमण्यम बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आयोजित डिजाइन प्रक्रिया के लिए टीओटी में भी भाग लिया।

• सुश्री विशाका अग्रवाल ने ट्रिडेंट उद्योगों, बुधनी में एफसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार 15 दिनों की एफआईए पूरी कर ली है।

• श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर 26-30 नवंबर, 2018 से आईआईटी गुवाहाटी में 'एर्गोनॉमिक्स इन डिजाइन एजुकेशन' पर घरेलू प्रशिक्षण में शामिल हुए।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों / बैठकों में संकाय की भागीदारी

प्रो. डॉ. समीर सूद 24-25 फरवरी, 2019 को परिधान प्रौद्योगिकी एक्सपो (जीटीई) 2019 में एनएसआईसी एक्जीबिशन कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में मशीनरी की खरीद और आवश्यक तकनीकी और विशेषज्ञ सहायता के लिए उपस्थित हुए।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों के लिए श्रीमती गौरा जोशी, श्री आदित्य जैन और श्री संजय व्यास ने डिजिटल डिजाइन और संचार और फोटोग्राफी पर सत्र आयोजित किए।

पूर्व छात्रों के साथ वार्ता

• प्रणय गुप्ता (कार्यशाला) फरवरी 2019

• सुश्री सुमन नागपाल, बैकसन इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा प्रिंट डिजाइन हस्त और डिजिटल टीडी IV

• श्री अमित जैन, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट द्वारा बेसिक वेव डिजाइन टीडी IV

• श्री रहीम गुट्टी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, भेरूगढ़ कलस्टर, उज्जैन द्वारा भारत की टेक्सटाइल हेरिटेज एंड एप्लीकेशन ऑफ नेचुरल डाइस, टीडी IV

• सुश्री अनुभूति बेहर, निफ्ट के पूर्व छात्र और फैशन डिजाइनर द्वारा

• प्रोडक्ट फंडामेंटल्स परिधान और फैशन सहायक उपकरण।

• टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट श्री अमित जैन द्वारा प्रोडक्ट फंडामेंटल अपैरल और होम एंड स्पेस।

• श्री रहीम गुट्टी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, भेरूगढ़ कलस्टर, उज्जैन द्वारा टेक्सटाइल डाइंग और प्रिंटिंग / आईडीएम।

• सुश्री सुमन नागपाल, बैकसन इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा वस्त्र डिजाइन के तत्व।

• श्री विश्वजीत, वर्धमान फैब्रिक्स द्वारा वस्त्र परीक्षण और नियंत्रण।

• श्री संकल्प सामल, निफ्ट के पूर्व छात्र, डिजाइनर और ओनर ललियास डिजाइन हाउस द्वारा फैब्रिक एंड प्रोडक्ट स्टाइलिंग।

• टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट श्री अमित जैन द्वारा वूवन डिजाइन प्रोजेक्ट।

• सुश्री अनुभूति बेहर, निफ्ट के पूर्व छात्र और फैशन डिजाइनर द्वारा डिजिटल प्रस्तुति तकनीक।
• डॉ. रंजना उपाध्याय, प्रोफेसर, राजकीय महिला स्नातकोत्तर कॉलेज, भोपाल द्वारा डिजाइन कोलोक्यूईम।
• सुश्री शालिनी पांडे, डिजाइनर, स्थायी ब्रांड- रिवाइंड रूट्स द्व ारा सस्टेनेबल डिजाइन।
• श्री वी सिंह, उद्योग विशेषज्ञ, भास्कर डेनिम द्वारा फाइबर टू फैब्रिक, टीडी प्प्
• श्री फिरोज, समन्वयक और ट्रेनर, राजीव गांधी गैस पिडित पुनर्वास संस्थान द्वारा जरदोजी शिल्प के लिए भारत की वस्त्र विरासत।
• श्री मुकेश व्यास, प्रतिभा सिंटेक्स, इंदौर द्वारा परिधान और फैशन एक्सेसरी के लिए टेक्सटाइल।
• सुश्री गौरा जोशी, टेक्सटाइल डिजाइनर और मालिक- गौरा डिजाइन हाउस द्वारा प्रिंट डिजाइन तकनीक।
• सुश्री तुहिना अनुकुल वार्ष्णेय द्वारा सॉफ्ट स्किल्स और साक्षात्कार फेसिंग पर कार्यशाला।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• प्रो. डॉ. समीर सूद, डॉ. राजदीप सिंह खानूजा, सहायक प्रोफेसर और सुश्री साक्षी राठौर, सहायक प्रोफेसर के साथ एमएफएम सेमेस्टर प्प के छात्रों ने 14-16 फरवरी, 2019 को उद्योग यात्रा के लिए दिल्ली / एनसीआर का दौरा किया।
• एमएफएम द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के साथ डॉ. राजदीप सिंह खानूजा ने 24-28 अप्रैल, 2018 से महेश्वर, भोपाल और इंदौर में पांच दिवसीय क्लस्टर यात्रा पूरी की।

दौरे - सेमेस्टर- 1 जुलाई से दिसंबर 2018

I. विषय - एफबी ग्रुप 1 भारत भवन, भोपाल श्री संकल्प सामल (अतिथि संकाय) 4 सितंबर, 2018
II. विषय एफबी - समूह 1 और 2 डीबी मॉल श्री संकल्प सामल और श्रीमती शालनी पांडे (अतिथि संकाय) 7 अगस्त, 2018

दौरे -सेमेस्टर- 2 जनवरी से जून 2019 तक

I. विषय-एडीए बैच 1 - लोकरंग विजिट फैकल्टी डॉ. अनुपम सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, 30 जनवरी, 2019
II विषय- एडीए समूह 1 और 2 - सांची (बुद्ध स्तूप) का दौरा संकाय डॉ. अनुपम सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर और श्रीमती भावना सी चंद्रा (अतिथि संकाय) 8 फरवरी, 2019
III विषय- आईएसडी, ग्रुप 1 (वुड क्लस्टर) बुदनी दौरा संकाय श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, 13 फरवरी, 2019.
IV विषय आईएसडी, ग्रुप 1 (जूट क्लस्टर) अशोक उद्यान भोपाल संकाय डॉ. राजदीप सिंह खानूजा, सहायक प्रोफेसर 13 फरवरी, 2019.
V विषय- एडीए समूह (क्लस्टर) 1 - 2 - गोंड पेंटिंग कॉलोनी दौरा - संकाय प्रोफेसर डॉ. अनुपम सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर और श्रीमती भावना चंद्रा (अतिथि संकाय) 22 फरवरी, 2019
VI विषय- आईएसडी, समूह 1 बुदनी (लकड़ी क्लस्टर) संकाय श्री सौमिक हलदर, सहायक प्रोफेसर, 27 फरवरी, 2019
VII विषय आईएसडी, ग्रुप 1 (जूट क्लस्टर) अशोका गार्डन भोपाल संकाय डॉ. राजदीप सिंह खानूजा, सहायक प्रोफेसर, 27 फरवरी, 2019

• टेक्सटाइल प्रोसेसिंग - I टीडी IV और प्रोडक्ट फंडामेंटल: होम एंड स्पेस टीडी IV: ट्राइडेंट उद्योग बुधनी
• प्रिंट डिजाइन: हस्त और डिजिटल/ IV, भारत की टेक्सटाइल विरासत- II / IV, प्राकृतिक रंगों के अनुप्रयोग/ IV और टेक्सटाइल डाइंग और प्रिंटिंग/ आईडीएम: भार्वगढ़ क्लस्टर (उज्जैन)
• मूल बुनाई डिजाइन / IV: चंदेरी क्लस्टर
• उत्पाद बुनियादी तथ्य: परिधान और फैशन एक्सेसरी/ IV, सर्फेस डिजाइन परियोजना/ VI और कपड़े उत्पाद और स्टाइल/ VI: ल्लासस (उद्योग)।
• वस्त्र परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण/ आईडीएम: वर्धमान (इंडस्ट्रीज)
• वूवन डिजाइन परियोजना / VI: भास्कर डेनिम इंडस्ट्रीज
• फैब्रिक गुणवत्ता आश्वासन / VI: ओसवाल डेनिम (इंडस्ट्रीज)
• सस्टेनेबल डिजाइन / VI: कुंबया एंटरप्राइज, देवास
• विश्व टेक्सटाइल/ VI और वस्त्र डिजाइन/ आईडीएम के तत्वों की सराहना: लोकरंग राष्ट्रीय शिल्प मेला

स्वच्छ भारत अभियान

निफ्ट भोपाल के क्लबों ने वाद-विवाद और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की, स्वच्छता पर स्किट (नुक्कड़), छात्रों द्वारा कैंटीन की दीवारों पर प्रदर्शनी और ग्रैफिटी पेंटिंग, सितंबर-अक्टूबर 2018 के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के तहत आयोजित की गई।

भोपाल कैम्पस एसडीए क्लबों द्वारा पास की झुग्गी बस्तियों में स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया था और इस अवसर पर शहरवासियों में जागरूकता पैदा की गई थी। 7 मार्च, 2019 को 'महिला स्वच्छता और स्वास्थ्य' पर नारा लेखन प्रतियोगिता, 11 मार्च, 2019 को नि: शुल्क त्वचा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया था।

स्वच्छ पखवाड़ा के दौरान 8 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ सुश्री रेखा श्रीधर, पूर्व सदस्य बाल कल्याण समिति भोपाल, सदस्य यौन उत्पीड़न समिति बीएसएससी कॉलेज भोपाल, बाल यौन शोषण निवारण के प्रशिक्षक वर्ल्ड विजन भोपाल ने सभी प्रतिभागियों को श्श्महिला अधिकारों से संबंधित विभिन्न कानून'' के बारे में अवगत कराया, सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

"स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान के दौरान दिनांक 12 मार्च, 2019 निफ्ट भोपाल में "वृक्षारोपण" का आयोजन किया गया जिसके दौरान अधिकारी, स्टाफ, फैकल्टी छात्र / छात्राएँ, हाउस किपिंग स्टाफ एवं सुरक्षा गार्डों ने वृक्षारोपण किया।

ग्रीन कैंपस

चूंकि भोपाल कैंपस जल्द ही अपने स्थायी कैंपस में स्थानांतरित हो जाएगा, इसलिए इसे ष्ग्रीन कैंपसष् बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों की योजना बनाई जा रही है और उन्हें लागू किया जा रहा है। यह भोपाल कैंपस को अपनी पर्यावरणीय संस्कृति को पुर्नपरिभाषित करने और मानव जाति की पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक जरूरतों के लिए स्थायी समाधान तैयार करके नए प्रतिमान विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा।

भौड़ी स्थित भोपाल स्थायी परिसर में किए जाने वाले प्रमुख ग्रीन कैंपस पहल में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. सोलर पावर स्टेशन: ग्रिड से जुड़े सोलर रूफ टॉप पावर प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव।

2. अपशिष्ट जल प्रबंधन / वर्षा जल संचयन: आवश्यक अवसंरचना के लिए फर्मों के साथ सहयोग करने और विशेषज्ञों के साथ नियमित जागरूकता सत्र / कार्यशालाओं के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

3. डिजिटल लाइब्रेरी / ई-लर्निंग सेंटर की योजना बनाने से पेपर के उपयोग को कम करने में मदद मिलेगी और संदर्भ अध्ययन सामग्री पर आसान, सुविधाजनक और कुशल परिसंचरण में मदद मिलेगी।

4. ई-कचरे के लिए पुनर्चक्रण डिब्बे स्थापित करना जो विभिन्न हानिकारक विकिरणों और धुएं का उत्सर्जन करता है।

5. भोपाल कैंपस को ष्नो प्लास्टिक जोनष् घोषित किया जाएगा, जहां किसी भी प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

6. भोपाल कैंपस में सामुदायिक उद्यान, वर्टिकल गार्डन, रूफ गार्डन और मिनी फॉरेस्ट स्थापित किया जाएगा।

7. परिसर में खाद बनाने वाले डिब्बे की स्थापना।

8. कचरे का पृथक्करण सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक जनादेश होगा। उस के लिए नियमित कार्यशाला / जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे।

9. साइकिल / इलेक्ट्रिक गाड़ियां परिसर के अंदर आवागमन के लिए इस्तेमाल की जाएंगी यानी किसी भी तरह के इंट्रा कैंपस ट्रांजिट के लिए, ये अनुरोध पर आसानी से उपलब्ध होंगी।

10. परिसर में केवल सीएफएल या एलईडी बल्ब का उपयोग करें।

11. निम्नलिखित के लिए छात्र समिति:

- ग्रीन पहल के बारे में साथी छात्रों और कर्मचारियों, स्टाफ सदस्यों को शिक्षित करने के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों, जागरूकता कार्यशालाओं, विशेषज्ञ सत्रों और प्रदर्शनों का आयोजन करना
- इस तरह के आयोजनों और सत्रों के लिए इस दिशा में काम करने वाले संगठनों के साथ सहयोग करना।

12. उन छात्रों के लिए विशेष पुरस्कार / मान्यता जो अपने डिजाइन सोच और डिजाइन संग्रह के माध्यम से मौजूदा पर्यावरणीय मुद्दों के लिए समस्या निवारण पर काम करते हैं। उत्थान, पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने के लिए निर्माण / डिजाइन / प्रदर्शन सृजन / स्थापना / प्रदर्शन आदि करते समय कुछ नवीन और रचनात्मक तकनीकों / विचारों का उपयोग / पालन करने वाले छात्रों को ष्ग्रीन पॉइंटष् के रूप में विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। इन ष्ग्रीन पॉइंटष् का उपयोग छात्रों को प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है क्योंकि वे बदले में, इन बिंदुओं को कुछ विशेष लाभ या पुरस्कारों के लिए भुना सकते हैं।

भुवनेश्वर

महत्वपूर्ण लैंडमार्क / प्रमुख उपलब्धियां

निफ्ट भुवनेश्वर, वर्ष 2010 में भुवनेश्वर के बाहरी इलाके जातिनी में एक अस्थायी परिसर में स्थापित किया गया था। 31 मार्च 2012 को यह संस्थान केआईआईटी विश्वविद्यालय के पास स्थित अपने स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो गया और तत्कालीन कपड़ा मंत्री, श्री आनंद शर्मा और ओडिशा के मुख्यमंत्री, श्री नवीन पटनायक द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ इसका औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया।

पुस्तक प्रकाशन

- सुश्री डारनिया रॉय, सहायक प्रोफेसर ने ब्लूम्सबरी अकादमिक द्वारा 'ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स ऑन सस्टेनेबल फैशन- पुस्तक के लिए 'सफल रणनीतियां और सेवा की कोर ताकत' नामक एक अध्याय का योगदान दिया। विषय 23 जनवरी, 2018 को स्वीकार किया गया और 21 फरवरी, 2019 को प्रकाशित किया गया।

- सुश्री दरनिया रॉय, सहायक प्रोफेसर द्वारा 'त्वचा रोगों की रोकथाम और देखभाल के लिए विशिष्ट सीमों के साथ हर्बल वस्त्र' नामक एक पेपर, 14 जून, 2018 को 11 वीं टेक्सटाइल बायोइंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेटिक्स सिम्पोजियम की कार्यवाही में मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया था, जो ब्रिटेन के मैनचेस्टर में जुलाई 25-28, 2018 में आयोजित होना था। यह आईएसएसएन: 1942-3438 और डीओआई: 10.3993 / टीबीआईएस 2018 के साथ 'टेक्सटाइल बायोइन्जिनियरिंग एंड इंफॉर्मेटिक्स सिम्पोजियम प्रोसीडिंग्स 2018) शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया था।

- इस वर्ष स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित ट्रांजिशन स्ट्रेटजीज फॉर सस्टेनेबल कम्युनिटी सिस्टम्स पर पुस्तक में सुश्री लिप्सा महापात्र और डॉ. गौतम साहा ने 'भारत में कपास की खेती: वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य और प्रतिमान' विषय पर एक अध्याय का योगदान दिया है: आईएसबीएन: 978-3-030-00356-2

- डॉ. गौतम साहा और सुश्री हर्षा रानी ने अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने के लिए प्लर्निंग फॉर सस्टेनेबल फैशन आर्गेनाईजेशन टू वर्क इन इन्फोर्मल इकॉनमी: फ्रोम दी एक्सपिरियन्स ऑफ सेवा" नामक एक अध्याय का योगदान दिया, जिसका शीर्षक है मैपिंग सस्टेनेबल फैशन: ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स, जिसे ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित किया गया है। आईएसबीएन: 978-1-3500-58149

- सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने मार्च 2019 में "यूनिट -15 भारतीय फिल्म उद्योग" शीर्षक से पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में एमए के लिए इग्नू अध्ययन सामग्री में एक अध्याय लिखा।

शोध पत्र

- सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर ने 31 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2018 तक लंदन के एलसीएफ में आयोजित ग्लोबल फैशन कॉन्फ्रेंस में "शेपिंग अप ए सस्टेनेबल फैशन फ्यूचर इन इंडिया - दी ऑगमेंटेड रियलिटी वे" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। एलसीएफ में डॉ. संतोष तराई और डॉ. गौतम साहा द्वारा दो और शोध पत्र प्रस्तुत किए गए थे।

– श्री गौतम बार, सहायक प्राध्यापक, ने 6-8 दिसंबर, 2018 को तकनीकी वस्त्र और गैर-बुनाई पर, आईआईटी दिल्ली में आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ''बहिनिया वाहली बार्क एक्स्ट्रक्ट: एन इकोफ्रैन्ड्ली एप्रोच" का उपयोग करते हुए "सिल्क फैब्रिक की संयुक्त डाइंग, रंगाई और परिष्करण'' नाम से एक पेपर प्रस्तुत किया।

– सुश्री श्रुति प्रज्ञान साहू, एमएफएम कार्यक्रम की छात्रा, द्वितीय दक्षिण एशियाई युवा शिखर सम्मेलन 2018 में एक वक्ता के रूप में अपनी प्रस्तुति के लिए श्रीलंका गई। इस संदर्भ में, विभाग ने उनके पेपर की समीक्षा की, जिसे दिलचस्प पाया और इस दौरे के लिए सहमति प्रदान की गई। उसने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सफलतापूर्वक अपना पेपर प्रस्तुत किया है जो 28 से 30 नवंबर, 2018 को आइकॉनिक बीएमएचसी, कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित किया गया था।

संकाय प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी) और उद्योग से जुडाव

- दिनांक 23-28 जुलाई, 2018 को आईआईएम-बी बेंगलुरु में आयोजित टीओटी "बिग डेटा एंड बिजनेस एनालिटिक्स" में निफ्ट बेंगलुरु से डॉ. संतोष तराई ने भाग लिया।
- डॉ. गौतम साहा 4-9 मार्च, 2019 तक न्यूरो-मार्केटिंग के माध्यम से 'कस्टमर डोमेस्टिक ट्रेनिंग ऑन कंज्यूमर न्यूरोसाइंस' के लिए निफ्ट कोलकाता में टीओटी में शामिल हुए।
- श्री अमित दास, सहायक प्रोफेसर, श्री संदीप किडिल, सहायक प्रोफेसर और श्री सतीश सुमन बेहरा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट दिल्ली में 23-27 जुलाई, 2018 तक, 'कोर डिजाइन पेडागोजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स' पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. एलन मरे द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री सुप्रिया मुंडा, सहायक प्रोफेसर ने नई दिल्ली निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 तक "कम्युनिकेशन में डिजिटल डिजाइन" पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री अमित दास, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट नई दिल्ली में 16-18 जुलाई, 2018 से 'डिजाइन फंडामेंटल' पर टीओटी में भाग लिया।
- डॉ. चित्त रंजन साहू, सहायक प्रोफेसर ने नई दिल्ली के निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 तक 'ड्राइंग' पर टीओटी में भाग लिया।
- डॉ. बी बी जेना, प्रोफेसर, डॉ. गौतम साहा, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. चित्त रंजन साहू, सहायक प्रोफेसर 6-7 दिसंबर, 2018 से निफ्ट, बेंगलुरु में पीएचडी पर्यवेक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

– श्री संदीप किडिल, सहायक प्रोफेसर को कौशल विकास मंत्रालय और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल निगम द्वारा 16-17 जुलाई, 2018 से भुवनेश्वर में आयोजित स्किल इंडिया 2018 में विजुअल मर्चेंडाइजिंग श्रेणी के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- श्री सतीश सुमन बेहरा, सहायक प्रोफेसर, ने 26-30 नवंबर, 2018 तक आईआईटी, गुवाहाटी में एर्गोनॉमिक्स पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री सुस्मिता बेहरा, एसोसिएट प्रोफेसर, ने पूरे विभाग के "यंग इंडिया नाइट मिनी-मैराथन" फैशन शो और इंस्टॉलेशन की व्यवस्था, आयोजन और समन्वय किया, जिसमें सभी विभाग के छात्रों को शामिल किया गया, जिसे मीडिया, आयोजकों और दर्शकों ने खूब सराहा और प्रशंसा की।
- श्री सतीश सुमन बेहरा, सहायक प्रोफेसर, ईएसएसई क्लब सलाहकार ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें अखबारों का उपयोग करके पेपर बैग डिजाइन किए गए थे। हमारे दो छात्रों को बिष्णुपुर नगर निगम और रूपुर (शान्तिनिकेतन के पास) द्वारा इन कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। अब तक लगभग 40 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है।

पूर्व छात्रों, उद्योग द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं और विशेषज्ञ व्याख्यान

- प्रो. सुभाशीष रे, एक्सआईएमबी, भुवनेश्वर, एमएफएम सेमेस्टर-I (उद्यमिता और सतत व्यावसायिक व्यवहार विषय) में सूक्ष्म और लघु उद्योग के संबंध में स्थायी उद्यमिता।
- डॉ. नरेश चंद्र साहू, आईआईटी, भुवनेश्वर, एमएफएम सेमेस्टर-I में अनुसंधान पद्धति और (फैशन व्यवसाय अनुसंधान और आईटी अनुप्रयोग) तकनीक।
- श्री सुजय कुमार कर, एमएफएम सेमेस्टर I (फैशन विपणन) में ग्रामीण विपणन के लिए ओआरएमएएस।
- सुश्री संध्या रानी पाल "एमएफएम सेमेस्टर I में रचनात्मक सोच संशोधन विश्लेषण के माध्यम से निर्णय" ।
- श्री संबित शतपथि एमएफएम सेमेस्टर III में विषय फैशन सामग्री प्रबंधन और गुणवत्ता और विशेष उत्पाद समूहों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान।
- श्री मानस रंजन मोहंती, में ब्रांड फैक्टरी के स्टोर मैनेजर द्वारा एमएफएम सेमेस्टर-I (ग्राहक अनुभव प्रबंधन और खुदरा संचालन विषय)।
- श्री प्रसंति कुमार बारिक, लैंडमार्क दुबई, एफएमएस भुवनेश्वर के पूर्व छात्र, एमएफएम सेमेस्टर I में खरीद, योजना और मर्चेंडाइजिंग (फैशन अवधारणाएं और फैशन मर्चेंडाइजिंग विषय)।
- श्री चेतन शर्मा, उपाध्यक्ष, सेंट्रल, पूर्व छात्र स्टोर संचालन और स्टोर में विजुअल मर्चेंडाइजिंग के विशेषज्ञ एमएफएम सेमेस्टर- II
- श्री आशुतोष रथ, सलाहकार ने निफ्ट भुवनेश्वर में 26 नवंबर, 2018 को सीवन उत्पाद मशीनरी और उपकरण के विषय में बीएफटी सेमेस्टर आठ के छात्रों को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री प्रबिन कुमार राउत, एचओडी, एलआईटी सॉल्यूशन ने 27 नवंबर, 2018 को भुवनेश्वर के निफ्ट में ई-कॉमर्स विषय में बीएफटी सेमेस्टर V के छात्रों को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री सुभासिस रे, प्रोफेसर, एक्सआईएमबी ने 13 मार्च, 2019 को एमएफएम सेमेस्टर-VI के छात्रों को निफ्ट भुवनेश्वर में सतत उत्पादन पर मूल्यवान व्याख्यान दिया।
- श्री सुमित कुमार ने 14-30 सितंबर, 2018 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया।
- श्री सुमित कुमार ने 15 मार्च, 2019 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

• 13 सितंबर, 2018 को एफपी के छात्रों के लिए श्री अमन कुमार और श्री स्नेहासिस डेवास के साथ पूर्व छात्र वार्ता सत्र का आयोजन किया गया।

• 27 फरवरी, 2019 को एफपी-टेक के छात्रों के लिए सुश्री मानसी प्रसाद के साथ पूर्व छात्र वार्ता सत्र का आयोजन किया गया।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने कारीगर श्री बृज बल्लभ उदैवाल, जयपुर द्वारा निफ्ट शिल्प क्लस्टर नीति 2016 की आवश्यकता के अनुसार दिनांक 13 फरवरी, 2019 को "कार्बनिक इंडिगो डाइंग" पर एक दिवसीय क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन सेमेस्टर- IV - VI के लिए हमारे परिसर में किया। कारीगर ने "कार्बनिक इंडिगो डाइंग" के बारे में जानकारी के लिए संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की।

• 6-19 फरवरी, 2019 को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक सस्टेनेबल डिजाइन विषय के लिए छठे सेमेस्टर टीडी के छात्रों हेतु प्रख्यात वक्ता डॉ. सुभासिस रे, प्रोफेसर, एक्सआईएमबी, भुवनेश्वर ने 'सस्टेनेबिलिटी के संदर्भ में उत्पाद जीवनचक्र' और 'बायोमिमिक्री' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

• श्री अंजन कुमार साहू, उत्कल विश्वविद्यालय के संकाय ने 5 अक्टूबर, 2019 को एप्लाइड एर्गोनॉमिक्स विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। 16-22 नवंबर, 2018 को जरदोजी कढ़ाई, आरी और हाथ की कढ़ाई पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। भुवनेश्वर के श्री एस के मोइनुद्दीन कार्यशाला का संचालन करने के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ थे। कार्यशाला का आयोजन सुश्री शोभारानी लकड़ा, सहायक प्रोफेसर द्वारा किया गया था।

• फिल्म, फैशन और इमेजिंग विषय के लिए 29 अक्टूबर, 2018 को मेकअप और हेयरस्टाइलिंग की एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• एफडी विभाग में निफ्ट के सभी छात्रों के लिए 14 नवंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनर श्री विभू महापात्र के साथ छात्रों का इंटरएक्टिव सेमिनार आयोजित किया गया था।

• एफडी के लिए पूर्वानुमान आधारित डिजाइन विकास सेमेस्टर-टप के विषय के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान 12 फरवरी, 2019 को श्री मृणाल मोहन, उद्योग विशेषज्ञ द्वारा आयोजित किया गया था।

• डिजाइन संग्रह 2018-19 के लिए डिजाइन प्रक्रिया पर विशेषज्ञ व्याख्यान 1 फरवरी 2019 को एफडी छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञ सुश्री लिप्सा हेमरोम द्वारा आयोजित किया गया था।

• डिजाइन संग्रह 2018-19 के लिए डिजाइन प्रक्रिया पर विशेषज्ञ व्याख्यान 12 फरवरी, 2019 को एफडी छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञ श्री मृणाल मोहन द्वारा आयोजित किया गया था।

• सबई ग्रास पर शिल्प जागरूकता कार्यशाला 10 अगस्त, 2018 को केंद्रीय विद्यालय में आयोजित की गई थी। परियोजना कार्यान्वयन टीम में श्री संदीप किडिल, श्री गौतम बार, सुश्री शिरीन वर्मा और श्री पद्मा चरण माझी शामिल रहे।

• श्री अभिषेक कुमार, सुश्री सोलोनी कृति, सुश्री अंकिता, (टीडी-2012-16), सुश्री अश्लेषा निधि, श्री बनमीत सिंह, (एफडी-2012-16), सुश्री तान्या (टीडी-2013-17), सुश्री अमनप्रीत कौर (एफडी 2013-17) दिनांक 30 मई 2018 को सभी टीडी छात्रों के साथ पूर्व छात्रों की बातचीत।

• 4 दिसंबर, 2018 को सभी टीडी छात्रों के लिए एल्युमनी श्री अमृतलाल सिंह, निफ्ट, भुवनेश्वर (बैच 2013-17) द्वारा 'टेक्सटाइल्स ऑफ बिहार' और 'हैंडलूम सेक्शन में कैरियर के अवसर' पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• एफएमएस ने 23-27 मार्च, 2019 को बेंगलुरु में शाही निर्यात, सेलिब्रेशन अपैरल लिमिटेड, अरविंद डेनिम, ओरियन मॉल, अमेजन वेयर हाउस, सैमसंग एक्सप्रेस लैब, सेंट्रल मॉल, मेट्रो कैश एंड कैरी बेंगलुरु आदि की उद्योग यात्रा का आयोजन किया।

• बीएफटी सेमेस्टर III के छात्रों ने 28-30 अक्टूबर, 2018 तक जयश्री टेक्सटाइल्स और एक्सोडस फ्यूचरा प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता का दौरा किया।

• बीएफटी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 22-27 फरवरी, 2019 तक गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो और मैसर्स वामानी ओवरसीज, नई दिल्ली का दौरा किया।

• बीएफटी सेमेस्टर IV के छात्रों ने 16 मार्च, 2019 को सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ एक उद्योग यात्रा के रूप में भुवनेश्वर के मदुरा वस्त्र का दौरा किया।

• मैसर्स जयश्री टेक्सटाइल्स, कोलकाता में 30-31 अक्टूबर, 2018 को दो दिवसीय उद्योग यात्रा का आयोजन 'ईओटी' और 'एफएस-आई' विषय में एफपी टेक बैच के लिए किया गया था।

• मैसर्स मदुरा गारमेंट्स के लिए 30 मार्च 2019 को पीएमजीसी I और एफएस II विषयों के लिए एफपी टेक बैच के लिए एक दिन की उद्योग यात्रा की योजना बनाई गई थी।

इको तसर डिजाइन प्रतियोगिता कक्षा परियोजना:

परियोजना को सेमेस्टर-V टीडी के छात्र ने एडवांस वेवन डिजाइन के तहत लिया था, जहाँ श्री संदीप किडिल, सहायक प्रोफेसर ने 30 छात्रों को अलग-अलग डिजाइन के लिए मार्गदर्शन और निर्देशित किया था। पांच छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के सभी प्रतिभागियों में शीर्ष 25 डिजाइन श्रेणियों में चुना गया।

- एफ एंड एलए विभाग के सेमेस्टर-V के छात्रों ने अपने उद्योग के दौरे के लिए बेंगलुरु का दौरा किया। छात्रों ने विभिन्न उद्योगों जैसे आउटशाइनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (बैग), आइडियल डिजाइन - डिस्प्ले इंडिया लिमिटेड। (रिटेल फैब्रिकेशन, पीओएस डिस्प्ले), काल्टमक स्पेसियल सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड। (फर्नीचर) और ओम साई साइनग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड। (प्रिंटिंग और साइनेज) आदि का दौरा किया।

- एफडी सेमेस्टर- III के छात्रों ने 7 सितंबर, 2018 को फैब्रिक फंडामेंटल ऑफ फैब्रिक विषय के लिए जयश्री वस्त्र, रिशरा कोलकाता पश्चिम बंगाल का दौरा किया।

- एफडी सेमेस्टर-III के छात्रों ने 8 सितंबर 2018 को फैब्रिक फंडामेंटल विषय के लिए कोएवला शिल्प प्राइवेट लिमिटेड, ककुरागाची, कोलकाता पश्चिम बंगाल (डिजिटल प्रिंटिंग के लिए विशेष) का दौरा किया।

- टीडी सेमेस्टर-V के छात्रों ने 14-19 सितंबर, 2018 से नोएडा

के विभूति वेलवेट और होम फैशन टेक्सटाइल में कलर एन स्टाइल और एन एस इंडस्ट्रीज का दौरा किया।

– टीडी सेमेस्टर– III के छात्रों ने 23–28 अक्टूबर, 2018 तक बेंगलुरु के पाटी प्रिंट, यूटीएम और सेंट्रल सिल्क बोर्ड का दौरा किया।

– एफसी बैच 2016–20 के छात्र 29 मार्च से 5 अप्रैल, 2019 तक उद्योग यात्रा के लिए बेंगलुरु गए।

ग्लोबल कनेक्ट

• निफ्ट भुवनेश्वर से एफसी– VI के 2 छात्रों सुश्री अनन्या पाणिग्रही और सुश्री मयूखी चाचम को 2018–19 के लिए एफआईटी, न्यूयॉर्क में 1 वर्ष की दोहरी डिग्री एएएस कार्यक्रम के लिए चुना गया।

• एफसी –IV से एक छात्र, सुश्री वर्तिका भोंसले को एफआईटी, न्यूयॉर्क में 2019–20 के लिए 1 वर्ष की दोहरी डिग्री एएएस कार्यक्रम के लिए निफ्ट द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया है।

• तृतीय वर्ष की सुश्री नेहा सिंह ने इटली के ग्रीष्मकालीन स्कूल में भाग लिया। एकेदिमिया इटालियाना फ्लोरेंस, पाठ्यक्रम – इतालवी उत्पाद डिजाइन और डिजाइन का इतिहास।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

• भारत के आर्थिक विकास में केवीआईसी की भूमिका पर संगोष्ठी लोगों का शिक्षा कार्यक्रम – प्रथम पुरस्कार समूह (अभिषेक सिंह, नवीन सथपथी, श्रुति प्रज्ञान साहू, शिवश्री सेठुरमन, सुभादत्त नंदा, एमएफएम प्रथम वर्ष)

– द्वितीय पुरस्कार एकल (सुश्री वर्षा मल्ल, एमएफएम प्रथम वर्ष)।

• श्री राज रिशव ने 29 जनवरी, 2019 को बीजीयू (बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी) में इंस्टाला द्वारा प्रस्तुत मिस्टर एलिगेंसिया का खिताब जीता।

• श्री राज रिशव ने जीएपी इंटरनेशनल और बोवनिका फैशन शो के लिए भुवनेश्वर में एक मॉडल के रूप में काम किया।

• श्री प्रद्युम्न छत्रिया ने श्री श्री विश्वविद्यालय में ओरियन 2019 में आयोजित टीटी सिंगल इवेंट में द्वितीय स्थान और टीटी डबल्स इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

• सुश्री अग्रिमा सिंह ने अद्वैता 2018, चाइस्मा 2018 में एम्स भुवनेश्वर और आईआईआईटी भुवनेश्वर में भाग लिया है।

• एफसी बैच 2016 – 20 के छात्र श्री प्रतीम हलदर ने दिसंबर 2018 के दौरान मामले मंत्रालय द्वारा आयोजित लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

• एफसी बैच 2017–21 के छात्र श्री चंदन शंकर ने 4 नवंबर, 2018 को आईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 3 डी ड्रा प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

• सुश्री सयानी चक्रवर्ती, एफपी सेमेस्टर II, बैच–डी ने हॉकी वर्ल्ड कप 2018 के उद्घाटन समारोह में मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2018 में और भुवनेश्वर में धौली कलिंग महोत्सव 2019 में ओडिशी नृत्य का प्रदर्शन किया। उसे सीसीआरटी, भारत सरकार के अंतर्गत ओडिशी नृत्य के लिए जूनियर नेशनल सरकारी छात्रवृत्ति मिली।

• मोहित खेत्रपाल, एफपी सेमेस्टर II, बैच ए, ने कोलकाता में 2019 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी में भाग लिया और आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित फोटो–आर्ट मैनीपुलेशन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

• सुश्री तनया कर, एफपी सेमेस्टर II, बैच ए, भुवनेश्वर में आयोजित गेरियाट्रिक देखभाल और अनुसंधान प्रतियोगिता में भाग लिया।

• सुश्री पूनम कुमारी विश्वकर्मा, एफपी सेमेस्टर II, बैच ए, ने ओडिशा अनुसंधान केंद्र भुवनेश्वर में आयोजित 10 वें भारतीय फिल्म समारोह 2019 में भाग लिया।

• श्री उदय कुमार ने दिनांक 20 नवंबर, 2018 को केवीआईसी भुवनेश्वर, ओडिशा 2018 द्वारा आयोजित 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' में प्रथम पुरस्कार जीता।

• श्री जयदीप मेहता ने गोल्ड जिम, पटिया द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 2019 को आयोजित 6.7 किलोमीटर मैराथन में द्वितीय सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

• 26 जनवरी, 2019 को बिरला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में फैशन शो में द्वितीय पुरस्कार (इतिसक्त पानि, नफीसा अहमद, नबरुपा बोस, काजल आर्य, लक्ष्मी शिवानी रेड्डी)।

• सुश्री ज्योति रौतेला एडी तृतीय वर्ष की छात्रा ने पेनसेल वर्ल्ड स्नीकर चौम्पियनशिप 2018 में भाग लिया।

• सुश्री स्निग्धा आनंद तृतीय वर्ष की छात्रा ने बरौनी उत्पाद डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया, जहाँ उसने वायु शोधक, ऊर्जा जनरेटर और कार्बन कलेक्टर की एक एकीकृत अवधारणा तैयार की।

• यंग इंडिया नाइट मिनी मैराथन – एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके फैशन शो के लिए अभिनव स्थापना और पहनने योग्य कला संग्रह बनाया। छात्रों ने मॉडल और रैंप शो के लिए पूरी स्टाइलिंग की।

• तृतीय वर्ष के एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने अप्रैल – जून, 2018 से शशाक अभियान पर काम किया। छात्रों ने इस अभियान के लिए मर्चेंडाइज, सोशल मीडिया हैंडलिंग और कोलेटरल पर काम किया।

• तृतीय वर्ष की सुश्री मीनू कुमारी ने भुवनेश्वर, कासा डेकोर में एक स्टोर के लिए स्टाइल किया।

• सुश्री अनामिका एन कुमार तृतीय वर्ष ने ठुमरी.कॉम के फोटो शूट के लिए स्टाइल किया।

• तीसरे वर्ष एफ एंड ला के 4 छात्रों ने शिल्प बाजार 2019 के दौरान बिक्री के लिए उनके द्वारा डिजाइन किए गए अपने उत्पादों (बैज) का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने समूह 'दी लॉस्ट फोर' के लिए एक पहचान बनाई। सदस्य थे सुश्री सिमरत, सुश्री मोनिका, सुश्री शालिनी, सुश्री अपर्णा। उन्हें विभाग द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

• तृतीय वर्ष एफ एंड ला विभाग के 2 छात्रों ने शिल्प बाजार 2019 के दौरान बिक्री के लिए उनके द्वारा डिजाइन किए गए अपने उत्पादों (नारियल के आभूषण) का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने समूह 'कलाकृती' के लिए एक पहचान बनाई। सदस्य थे – सुश्री प्राचिस्मिता, सुश्री अनुरीधी।

• राउरकेला में आयोजित नित्रुत्सव 2018 में एनआईटी राउरकेला द्वारा आयोजित फैशनिस्टा में अंकिता पट्टनाईक, अनन्या अन्वेसा, अवंती लागुरी, भौमिका दयमा, एफडी बैच की मोटापोथुला सुषमा उप विजेता रही।

• एफडी (बैच- 2015-19): के सतरूपा, शैलजा, सुनीता, जागृति, तपस्विनी, शिवानी, सुशांत अंतरागनी फैशन शो और वोन में भाग लिया और आईआईटी कानपुर के लिए 'सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह' पुरस्कार जीता।

• एफडी (बैच 2015-19): के सतरूपा, शैलजा, सुनीता, जागृति, तपस्विनी, शिवानी, सुशांत आईआईटी बीएचयू में काशीयात्रा फैशन शो और वोन 'डिजाइन एलिगेंट' पुरस्कार में भाग लिया।

• सुश्री मधुमिता दास (एफडी बैच-2017-21): पी सी चंद्रा गोल्डलाइट दिवा 2018 प्रतियोगिता की विजेता, फिनाले का आयोजन 19 अगस्त, 2018 को ईस्ट पवेलियन, निक्को पार्क में हुआ था।

• सुश्री आरुशी सिंह ने स्नातक संग्रह 2018 के लिए बनारस बुनाई के पुनरुद्धार के साथ काम किया है, इस संग्रह को विकास आयुक्त हथकरघा के कार्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

अन्य

• सुश्री दरनिया रॉय, सहायक प्रोफेसर ने 30 अक्टूबर, 2017 को भुवनेश्वर के उत्कल विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए "रघुराजपुर शिल्प का पुनरुद्धार: एक स्थायी डिजाइन दृष्टिकोण और हस्तक्षेप" विषय पंजीकृत किया है। जून 2018 तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत।

• सुश्री शोभारानी लकड़ा, सहायक प्रोफेसर ने जनसंचार और पत्रकारिता में भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से मास्टर्स डिग्री पूरी की है।

• सुश्री सोनाली श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 2017 में पीएचडी में दाखिला लिया।

• सुश्री लिप्सा महापात्रा, सहायक प्रोफेसर, सुश्री सुलगना साहा और श्री सत्य एस बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जेवियर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से पीएचडी कर रहे हैं।

• सुश्री हर्षा रानी, सहायक प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से पीएचडी कर रही हैं।

क्लस्टर

28 अप्रैल, 2018 को विषय सतत डिजाइन के लिए सेमेस्टर- VI के 36 छात्रों ने गोपालपुर हैंडलूम क्लस्टर का दौरा किया।

• सेमेस्टर- IV के 33 छात्रों द्वारा दिनांक 18 अप्रैल, 2019 को अनुसंधान पद्धति विषय के लिए नुपटना हैंडलूम क्लस्टर का दौरा किया गया।

• शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन: एडी विभाग के छात्रों के साथ एक अतिथि संकाय सुश्री रचिता रथ ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में 4 क्लस्टरों का दौरा किया।

• शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना प्रोटोटाइप: ओडिशा के बालासोर जिले में एडी विभाग के छात्रों द्वारा 3 क्लस्टरों का दौरा किया। छात्रों ने शिल्प के मूल सार और तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के जीवन शैली उत्पादों का विकास किया।

• एफडी विभाग के लिए 10-12 अप्रैल, 2018 को कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें अप्लीक (खंडगिरि), इक्कट (कोटपाड, नुआपटना) और ब्लॉक प्रिंटिंग (गोपालपुर) के कारीगरों ने भाग लिया था।

• टीडी सेमेस्टर-V के छात्रों ने 7-14 जुलाई, 2018 से शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन के लिए बंगरीपोसी क्लस्टर, मयूरभंज का दौरा किया।

14 फरवरी और 9 मार्च, 2019 को 'सस्टेनेबल डिजाइन' विषय के लिए टीडी सेमेस्टर- VI के छात्रों द्वारा नुआपटना कलस्टर का दौरा किया गया।

- एफसी विभाग द्वारा 26-27 नवंबर, 2018 से दो दिवसीय क्राफ्ट प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- विषय स्पेस के तहत तृतीय सेमेस्टर के छात्रों द्वारा प्रोटोटाइप विकसित किए गए थे।
- एफसी विभाग द्वारा 11-13 फरवरी, 2019 से तीन दिवसीय कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। रघुराजपुर (कागज की लुगदी और गोबर) क्लस्टर, ढेंकनाल (ढोकरा), क्लस्टर और पिपली (अप्लीक) क्लस्टर से दस कारीगरों को आमंत्रित किया गया था।
- विषय क्राफ्ट प्रकाशन के तहत, एफसी बैच 2016-20 के छात्रों ने गोल्डन ग्रास क्लस्टर, केंद्रपाड़ा, ओडिशा का दौरा किया और शिल्प का दस्तावेजीकरण किया।
- विषय शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना के तहत, एफसी के छात्रों ने नुआपटना कलस्टर का दौरा किया और नुआपटना के आईकेएटी पर एक रिपोर्ट तैयार की।

एफसी स्टूडेंट्स बैच 2016-20 द्वारा एप्लाइक क्राफ्ट (पिपली क्लस्टर), धोकरा क्राफ्ट (ढेंकानल क्लस्टर) सी शैल क्राफ्ट (पुरी क्लस्टर), कागज की लुगदी और गोबर (रघुराजपुर क्लस्टर) और पत्थर पर नक्काशी शिल्प (कोणार्क क्लस्टर) पर क्राफ्ट क्लस्टर प्रलेखन तैयार किए गए।

- एफएमएस विभाग की ओर से 16-20 फरवरी, 2019 तक गोपालपुर (हैंडलूम प्रोडक्ट्स (तुसार सिल्क), केंद्रपाड़ा जिले (गोल्डन ग्रास) और बारीपाड़ा जिले (सबाई ग्रास हैंडीक्राफ्ट एंड हैंडलूम) के लिए एक क्लस्टर यात्रा का आयोजन किया गया।
- स्नातक परियोजना

i. समीर कर (सोनपुर क्लस्टर पर स्नातक परियोजना) - 1 जनवरी से 21 अप्रैल, 2018

ii. सुब्रत कुमार साहू (नूआपटना क्लस्टर पर स्नातक परियोजना) - 1 जनवरी से 21 अप्रैल, 2018

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट भुवनेश्वर परिसर में अत्याधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें परिसर के छात्रों को बहुआयामी सीखने का अनुभव देने के लिए मशीनों के आयातित और स्वदेशी सेट शामिल हैं। अकादमिक आधारभूत संरचना की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं:-

1. एमएफएम विभाग ने नवनिर्मित बिजनेस एनालिटिक्स लैब में दो रिटेल एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर्स - सिस्टम 13.2 और एसएपी लुमिरा को सफलतापूर्वक स्थापित किया था।
2. विभाग ने रिटेल एक्सपीरियंस लैब स्थापित करने के लिए सभी आवश्यक सामग्रियों की खरीद की है।
3. विभाग ने टेक्सटाइल टेस्टिंग लैब के लिए दिनांक 11 मई, 2018 को स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की खरीद की है, जिसका उपयोग डाई प्राप्त करने वालों को छाया मिलान और निर्माण / सुझाव देने के लिए बहुत उपयोगी उपकरण के रूप में किया जाएगा।
4. रिगिड हेजल लूम को दिनांक 25 नवंबर, 2018 को बुनाई की प्रयोगशाला में एक संसाधन के रूप में जोड़ा गया था। इस करघा की खासियत यह है कि इसे आवश्यकता पड़ने पर प्रदर्शन उद्देश्य के लिए फोल्ड किया जा सकता है और कहीं भी ले जाया जा सकता है। इसका उपयोग उच्च गुणवत्ता के फैंसी कपड़े बनाने के लिए भी किया जाता है और वेवन डिजाइन प्रोजेक्ट जैसे विषयों के लिए छात्रों के लिए बहुत उपयोगी उपकरण शिद्ध होता है।

परियोजनाएं

निफ्ट, भुवनेश्वर ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों के साथ कई परियोजनाएं की हैं। इनमें से उल्लेखनीय हैं:

कैपिटल रीजन अर्बन ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड, भुवनेश्वर के लिए यूनिफॉर्म और अन्य अपेरल्स एवं एक्सेसरीज का डिजाइन। परियोजना का मूल्य रुपए 759035/- था। इसका उद्देश्य बस चालकों, बस कंडक्टरों, बस ऑपरेटिव ग्राउंड स्टाफ, प्रोग्राम मैनेजमेंट स्टाफ, सीआरयूटी कंपनी स्टाफ, प्रवर्तन कर्मचारियों के लिए वर्दी डिजाइन करना है। बस पायलटों और कंडक्टरों की हमारी डिजाइन की गई वर्दी ने भुवनेश्वर में बड़ी सनसनी पैदा की और मीडिया का अच्छा ध्यान आकर्षित किया।

पूरी की गई परियोजनाएं

केंद्रीय रेशम बोर्ड के लिए वर्ष 2017-18 के लिए परंपरागत बुनाई और सतह तकनीकों के साथ कपड़े और संबंधित उत्पाद के लिए डिजाइन विकास नामक परियोजना को पूरा करने में सफल रही। परियोजना ने सफलतापूर्वक एक मंच के माध्यम से कारीगरों की समृद्ध प्रतिभा और समृद्ध शिल्प पर प्रकाश डाला, जिसमें नए विकसित कपड़े और उत्पादों का प्रदर्शन किया जा सकता है।

डीसी हैंडीक्राफ्ट से सबाई घास और अप्लीक शिल्प जागरूकता परियोजना केंद्रीय विद्यालय (केवी) भुवनेश्वर में मयूरभंज और पिपली अप्लीक वर्क से सबाई घास शिल्प गोल्डन ग्रास वर्क को सेंसिटाइज करने के लिए 3 दिन तक शिल्प जागरूकता प्रोग्राम का आयोजन कर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। हमने बकाया राशि के लिए यूसी बनाई है और क्लाइंट से दावा करने की भी तैयारी की है।

परियोजनाओं को समेटना

निफ्ट डीसी हस्तकला से कुछ पहले की परियोजनाओं / सहायता अनुदान को नियमित रूप से उनके साथ संचार करके समेटने पर भी काम कर रहा है।

परिसर में पर्यावरण प्रबंधन और स्थायित्व

कैंपस ने केरल के क्विलोन बीच पर बनाए गए यूनिवर्सल ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान घोषित विजन के एक हिस्से के रूप में एक स्थायी इको-सिस्टम बनाने की दिशा में काम किया है। इसे प्राप्त करने के लिए परिसर ने संस्थान के सभी हितधारकों को शामिल करते हुए विकसित की गई कार्ययोजना को लागू करने के लिए एक सहभागी दृष्टिकोण अपनाया है। कैंपस में एरी, तुसार और शहतूत के लिए एक प्राकृतिक डाई गार्डन, एक प्राकृतिक फाइबर गार्डन, सेरीकल्चर यूनिट स्थापित करने की योजना है। इसे प्राप्त करने के लिए, लगभग 2.5 एकड़ उपलब्ध भूमि को साफ किया गया, समतल किया गया और उपयोग में लाया गया। यहाँ लगभग 300 स्थायी पेड़ लगाए गए हैं। इसके अलावा, पूरे परिसर में, विभिन्न डाई प्रदान करने वाले और सजावटी पौधे लगाए गए हैं। परिसर को प्लास्टिक मुक्त घोषित किया गया है और इसे परिसर में पूर्ण रूप से लागू किया गया है।

अनुसंधान और परियोजनाओं में स्थिरता पहलू

अधिकांश संकाय सदस्यों ने अपने अनुसंधान के भाग के रूप में स्थायी फैशन के क्षेत्र पर काम करना शुरू कर दिया है। हैंडलूम, खादी और प्राकृतिक डाई को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ फैशन पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में लगभग एक दर्जन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। पहले थर्माकोल का उपयोग करने वाले विभाग, विशेष रूप से एफ एंड एलए ने इसे पूरी तरह से नरम लकड़ी और मिट्टी जैसी नई सामग्री के साथ बदल दिया है। परिसर ने स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए रेशम और कपास दोनों हथकरघा क्षेत्रों के साथ कुछ परियोजनाएं की हैं। कक्षा गतिविधि के कारण कागज, मलमल और अन्य सामग्रियों की तरह उत्पन्न होने वाले कचरे को अब उपयोग योग्य उत्पादों में परिवर्तित किया जा रहा है। आवश्यक इको-सिस्टम में लाने के लिए, केवीआईसी के साथ परिसर में, आवश्यक परागण के लिए 5 मधुमक्खी बक्से स्थापित किए हैं। स्थिरता और हरित परिसर से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए डिजाइन बोलचाल विषय की कुछ परियोजनाएँ शुरू की गई थीं।

सामाजिक समानता के लिए छात्र और संकाय भागीदारी

संस्थान ने स्वच्छ भारत के लिए स्थानीय मलिन बस्तियों और पास की एक पहाड़ी (स्थानीय लोगों के लिए एकमात्र हैंगआउट स्थान) को अपनाया है। संकाय, कर्मचारी और छात्र नियमित रूप से स्वच्छ भारत अभियान के लिए और स्वास्थ्य, स्वच्छता, सफाई और पर्यावरण के बारे में शिक्षित करने के लिए जाते हैं। परिसर में, छात्रों और कर्मचारियों ने परिसर को साफ-सुथरा, हरा-भरा रखने के मिशन को प्राप्त करने के लिए सभी ने मिलकर श्रमदान किया।

चेन्नई

महत्वपूर्ण लैंडमार्क / प्रमुख उपलब्धियां

- भारत में शीर्ष 10 फैशन संस्थानों में निफ्ट, चेन्नई को इंडिया टुडे सर्वेक्षण में चौथे और आउटलुक सर्वेक्षण में 5 वां स्थान दिया गया है।
- बांग्लादेश और अफ्रीका के 52 अधिकारियों ने निफ्ट चेन्नई के अधिकारियों के साथ पाठ्यक्रम बातचीत सत्र के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चेन्नई द्वारा आयोजित निफ्ट चेन्नई का दौरा किया।
- श्री बी कार्तिकेयन, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री श्रीधर अमानची, असिस्टेंट प्रोफेसर और सुश्री प्रताप राज ने ग्लोबल मेगा इवेंट 'चेन्नई फोटो बिएनले 2019' के लिए चेन्नई थिरुवमिया एमआरटीएस में छात्रों की टीम को अवधारणा, फोटोग्राफी, स्टाइलिंग और तस्वीरों के प्रदर्शन के साथ समन्वित किया।
- एक टीम के सदस्य के रूप में एफडी के लिए पाठ्यक्रम विकास और एससीईआरटी - 11 वीं और 12 वीं कक्षा के लिए, तमिलनाडु सरकार के फैशन टेक्नोलॉजी विषय पर पाठ्य पुस्तक विकास पर काम करने में योगदान।
- सुश्री गीता रंजिनी, एसोसिएट प्रोफेसर, ने लिटिल फ्लावर कॉन्वेंट स्कूल, चेन्नई एम्ब्रायडरी यूनिट को निफ्ट से जोड़ने और स्पेक्ट्रम 2019 के दौरान अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने में मदद की।
- प्रो. डॉ. एम. वसंता, दी हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एचईपीसी), भारत सरकार द्वारा आयोजित वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "हेमीटेक्स्टिल 2019 कलर ट्रेंड्स और विजुअल मर्चेंडाइजिंग" राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्तियों में से एक थे। इसे 4 अक्टूबर, 2018 को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट मेले के हेमटेक्स्टिल मेले में ट्रेड फेयर स्टॉल पर एक प्रभावी विजुअल मर्चेंडाइजिंग के लिए होम टेक्सटाइल निर्यातकों को थीम की व्याख्या करने में सक्षम बनाने के लिए करूर में आयोजित किया गया।
- डॉ. जी. कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर, ने एटीडीसी, एगमोर, लिंकअप टेक्सटाइल, एगमोर और कनीयप्पा मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट, समर्थ नामक कौशल विकास की एक योजना के अंतर्गत रेडहिल्स में भौतिक उपकरणों का निरीक्षण किया।
- प्रो. डॉ. डी. सैमुअल वेस्ले, 25 अगस्त, 2018 को साइन्स अलर्ट प्रकाशन के लिए विशेषज्ञ समीक्षक के रूप में नामांकित, और सुश्री डी प्रिया, लैब असिस्टेंट के साथ 18 अगस्त, 2018 को प्रो. मणिवन्नन, आईआईटी, मद्रास के साथ चर्चा पर आधारित वीआर दस्ताने बनाने की एक परियोजना पर काम किया है।
- प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ले, ने डीएसआईआर - पीआरआईएसएम - टीओआईसीआईसी, हथकरघा परियोजना पर एसपी महिला विद्यालय तिरुपति के लिए एक विशेषज्ञ मूल्यांकन किया।
- श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर, मिडल ईस्ट रीटेल फॉरम (एमआरएफ) - 2018 में भाग लेने के लिए 7-10 अक्तूबर, 2018 के दौरान दुबई की आधिकारिक यात्रा पर गए और विदेशी रिटेल उद्योग के साथ संबंध मजबूत करने के एक भाग के रूप में दुबई के लैंडमार्क कार्यालय में उद्योग और पूर्व छात्रों के साथ विभिन्न बैठकों में भाग लिया।
- श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर, 3 नवंबर, 2018 को बेंगलुरु में आयोजित एक गोलमेज, ट्रेंड लैब विजन नेक्स्ट के लिए फैशन और वस्त्र उद्योग के उद्योग विशेषज्ञों के साथ समन्वय

किया। इसके अलावा, मेसर्स रेमंड, मैसर्स एक्वेरेल इंडिया, मैसर्स सिमबस टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु का दौरा किया, जो निफ्ट की पहल के बारे में जानकारी देने के लिए निफ्ट उद्योग की भागीदारी का हिस्सा है।

• एफएमएस विभाग ने 25 अप्रैल, 2018 को निफ्ट चेन्नई की अपनी तरह की एक पत्रिका 'रिफ्लेक्शंस' (पहला संस्करण) शुरू की, जो प्रत्येक सेमेस्टर में एक बार सभी महत्वपूर्ण परिसर घटनाओं, छात्रों के कार्य और परियोजनाओं को कवर करते हुए जारी की जाएगी। सत्र जुलाई - दिसंबर 2018 के लिए निफ्ट चेन्नई रिफ्लेक्शंस पत्रिका का दूसरा संस्करण लॉन्च किया।

• आभूषणों के लिए वर्चुअल ट्रेल रूम (सुश्री राधिका मधुसूदनन, सुश्री वी ऐश्वर्या एमएफएम- III और श्री एस जयराज, सहायक प्रोफेसर) से संबंधित एक उद्योग परियोजना पर काम किया।

• एफडी विभाग की सुश्री वार्शिन बी चेन्नई के फीनिक्स मार्केट सिटी में आयोजित स्टाइलिंग इवेंट में विजेता रही, और चेन्नई फोटो बायनेले 2019 में स्वेच्छा से शामिल हुई थीं।

• एफडी विभाग की सुश्री अथवी एस और एफडी विभाग की सुश्री हिमांशी सिंह ने 2 फरवरी, 2019 को अनाथालय के लिए इंद्रधनुष घरों की दीवार को चित्रित किया।

• एफडी विभाग के श्री रितु राज ने नवंबर 2018 के दौरान प्रतिबिंब, संस्करण: अरोरा के लिए कवर पेज डिजाइन किया।

• एलडी छात्रों ने सीएलई डिजाइन प्रतियोगिता 'डिजाइन अवार्ड्स 2019' में निम्नलिखित पुरस्कार जीते

- सुश्री अनु सिंह, एलडी- टप्प् में प्रथम स्थान मिला और श्री मिश्रा भानु रवींद्र कुमार, एलडी-VI को सर्वश्रेष्ठ लेदर गुड्स डिजाइन में द्वितीय स्थान मिला।

- अनु कुमारी, एलडी - VI को बेस्ट लेदर गुड्स डिजाइन- हैंडबैग में पहला स्थान मिला।

- मिस्टर एलिडा मर्लिन जेवियर, एलडी - VI को बेस्ट लेदर गारमेंट डिजाइन- (ट्रेंडी गारमेंट) में पहला स्थान मिला।

- श्री मिश्रा भानु रवींद्र कुमार, एलडी - VI, को बेस्ट लेदर गारमेंट डिजाइन- (कोर्सेट) में पहला स्थान मिला।

• सुश्री कंचनलाल टेकचंदानी, सुश्री आस्था जैन, सुश्री क्षितिज वाधवकर, सुश्री पोलोमी बिस्वास, केडी विभाग के छात्रों ने एबिलिटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया और 24 अप्रैल, 2018 को एबिलिटी फाउंडेशन प्रोग्राम 2018 में पुरस्कार जीता। ।

• सुश्री रीतिका चोपड़ा (विजेता), सुश्री आस्था जैन (उप विजेता) केडी और सुश्री लावण्या जोशी एफसी (जुलाई-दिसंबर 2018), सितंबर 7, 2018 को फीनिक्स मार्केट सिटी चेन्नई द्वारा आयोजित एक अनूठी स्टाइलिंग प्रतियोगिता रु 100 वेज ऑफ फैशन की विजेता।

• सुश्री श्रुति डे, VII ने मुंबई में वूलमार्क रनवे (अंतर्राष्ट्रीय ऊन नियम सचिवालय) के लिए फाइनल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया।

• सुश्री थारानी के. ने एकोतासर डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और तसर सिल्क यार्न का उपयोग करके अभिनव बुनाई विकसित करने में पहले शीर्ष 5 में स्थान हासिल किया।

• फैशन संचार के छात्रों ने ट्रंक के लिए लाइफ साइज विंडो के लिए प्रॉपर और फिक्स्चर डिजाइन किए, जो 'विजुअल मर्चेंडाइजिंग लेवल II' विषय के लिए बेसेंट नगर में माल गाडी के लिए 'आइस गोला' रूप थीम पर आधारित है।

• एफसी विभाग के श्री देशमुख मंदर मनीष ने अप्रैल 2018 में पैलेडियम मॉल के विज्ञापन अभियान के लिए सहायक स्टाइलिस्ट के रूप में काम किया और लैक्मे फैशन वीक 2018 में भी भाग लिया।

• एफसी विभाग के छात्रों, श्री अतुफा अम्बर अहसन, सुश्री जी संयुक्ता, सुश्री कार्तिका एस प्रेम, सुश्री ललिता रश्मि पी, श्री शुबंजय साठे ने 22 सितम्बर 2018 को शुरू किए गए अनाकुथुर शिल्प के लिए लोगो बनाया। इसे दैनिक समाचार पत्र 'दिनमलार' और 'दी हिंदू' में प्रकाशित किया गया। एफसी विभाग के छात्रों ने डायरी और कैलेंडर किट 2019 डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसे निफ्ट हेड ऑफिस को प्रस्तुत किया गया है।

• बीएफटी विभाग की सुश्री राधिका सिंह ने सत्र जनवरी - जून 2018 के दौरान एनसैट, फ्रांस में ट्विनिंग कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री मोहम्मद एरी के, ने 25 जनवरी, 2019 को अड्यार के पैट्रिकियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस में 'बैटल ऑफ बैन्ड्स' में प्रथम पुरस्कार (रुपए 7000/- का नकद पुरस्कार) जीता, और चेन्नई मेडिकल इंस्टीट्यूट सिरुसेरी में साउंडस्केप में 2000/- रुपये के नकद पुरस्कार के साथ द्वितीय पुरस्कार जीता।

• एफएमएस विभाग के 34 छात्रों के एक समूह ने वेस्ट साइड के साथ 5 आउटलेट, जैसे कि चेन्नई में स्थित अड्यार, टी नगर, एक्सप्रेस एवेन्यू, एएमपीए स्काई वॉक मॉल और फोरम मॉल और कक्षा परियोजनाओं "अय्ओ एवं दी एफमैन": के लिए एक लाइव प्रोजेक्ट किया है।

• थिरुभुवनम रेशम (टीएचआईसीओ) के लिए शिल्प क्लस्टर कारीगरों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया और 14 लाख रुपए की वस्तुओं के विपणन और बिक्री में कारीगरों की मदद की। (एमएफएम के छात्र - III (2017-19 बैच) और श्री एस. जयराज, सहायक प्रोफेसर, प्रो. डॉ. एस अंग्मालसंथि)।

अवसंरचना और सुविधाएं

• शिक्षण कक्ष/ कला कक्ष - अकादमिक ब्लॉक - 12 और एनेक्स भवन - 16

• प्रयोगशालाएँ - अकादमिक ब्लॉक - 25 और एनेक्स भवन-10

• लड़कों के छात्रावास में 92 कमरे हैं और प्रत्येक कमरे में 02 लड़कों को समायोजित किया जा सकता है।

• मौजूदा परिसर में एनेक्स भवन (भूतल + 5)

न्यू निफ्ट कैंपस (महिला छात्रावास और एसएमएसी बिल्डिंग):

• छात्रावास - 210 कमरे, यूजीसी मानदंडों के अनुसार प्रत्येक कमरे में दो ऑक्युपेंसी, छात्र बहुउद्देशीय गतिविधि केंद्र (एसएमएसी), प्ले एंड पार्क एरिया, दूसरी मंजिल में शटल कॉक कोर्ट डबल फर्श ऊंचाई के साथ, बास्केट बॉल, वॉली बॉल मैदान, जिम उपकरण, साइक्लिंग ट्रैक, कॉमन एरिया के लिए

एलईडी रोशनी, एटीएम सुविधा, 50 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और प्रशोधित पानी को टॉयलेट फ्लशिंग और बागवानी के उद्देश्य के लिए पुनर्चक्रण किया जाएगा, डाइनिंग हॉल क्षमता: 330 छात्र, रसोई क्षमता: 500 छात्र, सौर जल प्रणाली 2x6000 लीटर प्रतिदिन की क्षमता। 22 किलोवाट रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र, स्टेशनरी की दुकान, सेनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर, चिकित्सक, छात्र मनोचिकित्सक काउंसलर, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष कमरे, वाई-फाई सक्षम।

उपलब्ध सुविधाएं:

- कैंटीन, कैफेटेरिया, ज्यूस की दुकान, मनोरंजन क्षेत्र, एटीएम, संसाधन केंद्र, स्टेशनरी की दुकान, 750 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ सभागार, 90 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल, वाई-फाई सक्षम, प्रमुख क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे, पुरानी लाइट्स के स्थान पर एलईडी लाइट्स, चिकित्सक, छात्र मनोचिकित्सक काउंसलर।
- निफ्ट चेन्नई कैंपस (मुख्य भवन, एनेक्सी बिल्डिंग और महिला हॉस्टल) के सभी महिला टॉयलेट में सेनेटरी नैपकिन बर्नर स्थापित किया गया है।

परियोजनाएं

परियोजनाएं न केवल राजस्व अर्जित करने के लिए बल्कि संस्थान की सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए भी चलाई जाती हैं। परियोजनाएं संकाय और छात्रों को एक्सपोजर और सीखने के लिए पर्याप्त अवसर दे रही हैं।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सूचना के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी) योजना के अंतर्गत फैशन डिजाइन और प्रौद्योगिकी विषयों के लिए ई-सामग्री विकास की 3.85 करोड़ रुपये की परियोजना पर निफ्ट, चेन्नई में काम चल रहा है। परियोजना के पहले चरण में, 166.55 लाख रुपये की लागत से 17 विषयों को पूरा कर लिया गया है और वेबसाइट पर ई-सामग्री अपलोड की गई है। दूसरे चरण के लिए प्राप्त राशि 116.55 लाख रुपये है।

दूसरा चरण जुलाई 2017 से शुरू किया गया है।

- वर्ष के दौरान आरंभ की गई और पूर्ण की गई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

- वाया लाइफ प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई के लिए 'उत्पाद डिजाइन' परियोजना। परियोजना की लागत 3.00 लाख रुपये।
- वीएमएचसी में 'उत्पाद विकास और विविधीकरण के लिए नैदानिक अध्ययन' - ग्राहक के लिए फैशन के साथ लिंकिंग हैंडलूम, 'द कूपरटेक्स लिमिटेड, चेन्नई' परियोजना लागत 6.00 लाख रुपये है।
- मैसर्स स्टर्लिंग हॉलिडे रिसॉर्ट्स, ऊटी ग्राहक के लिए 'डेस्टिनेशन एक्सपीरियंस के लिए डिजाइनिंग'। परियोजना लागत 9.00 लाख रुपये है।
- अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय, भारत सरकार की परियोजना पारंपरिक कला और शिल्प के विकास के लिए कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन (यूएसटीटीएडी)। इसकी परियोजना लागत 17.00 लाख रुपए है।
- दी रेजिडेंसी होटल के पब बाइक एंड बैरल के लिए 'यूनिफॉर्म डिजाइन' 1.00 लाख रुपये की परियोजना लागत पर और कैटरपिलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के लिए, रुपए 4.00 लाख की परियोजना लागत पर।
- ग्राहक रेमंड्स, बेंगलुरु के लिए रु 3.00 लाख की परियोजना लागत पर उत्पाद ज्ञान, फैशन ट्रेंड और फुटवियर खुदरा विक्रेताओं के लिए बिक्री तकनीकों पर प्रशिक्षण।
- 'डायग्नोस्टिक स्टडी' पीटीएसएलपी - समुद्री शैल शिल्प उत्पादों का विकास - चरण 1, क्लाइंट पोस्ट सुनामी सतत जीविका कार्यक्रम (पीटीएसएलपी), तमिलनाडु सरकार के लिए, परियोजना लागत रुपए 1.00 लाख है।
- भारतीय बाजार (दक्षिण और उत्तर) के लिए रंग पूर्वानुमान का विकास और निप्पॉन के लिए एक मुक्त पहुंच रंग पूर्वानुमान, अंतिम उपयोगकर्ता, इंटीरियर डिजाइनर और वितरकों के लिए एक मुफ्त संदर्भ के रूप में ग्राहक निप्पॉन इंडिया लिमिटेड की परियोजना का विकास । परियोजना की लागत 18.00 लाख रुपए है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

- चेन्नई कैंपस के सेमेस्टर 4 के श्री यशराज सिंह ने फेस ऑफ चेन्नई के लिए 2 लेवल ऑडिशन के लिए क्वालीफाई किया
- श्री प्रिंस, श्री सिद्धांत, श्री उत्कर्ष, श्री दीपन, सेमेस्टर- 5, ने एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- निम्नलिखित छात्रों ने कंवर्ज 2019 में जीत हासिल की है। छात्रों ने टेबल टेनिस एकल, टेबल टेनिस डबल्स, 800 मीटर, शायरी, हाइजैक, रैप बैटल में स्वर्ण पदक जीता; लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल, पाटी, प्रैंकस्टर और लॉन्ग जंप, फुटबॉल में ब्रॉन्ज मेडल जीता।
- टीडी की सुश्री दिशा टंडन और सुश्री कायरवी शाहू ने एक परियोजना शुरू की और दिशाशेखावटी महिला और बालिका विकास फाउंडेशन की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया।
- सुश्री गायत्री प्रिया टीडी को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में मेस्सी फ्रैंकफर्ट द्वारा आयोजित एंबिएंट मेले में यूएसटीटीएडी द्व रा प्रायोजित पाम लीफ उत्पादों के लिए दिल्ली में आयोजित मेसे फ्रैंकफर्ट हेमटेक्स्टिल द्वारा सम्मानित किया गया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

वर्ष 2017-18 के लिए स्नातक शो 26 मई, 2018 को आयोजित किया गया था। पुरस्कार विजेता छात्रों को ट्रॉफी और मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए थे।

शिल्प क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए जमीनी स्तर को श्क्राफ्ट क्लस्टर पहलश के रूप में देखा जाता है। हमारे पाठ्यक्रम में छात्रों को भारत की विभिन्न क्षेत्रों के कारीगरों और बुनकरों के सहयोग से काम करने की अनुमति है। एक छोर पर, क्राफ्ट क्लस्टर पहल

'कारीगरों और बुनकरों को उनके ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने और उनके प्रयासों को और अधिक बाजार अनुकूल और लाभदायक उद्यमों में शामिल करने के लिए प्रयास करता है, दूसरी ओर, यह छात्रों के बीच तमिलनाडु के कला और शिल्प को समझने और सराहना करने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। ।

छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में कलस्टरों का दौरा किया।

- फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों ने शिल्पकारों के साथ बातचीत के माध्यम से शिल्प अभ्यास को संवेदनशील बनाने और उनकी चुनौतियों को समझने के लिए आसपास के शिल्प समूहों का दौरा किया। कांचीपुरम, गुम्मिदीपोंडी, अनाकपुथुर और तिरुवन्नमलई के शिल्प समूहों को इसके लिए अपनाया गया था।
- डिजाइन विभाग के चौथे सेमेस्टर के छात्रों ने देश के ग्रामीण सौंदर्यशास्त्र, गांवों की सांस्कृतिक और सामाजिक समझ, कारीगरों के जीवन और निदान रिपोर्ट बनाने के लिए शिल्प अभ्यास के लिए दो सप्ताह की शिल्प क्लस्टर यात्रा की। तिरुनेलमलाई और सिंगापेरूमल्कोइल में राजापलायम की कढ़ाई शिल्प प्रथा, चेंडीमलई, वडंबाचेरी के हथकरघा समूहों को अध्ययन के लिए चुना गया था।
- डिजाइन विभागों के 7 वें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा शुरू की गई इन-फील्ड एक्टिविटी में पहचाने गए क्राफ्ट क्लस्टर के कौशल मैपिंग और गैप एनालिसिस के आधार पर पूर्व-संकल्पित डिजाइन वाले क्लस्टरों का दौरा किया गया। हमारे छात्रों ने योगदान दिया और ऑरोविले में प्राकृतिक रंगों के साथ चेनीमालई, टाई और डाई के साथ हथकरघा बुनाई के समूहों, कुड्डलोर में लुंगी बुनाई, श्री कालाहांडी के कलामकारी के साथ काम किया और प्रवृत्ति पूर्वानुमान और बाजार विश्लेषण के साथ जुड़कर उत्पादों की एक श्रृंखला विकसित की।
- कारीगरों को आमंत्रित करने और हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के द्वारा परिसर में प्रतिवर्ष शिल्प बजार का आयोजन किया जाता है।
- एफडी-V (बैच-I और II) के छात्रों ने मैसर्स कोविलुर क्लस्टर, डिंडीगुल में क्राफ्ट क्लस्टर फील्ड अध्ययन किया है, एफडी-VII के छात्र मैसर्स कुरुन्थोजिल मुनिवर नाला संगम (टिनि), विरुदुनगर गए और 'कांचीपुरम सिल्क्स के लिए पारंपरिक समकालीन डिजाइनों के डिजाइन विकास' पर तीन दिवसीय कारीगर जागरूकता कार्यशाला एफडी- VI सेमेस्टर के छात्रों द्वारा आयोजित की गई थी।
- 9-10 अप्रैल, 2018 को एलडी- IV और VI दोनों के लिए प्रिंट और नक्काशी विशेषज्ञ श्री मुरली चिन्नासमयन द्वारा लेदर के माध्यम से धातु की नक्काशी और एम्बॉसिंग का आयोजन किया गया।
- केडी V ने 11-20 अगस्त, 2018 से तिरुनेलवेली के सिसल फाइबर क्राफ्ट, पूथथन कुदिरुप्पु, केडब्ल्यूडी - VI के छात्रों ने 'कारीगर जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन किया और को-ऑपेक्स, (एग्मोर), फीनिक्स मॉल (वेलाचेरी) चेन्नई में और आसपास के बाजार और सीसीआई प्रदर्शनी होटल माय फॉर्च्यून (कैथेड्रल रोड) का भी दौरा किया और केडी सेमेस्टर VII के छात्रों ने शांतिमलाई हस्तशिल्प विकास सोसायटी, तिरुवन्नमलाई का दौरा किया। विभाग ने शिल्प कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। 12 कारीगर सिसल फाइबर क्राफ्ट की कार्यशाला में भाग लेने के लिए सीएएसटी, तिरुनेलवेली से आए थे।
- टीडी-VII के सभी छात्रों ने चेन्नामलाई और वडंबाचेरी का दौरा किया। 18 -19 अप्रैल 2018 को कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलीकट पाम लीफ क्राफ्ट के 10 कारीगरों ने इसमें भाग लिया। प्रो. डॉ. एम वसंता, सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, डॉ. जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर और श्री बी कार्तिकेयन, एसोसिएट प्रोफेसर ने विभिन्न विषयों पर शिल्पकारों के साथ बातचीत की।
- एफसी विभाग ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2018 के दौरान 'फैशन इलस्ट्रेशन पर कार्यशाला' को समन्वित किया और बोलचाल के कागज के हिस्से के रूप में तीन अलग-अलग शिल्प समूहों के लिए विभिन्न ब्रांड के कोलाटर तैयार करने पर एक सत्र आयोजित किया।
- एमएफएम के छात्रों ने थिरुभुवनम सिल्क साड़ी क्लस्टर, कुंभकोणम का दौरा किया। इसके अलावा, थिरुभुवनम रेशम शिल्प के लिए शिल्प क्लस्टर कारीगरों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया और थिरुभुवनम सिल्क साड़ियों की प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया।

पीएचडी आरंभ और पूरा किया

11 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 03 संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुति

- डॉ. जी सांई समुराई, एसोसिएट प्रोफेसर ने जो खाद्य एवं वस्त्र उद्योग में उन्नति और प्रौद्योगिकी पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बायोमिमिक्री एंड इट्स इंप्लीमेंट इन टेक्सटाइल्स' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया और मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 04.03.19 को 'वस्त्र और फैशन में नवीन प्रौद्योगिकी और नवीन अनुसंधान रुझान' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डेनिम की तापीय धारिता के प्रभाव के साथ विभिन्न प्रकार के एंजाइमैटिक फिनिशिंग वाले कपड़े शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया था।
- सुश्री सी सीता, एसोसिएट प्रोफेसर, ने श्री जगदीश प्रसाद झबरामल टिबरेला विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित फैशन डिजाइन कार्यक्रम "अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में छात्रों में आत्मसम्मान के अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- प्रो सुनीता वसन, 'अकादमिक वातावरण में फैशन डिजाइनरों के बीच यूनिसेक्स कपड़ों की कार्यक्षमता' शीर्षक से दो पत्र एक अनुभवजन्य अध्ययन-रेफरल जर्नल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च - वॉल्यूम 6 (1), 2019 प्रकाशित किए और दी शेप एंड साइज फॉर डिजाइनिंग यूनिसेक्स क्लोथिंग - एक अध्ययन: संदर्भित जर्नल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आईजेएचआरएमआर) वॉल्यूम 6 (1), 2019 प्रकाशित किए।
- प्रो. डॉ. पी मोहनराज, 'परिधान डिजाइनरों की प्रबंधकीय

दक्षताओं' - औद्योगिक अध्ययन पर आधारित एक अध्ययन पर दो शोध लेख इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आईजेएचआरएमआर) वॉल्यूम 8 (6), 2018, 'परिधान डिजाइनरों की प्रक्रिया दक्षताओं पर एक उद्योग की दृष्टि' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड फैशन टेक्नोलॉजी जर्नल (आईजेटीएफटी), वॉल्यूम 8 (6), 2018 प्रकाशित किए गए।

- डॉ. जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर ने 'व्यावसायिक शिक्षा में सीखने के पहलुओं पर एक अध्ययन: एक छात्र के दृष्टिकोण' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, जो उच्च शिक्षा संस्थान में गुणवत्ता शिक्षण, शिक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए 24.08.2018 को सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स (स्वायत्त), बेंगलुरु में "एक दिवसीय राष्ट्रीय आईक्यूएसी सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किया गया था।
- प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ले ने 'सिलाई धागे और लॉक सिलाई सीम-एक व्यवस्थित अध्ययन' नामक पुस्तक प्रकाशित की, जिसे एलएपीलैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, जीएमबीएच द्वारा प्रकाशित किया गया है और 'ए नॉवल मेथड टू असेस लॉक स्टिच सीम सेक्युर्टी" नामक एक पेपर, टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) के जर्नल में दिनांक 03.12.2018 को प्रकाशित किया गया है।
- प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने सोशल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 08 जुलाई 2018 को कानपुर, यू.पी., में अंतर्राष्ट्रीय मानक का गुणवत्ता शोध पत्र लिखने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सूचना को संसाधित करने के व्यवस्थित तरीके" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, डिजिटल इंडिया प्लेटफॉर्म नामक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'परिधान निर्माण में प्रौद्योगिकी की भूमिका' शीर्षक वाला एक पेपर - राष्ट्र को बदलने की एक पहल: 5 और 6 अक्टूबर 2018 को राजनीति शास्त्र विभाग, राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज, बिंदकी, यूपी द्वारा आयोजित श्उभरते मुद्दों और चुनौतियोंश पर प्रस्तुत किया और 17.01.2018 को फैशन रिटेल एंड मैनेजमेंट की केस हैंडबुक में "लेदर गुड्स मैन्युफैक्चरिंग में सस्टेनेबिलिटी फोर्सेस" पुस्तक में एक अध्याय का योगदान दिया है। उन्होंने 'भारतीय ग्रामीण बाजार: अवसरों और चुनौतियों के संदर्भ में वैश्विक संदर्भ में' 'उनके आसपास के वातावरण से संबंधित उपभोक्ता खरीद के फैसले में परिवर्तन' जैसे पत्र प्रकाशित किए हैं, जिसका शीर्षक पुस्तक में एक अध्याय के रूप में प्रकाशित किया गया है, जिसका शीर्षक है-आधुनिक समाज में परिवार की गतिशीलता से संबंधित मुद्दे और चुनौतियां", डॉ. गीता माथुर द्वारा संपादित, आराधना बंधुओं, कानपुर द्वारा जुलाई 2018 में प्रकाशित किया गया और सूचना को संसाधित करने के व्यवस्थित तरीके" अंतर्राष्ट्रीय मासिक पत्रिका-एंथोलॉजी-दी रिसर्च, वॉल्यूम 3 (4) 2018 में प्रकाशित किया गया।
- श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट (साइंटिफिक जर्नल ऑफ इम्पैक्ट फैक्टर (एसजेआईएफ): 5.71 'वॉल्यूम 5(8) 2018 में' परिधान उद्योग में पुरुषों की शर्ट श्रेणी के डीएचयू% के न्यूनतमकरण पर एक पेपर प्रकाशित किया।
- एमएफएम की छात्रा सुश्री श्रुति रविंदर ने वोग इंडिया में "नीयन कैसे पहनें" विषय पर एक लेख प्रकाशित किया - एक लेख जिसने एसएस'19 रनवे को डिकोड किया और वोग सेलिब्रिटी में 17.02.2019 को प्रकाशित किया।

फैकल्टी अभिविन्यास, प्रशिक्षण एवं विकास

- निफ्ट चेन्नई के सभी संकाय सदस्यों ने श्री अरुल देव, संस्थापक सीईओ, मैसर्स द्वारा 'मेंटरिंग' पर एक कार्यशाला में भाग

लिया। पीपल फर्स्ट कंसल्टेंट का आयोजन 30 नवंबर, 2018 को किया गया।

• सुश्री गीता रंजिनी, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी ने जनवरी 2019 के दौरान 'ग्राफिक डिजाइन एंड कम्युनिकेशन' में सर्टिफिकेट – 6 महीने का कोर्स सीटीईटी पूरा किया ।

• सुश्री विजयालक्ष्मी आर, सहायक प्रोफेसर, एलडी, ने 25-29 मार्च, 2019 के दौरान मुख्यालय में 5 दिनों के लिए आयोजित की जाने वाले इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया।

• सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्रोफेसर ने मंगलम आर्ट्स, जयपुर में प्राकृतिक प्रशिक्षण पर एक प्रशिक्षण में भाग लिया।

• डॉ. जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली निफ्ट में आरआईसी कार्यशाला में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यू, श्री एन वेन्नीमालई, सहायक प्रोफेसर और सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, सुश्री जयश्री लक्ष्मी वराहन, निदेशक, दी स्पासटिक्स सोसाइटी ऑफ तमिलनाडु द्वारा 'जेंडर इक्विटी और न्यूट्रैलिटी' विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल हुए।

• श्री एन वेन्नीमालई, सहायक प्रोफेसर, ने स्पीड स्टेप पेंटर पर परिचयात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण और स्पीड स्टेप सॉल्यूशंस द्वारा स्केच और कोरल पेंटर के माध्यम से रियलिस्टिक ड्राइंग पर वेबिनार पर प्रशिक्षण और 'बिगडाटा एप्लिकेशन' में भाग लिया।

संकाय प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• सुश्री प्रथीपा राज, सहायक प्रोफेसर, एफडी ने निफ्ट, नई दिल्ली में 'फैशन कल्चर एंड कॉउचर' कार्यशाला में भाग लिया।

• फुटवियर पर टीओटी का संचालन प्रोफेसर डॉ. अरावेंदन, श्री शिवशक्ति, एसोसियट प्रोफेसर निफ्ट, नई दिल्ली द्वारा निफ्ट, चेन्नई में किया गया था।

• एलडी के संकाय सदस्यों ने नई दिल्ली में आयोजित लक्जरी और लाइफस्टाइल उत्पादों और ब्रांडिंग में प्रो अचल जैन, विशेषज्ञ द्वारा चमड़े के डिजाइन के लिए एक स्वनिर्धारित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. अरावेंदन और श्री टी आर शंकरनारायणन, एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी ने आईआईटी, गुवाहाटी में लघु अवधि कोर्स – 'एर्गोनॉमिक्स इन डिजाइन एंड इंजीनियरिंग एजुकेशन' में भाग लिया।

• प्रो. सुनीता वसन और श्री के नंदा कुमार, सहायक प्रोफेसर, केडी ने निफ्ट, बेंगलुरू में स्पोर्ट्स वियर पर टीओटी कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री बी कार्तिकेयन, एसोसिएट प्रोफेसर, टीडी ने निफ्ट, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम 'डिजाइन प्रक्रिया' के लिए टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्रोफेसर, टीडी; सुश्री प्रतिपा राज, सहायक प्रोफेसर, एफडी और सुश्री सुशा सुरेश, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने नई दिल्ली के निफ्ट में होम एंड स्पेसेस के लिए परिधान और फैशन एक्सेसरी/ कपड़ा के लिए टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, विषय 'वेशभूषा और वस्त्र प्रशंसा' के लिए 'टाई एंड डाई' और 'ब्लॉक प्रिंटिंग' पर सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर, ने 30 अप्रैल, 2018 को '3 डी डेकोपेज प्रस्तुति' पर कार्यशाला में भाग लिया और भारत में डिजाइन शिक्षा के लिए लैंगिक समानता विकसित करने वाली लिंग और लैंगिक समानता पर एक कार्यशाला आयोजित की।

• प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, 'डिजिटल डिजाइन और संचार' विषय के लिए नई दिल्ली में टीओटी में शामिल हुए।

• प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ली, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रोजेक्ट मूल्यांकन प्रशिक्षण में भाग लिया, निफ्ट, बेंगलुरु में ई-ऑफिस पर प्रशिक्षण और पीएसजी प्रौद्योगिकी कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में बी.टेक (फैशन प्रौद्योगिकी) परीक्षा के लिए विशेषज्ञ लेखा परीक्षक के रूप में भाग लिया।

• प्रो. आर रसेल टिमोथी और प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ले, निफ्ट, बेंगलुरु में फास्ट रिएक्ट सिस्टम के प्रशिक्षण में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन, प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ले और प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज ने निफ्ट, बेंगलुरु में 06.12.2018 और 07. 12.2018 को क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के श्री ली ह्यूग मैक गोवन द्वारा आयोजित एक पीएचडी पर्यवेक्षक प्रशिक्षण में भाग लिया।

• प्रो. आर रसेल टिमोथी और प्रो. डॉ. एस अंगमाल संथी ने निफ्ट, बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में टीओटी में भाग लिया।

• श्री एस जयराज, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट मुंबई में क्रिएटिव एंटरप्रेन्योरशिप पर 29 अक्टूबर से 2 नवंबर 2018 के बीच और 4 और 8 मार्च 2019 के बीच निफ्ट कोलकाता में कंज्यूमर बिहेवियर एंड न्यूरो मार्केटिंग में एक क्रिएटिव वर्कशॉप में भाग लिया।

संकाय उद्योग से जुडाव

प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन और श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर ने मैसर्स एएनसी लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई में 2-14 जुलाई, 2018 तक एफआईए किया है। प्रो. डॉ. अंगमाल संथि ने मेसर्स मैक्स फैशन-लैन्डमार्क ग्रुप, बेंगलुरु में जून 2018 में एफआईए किया है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों/ बैठकों में संकाय की भागीदारी

• सुश्री प्रथेपा राज, सहायक प्रोफेसर, एफडी ने एमआरसी हॉल, सैंथोम, चेन्नई में पारंपरिक और समकालीन वस्त्रों की एक प्रदर्शनी 'वास्तु उत्सव', 'कोरा कॉटन हैंडलूम की डीएएमए चेन्नई प्रदर्शनी' सीपी कला केंद्र, अलवरपेट, चेन्नई, "बाई हैंड फ्रेम दी हर्ट मार्कर मार्केट" क्राउन प्लाजा, अलवरपेट चेन्नई और 'पाज फॉर काज बेस्ट ट्रेडिशनल और कंटेम्परेरी इंडियन वियर की प्रदर्शनी ललित कला अकादमी, ग्रेम्स रोड, चेन्नई दौरा किया ।

• सुश्री गीता रंजिनी, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी ने 'वर्चुअल 3 डी एनिमेशन वर्कशॉप' के रोड शो में भाग लिया और वल्लुवरकोट्टम, चेन्नई में दी नेशनल हैंडलूम एक्सपो - प्रदर्शनी सह बिक्री का दौरा किया।

• डॉ एस सांई संगुराई, एसोसिएट प्रोफेसर ने इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर, तिरुवनमियूर, चेन्नई में शिक्षकों के लिए ष्इंटीग्रल एजुकेशनष पर कार्यशाला में भाग लिया और इंप्रेशन ट्रेडिशन एंड ट्रेंड्स ऑन ए हैडलूम, ट्रेंड्स ए एक्जिबिशन ऑन हैंडलूम, हैंड ब्लॉक प्रिंट्स फॉर ललित कला अकादमी, चेन्नई का दौरा किया।

• श्री बीरका चलपति, एसोसिएट प्रोफेसर, एडी ने दिसंबर 2018 के दौरान चेन्नई ट्रेड सेंटर में सिनेमा और उपकरण पर एक मेले का दौरा किया।

• प्रो. डॉ. एम अरविन्दन, नई दिल्ली के उद्योग भवन में आयोजित एफडीडीआई की 70 वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में भाग लिया; लेदर प्रौद्योगिकी विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय / सीएलआरआई के कार्यक्रम बी.टेक और एम.टेक की पाठ्यक्रम उपसमिति बैठकों में भाग लिया।

• एलडी और डीएफटी के संकाय सदस्यों ने नंदाम्बक्कम, चेन्नई में ट्रेड सेंटर में इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर आईआईएलएफ - 2019 का दौरा किया।

• मेक इन इंडिया कार्यक्रम की पहल के हिस्से के रूप में, इंडिया इंटरनेशनल डिजाइनर फेयर का आयोजन काउंसिल ऑफ लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) द्वारा किया गया था। एलडी विभाग के सभी संकाय सदस्यों, सहायक कर्मचारियों और छात्रों ने मेले का दौरा किया। एलडी विभाग के संकाय सदस्य निफ्ट स्टाल बनाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

• श्री श्रीधर अमान्ची, सहायक प्रोफेसरने क्राउन प्लाजा, चेन्नई में अप्पाराव गैलरीज द्वारा आयोजित प्रदर्शनी 'नयाब' का दौरा किया और विशेष ब्रांड लूम एवं हस्तशिल्प फैशन में काम कर रहे नए युग के उद्यमियों के साथ बातचीत की, तमिलनाडु के कोलीवनार आरंगम, चेन्नई, 'हांजी' में सहकारी समितियों के हथकरघा उत्पादों की" हैंडटेक्स "प्रदर्शनी - ललित कला अकादमी, चेन्नई में एक कोरियाई हस्तनिर्मित कागज कला प्रदर्शनी का दौरा किया।

• श्री श्रीधर अमान्ची, सहायक प्रोफेसर और सुश्री शालिनी वेंकटेश (जीएफ) चेन्नई कैंपस, ने केडी सेमेस्टर VI के छात्रों के विषय 'क्राफ्ट क्लस्टर डिजाइन इंटरवेंशन' के लिए चेन्नई के को-ऑपेक्स में नेचर बाजार में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

• श्री बी कार्तिकेयन, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर और टीडी विभाग के छात्रों ने एमआरसी हॉल, सैंथोम में चेन्नई में 'गोइंग ग्रीन - दी वे फॉरवर्ड' पर प्रदर्शनी का दौरा किया।

• डॉ वसंता, एसोसिएट प्रोफेसर और सीएसी और डॉ जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर ने 6 सितंबर 2018 को शिल्प परिषद (को-ऑपटेक्स ग्राउंड्स, एग्मोर) द्वारा 'कमला' में आयोजित मेले 'दिशा और क्रोमी' और विक्टोरिया तकनीकी संस्थान - स्पेंसर प्लाजा के पास कला और हस्तशिल्प, अन्ना सलाई केंद्र का दौरा किया।

• सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्रोफेसर, ने 'निर्माता और अर्थ: शिल्प और समाज' थीम पर दक्षिणाचित्रा में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

• श्री बी कार्तिकेयन, एसोसिएट प्रोफेसर, ने राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली में प्रदर्शनी 'बालूचार' का दौरा किया।

• डॉ जी कृष्णराज, सहायक प्रोफेसर, टीडी और श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने इंडियन फैशन फोरम (आईएफएफ) 2019 में भाग लिया इसे 27 -28 मार्च 2019 को होटल रिनेसेन्स, पवई, मुंबई में निर्धारित किया गया था।

• प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज ने एससीएडी विश्वविद्यालय, हांगकांग द्वारा संचालित 'ग्राफिक डिजाइन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री एन वेन्नीमालई, असिस्टेंट प्रोफेसर के इंटरफेस डिजाइन के माध्यम से विकलांग लोगों के लिए शिक्षा में सुधार 'नामक एक

प्रस्ताव, यूएक्सइंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2018 के लिए दिनांक 28.06.2018 को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

• प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 16.07.2018 को राष्ट्रीय टेक्सटाइल मेले में भाग लिया और 17.11.2018 को चेन्नई व्यापार केंद्र में कागज / लुगदी / संबद्ध उद्योग 'पेपर रेक्स' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में भाग लिया।

• सुश्री दिव्या एन, सहायक प्रोफेसर ने कला, डिजाइन और संस्कृति में अनुसंधान सम्मेलन, बेंगलुरु में भाग लिया, कलाकार सुश्री धरा मेहरोत्रा द्वारा कला प्रदर्शन शीर्षक क्लस्टर और नेटवर्क और एनसीबीएस बेंगलुरु में मौखिक इतिहास पर शीतकालीन विद्यालय में भाग लिया।

• प्रोफेसर डॉ. दिव्या सत्यन और श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर ने "आईआईटी स्टार्टअप्स- इतिहास और रोड अहेड पर" मोनीष सान्याल, संस्थापक अध्यक्ष, आईआईटी स्टार्टअप्स, एक यूएस-स्थित गैर-लाभकारी संगठन आईआईटी रिसर्च पार्क, चेन्नई में शिक्षित करने और परामर्शदाता द्वारा गठित एक वार्ता में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. डी सैमुअल वेस्ले ने एसपीजीएम, तिरुपति में "लिसनिंग टु साइंटिस्ट एंड सोशल साइंटिस्ट ऑन ट्रांसलेशनल" यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। एसपीएमवी, तिरुवनंतपुरम में एसपीएमवी में ईरी सिल्क पर डीएसआईआर परियोजना के विशेषज्ञ मूल्यांकन के रूप में भाग लिया।

• श्री अमित कुमार अंजनी, सहायक प्रोफेसर ने 8 से 20 मार्च, 2019 के बीच - बांग्लादेश, कम्बोडिया और वियतनाम में उद्योग - पूर्व छात्र प्रवासी संपर्क बैठकों में भाग लिया।

• श्री एस जयराज, सहायक प्रोफेसर, ने अपने गुणवत्ता माह उत्सव के भाग के रूप में आयुध वस्त्र फैक्टरी, आवड़ी, चेन्नई के कर्मचारियों को 'गुणवत्ता का इतिहास' और 'परिधान निर्माण में नवीनतम विकास' विषयों पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यशालाएं

• विज्ञापन विभाग ने श्री मुनुस्वामी, जो टेराकोटा और कागज लुगदी पर एक प्रतिष्ठित शिल्पकार हैं और श्री बालासुब्रमण्यम, कलाकार, समकालीन कला और डिजाइन के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया है।

• एलडी विभाग ने यूएसए के डिजाइनर सुश्री कैरोलिन रोचा द्वारा 'लेदर सरफेस डिजाइन एंड एम्बेलिशमेंट टेक्नीक' पर लेदर चिकन फीट, विशेषज्ञ इनपुट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

• केडी विभाग ने विभिन्न विषयों जैसे डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन मेथड्स, फैशन मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग, रुझान और पूर्वानुमान - अंतरंग परिधान में छात्रों के साथ बातचीत करने के 3 विशेषज्ञों, डॉ एन चंद्रशेखर, डॉ एन गोबी, सुश्री एस अक्षय और 3 पूर्व छात्रों के साथ पोर्टफोलियो विकास पर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• टीडी विभाग ने सुश्री खुर्शीदा नवाज द्वारा होम सेगमेंट के लिए मार्केट सेगमेंट और ब्रांड फैशन की समझ और नैचुरल डाई पेनिंग और प्रिंटिंग पर एक कार्यशाला- श्री एकम्बाराम द्वारा एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया।

• एफसी विभाग ने टाई एंड डाई और ब्लॉक प्रिंटिंग, फोटोग्राफर्स गेज और पत्रकारिता में ग्राफिक डिजाइन पर एक कार्यशाला आयोजित की। निम्नलिखित विशेषज्ञों को एक इंटरैक्टिव सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था: श्री अजय, श्री कन्नन सुंदर।

• फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने विभिन्न विषयों पर विशेष व्याख्यान देने के लिए निम्नलिखित 12 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया है: डॉ. टी रविकुमार, डॉ. वी सुब्रमण्यम, श्री ए इलंगोवन, श्री रामप्रसाद, सुश्री फारिस वीणा भास्करन, श्री सुबाष बी, डॉ सी पर्किनियन, डॉ वी. आर. गिरिदेव, सुश्री हेमामालिनी, सुश्री पूजाजीत वर्थराजन और श्री सुंदरमूर्ति।

• फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 7 विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र आयोजित किए हैं। निम्नलिखित विषय विशेषज्ञों एनई विभिन्न विषयों पर छात्रों के साथ बातचीत की: डॉ. एस गोपालकृष्णन, सुश्री हेमा मनु आनंद, श्री वी.एस. कुमार, सुश्री वेदवल्ली वासन, सुश्री पूजाजीत, सीए वी, श्रीरामन।

• फाउंडेशन कार्यक्रम विभाग ने निम्नलिखित उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित करके 15 विशेष व्याख्यान और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए: डॉ. जोनास रिचर्ड, डॉ एस कुमरावेल, श्री संतोष राज, सुश्री श्रुति हरि, सुश्री शिल्पा मीठा, सुश्री ऐश्वर्या मणिवन्नन, श्री राम केशव, श्री आर चंद्रशेखर, श्रीअनिरुद्ध, सुश्रीविशा रुहेला, सुश्री श्रीषा एसआई, श्री टी प्रवीण राज, श्री चंद्रू दुरिराज और श्री जी मणिकाभारती।

उद्योग संपर्क (दौरे और छात्र इंटर्नशिप)

• निफ्ट चेन्नई ने चेन्नई और उसके आसपास 50 से अधिक यात्राओं का आयोजन किया और विभिन्न उद्योगों के साथ एक दृढ़ नेटवर्क स्थापित किया, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण नाम हैं: एवोल्व क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, मैसर्स विया डायसन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, मैसर्स मंत्र, केरल, मैसर्स श्रीजीत जीवन द्वारा रौका, कोच्चि, केरल, मैसर्स रेनिका, चेन्नई, मैसर्स 1108 बेस्पोक, बेंगलुरू, मैसर्स 335, नई दिल्ली, मैसर्स गेट्ज्ब संग्रह, चेन्नई, मैसर्स अम्बत्तूर क्लॉथिंग लिमिटेड, चेन्नई, मैसर्स बोट सॉन्ग, कोट्टायम, केरल, मैसर्स इंडीजीन, नई दिल्ली, मैसर्स एजीओ (रिलायंस रिटेल लिमिटेड) बैंगलुरु, मैसर्स वीएफ ब्रांड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, मैसर्स सेलिब्रिटी फैशन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, मैसर्स मॉन्टेज, चेन्नई, मैसर्स जोड़ी, पुणे, मैसर्स तमसाक प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स एस फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मैसर्स अमॉर्टेला, चेन्नई, मैसर्स अरुणी, नई दिल्ली, मैसर्स मेहर संस जवेलर्स, फ्लिंटो बॉक्स, एकेएफडी स्टूडियो, पल्लविफॉले, फिल्क मर्चेंडाइजिंग, स्टूडियो एबोनी, यूनिक क्रीयेशन्स, सनशाइन बाउलवार्ड, विश्व और देवजी (जीईएम माउंट), मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल (आदित्य बिड़ला ग्रुप), टीआई साइकल ऑफ इंडिया।

• छात्रों को वर्ष 2018 के दौरान 12 सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप करने हेतु भारत और विदेश के विभिन्न उद्योगों में भेजा गया था, जिसमें एमएफटी के दो छात्रों (श्री कपिल कुमार सिंघल और श्री जावद खान) को क्लासिक फैशन लिमिटेड, जॉर्डन में परिधान इंटर्नशिप का अवसर मिला है।

सुश्री राधिका सिंह, बीएफटी सेमेस्टर- VI (2015-19 बैच) एन्सिट, फ्रांस में ट्विनिंग कार्यक्रम में भाग लिया। बीएफटी सेमेस्टर- IV (2017-21 बैच) की सुश्री खीरथाना आर और सुश्री स्मृति गणेशन को नीदरलैंड्स के सक्सेशन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस में ट्विनिंग प्रोग्राम करने के लिए चुना गया है।

• एफपी डिजाइन के छात्रों ने कलाक्षेत्र फाउंडेशन, चेन्नई; दक्षिण चित्रा, चेन्नई; सरकारी संग्रहालय, एग्मोर; फोर्ट, सेंट जॉर्ज संग्रहालय, चेन्नई; महाबलीपुरम में संरक्षित किए गए स्मारकों की स्पॉट स्केचिंग और इंडो कोरियन सेंटर (इनको सेंटर) द्वारा आयोजित एक पेपर क्राफ्ट प्रदर्शनी, कला अकादमी, चेन्नई में विभिन्न विषयों के लिए "हांजी अनूदित / वार्ता" का दौरा किया।

• एफपी-प्रौद्योगिकी के छात्रों ने सरकारी संग्रहालय, एग्मोर; फोर्ट सेंट जॉर्ज संग्रहालय, चेन्नई का दौरा किया। इसके अलावा, उन्हें विषय सामग्री अन्वेषण और कार्यशाला प्रौद्योगिकी के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनरी के बारे में जानने के लिए विभिन्न स्थानीय खुदरा स्टोरों (हार्डवेयर, धातु, बेकर्स और अन्य) पर ले जाया गया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

निफ्ट चेन्नई द्वारा परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निम्नलिखित पहल की गई हैं:

• छात्रावास में सौर जल तापक (हीटर)

• निफ्ट परिसर की चारदीवारी (बाउंड्री वाल) पर सोलर लाइट

• अपशिष्ट जल रीसाइक्लिंग

• अपशिष्ट प्रबंधन "वेल्थ आउट ऑफ वेस्ट" परिसर में कला प्रतिष्ठान स्क्रैप अपशिष्ट उपचार संयंत्र (ईटीपी) से बना है

• सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)

• कैंटीन और अन्य सेवा क्षेत्रों के लिए स्टील प्लेटों, चम्मचों, टंबलर के उपयोग को प्रोत्साहित करना।

• सभी सेमेस्टर ब्रेक के दौरान कक्षाओं और प्रयोगशालाओं का रखरखाव नियमित रूप से किया जाता है।

• समय-समय पर मरम्मत / रखरखाव के कार्य किए जाएंगे।

• विभागों का रखरखाव / सफाई कर्मचारी सदस्यों के बीच टीम-निर्माण की एक विधि है।

अनुसंधान और परियोजनाओं में स्थिरता पहलू

• इंटर्नशिप, पीएचडी शोध कार्य, स्नातक परियोजनाएं, डिजाइन संग्रह आदि शामिल हैं।

गांधीनगर

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

• सुश्री पूजा सिंह, एफडी-VI विजेता मिस गुजरात (मॉडल खोज प्रतियोगिता) - 2018; सनी ओआई (चीन), बैंकॉक, थाईलैंड द्वारा आयोजित मिस एशियन इंटरनेशनल 2019 की विजेता; वडोदरा -2018 (मॉडलिंग) फैशन शो में रिया सुबोध (अर्पित ट्रांसक्यूब प्लाजा) के साथ; डिका संस्थान प्रस्तुति (मॉडलिंग) 2018 की विजेता।

• सुश्री रुक्मणी, एडी-VIII की छात्रा, रिवाइविंग इंडियन क्राफ्ट, डिजाइन, प्रतियोगिता, 2018 कैरेटलेन, मुंबई में प्रथम।

• श्री आशीष कुमार, एडी-IV के छात्र, रिवाइविंग इंडियन क्राफ्ट, डिजाइन, प्रतियोगिता, 2018 कैरेटलेन, मुंबई में द्वितीय

• सुश्री सिफ्रा नवागांवकर, एफडी-VI बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी प्रतियोगिता-अंतर्राष्ट्रीय युवा डिजाइन प्रतियोगिता-2018 का फाइनलिस्ट

• सुश्री स्नेही पोद्दार, एफडी-VIII, वूल मार्क कंपनी प्रतिभागी, दिसंबर 2018

• श्री सुधांशु सोमवंशी और श्री अंशु कुमार (2014-2018), उषा इंटरनेशनल द्वारा आयोजित सर्वश्रेष्ठ निर्माण पुरस्कार।

• सुश्री सागरिका मुखर्जी, एफसी-VIII ने जीएनएलयू के जस्टिस लीग थ्रो बॉल में स्वर्ण पदक जीता और आईआईएम अहमदाबाद के इवेंट शौर्य में थ्रो बॉल और बास्केटबॉल में भी स्वर्ण पदक जीता; खेल महाकुंभ में बास्केटबॉल में जिला स्तर का स्वर्ण जीता।

• सुश्री निहारिका श्रीवास्तव, एफसी-VI ने डीएआईआईसीटी में इम्पल्स, 2019 में म्यूजिकल बैंड प्रदर्शन में प्रथम पुरस्कार जीता।

• सुश्री शांभवी पांडे, एफसी-VI ने आईआईएम अहमदाबाद में थ्रो बॉल और बास्केटबॉल में स्वर्ण पुरस्कार जीता; जस्टिस लीग (जीएनएलयू) में थ्रो बॉल में स्वर्ण पदक जीता; पीडीपीयू में पेट्रो कप में बास्केटबॉल में रजत पदक जीता।

• सुश्री वरन्या ठाकोर, एफसी- IV ने डीएआईआईसीटी में सिनैप्स इवेंट में बैटल ऑफ बैंड में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार जीता।

• सुश्री नेहा कोल्टे, एफसी -IV ने सिनैप्स (डीएआईआईसीटी), यूआईडी और शौर्य आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पुरस्कार जीता; जस्टिस लीग (जीएनएलयू) में रजत जीता; डीएआईआईसीटी में समूह नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीता।

• सुश्री अनुष्का चौहान, एफसी- IV ने निरमा विश्वविद्यालय में मेलेन्ज फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता।

• सामाजिक क्लब ने 3 सप्ताह के केरल बाढ़ राहत दान शिविर का आयोजन किया और मुख्यमंत्री राहत कोष में उदारतापूर्वक योगदान दिया।

• 23 अक्टूबर, 2019 को रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से निफ्ट परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था।

• सरदार वल्लभाई पटेल के सम्मान में 31 अक्टूबर, 2018 को 4 किमी 'यूनिटी रन' का आयोजन किया गया था।

• कंवर्ज - 2018 स्पोर्ट्स क्लब के लिए सफल रहा क्योंकि इस बार निफ्ट गांधीनगर ने तीन स्वर्ण पदक सहित अधिकतम पदक हासिल किए।

• स्पेक्ट्रम- 2019 फरवरी 16-17, 2019 तक 'सस्टेनेबिलिटी' के विषय पर आयोजित किया गया था, जिसमें अपशिष्ट पदार्थों को पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करके सभी सजावट की गई थी।

• श्री अंकुर मखीजा, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने चार डीएफटी

छात्रों को परिधान निर्माण और उत्पादकता सुधार के क्षेत्र में पेटेंट दाखिल करने में सहायता की।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

गांधीनगर कैंपस को 6 एकड़ भूमि में कला भवन, शैक्षणिक, प्रशासन क्षेत्र, छात्र गतिविधि केंद्र, ऑडिटोरियम, कैंटीन, गर्ल्स हॉस्टल और टाइप-I क्वार्टर के साथ स्थापित किया गया है। भवन दिव्यांग जनों के लिए सुकर है और अलग-अलग पौधों और पेड़ों से युक्त चारों ओर हरित क्षेत्र है। शैक्षणिक भवन के सभी स्टूडियो और प्रयोगशाला नवीनतम शिक्षण सहायक उपकरण, मशीनरी और उपकरण से सुसज्जित हैं। एक शैक्षणिक भवन जिसमें कुल 07 पेशेवर कार्यक्रमों की पेशकश के लिए कुल 24 स्टूडियो और 17 लैब हैं। सभी विभागों जैसे आईटी प्रयोगशाला, जीसी प्रयोगशाला, पीएम प्रयोगशाला, जेमोलॉजी लैब, डाइंग और प्रिंटिंग लैब, वीएम लैब, फोटोग्राफी लैब आदि पूरी तरह से अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों से लैस हैं। डीएफटी विभाग की कक्षाएं इंटरैक्टिव बोर्डों से सुसज्जित हैं।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम

निफ्ट गांधीनगर कैंपस द्वारा शाम के सतत शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश की जाती है।

- परिधान उद्योग में फैशन इंटीग्रेशन (एफआईएआई) गांधीनगर और सूरत उप केंद्र में पेश किया गया
- गांधीनगर परिसर में परिधान उत्पादन प्रौद्योगिकी और परिधान डिजाइन (जीपीटीएडी) की पेशकश की गई।

परियोजनाएं

- सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, टीडी, निफ्ट चेन्नई एनएमईआईसीटी परियोजना के तहत ई-कोर्स सामग्री विकसित करने के लिए एक विषय वस्तु विशेषज्ञ के रूप में काम कर रही है।
- थीम मंडप, सितंबर 2018 में सिंथेटिक और रेयन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एसआरटीईपीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया। इसमें श्री विशाल गुप्ता, श्री अनुपम राणा, श्री रणजीत कुमार, सुश्री पंचमी मिस्त्री, सुश्री सुमिता अग्रवाल और सुश्री कल्पना काबरा संकाय शामिल रहे।
- वर्क क्लॉथ डिजाइन के लिए परियोजना - एचपीसीएल द्वारा प्रायोजित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए प्रबंधन और मौलवी परियोजना।
- प्रो. डॉ. वंदिता सेठ और श्री श्रीनिवास के आर: आईसीडीएस, आंगनवाड़ी श्रमिकों और सहायकों, गुजरात सरकार के लिए संस्थागत वर्दी
- प्रो. डॉ. वंदिता सेठ और श्री श्रीनिवास के आर: अश्वाली वर्कर्स जीएमएससीएल (गुजरात मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के लिए संस्थागत परिधान ।
- श्री विशाल गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी, गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प निगम लिमिटेड के लिए "गुजरात के प्रतिष्ठित कपड़ा शिल्प" पर पुस्तक का लेखन और संपादन।
- डॉ जपजी कौर कोहली, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी और श्री अमित फोगट, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, महिलाओं के कौशल उन्नयन पर परियोजना- सिलाई कार्यशाला, इंडेक्स्ट-सी।
- श्री निलेश सिधपुरा, सहायक प्रोफेसर, टीडी, श्री रवि जोशी, सहायक प्रोफेसर, एफडी, डॉ कृति ढोलकिया, सहायक प्रोफेसर, एफडी, बौघ से ब्लॉक प्रिंटिंग के शिल्प के साथ उत्पाद विविधीकरण, उज्जैन से बाटिक, जोबट से दरी बुनाई, और रिसिस्ट छपाई नीमच - मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम।
- श्री विशाल गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, और श्री भरत जैन, सहायक प्रोफेसर, एफडी: पुरुष और महिला टूर गाइड के लिए वर्दी का डिजाइन, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी - टीसीजीएल, पर्यटन निगम लिमिटेड।
- सोमनाथ ट्रस्ट- प्रभास पाटन के पुजारियों की पोशाक का डिजाइन और विकास परियोजना। संकाय में डॉ प्रो. वंदिता सेठ, श्री के आर श्रीनिवास, श्री मनीष भार्गव और श्री रवि जोशी शामिल रहे।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

- वजीर सलाहकार प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो, 2019 के दौरान आयोजित एप्टेक प्रतियोगिता के लिए सुश्री पूर्वा नागी और सुश्री त्रिदीब पाल का चयन किया गया।
- सुश्री हिमानी चौहा, एफसी-VIII ने आईआईएम अहमदाबाद के केयोस, डीएआईआईसीटी साइनेप्स और पंडित दीन दयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी के मेले में एक समूह नृत्य में भाग लिया।
- सुश्री नंदिनी लौगनी, एफसी-VI ने फरवरी 2019 में डीएआईआईसीटी साइनेप्स में मैच की अवधारणा के साथ बैज बेचने के लिए एक स्टाल स्थापित किया।
- सुश्री नंदिनी लौगनी, एफसी-VI ने आंध्र प्रदेश सरकार के खेल संघ के लिए एक लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया।
- सुश्री प्रियांशी प्रियदर्शनी, एफसी-VI ने पीडीपीयू फेस्ट 2018 में स्टोन आर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया।
- सुश्री साक्षी गोयल और श्री मयंक त्यागी, एफसी-VI ने जीएचएलयू नुक्कड नाटक में भाग लिया।
- सुश्री वरनेया ठाकोर, एफसी-IV ने सेंट जेवियर्स अहमदाबाद में रेड बुल स्ट्रीट फुटबॉल में भाग लिया।
- सुश्री अनुष्का चौहान, एफसी-IV ने आईआईएम अहमदाबाद के केयोस में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और मिस क्लाइमेट 2018 में भाग लिया।
- एमएफएम-IV की शिवानी अग्रवाल और पुष्पेंद्र भारती ने अहमदाबाद सेंट्रल स्टोर द्वारा आयोजित 'सिग्नेचर स्टाइलिंग प्रतियोगिता 2018' भाग लिया और जीती।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

- एफडी - डिजाइन संग्रह शो, 26 मई, 2018

निफ्ट के फैशन डिजाइन विभाग ने 26 मई, 2018 को स्नातक बैच 2014-18 के 55 छात्रों के डिजाइन संग्रह प्रदर्शन को प्रदर्शित किया।

- एफ एंड एलए - एफएसीईटीएस 2018, 25 मई 2018

प्रायोजन उद्योग: 26 उद्योग स्नातक परियोजना 2018 के लिए

परियोजना 2018

उद्योग का नाम: प्रायोरिटी ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड, आनन तैयादोरे, टाइटन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सनजवेल्स प्राइवेट लिमिटेड, ब्लूस्टोन, फैब ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड, गंजाम, सितार ज्वैलरी प्राइवेट लिमिटेड, हाउस ऑफ हेरलूम, हरि कृष्णा प्राइवेट लिमिटेड, बिर्धीचंद घनश्यामदास, यूनी डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, एमबीएमजी डायमंड्स प्राइवेट लिमिटेड, साहिलसार्थक डिजाइन कंपनी, वॉयला फैशन प्राइवेट लिमिटेड, सीतारा ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड, अर्बन कानपुर, गोल्ड स्टार फाइन डायमंड, वज्र ज्वेल्स, वीजीएल, एस्टार ज्वैलरी प्राइवेट लिमिटेड आदि।

• टीडी - तंतु

छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी स्नातक परियोजना एवरन, उदयपुर; अरविंद मिल्स, अवनी, कुमाऊँ; भारत सिल्क्स, बेंगलुरु; बिबा, नई दिल्ली; क्राफ्ट बोट, जयपुर; इंडिया सर्कस, मुंबई; जयपोरे ई-कॉमर्स, नई दिल्ली; लैंडमार्क ग्रुप-मैक्स रिटेल डिवीजन, बेंगलुरु; मधुसूदन रेन्स प्राइवेट लिमिटेड, सूरत; माधना, मुंबई; मृदुल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा; रघुवीर एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद; रतन टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर; राटरिया एक्सपोर्ट्स, नोएडा; रेमंड, मुंबई; साशा एसोसिएशन फॉर क्राफ्ट प्रोड्यूसर, कोलकाता; सेवा व्यापार सुविधा केंद्र, अहमदाबाद; शिंगोरा टेक्सटाइल लिमिटेड, लुधियाना; टैक्सी फैब्रिक, मुंबई; व्रज भूमि, अहमदाबाद; बुनकर स्टूडियो, कोलकाता जैसे प्रतिष्ठित उद्योगों के साथ पूरा किया।

• एफसी - एफसीवाईएमके

छात्रों ने अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड लिमिटेड, फ्यूचर ग्रुप, आवरन जयपुर, नो नेस्टीज गोवा, ओगिल्वी एंड माथेर, मींतरा डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, ध्रुव कपूर गुड़गांव, प्यूर घी दिल्ली, अर्बन क्लैप, वोग इंडिया, तरुण तेहलानी के साथ ताहिली डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, मनीष अरोड़ा के साथ श्री क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड, पैंटालूंस इंडिया, जयपोरे, जेड ब्लू लिमिटेड अहमदाबाद और अन्य के साथ अपनी स्नातक की परियोजनाएं शुरू की। तीन छात्रों लीना जैन, शिमोना बागड़ी और श्रुति सिकदर को स्नातक परियोजनाओं में उनके विशिष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

• बीएफटी - टेक्नोवा एवं एमएफटी - टेक्नोटाक

बैच के अनुसंधान परियोजनाओं का प्रमुख क्षेत्र तकनीकी पहलुओं के साथ अभिनव परिधान उत्पाद विकास पर रहा जैसे 'सिलाई मशीन के लिए प्रोटोटाइप उत्पाद विकास अनुलग्नक; 'उत्पादकता और दक्षता में सुधार'; 'प्रक्रिया अनुकूलन कट टू पैक'; 'गुणवत्ता प्रणाली कार्यान्वयन'; 'मशीन नियंत्रण और दक्षता में सुधार के लिए सॉफ्टवेयर समाधान'; ष्उत्पाद विकास के लिए तकनीकी प्रक्रिया में सुधार'; 'फैब्रिक की गुणवत्ता स्ट्रीमलाइन करना'; 'पुन: प्रयोज्य और पारिस्थितिकीय उत्पाद का विकास' और 'गुणवत्ता में स्ट्रीमलाइन ट्रैकिंग / रिपोर्टिंग प्रक्रिया प्रणाली' आदि। अनुसंधान परियोजनाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने माने परिधान निर्यात हाउस / उद्योग, खुदरा उद्योग जैसे - मदुरा वस्त्र, अरविंद मेरीटल डिवीजन, रेमंड का एमटीएम, मैक्स लाइफस्टाइल लैंडमार्क ग्रुप, यूटीएएच फैशन लिमिटेड, बांग्लादेश; शाही एक्सपोर्ट, अरविंद निटवियर डिवीजन, राधनिक एक्सपोर्ट आदि के साथ की गई हैं।

• एफएमएस - आकांक्षाएं - 2018, 24 मई, 2018

सुश्री कृतिका तहिलियानी ने रेमंड लिमिटेड में अपनी स्नातक परियोजना 'रेमंड रेडी-टू-वियर के लिए बिक्री और श्रेणी के प्रदर्शन विश्लेषण पर शुरू की और मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ परियोजना से सम्मानित किया गया।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

• टेक्सटाइल डिजाइन प्रोजेक्ट के सातवें सेमेस्टर के क्राफ्ट डिजाइन प्रोजेक्ट (सीडीपी) के छात्रों ने दरी बनाने वाले कारीगरों को विदेशों से नए ऑर्डर लाने में सक्षम बनाया।

• टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों और कारीगरों के सहयोगात्मक प्रयासों ने सीडीपी के तहत आरी शिल्प में उत्पाद विकास में अशुद्ध चर्म के उपयोग की शुरुआत की।

• टेक्सटाइल डिजाइन प्रोजेक्ट 2018 के तहत टेक्सटाइल डिजाइन छात्रों ने कपास के उपयोग की शुरुआत की और पाटन के मशरू फैब्रिक की बुनाई में इकत को शामिल किया।

• सुरेन्द्रनगर के इकत बुनाई में, टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों ने एकल इकत में स्टोल के लिए सह-विकसित अवांट-गार्डे डिजाइन तैयार किए।

• सेमेस्टर V के टेक्सटाइल डिजाइन छात्रों ने कला कपास बनाने और बुनाई के अनूठे शिल्प का दस्तावेजीकरण किया।

• कारी-बालूभाई चितारा और सुमन चितारा द्वारा माता-नी-पछेड़ी पर कार्यशाला का संचालन किया गया था।

• मार्च 2019 में एक्सेसरी डिजाइन के छात्रों के लिए शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला और कारीगर जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की गई

• मास्टर कारीगरों द्वारा एफसी IV और VI सेमेस्टर के छात्रों के साथ कठपुतली, टेराकोटा, माता-नी- पछेड़ी, ब्लॉक-प्रिंटिंग, बेंत और मीनाकारी की शिल्प जागरूकता कार्यशाला अप्रैल 2018 में आयोजित की गई थी।

पीएचडी आरंभ और पूरा किया

11 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 10 संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• डॉ. जागृति मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस और सुश्री वसुंधरा चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी ने 'क्रॉस - स्टिच एपेरल्स: दी फर्स्ट जेनरेशन एंटरप्रेन्योर का प्रयास' शीर्षक से एक केस लिखा है, जो 2018 में प्रागुन पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित केस ऑफ हैंडबुक ऑफ फैशन रिटेल एंड मैनेजमेंट में प्रकाशित हुआ था।

• डॉ हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस और डॉ प्रीति गढ़वी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस द्वारा लिखा गया एक केस 'अनुभव के माध्यम से युवा उपभोक्ताओं के उत्पाद के लगाव शीर्षक केस का अध्ययन': ए केस ऑफ 'फैबइंडिया', केस स्टडी को नवंबर 2018 में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन, एआईएमए केस सेंटर जर्नल में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस और डॉ प्रीति गढ़वी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस द्वारा लिखे गए शोध पत्र का शीर्षक दी अनबॉक्सिंग एक्सपीरियंस: वॉट डू कस्टमर्स एक्सपेक्ट बियोंड दी कोर प्रोडक्ट – ऑनलाइन रिटेल में फैशन उत्पाद पैकेजिंग का एक अध्ययन।

• श्री भास्कर बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, एफएमएस ने 17 मार्च 2018 को जीसीईएमपी 2के18 पर 'ए स्टडी ऑन द क्राउडिंग इफैक्ट्स दी कस्टमर्स ऑफ इबोस' को जांचने के लिए एक अध्ययन प्रस्तुत किया है।

• डॉ हरलीन साहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस और सुश्री नूपुर चोपड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर, डीएफटी ने 'रिकौपिंग इकोम्पिक्ट्स एंड ईटेंडेसिंग कंसर्न्स-ए केस ऑफ टेक्सटाइल अपसाइक्लिंग इन गीतांजलि वूलेंस शीर्षक के साथ एक केस इंडिया केस रिसर्च सेंटर, एआईएमए द्वारा प्रकाशित किया गया है और यह https: // www-caseresearchaima पर केस-सूची में उपलब्ध है।

• डॉ हरलीन साहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस और सुश्री नूपुर चोपड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर, डीएफटी ने "को- क्रियटिंग बिजनेस बिहेवियर डिसरप्शन फॉर इन्स्टीच्युटिंग क्लोज्ड लूप प्रोसेसिंग एज मेनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग टेक्निक इन क्लोथिंग बिजनेस" शीर्षक से एक पेपर का सह-लेखन किया। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा 6-7 दिसंबर, 2018 को अकादमिक सम्मेलन 'एज ऑफ डिसरप्शन: फ्यूचर ऑफ ऑर्गनाइजेशन: प्रबंधन में पत्र प्रस्तुत किया गया था।'

• डॉ हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस और सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने "गीतांजलि वूलेंस प्राइवेट लिमिटेड": स्थिरता के लिए जीवनयापन की खोज नामक पुस्तक अध्याय का सह-लेखन किया। एशिया में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी में "ग्रीन बिहेवियर" नामक पुस्तक में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया। प्रकाशक: एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड (रिलीज की तारीख: 30 मई, 2019) ।

• डॉ हरलीन साहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस और डॉ प्रीति गढ़वी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस के सह-लेखक बुक चौप्टर का शीर्षक "इंडियन इन डिजाइन, ग्लोबल इन प्रेजेंस – क्राफ्टिंग कस्टमर एक्सपीरियंस: ए स्टडी ऑफ फैबइंडिया एंड अनोखी" मोनोग्राफ बुक में प्रकाशित, शीर्षक उभरते देशों में वैश्विक व्यापार अनुसंधान में समकालीन मुद्दे (पीपी- 150-163) 2017. मैकग्रा हिल एजुकेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (2018 में जारी)।

• राज पब्लिशिंग हाउस, राजस्थान द्वारा 2018 में प्रकाशित पुस्तक 'कला, शिल्प और शिल्पकार' में 'अश्वाली ब्रोकेड्स: ए वोवेन हेरिटेज ऑफ गुजरात' नामक अध्याय।

संकाय अभिविन्यास, प्रशिक्षण और विकास

i. संकाय प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• डॉ हरलीन साहनी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस 4-8 मार्च, 2019 से निफ्ट कोलकाता में न्यूरो मार्केटिंग में एक टीओटी में शामिल हुए।

• एफएमएस, एफ एवं एलए, एफडी, एफसी, टीडी और डीएफटी के संकाय सदस्यों ने दिसंबर 2018 में महाबलीपुरम में यूनिवर्सल ट्रेनिंग में भाग लिया।

• एफ एंड एलए, एफडी, एफसी और टीडी के संकाय सदस्यों ने जून 2018 में हैदराबाद में फैकल्टी कॉन्क्लेव में भाग लिया।

• एफएमएस और डीएफटी के संकाय सदस्यों ने जुलाई 2018 में बेंगलुरु में फैकल्टी कॉन्क्लेव में भाग लिया।

• एफ एंड एलए विभाग गांधीनगर ने 18-20 जुलाई, 2018 के दौरान आभूषणों के बेसिक पर टीओटी का आयोजन किया था, जिसमें निफ्ट परिसरों के 11 प्रतिभागियों ने टीओटी में भाग लिया था।

• श्री अभिषेक शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 23-27 जुलाई, 2018 को दिल्ली में प्रोफेसर डॉ. शालिनी सूद द्वारा आयोजित दूसरी छमाही में 'रुझान विश्लेषण' पर टीओटी में भाग लिया और 'कोर डिजाइन पेडागोजी और फ्यूचर ट्रेंड्स' पर कार्यशाला में भाग लिया। यह दिल्ली में (23-27 जुलाई, 2018) को प्रो. एलन मरे, फालमाउथ विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आयोजित किया गया।

• एफडी और एफए एवं एलए विभाग के संकाय ने जनवरी 2019 में निफ्ट हेड ऑफिस में पाठ्यक्रम लेखन कार्यशाला में भाग लिया।

• निफ्ट नई दिल्ली में 3-5 अप्रैल, 2018 तक क्यूर के लिए फैकल्टी कॉन्क्लेव में सभी एफ एंड एलए संकाय द्वारा भाग लिया गया था।

• प्रोफेसर डॉ. अमर तिवारी, डीएफटी, डॉ हीर व्यास, सहायक प्रोफेसर, एफसी और डॉ कृति ढोलकिया, सहायक प्रोफेसर, एफडी, 3-4 दिसंबर, 2018 को निफ्ट-दिल्ली में पीएचडी पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

• 19 फरवरी 2018 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निफ्ट रिसर्च एथिक्स कमेटी (एनईआरसी) के प्रशिक्षण में सहायक प्रोफेसर, कृति ढोलकिया ने भाग लिया।

• लक्जरी – पहचान, ब्रांडिंग और स्थिति – 9 से 13 जुलाई, 2018, प्रो. डॉ. वंदिता सेठ और श्री भरत जैन, सहायक प्रोफेसर, एफडी।

• सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने 3-6 जुलाई, 2018 के दौरान टीओटी में डिजाइन प्रक्रिया, 16-18 जुलाई, 2018 के दौरान डिजिटल डिजाइन और संचार पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री असित भट्ट, एसोसिएट प्रोफेसर, एफसी ने जुलाई 2018 में निफ्ट दिल्ली में डिजाइन मौलिक पर एक संकाय प्रशिक्षण आयोजित किया।

• डॉ हिर पी व्यास, सहायक प्रोफेसर, एफसी जुलाई 2018 में निफ्ट दिल्ली में एलन मरे द्वारा प्रशिक्षण में भाग लिया; मार्च, 2019 में कौस्तुव सेनगुप्ता द्वारा सामाजिक डिजाइन का परिचय प्रशिक्षण में भाग लिया ।

• प्रो. डॉ. अमर तिवारी, डीएफटी, ने 23-28 जुलाई, 2018 तक आईआईएम बेंगलुरु में बिग डेटा और बिजनेस एनालिटिक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम; फैकल्टी एडवांस फास्ट ट्रैक्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम फरवरी 19-23, 2018, निफ्ट बेंगलुरु में भाग लिया।

• प्रोफेसर डॉ. अमर तिवारी, डीएफटी, 3-5 अप्रैल, 2018 तक नई दिल्ली में क्यूर बैठक में शामिल हुए।

• सुश्री आरती सोलंकी, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी, ने टेक्सटाइल कॉन्क्लेव में भाग लिया - 20 जनवरी, 2019 को गुजरात वाइब्रेंट समिट के दौरान न्यू इंडिया के निर्माण के लिए टेक्सटाइल के ग्रोथ पोटेंशियल की खोज; 22 सितंबर, 2019 को एएमए अहमदाबाद में लघु-मध्यम उद्यम में महिला उद्यमिता पर संगोष्ठी।

• सुश्री अमीषा मेहता, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी, ने 8-13 अगस्त, 2018 को बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के परिचय में भाग लिया; 1-7 जनवरी, 2019 से डाटाकैंप.कॉम पर पायथन प्रो.ग्रामिंग ट्रैक; 15-30 जनवरी, 2019 से डाटाकैंप.कॉम पर पायथन के साथ मशीन लर्निंग; 4-8 फरवरी, 2019 से ईडीआई गांधीनगर में एफडीपी - छात्र नवाचार और स्टार्ट-अप।

• सुश्री इतिश्री बी राजपूत, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने 3-5 अक्टूबर, 2018 को अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल इंस्टीट्यूट में एर्गोनॉमिक्स में एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन पर 3 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री अंकुर मखीजा, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, ने 22-25 फरवरी, 2019 के दौरान दिल्ली में जीटीई 2019 कार्यक्रम में भाग लिया; 28-30 जनवरी, 2019 के दौरान राष्ट्रीय आईपीआर नीति पर कार्यशाला; 11-12 जनवरी, 2019 के दौरान इंडो-जेनमल टूल रूम, अहमदाबाद द्वारा संचालित रोबोटिक्स पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम; 26-27 अक्टूबर, 2018 के दौरान इंडो-जेनमल टूल रूम, अहमदाबाद द्वारा आयोजित लीन मैन्युफैक्चरिंग पर 2 दिवसीय संगोष्ठी।

• श्री अमित कुमार फोगट, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, टेक्सटाइल कॉन्क्लेव में शामिल हुए - वाइब्रेंट गुजरात समिट के दौरान 20 जनवरी, 2019 को बिल्डिंग न्यू इंडिया के लिए टेक्सटाइल के ग्रोथ पोटेंशियल की खोज; फरवरी 22-25, 2019 के दौरान दिल्ली में जीटीई 2019 कार्यक्रम में भाग लिया।

ii शिक्षक उद्योग संबंध

• डॉ जागृति मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफएमएस ने सोशल मेडियल मार्केटिंग पर 7-20 जून, 2018 से मेडिटिज सॉल्यूशंस से फैकल्टी उद्योग संलग्नक पूरा किया।

• डॉ हिर पी व्यास, सहायक प्रोफेसर, एफसी, ने छपाई और बाध्यकारी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रिंट विजन लिमिटेड में जून 2018 में संकाय उद्योग संलग्नक पूरा किया।

• सुश्री नूपुर चोपड़ा, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने जून 2015, जून 2018 से टेक्सवर्क्स के साथ अपने संकाय उद्योग के संलग्नक को पूरा किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों/ बैठकों में संकाय की भागीदारी

• डॉ प्रीति गढ़वी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस ने 'दी अनबॉक्सिंग एक्सपीरियंस: वॉट डू कस्टमर्स एक्सपेक्ट बियोंड दी कोर प्रोडक्ट" ऑनलाइन रिटेल में फैशन उत्पाद पैकेजिंग का एक अध्ययन शीर्षक से अपना पेपर - 32 वें ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड अकादमी ऑफ मैनेजमेंट (एएनजेडएएम) सम्मेलन में मेस्से यूनिवर्सिटी, ऑकलैंड द्वारा 4-7 दिसंबर, 2018 के दौरान प्रस्तुत किया।

• खादी एक अंतर्राष्ट्रीय टिकाऊ फैब्रिक के रूप में: इसकी स्थिति, स्टेक होल्डर की भागीदारी और आगे की योजना पर एक अध्ययन, श्री भास्कर बैनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, एफएमएस द्वारा 9 दिसंबर, 2018 को सामाजिक विज्ञान और मानविकी में हालिया अनुसंधान और नवाचार पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।

• श्री अनुपम राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 14-15 फरवरी, 2019 की अवधि के लिए एनआईडी गांधीनगर में सामाजिक डिजाइन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। 31 अगस्त से 02 सितंबर, 2018 की अवधि के दौरान जयपुर में जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन शो का आयोजन किया।

• सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने 1-2 नवंबर, 2018 के दौरान एनआईडी, पालड़ी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "इनसाइट 2018" में भाग लिया; 25 जनवरी, 2019 को अहमदाबाद के कस्तूरभाई लालभाई संग्रहालय में उद्घाटन और अरविंद इंडिगो प्रदर्शनी में भाग लिया।

• डॉ ईतिश्री बी राजपूत, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, को एम. डेस छात्रों के साथ परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान लेने के लिए एनआईडी में आमंत्रित किया गया था।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• एक अग्रणी पोषण विशेषज्ञ सुश्री रुजुता दिवेकर ने 15 अक्टूबर, 2018 को "योग और ध्यान तकनीकों" पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

• श्री मनोज दुबे, श्रेणी प्रमुख (मेंस वियर) पैंटालून्स, एलुमनी, निफ्ट गांधीनगर, एमएफटी I और सेमेस्टर- III के छात्रों के साथ बातचीत की और रिटेलिंग में हाल के रुझानों के बारे में चर्चा की।

• श्री विक्रांत गंभीर, सहायक उपाध्यक्ष, जॉकी ग्रुप, बेंगलुरु और निफ्ट गांधीनगर के पूर्व छात्र ने एमएफटी II के छात्रों के साथ रिटेल प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की भूमिका और रिटेल में केपीआई के महत्व का अवलोकन किया।

• श्री चंदन चटर्जी, वरिष्ठ प्रोफेसर, ईडीआई, गांधीनगर और पूर्व निदेशक सीईईडी गांधीनगर ने भारत में कपड़ा और परिधान व्यापार के वर्तमान परिदृश्य के बारे में एमएफटी I के साथ बातचीत की।

• प्रो. पी. सी. पटेल, प्रोफेसर, एम.एस. विश्वविद्यालय, वडोदरा ने एमएफटी सेमेस्टर-I के छात्रों के साथ तकनीकी वस्त्रों पर एक सत्र लिया।

• श्री पद्मिन बुच, आईपीआर सलाहकार ने आईपीआर पर और एमएफटी I सेमेस्टर के साथ पेटेंट अवलोकन पर एक सत्र लिया।

• सुश्री संध्या अनंतानी, सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर और इमेज कंसल्टेंट, अहमदाबाद ने एमएफटी I सेमेस्टर के साथ व्यावसायिक शिष्टाचार पर एक सत्र लिया।

• श्री कमल डबवाला, प्रशिक्षण और विकास सलाहकार ने 'कैम्पस टू कॉर्पोरेट' विषय पर एमएफटी III छात्रों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री अर्चना शाह द्वारा एक विशेषज्ञ सत्र, बंधेज अक्टूबर 2018 में 'डिजाइन प्रबंधन और उद्यमिता' में किया गया था।

• श्री जालप लाखिया द्वारा विशेषज्ञ सत्र अक्टूबर, 2018 में ग्राफिक डिजाइन और पत्र फॉर्म में अंतर विषयक माइनर विषयों की बुनियादी बातों में ग्राफिक और प्रिंटिंग में आयोजित किए गए थे।

• सुश्री संगीता तोमर ने अक्टूबर, 2018 में डिस्प्ले और प्रेजेंटेशन डिजाइन में प्रदर्शन अनिवार्यताओं पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

• सुश्री मीता पारिख ने अक्टूबर, 2018 में स्पेस और भौतिकता, प्रोप डिजाइन में ग्लास पेंटिंग पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

• श्री रवि चौधरी ने सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए ग्राफिक डिजाइन और विजुअल मर्चेंडाइजिंग में अक्टूबर, 2018 में एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

• सुश्री पवन मेहता जोशी ने 2018 में सार्वजनिक संबंध में एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

• फैशन स्टाइलिंग में विशेषज्ञ सत्र श्री दिवाकर रावत द्वारा उत्पाद स्टाइल के भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

• प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी और प्रिंट प्रक्रिया की प्रगति में प्रकाशन डिजाइन के भाग के रूप में श्री फालित पंड्या द्वारा एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया था।

• 24 मई, 2018 को फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा 'प्रबंधन फैशन-दी डिजिटल वे' शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं की सूची इस प्रकार है:

- सुश्री सोनल तिवारी, बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, अमेजॅन - 'फैशन और जीवन शैली के लिए ई-कॉमर्स के वर्तमान रुझान, बाजार परिदृश्य और भविष्य'।
- श्री अंकित राज, उप क्रेता (परिधान), शॉपर स्टॉप, 'ओमनी - चौनल खुदरा बिक्री - एक सहज ग्राहक अनुभव'।
- सुश्री निमिषा सोनी, मालिक और संस्थापक, वार्डरोब निमिषा - 'एक फैशन स्टार्टअप दी डिजिटल वे का प्रबंधन'।
- डॉ मनीष गुप्ता, प्रोफेसर, डीएआईआईसीटी - 'कम्प्यूटेशनल फैशन की एक कहानी'।

• श्री विक्रांत जैन, इंडिया मार्केटिंग मैनेजर, दुर्विट इंडिया, 'फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रो.डक्ट्स के लिए इंटरनेट मार्केटिंग टूल्स का उपयोग'।

• सुश्री महाश्वेता शाह, इंडी की उप प्रमुख, एजीओ. कॉम (रिलायंस में ई-कॉमर्स) बेंगलुरु, कर्नाटक, भारत - 'रिप्लेटिंग दी ब्रिक एंड मोर्टार एक्सपिरियन्स ऑनलाइन'।

• शिल्प पर विशेषज्ञ सत्र श्री जलप लखिया उद्योग विशेषज्ञ द्वारा एडी IV और VI छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

• एडी VI के छात्रों के लिए श्री जलप लाखिया उद्योग विशेषज्ञ द्वारा विभाग इलेक्टिव यूजर इंटरफेस डिजाइन पर विशेषज्ञ सत्र

आयोजित किया गया था।

• ईडीएम-एफए फैशन एक्सेसरीज स्केचिंग एसेंशियल ऑन डिजिटल इलस्ट्रेशन पर विशेषज्ञ सत्र श्री संचित पटेल, डिजाइनर द्वारा एडी IV छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

• एडीएम छात्रों के लिए श्री अमित सिन्हा, मैनुअल चित्रण पर आईडीएम-एफए फैशन एसेसरीज स्केचिंग एसेंशियल पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए।

• सुश्री ऐनी मोरेल के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र का अयोजन दिनांक 18 अप्रैल, 2018 को किया गया। उन्होंने अपने वस्त्र कला कार्य के नमूने प्रदर्शित किए और भारतीय कढ़ाई तकनीकों के माध्यम से रचनात्मक सतहों को प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की।

• श्री दर्शन जोगी ने सेमेस्टर-V एफसी के छात्रों के लिए अगस्त 2018 में पेपर कार्यशाला और सुश्री सैंड्रा पटेल ने बाल और श्रृंगार कार्यशाला का आयोजन किया।

• सेमेस्टर III एफसी छात्रों के साथ अगस्त 2018 में सुलेख कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• श्री तेजस प्रजापति ने सेमेस्टर-V एफसी के छात्रों के लिए अगस्त 2018 को वीडियो संपादन कार्यशाला का आयोजन किया।

• लिनो और स्क्रीन प्रिंटिंग कार्यशालाओं का आयोजन एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा के प्रकाशन डिजाइन में संकाय श्री कश्यप पारिख और श्री सुनील दारजी द्वारा एफसी IV के लिए प्रकाशन ग्राफिक डिजाइन में किया गया था ।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• एमएफटी II के छात्रों ने फाइबर से कपड़े तक डेनिम की उत्पादन प्रक्रिया को समझने के लिए सितंबर 2018 में अरविंद डेनिम डिवीजन, नरोदा का दौरा किया।

• एमएफटी II के छात्रों ने अक्टूबर 2018 में कटिंग और सिलाई विभाग में असेंबली लाइनों को समझने के लिए तारसफे इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

• 21 छात्रों ने दिल्ली में आयोजित गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो 2019 और उद्योग यात्रा में भाग लिया और परिधान निर्माण उद्योग के लिए शुरू की गई नवीनतम तकनीकों के लिए एक करीबी एक्सपोजर प्राप्त किया। दिल्ली, एनसीआर, एफ्लाटस इंटरनेशनल, मानेसर, ओरिएंट फैशन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नीती क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड और सेंचुरी ओवरसीज का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान छात्रों ने आरएफआईडी और आईएनए सिस्टम जैसी तकनीकों के बड़े पैमाने पर अनुकूलन और दिल्ली, एनसीआर क्षेत्र की विभिन्न उत्पाद बास्केट को देखने के लिए किया।

• एमएफटी सेमेस्टर-II के लिए मार्च 2019 के दौरान पोलो फॉरेस्ट में एक दिवसीय आउटबाउंड प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में एक प्रमाणित सलाहकार द्वारा ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, मैनेजमेंट गेम आदि जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं।

• एमएफटी I के छात्रों ने वेलस्पन इंडिया लिमिटेड अंजार, रेमंड्स अमरावती, प्रतिभा सिंटेक्स इंदौर, बीवीएम अहमदाबाद, और अरविंद संतेज सहित उद्योग के विभिन्न अग्रणी कंपनियों में दिसंबर 2018 में अपनी 15 दिनों की शीतकालीन इंटर्नशिप पूरी की।

• आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नीती क्लोदिंग, गुड़गांव, सेंचुरी ओवरसीज नई दिल्ली, रेडनिक एक्सपोर्ट्स गुड़गांव और नोएडा, ऋचा ग्लोबल, गुड़गांव, रेमंड्स सिल्वर स्पार्क, बेंगलुरु ऐसी कंपनियां हैं जहां छात्रों ने अपनी तीन महीने की ग्रीष्म इंटर्नशिप पूरी की हैं।

• एफएमएस के छात्रों ने अहमदाबाद वन मॉल, अहमदाबाद (खुदरा यात्रा), अतिरा, अहमदाबाद, ब्लू बुद्ध, अहमदाबाद, अरविंद, सैंटीज यूनिट अहमदाबाद, वाइब्रेंट गुजरात समिट, सिंटेक्स ग्रुप, अहमदाबाद, एवीडीएटी अहमदाबाद, क्रॉस स्टिच और परिधान, नारोल अहमदाबाद, इंडिया फैशन फोरम, मुंबई, ओमनी चौनल प्लेयर्स जैसे जिवमे, पेपरफ्री, मुंबई, अरविंद प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद का दौरा किया।

• 7 सितंबर, 2018 को 'फॉर्म स्टडीज' विषय के तहत एडी III छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद का दौरा किया।

• 18 सितंबर, 2018 को "डिजाइनर के लिए सामग्री" विषय के तहत एडी III छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में इंडो जर्मन टूल रूम, वातवा जीआईडीसी, अहमदाबाद का दौरा किया।

• 3 अक्टूबर, 2018 को 'एप्लाइड एर्गोनॉमिक्स' विषय के तहत एडी V के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में आनंद वासो हथकरघा बुनकर और कपडवंज ग्लास फैक्ट्री का दौरा किया।

• 16 अक्टूबर, 2018 को "फॉर्म स्टडीज" विषय के तहत, एडी III छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में एनआईडी, अहमदाबाद का दौरा किया।

• 30 अगस्त से 2 सितंबर, 2018 की अवधि के लिए तकनीकी अध्ययन- II विषय के तहत जयपुर की औद्योगिक यात्रा।

• "निर्माण प्रक्रिया" विषय के तहत एडी IV छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में अहमदाबाद में वर्मोरा प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

• सेमेस्टर VI ने 7 फरवरी, 2019 को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में गर्वी गुर्जरी इंटरनेशनल बायर सेलर मीट -2019 का दौरा किया।

• 9 अक्टूबर, 2018 को एफडी III, फैब्रिक फंडामेंटल के लिए बीवीएम, कलोल में उद्योग का दौरा।

• 28 सितंबर, 2018 को एफडी VII-डीई - फैशन स्टाइलिंग स्टूडेंट्स के लिए अवदात, पिपलाज, अहमदाबाद में उद्योग दौरा।

• टेक्सटाइल डिवीजन / प्रीफैब एंड इंफ्रा डिवीजन सिंटेक्स ग्रुप, अहमदाबाद में एफडी III स्टूडेंट्स के लिए 25 सितंबर और 5 अक्टूबर, 2018 को उद्योग दौरा, गमथिवाला आश्रम रोड, एफडी VII छात्रों के लिए शिल्प उत्पाद विकास, सेमेस्टर VII के लिए उद्योग दौरा।

• अवदात परिधान, डेनिम गारमेंट यूनिट, पिपलाज, एफडी VII (डिपार्टमेंट इलेक्टिव) के सेमेस्टर-VII छात्रों के लिए 31 अगस्त और 7 सितंबर, 2018 को डेनिम वियर की उद्योग यात्रा ।

• एफडी III, स्थिरता और शिल्प अध्ययन, सेमेस्टर III के छात्र 4

और 11 सितंबर, 2018 को सारथी होटल के पास, "ओपशंस", अमलतास बंगलो के पास, बोदकदेव, अहमदाबाद के उद्योग दौरे पर गए।

• 5 से 9 अप्रैल, 2018 को एफडी IV छात्र सरफेस डिजाइन तकनीक-II, सेमेस्टर IV के लिए कोमल टैक्स फैब प्राइवेट लिमिटेड में उद्योग का दौरा।

• 10 मार्च, 2018 को बोधि, वडोदरा और शारदेवी ग्रामुयोग सोसाइटी, बीपीओ प्रोजेक्ट, सस्टेनेबिलिटी एंड क्राफ्ट स्टडीज, सेमेस्टर IV के लिए उद्योग का दौरा।

• गांधीनगर के महात्मा मंदिर में वाइब्रेंट गुजरात 2019 के दौरान टेक्सटाइल सम्मेलन।

• वस्त्र डिजाइन छात्रों ने एडबल्यूए द्वारा आयोजित निम्नलिखित कार्यशालाओं में भाग लिया: 18 जनवरी, 2019 को पर्यावरण शिक्षा के लिए केंद्र में ईके2: अनुज शर्मा द्वारा कोई टांके नहीं, जिगिशा पटेल उन्नु द्वारा अच्छा लगा; नम्रता मनोट, बायोम द्वारा स्वाभाविक रूप से डाई; नम्रता मनोट, बायोम द्वारा अपने वार्डरोब को अपसाइकल करें।

• फैशन संचार, सेमेस्टर-III के छात्रों ने आउटडोर फोटोग्राफी के हिस्से के रूप में इंदौरा पार्क, गांधीनगर और रविवारी, अहमदाबाद का दौरा किया। फैशन संचार, सेमेस्टर-III के छात्रों ने ओल्ड मैथड, अहमदाबाद में डिजाइन मैथडोलॉजी के भाग के रूप में दौरा किया।

• एफसी के चौथे सेमेस्टर के छात्रों ने जनवरी 2019 में जयपुर साहित्य उत्सव का दौरा किया।

• फैशन संचार, सेमेस्टर- V के छात्रों ने सिस्टम सोच के रूप में एसईवीए कैफे, विज्ञापन और परिचय के हिस्से के रूप में बिलबोर्ड बनाने को समझने के लिए चित्रा प्रकाशन, फैशन स्टाइलिंग के हिस्से के रूप में अवदत अपेरल्स, पिपलाज का दौरा किया।

• एफसी के सेमेस्टर VII के छात्रों ने ग्लास बोतल बनाने की इकाई ग्राफिक डिजाइन में पैकेजिंग कोर्स के हिस्से के रूप में नैक पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

• विभिन्न विभागों के छात्रों ने प्रदर्शन और प्रस्तुति डिजाइन के भाग के रूप में अल्फा वन मॉल, अहमदाबाद का दौरा किया।

• ग्राफिक डिजाइन की मूल बातों में मुद्रण को समझने के लिए विभिन्न विभागों के छात्रों ने आर्टो-प्रिंट का दौरा किया।

• छात्रों ने गहन विषय के रूप में एल. डी. कला संग्रहालय, दास्तान फार्म और श्रेयस संग्रहालय का दौरा किया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

• वृक्षारोपण:

अभिविन्यास कार्यक्रम 2018 के हिस्से के रूप में, छात्रों ने कैंपस की चारदिवारी के बाहर लगभग 100 पौधे लगाए हैं ताकि कैंपस को और अधिक आकर्षक बनाया जा सके और आसपास की जलवायु को स्वच्छ बनाया जा सके। यह आवश्यक अनुवर्ती के साथ परिसर में किया जाने वाला एक वार्षिक कार्य है।

• ऊर्जा दक्षता:

क) एनर्जी ऑडिट: गांधीनगर कैंपस ने एनर्जी ऑडिट के संचालन के लिए गुजरात एनर्जी रिसर्च एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (जेरमी) की स्थापना की है।

ख) नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग: निफ्ट गांधीनगर परिसर में 100 किलोवाट क्षमता की सौर ऊर्जा विद्युत प्रणाली की स्थापना का कार्य पूरा हो गया है। कैम्पस 100 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम होगा और गिर्ड से पावर आपूर्ति की खपत 10 लाख रुपये प्रति वर्ष तक कम हो जाएगी।

ग) परिसर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था और ऊर्जा संरक्षण के लिए 1000 से अधिक एलईडी लाइटें लगाई गईं।

घ) वर्षा जल संचयन: कैम्पस में 07 छिद्रित कुएं हैं, प्रत्येक की लगभग 50,000-लीटर क्षमता है जो वर्षा जल संचयन के माध्यम से भूजल के स्तर में सुधार करती है।

• अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और सफाई

i. कैंपस ने कंपोस्ट मशीन स्थापित की है जो प्रति दिन 100 किलोग्राम हरे कचरे को रिसाइकिल करती है और 40 किलो खाद उत्पन्न करती है। जिसका उपयोग पौधों और पेड़ों को हरा भरा बनाए रखने के लिए किया जाता है।

ii कन्या छात्रावास में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इन्कैन्टर लगाए गए हैं।

हैदराबाद

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

• डिजाइन फैकल्टी कॉन्क्लेव: निफ्ट पाठ्यक्रम पुनर्गठन (क्यूर) पर डिजाइन फैकल्टी कॉन्क्लेव निफ्ट हैदराबाद में 25-28 जून, 2018 से आयोजित किया गया था। इसमें 16 निफ्ट कैम्पस में सभी डिजाइन संकाय ने भाग लिया।

• निफ्ट हैदराबाद के सभी विभागों से चयनित छात्र, सुश्री यशस्वि आनंद, सहायक प्रोफेसर, टीडी विभाग के मार्गदर्शन में, अखिल भारतीय शिल्प मेले की स्थापना को डिजाइन और निष्पादित किया है, जो दिसंबर, 2018 में शिल्पराममम, हैदराबाद में आयोजित किया गया था। शिल्पराममम (कला और शिल्प ग्राम), तेलंगाना सरकार ने अपने प्रदर्शनी क्षेत्र को उज्ज्वल और रंगीन बनाने के विचार के साथ निफ्ट हैदराबाद से संपर्क किया। निफ्ट हैदराबाद के छात्र अपने डिजाइन और सौंदर्य बोध में बेहतरीन हैं। उन्होंने अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए हस्तकला परिवेश के अंदर अच्छा समय बिताया। एक तरह से यह न केवल शिल्पराममम के लिए मददगार था, जिसे इस क्षेत्र को रंगीन और पारंपरिक रूप से ग्लैमरस बनाने के लिए एक अलग दृष्टिकोण मिला, बल्कि हमारे छात्रों के लिए भी उपयोगी रहा, जिन्होंने एक ही स्थान पर इतने अलग-अलग हस्तशिल्प का अनुभव प्राप्त किया और उन्हें वास्तविक जीवन परिदृश्य में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। वहाँ पर उपस्थित जनसमूह वास्तव में अनुभव कर रहा है कि हमारे छात्रों ने क्या कार्य किया है।

• काशीयात्रा, आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव एक तीन दिवसीय उत्सव है, जहाँ देश भर के प्रतिभागी क्षेत्र के साहित्य, संगीत और कलाओं में प्रतिस्पर्धा करते हैं ताकि आपस में श्रेष्ठता प्राप्त कर सकें। इसकी भव्यता ने इसे उत्तर भारत के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सव के रूप में प्रसिद्धि दिलाई है। (जनवरी 2019) काशीयात्रा में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। सुश्री यशस्वि आनंद, सहायक प्रोफेसर, टीडी विभाग, को इवेंट मिराज के लिए एक निर्णायक (जज) के रूप में आमंत्रित किया गया था, यह एक फैशन शो है, जहाँ देश भर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र अपने संग्रह का प्रदर्शन करने आते हैं। उनके साथ अन्य जज सुश्रुति कृष्णा, फेमिना मिस इंडिया 2016 थीं। उन्होंने मिराज की तीन सब इवेंट्स: मिस केवाई, मिस्टर केवाई और डिजाइन एलिगेंट में निर्णायक की भूमिका निभाई।

• एफएमएस के दो छात्रों को ट्विनिंग प्रोग्राम के लिए चुना गया है - स्विस टेक्सटाइल कॉलेज (एसटीसी), ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड - सुश्री रिधिमा वशिष्ठ; सुश्री तमन्ना पोपली जुलाई 2018। सुश्री रिधिमा वशिष्ठ ने डॉ सुरूचि मित्तर और आईएलओ के नेतृत्व में सनाई चेंज मेकर्स नामक एक कंसल्टेंसी के सहयोग से इथियोपिया में 4 कपड़ा कारखानों के लिए एक परियोजना पर सहायता की।

• टीडी सेमेस्टर VI के छात्रों, सुश्री वारिशा इमाम और सुश्री रूचि तिवारी ने इवेंट फॉर्मूला 1 मोटर बोट रेसिंग वर्ल्ड चौम्पियनशिप में डिजाइन वालंटियर्स के रूप में काम किया।

• श्री जी.एम. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, एफडी, ने मई 2018 में सीसी-एफडी एवं सीपी-एफडी के सहयोग से कारीगर जागरूकता कार्यशाला (याम सेमेस्टर, नेट, ड्रेस मैटेरियल और ब्लॉक प्रिंटिंग), स्टेशन घनपुर के कारीगरों के साथ सीसी-एफडी एवं सीपी-एफडी का आयोजन किया है। (बॉबिन क्राफ्ट एंड टैटिंग लेस) और जँगोन (सिल्क और कॉटन साड़ी)।

श्री जी.एम. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, एफडी, (एफडी सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ) ने मई 2018 में सीसी-एफडी एवं सीपी-एफडी के सहयोग से यममिगुर (नेट, ड्रेस मैटेरियल और ब्लॉक प्रिंटिंग), स्टेशन घनपुर (बोबिन क्राफ्ट एंड टैटिंग लेस) और जँगन (सिल्क और कॉटन साड़ी) के कारीगरों के साथ कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

अवसंरचना और सुविधाएं

परिसर 2.44 लाख वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र के साथ 9.25 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। परिसर में निम्नलिखित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- केंद्र में पर्याप्त कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाएं, चर्चा स्थान, चिकित्सा और नर्सिंग स्टेशनों के साथ प्रशासनिक और शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है।
- वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई संरचना के प्रस्ताव के साथ संसाधन केंद्र की सुविधा।
- सुविधाओं में जिम, खेल का मैदान, इनडोर खेल, संगीत कक्ष, वीसी, वाई-फाई, सेमिनार हॉल, गेस्ट हाउस, कैंटीन, चौबीसों घंटे पानी और बिजली सेवाएं उपलब्ध हैं।
- संस्थान की नियमित गतिविधियों के लिए 350 उपयोगकर्ताओं की क्षमता का ऑडिटोरियम उपलब्ध है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

- एफडी विभाग द्वारा फैशन वस्त्र और प्रौद्योगिकी (एफसीटी) का आयोजन अक्टूबर 2018 से शुरू होने वाले एक वर्ष के पाठ्यक्रम के रूप में किया गया था और यह अक्टूबर, 2019 तक पूरा हो जाएगा।
- भारतीय फैशन परिधान और बुटीक प्रबंधन (आईएफएबीएम) एफडी विभाग द्वारा अक्टूबर 2018 से शुरू होने वाले एक साल के पाठ्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था और यह अक्टूबर, 2019 तक पूरा हो जाएगा।
- समकालीन जातीय पहनना (सीईडबल्यू) केडी विभाग द्वारा सितंबर 2018 से शुरू होने वाले एक वर्ष के पाठ्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था और अगस्त 2019 तक पूरा किया जाएगा।

परियोजनाएं

- 1 अक्टूबर, 2017 से जनवरी 2019 तक माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रायोजित तेलंगाना के हथकरघा समूहों में कारीगरों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'निफ्ट से री-वीव के लिए समर्थन की आवश्यकता' शीर्षक परियोजना शुरू की गई। परियोजना की लागत रु. 5,50,000/- + 99,000/- (18% जीएसटी) है।
- बाथुकामा महोत्सव के अवसर पर 'बाइकर्स शो' का आयोजन किया - 10 सितंबर, 2018 से 1 नवंबर, 2018 तक 10 महिला बाइकर्स ने महिला सशक्तिकरण और हथकरघा के संदेश को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना के 10 जिलों का दौरा किया। परियोजना की लागत रु. 99,930/- है।
- 19 अक्टूबर, 2018 को ब्रांड फ्रांसेस्का वर्साचे के लॉन्च के लिए 'गैलेरिया डी लक्स' में एक फैशन शो आयोजित किया गया था। परियोजना लागत रु 1,49,931/- है।
- यू.आई.एम. एफ1एच20 विश्व चौंपियनशिप के आयोजन के लिए आंध्र प्रदेश हस्तकला और हथकरघा उत्पाद की एक हजार स्मारिका आइटम का विकास किया गया। ये स्मारिका इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले विभिन्न प्रतिनिधियों / वीआईपी को प्रदान की जाएंगी। परियोजना की अवधि अक्टूबर से नवंबर 2018 तक है और परियोजना लागत रु 11,97,995/- है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

- आईआईटी - हैदराबाद के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव में टीडी की छात्र सुश्री रूचि तिवारी ने भाग लिया और स्ट्रीट प्ले इवेंट में प्रथम पुरस्कार जीता।
- बिट्स हैदराबाद द्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-2018 में टीडी की छात्र सुश्री रूचि तिवारी ने भाग लिया और स्ट्रीट प्ले इवेंट में द्वितीय पुरस्कार जीता।
- बीवी राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - खेल प्रतियोगिता थ्रोबॉल 2018 में टीडी की छात्र सुश्री रूचि तिवारी ने भाग लिया और मैच जीता।
- सुश्री रुचि तिवारी ने अनलिमिटेड फैशन ब्रांड हैदराबाद द्वारा संचालित कॉलेज का 'स्टाइल आइकन' खिताब जीता।
- आईबीएस - हैदराबाद ने 18-20 जनवरी, 2019 को वार्षिक प्रबंधन और सांस्कृतिक उत्सव तृष्णा'19 आयोजित किया - टीडी छात्र सुश्री रूचि तिवारी ने इसमें भाग लिया और स्ट्रीट प्ले इवेंट में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सुश्री परमी सावला, केडी सेमेस्टर IV, ने अगस्त 2018 में छात्र नेटवर्किंग फेस्ट 'फैंडामेंट' प्रतियोगिता के मासिक मीट-अप में प्रथम पुरस्कार जीता।
- सुश्री परमी सावला, केडी सेमेसर IV, ने सितंबर 2018 के दौरान सैमसंग द्वारा आयोजित विज्ञापन मैड प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (सैमसंग जे6) जीता।
- सुश्री साक्षी निषाद, केडी सेमेस्टर VI, ने एड-मैड, अंताक्षरी, टेबल-टेनिस (डबल्स) गोल्ड पदक, कन्वर्ज 2018 के दौरान स्ट्रीट प्ले में सिल्वर पदक जीता ।
- श्री साहिल चौधरी, केडी सेमेस्टर VI, ने एड-मैड, अंताक्षरी, मिस्ट्री बॉक्स - गोल्ड, मिस्टर एंड मिस कन्वर्ज, पति - ब्रॉन्ज और कन्वर्ज 2018 के दौरान स्ट्रीट प्ले में सिल्वर जीता।
- हर्षिता गुप्ता (एफडी) और समूह ने आईबीएस फैशन शो 2019 में भाग लिया और पहला स्थान हासिल किया।
- चिंग नुनहिह, ईडन, प्रिंस गुप्ता, प्रियंका, एफडी विभाग, ने सिम्बायोसिस - फैशन शो 2019 में भाग लिया और प्रथम स्थान हासिल किया।

स्नातक कार्यक्रम 2018

- तंतु स्नातक शो टीडी विभाग द्वारा 2 जून, 2018 को निफ्ट हैदराबाद परिसर में आयोजित किया गया था।
- केडी विभाग का निटमोडा ग्रेजुएशन शो 2 जून 2018 को आयोजित किया गया था।
- फैशनोवा 2018 ग्रेजुएशन शो 2 जून, 2018 को एफडी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।
- टेक्नोवा-2018: बीएफटी विभाग के स्नातक कार्यक्रम का प्रदर्शन 2 जून, 2018 को आयोजित किया गया था।
- इंफीनिट डिजाइन 2018: एफसी विभाग के स्नातक कार्यक्रम का प्रदर्शन 2 जून, 2018 को आयोजित किया गया था।
- डिजाइन शोकेस 2018: एफ एंड एलए विभाग के स्नातक कार्यक्रमों का प्रदर्शन 2 जून, 2018 को आयोजित किया गया था।
- एफएमएस स्नातक समारोह 2018 का आयोजन 2 जून, 2018 को किया गया था।

दीक्षांत समारोह 2018

निफ्ट हैदराबाद में 24 वां दीक्षांत समारोह 29 जून, 2018 को आयोजित किया गया था।

शिल्प क्लस्टर पहल – गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

विभाग का नाम, छात्र द्वारा वर्ष 2018-19 में शिल्प क्लस्टर का दौरा किया गया, शिल्प का अध्ययन और विभाग की प्रासंगिकता का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

विभाग	छात्रों द्वारा वर्ष 2018-19 में शिल्प क्लस्टरों के किए गए दौरे	शिल्प का अध्ययन और विभाग की प्रासंगिकता
टीडी	उप्पाडा	उप्पाडा जामदानी साड़ी बुनाई का अध्ययन उप्पाडा क्लस्टर में शिल्प क्लस्टर यात्रा के दौरान किया गया था। जामदानी बुनाई आंध्र प्रदेश में महत्वपूर्ण हथकरघा में से एक है। अध्ययन में जामदानी बुनाई तकनीक, हथकरघा के पीछे बुनकर, कौशल और शिल्प की वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया। चूंकि क्लस्टर बुनाई से संबंधित है, इसलिए छात्र बुनाई और रंगाई के साथ क्लस्टर के परिणाम को संबद्ध कर सके।
टीडी	पोंधुरु	पोंधुरु खादी जो भारत की सबसे बेहतरीन खादी में से एक है। इसकी विशिष्टता बुनाई के बाद हाथ से कताई करने की विधि में निहित है। धागे को 120 की गिनती तक हाथ से घुमाया जाता है। शिल्प का स्वॉट विश्लेषण भी किया जाता है। चूंकि क्लस्टर हाथ से कताई, बुनाई और रंगाई से संबंधित है, इसलिए वे कताई, बुनाई तंत्र और रंगाई के साथ क्लस्टर अध्ययन के परिणाम से संबद्ध कर सके।
टीडी	चिराला	क्लस्टर के दौरान कुप्पादाम बुनाई की कला का पता लगाया गया। इस यात्रा के दौरान छात्र द्वारा वारपिंग, कार्ड पंचिंग और जैक्वार्ड बुनाई भी सीखी गई। चिराला एक हैंडलूम क्लस्टर है और इसमें बुनाई, जेकक्वार्ड के लिए सीएडी, रंगाई आदि जैसे विषयों से संबंधित है।
टीडी	मंगलगिरी	'मंगलगिरी कॉटन वीविंग' के शिल्प का अध्ययन किया गया था। मंगलगिरी साड़ियों और इसकी अनूठी डिजाइन बुनाई की प्रक्रिया का पता लगाया गया था। अध्ययन में बुनाई तकनीकों और पल्लू की डिजाइन और पैटर्न और मंगलगिरी साड़ी के बॉर्डर पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। मंगलगिरी साड़ी क्लस्टर पारंपरिक वस्त्र, बुनाई और रंगाई जैसे प्रासंगिक विषय से संबंधित है।
एफ एंड एलए	करीमनगर क्लस्टर, करीमनगर जिला, तेलंगाना	सिल्वर फिलाग्री क्राफ्ट एक जटिल ट्रेलिस तकनीक है जिसे चांदी के तारों का उपयोग करके किया जाता है। छात्र चांदी के तार बनाने और टांका लगाने और जुड़ने के बारे में सीखते हैं। एफ एंड एलए छात्रों के लिए लक्जरी जीवनशैली उत्पाद बनाना सीखना प्रासंगिक रहा।
एफडी	यामिगानुर (नेट और मुद्रित ड्रेस सामग्री)	इस नेट और क्रेप टेक्सटाइल बुनाई के अध्ययन से परिधान प्रयोजनों के लिए गैर परिधान (जैसे मच्छरदानी) वस्त्रों का उपयोग करके डिजाइन विकास के अवसरों की पहचान करने में छात्रों को सहायता मिली है। सुश्री पूजिता प्रवलिका (बैच 2015-19) वर्तमान में यामिगानुर नेट और बंजारा कढ़ाई के साथ महिलाओं के रिसॉर्ट पर पहनावे का एक संग्रह विकसित कर रही है। यह शिल्प विभाग के लिए प्रासंगिक है।
एफडी	बोबिन लेस (स्टेशन घनपुर)	परिधान और सजावटी ट्रिम विकास के लिए इन हस्त क्राफ्टिंग तकनीकों का अध्ययन विभाग के लिए बहुत प्रासंगिक है।
एफडी	सिल्क साड़ियाँ (जनगाँव)	यार्न की तैयारी से लेकर बुनाई तक की प्रक्रिया करने के लिए जनगाँव साड़ी विकास के अध्ययन ने डिजाइन संभावनाओं की समझ में सहायता की है। छात्र इस समझ को विरासत की फैशन अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में आगे ले जाने में सक्षम हैं।
केडी	येल्लामथन्दा	बंजारा कढ़ाई – पारंपरिक बंजारा कढ़ाई शिल्प का पता लगाया गया था और इसका निट पर अभ्यास किया गया जो आमतौर पर अब तक वूवन पर होता था।
केडी	गडवाल	गडवाल साड़ी बुनाई – हथकरघा के तहत छात्रों को हस्तशिल्प के तहत दरी बुनाई के माध्यम से बुनाई तकनीक सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।

एफसी	आदिलाबाद डोकरा मेटल	आदिलाबाद डोकरा मेटल कास्टिंग का प्रचलन आदिलाबाद के ओझाओं ने 1000 वर्षों से किया है। धातु की ढलाई और इसकी विविध कल्पना की स्वदेशी प्रक्रिया अब विलुप्त होने के कगार पर है। छात्रों ने प्रलेखन तकनीक सीखी और नैदानिक अध्ययन किए। फोटोग्राफी और विडियोग्राफी के माध्यम से इमेज मेकिंग और कास्टिंग की प्रक्रिया को अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया था। इसके अलावा छात्रों ने लोगो, पैकेजिंग डिजाइन और वेब डिजाइन जैसे कोलाटर विकसित किए। छात्र समूहों ने प्रचार फिल्म बनाई और डोकरा पर एक कॉफी टेबल बुक भी बनाई।
एफसी	आदिलाबाद हाथ की कढ़ाई	जनजाति की समृद्ध और जीवंत सामग्री संस्कृति – मथुरियास का अध्ययन किया गया। छात्रों ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से मथुरियास के कस्टम और आभूषणों का दस्तावेजीकरण किया और साक्षात्कार, प्रश्नावली सर्वेक्षणों और आगे के नैदानिक अध्ययनों के माध्यम से डेटा एकत्र किया, छात्रों ने ब्रांडिंग, डिजाइनिंग वेबसाइटों और पैकेजिंग के लिए लोगो डिजाइनिंग जैसे कोलाटर विकसित किए।
एफसी	पापानाडूपेट बीड्स (तिरुपति)	पापानाडूपेट, चित्तूर जिले का एक छोटा शहर है जहाँ बीड शिल्प सदियों से प्रचलन में थी। अब शिल्प लोकप्रिय नहीं है। छात्रों ने शिल्प की विशिष्टता का अध्ययन किया और बीड गहने की प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण किया और एक नैदानिक अध्ययन भी किया। एकत्र किए गए डेटा ने लोगो डिजाइन जैसे कोलाटर विकसित करने के लिए गुंजाइश प्रदान की, और एक वृत्तचित्र फिल्म का भी निर्माण किया। इसके अलावा विषय के रूप में – शिल्प प्रकाशन और ब्रांड पहचान के लिए एक कॉफी टेबल बुक डिजाइन और प्रोटोटाइप विकसित किया गया था।
एफसी	कलमकारी, श्रीकलाहस्ती (तिरुपति)	श्रीकलाहस्ती की यात्रा के दौरान कलमकारी हाथ की पेंटिंग के लिए एक पारंपरिक संस्कृति, छात्रों ने प्रलेखित किया और हस्तनिर्मित कलाकारी वस्त्रों के प्रचार के लिए संचार समाधान प्रदान करने के लिए सामाजिक संस्कृति के संदर्भ में डेटा का विश्लेषण किया। इस प्रकार छात्रों ने परिकल्पना, ग्राफिक डिजाइन, स्टाइल और फोटोग्राफी के क्षेत्रों में फैशन पर्यावरण के प्राथमिक और प्रासंगिक मुद्दों को उठाया। निष्कर्ष और समाधान बोलचाल पेपर कॉफी टेबल बुक में प्रस्तुत किए गए थे।
एफसी	कोंडापल्ली खिलौने (विजयवाड़ा)	कोंडापल्ली गांव की यात्रा के दौरान, चित्रित खिलौनों के लिए जाना जाने वाला पारंपरिक केंद्र, छात्रों ने नैदानिक अध्ययन के लिए प्राथमिक शोध किया। छात्रों ने विजुअल मर्चेंडाइजिंग, ग्राफिक डिजाइन और फोटोग्राफी के क्षेत्रों में प्राथमिक और प्रासंगिक मुद्दों पर शोध किया। निष्कर्ष और समाधान बोलचाल के कागजात में प्रस्तुत किए गए थे।
एफसी	मैगलगिरी टेक्सटाइल्स (विजयवाड़ा)	मैगलगिरी क्लस्टर में सूती कपड़ा बुनाई पर छात्रों ने प्राथमिक शोध किया। छात्रों ने समकालीन फैशन को बढ़ावा देने और प्रासंगिकता के लिए गुंजाइश की पहचान की। बोलचाल के कागजात के लिए निष्कर्ष, डेटा और सामग्री उपलब्ध कराए गए।
	एट्रिकोपका खिलौने (काकीनाडा)	एट्रिकोपका खिलौनों पर प्राथमिक शोध पूरा करने पर छात्रों ने स्कोप्स और सीमाओं की पहचान की, और समकालीन फैशन की प्रासंगिकता की पहचान की। बोलचाल के कागजात के लिए निष्कर्ष, डेटा और सामग्री उपलब्ध कराए गए।
एफएमएस	वारंगल गडवाल अदोनी	हथकरघा – छात्र लागत प्रणाली और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली सीखते हैं – प्रबंधन और बिक्री में सुधार कैसे करें, गडवाल बुनकरों के हथकरघा की आपूर्ति श्रृंखला। साथ ही बुनकरों के शिल्प क्लस्टर बेसिक टर्नओवर का सामाजिक जीवन अध्ययन और नैदानिक अध्ययन सीखेंगे। अध्ययन के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे और बुनकरों के पिछले वर्तमान और भविष्य के संभावित दिनों के बारे में दस्तावेज प्राप्त करेंगे।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरा किया

05 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 03 संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018–19 के दौरान अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• डॉ रजनी जैन, प्रोफेसर ने सस्टेनेबिलिटी इन फैशन एजुकेशन: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी विषय पर अप्रैल - जून, 2018 के दौरान नेशनल जर्नल अजंता: आईएसएसएन 2277-5730 में एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

• डॉ वी सरवानी, सहायक प्रोफेसर ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी डिजिटल बनाम पारंपरिक दस्तकारी में आंध्र प्रदेश के हिंदू परिवारों की संस्कृति, फैशन और आधुनिक रुझानों द्वारा निर्देशित हस्तनिर्मित आभूषण बनाम समकालीन डिजिटल आभूषण पर एक शोध पत्र मई 2018 में एफआईटी, न्यूयॉर्क में प्रस्तुत और प्रकाशित किया गया।

• सुश्री राखी वाही प्रताप, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'सस्टेनेबिलिटी इन फैशन एजुकेशन: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी' पर शोध पत्र यूजीसी द्वारा सूचीबद्ध आईएसएसएन जर्नल नंबर 40667 आईएसएसएन 2277 - 5730, वॉल्यूम 7 अंक -2, अप्रैल - जून 2018 भाग-प्प्प इंटरनेशनल में प्रकाशित किया ।

• जून 2018 के दौरान 'दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद' में डॉ एस ज्योतिर्मय, असिस्टेंट प्रोफेसर, ने तेलंगाना टेक्सटाइल एंड हैंडलूम इंडस्ट्री में 'टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन' पर पत्रिका प्रस्तुत की और प्रकाशित की।

• सुश्री ज्योतिर्मई एस, असिस्टेंट प्रोफेसर, ने 'बम्बू एन अल्टेर्नेटिव फॉर इको-फ्रेंडली टेक्सटाइल' पर एक जर्नल एडवांस्ड रिसर्च एंड इनोवेटिव आइडियाज इन एजुकेशन-इजेएसआरआईई अगस्त 2018 इंटरनेशनल जर्नल- पी.7879 में प्रकाशित किया गया है। अगस्त 2018 के दौरान आईएसएसएनसीओ: 2395-4396 वॉल्यूम -4, अंक -2.

• एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ सस्मिता पांडा, ने सितंबर 2018 के दौरान 51 वें इंजीनियर्स डे, 2018 के अवसर पर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन-ए-जनरल व्यू द्वारा 'टेक्सटाइल प्रो.डक्ट्स की सरफेस री-इंजीनियरिंग' पर एक लेख प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. रजनी जैन, डायसन स्कूल ऑफ डिजाइन इंजीनियरिंग, इंपीरियल कॉलेज लंदन द्वारा सितंबर 2018 में इंजीनियरिंग और उत्पाद डिजाइन शिक्षा पर 20 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अवेरनेस ऑफ फैशन एथिक्स एमंग इंडियन फैशन डिजाइन स्टूडेंट्स: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी' पर शोध पत्र प्रकाशित किया।

• एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ सस्मिता पांडा ने इंडियन टेक्सटाइल एंड हैंडलूम इंडस्ट्री: तेलंगाना राज्य और परिधान के संदर्भ में एक सिंहावलोकन' पर 31 अक्टूबर 2018 को नीति 2017-22 (टी-टीएपी) में एक पत्र प्रस्तुत किया और प्रकाशित किया।

• डॉ वी सरवानी, असिस्टेंट प्रोफेसर ने नवंबर 2018 के दौरान एफआईटी, न्यूयॉर्क में फैशन डिजाइन और टेक्सटाइल डिजाइन के संकाय के लिए आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में श्भारत की पारंपरिक कढ़ाई पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ वी सरवानी, असिस्टेंट प्रोफेसर ने दिसंबर 2018 में एफआईटी, न्यू यॉर्क में राहेल एलनर में 'ए पैसेज टू इंडिया 20 फीट एट ए टाइम' पर एक पत्र प्रकाशित किया।

• सुश्री ज्योतिर्मयी, सहायक प्रोफेसर, ने दिसंबर 2018 के दौरान एनआईएमएसएमई हैदराबाद में 'तेलंगाना की हाथ कढ़ाई' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री टी. श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, ने जनवरी 2018 के दौरान मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय अनुसंधान और विभाग केंद्र, मदुरै में 'ए रिव्यू ऑफ प्रौद्योगिकी एडवांसमेंट इन शेप वियर गारमेंट' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्रोफेसर, ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को "तंगालिया, द डॉटेड स्प्लेंडर ऑफ गुजरात हैंडलूम" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री एस. ज्योतिर्मयी और डॉ सुस्मिता पांडा ने संयुक्त रूप से हथकरघा, वस्त्र, फैशन और कपड़ों में वैश्विक प्रवृत्ति पर क्रांतिकारी बदलाव पर दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में ''ग्राफीन - स्मार्ट क्लोथिंग प्रौद्योगिकी अनुसंधान में क्रांतिकारी बदलाव का एक उत्तर'' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री वी. प्रियदर्शनी, सहायक प्रोफेसर ने 'डाइवर्सिटी इन हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लोदिंग' पर दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'फैशन लीडर्स की एक स्थायी समीक्षा में फैशन लीडर्स का योगदान' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

• प्रोफेसर डॉ. राम मोहन, डॉ शकील इकबाल, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर श्री के अनंत फणी ने दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'डाइवर्सिटी इन हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लोदिंग' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री शर्मिला सुरे, सहायक प्रोफेसर ने दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को 'डाइवर्सिटी इन हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लोदिंग' पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'रिव्यू ऑफ फ्यूसिबल इंटरलाइनिंग इन गार्मेंट दी इंडस्ट्री' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ वी सरवानी, सहायक प्रोफेसर ने दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को 'डाइवर्सिटी इन हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लोदिंग' पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में श्सस्टेनेबल रिंकल रिकवरी ट्रीटमेंट टू खादी एंड हैंडलूम फैब्रिक' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ पृथ्वीराज मल, सहायक प्रोफेसर, दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को 'डाइवर्सिटी इन हैंडलूम, टेक्सटाइल्स, ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लोदिंग' पर आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'अल्ट्रा वायलेट प्रोटेक्शन ऑफ टेक्सटाइल्स एंड अप्पेरल्स' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ सस्मिता पांडा, एसोसिएट प्रोफेसर और सुश्री एस ज्योतिर्मयी, असिस्टेंट प्रोफेसर ने 5 मार्च, 2019 को भारतीय हथकरघा में संस्कृति और परंपरा में महिलाओं की भूमिका पर एक लेखः तेलंगाना सरकार के भाषा और संस्कृति विभाग में एक संक्षिप्त विवरण प्रकाशित किया।

• सुश्री एस ज्योतिर्मई, सहायक प्रोफेसर, ने 'इको टेक्सटाइल्स एंड ग्रीन कंज्यूमरिज्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'हैदराबाद में हथकरघा उत्पादों के उपभोक्ता क्रय व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक पत्र प्रकाशित किया। ईटीसीजी 2019 मार्च 2019 के दौरान टेक्सटाइल और वस्त्र विभाग, अविनाशीलिंगम महिलाओं के लिए गृह विज्ञान और उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित किया गया।

• सुश्री टी. श्रीवाणी, सहायक प्रोफेसर, ने 'डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन-नीड ऑफ दी अवर फो दी रिनेसेंस ऑफ इको हैरिटेज क्राफ्ट कलमकारी' पर एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल-एशियन जर्नल ऑफ मल्टिडाईमेन्शनल रिसर्च, आईएसएनएनः 2278-4853 विशेष अंक 3, खंड 8. मार्च 2019 में प्रकाशित किया।

संकाय उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

i. संकाय प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• टीडी विभाग ने 5 अप्रैल 2018 को सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए स्वीडिश डिजाइनरों द्वारा आयोजित डिजाइन प्रदर्शनी और डिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री फातिमा बिलग्रामि ने 23-25 जुलाई, 2018 से निफ्ट मुंबई में "फैशन सोसाइटी एंड कल्चर" पर एक टीओटी में भाग लिया।

• डॉ मालिनी और डॉ सुश्री जस्ती पूजा ने निफ्ट बेंगलुरु में डार्टमाउथ विश्वविद्यालय के डॉ एलन मुर्रे द्वारा एक टीओटी कार्यशाला 'कोर डिजाइन पेडागॉजी' में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. मालिनी डी, श्री आँचल जैन ने निफ्ट नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक टीओटी कार्यशाला "लक्जरी वर्कशॉप" में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. मालिनी डी, डॉ कौस्तव सेनगुप्ता ख्र निफ्ट बेंगलुरु द्वारा एक टीओटी कार्यशाला "फ्यूचर ट्रेंड्स" में भाग लिया।

• श्री शिवानंद शर्मा 30 जुलाई से 3 अगस्त, 2018 तक बेंगलुरु में श्री एलन मरे द्वारा कोर डिजाइन शिक्षाशास्त्र और भविष्य की प्रवृत्तियों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

• सुश्री टी श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, (बीएफटी) ने सीआईसी प्रमुख श्री अच्युत, सहयोगात्मक समुदाय द्वारा समन्वित निफ्ट, दिल्ली में 15-17 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित क्राफ्ट क्लस्टर कार्यशाला में भाग लिया।

• अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ ली ह्यूग मैकगोवन, क्यूयूटी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा संकाय पर्यवेक्षकों (पीएचडी के लिए) प्रशिक्षणः डॉ एच.एच. एस. प्रसाद, प्रोफेसर-एफएमएस, डॉ मालिनी डी, प्रोफेसर-एफडी, डॉ रजनी जैन, प्रोफेसर बीएफटी, डॉ शकील इकबाल, एसोसिएट प्रोफेसर-बीएफटी डॉ आई रजिता, सहायक प्रोफेसर केडी, डॉ वी सरवानी, सहायक प्रोफेसर एफडी 6-7 दिसंबर, 2018 से निफ्ट बेंगलुरु में संकाय पर्यवेक्षकों (पीएचडी के लिए) के प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री जी राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, 23-25 जनवरी, 2019 से निफ्ट नई दिल्ली में आयोजित पाठ्यक्रम लेखन कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री शिवानंद शर्मा और डॉ आई राजिता ने 28-31 जनवरी, 2019 तक बेंगलुरू में स्पोर्ट्सवियर पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री ज्योतिर्मई, सहायक प्रोफेसर, टीडी, 1-2 फरवरी, 2019 को अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमन में सेमिनार 'रिसर्च कन्वेंशन ऑन सस्टिनेंस ऑफ क्वालिटी एंड इनोवेशन इन रिसर्च' में शामिल हुई।

• टीडी छात्र, संकाय और कर्मचारी 8 मार्च, 2019 को सेमिनार हॉल निफ्ट-हैदराबाद कैंपस में आयोजित "महिला सशक्तिकरण" में शामिल हुए।

• श्री शिवानंद शर्मा और डॉ आई राजिता ने 28-31 जनवरी, 2019 तक बेंगलुरू में स्पोर्ट्सवियर पर टीओटी में भाग लिया।

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों / बैठकों में संकाय की भागीदारी

• डॉ रजनी जैन, प्रोफेसर ने 5-7 सितंबर, 2018 तक लंदन के इंपीरियल कॉलेज के डायसन स्कूल ऑफ डिजाइन इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

• श्री शिवानंद शर्मा, सहायक प्रोफेसर, 30 जुलाई से 3 अगस्त, 2018 तक बेंगलुरु में श्री एलन मरे द्वारा कोर डिजाइन पेडागॉजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स 'पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री शिवानंद शर्मा, सहायक प्रोफेसर22-24 जनवरी, 2019 से नई दिल्ली में इंटिमसिया ट्रेड फेयर में शामिल हुए।

• सुश्री टी श्रीवानी, असिस्टेंट प्रोफेसर 1-2 फरवरी, 2019 को अविनाशिलिंगम यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर में 'रिसर्च कन्वेंशन ऑन सस्टिनेंस ऑफ क्वालिटी एंड इनोवेशन इन रिसर्च' के राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए।

• सुश्री टी श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय अनुसंधान केंद्र, मदुरै में 22 जनवरी, 2019 को 'एडवांसमेंट एंड एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी इन फूड एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्री' में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

• प्रोफेसर डॉ. मालिनी डी और डॉ आई राजिता, सहायक प्रोफेसर, 'प्योर लंदन वर्कशॉप' लंदन में शामिल हुए।

• प्रो. डॉ. के राम मोहन, डॉ शकील इकबाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सुश्री वी प्रियदर्शनी, सहायक प्रोफेसर, सुश्री शर्मिला सुरे, सहायक प्रोफेसर, सुश्री टी श्रीवानी, सहायक प्रोफेसर, श्री के अनंत फानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को फैशन और कपड़ों में हथकरघा, कपड़ा और वैश्विक रुझानों में विविधता पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. जी.एच.एस. प्रसाद को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), हैदराबाद में 8-9 फरवरी, 2019 को हैंडलूम, टेक्सटाइल्स एंड ग्लोबल ट्रेंड्स इन फैशन एंड क्लॉथिंग में विविधता पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के विदाई समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

• श्री टी.वी.एस.एन. मूर्ति, सहायक प्रोफेसर ने 14 फरवरी, 2019 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• आरआईसी ने निफ्ट हैदराबाद में 8-24 अक्टूबर, 2018 को प्री-प्लेसमेंट ट्रेनिंग आयोजित की है।

• आरआईसी ने 31 अगस्त, 2018 को एक पूर्व छात्र वार्ता आयोजित की, जिसमें कुल 10 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

• प्रोफेसर डॉ. मालिनी दिवाकाला द्वारा 20 अगस्त, 2018 को पूर्व छात्र पुनर्मिलन व्यवस्था की है।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

उद्योग संपर्क (जीपी / इंटर्नशिप की व्यवस्था)

1. रचना उरल-एचआर- आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड।

• स्नातक परियोजनाओं को प्रदान करने के लिए इस कंपनी को 31 अक्टूबर, 2018 को आमंत्रित किया गया था। कंपनी ने स्नातक परियोजनाओं के लिए 15 छात्रों का चयन किया।

2. साई यग्न - एचआर - रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड

• आरआईसी ने 1 नवंबर, 2018 को उपाध्यक्ष के माध्यम से साक्षात्कार आयोजित करने और जीपी के लिए 2 छात्रों का चयन करने के लिए इस कंपनी को आमंत्रित किया है।

3. श्री जोशुआ एम डेविड-एचआर - आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल लिमिटेड।

• इस कंपनी को इंटर्नशिप प्रदान करने के लिए 14 मार्च, 2019 को परिसर में आमंत्रित किया गया था। कंपनी ने 17 छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चुना।

4. निम्नलिखित कंपनियों ने भी हमारे छात्रों को जीपी / इंटर्नशिप की पेशकश की:

विनसम यार्न लिमिटेड; मल्लो इंटरनेशनल; आरयूएमएसयू; सनराइज लग्जरी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड; टीबीजेड - दी ओरिजिनल; लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड; हिंदुस्तान मिल्स लिमिटेड; जापर मीडिया लैब्स; आर.एस. एक्सपो फैब्स (पी) लिमिटेड; पॉपकॉर्न फर्नीचर एवं लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड।

5. टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों ने निम्नलिखित कंपनियों में अपनी इंटर्नशिप की:

वर्धमान टेक्सटाइल, बुधनी, भोपाल; एनजीओ -नवा बिहान नरचरिंग इनिशियटिव; शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड, मुंबई; अभिषेक दत्ता, कोलकाता; फुल सी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा; एस एन क्रिएशन, नोएडा; गौरांग शाह डिजाइन हाउस, हैदराबाद; बॉम्बे डाइंग, मुंबई; अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स, बेंगलुरु; आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल लुई फिलिप बेंगलुरु; एम्पावर जीएमआर वेरालक्ष्मी फाउंडेशन जीएमआर ग्रुप; मोरारजी टेक्सटाइल्स लिमिटेड नागपुर; केएसआर हैंडलूम प्राइवेट लिमिटेड चिराला; एनएसएल टेक्सटाइल्स, हैदराबाद; नेचुरल फाइबर एक्सपोर्ट, जयपुर एवं सिंघानिया हैदराबाद; स्टूडियो बी, नई दिल्ली; व्हाइट हाउस अपेरल्स, हैदराबाद; बॉम्बे डाइंग, मुंबई; वेलस्पन इंडिया, अंजार; गौरांग शाह डिजाइन हाउस, हैदराबाद; राग डिजाइन; शाहमीन हुसैन, हैदराबाद; फ्यूचर स्टाइल लैब, नई दिल्ली।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

• स्थायी फैशन, डिजाइन, निर्माण के क्षेत्र में विशेषज्ञों को आमंत्रित करना, औद्योगिक और कार्यस्थल के साथ-साथ रहन-सहन वातावरण में मूल्यों और स्थिरता के महत्व को समझने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए संगोष्ठी आयोजित करना।

• शिल्प क्लस्टर कार्यों में हरित रणनीति को शामिल करने हेतु कारीगरों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए निफ्ट शिल्प क्लस्टर गतिविधि के लिए स्थायी प्रथाएं अपनाई गई।

• निफ्ट हैदराबाद कैंपस इस प्रयास में सक्रिय रूप से शामिल है और बेहतर टिकाऊ प्रथाओं के लिए कई पहल कर रहा है जैसे गर्म पानी की व्यवस्था के लिए सौर ऊर्जा, पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी में बदलना, वर्षा जल संचयन, वर्मी-संस्कृति प्रथाओं, सौर बाड़ लगाना आदि।

• स्क्रैप और कचरे का आवधिक निपटान।

• कार्मिकों और स्टाफ सदस्यों के बीच जागरूकता लाने के लिए अग्नि सेवा विभाग के माध्यम से समय-समय पर अग्नि सुरक्षा ड्रिल का आयोजन।

• बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए निफ्ट हैदराबाद ने एक चिकित्सा विशेषज्ञ के माध्यम से आउटडोर खेल, इनडोर खेल, योग, व्यायाम (जिम) और पेशेवर सलाहकार जैसी गतिविधियां प्रदान की हैं। संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए क्रेडिट के आधार पर सर्वोत्तम उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए शहर में 15 से अधिक सुपर स्पेशियलिटी / मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ टाई अप किया गया है।

• सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समूह चर्चा, बाहरी गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से छात्रों को मानसिक रूप से स्वस्थ रखा जाता है। मनोविज्ञान परामर्शदाता की यात्राओं का आयोजन विशेष रूप से छात्रों के बीच उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य, करियर दायरा और आत्मविश्वास बढ़ा रहा है।

• एक पेशेवर एजेंसी को सफाई तंत्र की सेवाओं की आउटसोर्सिंग के माध्यम से पूरे परिसर को साफ सुथरा रखा जाता है। गुणवत्ता और मात्रा के लिए कड़ी निगरानी द्वारा बेहतर सेवाएं प्राप्त की जाती है, इस संबंध में विस्तृत लॉग बुक बनाए रखी जाती हैं और सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा इन्हें सत्यापित किया जाता है जिससे गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है।

बागवानी और लैंडस्केपिंग: संस्थान में बहुत सारी डिजाइन प्राकृतिक सामग्री, झरने, तालाब और पौधे, बहुत सारी किस्मों के पेड़ों के साथ अभिनव लैंडस्केपिंग होना चाहिए। परिसर के संकाय को लगता है कि छात्र इस तरह के प्राकृतिक वातावरण से प्रेरणा प्राप्त करेंगे। यह छात्रों की डिजाइन संवेदनशीलता को बढ़ाएगा। परिसर में यह प्राकृतिक परिवेश छात्रों, संकायों और सभी कर्मचारियों को दृष्टिगत और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रेरित करेगा, जो सभी हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की दक्षता और परिणाम में सुधार करेगा।

ऊर्जा बचत संबंधी पहल:

पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी लाइटों में परिवर्तन और सौर ऊर्जा के उपयोग द्वारा ऊर्जा की बचत की गई है।

जोधपुर

निफ्ट जोधपुर ने वर्ष 2010 में सोजती गेट में अपने अस्थायी परिसर से अपनी विनम्र शुरुआत की और सफलतापूर्वक लगभग आठ अकादमिक वर्षों को पूरा कर लिया है। निफ्ट जोधपुर ने कारवार में अपने स्थायी परिसर में परिचालन शुरू कर दिया है। निफ्ट जोधपुर 20 एकड़ में फैले पूरी तरह आवासीय हरा भरा परिसर है।

निफ्ट जोधपुर, डिजाइन में चार वर्षीय स्नातक और प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में दो वर्ष का मास्टर कार्यक्रम प्रदान करता है। डिजाइन के निम्नलिखित स्नातक-बी.डेस कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2016-17 से शुरू हो गए हैं:

1. फैशन डिजाइन
2. एक्सेसरीज डिजाइन
3. टेक्सटाइल डिजाइन
4. फैशन संचार

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

• 370 किलोवाट की क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है।

जोधपुर वस्त्र - जयपुर में सर्वश्रेष्ठ संस्थागत प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

जोधपुर हर्ष पटेल, एफसी छात्र ने नेशनल जियोग्राफिक, 2018 में 'फोटोग्राफ ऑफ दी वीक' का पुरस्कार जीता।

अवसंरचना और सुविधाएं

संसाधन केंद्र: निफ्ट जोधपुर में विशाल संसाधन केंद्र है जो प्रिंट और गैर-प्रिंट संसाधनों के संग्रह से समृद्ध है। संसाधन केंद्र (आरसी) जोधपुर में लगभग 3400 मुद्रित-डिजिटल किताबें, 10 मुद्रित-डिजिटल पत्रिकाओं, प्रोमोस्टाइल के साथ लगभग 4000 मुद्रित-डिजिटल पत्रिकाएं हैं। ईबीएससीओ, प्रो.क्वेट, बर्ग फैशन लाइब्रेरी, जेएसटीओआर, वोग आर्काइव, मैग्जर, डब्लूजीएसएन इत्यादि सहित ऑनलाइन डेटाबेस / सेवाओं की सदस्यता है। 13 जुलाई, 2018 को एक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया और आरसी के लिए किताबें और पढ़ने की सामग्री की सिफारिश की। आरसी, जोधपुर ने मटेरियल विंग के लिए सामग्री की भी खरीद शुरू की है जो अभी भी जारी है।

निफ्ट जोधपुर का संसाधन केंद्र किताबों की अलमारी, सीसे के दरवाजों की अलमारी, एकल पक्षीय बुक केस, नोटिस बोर्ड, प्रिंटर, बारकोड रीडर, स्लाइडिंग ग्लास सामग्री प्रदर्शन रैक और कंप्यूटर सिस्टम के साथ सुसज्जित है। पाठकों को एक सुखद और आरामदायक पढ़ने का वातावरण प्रदान करने के लिए, एयर कंडीशनर, आरामदायक मेज और कुर्सियां खरीदी गई हैं। आरएफआईडी प्रणाली और पत्रिका प्रदर्शन रैक और आरसी क्षेत्र की कायापलट करने के लिए सजावटी कुर्सियां और मेज खरीद प्रक्रिया के तहत हैं।

बीएफटी विभाग में स्ट्रेट निफ्ट कटिंग मशीन और फ्यूजिंग मशीन खरीदी गई।

एफसी विभाग मैक लैब एडोब सूट सॉफ्टवेयर के साथ 18 आई5 मैक सिस्टम से लैस है जहां ग्राफिक डिजाइन और ग्राफिकल रिप्रजेनटेशन और तकनीकी ड्राइंग की कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। फोटोग्राफी स्टूडियो उन्नत एलिंक्रोम स्पीड लाइट एफआरएक्स 400 (4 लाइट) और एफआरएक्स 200 (4 लाइट) के साथ लाइट स्टैंड, सॉफ्ट बॉक्स, ट्रिगर, तिपाई, परावर्तक, स्नूट, बार्न

डोर, लेंस (50 मिमी, 85 मिमी और 18-200 मिमी) मोनोपॉड और निकोन डी 810 कैमरा और कैनन एक्सएफ 205 कैमकोर्डर के साथ सुसज्जित है।

ग्रीन रूम- ग्रीन रूम में मेकअप और पोर्टफोलियो शूट की सुविधा के लिए 5 एट बल्ब परिधि वैनिटी दर्पण और 8 स्टूल हैं।

ग्राफिक डिजाइन लैब में 40 आर्ट टेबल्स और 40 स्टूल हैं जो तकनीकी ड्राइंग, टाइपोग्राफी और ग्राफिक संबंधित काम कुशलता से करने में मदद करते हैं।

फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिजाइन विभाग की प्रयोगशाला हाथ के औजार, बिजली उपकरण, काम करने वाले टेबल के साथ स्थापित की गई है। अधिकांश लकड़ी पर काम करने वाली मशीनों के साथ-साथ कुछ धातु का काम करने वाली मशीनें जैसे खराद, सतह योजनाकार, चक्की, ड्रिलिंग, जिग आरा, वेल्डिंग आदि की खरीद और स्थापना की गई है। अन्य प्रमुख मशीनें जैसे ऊर्ध्वाधर मिलिंग और पोर्टेबल खराद, स्पॉट वेल्डिंग, कुम्हार का पहिया खरीदा गया है।

टीडी विभाग में टेक्सटाइल डिजाइन और सरफेस डिजाइन लैब, पेग वार्पिंग फ्रेम, टेक्सटाइल डिजाइन लैब में स्थापित अर्ध स्वचालित करघा, बोर्ड के साथ स्टीम प्रेस, मेटल चरखा, टेक्सटाइल लैब में खरीदे गए जीएसएम कटर, टेक्सटाइल सरफेस डिजाइन लैब तैयार है और बुनाई चालू है और स्वचालित वाशिंग मशीन की खरीद की जा रही है।

फैशन डिजाइन विभाग में ड्रेपिंग जैसी कक्षाओं के संचालन के लिए अवसंरचना उपलब्ध है - वर्तमान में विभाग में 59 ड्रेस फॉर्म हैं और कक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए 5 पुतले हैं, शेष ड्रेस फॉर्म (पैर फॉर्म सहित) विभाग द्वारा इंडेंट किए गए हैं। परिधान निर्माण- मशीन की खरीद प्रक्रिया चल रही है और विक्रेता को सिलाई मशीन और वैक्यूम टेबल की आपूर्ति के लिए खरीद आदेश जारी किया गया है। पैटर्न मेकिंग- पैटर्न मेकिंग और कटिंग टेबल खरीदे गए हैं। स्विंग मशीन- मंगवाई गई। जीसी, पीएम लैब और सरफेस डिजाइन लैब अन्य विभागों के साथ साझा की जाती हैं।

स्टेशनरी की दुकान: छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, संस्थान के अंदर स्टेशनरी की दुकान है। छात्र अनुकूल स्टोर विभिन्न पाठ्यक्रमों की अनुकूलित आवश्यकताओं को पूरा करता है। स्टेशनरी छात्रों के लिए फोटोकॉपी और मुद्रण सुविधाएं भी प्रदान करता है।

कैंटीन: कैंटीन कॉलेज परिसर के भीतर स्थित है। यह सभी के लिए खुली है और यहाँ छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए उचित बैठने की व्यवस्था है। विभिन्न प्रकार के स्नैक्स, शीतल पेय, भोजन सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं।

अमूल पार्लर: अमूल आइस क्रीम, मिल्क शेक, चॉकलेट और कई अन्य डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराता है।

नेस्कैफे कॉफी पार्लर: यह आउटलेट कोल्ड कॉफी, ठंडा कोको और आइस्ड चाय जैसे विभिन्न गर्म और ठंडे पेय पेश करता है।

मेस: मेस छात्रों को साल भर पोषक भोजन प्रदान करता है। मेस परिसर के भीतर अच्छी तरह से स्वच्छता और सफाई रखी जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों के पास भोजन करने के लिए स्वस्थ वातावरण हो।

जिम: फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली पर विशेष जोर देने के साथ, निफ्ट जोधपुर में एक पूर्ण बॉडी कसरत के लिए फ्री वेट और अच्छी मशीनों से सुसज्जित जिम है। यह निफ्ट जोधपुर के सभी छात्रों, कर्मचारियों और संकाय के लिए खुला है।

टेबल टेनिस: टीटी हॉल अच्छी तरह से सुसज्जित है और पूरी तरह से वातानुकूलित है।

कैरम: कैरम एक 'स्ट्राइक एंड पॉकेट' टेबल गेम है और वर्तमान में कैरम खेलने और आनंद लेने के लिए उपलब्ध है !!

बैडमिंटन कोर्ट: निफ्ट जोधपुर में अच्छा रख रखाव किया हुआ सीमेंटेड बैडमिंटन कोर्ट है, यह अच्छी तरह से पॉलिश किए गए फर्श के साथ सुसज्जित है। पूरे दिन-रात छात्रों के लिए बैडमिंटन रैकेट और शटल उपलब्ध हैं।

सभागार: ऑडिटोरियम संस्थान के कार्यक्रमों और बैठकों का संचालन करने का एक स्थान है, ऑडिटोरियम काफी विशाल है, और यहाँ सैकड़ों छात्रों बैठ सकते हैं। कई मेहमानों के लिए काफी बड़ा मंच है और यह वीडियो या स्लाइड शो को प्रक्षेपित करने के लिए भी उपयुक्त है। हमने निवासियों के आराम के लिए केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग प्रदान की है।

एक उच्च गुणवत्ता वाले प्रोजेक्टर को क्रिस्टल क्लियर स्क्रीन के साथ व्यवस्थित किया गया है, जबकि स्क्रीन आमतौर पर डाइस दीवार पर रखी जाती है। हमारे सभागार के बेहतर आराम स्तर ने कई कार्यक्रम सफल किए हैं।

ओपन एयर थिएटर: ओपन एयर थिएटर सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैशन शो, यूथ फेस्टिवल और अन्य कार्यक्रमों, जिसमें समूह सभा की आवश्यकता हो सकती, के आयोजन के लिए है। इसका उपयोग संस्थान द्वारा उनके कार्यों के लिए अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है।

संगीत कक्ष: इसमें एक उत्कृष्ट कला और मूर्तिकला है जो छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देता है। विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र से लैस संगीत विभाग छात्रों के बीच संगीत प्रतिभाओं की खोज करने में मदद करता है।

पावर बैकअप: पावर बैक अप 03 डीजीसेट जनरेटर (125 केवीए) द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसका रख रखाव एक प्रतिष्ठित एएमसी फर्म द्वारा किया जाता है।

वाईफाई कैंपस: परिसर में एक निर्बाध वाईफाई नेटवर्क है जो छात्रों को कहीं भी कभी भी नेट से कनेक्ट करने की सुविधा देता है।

वॉलीबॉल ग्राउंड: कैम्पस पर मौजूद रोशनी से लैस अच्छी तरह से मेंटेन मैदान है, जो 24x7 खुला है।

फुटबॉल ग्राउंड: अंधेरे में खेलने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त फ्लड लाइट्स के साथ एक फुटबॉल मैदान उपलब्ध है, फुटबॉल स्टड फुटबॉल न खेलने वाले छात्रों की मांग पर भी प्रदान किए जाते हैं।

छात्रवास: कॉलेज परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इनमें पर्याप्त उच्च सुरक्षा और अच्छा अनुशासन विद्यमान है।

चिकित्सा/ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र: छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को चिकित्सा देखभाल और सलाह प्रदान करने के लिए संस्थान में एक चिकित्सक और परामर्शदाता उपलब्ध हैं।

आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा, और नियमित चिकित्सा सेवाओं के लिए एक प्रशिक्षित नर्स उपलब्ध है।

सम्मेलन कक्ष: महत्वपूर्ण बैठकों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और प्रस्तुतियों के लिए सम्मेलन

कक्ष एक बहुत ही सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत वातावरण में उपलब्ध है। यह पूरी सुविधा एक समर्पित पावर बैक-अप के साथ पूरी तरह से वातानुकूलित है।

अतिथि कक्ष: हॉस्टल के अतिरिक्त, परिसर में आने वाले मेहमानों और प्रतिनिधियों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित गेस्ट हाउस है।

आवासीय क्वार्टर: आवासीय परिसर में सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस संकाय और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर बनाए गए हैं। निदेशक का बंगला, संकाय क्वार्टर, गैर अध्यापन स्टाफ क्वार्टर अलग से बनाए गए हैं।

परिवहन सुविधा: संस्थान के छात्रों के लिए बस की सुविधा है। परिसर के सामने भी सार्वजनिक परिवहन बसों की सुविधा उपलब्ध है।

आरओ प्लांट: पूरे कॉलेज परिसर को शुद्ध रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) पीने के पानी के साथ हर ब्लॉक में पानी के कूलर लगाए गए हैं जिसके द्वारा शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की आवश्यकता को पूरा किया गया है।

ग्रीन शेड सन प्रोटेक्शन पाथ वे: गर्मी में सूर्य से सीधे सूर्य की रोशनी और पराबैंगनी विकिरण (यूवीआर) से त्वचा की रक्षा के लिए रास्ते पर एक हरे कपड़े की शेड निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

सीसीटीवी कैमरा: संस्थान ने कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा संपत्ति और भवनों की सुरक्षा के लिए 43 क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरे (सीसीटीवी) स्थापित किए हैं। कॉलेज क्षेत्र 24 घंटे सीसीटीवी की निगरानी में रहते हैं और लगातार इसके फुटेज को रेकॉर्ड किया जाता है।

बास्केट बॉल: बास्केट बॉल कोर्ट निर्माणाधीन है।

परियोजनाएं

निफ्ट जोधपुर मौजूदा कारीगरों की सामाजिक समानता, आजीविका उत्पादन और कौशल विकास पर गहरी ध्यान देने वाली परियोजनाओं के लिए लगातार काम कर रहा है। ग्रामीण महिला के लिए आजीविका सृजन करने हेतु, निफ्ट जोधपुर महिला और बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार के साथ जोधपुर जिले और आसपास के स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है। कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आजीविका उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

निफ्ट जोधपुर ने 8 परियोजनाओं के माध्यम से 23 राजस्व का अर्जन किया है।

कौशल विकास प्रशिक्षण: समाज के हित के लिए, निफ्ट जोधपुर ने महिला सशक्तिकरण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा प्रायोजित महिलाओं के लिए 07 कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित की हैं। प्रशिक्षण जयपुर, झुंझुनू, बीकानेर, कोटा और जोधपुर में आयोजित किया गया था।

एम्स जोधपुर के लिए दीक्षांत समारोह कैप की डिजाइनिंग: निफ्ट जोधपुर ने कन्वोकेशन कैप का डिजाइन समारोह की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए, भारतीय संस्कृति और शिल्प में डिजाइन हस्तक्षेप के माध्यम से किया। एम्स अधिकारियों द्वारा डिजाइन की खूब प्रशंसा की गई और इसे दीक्षांत समारोह ड्रेस के रूप में चुना।

निफ्ट जोधपुर राजस्थान सरकार द्वारा खादी पहल में भी योगदान दे रहा है। खादी भारत का पारंपरिक कपड़ा होने के कारण, निफ्ट जोधपुर ने खादी कारीगरों के लिए खादी उत्पाद, पैकेजिंग तकनीकों और प्रदर्शन की कार्यक्षमता में सुधार करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया है।

छात्र प्रतियोगताएं और पुरस्कार

कंवर्ज 2018

- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री वैभव कथपालिया ने बैडमिंटन पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री धनंजय देव ने बास्केटबॉल और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री शिवम सिंह यादव ने कैरम सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता
- बी.एफ. टेक- IV सेमेस्टर के श्री सिद्धार्थ जैन ने शतरंज और प्रैंकस्टर में स्वर्ण पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर की सुश्री वेदिका शर्मा ने कैरम डबल्स में सिल्वर और हिंदी डिबेट में कांस्य पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री अंकुर कुमार ने बास्केटबॉल, फुटसल और प्रैंकस्टर में स्वर्ण पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री आदित्य सिंह ने फुटबॉल और प्रैंकस्टर में स्वर्ण पदक जीता है।
- बी.एफ.टेक- IV सेमेस्टर के श्री अमितोज सिंह नरूला ने प्रैंकस्टर में स्वर्ण पदक जीता है।

स्पेक्ट्रम -2019

- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री वैभव कथपालिया ने बैडमिंटन पुरुष युगल, बैडमिंटन मिश्रित डबल और वॉलीबॉल में रजत पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री धनंजय देव ने वालीबाल में रजत पदक जीता।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर की सुश्री चंचल ने वालीबाल में रजत पदक जीता।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री शिवांश पंत ने कवि गौष्ठी में रजत पदक जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री मोहन हेदू ने वॉलीबॉल, टेबल टेनिस डबल्स और टेबल टेनिस मिक्स डबल्स में सिल्वर मेडल जीता है।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर की सुश्री कोनिका वर्मा ने बैडमिंटन युगल में रजत पदक जीता है।

ख बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर की सुश्री शगुन मौर्य ने बैडमिंटन डबल में रजत जीता है।

- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री सिद्धार्थ एन कांबले ने वालीबाल में रजत पदक जीता।
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर की सुश्री विधी जैन ने कैरम युगल में रजत पदक जीता है
- बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री शिवम ने कैरम युगल में रजत पदक जीता है।

• बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री शिवम सिंह यादव, कैरम एकल में स्वर्ण पदक और कैरम युगल में रजत पदक जीता है।
ख बी.एफ.टेक- IV सेमेस्टर के श्री सिद्धार्थ जैन ने कैरम युगल, शतरंज और ट्रेजर हंट में स्वर्ण पदक जीता है।
ख बी.एफ.टेक-IV सेमेस्टर की सुश्री वेदिका शर्मा ने कैरम डबल्स में स्वर्ण पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री युवराज पाहुजा, ने ट्रेजर हंट में स्वर्ण पदक और शतरंज में रजत पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री राहुल वी भोले ने बैटल ऑफ बैंड में स्वर्ण पदक जीता।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री अंकुर कुमार ने हॉगथॉन में रजत पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री अंकुश पाटीदार ने एड-मैड एंड ट्रेजर हंट में स्वर्ण पदक और हॉगथॉन में रजत पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर की सुश्री काजल सिंह ने एड-मैड में स्वर्ण पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर की सुश्री आकांक्षा सिंह ने लेख लेखन में रजत पदक जीता है
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री साजु जॉन ने बैटल ऑफ बैंड में स्वर्ण पदक और युगल गायन में सिल्वर मेडल जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री अमितोज सिंह नरूला ने एड-मैड में रजत पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर की सुश्री आस्था अरोड़ा ने अंग्रेजी डिबेट और एड-मैड में रजत पदक जीता है।
• एफडी VI सेमेस्टर प्रथम स्थान - युगल गायन स्पेक्ट्रमश 19
• एफडी VI सेमेस्टर प्रथम स्थान - बैटल ऑफ बैंड स्पेक्ट्रमश 19
• सुश्री प्रेरणा और साक्षी एफडी VI सेमेस्टर को स्पेक्ट्रम 2019 में फैशन शो में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
• मिस्टर आदित्य, श्री प्रशांत और सुश्री अंजली एफडी प्ट सेमेस्टर को स्पेक्ट्रम 2019 में रनर अप के रूप में सम्मानित किया गया।
• सृष्टि श्रीवास्तव, जयश्री वेंकटेश और प्रियल जैन नाम के छात्रों ने स्पेक्ट्रम 2019 के फैशन शो में भाग लिया।
• छात्र प्रियाल जैन ने स्पेकबॉल 2019 में थ्रोबॉल में दूसरा स्थान हासिल किया।
• छात्रा विभूति भट्ट ने स्पेक्ट्रम 2019 में फेस पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार जीता।

औरा-एम्स जोधपुर-2019

• बी.एफ. टेक-प्ट सेमेस्टर के श्री सजु जॉन ने वाद्य में रजत पदक जीता है।
• नमन अरोड़ा, एमएफएम, एम्स जोधपुर में युगल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।
• श्री हर्ष कौशल ने 1-4 मार्च, 2019 औरा, एम्स जोधपुर, बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स ।
• एम्स द्वारा आयोजित फैशन शो में एफडी-टप् सेमेस्टर सुश्री आयुषी और पुष्कला ने दूसरा पुरस्कार जीता।
• स्प्रीहा देव ने एम्स जोधपुर 2019 में मिक्स्ड डबल्स बैडमिंटन में प्रथम स्थान हासिल किया है।
• सुरूचि रूहानी ने औरा, एम्स जोधपुर 2019 में फैशन शो (मॉडलिंग) में दूसरा स्थान हासिल किया।

इगनुस आईआईटी जोधपुर - 2019

• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री सजु जॉन ने फैशन शो में स्वर्ण पदक जीता है।
• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर की सुश्री आस्था अरोड़ा ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि के लिए रु 5000/-का नकद पुरस्कार जीता।

• सुश्री विभा कोठारी और सुश्री शीतल एफडी VI सेमेस्टर आईआईटी (इग्नेस 2019) थीम के साथ फैशन शो - 'पसबन' में प्रथम स्थान।

• स्प्रीहा देव ने फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया - आईआईटी जोधपुर इगनुस 2019 में कलाकृती।

एफडीडीआई जोधपुर-2019

• बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री वैभव कथपालिया ने बैडमिंटन पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता है।

• बी.एफ. टेक-VI सेमेस्टर के श्री शिवम सिंह यादव ने कैरम सिंगल्स और कैरम डबल्स में स्वर्ण पदक जीता है।

• बी.एफ. टेक-IV सेमेस्टर के श्री सिद्दार्थ जैन ने शतरंज और कैरम युगल में स्वर्ण पदक जीता है।

• बी.एफ.टेक- IV सेमेस्टर की सुश्री वेदिका शर्मा ने कैरम एकल में स्वर्ण पदक जीता है।

• एफडीडीआई जोधपुर में वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिमांशु कालरा ने प्रथम पुरस्कार जीता।

• श्री हर्ष कौशल, बैडमिंटन एकल- प्रथम पुरस्कार - लहारिया, एफडीडीआई जोधपुर, 21-22 मार्च, 2019

• श्री हर्ष कौशल, बैडमिंटन डबल्स- प्रथम पुरस्कार - लहारिया, एफडीडीआई जोधपुर, 21-22 मार्च, 2019

• श्री हर्ष कौशल और सुश्री आस्था बुट्टा, बैडमिंटन मिश्रित युगल-प्रथम पुरस्कार - लहारिया, एफडीडीआई जोधपुर, 21-22 मार्च, 2019

रेड एफएम 93.5

• सुरभि पार्लिकर, बैच 2017-19 ने जोधपुर क्षेत्र के रेड एफएम 93.5 कॉलेज के टशनबाज में प्रथम पुरस्कार जीता।

• मेघा धूलिया, बैच 2018-20 ने अगस्त 2018 में जोधपुर में रेड एफएम 93.5 द्वारा 'कॉलेज के टशनबाज' में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार और जनवरी 19 में हैदराबाद में आयोजित जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन द्वारा 'जेएसजी गॉट टैलेंट' में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार जीता।

• सुश्री जान्हवी राजपुरोहित, फैशन शो- प्रथम पुरस्कार, रेड एफएम, जोधपुर, 15 मार्च 2019

• श्री आशीष एफडी VI सेमेस्टर को रेड एफएम इवेंट 2018 में डांस इवेंट के लिए विशेष पुरस्कार मिला।

• सुश्री रूपल भटनागर एफडी VI सेमेस्टर को मार्च 2019 में रेड एफएम द्वारा आयोजित फैशन शो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

• सुश्री शिवांगी, बी.एफ. टेक सेमेस्टर -VI की छात्रा को इनसैट, फ्रांस में छात्रों के एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत चुना गया है।

• सुश्री जान्हवी राजपुरोहित, राष्ट्रीय स्तर का नृत्य महासंघ (आयु समूह- 16 से 19 वर्ष) - प्रथम पुरस्कार, बेंगलुरु।

• एफडी सेमेस्टर V के छात्र श्री कार्तिक सिंह और सुश्री रुचिका देसवाल ने क्लास रूम प्रोजेक्ट के तहत एम्स कन्वोकेशन वेषभूषा डिजाइन प्रतियोगिता जीती। जहाँ उन्होंने एम्स दीक्षांत बैच, संकाय और गणमान्य व्यक्तियों के लिए कैप और टोपी डिजाइन किए। एफडी विभाग से सेमेस्टर V और III के कुल 7 प्रतिभागी थे, जिसमें से डिजाइनिंग के लिए टीम का चयन किया गया था। इसके अलावा 2018 में एक डिजाइन को ग्राहकों द्वारा चुना गया और अनुमोदित किया गया।

• मन्नत मलिक ने मिस्टर एवं मिस सनसिटी 2018 इवेंट में मिस सनसिटी 2018 का खिताब जीता।

• सुरूचि रूहानी- फाइन आर्ट्स संस्थान, जयपुर में जवाहर कला केंद्र 2016 में कलाकृतियाँ प्रदर्शित की।

• सुश्री प्रियांशी भागोल, बैच 2017-19 ने अपने ग्रीष्म इंटर्नशिप प्रोजेक्ट के दौरान जून 2018 में बेनेटन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार जीता।

• सुश्री शारिन जयंत, सुश्री सौम्या नाइक, सुश्री हर्षिता शर्मा, सुश्री नमामि शर्मा, श्री ध्रुव बमनिया ने जोधपुर रेलवे स्टेशन पर - भित्तिचित्र।

• सुश्री नित्या अग्रवाल एफडी VI सेमेस्टर ने त्रिवेणी डिजाइन प्रतियोगिता में सबसे नवीन डिजाइन पुरस्कार जीता।

• एक छात्र, अक्रती त्रिपाठी ने "एक्सेसरी डिजाइन" की श्रेणी में डीएलएफ एम्पोरियो डिजाइन अवार्ड 2018-19 में प्रथम पुरस्कार जीता।

• एक छात्र, पुष्पित कुमार, ने सतर्कता सप्ताह के दौरान निबंध लेखन में दूसरा स्थान हासिल किया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

• बी.एफ. टेक अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके अनुसंधान परियोजना के लिए प्रसिद्ध परिधान और साथ ही रिटेल हाउस द्वारा चुना गया है। अनुसंधान परियोजनाएं विनिर्माण प्रबंधन से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के विशाल क्षेत्र को कवर कर रही हैं।

• एमएफएम अंतिम वर्ष के छात्रों को अपने रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए नामी ब्रांडों द्वारा चुना गया है, जैसे कि यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, जारा, कोव्स, रिलायंस, मार्क्स एंड स्पेंसर, लैंडमार्क और कुछ छात्रों को प्री प्लेसमेंट ऑफर भी मिले हैं। अनुसंधान परियोजनाएं निर्यात से लेकर खुदरा बिक्री तक के क्षेत्रों को कवर कर रही हैं।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

"शिल्प बाजार" का आयोजन 30 अप्रैल से 2 मई, 2019 तक गांधी शांति प्रतिष्ठान, जोधपुर में किया गया। विभिन्न स्थानों से निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों से 44 कारीगरों को आमंत्रित किया गया था: पिचवाइस- नाथद्वारा, कोटा डोरिया - कोटा, बगरू- जयपुर, टाई-डाई -जोधपुर, चर्म - जोधपुर, ब्लॉक प्रिंट- पीपाड़, गलीचा- जोधपुर, कढ़ाई, क्रोकेट, ब्रेडिंग- नंदवान गाँव, जरी और जरी का काम- जोधपुर, ज्वेलरी-जोधपुर, हाथ से छपाई कपड़ा- जोधपुर, लकड़ी- जोधपुर, बोन-हॉर्न (काला मणि अवार्ड) - जोधपुर, चर्म- जोधपुर, ब्लॉक प्रिंट- जोधपुर, गलीचा और दरी- जोधपुर, कोटा डोरिया- कोटा।

एमएफएम विभाग पाली में प्लास्टिक चूड़ी क्लस्टर विकसित करने के लिए एफएमएस- विभाग निफ्ट जोधपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए पाली में प्लास्टिक चूड़ी क्लस्टर की क्षमता निर्माण गतिविधियों का हिस्सा रहा। निफ्ट जोधपुर ने दिनांक 16 अगस्त, 2018 को सीआईपीईटी को उक्त गतिविधि के निम्नलिखित परिणाम प्रदान किए हैं:

1. ब्रोशर और कॉफी टेबल बुकलेट
2. पीइंटरेस्ट लॉगिन पेज
3. फेसबुक लॉगिन पेज

4. इंस्टाग्राम पेज

निफ्ट के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए ब्रांड का नाम और लोगो के साथ।

एडी विभाग ने एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया, जहाँ कारीगर ने विभिन्न शिल्पों जैसे धातु शिल्प, मोजड़ी (लेदर), हड्डी और सींग, लकड़ी, पेंटिंग आदि के बारे में अपने ज्ञान को साझा किया। शिल्प "मोजड़ी" के लिए एक शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया जो कि विभिन्न चमड़े से बने हुए फुटवियर (जुत्ती) हैं। कार्यशाला के दौरान प्रदर्शन के लिए शिल्पकार श्री मोहन गुर्जर को आमंत्रित किया गया। छात्रों ने शिल्प के पारंपरिक हाथ के औजार और प्रक्रियाओं के बारे में देखा और सीखा। कारीगर के साथ बातचीत ने उन्हें कारीगर के पारंपरिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवसाय की बारीकियों को भी प्रदान किया।

पीएचडी आरंभ और पूरा किया

05 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 03 संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुति

• श्री ईश्वर कुमार और श्री जन्मेजय सिंह हाड़ा ने फरवरी 2019 में मैन मेड टेक्सटाइल: सस्मीरा में 'बॉडी आर्मर्स: दी इंडियन रिव्यू' पर एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ मनोज तिवारी ने 29-30 अप्रैल, 2019 को लंदन, यूके में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एर्गोनॉमिक्स एंड ह्यूमन फैक्टर्स के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय युवा जनसंख्या के शरीर माप के डेटा खनन के विकास पर एक पेपर प्रस्तुत किया'। (प्रो. डॉ. नूपुर आनंद के साथ सहलेखन)।

• डॉ युवराज गर्ग और डॉ मनोज तिवारी का शोध पत्र 'सिलाई कार्यों के लिए एर्गोनोमिक वर्क स्टेशन का विकासष 24-28 जुलाई, 2019 को वाशिंगटन डीसी यूएसए में आयोजित होने वाले एप्लाइड ह्यूमन फैक्टर्स एंड एर्गोनॉमिक्स (एएचएफई 2019) के 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए चुना गया है।

• डॉ अंकुर सक्सेना ने 'फनलिंग ऑफ ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग पैरामीटर्स फॉर फ्रेमवर्क डेवलपमेंट' नामक एक पेपर का सह-लेखन किया और आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यात्मक टेक्सटाइल सम्मेलन में 9-12 जुलाई, 2018 को प्रस्तुत किया।

• डॉ अंकुर सक्सेना ने आईसीटीसीएस 2018 में 'भारतीय परिधान उद्योग में संभावनाएँ निर्माण में ग्रीन प्रॉस्पेक्टस की संभावनाएँ' शीर्षक से एक पत्र, टेक्सटाइल और क्लोथिंग स्थिरता पर 8-9 अक्टूबर, 2018 को न्यूयॉर्क, अमेरिका में 20 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

• डॉ रुचिका डावर ने 'आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के लिए तकनीकी हस्तक्षेप' शीर्षक से एक पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, वॉल्यूम 2, अंक 3-जुलाई अगस्त, पृष्ठ: 249-251 में प्रकाशित किया।

• डॉ चेत राम मीणा, सहायक प्रोफेसर ने 10 अगस्त, 2018 को जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन के लिए 'डेनिम गारमेंट में सिलाई धागे के तन्य गुणों पर सिलाई प्रक्रिया का प्रभाव' विषय पर एक शोध पत्र की समीक्षा की।

• डॉ चेत राम मीणा, सहायक प्रोफेसर, ने 8 दिसंबर, 2018 को जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन के लिए 'एफ्ल्युंट लोड असेसमेंट इन डाइंग ऑफ महेश्वरी टेक्सटाइल" विषय पर एक शोध पत्र की समीक्षा की।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों / बैठकों में संकाय की भागीदारी

• डॉ अंकिता श्रीवास्तव द्वारा स्मार्ट कॉन्फ्रेंस, हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हॉन्गकॉन्ग -5-8 दिसंबर, 2018 में एब्स्ट्रेक्ट प्रस्तुति- 'इम्प्रूविंग दी इंपेक्ट रेसिस्टेंस परफोर्मेंस ऑफ एसटीएफ ट्रीटिड केवलर फैब्रिक स्ट्रेक्चर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ चेतराम मीणा ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेड, मुंबई में 26 अप्रैल, 2018 को फैबटेक्स- दी इंडियन फैब्रिक शो प्रस्तुत किया।

• श्री हरि शंकर, कार्यपालक, पी.एन. राव ने अनुकूलित परिधान निर्माण में गुणवत्ता और औद्योगिक इंजीनियरिंग के महत्व में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

• 'उपभोक्ता व्यवहार, बातचीत और उद्यमिता' पर प्रो. समिश दलाल का विशेषज्ञ व्याख्यान 12 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया था।

• श्री शिरसेंदु घोष- डिजाइन कॉन्सेप्ट्स एंड मेथोडोलॉजी ग्रोथ स्टोरी ऑफ ए डिजाइनर- 29 अगस्त 2018

• श्री आकाश -कंजुमर इंटरफेस डिजाइन डिजाइनर से उपभोक्ता अपेक्षाएँ- 30 अगस्त, 2018

• श्री रामेन्द्रनाथ सरकार - विजुअल मर्चेंडाइजिंग एंड ग्राफिक डिजाइन-वीएम एंड यू - 27 अगस्त, 2018

• श्री रजनीश जेना - डिजिटल डिजाइन तकनीक डिजिटल डिजाइनिंग का प्रभाव- 27 अगस्त, 2018

• सुश्री शैली प्रसाद - फर्नीचर हार्डवेयर की मूल बातें ख्र निफ्टियन द्वारा स्वयं का फर्नीचर व्यवसाय स्थापित करने की सफलता की कहानी- 31 अगस्त, 2018

• श्री देवेन्द्र नागर - डिजाइन सौंदर्यशास्त्र - डिजाइन छात्रों के लिए डिजाइन सौंदर्यशास्त्र का महत्व- 7 सितंबर, 2018

• श्री लोकेश घई - अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजनाओं पर फैशन रिसर्च-टॉक, 7 सितंबर, 2018

• सुश्री जस्ती पूजा- फैशन डिजाइन, एक डिजाइनर की रचनात्मक यात्रा- 10 सितंबर 2018

• सुश्री अनूप राणा - उत्पाद डिजाइन-बैग और प्रक्रिया तकनीक- 11 सितंबर, 2018

• श्री देबाशीष मैती, आर एंड डी विभाग, सरला फैब्रिक्स, उप महाप्रबंधक (डीजीएम) 15 मार्च, 2019 को- फाइबर से फैब्रिक तक कपड़ा उत्पादों का विकास।

• अब्दुल गफ्फूर भाई खत्री, शिप्लगुरु और पद्मश्री, निनोरा गाँव, भुज 22 फरवरी, 2019 को रोगन प्रिंट, इसके प्रसंस्करण और सामग्री पर प्रदर्शन।

• प्रमिला चौधरी- विशेषज्ञ 4 अप्रैल, 2019 को - दृश्य अनुसंधान तकनीक, डिजाइन प्रक्रिया, फैशन और आंतरिक संग्रह का पता लगाने और पहचान करने और डिजाइन विकास को प्रिंट करने के निर्देश।

• बांसवाड़ा गारमेंट्स, दमाम; माँ आर्ट्स, जयपुर; अमन एक्सपोर्ट्स, जयपुर; वियर वेल एक्सपोर्ट्स, नोएडा; टीसीएनएस, नोएडा; शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद; वर्धमान निशिम्भो, लुधियाना; नवापडा निटवियर, लुधियाना; स्पेस फैशन, लुधियाना।

• एमएफएम विभाग ने मैडम रिटेल जैन अमर क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड) लाडो कॉलोनी नूरवाला रोड लुधियाना और नियर मेट्रो भट्टियन लुधियाना का दौरा किया।

• एमएफएम विभाग ने मोना अप्पेरल्स प्लॉट नंबर 18, ग्राम भटिया, बैकसाइड डेकाथलॉन, निकट जालंधर बाय पास, लुधियाना, पंजाब का दौरा किया।

• ब्लॉक प्रिंटिंग की तकनीक को समझने के लिए अनोखी म्यूजियम का दौरा किया गया एफडी डिपार्टमेंट एक्सपोजर- अजरख, डब्बू, सांगानेर और बगरू।

• टीडी विभाग ने 25 अक्टूबर, 2018 को प्राकृतिक फाइबर, जयपुर (राजस्थान) का दौरा किया - दरी, कुशन और टेक्सटाइल अपहोल्स्ट्री (बुने हुए वस्त्र) के निर्माण और परिष्करण मापदंडों - कपड़ों के निर्माण और फर्नीचर में इसकी स्थापना।

• टीडी विभाग ने 25 अक्टूबर, 2018 को चीर सागर एक्सपोर्ट्स, सीतापुरा, जयपुर (राजस्थान) का दौरा किया - घर और परिधान कपड़ा उत्पादों, विभिन्न प्रकार के कपड़ों का उपयोग, उत्पादों का उत्पादन, कंप्यूटर कढ़ाई डिजाइनिंग, डिजिटल प्रिंटिंग।

• एडी विभाग ने अमरपाली ज्वैलर्स जयपुर; ब्लू पॉटरी जयपुर; सलीम कागजी, जयपुर; डेलीऑब्जेक्ट.कॉम; मेटल टेक, नोएडा; ट्रिनिटी फर्नीचर प्राइवेट लिमिटेड, जोधपुर; सालावास में पॉटरी क्राफ्ट का दौरा किया।

• एफसी विभाग ने विषय फैशन पत्रकारिता के तहत हिंदुस्तान टाइम्स, नई दिल्ली और विस्थापन समाचार का दौरा किया।

स्थिरता का पहलू और हरित परिसर

• सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट: परिसर में उन्नत जल निकासी सुविधा और सीवरेज नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है। एक केंद्रीकृत सीवरेज उपचार सुविधा का उपयोग हरित क्षेत्र की सिंचाई और रखरखाव के लिए किया जाता है।

• सौर ऊर्जा: सौर ऊर्जा बहुतायत में उपलब्ध ग्रीन ऊर्जा में से एक है जो जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बिना निकट भविष्य में बिजली संकट को पूरा कर सकती है। सौर ऊर्जा का एक अनंत स्रोत है जो एक स्वच्छ ऊर्जा भी है। बिजली उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करेगा और यह प्रदूषण मुक्त भी करेगा और बिजली ग्रिड से कम लागत वाली बिजली प्रदान करेगा।

• जल संचयन प्रणाली प्रक्रिया के तहत है।

• फव्वारा: प्रशासनिक ब्लॉक के सामने स्थापित किया गया है।

• पूरे परिसर में लैंडस्केपिंग और बागवानी।

• सार्थक पेंटिंग अकादमिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, कैंटीन, मेस और परिसर के अन्य क्षेत्र में बनाई गई है।

कन्नूर

महत्वपूर्ण लैंडमार्क / प्रमुख उपलब्धियां

निफ्ट कन्नूर एक औद्योगिक सह शैक्षिक क्षेत्र में स्थित है जहां कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान जैसे कन्नूर विश्वविद्यालय, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज आदि स्थित हैं। परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग से 700 मीटर और कन्नूर शहर के उत्तर में 16 किलोमीटर दूर स्थित है। परिसर एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां सभी सुविधाएं नजदीक हैं।

परिसर की ताकत इसकी प्रकृति के अनुकूल वास्तुकला है। कैंपस में 753 छात्र हैं। कन्नूर केंद्र 5 स्नातक कार्यक्रमों और 2 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है।

निफ्ट कन्नूर ने मार्च में पय्याम्बलम बीच पर "क्राफ्ट बाजार" का आयोजन किया है, जो जनभागीदारी से बड़ी सफल रही। खुले समुद्र तट पोशाक में कारीगरों और निफ्ट छात्रों के हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन करने का विचार निफ्ट ब्रांडिंग में शामिल होने के लायक था।

निफ्ट स्पेक्ट्रम के बाद ष्तरंगष् अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन परिसर में किया गया। कार्यक्रम की योजना और निष्पादन उल्लेखनीय था। छात्रों, कर्मचारियों और संकायों के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन बहुत सफल रहा।

इस वर्ष कन्नूर परिसर में 193 स्नातक थे। दिनेश ऑडिटोरियम में दीक्षांत समारोह 2018 का आयोजन किया गया, जिसमें आईआईएम कोझिकोड के निदेशक प्रो. देबाशीस चटर्जी मुख्य अतिथि थे।

प्रवेश 2019 के लिए अभियान चलाया गया। प्रवेश पत्र और पोस्टर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा दोनों में तैयार किए गए थे। स्थानीय समाचार पत्रों के विज्ञापनों, अखिल भारतीय रेडियो घोषणाओं और स्थानीय एफएम चौनलों के माध्यम से भी व्यापक प्रचार किया गया था। एससी / एसटी सीटों के लिए ओर अधिक आवेदन आमंत्रित करने के लिए छात्रों को अवगत कराने हेतु आवासीय विद्यालयों का दौरा किया गया था। पूरे राज्य में ओपन हाउस सेशन आयोजित किए गए।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम पुनर्गठित पाठ्यक्रम के परिचय सत्र के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। मेजर विषयों, गहन विशेषज्ञता, आईडीएम और सामान्य ऐच्छिक विषयों का परिचय छात्रों को प्रदान किया गया।

अवसंरचना और सुविधाएं

भूमि: निफ्ट परिसर में 9.63 एकड़ भूमि है जिसमें कुल निर्मित क्षेत्र 3 लाख 20 हजार वर्ग फुट है। (लगभग।)। यह जमीन पहले किन्फ्रा के कब्जे में थी, अब निदेशक निफ्ट कन्नूर के नाम पर लीज पर ली गई है।

भवन: परिसर में 8 मंजिला अकादमिक ब्लॉक, कार्यशाला भवन, 2 छात्रावास ब्लॉक (छात्राओं के लिए), कैंटीन भवन, जिम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, ऑडिटोरियम आदि हैं। संकाय सदस्यों के लिए क्वार्टर निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। सभी संकाय कमरे केबिन के साथ प्रदान किए जाते हैं।

हॉस्टल ब्लॉक का एनेक्स का कार्य पूरा होने वाला है। बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है।

लिफ्ट: 8 लिफ्ट सभी सांविधिक अनुमोदन और लाइसेंस के साथ शैक्षणिक ब्लॉक में चल रही हैं।

फायर एंड सेफ्टी: अग्नि शमन प्रणाली कुशलता से काम कर रही है। स्टेशन अधिकारी, तलिपरम्बा, अग्निशमन और बचाव विभाग, केरल सरकार द्वारा अग्नि सुरक्षा और अग्निशमन जागरूकता पर एक मॉक ड्रिल का सत्र आयोजित किया गया था।

इंटरनेट / वाई-फाई कनेक्टिविटी: परिसर 1 जीबीपीएस रेल नेट (एनकेएन) और बीएसएनएल नेट के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ा है। कैम्पस में वाई-फाई कनेक्टिविटी है। गति को बढ़ाने के लिए 25 राउटर स्थापित किए गए हैं।

बागवानी: ग्रीन कैंपस प्रो.टोकॉल के हिस्से के रूप में लैंडस्केपिंग और पौधों के साथ मध्य में एक प्रांगण का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। बगीचे की कुर्सियों और छतरियों की खरीद की जा रही है।

ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के उपाय के रूप में सभी स्ट्रीट लाइट और अन्य लाइटों को एलईडी में परिवर्तित किया गया।

संसाधन केन्द्र: कन्नूर के संसाधन केन्द्र में 5253 किताबें, 10 जर्नल और 66 पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। संसाधन केन्द्र में अध्ययन मेज, इन्टरनेट के साथ कम्प्यूटर, संसाधन सामग्री स्वेचेस भी उपलब्ध हैं।

परियोजनाएं

1. मूल्य वर्धित हैंडलूम उत्पादों की ब्रांडिंग पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट: यह परियोजना 3.7 करोड़ रुपए के बजट के साथ हथकरघा उत्पादों की ब्रैंड वैल्यू अध्ययन पर एक रिपोर्ट तैयार करने की थी।

2. सितार - चरण - II: यह केरल सरकार की एक परियोजना थी, जिसके माध्यम से निफ्ट कन्नूर ने माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए हैं। इस वर्ष का कौशल विकास कार्यक्रम फोटोग्राफी विषय में इन हाउस वर्कशॉप में लिया गया था। परियोजना का बजट 17.75 लाख रुपये था।

3. केरल स्कूल यूनिफॉर्म इम्पैक्ट स्टडी: निफ्ट कन्नूर ने केरल सरकार द्वारा स्कूली छात्रों को हैंडलूम यूनिफॉर्म के कार्यान्वयन पर प्रभाव अध्ययन किया है। परियोजना की लागत 7.25 लाख रुपए थी।

4. कुदुम्बश्री परियोजना: केरल कुदुम्बश्री कौशल विकास कार्यक्रम, कुदुम्बश्री और निफ्ट कन्नूर के बीच एक वार्षिक प्रतिबद्धता है, जहां पूरे केरल में चयनित 30 सदस्य 10 दिनों के इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस वर्ष 10 दिनों के दो बैचों में 60 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया था। कुल परियोजना लागत 15.50 लाख रुपए है।

पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता

1. निफ्ट कन्नूर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) प्रशंसित पुरस्कार विजेता, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), इनकिनरेटर, जल संशोधन प्रणाली स्थापित हैं।

2. स्वछता गतिविधियों के हिस्से के रूप में कन्नूर केंद्र ने पुन: प्रयोज्य अपशिष्ट पदार्थों का पृथक्करण किया है।

3. स्क्रैप को अलग कर बाहर बेचा जाता है।

4. फर्नीचर, बिजली के उपकरण आदि की मरम्मत की गई थी।

कांगड़ा

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संबंध

सुश्री जाह्नवी बत्रा (एडी) और सुश्री हर्षिता पासी (एफसी) को एफआईटी, न्यूयॉर्क (दोहरी डिग्री कार्यक्रम) के लिए जुलाई-दिसंबर 2019 से जनवरी-जून 2020 तक के लिए चुना गया है। सुश्री शैलजा बोहरा जुलाई-दिसंबर 2018 सेमेस्टर के लिए एप्लाइड साइंसेज के सैक्सियन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड में अध्ययन के लिए गई। श्रेया गोस्वामी (टीडी) को स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, ज्यूरिख के ग्रीष्मकालीन विनिमय कार्यक्रम में चुना गया है। वर्ष 2018 में सैक्सियन विश्वविद्यालय और एडिबुरग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल ने निफ्ट कांगड़ा परिसर का दौरा किया।

उद्योग सहभागिता और प्लेसमेंट

वर्ष 2019 के चल रहे प्लेसमेंट के अनुसार, प्लेसमेंट के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या 124 है, प्लेसमेंट के लिए उपस्थित होने वाले छात्रों की संख्या 84 है। कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से पदस्थापित किए गए छात्रों की कुल संख्या आज तक 30 है। छात्रों को पेशकश किया गया न्यूनतम पैकेज 3.0 लाख रुपए और उच्चतम पैकेज 12.98 लाख रुपए (लगभग यूएस$ 18710) है जो कि विदेशी कंपनियों जैसे कि मस्ट गारमेंट, ढाका, स्प्लैश (लैंडमार्क ग्रुप), यूएई, आदि ने पेशकश की है।

परियोजनाएं

• निफ्ट कांगड़ा को 'यूएसटीटीएडी' की एक परियोजना आवंटित की गई थी (अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित) - तिब्बती कालीन बुनाई जिसमें अनुसंधान और उत्पाद विकास का चरण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

• निफ्ट कांगड़ा स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग जारी रखे हुए है और जिला आयुक्त, धर्मशाला और उपखंड मजिस्ट्रेट, कांगड़ा के सहयोग से कांगड़ा में माता ब्रजेश्वरी देवी मंदिर के सौंदर्यीकरण पर एक परियोजना चल रही है। यह स्वच्छ भारत की योजना के तहत एक परियोजना है और इसमें; कैलेंडर, कॉफी टेबल बुक और कांगड़ा की दीवार पेंटिंग शामिल हैं।

• निफ्ट कांगड़ा हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के साथ मिलकर एचपीटीडीसी संपत्तियों के लिए लिनन, अपहोलेस्ट्री और पर्दों के सौंदर्यीकरण पर काम कर रहा है।

• निफ्ट कांगड़ा पाइन निडल (शाहपुर) और बांस (पालमपुर) शिल्प में डिजाइन और प्रौद्योगिकी विकास पर दो कार्यशालाओं के संचालन के लिए विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के साथ काम कर रहा है। निफ्ट कांगड़ा पाइन नीडल क्राफ्ट (नर्सरी) में एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना (आईडीडीपी) के लिए डीसी हस्तशिल्प के साथ भी काम कर रहा है।

शिल्प क्लस्टर हस्तक्षेप

मार्च 2018 और 2019 में शिल्प बाजारों का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न कारीगरों यानी चंबा रूमाल, कुल्लू बुनाई, पाइन सुई शिल्प, होशियारपुर वुड इन ले, बांस

शिल्प का प्रदर्शन किया गया था और उनके उत्पादों को एडी, एफडी, टीडी और एफसी के द्वारा बिक्री किया गया था। 2018 में कारीगरों के जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें कारीगरों को बुलाया गया था और बाजार के रुझानों पर इनपुट के संदर्भ में विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया था, सभी विभागों के संकायों और छात्रों द्वारा कारीगरों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग, पैकेजिंग और संवर्धन पर इनपुट दिया गया था। प्रसिद्ध कारीगर और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जैसे श्री हाजी बादशाह मियाँ और श्री कामजीत मथारू को छात्रों को सीखाने के लिए आमंत्रित किया गया था। शिल्प आधारित उत्पाद विकास में, सेमेस्टर- VII के छात्रों ने एफडी द्वारा कुल्लू वस्त्रों का उपयोग करके बनाए गए कपड़ों जैसे उत्पादों का विकास किया और टीडी द्वारा चंबा रूमाल तकनीक का उपयोग करके वस्तुओं का निर्माण किया एडी द्वारा पाइन सुई शिल्प और बांस शिल्प में उत्पाद बनाए गए। एफसी के छात्रों ने कारीगरों की जीवनशैली का अध्ययन किया और बोलचाल के पेपर के रूप में मुद्दों और प्रस्तावित प्रशंसनीय समाधान (पाइन सुई शिल्प - सोलन) की पहचान की। पत्र को एप्लाइड साइंसेज जर्नल में नवंबर 2018 में प्रकाशित किया गया था। ईपीसीएच मेले, नोएडा में, पाइन सुई शिल्प संवर्धन उक्त शिल्प पर उत्पादों की प्रदर्शनी द्वारा किया गया था। डीसी हैंडीक्राफ्ट एंड हैंडलूम ने पाइन सुई शिल्प के लिए एडी सेमेस्टर-VIII (03 छात्रों) की स्नातक परियोजनाओं के लिए छात्रों का चयन किया था, टीडी सेमेस्टर- VIII (04) के लिए चिकनकारी-लखनऊ, दाबू प्रिंटिंग - जयपुर, बुनाई-नागालुना ब्लॉक, साड़ी बुनाई-नुआ पटना क्लस्टर।

निफ्ट संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान की प्रगति

• बबीता भंडारी को 29 अप्रैल 2019 को जीबीपीयूएटी, पंतनगर, उत्तराखंड से 'ओप्टिमाइजेशन ऑफ डाइंग कंडिशन्स फॉर वूल एंड शिल्क फैब्रिक यूजिंग डाई एक्सट्रेकटिड फ्रोम रुमेक्स नेप्लेन्सिस एंड गिरारदीनिया डायवर्सिफोलिया रूट्स डिग्री' शीर्षक से उनके शोध पर पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई है।

• सुश्री परमिता सरकार, सहायक प्रोफेसर, एफडी 2011 से निफ्ट से पीएचडी कर रही हैं और दिसंबर 2018 में त्रिपुरा की आदिवासी वेशभूषा और इसके परिवर्तन का अध्ययन पर शोध प्रस्तुत किया है।

• सुश्री शिप्रा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर डीएफटी के साथ पीटीयू, जालंधर, पंजाब से 2014 से चुनिंदा कपड़ा और परिधान उद्योगों में प्रशिक्षण और विकास प्रथाओं का विश्लेषण नामक पीएचडी विषय पर काम कर रही हैं।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी, बनस्थली विश्वविद्यालय, जयपुर से वर्ष 2015 से 'निर्वासन में पारंपरिक परिधानों और पारंपरिक टेक्सटाइल के उपयोग द्वारा समकालीन वेशभूषा की डिजाइनिंग पर एक अध्ययन' शीर्षक से पीएचडी विषय पर काम कर रही हैं।

• सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, टीडी, पीएचडी विषय: दिल्ली विश्वविद्यालय से जनवरी 2017 से लेडी इरविन कॉलेज से कॉटन खादी: समस्याएं और संभावनाएं पर काम कर रही हैं।

• श्री सौरभ चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी को सितंबर 2018 में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में सामान्य प्रबंधन और रणनीति के लिए पीएचडी में नामांकित किया गया है।

• श्री पवित्तर पुनीत सिंह मदान, सहायक प्रोफेसर, टीडी, जुलाई, 2018 से 'एंजायमेटिक ट्रीटमेंट ऑफ वूल टू इंपार्ट एंटी-सिरिंक फंक्शनलिटी' विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।

• श्री सौरभ गर्ग, सहायक प्रोफेसर, टीडी, 2018 से महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा से 'प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर वस्त्र पर मिश्रित रंगों के उत्पादन के लिए कंप्यूटर एडेड रंग माप, मिलान और रंगों की संगतता, पर पीएचडी कर रहे हैं।

संकाय जिन्होंने अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्यापन किया है

• डॉ अनुनिता रंगरा ने एक मॉड्यूल के लिए एनआईडी में पढ़ाया है।

संकाय क्षमता निर्माण

• निफ्ट, कांगड़ा के सभी संकाय सदस्यों ने डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी विभागों के लिए जून, 2018 में हैदराबाद और बेंगलुरु में आयोजित संकाय सम्मेलन में भाग लिया।

• सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने कपड़े और परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के 13 जून, 2018 को आयोजित "ब्रोकेड्स में जरी की सफाई" विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

• नई दिल्ली में 23-27 जुलाई, 2018 को आयोजित कोर डिजाइन शिक्षाशास्त्र और भविष्य के ट्रेंड्स पर प्रो. डॉ. एलन मरे की कार्यशाला में सुश्री मौलश्री, सहायक प्रोफेसर, एफसी; श्री विनोद शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एफडी और श्री संदीप सचान, एसोसिएट प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने भाग लिया था।

• सुश्री परमिता सरकार, सहायक प्रोफेसर, टीओटी प्रशिक्षण के तहत जुलाई 2018 में 61 वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले का दौरा किया - घर और ऐपरेल्स का परिचय।

• श्री सौरभ चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी यूजीसी नेट पात्रता उत्तीर्ण की- जुलाई 2018

• श्री सौरभ चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी ने बिग डेटा एंड बिजनेस एनालिटिक्स प्रोग्राम में संकाय प्रशिक्षण में भाग लिया, जो 23-28 जुलाई, 2018 को आईआईएम बेंगलुरू में आयोजित किया गया था।

• श्री अमन कुमार नागपाल निफ्ट और आईआईएससी, बेंगलुरु द्वारा 8-13 अगस्त, 2018 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित प्रशिक्षण में शामिल हुए।

• सुश्री छवि गोयल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी ने पाइन सुई के उत्पादों को डिजाइन किया और अक्टूबर 2018 में ईपीसीएच मेलों में प्रदर्शित किया। वह 13 नवंबर, 2018 को राजीव गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में फैशन शो के जूरी पैनल में भी शामिल रही।

• सभी संकाय सदस्य दिसंबर 2018 में महाबलीपुरम, चेन्नई में बोधि नेक्सस टीम के साथ हेड ऑफिस, निफ्ट द्वारा आयोजित यूनिवर्सल ट्रेनिंग में शामिल हुए।

• सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, टीडी वर्ल्ड वीवर्स फोरम (डबल्यूडबल्यूएफ) में "आईएमखादी के साथ संयुक्त रूप से एफएलओ लुधियाना में आयोजित" (निर्यात, स्थिरता और मानकीकरण) के लिए "क्रॉस कंट्री आर्ट फ्यूजन की संभावनाओं की खोज" पर चर्चा के लिए पैनल सदस्य थी। सुश्री श्रुति ने इस फॉरम अप्रैल 2019 में 'खादी' में वास्तविक समय की समस्याओं पर बात की।

• मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एनएमईआईसीटी), भारत सरकार के अंतर्गत निफ्ट के ई-कंटेंट / एमओओसी का विकास सुश्री शिप्रा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट, कांगड़ा द्वारा किया गया, यह इंट्रोडक्शन टू अप्परेल क्वालिटी मैनेजमेंट 'निफ्ट, यूट्यूब के एनएमईआईसीटी प्रोजेक्ट चौनल पर उपलब्ध है।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

• 17 नवंबर, 2018- सुश्री श्रुति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने टेक्सटाइल समिट -2018, पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली में "केमिकल वॉश के बाद कार्पेट के लिए ऊन के प्राकृतिक रंग का आकलन" पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

• दिसंबर 2018- सुश्री अपला, एसोसिएट प्रोफेसर, एफसी ने 'एसोसिएशन ऑफ दी ट्रेडीशनल पाइन नीडल क्राफ्ट ऑफ मॉडर्न टेक्निक ऑफ कम्युनिकेशन' पर इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, वॉल्यूम 8, अंक 12, आईएसएसएन 2249 551एक्स में पेपर प्रकाशित किया।

• जनवरी, 2019- सुश्री पूर्णेंदु शर्मा, सहायक प्रोफेसर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज कॉन्सेप्ट में "कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) के पारंपरिक आभूषणों पर एक फील्ड रिसर्च" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• मार्च, 2019 - श्री अमन कुमार नागपाल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी द्वारा एब्स्ट्रक्ट "दी स्टेट ऑफ साइबर सिक्योरिटी इन इंडिया" को "इनोवेशन के माध्यम से परिवर्तन": आईटी, गणित और बुनियादी विज्ञान के रणनीतिक अनुप्रयोग (टीआईएसएमआईएस-2019) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकार किया गया। यह सतीश चंदर धवन गवर्नमेंट कॉलेज, लुधियाना (पंजाब) द्वारा आयोजित किया गया।

• मार्च 8-12, 2019, सुश्री परमिता सरकार, सहायक प्रोफेसर ने ष्क्लोथिंग परिफरेंस ऑफ दी 21 सेंच्युरी ट्राइबल वुमेन: ए स्टडी ऑन दी ट्रांसफोरमेशन इन दी कस्टयूम ऑफ ट्राइबल वुमेन ऑफ त्रिपुरा, इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र आईएफआईआई 2019 मैनचेस्टर, ब्रिटेन में प्रस्तुत किया।

• मार्च 8-12, 2019, सुश्री मौलश्री सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने "एन एस्से ऑफ दी इंडियन क्राफ्ट कम्युनिटी-एन इंटीग्रल पार्ट ऑफ दी इंडियन फैशन इंडस्ट्री" शीर्षक से एक शोध पत्र आईएफआईआई 2019 मैनचेस्टर, ब्रिटेन में प्रस्तुत किया।

• 1 अप्रैल, 2019 - सुश्री शिप्रा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफटी ने 'पंजाब के चयनित क्षेत्रों के वस्त्र उद्योग में योग्यता-आधारित नौकरी के विवरण के मूल्यांकन पर मानव संसाधन प्रबंधकों की धारणाष पर शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, आईटी एंड इंजीनियरिंग वॉल्यूम 9 अंक 4, आईएसएसएन: 2249-0558 प्रभाव कारक: 7.119 में प्रकाशित किया।

निफ्ट कांगड़ा बैच 2019 द्वारा उद्योग का दौरा

• श्री पुलकित नैन, बी.एफ.टेक VIII ने जीटीई कार्यक्रम, नई दिल्ली, फरवरी 2018 में वजीर एड्वाइजर्स द्वारा आयोजित ऐप टेक प्रतियोगिता जीती।

• छात्रों के लिए पेपर इंजीनियरिंग, सुलेख कार्यशाला, बाल और श्रृंगार कार्यशाला पर कार्यशाला आयोजित की गई।

• विभिन्न विभागों के छात्रों ने गारमेंट टेक एक्सपो 2019, एसजीएस टेस्टिंग लैब्स, गुड़गांव, टीसीएनएस एक्सपोर्ट, नोएडा, यारनेक्स और टेक्सइंडिया ट्रेड फेयर का दौरा किया था।

अन्य गतिविधियां

• रायबरेली परिसर में आयोजित कंवर्ज -2018 में छात्रों ने डिस्कस थ्रो (लड़कों) और वॉली बॉल (लड़कियों) में गोल्ड जीता; कबड्डी (लड़कों), एड मैड और युगल गायन में रजत; टेबल टेनिस (लड़कियों) और थ्रो बॉल (लड़कियों) में कांस्य पदक जीता।

• 12-18 फरवरी, 2019 से निफ्ट कांगड़ा में 'राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह' मनाया गया।

• निफ्ट कांगड़ा ने डॉ राजेंद्र प्रसाद सरकार मेडिकल कॉलेज, टांडा के ब्लड बैंक की मदद से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

• निफ्ट-स्पेक्ट्रम 2019 के वार्षिक उत्सव थीम "चिमेरा" के साथ दैनिक जागरण, इंडियन ऑयल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जस्ट ट्रिप इट, स्कोडा, डीश्पोलो, अन्ना बल्क कैरियर प्राइवेट लिमिटेड ग्रैंड राज और एसीसी सीमेंट और कई अन्य कंपनियों द्वारा प्रायोजित किया गया था।

• निफ्ट कांगड़ा परिसर में 4-5 अप्रैल, 2019 को श्रयान्सी आर्ट इंटरनेशनल द्वारा 'शक्ति' पर एक राष्ट्रीय कला शिविर और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

• माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री गिरिराज सिंह ने निफ्ट कांगड़ा के छात्रों के साथ बातचीत की, जिन्होंने भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेला 2018 में पाइन सुई के काम को डिजाइन और प्रदर्शित किया।

• डॉ अनुनिता रंगरा, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा समन्वित फाउंडेशन कार्यक्रम के निफ्ट कांगड़ा छात्रों को डीसी, कांगड़ा द्वारा 15 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के स्वागत में पत्थर कला कार्य का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

• निफ्ट कांगड़ा के छात्रों ने "त्रिगर्त उत्सव कांगड़ा जिले के प्राचीन इतिहास और संस्कृति का जश्न मनाते हुए" प्रदर्शित किया, जो कि एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुनिता रंगरा द्वारा समन्वित किया गया।

• सभी के लाभ के लिए अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल और भूकंप ड्रिल का प्रदर्शन किया गया था।

कोलकाता

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

वर्ष 1995 में स्थापित, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) कोलकाता, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने के लिए भारत के पूर्वी हिस्से में एक अग्रणी संस्थान है।

प्लेसमेंट - 2018

निफ्ट, स्नातक छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करता है ताकि वे चुनौतीपूर्ण पदों पर अपना पेशेवर करियर शुरू कर सकें। कैंपस प्लेसमेंट के लिए बड़े रिटेलर्स, प्रमुख एक्सपोर्ट हाउस, मैन्युफैक्चरिंग संगठनों, होम फर्निशिंग कंपनियों, टेक्सटाइल मिलों, ब्रांड मार्केटर्स सहित विभिन्न क्षेत्रों के संगठन भाग लेते हैं। ऑन-कैंपस प्लेसमेंट के अलावा, निफ्ट अपने अंतिम वर्ष के छात्रों को ऑफ-कैंपस और प्री प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, कई छात्र उद्यमी बनने के लिए मोहित हो जाते हैं और अपने स्वयं के व्यवसाय उद्यम विकसित करना शुरू कर देते हैं। वर्ष 2018 के लिए कैंपस प्लेसमेंट में, 41 कंपनियों ने कोलकाता कैंपस में भाग लिया, 08 कंपनियों ने ऑफकैंपस प्लेसमेंट की पेशकश की। कैंपस में 179 रिक्त पदों के साथ नौकरी का सृजन किया गया था। प्लेसमेंट के लिए पंजीकृत निफ्ट कोलकाता के 91.86% छात्रों को वर्ष 2018 में नियोजन मिला है। जहां तक वेतन का संबंध है, उच्चतम वेतन घरेलू सर्किट में प्रति वर्ष 15 लाख रुपये और अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में 8.4 लाख रुपये प्रति वर्ष प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संबंध इकाई

तीन छात्रों सुश्री समृद्धि तिवारी (एडी), सुश्री मानवीन कौर सचदेव (एलडी) और सुश्री अंकिता झाजरिया (केडी) ने जनवरी-जून 2018 से क्रमशः केईए-कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी ख़ डेनमार्क, एनएबीए, नुओवा एकेडेडिया डी बेले आरती, मिलानो- इटली और बंका गाकुएन विश्वविद्यालय, टोक्यो जापान में ट्विनिंग / सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया है। सुश्री सिफतलीन कौर बत्रा (एलडी) और सुश्री जया द्विवेदी (केडी) के दो छात्रों ने मई-जून 2018 में स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम शुरू किया है। सुश्री अशिता वोरा (एफसी और सुश्री उषा सरकार (एलडी) दो छात्रों ने क्रमशः इनसैट, फ्रांस और डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, लीसेस्टर, यूके से क्रमशः जनवरी-जून 2019 में ट्विनिंग / सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया है। एक छात्र, अर्थात् सुश्री अदिति सुनील गर्ग (टीडी) को 2019-20 में फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क में एप्लाइड साइंस (एएएस) कार्यक्रम में एक वर्ष के एसोसिएट के लिए चुना गया है।

संसाधन केंद्र

निफ्ट कोलकाता रिसोर्स सेंटर संस्थान की फैशन सूचना सेवाओं का केंद्र है, जिसमें प्रिंट, डिजिटल और अन्य गैर-प्रिंट सामग्री जैसे ऑडियो-विजुअल, पोशाक, वस्त्र, फैशन के सामान और संबंधित सामान सहित एक समृद्ध संग्रह है। यह परिचालनों, संदर्भ

सेवाओं, रिप्रो.ग्राफिक सेवाओं, स्कैनिंग, ई-जर्नल्स / डेटाबेस ब्राउजिंग, फैशन पूर्वानुमान सेवाओं और ऑनलाइन कैटलॉगिंग सुविधा सहित उपयोगकर्ता सेवाएं प्रदान करता है। क्लाउड आधारित मल्टी-लोकेशन लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, ई-ग्रंथालय, संस्करण 4.0 के माध्यम से पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय प्रबंधन सेवाओं पर स्विच करने के लिए पहल की गई है। क्लाउड आधारित लाइब्रेरी प्रबंधन डेटाबेस निफ्ट रिसोर्स सेंटर नेटवर्क को ऑनलाइन जानकारी और संग्रह संबंधी सेवाओं तक पहुँच प्रदान करता है। ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर में कुल 9119 पुस्तकों, 105 सीडी और 1235 रिपोर्ट्स को सूचीबद्ध और वर्गीकृत किया गया है। सॉफ्टवेयर में 1057 छात्रों का पंजीकरण विवरण भी दर्ज किया गया।

संसाधन केंद्र इस प्रकार उद्योग में शिक्षाविदों और कार्यरत फैशन पेशेवरों दोनों के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। संसाधन केंद्र के साथ-साथ हमारे पास सामग्री विंग भी है, जिसमें 2000 से अधिक स्वैच, फैब्रिक यार्न, गारमेंट्स, क्राफ्ट आइटम्स आदि की इन्वेंट्री है। यह फैकल्टी और छात्रों द्वारा संदर्भ के लिए गहन रूप से उपयोग किया जाता है।

संसाधन केंद्र प्रतिष्ठित भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय आवधिक और प्रवृत्ति पूर्वानुमान सेवाओं सहित प्रिंट सेवाओं को नियमित रूप से प्रदान करके बाहरी आरसी सदस्यों और सतत शिक्षा कार्यक्रम के छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है।

शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रवेश प्रचार

फैशन उद्योग में अपने कैरियर का चयन करने के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रवेश प्रचार के एक भाग के रूप में, दिसंबर माह में निफ्ट कोलकाता परिसर में दो ओपन हाउस सत्र आयोजित किए गए हैं। कोलकाता स्थित विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों को निफ्ट एडमिशन के बारे में और साथ ही स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर पर निफ्ट द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के विवरण के बारे में जानकारी दी गई थी। प्रवेश 2019 के लिए पोस्टर और प्रॉस्पेक्टस भी संस्थानों / छात्रों के बीच ई-मेल के साथ-साथ हाथ से वितरित किए गए थे। प्रवेश के लिए विज्ञापन, 2019 प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था और उसी को निफ्ट कोलकाता की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था। प्रवेश विज्ञापन - 2019 रेडियो चौनल 91.9 फ्रेंड्स एफएम के माध्यम से प्रसारित किया गया है। जनजातीय विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से, पश्चिम बंगाल में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कंसा, पश्चिम बर्धमान में संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य एसटी उम्मीदवारों के बीच निफ्ट द्वारा पेश किए जा रहे नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम, डिग्री और प्रमाणपत्र के बारे में जागरूकता फैलाना था।

विभिन्न जनजातीय स्कूलों (एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय-कंसा (पश्चिम बर्धमान), एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय-झारग्राम, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय- पुरुलिया और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय- मुकुटमनीपुर (बांकुरा) में पढ़ने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों ने पर्याप्त संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, 21 जून 2018 को आर्ट ऑफ गुड लिविंग द्वारा एक योग अभ्यास सत्र आयोजित किया गया था।

72 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2018 को 72 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और एसडीएसी इकाई द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

केरल बाढ़ राहत कोष संग्रह

एसडीएसी यूनिट ने कपड़ा, भोजन, दवाओं और अन्य सहायता सामग्री के संग्रह से केरल बाढ़ राहत कोष का गठन किया। इसके अलावा एक दिन के मूल वेतन के रूप में 1,40,000 रुपए का वित्तीय योगदान निफ्ट कोलकाता के कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से दान किया गया था।

कपड़ा दान शिविर

नवंबर, 2018 में निफ्ट कोलकाता में कपड़ा दान शिविर का आयोजन किया गया।

70वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2019 को 70वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। हमारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो एसडीएसी यूनिट द्वारा आयोजित किए गए थे।

नि: शुल्क नेत्र जांच

निफ्ट कोलकाता कैंपस में 25-26 मार्च, 2019 को बॉश और लोम्ब के सहयोग से नि: शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

फैशन स्पेक्ट्रम 2019, निफ्ट, कोलकाता की वार्षिक सांस्कृतिक और खेल गतिविधि 15-16 फरवरी, 2019 को मनाई गई थी, जिसमें इंटर कॉलेज साहित्यिक, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल थीं, इसमें एक इंटर कॉलेज फैशन शो भी शामिल था।

'हिंदी पत्र लेखन और टिप्पण' पर कार्यशाला

'हिंदी पत्र लेखन और टिप्पण पर एक कार्यशाला' का आयोजन 27 जून, 2018 को निफ्ट, कोलकाता में हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभागाध्यक्ष, गृह मंत्रालय के अंतर्गत किया गया था।

हिंदी कार्यशाला 2018

निफ्ट कोलकाता परिसर में 14-28 सितंबर, 2018 के दौरान हिंदी पखवाड़ा 2018 मनाया गया, जिसमें हमारी राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

'कार्यात्मक भाषा और टिप्पण एवं मसौदा लेखन' पर कार्यशाला

21 फरवरी, 2019 को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के अंतर्गत कोलकाता में 'कार्यात्मक भाषा और हिंदी में टिप्पण एवं मसौदा लेखन' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर संवेदीकरण कार्यक्रम और यौन उत्पीड़न की रोकथाम तथा विशाखा दिशानिर्देश के बारे में निफ्ट कोलकाता के छात्रों और कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम 2018 के दौरान संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों के बीच कार्यस्थल और परिसर में लैंगिक मुद्दों के खिलाफ जागरूकता फैलाना और उन्हें नीतियों और संस्थान में उपलब्ध सहायता प्रणाली से अवगत कराना था।

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट कोलकाता उत्कृष्ट नव-विचारक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं प्रदान करता है, जो नवीनतम तकनीक के साथ नियमित अंतराल पर अपग्रेड किया जा रहा है ताकि छात्रों को सर्वोत्तम आउटपुट देने के लिए नवीनतम जानकारी मिल सके। परिसर रचनात्मक शिक्षा प्रदान करने की मांगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इमारत में एलसीडी प्रोजेक्टर और कार्यशालाओं से सुसज्जित अलग थियरी स्टूडियो हैं। छात्रों के पास आईटी लैब्स और एक बहुत समृद्ध संसाधन केंद्र तक पहुंच है, जिसमें किताबों, पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के दुर्लभ और विशाल संग्रह और फैशन उद्योग से संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के नमूने हैं। अन्य विभिन्न प्रकार की सुविधाओं में स्वागत केंद्र, सेमिनार हॉल, वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम, सेंट्रलाइज्ड एसी प्लांट, फोटो-लैब/ स्टूडियो, वीएम लैब, पैटर्न मेकिंग/ ड्रैपिंग लैब्स, निर्माण लैब्स, फ्लैट बेड बुनाई लैब, कम्प्यूटरीकृत बुनाई लैब (शिमा सेकी लैब), डिजाइन स्टूडियो, बुनाई लैब, टेक्सटाइल टेस्टिंग लैब, सीएडी स्टूडियो, मैक लैब (एफसी विभाग के लिए अतिरिक्त विशेष आईटी लैब), नवीनतम मूल डिजाइन उन्मुख सॉफ्टवेयर, आभूषण डिजाइन स्टूडियो, लेदर प्रसंस्करण प्रयोगशाला के साथ 07 आईटी लैब्स, विशिष्ट मशीन लैब, एयर कंडिशनिंग सिस्टम और यूपीएस से लैस 26 कक्षा कमरे, 32 लैब / कार्यशाला एयर कंडीशनिंग सिस्टम से लैस, वाईफाई और वायर्ड कनेक्टिविटी, 24 घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी, सेंट्रल फायर फाइटिंग सिस्टम, जिमनाजियम, कैंपस प्ले ग्राउंड, बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट, वॉलीबॉल ग्राउंड, टेबल टेनिस, खो खो ग्राउंड, कैम्पस कैंटीन चाय और स्नैक्स के लिए कियोस्क के साथ, 24 घंटे सुरक्षा सेवा, कैंपस के अंदर पानी के इनलेट / आउटलेट में लौह मुक्त और रोगाणु रहित पानी की आपूर्ति के लिए जल उपचार संयंत्र (आईआर प्लांट), आरओ प्रणाली और शोधक और जल शीतलन प्रणाली के साथ पेयजल, डॉक्टर का कक्ष व्हील चेयर और मेडिकल परीक्षा बिस्तर प्राथमिक चिकित्सा इत्यादि से लैस, स्टेशनरी शॉप, प्रिंटिंग सेंटर / फोटोकॉपी मशीन, लिफ्ट सुविधा, निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए डीजल जनरेटर सेट, सभी मौजूदा कंप्यूटरों के लिए यूपीएस बैकअप, उपस्थिति रिकॉर्डिंग के लिए बॉयोमीट्रिक सिस्टम, कचरे के सुविधाजनक निपटान के लिए कचरा वैट तथा उद्योग और क्राफ्ट क्लस्टर यात्रा के लिए छात्रों के लिए निफ्ट बस के साथ 300 सीटर ऑडिटोरियम शामिल हैं। वर्ष 2019 में सौंदर्यकरण को बढ़ाने के लिए नए आर्च गेट की स्थापना की गई है। न्यू पोर्टा केबिन का भी निर्माण किया गया है।

छात्रावास सुविधाएं

निफ्ट कोलकाता बाहर से आने वाली छात्राओं को अच्छी तरह से सुरक्षित आवासीय सुविधाएं प्रदान करता है। छात्रावास में दी जाने वाली महत्वपूर्ण सुविधाओं में सेमी सुसज्जित वातानुकूलित / गैर वातानुकूलित कमरे, छात्रों के अतिथि / माता-पिता के लिए अतिथि कमरे, आम मनोरंजन / आराम कक्ष, रिसेप्शन और कॉमन रूम में डीटीएच के साथ बड़ी स्क्रीन वाला टेलीविजन, आपातकालीन निकास, अग्निशमन प्रणाली, वाईफाई कनेक्टिविटी, भवन के बाहर और रिसेप्शन में सीसीटीवी निगरानी, आरओ शोधक और शीतलन प्रणाली के साथ पेयजल, बाथरूम में गीजर, डॉक्टर की सुविधा / प्राथमिक चिकित्सा, इंडोर / आउटडोर गेम सुविधा, चाय और स्नैक्स के लिए कियोस्क के साथ हॉस्टल कैंटीन, हॉस्टल से कैंपस तक आने जाने के लिए बस की सुविधा, आरबीटी बाड़, हाउसकीपिंग सेवा, 24 घंटे सुरक्षा सेवा, छात्रावास के अंदर पानी के इनलेट / आउटलेट में लौह मुक्त और रोगाणु रहित पानी की आपूर्ति के लिए जल उपचार संयंत्र (आईआर प्लांट), बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए जनरेटर सेट।

अल्पावधि पाठ्यक्रम

हमारे नियमित स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अलावा, निफ्ट कोलकाता सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी प्रदान करता है। वर्ष 2018-19 में, निफ्ट कोलकाता ने प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के सात बैचों का संचालन किया है। सात बैचों में से, एक बैच 'फैशन एंड क्लोथिंग टेक्नोलॉजी', दो बैच 'डिजाइन इन बुटीक परिधान और एक्सेसरी', एक बैच 'फैशन निटविअर एंड प्रो.डक्शन टेक्नोलॉजी', दो बैच 'वस्त्र उत्पादन तकनीक' और एक बैच 'फैशन डिजाइन और वस्त्र प्रौद्योगिकी' पर था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रमों के संचालन से 66.62 लाख रुपये अर्जित हुए हैं।

परियोजनाएं

निफ्ट ने वर्षों से विभिन्न प्रकार की परामर्श परियोजनाओं को लागू किया है। वर्ष 2018-19 के दौरान निफ्ट, कोलकाता द्वारा निष्पादित नई परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

- पश्चिम बंगाल सरकार - तन्तुजा के प्रायोजन के साथ तन्तुजा के कर्मचारियों के स्टोर संचालन के लिए 'सेल्स स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग' पर तीन दिवसीय कार्यशाला और प्रशिक्षण सत्र।

• आनंदधारा – जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, बारासात के तहत 'डिजाइन और विविधता' पर एसएचजी कारीगरों का प्रशिक्षण।

• आनंदधारा – जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, बारासात के तहत कढ़ाई, पैटर्न मेकिंग और परिधान निर्माण पर एसएचजी कारीगरों का प्रशिक्षण।

• आनंदधारा – जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, बारासात के तहत उन्नत पैटर्न बनाना और कपड़ा विकास सहित परिधान निर्माण पर एसएचजी कारीगरों का प्रशिक्षण।

• राष्ट्रीय जूट बोर्ड, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आउटरीच कार्यक्रम –2019 के तहत फैशन शो, टॉक और कार्यशाला' ।

• पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम द्वारा प्रायोजित श्परिधान डिजाइनिंग और फैशन प्रौद्योगिकीश पर एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम द्वारा प्रायोजित फैशन लेदर एक्सेसरीज डिजाइन पर एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• पश्चिम बंगाल के सोदपुर में श्लेदर क्राफ्टश पर एक एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना

• पश्चिम बंगाल के बारासात में हैंड एम्ब्रायडरी काथा क्राफ्ट पर एक एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास परियोजना।

वर्ष 2018–19 के दौरान निफ्ट, कोलकाता द्वारा (भौतिक / आर्थिक रूप से) बंद की गई परियोजनाएं:

• वर्कशॉप सह जागरूकता कार्यक्रम एवं फैशन एवं टेक्सटाइल और ब्लॉक प्रिंटिंग टाई एंड डाई तथा बाटिक', असम सरकार द्वारा प्रायोजित।

• पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम द्वारा प्रायोजित मिलन उत्सव मेले के लिए विजुअल मर्चेंडाइजिंग।

• डीसी (हथकरघा) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तर के समूहों से कपड़ा डिजाइनर और विपणन अधिकारियों के लिए 3 दिवसीय क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला।

• डीसी (हथकरघा) द्वारा प्रायोजित आज के फैशन और डिजाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, बंगाल राज्य हस्तशिल्प सहकारी समिति लिमिटेड श्बंगश्रीश।

• न्यू टाउन स्कूल यूनिफॉर्म डिजाइन की परियोजना ।

• परिधान और सूचना प्रौद्योगिकी (सीपीएआईटी) पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

• टंटुजा, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित टंटुजा कर्मचारियों के लिए विजुअल मर्चेंडाइजिंग के माध्यम से बिक्री को अधि कतम करने पर तीन दिवसीय कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• राष्ट्रीय जूट बोर्ड, भारत सरकार के तहत मास्टर ट्रेनरों और डिजाइनरों का पेनल बनाया जाना।

• शांतिपुर मसलिन साड़ी परियोजना को टेक्सटाइल विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

शैक्षणिक उत्कृष्टता के अलावा, निफ्ट सांस्कृतिक, खेल और साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को आगे बढाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कंवर्ज एक अंतर–केंद्रीय सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम है, जो सभी निफ्ट परिसरों में छात्रों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। कन्वर्ज 2018 का आयोजन 27–29 दिसंबर, 2018 को निफ्ट रायबरेली कैंपस में हुआ था, जिसमें निफ्ट कोलकाता के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया था और 05 स्वर्ण, 04 रजत और 05 कांस्य पदक के साथ मिस्टर और मिस कन्वर्ज 2018 का खिताब जीता था। इनके अलावा, हमारे छात्रों ने साल भर कोलकाता में और आसपास के कॉलेजों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लिया और निफ्ट का नाम रोशन किया।

पुरस्कार	प्रतियोगिता	छात्र का नाम
स्वर्ण	एथलेटिक्स (दौड़) - 400 मीटर	सुश्री रमनीक, वस्त्र डिजाइन (बैच 2016-20)
	एथलेटिक्स (दौड़) - 800 मीटर	सुश्री रमनीक, वस्त्र डिजाइन (बैच 2016-20)
	जेवलिन थ्रो	सुश्री मस्कान गुप्ता, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2018-22)
	टेबल टेनिस मिक्स्ड डबल्स	श्री अवनीस दास, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21) और
		सुश्री राजेश्वरी विश्वास, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
रजत	प्रश्नोत्तरी (क्विज)	सुश्री जान्हवी चोपड़ा, निटविअर डिजाइन (बैच 2016-20)
		श्री गिरिक मदन, लेदर डिजाइन (बैच 2018-22)
	टेबल टेनिस महिला युगल	सुश्री मनस्वी प्रवीण, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2016-20)
		सुश्री राजेश्वरी विश्वास , एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
	अंग्रेजी वाद-विवाद	सुश्री जान्हवी चोपड़ा, निटविअर डिजाइन (बैच 2016-20)
	टेबल टेनिस महिला एकल	सुश्री राजेश्वरी विश्वास, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
कांस्य	कैरम	श्री रोहित कुमार प्रजापति लेदर डिजाइन (बैच 2018-22)
	रैप बैटल	श्री अंशु, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2018-22)
	वॉलीबॉल महिला	सुश्री अमीषा साहू, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2018-22)
		सुश्री अरुणाक्षी रेवेन, निटवियर डिजाइन (बैच 2018-22)
		सुश्री दीपशिखा दत्ता, लेदर डिजाइन (बैच 2017-21)
		सुश्री दिशा देबनाथ, फैशन प्रौद्योगिकी (बैच 2017-21)
		सुश्री शुभांगी नाइक (कप्तान), लेदर डिजाइन (बैच 2016/20)
		सुश्री सोनाली सिंह, कपड़ा डिजाइन (बैच 2017-21)
	वॉलीबॉल पुरुष	श्री अभिनव कृष्ण, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2018-22)
		श्री अंकुर कुमार दास, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
		श्री दीपक मुंडा, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2016-20)
		श्री रवि राज, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2015-19)
		श्री सज्जन कुमार (कप्तान), फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2015-19)
		श्री सुदीन लेप्चा, वस्त्र डिजाइन (बैच 2018-22)
	कबड्डी पुरुष	श्री अभिनव कृष्णा, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2018-22)
		श्री अंशु, फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2018-22)
		मोहम्मद नासिर हुसैन (कैप्टन), फैशन टेक्नोलॉजी (बैच 2016-20)
		श्री राहुल कुमार, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
		श्री अक्षय कुमार, एक्सेसरी डिजाइन (बैच 2017-21)
		श्री आधिष, फैशन मैनेजमेंट (2018-20)
		श्री गेब्रियल अनुज मिपुन, लेदर डिजाइन (बैच 2018-22)
		श्री आदर्श कुमार शॉ, फैशन डिजाइन (बैच 2017-21)
मिस्टर एवं मिस कंवर्ज 2018		श्री चंद्रयान मित्रा, फैशन डिजाइन (बैच 2017-21) और
		सुश्री महक मैनी, सहायक डिजाइन (बैच 2018-22)

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

वर्ष 2018 में निफ्ट कोलकाता द्वारा संचालित स्नातक कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

विभाग	कार्यक्रम का नाम	दिनांक
फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज	डिजाइन शोकेस 2018	28 मई
फैशन संचार	कॉमडोम' 18	28 मई
फैशन डिजाइन	फैशनोवा 2018	29 मई
निटविअर डिजाइन	निटमोड़ा	29 मई
लेदर डिजाइन	ग्रैजुएशन शो, 2018	29 मई
टेक्सटाइल डिजाइन	तंतु 2018	29 मई
फैशन टेक्नोलॉजी	टेक्नोवा 2018	29 मई
मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट	दी ग्रेजुएशन शो, 2018	24 मई

2018 का दीक्षांत समारोह 31 मई, 2018 को पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता में महामहिम राज्यपाल, पश्चिम बंगाल, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी (माननीय मुख्य अतिथि), श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार (सम्मानीय अतिथि) और श्रीमती शारदा मुरलीधरन, आईएएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

क्राफ्ट क्लस्टर हस्तक्षेप

क्राफ्ट क्लस्टर हस्तक्षेप के एक हिस्से के रूप में, निफ्ट कोलकाता ने डीसी (हैंडलूम) से 19,96,800/- और डीसी (हस्तशिल्प) से 39,93,600/- की संचयी निधि प्राप्त की। वर्ष के दौरान निफ्ट कोलकाता द्वारा शिल्प क्लस्टर पहल के अंतर्गत 63 शिल्प क्लस्टर गतिविधियों का आयोजन किया गया था। अवधि के दौरान कुल 922 बुनकर / कारीगर, 657 छात्र, 22 संकाय सदस्य और 16 कर्मचारी विभिन्न शिल्प संबंधी गतिविधियों में लगे हुए थे।

• कैम्पस के आसपास के क्षेत्र में शिल्प क्लस्टर का दौरा - यात्राओं की संख्या: 41 और कारीगर लगाए: 118

• पश्चिम बंगाल के विभिन्न समूहों में शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन - यात्राओं की संख्या: 07 और कारीगर लगे: 595

• शिल्प आधारित डिजाइन उत्पाद - यात्राओं की संख्या: 06 और कारीगर लगे: 98

• कारीगर / बुनकर जागरूकता कार्यक्रम - कार्यक्रमों की संख्या: 07 और भाग लेने वाले कारीगरों की संख्या: 104

• निफ्ट कोलकाता परिसर में शिल्प प्रदर्शन - प्रदर्शनों की संख्या: 02 और लगे हुए कारीगरों की संख्या: 07

कारीगर बाजार

निफ्ट कोलकाता की सीआईसी यूनिट ने 29-30 मार्च, 2019 से फुलिया-शांतिपुर, बेगमपुर, कालना के साथ हैंडलूम क्लस्टर और शान्तिनिकेतन के साथ कंथा, लेदर और बाटिक के साथ गरिया-सोनारपुर, दोकरा और टेराकोटा हस्तशिल्प के साथ बांकुरा जैसे शिल्प क्षेत्रों में काम करने वाले आस-पास के दस्तकारों को प्रोत्साहित करने के लिए निफ्ट कोलकाता कैंपस में दो दिनों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री के साथ श्कारीगर बाजारश का आयोजन किया।

पीएचडी आरंभ और पूरा किया

07 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुतियाँ

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने पूर्व बर्धमान जिले, पश्चिम बंगाल, भारत के 'जामदानी और तंगेल बुनकर पर एक गहन अध्ययन और पर एक पत्र प्रकाशित किया'। जे. टेक्सटाइल एंग फैशन टेक्नोल.4(3), 263-270 (2018)

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'पुरुषों की अंडरवीयर शैलियों की समीक्षा और इसके विभिन्न वस्त्रों' पर एक पेपर प्रकाशित किया। एलटीटीएफडी, 2 (2), 166-174 (2018)

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'लेदर क्षेत्र में स्थिरता दृष्टिकोण' पर एक पत्र प्रकाशित किया। लेदर रसायन के नए नवाचार, 11, 10-26 (2018)।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने ष्व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कारीगर क्षेत्र में एर्गोनोमिक मुद्देष पर एक पत्र प्रकाशित किया। जेआईएलटीए, 68 (2), 51-59 (2018)।

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, ने ष्योग्यता-आधरित प्रशिक्षण पद्धति: प्रशिक्षकों के लिए एक दिशानिर्देशष पर एक पत्र प्रकाशित किया। जेआईएलटीए, 68 (3), 27-32 (2018)।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, ने ष्फुटवियर विनिर्माण में 3 डी प्रिंटर के अनुप्रयोगष पर एक पत्र प्रकाशित किया। जेआईएलटीए, 68 (4), 17-22 (2018)।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'पाइनएपल लेदर: एन इको-फ्रेंडली आल्टर्नेटिव' पर एक पेपर प्रकाशित किया। लेदरेज, 40 (6), 6-24 (2018)।

• डॉ सौगता बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और सह-लेखक (2018) ने एक पेपर प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है "ए स्टडी ऑन दी इवैल्यूएशन ऑफ ब्रांड पोजिशनिंग एंड इडेंटिफिकेशन ऑफ की ब्रांडिंग रस्ट्रेटजीज कोलकाता बाजार में मूंछों के संदर्भ में"। (डी. पी. जैन, एड) आरए जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 04 (07), 1861-1871

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'शांतिनिकेतन लेदर उत्पाद खरीदने में स्थानीय पर्यटकों को प्रभावित करने वाले कारक' पर एक पत्र प्रकाशित किया। लेदरेज, आईआईएलएफ विशेष अंक, 6-20 (2019)।

• श्री बिकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर ने एसएमएस जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन में 'ग्राहक रिटर्न से बचने के लिए सूट निर्माण में गुणवत्ता उपकरणों के कार्यान्वयन' शीर्षक से एक पत्र प्रकाशित किया।

• प्रो. बिबेकानंद बैनर्जी ने टेक्सास गल्फ ग्लोबल लिमिटेड कोलकाता में 'स्कोप एंड अपेरल एक्सपेरिमेंट ऑन अपेरल एक्सपोर्ट फ्रॉम ईस्टर्न रीजन' पर एक प्रस्तुति दी।

• एक पेपर जिसका शीर्षक था, 'रूपांकनों में परिवर्तन के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का चित्रण: बंगाल के कांथा कढ़ाई का एक केस अध्ययन', सह-लेखक प्रोफेसर(प्रथम लेखक) सुश्री श्रीनंद पालित द्वारा प्रकाशित किया गया था और इसे यूनिवर्सल रिव्यू अक्टूबर, 2018 में वॉल्यूम 7, अंक X (आईएसएसएन नंबर: 2277-2723) में प्रकाशित किया गया था।

• सुश्री श्रीनंदा पालित, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'एथनो-सांस्कृतिक कथाओं की समझ में संग्रहालय की भूमिका:' कला के फिलाडेल्फिया संग्रहालय में बंगाल की कशीदाकारी रजाई का अवलोकन' शीर्षक का पेपर 21 जनवरी, 2019 को बंगीय साहित्य परिषद के सहयोग से लोकनृत्य, कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा 'लोकगीतों के संरक्षण में संग्रहालय का महत्व' पर दो दिनों के राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी ने 23 -26, 2018 जुलाई के दौरान ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय में आयोजित 91 वें टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस में 'इफेक्ट ऑफ यार्न इनपुट टेंशन एंड स्टिच कैम सेटिंग ऑन डायनामिक पैरामीटर्स ऑन अल्ट्रसोनिक टेक्निक्स यूज' शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी ने एशियन टेक्सटाइल जर्नल, वॉल्यूम 27, अंक 9 सितंबर, 2018, पृष्ठ संख्या 68-73 में प्रकाशित स्मार्ट फंक्शनल क्लोथ्स 'नामक एक पेपर लिखा।

• श्री मोंटू बसाक, असिस्टेंट प्रोफेसर, 'नैनो-फाइब्रस नॉनवॉवन फैब्रिक: ए वंडरफुल सॉल्यूशन फॉर पर्सनल प्रोटेक्शन फॉर एयर पॉल्यूशन' शीर्षक से एक लेख वर्ष 2018 में तंतु जर्नल में प्रकाशित किया गया था।

• डॉ सुमंत्रा बख्शी, सहायक प्रोफेसर ने 23 से 26 जुलाई, 2018 तक यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स यूके में आयोजित टीडबल्यूआईसी 2018 सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

• पेपर शीर्षक "दी लैंग्वेज ऑफ टेक्सटाइल्स - टैगोर और भद्रमहिला" 9 सितंबर, 2018 को श्री सव्यसाची सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र में (डिबेटिंग इंडियन एस्पिरेशनल भाषाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - डीआईएएल-2018) प्रस्तुत किया गया था।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री बिकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, ने नवीनतम रुझानों में 'गुणवत्ता विश्लेषण और परीक्षण के परीक्षण' पर एक पत्र टेक्सटाइल एंड फैशन डिजाइन, ल्यूपिन पब्लिशर्स, 3(1), 1-10 (2018) में प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ सौगता बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और सह लेखक ने 'उपभोक्ता के क्रय निर्णय पर खुदरा सेवा की गुणवत्ता के प्रभाव पर एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक पत्र जो मूंछ के संदर्भ में है, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, 2 (4), 34-55 (2018) में प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री संजीब कुमार दास, एसोसिएट प्रोफेसर, और सह-लेखक ने ष्तंतुजा से पश्चिम बंगाल हैंडलूम उत्पादों के उपभोक्ता जागरूकता पर एक अध्ययनष शीर्षक से एक पत्र एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट 9 (3), 1177-1182 (2018) में प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकेश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री संजीब कुमार दास, एसोसिएट प्रोफेसर ने "कोलकाता के बाजार में स्थानीय रूप से निर्मित जूते के लिए उपभोक्ता वरीयता" शीर्षक से एक पत्र इंडियन लेदर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन (जेआईएलटीए), जर्नल 68 (9), 31- 37 (2018) में प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री संजीब कुमार दास, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'रॉहाइड टू फैशन: सस्टेनेबल डेवलपमेंट इनसाइड लेदर प्रो.डक्शन इन वेस्ट बंगाल' नामक एक पत्र इंडियन लेदर टेकनोंलॉजिस्ट एसोसिएशन जर्नल (जेआईएलटीए), 68 (6), 17-28 (2018) में प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, ने श्री बिकास अग्रवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ एक पेपर 'भारतीय परिधान विनिर्माण उद्योग में स्थिरता', कलकत्ता विश्वविद्यालय में 16 फरवरी 2019 को आयोजित किए गए टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) पश्चिम बंगाल यूनिट, कोलकाता के 68 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

• श्री बिकास अग्रवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर और डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने 'कंप्यूटर एडेड कटिंग इन इंडियन गारमेंट इंडस्ट्री: ए चेंज एजेंट' विषय पर टेक्सटाइल इंजीनियरिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी, 5 (1) जर्नल 23-27 (2019) में एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ सौगता बैनर्जी, सहायक प्रोफेसर ने 'मणिपुर के कौना ग्रास क्राफ्ट पर एक गहन अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज कॉन्सेप्ट्स, 7 (1), 161-172 (2019)।

• श्री बिकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर और डॉ दिब्येंदु बिकाश दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा 'बुनकरों पर हथकरघा सहकारी समितियों के आर्थिक प्रभाव पर एक अध्ययन' शीर्षक से शोध पत्र एसएमएस जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन में प्रकाशित किया गया।

फैकल्टी ओरिएंटेशन, प्रशिक्षण एवं विकास ओरिएंटेशन / इंडक्शन प्रोग्राम

निफ्ट कोलकाता के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक अर्थात् श्री हिमांशु ढांडा, सुश्री तूलिका सैकिया और सुश्री नगमा साही अंसारी ने नई दिल्ली के निफ्ट हेड ऑफिस में 25-29 मार्च, 2019 से 5 दिनों के इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया।

प्रशिक्षण

• सुश्री अनामिका देबनाथ, सुश्री अहाना मजुमदार, श्री प्रमोद कुमार, सुश्री श्रीनंदा पालित, श्री डी. राजशेखर और श्री सौविक बोस ने कोर डिजाइन शिक्षाशास्त्र और भविष्य की प्रवृत्तियों में भाग लिया।

• डॉ अनन्या देब रॉय, डॉ संदीप मुखर्जी और डॉ सौगता बैनर्जी ने पीएचडी अनुसंधान के पर्यवेक्षण पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ अनन्या देब रॉय और सुश्री बिनवंत कौर, बिगडाटा और बिजनेस एनालिटिक्स की टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री अनामिका देबनाथ ने लक्जरी-ब्रांडिंग, पहचान और पोजिशनिंग की टीओटी में भाग लिया।

• डॉ संदीप मुखर्जी और श्री मोंटू बसाक ने क्रिएटिव सोच कौशल पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री ज्योति प्रकाश बेहरा, ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के परिचय पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री राहुल सेठी, श्री सब्यसाची सेनगुप्ता और श्री डी राजशेखर ने लक्जरी उत्पाद डिजाइन और विपणन पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री सब्यसाची सेनगुप्ता, डिजाइन शिक्षा के लिए एर्गोनॉमिक्स पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री डी राजशेखर, टीओटी पर फुटवियर डिजाइन स्टूडियो I में भाग लिया।

• डॉ सुमंतरा बख्शी और श्री प्रमोद कुमार, बुना हुआ कपड़ा और खेलों के क्षेत्र में रुझान और विकास पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री संजीब कुमार दास, डिजाइन शिक्षा के लिए एर्गोनॉमिक्स पर टीओटी में भाग लिया।

• डॉ सौगता बनर्जी, क्रिएटिव एंटरप्रेन्योरशिप पर टीओटी में शामिल हुई।

• श्री निधि कुमार मंडल, डिजाइन प्रक्रिया पर टीओटी में शामिल हुए।

• श्री आशीस देबनाथ और सुश्री अहाना मजुमदार ने वस्त्र, परिधान और फैशन सहायक उपकरण / गृह और स्पेस (III एवं IV सेमेस्टर) के लिए टेक्सटाइल पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री निधि कुमार मंडल, ड्राइंग पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री अनामिका देबनाथ और श्री संदीप कुमार सामंत ने फैशन बेसिक्स पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री श्रीनंदा पालित, ट्रेंडेंसी एंड सोशल इम्पैक्ट एनालिसिस पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री संजीब कुमार दास, आभूषण निर्माण और डिजाइन प्रक्रिया के मूल विषय पर टीओटी में भाग लिया।

उद्योग से जुडाव

• श्री बिकास अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, बीएफटी, 'कारखाने में अपव्यय को कम करने' के क्षेत्र में 4-18 जून, 2018 से मैसर्स डेनन मर्चेंडाइज (प्राइवेट) लिमिटेड (हावड़ा कारखाने में) में लगे हुए थे।

• श्री राहुल सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी, 'कोलकाता में चमड़े के सामान और सहायक उपकरण' के क्षेत्र में 2-13 जुलाई, 2018 तक मैसर्स यूआर ट्रेडिंग मैनुफेक्चर ऑफ लेदर गुड्स, कोलकाता में लगे हुए थे।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार / मेलों / बैठकों में संकाय भागीदारी

• सुश्री भारती मोइत्रा, एसोसिएट प्रोफेसर ने 7 जनवरी, 2019 को 'आर्टिसन स्पीक'- एक टेक्सटाइल आउटरीच पहल, 2019 (कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित) में भाग लिया और पैनल चर्चा: स्थिरता, डिजाइन और ट्रेंड का पूर्वानुमान का दस्तावेजीकरण किया। सुश्री मोइत्रा ने 22 फरवरी, 2019 को आउटलुक बिजनेस डबल्यूओडबल्यू 2019 कोलकाता (दी आउटलुक ग्रुप द्वारा आयोजित) में भी भाग लिया।

• डॉ दिब्येंदु बिकास दत्त, एसोसिएट प्रोफेसर को 14 फरवरी, 2019 को कोलकाता के बिरला अकादमी फॉर आर्ट एंड कल्चर में नाबार्ड हस्त शिल्पोत्सव में 'हस्तशिल्प उत्पादों की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन' विषय पर अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

• श्री संजीब कुमार दास, एसोसिएट प्रोफेसर ने 8 से 9 अप्रैल, 2018 तक यूबीएम इंडिया एवं सीजी एवं जेडबल्यूए द्वारा आयोजित बिस्वा बंगला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में 4 वें कोलकाता ज्वैलरी एंड जेम फेयर में भाग लिया और फर्स्ट इंडिया अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में भी भाग लिया, मेला (आईआईकेटीएफ), बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा 1-2, 2018 से आयोजित किया गया था।

• श्री संजीब कुमार दास, एसोसिएट प्रोफेसर और सुश्री तूलिका सैकिया, सहायक प्रोफेसर ने 11 से 13 फरवरी, 2019 तक पानागढ़ आर्मी बेस कैंप में एफ एंड एलए, बैच 2017-21 के छात्रों के साथ आउटबाउंड कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री राहुल सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर ने कोलकाता 2019 में आईएलजीएफ मेले में भाग लिया।

• श्री सब्यसाची सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने कोलकाता 2019 में आईएलजीएफ मेले में भाग लिया।

• श्री डी राजशेखर, एसोसिएट प्रोफेसर ने 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2019 तक डिजाइनर फेयर 2019 / एमएए के लिए चेन्नई के आईआईएलएफ मेले और 12 वें संस्करण की बैठक आगरा (लेदर, जूते के घटकों और प्रौद्योगिकी मेले) में 26-28 अक्टूबर, 2018 तक और कोलकाता 2019 में आईएलजीएफ मेले में भाग लिया।

• सुश्री अहाना मजुमदार, श्री प्रोसेनजीत भद्रा, सहायक प्रोफेसर और श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसर ने आउटरीच प्रोजेक्ट 'आर्टिसंस स्पीक' 2019 नेशनल जूट बोर्ड, पुरानी मुद्रा भवन, कोलकाता में 7-10 जनवरी, 2019 को आयोजित किया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठी और कार्यशालाएं

• एक्सपर्ट व्याख्यान 14 नवंबर, 2018 को उद्योग विशेषज्ञ, श्री बप्पादित्य विश्वास, एमडी, बाईलूम फॉर एमएफए, सेमेस्टर-I छात्रों (बैच 2018/20) के लिए विषय 'फैशन मार्केटिंग प्रबंधन' के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया।

• 'विशेष उत्पाद समूह' विषय के एक भाग के रूप में 'कीमती आभूषण' पर एमएफएम, सेमेस्टर III के छात्रों के लिए 16 नवंबर, 2018 को उद्योग विशेषज्ञ, सुश्री नेहा शर्मा, पार्टनर और क्रिएटिव हेड, दी जेड ट्री द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

• विशेषज्ञ व्याख्यान 20 नवंबर, 2018 को एमएफएम, सेमेस्टर I के छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञ, सुश्री रीता शोम, डिजाइनर (निफ्ट एलुमनी) के साथ 'ग्लोबल फैशन बिजनेस: साइज, स्ट्रक्चर एंड ट्रेंड्स' विषय के एक भाग के रूप में ''अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए पूर्वानुमान रुझानों'' पर आयोजित किया गया।

• एमएफएम, सेमेस्टर I के छात्रों के लिए उद्योग के विशेषज्ञ, श्री संजय मुखोपाध्याय, सीनियर मैनेजर, क्रिस्टल मार्टिन (निटवियर) लिमिटेड के साथ 'ग्लोबल फैशन बिजनेस: साइज, स्ट्रक्चर एंड ट्रेंड्स' विषय के एक भाग के रूप में 'ग्लोबल ब्रांड्स के लिए खरीदारी' पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

• 28 फरवरी, 2019 को एमएफएम, सेमेस्टर II के छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञ, श्री प्रबल बोस, सिनेमैटोग्राफर के साथ ब्रांडेड एंटरटेनमेंट 'विषय के एक भाग के रूप में अनुप्रस्थ मीडिया प्लेटफॉर्म में स्टोरीटेलिंग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

• मुख्य अतिथि श्री संजय झुनझुनवाला, सीईओ, टर्टल लिमिटेड के साथ 25 मई, 2018 को एक संगोष्ठी (टेक्नोवा) आयोजित की गई, जिसमें श्री दिनेश केसवानी, महाप्रबंधक, ह्योसंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, श्री अजय कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, ह्योसंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डॉ देबंजन दास, असिस्टेंट प्रोफेसर और कार्यक्रम समन्वयक, वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी, यूएसए, श्री पिनाकी सेनगुप्ता, हेड-बिजनेस एक्सीलेंस, सस्टेनेबिलिटी, आदित्य बिड़ला नुवो, जयश्री टेक्सटाइल्स और श्री वेसिन त्यागी, प्लांट इंजीनियर, जूकी, एनसीआर संगोष्ठी में प्रख्यात वक्ता रहे।

• बीएफटी, सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 30 नवंबर, 2018 को समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• 'कलर साइकोलॉजी' पर एक कार्यशाला का आयोजन 26 अप्रैल, 2018 और 3 मई, 2018 को निफ्ट कोलकाता के पूर्व छात्रों श्री राजा गोप और श्री अर्नब पॉल द्वारा एफसी, सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए किया गया था।

• हेयर एंड मेकअप 'पर एक कार्यशाला 1-2 मई, 2018 को एफसी, सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए श्री भास्कर विश्वास द्वारा आयोजित की गई थी।

• लेदर डिजाइन डिपार्टमेंट (बैच 2006-10) के निफ्ट कोलकाता के पूर्व छात्र श्री राहुल शास्त्री ने 18 सितंबर, 2018 को निफ्ट कोलकाता परिसर में एफडी छात्रों (सेमेस्टर VII) के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया।

• फैशन डिजाइन विभाग के चार पूर्व छात्रों (बैच 2012-16), सुश्री अनुराधा देब, सुश्री संचित केडिया, श्री साईम घानी और सुश्री अदिति भंटिया ने 12, नवंबर, 2018 में एफडी छात्रों (सेमेस्टर III, V और VII) के साथ एक छोटी कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री लबोनी साहा, फैशन डिजाइन विभाग (बैच 2006-10) निफ्ट कोलकाता की पूर्व छात्र ने 27 दिसंबर, 2018 को निफ्ट कोलकाता परिसर में एफडी छात्रों (सेमेस्टर- टप्प) के साथ एक कार्यशाला आयोजित की।

• श्री सुरजीत विश्वास, फैशन डिजाइन विभाग (बैच 2011-15) निफ्ट कोलकाता के पूर्व छात्र ने 2 फरवरी, 2019 को छात्रों

(सेमेस्टर IV और VI) के साथ कार्यशाला का आयोजन किया।

• श्री साईम केशरी, फैशन डिजाइन विभाग (बैच 2008-2012) निफ्ट कोलकाता के पूर्व छात्र ने 22 फरवरी, 2019 को छात्रों (सेमेस्टर IV और VI) के साथ कार्यशाला का आयोजन किया।

• सुश्री नंदिता पाल चौधरी, उद्यमी और सलाहकार द्वारा नए उत्पाद विकास और कारीगरों / छात्रों (एडी, सेमेस्टर VI के लिए) और संकाय के साथ बातचीत 13 अप्रैल, 2018 को आयोजित किया गया था।

• 20 अप्रैल, 2018 को एडी, सेमेस्टर VI के शिल्प के बारे में विवरण डिजाइन करने के लिए श्री राजा गोप, उद्यमी और डिजाइनर द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• 27 मई 2018 को सेमेस्टर VI के एनडीपी और मार्केट ट्रेंड्स पर सुश्री मयूखी बसाक द्वारा एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• 19 सितंबर, 2018 को बिस्वा बंगला में श्रेणी प्रबंधक सुश्री सयानी कुंडु और श्री निखिल बर्मन - महासचिव, सीएसडब्ल्यूएस मिदनापुर में एडी, सेमेस्टर VII के लिए विभिन्न शिल्पों और अनुसंधानों की पूर्व-यात्रा ब्रीफिंग पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• श्री पार्थ डे कलाकार, सुश्री सयानी कुंडू, बिस्वा बंगला में श्रेणी प्रबंधक और बंगला नाटक.कॉम के शिल्प विशेषज्ञ श्री मानस आचार्य द्वारा 25 अक्टूबर, 2018 को एडी सेमेस्टर-V के लिए शिल्प और समूहों के प्रकारों के बारे में पूर्व-भ्रमण ब्रीफिंग पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• 1 मई, 2018 को सेमेस्टर V के छात्रों के लिए प्रसिद्ध बाटिक विशेषज्ञ श्री अमित साहा द्वारा बाटिक मुद्रण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

• सुश्री पुरबी घोष हाथ से बुनाई में एक विशेषज्ञ द्वारा 31 अक्टूबर, 2018 को सेमेस्टर III के लिए एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था।

• नवंबर, 2018 में सेमेस्टर III और VII के लिए श्री अमल किरण जना और सुश्री रचना बाजला द्वारा एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था।

• 27 अप्रैल, 2018 और 1-3 मई, 2018 को एलडी छात्रों (बैच 2015-19) के लिए निफ्ट कोलकाता में कारीगरों / बुनकरों के साथ एक शिल्प जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सुश्री प्रीतिकोना गोस्वामी, श्री तरुण मल्लिक, सुश्री सुदीप्त दत्ता, श्री राहुल शास्त्री, सुश्री सयानी कुंडू, श्री गौतम मोदक, श्री शंकर सरकार, श्री बिधान दास मुख्य वक्ता थे।

• बातचीत / दौरों के माध्यम से शिल्प क्लस्टर को समझने और शिल्प क्लस्टर कार्यक्रम में मौजूदा रुझानों और चुनौतियों को समझने के लिए एक कार्यक्रम एलडी (बैच 2017-21) के छात्रों के लिए 16-27 नवंबर, 2018 से आयोजित किया गया था जिसमें श्री तारक तालुकदार और श्री मोहनता नस्कर प्रमुख वक्ता थे।

• सुश्री जूलिया रथ, अंतर्राष्ट्रीय वक्ता द्वारा टीडी सेमेस्टर IV के लिए प्रिंट डिजाइन: हाथ और डिजिटल विषय पर एक कार्यशाला और व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

• बारासात में अपनी कार्यशाला में टेक्सटाइल डिजाइनर श्री अजीत दास के साथ प्राकृतिक डाई और टेक्सटाइल पेंटिंग पर प्राकृतिक डाई के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई।

• 22 नवंबर, 2018 को टीडी V और आईडीएम प्रिंट डिजाइन छात्रों के लिए विभाग के दस पट्चित्र कलाकारों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

• प्रो. पद्मिनी बलराम, विश्व भारती विश्वविद्यालय ने 8 जनवरी, 2019 को कारीगरों के भाषण में कार्यशाला में टीडी, सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ बातचीत की।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• एमएफएम छात्र (बैच 2017-19) सेमेस्टर III और IV के बीच इंटर्नशिप के लिए प्रतिष्ठित उद्योगों जैसे कि पेंटालून्स, आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल लिमिटेड, वीएफ ब्रांड्स-इंडिया - ली लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, मैक्स रिटेल डिवीजन, ओनाया फैशन प्राइवेट लिमिटेड, लिटिल वॉर्डरोब, रेमंड ग्रुप (पार्क एवेन्यू), फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन, जबॉन्ग, लैंडमार्क ग्रुप, एपीसी इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, अरविंद लाइफस्टाइल अनलिमिटेड ब्रांड, अम्बे टेक्स फैब (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, वेदांत फैशन प्राइवेट लिमिटेड, एस.के. नितफैब प्राइवेट लिमिटेड, तनिष्क, मिस्टर बटन, ऋचा एंड कंपनी, ट्रिबर्ग, लक्स इंडस्ट्रीज - ईबेल फैशन प्राइवेट लिमिटेड, पेटीएम, नोएडा, मिस चेस, सेलिब्रिटी फैशन लिमिटेड, स्मृति एपरेल्स में गए।

• एमएफएम, सेमेस्टर I के छात्रों ने 12 नवंबर, 2018 को मैसर्स डैजल फैशन का दौरा किया।

• बीएफटी के छात्रों द्वारा नाहर, लालरू, वेलस्पन, वापी, वर्धमान, हिमाचल एवं ओसीएम रेमंड्स, जलगाँव, सरला फैब्रिक शाही एक्सपोर्ट, गाजीबाद, अरविंद, गुजरात में मई-जून 2018 के दौरान टेक्सटाइल इंटर्नशिप की गई।

• सेमेस्टर VI के छात्रों द्वारा परिधान इंटर्नशिप अगस्त-सितंबर, 2018 के दौरान सिल्वर स्पार्क, सेलिब्रिटी फैशन (चेन्नई, बांसवाड़ा गारमेंट प्राइवेट लिमिटेड, शाही फरीदाबाद, रेडनिक एक्सपोर्ट लिमिटेड, डीएमएएल रेमंड (बेंगलुरू) में की गई थी।

• सेमेस्टर III के छात्रों ने बुनाई परिधानों की प्रक्रिया और सिलाई को देखने के लिए 16 नवंबर, 2018 को राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स का दौरा किया।

• सेमेस्टर III के छात्रों ने एसपीएमई, डाइंग और प्रिंटिंग विषयों के लिए 29 नवंबर, 2018 को मैसिस इंटरफैशन प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

• सेमेस्टर IV के छात्र 22-25 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो 2019 में गए।

• सेमेस्टर VI के छात्रों ने टीम बिल्डिंग पर आउटबाउंड वर्कशॉप के लिए 2-4 मार्च, 2019 से जांगल कैंप, पुरी में भाग लिया।

• एफसी विभाग के छात्रों ने हिंदुस्तान टाइम्स, हार्मनी-सेलिब्रेट एज, मुंबई, लिटिल वॉर्डरोब, एसकेए (साड़ी की अल्मरी (पॉमग्रेनेट स्टूडियो), आयशा एक्सेसरीज, पॉन्डिचेरी, जेनेसिस कलर्स लिमिटेड, गुड़गांव, एमएमसी वर्ल्ड, दिल्ली (आर्ट डायरेक्शन), मैड अर्थ, गोवा, सीसीआईई कोलकाता, डेंटसु क्रिएटिव इम्पैक्ट, गुड़गांव, कॉस्मोपॉलिटन (इंडिया टुडे), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद (एनआईडी), ट्रैवल + लीजर इंडिया एंड साउथ एशिया, इब्रानॉक्स, गुड़गांव, सोशल पेंगा, बेंगलुरू, दी इंडिया डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, कॉस्को (इंडिया) लिमिटेड, आइडेंटिक्स डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, सेंट्रल,

एफएलएफएल, मुंबई आदि कंपनियों में इंटर्नशिप की।

• बैच 2016-20 के छात्रों ने 12-20 जून, 2018 के दौरान क्राफ्ट क्लस्टर और नैदानिक अध्ययन' के तहत बोलपुर शांतिनिकेतन हैंडलूम क्लस्टर, कलना-समुद्रगढ़ - धतिग्राम हैंडलूम क्लस्टर' और फुलिया शांतिपुर हैंडलूम क्लस्टर का दौरा किया।

• प्रो. रेनीत सिंह और प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी ने एफडी बैच 2016-20 के छात्रों के साथ 6 सितंबर, 2018 को 'पंचला (बाउरिया, हावड़ा) जरदोसी क्लस्टर' का दौरा किया।

• प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी ने एफडी बैच 2017-21 के छात्रों के साथ 3 अक्टूबर, 2018 को कलना- समुद्रगढ़- धतिग्राम हैंडलूम क्लस्टर का दौरा किया।

• एफडी (बैच 2017-21) के 40 छात्रों को 11 अक्टूबर, 2018 को सहायक प्रोफेसरश्री मोंटू बसाक द्वारा विष्णु कॉटन मिल्स लिमिटेड में ले जाया गया।

• प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी ने एफडी बैच 2017-21 के छात्रों के साथ फुलिया शांतिपुर हैंडलूम क्लस्टर 6 फरवरी, 2019 को और कुसुम्बा - बाटिक कार्यशाला 27 फरवरी, 2019 का दौरा किया।

• बैच 2015-19 के 41 छात्रों ने देश भर में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में जून 2018 के दौरान अपने उद्योग की इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की, जैसे आईटीसी लिमिटेड, शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड, टेक्सपोर्ट सिंडिकेट (इंडिया) लिमिटेड, अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड, केमिस्ट्री डिजाइन लिमिटेड, राध निक एक्सपोर्ट्स (पी) लिमिटेड, शाही एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, टेक्सपोर्ट सिंडिकेट (इंडिया) लिमिटेड, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल (पी) लिमिटेड आदि।

• एडी (बैच 2015-19) के 28 छात्रों ने सेमेस्टर VII में जून-जुलाई 2018 के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों, जैसे बोधि ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड, चारु ज्वेल्स, कृष्णा बीड्स इंडस्ट्रीज, क्लेमेन, धोरा, फीलवेल गारमेंट्स एंड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड, होलोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड, पल्लवी फोले बुटीक ज्वेल्स, चंद्रानी मोती प्राइवेट लिमिटेड, द वुडन स्ट्रीट फर्निचर्स प्राइवेट लिमिटेड, गोदरेज एंड बॉयस मैन्यूफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, डुएट लग्जरी, फैबइंडिया ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, ओरनामस क्रिस्टल्स प्राइवेट लिमिटेड, गोयल एक्सपोर्ट्स, पीसी ज्वैलरी लिमिटेड, सांघी ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, कृष्णा बीड्स इंडस्ट्रीज, पेप डिजाइन, नेमीचंदा बमालवा एंड संस, डिजाइन आयाम, साहिल और सार्थक डिजाइन कंपनी में सफलतापूर्वक अपना उद्योग इंटर्नशिप पूरा किया।

• सेमेस्टर III के छात्रों ने 26 नवंबर, 2018 को विभिन्न विनिर्माण और प्लेटिंग तकनीकों का अवलोकन करने के लिए गरनाहट्टा स्ट्रीट, लक्ष्मी स्टोर, लोकनाथ ज्वैलर्स और प्लेटिंग का दौरा किया।

• श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने डीपीआईआई कंज्यूमर इंटरफेस डिजाइन विषय के तहत 20 नवंबर, 2018 को साउथ सिटी मॉल में यात्रा के दौरान एफ एंड एलए के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• निटवियर डिजाइन विभाग के छात्रों की इंटर्नशिप नाहर स्पिनिंग मिल्स, लुधियाना, नागेश निट एंड वियर, लुधियाना, आरपीवी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, स्पोर्टिंग, लुधियाना, ओरिएंट क्राफ्ट, गुड़गांव, राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स, नोएडा, मैत्री निटवेयर, लुधियाना, राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स, पश्चिम बंगाल, सेलेस्टियल निट एंड फैब प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, रेमंड्स लिमिटेड, मुंबई, श्री भारत इंटरनेशनल, नोएडा, अरविंद लिमिटेड, बेंगलुरु आदि कंपनियों में आयोजित की गई थी।

• 8 अगस्त, 2018 को आईसीसीआर हैंडलूम प्रदर्शनी की यात्रा के दौरान सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमंत्र बख्शी ने केडी के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने सेमेस्टर VII के छात्रों को 12 सितंबर, 2018 को विजुअल मर्चेंडाइजिंग विषय के लिए सिटी सेंटर की यात्रा के दौरान मार्गदर्शन किया।

• डॉ सुमंत्र बख्शी, सहायक प्रोफेसर ने 20 सितंबर, 2018 को बिसलवा बंगला, बंगला टेंट हाट में यात्रा के दौरान केडी के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• 10 अक्टूबर, 2018 को बुनकर सेवा केंद्र में यात्रा के दौरान ड। सुमंत्र बख्शी और श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसरों ने सेमेस्टर III के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• श्री प्रमोद कुमार, सहायक प्रोफेसर ने 16 नवंबर, 2018 को राज लक्ष्मी कॉटन मिल, जंगलपुर में यात्रा के दौरान सेमेस्टर V के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• डॉ सुमंत्र बख्शी, सहायक प्रोफेसर ने 26-27 नवंबर, 2018 को रिशरा में उद्योग यात्रा के दौरान सेमेस्टर III के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• डॉ सुमंत्र बख्शी, सहायक प्रोफेसर ने 7 दिसंबर, 2018 को जयश्री टेक्सटाइल्स, ऋषा में यात्रा के दौरान सेमेस्टर III के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

• एलडी बैच (2015-19) के छात्रों ने यूआर इंपेक्स, कोलकाता, टाटा इंटरनेशनल देवास, क्रिसेंट एक्सपोर्ट्स सिंडिकेट, कोलकाता, रेडनिक ऑटो एक्सपोर्ट्स, नोएडा (यूपी), टोरेरो कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, अपोलो इंटरनेशनल लिमिटेड, नोएडा (यूपी), टाटा इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, एडकोन्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, जैक ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव (हरियाणा), ट्रिबर्ग प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, भारतीय इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, गौरी लेदर प्राइवेट लिमिटेड, क्रिएटिव लिमिटेड, कोलकाता, भारत एंटरप्राइज, गुड़गांव, इंमा, मुंबई, इम्पल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, आरआर लेदर प्रोडक्ट स प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, कबीर लीडर्स, गुड़गांव आदि कंपनियों में उद्योग इंटर्नशिप 2018 पूरा किया।

• अरावली एक्सपोर्ट्स, जयपुर, फुल सी एक्सपोर्ट्स, नोएडा, अरविंद लिमिटेड गांधीनगर, इनोटेक्स इम्पेक्स, मुंबई, नेचुरल फाइबर्स एक्सपोर्ट्स, जयपुर, माय होम कलेक्शन प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, स्किपर फर्निशिंग, कोलकाता, यावी स्टूडियो, दिल्ली, रेमंड लिमिटेड, गुजरात, हाउस ऑफ कोटवाड़ा, गुड़गांव, हितैषी क्रिएटिव एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, एन.एस. इंडस्ट्रीज, नोएडा, पैरामाउंट प्रो.डक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, विवर्स स्टूडियो, कोलकाता, वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश, मकु टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, अकारो, नई दिल्ली, ऋचा ग्लोबल, गुड़गांव, बॉम्बे डाइंग, मुंबई आदि कंपनियों में छात्रों के लिए इंटर्नशिप का आयोजन किया गया।

• सेमेस्टर VI के छात्रों ने आर्टिसंस स्पीक में 120 हथकरघा / हस्तशिल्प की दुकानों और जूट एक्सपो 2019 में 40 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संग्रह का दौरा किया।

• सेमेस्टर VI के छात्रों ने 6 अप्रैल, 2018 को सहायक प्रोफेसरसुश्री अहाना मजुमदार के साथ धूलागढ़ में कढ़ाई क्लस्टर का दौरा किया।

• श्री प्रोसेनजीत भद्र के साथ सेमेस्टर IV के छात्रों ने 12 अप्रैल, 2018 को कोलकाता में जयराम टेक्सटाइल्स का दौरा किया।

• सुश्री अहाना मजुमदार, सहायक प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर III के छात्र 25 अक्टूबर, 2018 को आईडीसी विषय के लिए गुरुसुदेय संग्रहालय गए।

• सुश्री अहाना मजुमदार के साथ सेमेस्टर III के छात्रों ने 22 अक्टूबर, 2018 को आईडीएम विषय के लिए प्रिंटिंग स्टूडियो का दौरा किया।

• श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर VII के छात्रों ने 30 अक्टूबर, 2018 को कॉमन इलेक्टिव विषय के लिए कोलकाता के टॉप्सिया में निर्यात घर का दौरा किया।

• सेमेस्टर V के छात्रों ने श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसर और श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसर ने 31 अक्टूबर, 2018 को पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में प्रिंटिंग यूनिट का दौरा किया।

• सेमेस्टर III के छात्रों ने श्री आशीस देबनाथ, एसोसिएट प्रोफेसर के साथ, 14 नवंबर, 2018 को न्यू टाउन में गृहनगर का दौरा किया।

• सेमेस्टर VII के छात्रों ने श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री प्रोसेनजीत भद्रा, सहायक प्रोफेसर के साथ 20 नवंबर, 2018 को कोलकाता में श्री प्रिया एक्सपोर्ट्स का दौरा किया।

• सेमेस्टर III के छात्र श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसर और श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसर 20 नवंबर, 2018 को कोलकाता के बारासात में टेक्सटाइल कंपोजिट मिल का दौरा किया।

• सुश्री अहाना मजुमदार, सहायक प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर IV के छात्रों ने 16 जनवरी, 2019 को बॉरियॉन में ग्लस्टर एक्सपोर्ट हाउस और जूट मिल का दौरा किया।

• श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर VI के छात्र 27 फरवरी, 2019 को कोलकाता में दी इंडियन म्यूजियम गए।

• सुश्री अहाना मजुमदार के साथ सेमेस्टर VI के छात्रों ने निम्नलिखित उद्योगों का दौरा किया: रेडिएंट एक्सपोर्ट, गुडअर्थ, टीसीएनएस नोएडा फैक्ट्री, एलीट होम फैशन, नोएडा, मित्तल एक्सपोर्ट आदि, महाजन एक्सपोर्ट्स, इंडियन क्राफ्ट म्यूजियम, मॉडर्न आर्ट म्यूजियम नई दिल्ली, श्री दर्शन शाह द्वारा लगाई गई राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली में बालूचरी की प्रदर्शनी ।

• सुश्री अहाना मजुमदार, सहायक प्रोफेसर, और श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसरके साथ सेमेस्टर VI के छात्रों ने 8-15 मार्च, 2019 से दिल्ली, पानीपत और जयपुर क्षेत्र में स्थित विभिन्न उद्योगों का दौरा किया।

• आईडीएम (टीडी) सेमेस्टर IV के छात्रों के साथ श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसर ने 11 मार्च, 2019 को जयराम एक्सपोर्ट्स, कोलकाता का दौरा किया।

• श्री प्रोसेनजीत भद्र, सहायक प्रोफेसरके साथ सेमेस्टर IV के छात्र 15 मार्च, 2019 को जयराम एक्सपोर्ट्स, कोलकाता गए।

• श्री आशीष देबनाथ और श्री संदीप कुमार सामंत, एसोसिएट प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर IV के छात्र, 28 मार्च, 2019 को बेगमपुर गए।

• श्री आशीष देबनाथ, एसोसिएट प्रोफेसर के साथ सेमेस्टर VI के छात्रों ने 29 मार्च 2019 को फुलिया का दौरा किया।

मुंबई

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

इस वर्ष निफ्ट मुंबई के 13 छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में ख्याति और पुरस्कार प्राप्त किए।

• फैशन डिजाइन विभाग की ऐसी एक उपलब्धि में बेल्जियम वाणिज्य दूतावास के साथ जुड़ने का विशेषाधिकार रहा है। इस संघ के भाग के रूप में हमारे छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके दौरान उन्होंने परिधान निर्माण किए, जिन्हें 15 नवंबर, 2018 को एक फैशन शो में प्रदर्शित किया गया। इस फैशन शो में प्रदर्शित परिधानों को बेल्जियम के डिजाइनरों जीन-पॉल और सेलीन के साथ विकसित किया गया था।

• सुश्री सेनजुट्टी चक्रवर्ती, फैशन संप्रेषण सेमेस्टर VIII की छात्रा ने भुवनेश्वर में विश्व कौशल प्रतियोगिता जुलाई 2018 जोनल (पूर्व) में भाग लिया और उन्होंने विजुअल मर्चेंडाइजिंग श्रेणी में जीत हासिल की और दिल्ली में अक्टूबर 2018 में विश्व स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अगले स्तर में भाग लिया । उन्होंने वीएम श्रेणी के लिए बुडापेस्ट, यूरोप में सितंबर 2018 में भारत-यूरो कौशल में टीम का प्रतिनिधित्व किया।

• सुश्री स्नेहा शेट्टी, सुश्री सानिका शाह और श्री पीयूष शर्मा फैशन सेमेस्टर VII के छात्रों ने प्रतिष्ठित वुहान अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया, जो चीन में आयोजित दुनिया की सबसे प्रसिद्ध प्रतियोगिता में से एक है। हमारे छात्रों ने इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

• सेमेस्टर VIII की निटवियर डिजाइन की छात्रा सुश्री डिचेनला वांगमु ने अरुणाचल प्रदेश में नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (एनईएफए) द्वारा आयोजित वर्ष 2018 में 'मिस एनईएफए अरुणाचल' का खिताब जीता है। उन्हें पत्रिका 'दी नॉर्थ ईस्ट विंडो' के लिए दिसंबर 2018 के अंक के लिए कवर गर्ल के रूप में भी चित्रित किया गया था।

• सुश्री शिविका घई, एक्सेसरी डिजाइन स्नातक, अटलांटा कैंपस में 2019 वर्ग के लिए सवाना कला और डिजाइन कॉलेज में 'लक्जरी और फैशन प्रबंधन' कार्यक्रम में मास्टर ऑफ आर्ट्स के लिए 2018 की कक्षा का चयन किया गया था। उन्हें प्रति वर्ष + 9500 की छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई।

• मुंबई में एम. डेस सेमेस्टर IV के छात्र सुश्री माही खरे के शोध प्रबंध प्रोजेक्ट को क्राफ्ट क्लस्टर पॉलिसी के तहत डीसी हैंडीक्राफ्ट द्वारा फंडिंग के लिए बुडनी की वुड लैक्क्वेरिंग को बढ़ावा देने के लिए सभी निफ्ट परिसर में चुना गया। डीसी हस्तशिल्प अनुसंधान परियोजना के लिए 2 लाख का वित्त पोषण किया।

• सुश्री सारा तनिष्का नेथन ने 'हेल्थ बाई डिजाइन: संगम: दी कंगारू केयर प्रोजेक्ट' पर एक पोस्टर प्रस्तुति दी। अध्ययन का उद्देश्य कोलंबिया के बोगोटा में 14-17 नवंबर, 2018 को आयोजित होने वाले 12 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केएमसी कार्यशाला और कांग्रेस में केएमसी बेबी वाहक जो सुरक्षा, गतिशीलता और आराम का पालन करता है, के डिजाइन को प्रदर्शित करना था।

• एम. डेस, सेमेस्टर II के छात्र श्री निकेश हीरालाल नागदेओते ने युवा सामाजिक नवोन्मेषकों के लिए आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे और 10,000 रुपए का नगद पुरस्कार जीता। यह प्रतियोगिता रोटरी क्लब द्वारा नगर निगम पनवेल के सहयोग से आयोजित की गई थी।

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट मुंबई में निम्नलिखित नई कक्षाओं और प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है: टेक्सटाइल परीक्षण के नवीनतम उपकरणों जैसे डिजिटल प्रो.जेक्शन, जीएसएम कटिंग मशीन और 'उन्नत बुनाई डिजाइन स्टूडियो' जैक्वार्ड मशीन और कम्प्यूटरीकृत पंचिंग मशीन द्वारा वस्त्र डिजाइन के साथ 'टेक्सटाइल परीक्षण प्रयोगशाला'; मंथन गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए 'डिजाइन स्टूडियो' जो परामर्शी परियोजनाओं का लाभ उठाने के लिए सह-कार्यशील वातावरण और एम. डेस द्वारा उद्योग के साथ लाइव कक्षा परियोजनाओं की सुविधा प्रदान करेगा; निटवियर डिजाइन द्वारा श्न्यू आर्ट लैब सह कक्षा'; फैशन संप्रेषण द्वारा 'ग्रेजुएशन शो के लिए अनुकूलित प्रदर्शन'; जुकी द्वारा निर्मित एक जिगजैग मशीन और एक फ्लैट बेड, निटवियर डिजाइन द्वारा इंटरलॉक सिलाई मशीन के साथ परिधान निर्माण की सुविधा; चीनी मिट्टी और मिट्टी के बर्तनों के काम के लिए एक लैब 'एक्सेसरी डिजाइन द्वारा हैवी ड्यूटी मेटल वर्क के साथ।

अल्पावधि कार्यक्रम

निफ्ट मुंबई ने निम्नलिखित 13 सतत शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया था: फैशन संचार द्वारा विजुअल मर्चेंडाइजिंग; वस्त्र डिजाइन द्वारा घर और फैशन के लिए वस्त्र अनुप्रयोग; फैशन ग्राफिक्स और उत्पाद मॉडलिंग, एक्सेसरी डिजाइन द्वारा; लक्जरी उत्पाद डिजाइन, एक्सेसरी डिजाइन द्वारा; फैशन डिजाइन द्वारा फैशन और क्लोदिंग टेक्नोलॉजी (एफसीटी) और कंटेम्परेरी ब्राइडल ट्राउसेउ डिजाइन (सीबीटीडी); निटविअर डिजाइन द्वारा क्रिएटिव पैटर्न मेकिंग, क्रिएटिव फैशन स्टाइलिंग और भारतीय एथनिक वियर के लिए डिजाइन विकास; बीएफटी द्वारा परिधान डिजाइन और विकास और परिधान लागत और फैशन मर्चेंडाइजिंग प्रबंधन; एफएमएस द्वाराफैशन खुदरा प्रबंधन और फैशन व्यापार के लिए ई-कॉमर्स (3 महीने-ऑनलाइन) ।

परियोजनाएं

केंद्र द्वारा निष्पादित किए गए प्रोजेक्ट और परामर्श विविध प्रकृति और प्रदेय के थे। प्रमुख जोर प्रशिक्षण और उन्नयन, विभिन्न संगठनों के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन करना, उद्योग के लिए परामर्श और आर एंड डी पर रहा है।

• कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं इस प्रकार हैं: केंद्रीय सिल्क बोर्ड, बेंगलुरु के लिए महेश्वर सिल्क और बाग प्रिंटिंग; इंडियन ऑयल लिमिटेड के विमानन अधिकारियों / परिचारकों के लिए वर्दी डिजाइन और विकास; मिरज म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए स्ट्रिंग संगीत वाद्ययंत्र क्लस्टर के लिए वेबसाइट डिजाइन; मुख्य वन संरक्षक का कार्यालय, महाराष्ट्र सरकार के लिए शिल्पग्राम की नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट; गढ़चिरौली जिला क्लस्टर, महाराष्ट्र में वन विभाग के लिए रणनीतिक विपणन समाधान;

• यूनिफॉर्म डिजाइन प्रोजेक्ट : आईओसीएल विमानन के लिए, आईओसी विमानन में अधिकारियों के लिए; एचपीसीएल पाइपलाइन वॉकर के लिए; नवी मुंबई में एनएमएमसी स्कूलों के लिए; एनएमएमसी के स्कूली छात्रों के लिए; माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए; एचपीसीएल पाइपलाइनों के लिए सुरक्षा कर्मियों के लिए; आईओसीएल पेट्रोल पंप कर्मचारियों के लिए वर्दी डिजाइन और विकास।

• शिल्प क्लस्टर संबंधित परियोजनाएं: भूम, जिला-उस्मानाबाद के प्रशिक्षण परिधान क्लस्टर सदस्य; 'उत्पाद विकास और बाग मुद्रण क्लस्टर में विविधीकरण' और 'उत्पाद विकास और विविधीकरण महेश्वर सिल्क क्लस्टर'।

उद्योग से जुड़ी शैक्षणिक कक्षा परियोजना

• असाही कासी (इंडिया) लिमिटेड-निफ्ट मुंबई अकादमिक संबंध-रीटेल एवं ट्रेंड्स पर अनुसंधान: शैक्षणिक और उद्योग से जुड़ी गतिविधियों के लिए निफ्ट और असाही कासी (इंडिया) लिमिटेड, मुंबई के बीच 31 अगस्त 2018 को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के हिस्से के रूप में 5 अलग-अलग गतिविधियों की परिकल्पना की गई थी। परियोजना को 2 चरणों में विभाजित किया गया था:

चरण -1: इसमें निफ्ट मुंबई, ट्रेंड रिसर्च और रिटेल रिसर्च में दो मैटीरियल व्याख्यान शामिल थे। टेक्सटाइल डिजाइन, एमएफएम और एम. डेस विभागों के छात्रों ने संयुक्त रूप से शोध कार्य किया। प्रस्तुति दी गई और प्रत्येक शोध में 3 टीमों को रुपए 25000/-, 15000/- और 10000/- के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

चरण -2: इसमें ग्राहक द्वारा प्रायोजित फैब्रिक से डिजाइन संग्रह मई 2019 के दौरान वस्त्र बनाना शामिल था। सर्वश्रेष्ठ वस्त्र श्रेणी के लिए रुपये 30,000/-, 20,000/- और 10000/- के तीन नकद पुरस्कार रखे गए हैं और ये फैशन शो 2019 के दौरान प्रदान किया जाएगा। श्री मोहम्मद जावेद, एसोसिएट प्रोफेसर, ने परियोजना का समन्वय किया।

• हिंदुस्तान यूनिलीवर के साथ एक कक्षा परियोजना: इस परियोजना का दायरा एडी, एफसी के छात्रों और इंटरडिसिप्लिनरी माइनर (आईडीएम) सेमेस्टर IV के डिजाइन थिंकिंग के छात्र भी शामिल थे, उपर्युक्त सभी में नए उत्पाद विचारों (मौखिक देखभाल श्रेणी में) का निर्माण करना था। छात्रों ने अभिनव डिजाइन विचारों पर काम किया और प्रोटोटाइप बनाकर प्रस्तुति दी। आईडीएम के दो समूहों और एडी से अन्य को यूनिलीवर के प्रधान कार्यालय में अंतिम प्रस्तुति देने के लिए चुना गया। सुश्री सुषमा सैतवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, श्रीनगर और श्री नितिन कुलकर्णी, अध्यक्ष, एम. डेस और श्री सुदीप्ता ने इस परियोजना का समन्वय किया। इससे छात्रों को उद्योग का दृष्टिकोण प्राप्त हुआ।

• मैसर्स अनाविला द्वारा एक परियोजना: एम. डेस विभाग द्वारा डिजाइनर सुश्री अनाविला मिश्रा के प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में रेहवा समाज के लिए 'प्रदर्शनी डिस्प्ले डिजाइन' पर एक कक्षा परियोजना का संचालन किया गया, सुश्री रश्मि गुलाटी द्वारा समन्वित, छात्रों ने प्रदर्शन डिजाइनों के अनुसंधान और विकल्प विकसित किए। सुश्री भाविका घाटे और सुश्री पूरवी टंडन, सेमेस्टर

I के छात्र मुख्य रूप से 25-28 अक्टूबर, 2018 से एडी शो 2019 में रेहवा समाज के लिए उत्पादों के वीएम प्रदर्शन की अवधारणा में शामिल रहे।

• आईएएस अकादमी में अधिकारियों और प्रशिक्षकों के लिए ट्रैक सूट की डिजाइनिंग-सेमेस्टर VI के निटविअर डिजाइन विभाग के छात्र विषय स्पोर्ट्सवियर में शामिल रहे। प्रोटोटाइप के अनुसंधान एवं विकास की प्रक्रिया दो छात्रों मृनमयी दंडवते और सोनाली राज द्वारा की गई थी, जिन्हें अंतिम दौर के लिए चुना गया था।

वेस्टसाइड द्वारा परियोजनाएं: एफएमएस सेमेस्टर-I के छात्र परियोजना में शामिल रहे, जो ग्राहक अनुभव प्रबंधन रणनीतियों को समझने और ग्राहक अनुभव मॉडल को डिजाइन करने के लिए था। इवेंट मैनेजमेंट के सेमेस्टर II के छात्रों ने हैमले के प्रसिद्ध ब्रांड के खुदरा स्टोर संचालन, उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण को समझा और उपभोक्ताओं से व्यवहार की रणनीतियों की सिफारिश की। इसी तरह की गतिविधि 'मदर केयर' ब्रांड के लिए भी की गई थी।

छात्रों की प्रतियोगिता और पुरस्कार

अंतरराष्ट्रीय

• सुश्री सेन्जुति चक्रवर्ती, एफसी सेमेस्टर टप्प् की छात्रा ने वीएम श्रेणी के लिए यूरोप में बुडापेस्ट में सितंबर 2018 में यूरो कौशल में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया और फैशन डिजाइन, सेमेस्टर-V एवं VII के छात्रों ने वाव प्रतियोगिता में भाग लिया।

राष्ट्रीय

• श्री रोहित गजभिए, स्टूडेंट ऑफ एफपी, सेमेस्टर II, को 27 दिसंबर, 2018 को आईआईटी, मुंबई में आयोजित वोग इंडिया फैशन शो में द्वितीय रनर अप के लिए चुना गया।

• सुश्री ख्याति ऋषि, फाउंडेशन प्रोग्राम की छात्रा, सेमेस्टर II ने चक्रव्यूह फैशन शो 2018 में प्रथम स्थान, और अक्टूबर, 2018 के दौरान टाइम्स ऑफ इंडिया की टाइम्स स्पार्क प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

• फाउंडेशन प्रोग्राम की छात्रा सुश्री वी वैष्णवी ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब में 3-7 जनवरी, 2019 को आयोजित इंडियन साइंस कांग्रेस में 'स्पाइडर सिल्क' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी।

• सुश्री सेन्जुति चक्रवर्ती, फैशन संचार सेमेस्टर VIII की छात्रा ने विश्व कौशल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया और अक्टूबर 2018 में दिल्ली में फाइनल लेवल में पहुंची।

• श्री अभिनव शर्मा, एफडी के छात्र, सेमेस्टर VII ने रेमंड प्रतियोगिता में भाग लिया और लिवा के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

• सुश्री पारुषी गर्ग, श्री सागरसैनी और सुश्री आकांशा वर्मा, केडी, सेमेस्टर VI के छात्रों ने घाटकोपर मुंबई में केजे सोमैया में ग्लिटरत्ती 2019 (फैशन शो) में निफ्ट मुंबई का प्रतिनिधित्व किया।

• सुश्री लीसा जारवाल, निटविअर डिजाइन सेमेस्टर VI की छात्रा, पेटा यूथ एक्टिविज्म की सदस्य है और वर्ष 2018 में स्ट्रीट एक्टिविज्म और रेमंड डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और पोस्टर डिजाइन किया।

• सुश्री आकांक्षा वर्मा, छात्र, केडी, सेमेस्टर VI मिस एंड मिसेज तियारा इंडिया 2018 की फाइनलिस्ट रही, उन्होंने मिस कंजेनिटी इंडिया 2018 का खिताब जीता। श्रीमती रेखा मिराजकर सीईओ - मेमोरी मेकर्स, मिस एंड मिसेज तियारा इंडिया की संस्थापक द्वारा आयोजित किया गया।

• सुश्री लीसा जारवाल, श्री ललित नाइक, श्री एवी और सुश्री स्टीविना, केडी, सेमेस्टर VI के छात्रों ने मूड इंडिगो 2018 में भाग लिया।

• श्री ललित नाइक, केडी, सेमेस्टर VI के छात्र, ने लिवा प्रो.टेग डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और वर्ष 2018 में दूसरे दौर के लिए क्वालीफाई किया।

• सुश्री उदिता सोनवणे, केडी, सेमेस्टर VI की छात्रा, वर्ष 2018 में नाशिक विजन में प्रथम रनर अप और नासिक नेक्स्ट टॉप मॉडल में भी प्रथम रनर अप रहीं।

• सुश्री आयुषी त्रिपाठी और सुश्री प्रियांशी तिवारी, टीडी, सेमेस्टर टप् के छात्रों ने टेक्सटाइल टेक्निकल फेस्टिवल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई में अप्रैल 2018 को टेक्सटाइल क्विज प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता, उन्होंने वीजेटीआई मुंबई, अप्रैल 2018 में टेक्सटाइल क्विज में प्रथम पुरस्कार भी जीता।

• टीडी की छात्र, सुश्री रेणुका वाघ ने प्रथम पुरस्कार जीता है, सुश्री हनीशा दतवानी ने द्वितीय पुरस्कार जीता है और सुश्री आयुषी त्रिपाठी ने असाही कासी द्वारा कक्षा परियोजना, अक्टूबर - दिसंबर 2018 के भाग में आयोजित ट्रेंड एंड रिटेल शोध प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता है।

• सुश्री श्रेया नाथ, सेमेस्टर IV की छात्रा को जीजेएससीआई [जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया] द्वारा आयोजित अनंत ज्वेलरी डिजाइन प्रतियोगिता के अंतिम राउंड लिए टॉप 30 में चुना गया।

• श्री रजत प्रकाश कुशवाहा, एफ एंड एलए (2018 बैच के पूर्व छात्र) के छात्र - श्मुंबई बाय डिजाइन 2019श के विजेता - पर्ल अकादमी, मुंबई द्वारा होस्ट किया गया, [डिजाइन संक्षेप में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के लिए मुंबई में ट्रेनों और स्टेशनों को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाना था।]

• बीएफटी सेमेस्टर III के छात्र श्री अभिजीत कुमार ने 26 सितंबर, 2018 को टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में आयोजित इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता 'क्विज-ए-थोन' में सांत्वना पुरस्कार जीता।

• श्री रक्षित शंकर ने पिल्लई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में बैडमिंटन एकल टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार जीता।

• निफ्ट मुंबई की टीम ने अक्टूबर 2018 में लाला लाजपतराय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित फैशन शो में प्रथम पुरस्कार जीता।

• निफ्ट मुंबई फुटबॉल टीम ने सितंबर 2018 में रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स, फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया, रायबरेली में कन्वर्ज 2018 में भी भाग लिया और सभी निफ्ट केंद्रों में सर्वश्रेष्ठ साहित्यिक और सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक ट्राफियां के साथ द्वितीय स्थान हासिल किया।

• सुश्री रितिका सूर्यवंशी ने फरवरी 2019 में राज्य स्तरीय

वॉलीबॉल टूर्नामेंट में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया।

• सुश्री अनन्या प्रकाश, सुश्री इशिता जैन, सुश्री दीपाली लाठ, सुश्री सिमरन चावला और सुश्री नंदिनी, फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों ने जनवरी, 2019 के दौरान सेंट एगेल स्कूल, मुंबई में खेल परामर्श द्वारा आयोजित मुंबई ओपन टूर्नामेंट में महिला वर्ग के बास्केटबॉल में 3 × 3 (18+) में तीसरा स्थान प्राप्त किया किया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

• 33 छात्रों ने फैशन संचार विभाग से स्नातक किया। उन्होंने यूआई और यूएक्स, ब्रांडिंग, उत्पाद डिजाइन, प्रकाशन डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, फोटोग्राफी, स्टाइलिंग, डिजाइन रिसर्च और अन्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। जबकि उनमें से कुछ ने लोकस डिजाइन, फेबल स्ट्रीट, काहानी डिजाइन वर्क्स, 5 क्यू आदि कंपनियों के साथ काम किया, जबकि अन्य ने स्वयं शुरू की गई परियोजनाओं पर काम किया। सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार सुश्री ऐश्वर्या चोपड़ा द्वारा प्राप्त किया गया, जिन्होंने एक फैशन स्टाइलिंग ऐप पर काम किया था।

• फैशन डिजाइन विभाग से 45 छात्रों ने स्नातक की पदवी प्राप्त की। यह पाठ्यक्रम मुख्य रूप से फैशन उद्योग के परिधान, कार्यात्मक और परिचालन क्षेत्रों पर केंद्रित है। छात्रों के लिए उद्योग-आधारित परियोजना के विकास और उनके चुने हुए बाजार/ उद्योग / उपभोक्ता खंड के संक्षिप्त विवरण के साथ परिधान के संग्रह के माध्यम से व्यापक सीखने के परिणामों का प्रदर्शन किया। उन्होंने मेन्सवियर, महिलाओं के पहनने या बच्चों के पहनने के लिए निम्नलिखित श्रेणियों में काम किया: कैजुअल वियर, स्पोर्ट्स वियर, इवनिंग वियर, इंडियन या फ्यूजन वियर, मैटरनिटी वियर, चिल्ड्रन वियर।

• 33 छात्रों ने निटविअर डिजाइन विभाग से स्नातक किया। 14 छात्रों ने डिजाइन कलेक्शन चुना और 19 छात्रों ने ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट को चुना। श्री श्रेय गोपालिया को वर्ष 2018 में सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह से सम्मानित किया गया। यह एक उच्च फैशन संग्रह था, जो पौराणिक पुराणों के विषय पर आधारित था। सुश्री गौरी कुमार को बेस्ट इनोवेटिव कलेक्शन से सम्मानित किया गया, एक तितली की मेटामॉर्फिस को एक प्रेरणा के रूप में लिया गया। सुश्री रेवती श्योराण ने वर्ष 2018 में बेस्ट ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट से सम्मानित किया। उन्होंने अरविंद मिल्स लिमिटेड, संतेज, अहमदाबाद में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की।

• 34 छात्रों ने टेक्सटाइल डिजाइन विभाग से स्नातक किया। छात्रों ने शिल्पी हस्तशिल्प, स्टूडियो एलान, ट्रिबर्ग, वेलस्पन हाउस, रेमंड अपैरल लिमिटेड, सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड, कॉटन कॉटेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और डीश्कॉर होम फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजनाएं शुरू की हैं। सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना सुश्री प्रियंवदा (कंपनी-स्टूडियो एलेन), द्वितीय सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना - सुश्री सोनाली सिंह रावत (कंपनी- ट्रिबर्गर), और तीसरी सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना- सुश्री रितिका (कंपनी- मॉडलमा स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड) को दी गई थी। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार सुश्री श्रद्धा मनपुरे ने 25 मई, 2018 को वार्षिक प्रदर्शनी "तंतु" के दौरान अपने अभिनव प्रदर्शन के लिए जीता।

• 43 छात्रों ने एफ एवं एलए से स्नातक किया। छात्र लक्जरी उत्पाद डिजाइन, 3 डी प्रिंटिंग, आभूषण डिजाइन, गृह सजावट और आंतरिक, औद्योगिक उत्पाद डिजाइन, प्रकाश और प्रतिष्ठान, बैग और फैशन फुटवियर और जीवन शैली सहायक उपकरण के क्षेत्रों में अपनी स्नातक परियोजनाओं का संचालन कर रहे थे। सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना का पुरस्कार एफ एंड एलए छात्रों द्वारा जीता गया, श्री रजत प्रकाश कुशवाहा (लुनाटिक कॉन्सेप्ट्स), अधिकांश व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य डिजाइन हस्तक्षेप के लिए पुरस्कार सुश्री अनेरी संजय कोठारी, (जर्ना) और सुश्री स्वेता गुप्ता (रोमा नरसिंघानी) द्वारा साझा किया गया। श्री राजप्रकाश कुशवाहा (लुनाटिक कॉन्सेप्ट) को डिजाइन पद्धति के सर्वाधिक अनुकरणीय अनुप्रयोग के लिए पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार एफ एंड एलए की छात्रा सुश्री स्वेता गुप्ता (रोमा नरसिंघानी) ने जीता।

• 28 छात्रों ने बीएफटी से स्नातक किया। छात्रों ने उत्पादकता सुधार, गुणवत्ता नियंत्रण, फिट मानकीकरण, उत्पाद विकास, विक्रेता मूल्यांकन और परिधान खुदरा आदि को कवर करने वाले क्षेत्रों में विभिन्न उद्योगों में अपनी स्नातक परियोजनाएं की। सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना का पुरस्कार श्री अभिनव कुमार को मिला जिन्होंने सिल्वर स्पार्क्स अपैरल लिमिटेड, बेंगलुरु में लाइन बैलेंसिंग मॉड्यूल (सॉफ्टवेयर / एप्लीकेशन) विकास पर काम किया। श्री आयुष गौतम और सुश्री प्रेरणा खत्री ने 'इंप्रो.वाइजेशन ऑफ फिट फॉर मेंस ट्राउजर फॉर लाइफ" (शॉपर्स स्टॉप का निजी लेबल) पर काम किया, जिसे 'सबसे नवीन परियोजना' पुरस्कार मिला।

सुश्री ऋचा मिश्रा और श्री प्रांशु गुप्ता, ने मार्को वैगन रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद के साथ 'भारत में फॉक्स गारमेंट्स विनिर्माण और फॉक्स को सेंट्रल में लॉंच करने में सहायता के लिए व्यवहार्यता अध्ययन' पर काम किया, जिसे 'मोस्ट कमर्शियल व्यवहार्य परियोजना' का पुरस्कार मिला।

• 35 छात्रों ने एम. डेस से स्नातक किया। छात्रों में फैशन, लोक कला, लोगों के लिए स्थायी जीवन और डिजाइन, शिल्प के पुनरुद्धार, यूएक्स / यूआई, ब्रांडिंग और कहानी कहने, डिजाइन में नवाचार के क्षेत्रों में अपने शोध प्रबंध परियोजनाओं को पूरा करने वाले बहु-विषयक पृष्ठभूमि से थे। सुश्री सारा तनिष्का नेथन ने सर्वश्रेष्ठ डिजाइन इनोवेटिव प्रोजेक्ट , सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन और निफ्ट मेरिटोरियस पुरस्कार प्राप्त किए और उनका विषय 'हेल्थ बाय डिजाइन: संगम: दी कंगारू केयर प्रोजेक्ट ' था। अध्ययन का उद्देश्य केएमसी बेबी वाहक को डिजाइन करना था जो सुरक्षा, गतिशीलता और आराम का पालन करता है। सुश्री सबीना खान को, सरकारी वेबसाइटों / अनुप्रयोगों में उपयोगिता और पहुंच में सुधार के लिए माइक्रो-इंट्रेकशन का उपयोग करने के लिए बेस्ट डिजाइन रिसर्च प्रोजेक्ट अवार्ड मिला।

शोध का उद्देश्य सरकारी वेबसाइटों में उपयोगिता और पहुंच के

संबंध में चुनौतियों का अध्ययन करना था। सुश्री कनिष्क अग्रवाल को पीईटी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेबसाइट ऑडिट के लिए एक उपकरण के विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ डिजाइन अनुसंधान परियोजना पुरस्कार मिला।

• एफएमएस विभाग से 34 छात्रों ने स्नातक किया। ये छात्र फैशन प्रबंधन, खुदरा, खरीद, योजना, ई-कॉमर्स, फैशन मर्चेंडाइजिंग, विपणन के क्षेत्रों में अपनी परियोजनाओं का संचालन करने वाली बहु-विषयक पृष्ठभूमि से थे। सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (विपणन) का पुरस्कार सुश्री अनीशा अनिल चड्ढा को मिला और उनका शोध विषय 'केट स्पेड, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड पर विशेष ध्यान देने के साथ भारत में प्रीमियम हैंडबैग प्राथमिकता का विश्लेषण' था। सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (फैशन मर्चेंडाइजिंग) पुरस्कार सुश्री शायरा अशरफ को मिला और उनका शोध विषय था "अप्रैल विंडो 2018 स्टीव मैडन, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड", सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (फैशन व्यवसाय आचरण) पुरस्कार सुश्री जैस्मिन कौर को मिला और उनके शोध का विषय था, 'मिंत्रा में व्यक्तिगत देखभाल श्रेणी के लिए राजस्व और ग्राहक अनुभव में वृद्धि को बढ़ाने के तरीके'।

शिल्प के उत्थान के लिए शिल्प क्लस्टर पहल गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

निफ्ट मुंबई के सभी विभागों द्वारा क्राफ्ट क्लस्टर गतिविधियों को पूरा किया गया। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित थीं: जागरूकता कार्यशालाएँ, शिल्प क्लस्टर क्षेत्र का दौरा, शिल्प आधारित परियोजनाएँ और शिल्प मेला। कुछ प्रमुख काम निम्नलिखित समूहों में किए गए: सावंतवाड़ी (लकड़ी के खिलौने और गंजिफा), सिंधुदुर्ग (क्रॉचेट), कुडल (चित्रकटी और बांस शिल्प); अमरावती (लकड़ी / दरी), कोल्हापुर (लेदर शिल्प और कोसा), हूपरी - (सिल्वर क्राफ्ट), येओला - (पैठानी साड़ी), सोलापुर - (साड़ी बेड शीट), मुंबई (आरी कढ़ाई), लातूर (बंजारा शिल्प) और गोवा (क्रॉचेट)।

पीएचडी आरंभ और पूरी की

02 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 05 संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुति (छात्रों और संकाय दोनों द्वारा)

अंतर्राष्ट्रीय

• सुश्री कुंदलता मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एफडी, ने टीबीआईएस सम्मेलन की कार्यवाही में (मैनचेस्टर, यूके में) 'डिजाइनिंग प्रोटेक्टिव क्लोथिंग: एन एमाल्गमेशन ऑफ ट्रैंडी एवं फंक्शनल सेफ्टी वियर्स" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्होंने 'पेट्रोकेमिकल उद्योगों और ओईएम के लिए प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स: संरक्षण, आराम और स्वस्थ रहने की दक्षता प्रदान करने के लिए एक समाधान' विषय पर एक शोध पत्र भी लिखा जो इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाइड सोशल साइंस वॉल्यूम 5, अंक 3 और 4 में प्रकाशित किया गया था।

• प्रो. डॉ किस्लय चौधरी, टीडी ने 5-7 जून, 2018 से डसेलडोर्फ, जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'इंटीरियर प्रिंट डेकोरेशन' में "एक्सप्लोरिंग रिडिजाइन ओपोर्चुनिटी यूजिंग लेयर्स इन इंकजेट

डिजिटल प्रिंटेड टेक्सटाइल" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ चेत राम मीणा, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने 'एडवांसमेंट एंड एप्लिकेशंस ऑफ इम्प्लीमेंटेबल मेडिकल टेक्सटाइल्स' विषय पर मेडिकल निट्स इंटरनेशनल जर्नल, अंक 1, पेज नं 25-27, जनवरी 2019 में एक पेपर प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. ए. के. खरे, बीएफटी, ने एक पत्र प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था 'परित्यक्त ऊनी कपड़ों की जीवन शैली: जो मेरे कपड़ों की रीसाइक्लिंग कर रहे हैं?' इस पेपर को 31 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2018 तक लंदन, ब्रिटेन में आयोजित ग्लोबल फैशन कॉन्फ्रेंस 2018 में स्वीकार किया गया; 'भारतीय परिधान उद्योग में ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग की संभावनाएं' शीर्षक से एक पत्र का सह-लेखन किया। यह पत्र 8-9 अक्टूबर, 2018 को न्यूयॉर्क, अमेरिका में आयोजित टेक्सटाइल और क्लोथिंग स्थिरता (आईसीटीसीएस 2018) के 20 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया; भारतीय परिधान उद्योग में "मैपिंग ऑफ ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग अवेयरनेस" नामक एक पत्र का सह-लेखन किया। 21-24 नवंबर, 2018 को काहिरा, मिस्र में आयोजित 'विकासशील देशों में स्थिरता की अवधारणा में सुधार - तीसरा संस्करण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए पत्र स्वीकार किया गया; एनसीआर, भारत की गारमेंट इकाइयों में महिला श्रमिकों में वर्क लाइफ संतुलन पर एक अध्ययन शीर्षक से एक पत्र का सह-लेखन किया। यह पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट (आईजेएम), वॉल्यूम 10, अंक 1, जनवरी-फरवरी 2019, पीपी 19-25 में प्रकाशित किया गया है।

• सुश्री लिपी चौधरी, सहायक प्रोफेसर, एमएफएम, ने 'री-थिंकिंग पेडागोजी - नॉलेज, थिंकिंग एंड एप्लिकेशन: दी करिकलम मिक्स दैट इम्पेक्ट्स दी फ्यूचर ऑफ एजुकेशन" शीर्षक से एक शोध पत्र 9-10 जून, 2018 को मनोविज्ञान, भाषा और शिक्षण (आईसीपीएलटी) पर एथेंस, ग्रीस में आयोजित आईआईईआर 345 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

• सुश्री कुंदलता मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एफडी ने अप्रैल 2018 में मुंबई विश्वविद्यालय में 'डिजाइनिंग प्रोटेक्टिव क्लोथिंग फॉर प्रोसेस बेस्ड इंडस्ट्रीज' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी है। सुश्री कुंदलता ने मुंबई विश्वविद्यालय में, सितंबर 2018 में 'स्टोरी ऑफ शिफ्टिंग वुवन कल्चर ओं सॉसर (मध्य प्रदेश)' पर भी पोस्टर प्रस्तुति की।

• डॉ चेत राम मीणा, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने थ्रेड्स ऑफ ट्रेडिशन: कोराई नाडु साड़ी, ट्रेंड्स विषय पर टेक्सटाइल इंजीनियरिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 2, अंक -3, पीपी 1-4, अप्रैल 2018 में पेपर प्रकाशित किया।

• प्रो. डॉ. सुशील रतूड़ी, एमएफएम, ने नवंबर 2018 में "कंज्यूमर बाईंग बिहेवियर फॉर फैशन ब्रांड्स-ए स्टडी ऑन इंडियन एपरेल इंडस्ट्री" विषय पर जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च में एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

छात्र -

• सुश्री परेशा बेदी और सुश्री हेमाक्षी देवी, टेक्सटाइल डिजाइन सेमेस्टर VI ने राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी सेमिनार में दो शोध पत्र प्रस्तुत किए।

1. वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान में 15 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी वस्त्र '19 में "सस्टेनेबल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस: भारत की शिल्प एसएमई की एक समीक्षा"।

2. एमिटी स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, स्टाइलक्यू 2019 थीम- दी न्यू नॉर्मल: न्युवो ट्रेंड्स इन फैशन एंड टेक्सटाइल्स में 29 मार्च, 2019 को वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बियोमिसिक्री-ए रिव्यू ऑफ दी नेचर इंस्पायर्ड इनोवेशन इन टेक्सटाइल्स'।

ख दो एम. डेस छात्रों (बैच 2018-2020) ने पर्यावरण री-इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया: श्रृंखला 9 - 'क्लीन एंड ग्रीन प्लेनेट' 1 दिसंबर, 2018 को पिल्लई कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, पनवेल में आयोजित किया गया।

1. सुश्री प्रांजली दाहले - पत्र का शीर्षक- गामिशन विधि का उपयोग करते हुए अपशिष्ट पृथक्करण। उद्देश्य: स्कूलों में जेमिनेशन विधि के माध्यम से अपशिष्ट पृथक्करण की आदतों को शामिल करना। पत्र पीसीईआरपी संगोष्ठी की कार्यवाही 2018-2019 में आईएसबीएन 978-93-82626-49-7 के साथ पत्र प्रकाशित हुआ।

2. सुश्री नम्रता सिंह, पत्र का शीर्षक- प्लास्टिक: एक पर्यावरणीय खतरा, इसका प्रभाव और प्लास्टिक का विकल्प। उद्देश्य- प्लास्टिक प्रदूषण की समीक्षा करना, रणनीति तैयार करना और प्लास्टिक के विकल्प के रूप में भारत में उपयोग की जाने वाली तकनीकों / सामग्रियों का सुझाव देना।

संकाय उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

i. संकाय कार्यशाला और टीओटी

इस वर्ष 29 संकाय सदस्यों को भारत में और बाहर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इन-हाउस और प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षित किया गया। सुश्री सोनाली सलदान्हा - सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग को निफ्ट के संकाय सदस्यों में से लक्जरी और फैशन प्रबंधन पर 3 माह के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया था। वह 7 जनवरी से 22 मार्च, 2019 तक हांगकांग के सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुई।

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया (निफ्ट में)

• निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों ने 3-6 अप्रैल, 2018 से क्यूर (पाठ्यक्रम की समीक्षा) के लिए निफ्ट नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

• निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों ने निफ्ट हैदराबाद और निफ्ट

बेंगलुरु में क्रमश: 25-28 जून, 2018 और जुलाई 3-6, 2018 से पाठ्यक्रम पुनर्गठन के लिए संकाय कॉन्क्लेव में भाग लिया।

• निफ्ट मुंबई के 20 संकाय सदस्यों ने निफ्ट के विभिन्न वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित प्रशिक्षकों कार्यक्रमों के प्रशिक्षण में भाग लिया। कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम थे: जैटजिस्ट की पहचान करना और रुझान का विश्लेषण करना; "फालमाउथ यूनिवर्सिटी, यूके से प्रो. एलन मुर्रे द्वारा कोर डिजाइन शिक्षाशास्त्र; आर्टिफिश्यल इंटेलिजेंस; रचनात्मक उद्यमिता आदि।

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया

• फैशन डिजाइन विभाग ने जून 2018 में 'फैशन मूल बातें' - फाउंडेशन कार्यक्रम के विषय में एक टीओटी का आयोजन किया। फैशन सोसाइटी संस्कृति - फैशन डिजाइन में जुलाई 2018 में टीओटी का आयोजन किया।

• श्री नितिन कुलकर्णी, सहायक प्रोफेसर ने सभी 4 केंद्रों पर एम. डेस संकाय के लिए 18-19 जुलाई, 2018 को निफ्ट, मुंबई में विषय उन्मुखीकरण कार्यक्रम और डिजाइन रणनीति के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया। दिल्ली, मुंबई, कन्नूर से सभी एम. डेस संकाय ने इसमें भाग लिया।

निफ्ट के बाहर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया

• श्री श्रीपति भट, सहायक प्रोफेसर, एडी, ने 26-30 नवंबर 2018 के दौरान आईआईटी- गुवाहाटी में आयोजित 'एर्गोनॉमिक्स इन डिजाइन एजुकेशन' प्रशिक्षण में भाग लिया।

• प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल और सुश्री रश्मि गुलाटी, एम. डेस की सहायक प्रोफेसर ने 1-2 फरवरी, 2019 को मुंबई में 2 दिवसीय कार्यशाला 'डिजाइन थिंकिंग बूटकैंप' में भाग लिया। यह क्यूग्लू द्वारा आयोजित किया गया था और श्री डेविड द्वारा संचालित किया गया था।

• डॉ नितिन कुलकर्णी, अध्यक्ष, एम. डेस, ने डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिजाइन, दिल्ली द्वारा आयोजित लुफ्थांसा, जर्मनी द्वारा आयोजित डिजाइन सोच पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

ii. संकाय उद्योग से जुड़ाव

• सुश्री रश्मि गुलाटी, सहायक प्रोफेसर, एम. डेस, ने शिल्प, व्यवसाय विकास और गोदाम संचालन के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ कंपनी के मॉडल को समझने के लिए 2-14 जुलाई, 2018 के बीच क्यूरोकर्टे (स्वतंत्र ऑनलाइन सेवा) में अपना संकाय उद्योग लगाव पूरा किया।

• प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल, एम. डेस, ने 2-13 जुलाई, 2018 के बीच लुमियर बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में अपना फैकल्टी उद्योग लगाव पूरा किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों / बैठकों में संकाय की भागीदारी

राष्ट्रीय: निफ्ट मुंबई के 15 संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन और प्रदर्शनियों में भाग लिया, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण नाम थे: इंडिया फैशन फोरम; निट शो, तिरुपुर; इंटिमेसिया फेयर, नई दिल्ली; पुणे डिजाइन उत्सव; सीएमएआई द्वारा आयोजित 68 वां राष्ट्रीय परिधान मेला; ग्लोबल टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग शो; 'टेक्सटाइल 4.0' पर सम्मेलन, आदि।

अंतरराष्ट्रीय

• सुश्री कुंदलता मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एफडी, ने 'डिजाइनिंग प्रोटेक्टिव क्लोथिंग: एन एमाल्गमेशन ऑफ ट्रैंडी एवं फंक्शनल सेफ्टी" विषय पर पेपर प्रस्तुति के लिए टीबीआईएस सम्मेलन, मैनचेस्टर, यूके का दौरा किया।

• सुश्री लिपी चौधरी- सहायक प्रोफेसर, एमएफएम, ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था 'री-थिंकिंग पेडागोजी - नॉलेज, थिंकिंग एंड एप्लिकेशन: दी करिकलम मिक्स दैट इम्पेक्ट्स दी फ्यूचर ऑफ एजुकेशन" शीर्षक से एक शोध पत्र 9-10 जून, 2018 को मनोविज्ञान, भाषा और शिक्षण (आईसीपीएलटी) पर एथेंस, ग्रीस में आयोजित आईआईईआर 345 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

• प्रो. डॉ. सुशील रतूड़ी, एफएमएस का चयन आईएफएफटीआई सम्मेलन 2019 के लिए किया गया था। यह पेपर डॉ सुशील रतूड़ी द्वारा अप्रैल 2019 में ब्रिटेन के मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी में 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किया जाएगा।

• सुश्री सुस्मिता दास, एफसी, ने 3-4 मार्च, 2019 को आईडीसी, आईआईटी, मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन टाइपो दिवस 2019 में भाग लिया।

पूर्व छात्र उद्योग और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

इस वर्ष निफ्ट मुंबई ने लगभग 76 पूर्व छात्रों और उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण वक्ता और विशेषज्ञ थे: सुश्री ईला डेडिया, प्रोफेसर, निर्मला निकेतन कॉलेज ऑफ होम साइंस; सुश्री सत्या सरन, प्रख्यात लेखक और फैशन पत्रकार; सुश्री लतिका खोसला, फ्रीडम ट्री डिजाइन की निदेशक और वरिष्ठ डिजाइनर; सुश्री विभा हुंडेकर, एकिबेकी के संस्थापक; श्री राजेंद्र सिंह, सहायक निदेशक डीसीएचसी; सुश्री रिफाली चंद्रा निफ्ट पूर्व छात्र और एडिएनफेस्टा की मालिक; सुश्री रिद्धि मेप्सेनकर निफ्ट पूर्व छात्र और मैपएक्सेंकर की मालिक; श्री मनोज कोठारी, संस्थापक, ओनिओ डिजाइन; श्री देवेंद्र जामसंदेकर डीजीएम, वेलस्पन ग्लोबल ब्रांड्स लिमिटेड।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

निफ्ट मुंबई ने मुंबई और उसके आसपास 25 से अधिक यात्राओं का आयोजन किया और विभिन्न उद्योगों के साथ संबंध स्थापित किए, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण नाम हैं: हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड; सुदिती इंडस्ट्रीज; पारम्परीक कारीगर; ब्रिंटन कार्पेट प्राइवेट लिमिटेड, पुणे; बॉम्बे रेयन फैशन लिमिटेड बोइसर तारापुर आदि।

• 8 शैक्षणिक विभागों के लगभग 300 छात्रों को विभिन्न विषयों में विभिन्न उद्योगों में उनकी इंटर्नशिप के लिए भेजा गया था। कंपनियों के कुछ नाम हैं: रेमंड अपैरल लिमिटेड; हाउस ऑफ अनीता डोंगरे; फ्यूचर लाइफ स्टाइल फैशन; रस्टोरेंज; बींग ह्यूमन; लिवा डिजाइन और विकास; देसी विब्स; शॉपर्स स्टॉप; रिलायंस ट्रेंड्ज; अरविंद लिमिटेड; नरेंद्र कुमार (डिजाइनर); राहुल मिश्रा (डिजाइनर); आईटीसी लिमिटेड विल्स जीवनशैली; इंडिया फैशन; गिन्नी एंड जॉनी लिमिटेड; स्पाइकर; जयपुर रग्स; पर्पल पैच; अरविंद मिल्स; शिल्पी हैण्डीक्राफ्ट; मस्करा एक्सपोर्ट्स; मंधावा उद्योग; एएनडी टेक्सटाइल; इमेजिनारियम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड; ओरोजा डिजाइन एलएलपी, बेंगलुरु; सीमेंस; आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड; वैन हुसैन, बेंगलुरु; पैंटालून (आदित्य बिड़ला); हाइडसाइन; कासा डेकोर, नोएडा; टाटा मोटर्स; क्लासिक फैशन एपरेल लिमिटेड (जॉर्डन); बेक्सिंकों लिमिटेड (बांग्लादेश); मॉडलमा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड; गोकलदास एक्सपोर्ट्स; ऋचा समूह; स्टिचमैन इंक; उत्तर पूर्वी विकास वित्त निगम लिमिटेड; रेडियो वन; टाटा इलेक्सी; दी क्विंट; सुलक्षणा मोंगा; रिलायंस ब्रांड लिमिटेड; मिंत्रा डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड; आदित्य बिड़ला रिटेल लिमिटेड; बेस्टसेलर इंडिया रिटेल प्राइवेट लिमिटेड; लेवी स्ट्रॉस एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड; बीएमआई होलसेल ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड; जेनेसिस प्राइवेट लिमिटेड; बेनेटन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड; नाइका रिटेल प्राइवेट लिमिटेड आदि।

• छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप के लिए कुछ गैर परंपरागत क्षेत्रों को चुना जैसे 3 डी प्रिंटेड लाइटिंग, इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट डिजाइन, ऑर्गेनिक सामग्री का उपयोग कर लाइटिंग, इंटरेक्शन डिजाइन, सूचना डिजाइन और सामाजिक डिजाइन आदि।

प्लेसमेंट

• कैंपस प्लेसमेंट 2018 का आयोजन निफ्ट मुंबई द्वारा 30 अप्रैल, 2018 से 2 मई, 2018 के दौरान निफ्ट मुंबई कैंपस में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए किया गया था। कुल 73 कंपनियों ने पंजीकरण किया और कुल रिक्तियों की संख्या 435 थी। अधिकतम पैकेज स्नातकोत्तर के लिए 5.85 लाख और स्नातक के लिए 4 लाख रुपए प्रदान किया गया। इस वर्ष भी ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया मार्केटिंग और यूआई / यूएक्स डोमेन में कंपनियों की बढ़त देखी गई। रेमंड, एबीएफआरएल, टाटा ट्रेंट, रिलायंस ब्रांड्स, गिन्नी एंड जॉनी इत्यादि जैसी पारंपरिक नियमित भर्तियों के अलावा, नाइका, टाटा क्लिक आदि जैसी कंपनियों ने भी प्लेसमेंट 2018 में भाग लिया। अब कंपनियों का निफ्ट मुंबई के साथ मजबूत संबंध है और इंटर्नशिप, जीआरपी, व्याख्यान श्रृंखला और लाइव प्रोजेक्ट जैसे कई प्लेटफार्मों के माध्यम से इस परिसर के साथ जुड़े रहते हैं।

स्थायित्व पहलू और हरित परिसर

बुनियादी सेवाओं तक पहुंच

• परिसर ने अपने पुराने कैंपस भवन प्लॉट नंबर 15 पर दिव्यांगजनों की पहुंच को सुकर बनाने के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट का प्रस्ताव रखा है। यह लिफ्ट विशेष रूप से दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थापित की जाएगी और इसलिए इसमें कम ऊंचाई वाले बटन, हैंडड्रिल आदि होंगे, इस तरह के प्रावधान पहले से ही नए शैक्षणिक ब्लॉक II और महिला हॉस्टल में मौजूद हैं।

• परिसर ने कन्या छात्रावास में खेल के मैदान के किनारे के साथ वाकिंग ट्रैक बनाने का प्रस्ताव दिया है।

सूक्ष्म जलवायु प्रभाव

परिसर ने कार्यालय और कक्षा क्षेत्र में परिसर के अन्दर पौधों की संख्या बढ़ाने के लिए 400 पौधों की खरीद की है। कैम्पस ने वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए अन्य पौधों के साथ-साथ पीस लिली और मनी प्लांट जैसे वायु शुद्ध करने वाले पौधों की खरीद की है।

• परिसर में वृक्षारोपण घनत्व को 853 पेड़ों और गमलों में 462 पौधों को बढ़ाने की योजना है।

• ऐसा माना जाता है कि सेंट्रलाइज्ड हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम का स्वचालन प्रत्येक कमरे में एएचयू को नियंत्रित करने वाले निकटता वाले सेंसर के कारण भवन पर गर्मी के प्रभाव को कम करेगा।

• सभी ए/ सी और हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम के लिए इनडोर तापमान 25^0 सी है और लॉबी क्षेत्र में यह 26^0 सी रखा गया है।

अनुरक्षण, हरित खरीद और अपशिष्ट प्रबंधन

• सीएफएल लाइटों के एलईडी लाइटों में प्रतिस्थापन के चरणवार बदलाव के साथ वर्तमान में लगभग 60% प्रकाश व्यवस्था एलईडी लाइटों से बदल दी गई है।

• ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप पेपरलेस फाइलिंग सिस्टम शुरू हो गया है।

• कचरा प्रबंधन के लिए, निफ्ट मुंबई परिसर जैविक कचरे के लिए ग्रीन वेस्ट कम्पोस्टर्स खरीद की प्रक्रिया में है। कन्या छात्रावास 10 इंसिनेटर्स स्थापित किए गए हैं और ये ठीक से काम कर रहे हैं।

ऊर्जा दक्षता

• एचवीएसी प्रणाली के लिए एनर्जी ऑडिट आयोजित की गई है। एनर्जी ऑडिट की टिप्पणियों को परिसर में बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम को शैक्षणिक ब्लॉक II में प्लॉट नं 15 जो एक केंद्रीकृत ए. सी. भवन है जिससे बिजली की बचत 15-18% होती है, पर स्थापित करके कार्यान्वित किया जाता है और कैंपस ने प्रत्येक क्लास रूम में वीएफडी ड्राइव और प्रॉक्सिमिटी सेंसर लगाए हैं जो बिजली बिल को 15-20% प्रति माह तक कम करेंगे। जनवरी 2018 के लिए बिजली बिल रुपए 10,02,950/- था जबकि जनवरी 2019 का बिल 7,30,420/- था। इस प्रकार, 2,72,550/- रुपये का अंतर आया है यानी 27.17% की बचत हुई है।

• कैंपस में सीएफएल लाइटों को एलईडी लाइटों में बदलने के लिए 0.98 से 0.99 फेज वार अप्रोच का पावर फैक्टर बनाया हुआ है, वर्तमान में लगभग 60% प्रकाश व्यवस्था को एलईडी लाइटों से बदल दिया गया है।

जल खपत

वर्तमान में कन्या छात्रावास पानी की खपत 146-लीटर / प्रति छात्रा है और कैंपस में यह 70 लीटर/ प्रति व्यक्ति/ प्रतिदिन है। कैंपस का प्रयास है कि निम्नलिखित के द्वारा पानी की खपत को कम किया जाए:

• एसटीपी संयंत्र की स्थापना और बागवानी के लिए एसटीपी पानी का उपयोग करना।

• उपयोगकर्ताओं को अपने दैनिक उपभोग में जल संरक्षण विधियों (ताजे पानी और पुनर्चक्रण किए गए पानी के लिए) को अपनाने के लिए संवेदनशील बनाना।

जल और ऊर्जा अनुकूलन

ऊर्जा अनुकूलन के लिए किए गए प्रयास -

• पुराने पीएल / सीएफएल लाइटों के स्थान पर एलईडी लाइट लगाना

• चर आवृत्ति उपकरण, सभी कक्षाओं में मानव डिटेक्शन सेंसर स्थापित करके एचवीएसी स्वचालन।

• सभी हितधारकों को परिपत्र के माध्यम से स्प्लिट एसी तापमान 26^0 सेण्टीग्रेड तक रखने के लिए सूचित किया गया है।

• कक्षा के बाद रोशनी, पंखे, ऊर्जा की खपत करने वाले उपकरण बंद करने के लिए छात्रों को प्रेरति करना और संवेदनशील बनाना।

• बिजली उत्पादन के लिए सोलर रेस्को मॉडल योजना की स्थापना।

जल बचत के लिए कदम -

• दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्रों और निफ्ट मुंबई परिसर के सभी हितधारकों को जल और ऊर्जा संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाया गया है।

• पानी और बिजली के इष्टतम उपयोग के लिए सभी हितधारकों को परिपत्र के माध्यम से सूचना प्रसारित की जाती है।

• शिक्षक सदस्यों को ऊर्जा और पानी के संरक्षण के लिए छात्रों को जागरूक करने की सलाह दी गई है।

फ्लाइंग स्क्वायड टीमें

• दिशानिर्देशों के अनुसार, परिसर ने छात्रों की फ्लाइंग स्क्वाड टीम का गठन किया गया है। ये छात्र औचक जांच करने के लिए नामित किए गए हैं ताकि उपयोग के बाद सभी विद्युत उपकरण बंद हों और पानी के रिसाव और बिजली अपव्यय पर नियमित नजर रखी जा सके।

स्वच्छता और सफाई के अंतर्गत गतिविधियों की सूची

• कागज - एसडीएसी एनवायरनमेंटल क्लब के अंतर्गत सभी विभागों से बेकार कागज एकत्र करने और उसी में से हस्तनिर्मित रिसाइकिल पेपर बनाने के लिए एक छात्र समूह बनाया गया है। फैब्रिक - एसडीएसी एनवायरनमेंट क्लब के तहत सभी विभागों से अपशिष्ट कपड़े के संग्रह के लिए एक छात्र समूह बनाया गया है और हाथ से बने पुनर्चक्रण योग्य कपड़े उत्पाद जैसे बालियां, बैग बनाए जाते हैं, जो समय-समय पर निफ्ट मुंबई परिसर में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों को प्रस्तुत किए जाएंगे। इससे न केवल छात्रों में रचनात्मकता आएगी बल्कि परिसर में स्थायी पर्यावरण प्रथा विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

• वृक्षारोपण अभियान के तहत, कैंपस ने इस आयोजन को स्वच्छ पखवाड़ा के दौरान आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है और हाल ही में स्वच्छ पखवाड़ा के दौरान 04 मार्च, 2019 को कन्या छात्रावास में पौध वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। परिसर में वृक्षारोपण घनत्व को 853 पेड़ों और गमलों में 462 पौधों को बढ़ाने की योजना है।

नई दिल्ली

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

• सुश्री सविता एस. राणा और प्रो कृपाल माथुर ने 'विविध शिक्षाशास्त्र का विकास: निफ्ट में डिजाइन शिक्षा के प्रसार में परिवर्तन' शीर्षक से एक लेख लिखा, जिसे शंघाई में आईएफटीटीआई सम्मेलन 2018 में प्रस्तुत किया गया और $ 2000 का पुरस्कार जीता।

• श्री विशेष आजाद को राष्ट्रीय मानव संसाधन केंद्र, सामाजिक न्याय और कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 'लघु-फिल्म समारोह' में 'दिव्यांगता' पर एक लघु फिल्म के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला।

• डॉ. आयुष राव और सुश्री ईशा गर्ग ने डॉ. मनीष नांगिया के साथ बिजनेस केस स्टडी के लिए कॉर्पोरेट औल' में तृतीय पुरस्कार जीता।

अवसंरचना और सुविधाएं

दिल्ली परिसर ने 10 कक्षाओं, 11 प्रयोगशालाओं, 02 सभागारों और 03 प्रदर्शनी स्थलों का अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान निर्मित किया है। इसने अपनी प्रयोगशालाओं के लिए 3 डी प्रिंटर, धातु पिघलने की मशीन, सीएनसी उत्कीर्णन, आभूषण पॉलिश करने की मशीन, बैंड आरा मशीन और लेजर कटिंग मशीन जैसी अत्याधुनिक मशीनों की खरीद की है। फाउंडेशन कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से स्वचालित लॉक-सिलाई मशीन, स्मार्ट क्लास-रूम और नए फर्नीचर की खरीद की गई। आईटी लैब को नवीनतम कंप्यूटरों के साथ अपग्रेड किया गया।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम

एक वर्ष की अवधि के चौदह कार्यक्रम

अर्थात: फैशन और वस्त्र प्रौद्योगिकी (एफसीटी), परिधान उद्योग के लिए फैशन एकीकरण (एफआईएआई), परिधान निर्यात मर्चेंडाइजिंग प्रबंधन (जीईएमएम), फैशन रिटेल प्रबंधन (एफआरएम), भारतीय एथनिक पहनावे के लिए डिजाइन विकास (डीडीव्यू), रचनात्मक प्रशिक्षण और डिजाइन विकास (सीटीडीडी), बुटीक परिधान और अनुषंगी (डीबीएए), फैशन उद्यम और व्यवसाय प्रबंधन (एफईबीएम), परिधान डिजाइन प्रौद्योगिकी (जीडीटी), लक्जरी उत्पाद डिजाइन (एलपीडी), फैशन ई- व्यवसाय प्रबंधन (एफईएम), वस्त्र प्रौद्योगिकी में डिजाइन (सीपीटी), ग्राफिक डिजाइन एंड कम्युनिकेशन (जीडीसी), आंतरिक डिजाइन और प्रदर्शनी (आईडीई)। एक छह महीने का कार्यक्रम अर्थात: क्रिएटिव फैशन स्टाइलिंग। निफ्ट ने जेसीबी की सीएसआर पहल के अंतर्गत दी लेडी बामफोर्ड चौरिटेबल ट्रस्ट के लिए पाँच सप्ताह की अवधि के अनुकूलित 03 कार्यक्रम किए, डिजाइन डेवलपमेंट प्रोग्राम; बुनाई डिजाइन और विकास कार्यक्रम; प्रिंट डिजाइन और विकास कार्यक्रम और एक वर्ष का डिप्लोमा कार्यक्रम अर्थात क्राफ्ट डिजाइन डेवलपमेंट एंड प्लानिंग (सीडीडीपी) भी पेश किया।

परियोजनाएं

• भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के लिए कर्मचारियों की कई श्रेणियों के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन करने का कार्य 20 लाख रुपए की कुल लागत के साथ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

• जम्मू-कश्मीर हैंडलूम के लिए कश्मीरी फेरन की डिजाइनिंग परियोजना चल रही है। परियोजना की कुल लागत 14 लाख रुपए है।

• भारतीय रेलवे ने निफ्ट को राजधानी और अन्य ट्रेनों के एसी कोचों के लिए बेड रोल और पर्दे डिजाइन करने का कार्य दिया है। परियोजना की कुल लागत 10 लाख रुपए है।

• अरविंद मिल्स के लिए कौशल उन्नयन कार्यशालाएं चार महानगरीय शहरों जैसे मुंबई, गांधीनगर, हैदराबाद और कोलकता में आयोजित की गई। प्रत्येक कार्यशाला की लागत 2 लाख रुपये थी।

• रेमंड्स के लिए कौशल उन्नयन कार्यशालाएं दिल्ली और मुंबई में आयोजित की गई। प्रत्येक कार्यशाला की लागत 4 लाख रुपये थी।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

• सुश्री इमाम हुसैन ने रेमंड डिजाइन चैलेंज 2018 जीता।
• सुश्री तूलिका रंजन ने मित्तलमोड़ा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2018 जीता।
• सुश्री तूलिका रंजन ने मैक्स डिजाइन अवार्ड 2018 जीता।
• सुश्री अश्नीत कोहली ने मैक्स डिजाइन अवार्ड 2018 में सबसे लोकप्रिय परिधान पुरस्कार जीता।
• श्री वार्डन बसु ने निफ्ट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की डिजाइन प्रतियोगिता 'रिडिस्कवरिंग कल्चर: ट्रांसफॉर्मिंग फैशन' जीता।
• श्री अनवेश साहू ने 2018 में 'दी ट्रॉय पेरी लिगेसी प्रोजेक्ट' पुरस्कार जीता।
• श्री ऋषभ चड्ढा ने जनरल नेक्स्ट अवार्ड 2018 जीता।
• सुश्री उर्वशी वर्मा और सुश्री सुप्रिया कुमार ने 2018 में सीएलई द्वारा एक प्रतियोगिता में पांच पुरस्कार जीते।
• सुश्री अनु सिंह, श्री मिश्रा बी रविंद्रकुमार, सुश्री अनु कुमारी और सुश्री अलिडा मर्लिन जेवियर ने 2019 में सीएलई प्रतियोगिता में पाँच पुरस्कार जीते।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

मई, 2018 में प्रदर्शनियों और सेमिनारों में प्रदर्शित किए गए 323 छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजनाएं शुरू कीं, जिसे बहुत से उद्योग सदस्यों ने देखा।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

छात्रों को कवर किए गए क्षेत्र के शिल्प के प्रति संवेदनशील बनाया गया था और उन्होंने उसी के लिए द्वितीयक और प्राथमिक डेटा एकत्र करने के बाद पूरी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण किया था। गतिविधि का उद्देश्य बेहतर बाजार अवसरों के लिए चुने गए शिल्प में डिजाइन हस्तक्षेप प्रदान करने के अवसरों को देखना था। उन्होंने बाड़मेर, राजस्थान का दौरा किया और उन्होंने हाथ की कढ़ाई, टाई और डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, कटवर्क और अप्लीक, अजरख प्रिंटिंग का अध्ययन किया। बाड़मेर में उन्होंने वुड क्राफ्ट, ब्लॉक प्रिंटिंग, लेदर क्राफ्ट और कढ़ाई, अजरख को नजदीकी से जाना। शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना के लिए: बीकानेर- यूएसटीए (गेसो), कढ़ाई: कशिदा सूफ, जवाजा लेदर क्राफ्ट - छात्रों ने शिल्प में उत्पाद रेंज की डिजाइन और योजना बनाई और प्रोटोटाइप बनाने के लिए कारीगर के साथ काम किया। इससे उन्हें डिजाइन और मार्केटिंग ज्ञान लागू करने और कारीगरों के कौशल के साथ एक पूर्ण उत्पाद में संश्लेषित करने के लिए सीखने में मदद मिली। छात्रों ने उदयपुर में ब्लॉक प्रिंटिंग, अजरख, सिल्वर ज्वेलरी और मिरर इनले, पिचवी, मिनिएचर पेंटिंग, स्टोन नक्काशी, कुंदन, मीनाकारी, लेदर क्राफ्ट, वुड कार्विंग, उस्ता के बारे में नजदीकी से जानकारी प्राप्त किया।

दूसरे विभाग के छात्रों ने कुल्लू, मंडी और मनाली क्षेत्रों का दौरा किया और उन्होंने बुनाई, निटिंग (मोजे), वेशभूषा / पट्टू बुनाई को नजदीकी से जाना और विभिन्न शिल्पों को अध्ययन किया - जैसे कि शॉल बनाना, पेटू बुनाई, निटिंग, आदि। उत्तराखंड देहरादून में- उन्होंने क्रोकेट रामबांस - प्राकृतिक फाइबर शिल्प, हाथ बुनाई, तिब्बती कालीन हस्तशिल्प कार्य का अध्ययन किया। एफएमएस के छात्रों ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला, बाजार लिंकेज का अध्ययन किया।

उत्पाद विकास के लिए छात्र पूर्व-अवधारणा डिजाइनों के साथ क्लस्टर पर जाते हैं जो पहले के शोध और योजना पर आधारित होते हैं।

पीएचडी आरंभ और पूरी की

26 शिक्षक सदस्य पीएचडी कर रहे हैं और 22 शिक्षक सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ (छात्र और शिक्षक दोनों के द्वारा)

• सुश्री अनन्या मित्र प्रमाणिक, सहायक प्रोफेसर, ने 22-23 फरवरी, 2019 को जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुड़गांव में आयोजित द्वितीय वार्षिक अनुसंधान कॉन्क्लेव 2019 में 'प्री एंड फ्रॉम कंज्यूमर टेक्सटाइल वेस्ट फॉर जेनेरिक एंड यूज' शीर्षक से एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया।

• सुश्री अनन्या मित्र प्रमाणिक, सहायक प्रोफेसर, ने 'दी ग्लोबल नीड फॉर सस्टेनेबल बिजनेस डेवलपमेंट' शीर्षक से एक पेपर ब्लूम्सबरी प्रकाशन में आईएसबीएन 978-93-88630-06-1 (पृष्ठ संख्या 34-37- नवंबर 2018) के साथ प्रकाशित किया।

• डॉ. अनु शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर ने 'डबल क्लॉथ ऑफ नेपासर: ए लोस्ट आइडेंटिटी' नामक एक पत्र टीसीआरसी ई-जर्नल, वॉल्यूम 3, अंक 5, फरवरी 2019 में प्रकाशित।

• डॉ. अनु शर्मा, सहायक प्रोफेसर, 'जर्नी ऑफ केमल हेयर: स्पेशयल्टी हेयर फाइबर फ्रोम फ्यूटाइल टू रिचनेस' शीर्षक वाले पेपर को 14-18 मई, 2019 से आईआईटी दिल्ली में निर्धारित यंग रिसर्चर्स सिम्पोजियम 2019 में पोस्टर प्रस्तुति के लिए चुना गया है।

• सुश्री अनुप्रीत भल्ला दुग्गल, सहायक प्रोफेसर, ने 1 नवंबर, 2018 को आयोजित एनआईडी डिजाइन संगोष्ठी इनसाइट में "अंडर्स्टेंडिंग दी सिक्ख आइडेंटिटी इन ट्रांजिशन: ए डिजाइन पेर्स्पेक्टिव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. बन्नी झा, वरिष्ठ प्रोफेसर ने आईएएफओआर द्वारा आईएएफओआर रिसर्च सेंटर फॉर ओसाका यूनिवर्सिटी कोबे,

जापान के सहयोग से दी एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबिलिटी, एनर्जी एंड एनवायरनमेंट (एएससीईई) सम्मेलन में 'काला कॉटन: एक स्थायी विकल्प' पर जून 2018 पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. बानी झा, वरिष्ठ प्रोफेसर ने यूजीसी प्रायोजित एशिया और ओशिनिया अनुभाग और शिक्षा और प्रशिक्षण अनुभाग, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय के सहयोग से एफएफएलए द्वारा आयोजित 'ट्रांसफॉर्मिंग दी सोसाइटी: लाइब्रेरिज एज दी टार्च-बियरर' ऑफ चेंज' सम्मेलन में पेपर शीर्षक: 'संसाधन केंद्र: सिनर्जिंग फैशन एजुकेशन विद क्राफ्ट हेरिटेज' 'प्रस्तुत किया। पत्रों की पुस्तिका आईएसबीएन नंबर (अगस्त 2018) के साथ प्रकाशित की गई है।

• डॉ. बानी झा, वरिष्ठ प्रोफेसर ने ब्रिल पब्लिशर्स, यूके द्वारा 'खादी डेनिम के साथ फैशन पहचान' शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया गया।

• डॉ. बानी झा, वरिष्ठ प्रोफेसर ने हिंदी अखबार झारखंड टाइम्स में 4-5 फरवरी, 2019 को ''गैर परम्परागत शिक्षा माध्यम से कलाकौशल विकास की अनिवार्यता'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

• श्री सी. एस. जोशी, सहायक प्रोफेसर ने "मैं कौन हूँ"? संगठनात्मक और व्यक्तिगत स्व-भारतीय आईटी कर्मचारियों के निर्माण की खोज करने वाला एक नृवंशविज्ञान अध्ययन शीर्षक से 7-8 दिसंबर, 2018 को भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझीकोड, केरल, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में एक पत्र का सह-लेखन और प्रस्तुत किया।

• सुश्री डॉली कुमार, सहायक प्रोफेसर, ने 28-29 मई, 2018 को विजुअल कल्चर पर, पोंटिशिया यूनिवर्सिटी डेला सांता क्रो, रोम में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'साइबोर्ग फैशन: रिडिफाइनिंग मॉडर्न ब्यूटी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. मनीष नांगिया, असिस्टेंट प्रोफेसर ने फॉर्च्यून इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, नई दिल्ली द्वारा 4 अगस्त 2018 को आयोजित आर्थिक विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बढ़ती हुई भारतीय अर्थव्यवस्था में महिला उद्यमी की भूमिका' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. मनीष नांगिया, सहायक प्रोफेसर ने पारले तिलक विद्यालय एसोसिएशन के पीवीटीए इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 'नेतृत्व के लिए महिला सशक्तिकरण' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्किटेक्चर के बढ़ते क्षेत्र में महिला उद्यमी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• डॉ. मनीष नांगिया, सहायक प्रोफेसर ने एक पेपर प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था 'भारत के सदस्यता बॉक्स मॉडल द्वारा अपनाई गई विभिन्न रणनीतियाँ' एमिटी जर्नल ऑफ स्ट्रेटजी मैनेजमेंट, वॉल्यूम 1, अंक 2, मई 2018 में प्रकाशित हुआ।

• डॉ. मनीष नांगिया, सहायक प्रोफेसर ने "जर्नी ऑफ ए स्पेशली एब्ल्ड एंटरप्रेन्योर" शीर्षक से एक पेपर प्रिज्म स्क्वायर ए मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, वॉल्यूम 1.0, अंक 1, अगस्त 2018 में प्रकाशित किया।

• डॉ. मनीष नांगिया, सहायक प्रोफेसर ने 'वियर एंटरप्रेन्योर इन द एवर ग्रोइंग एरिया ऑफ आर्किटेक्चर' शीर्षक से एक पेपर अजंता में प्रकाशित किया जो एक पीयर रेफरेड और यूजीसी द्वारा सूचीबद्ध जर्नल, वॉल्यूम- VII, इशू- IV, अक्टूबर-दिसंबर-2018 है।

• सुश्री सविता श्योराण राणा, प्रोफेसर, आईएफएफटीआई 2018 सम्मेलन के दौरान डोंगुआ विश्वविद्यालय में 12 अप्रैल, 2018 को 'डेवलपमेंट ऑफ ए डाइवर्सिफाइड पेडागोजी: ए ट्रांसफोरमेशन इन डिस्सेमीनेटिंग डिजाइन एज्यूकेशन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री सविता श्योराण राणा, प्रोफेसर, ने 1 दिसंबर, 2018 को पानीपत में एचईपीसी हैंडलूम सदस्यों के निर्यातकों के लिए "हेमटेक्स्टिल 2019 के लिए कलर ट्रेंड्स एंड विजुअल मर्चेंडाइजिंग" पर रुझान और पूर्वानुमान अनुसंधान प्रस्तुति प्रस्तुत की।

• श्री शिवशक्ति एकांबरम, प्रोफेसर, ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली में अप्रैल 2018 को नई दिल्ली में 'भारतीय पुरुषों के कार्य स्थल पर आरामदायक फुटवियर के डिजाइन और निर्माण के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री उषा नरसिम्हन, प्रोफेसर, ने 27 दिसंबर, 2018 को 44 वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन, मैसूर में "दिल्ली का एक फैशन प्रतिनिधित्व" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

• सुश्री उषा नरसिम्हन, प्रोफेसर, ने दिसंबर 2018 के दौरान इंटरनेशनल जर्नल फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च एंड मैनेजमेंट में 'फैशन एक्सपीरियंस ऑफ दी अर्बन इंडियन कंज्यूमर' शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

• डॉ. वर्षा गुप्ता, प्रोफेसर और सुश्री लक्ष्मी सूर्या ने फरवरी 2019 में कोयम्बटूर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'भारतीय फैशन रिटेल - एनसीआईएफआर 2019' में कार्बनिक कपास के रूप में जिम्मेदार खपत और उत्पादन को लागू करते समय चुनौतियों पर एक अध्ययन - केस स्टडी के रूप में मार्क्स और स्पेंसर का उपयोगष शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री विजय दुआ, प्रोफेसर, ने "यूजेज पैटर्न ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स बाई स्टूडेंट्स इन दिल्ली- एनसीआर: ए स्टडी" शीर्षक से एक पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस में सितंबर- 2018 में प्रकाशित किया।

• श्री वी. पी. सिंह, प्रोफेसर, ने 'ए स्टडी ऑन दी कम्फर्ट एंड पैटर्न मेकिंग ऑफ एक्टिव स्पोर्ट्सवियर शीर्षक पर एक पेपर प्रकाशित किया, अंक संख्या 32, वॉल्यूम 06 आईएसएसएन - 23945303

शिक्षक उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

i. शिक्षक प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

ii. शिक्षक उद्योग अटैचमेंट

दिल्ली कैंपस में 08 टीओटी आयोजित किए गए थे अर्थात डिजाइन प्रक्रिया (III), परिधान और फैशन एक्सेसरी के लिए वस्त्र, गृह और स्पेस के लिए वस्त्र (III और IV), ड्राइंग, डिजाइन फण्डामेंटल, डिजिटल डिजाइन और संचार, फैशन और लक्जरी (एफडी), फैशन और लक्जरी (एलडी), प्रवृत्ति विश्लेषण - इनमें 150 शिक्षक सदस्यों ने भाग लिया जिनमें से 21 नई दिल्ली कैंपस के शिक्षक सदस्य थे।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों/ बैठकों में शिक्षक की भागीदारी

• डॉ. वंदना भंडारी, प्रोफेसर, केडी विभाग ने 10 -13 अप्रैल, 2018 से ढोंगुआ विश्वविद्यालय, शंघाई में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. शिंजू महाजन, एसोसिएट प्रोफेसर, एलडी विभाग ने ढोंगुआ विश्वविद्यालय, शंघाई में 10 -13 अप्रैल, 2018 से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. पुरुर खुराना, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी विभाग ने ढोंगुआ विश्वविद्यालय, 10 अप्रैल -13, 2018 से शंघाई में कागज प्रस्तुत किया।

• सुश्री सविता एस राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, टीडी विभाग ने 10 -13 अप्रैल, 2018 से ढोंगुआ विश्वविद्यालय, शंघाई में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री तूलिका महंती, सहायक प्रोफेसर, एलडी विभाग ने दृश्य संस्कृति पर 28- 29 मई, 2018 तक इटली के पोंटिचिया विश्वविद्यालय डेला सांता क्रो में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री डॉली कुमार, सहायक प्रोफेसर, एलडी विभाग ने दृश्य संस्कृति पर 28- 29 मई, 2018 तक इटली के पोंटिचिया विश्वविद्यालय डेला सांता क्रो में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. बन्नी झा, वरिष्ठ प्रोफेसर, एफडी विभाग ने कोबे, जापान में 8 -10 जून, 2018 से पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. प्रबीर जाना, प्रोफेसर, डीएफटी ने जर्मनी के म्यूनिख में, 3-6 फरवरी, 2019 से आयोजित होने वाले आईएसपीओ मेले में भाग लिया।

• सुश्री सुरभि आहूजा, सहायक प्रोफेसर, डिजाइन स्पेस विभाग ने अपने पेपर का प्रेजेंटेशन 14-16 दिसंबर, 2018 को अहमदाबाद यूनिवर्सिटी में 'हेरिटेज मैनेजमेंट एजुकेशन एंड प्रैक्टिस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2018' में 'भारत में डिजाइन के माध्यम से सतत विकास में सांस्कृतिक विरासत का पोषण' शीर्षक से प्रस्तुत किया।

• श्री आशुतोष साही, सहायक प्रोफेसर, टीडी विभाग - आईआईटी दिल्ली में 6-8 दिसंबर, 2018 से तकनीकी कपड़ा और नॉन-वूवन (आईसीटीएन 2018) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

• डॉ. दीपक पंघाल, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी विभाग ने 5 -7 दिसंबर, 2018 से ब्रिस्बेन ऑस्ट्रेलिया में 14 वीं ग्लोबल कांग्रेस ऑन मैन्युफैक्चरिंग एंड मैनेजमेंट (जीसीएमएम, 2018) में 'ऑटोमेटिक सीम रिपिंग सिस्टम' नामक पेपर की प्रस्तुति।

• सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी विभाग ने 15-26 अक्टूबर, 2018 तक ओपेरा डी पेरिस, फ्रांस में अनुभवात्मक शिक्षण के लिए 8 निफ्ट छात्रों के साथ फ्रांस की यात्रा की।

• सुश्री शेजा नासिर, सहायक प्रोफेसर, एडी विभाग, 12 से 15 फरवरी, 2019 तक भारत डिजाइन आईडी 2019, डिजाइन संगोष्ठी में भाग लेने और एनएसआईसी ग्राउंड, ओखला में प्रदर्शनी में भाग लिया।

• श्री के. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, एडी विभाग, 12 से 15 फरवरी, 2019 तक भारत डिजाइन आईडी 2019, डिजाइन संगोष्ठी में भाग लेने और एनएसआईसी ग्राउंड, ओखला में प्रदर्शनी में भाग लिया।

• श्री के. मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, एडी विभाग - 22-28 मार्च, 2019 तक दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एनामेल संगोष्ठी में भाग लिया।

• श्री अशोक प्रसाद, सहायक प्रोफेसर, केडी विभाग ने कांफ्रेंस टेक्सकोन-2019 में 4-5 अप्रैल, 2019 को एसवीवी, इंदौर में सम्मेलन में 'सीएडी / सीएएम का उपयोग करके उत्पाद बुनाई में उत्पाद नवाचार' शीर्षक से पत्रों को प्रस्तुत किया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• श्री एरॉल नेल्सन पिरेस, यार्न शिल्प पर एक प्राधिकरण ने एक व्याख्यान दिया।

• श्री मनीष त्रिपाठी, सुश्री निदा महमूद, श्री सौरभ बांका फैशन डिजाइनरों ने छात्रों को संबोधित किया।

• सुश्री अस्मिता अग्रवाल फैशन पत्रकार ने भी छात्रों को संबोधित किया।

• सृष्टि फाउंडेशन की सुश्री आशा गुलाटी ने छात्रों को संबोधित किया।

• श्री रवि ढींगरा फोटोग्राफर ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

• सुश्री रितु सेठी, क्राफ्ट रिवाइवल ट्रस्ट ने छात्रों के साथ शिल्प के बारे में अपने अनुभव और जुनून को साझा किया।

• श्री मनु मनशीत, विजुअल मर्चेंडाइजर ने विजुअल मर्चेंडाइजिंग के बारे में अवगत कराया।

• सुश्री कुशा कपिला, एक ब्लॉगर; सुश्री द्रष्टि वासवानी और सुश्री रवि शैल ने भी छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

• दिल्ली परिसर के छात्रों के साथ बातचीत करने वाले अन्य पूर्व छात्रों में श्री राजेश प्रताप सिंह, श्री सब्यसाची मुखर्जी, सुश्री उमा प्रजापति, श्री सार्थक कौशिक, सुश्री सोनल कालरा, श्री समीर बाजा, श्री नरेश कुकरेजा, श्री शिवन भाटिया, श्री सुकेत धीर, श्री अभय गुप्ता, श्री चैतन्य खन्ना, श्री दीपक चक्रवर्ती, श्री सम्राट सोम और अन्य शामिल थे।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• सुश्री श्रेयशी हलदर मैसर्स टीसीएनएस लिमिटेड ने फैशन डिजाइन के सेमेस्टर- VI के छात्रों लिए फैशन परिधान की एक श्रृंखला डिजाइन करने के लिए एक कक्षा परियोजना दी। छात्रों को एक लाइव उद्योग परियोजना का अनुभव प्राप्त हुआ, जहां चयनित डिजाइन कंपनी द्वारा व्यावसायिक रूप से लॉन्च किए जाते हैं और छात्रों को नकद पुरस्कार दिए जाते हैं।

• मैसर्स नंदन डेनिम लिमिटेड, फैशन डिजाइन VII-सेमेस्टर के छात्रों को डेनिम फैब्रिक और परिधान की एक श्रृंखला के लिए वॉश और सरफेस को डिजाइन करने का अवसर प्रदान करता है। यह छात्रों को डेनिम की वाणिज्यिक धुलाई और दिलचस्प सरफेस का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

• मैसर्स एब्सोल्यूटो ने फैशन डिजाइन VII सेमेस्टर के छात्रों को पुरुषों के पहनावे पर एक कक्षा परियोजना का संक्षिप्त देकर और इसके प्रायोजन द्वारा अवसर दिया। यह छात्रों को पुरुषों के औपचारिक परिधानों की एक श्रृंखला को डिजाइन करने का अवसर प्रदान करता है जिसके लिए मेसर्स एब्सोल्यूटो ने फैब्रिक प्रायोजित किए हैं।

• मैसर्स एब्सोल्यूटो ने सेमेस्टर-VII में फैशन डिजाइन छात्रों के लिए पुरुषों के पहनावे के डिजाइन संग्रह को भी प्रायोजित करता है।

• मैसर्स मदुरा गारमेंट्स ने सेमेस्टर-VII के छात्रों को पुरुषों के औपचारिक पहनावे की एक श्रृंखला डिजाइन करने के लिए एक कक्षा परियोजना दी।

• मैसर्स इको-तसर सिल्क प्राइवेट लिमिटेड ने भागलपुरी सिल्क पर परिधानों की एक श्रृंखला को डिजाइन करने के लिए सेमेस्टर VI फैशन डिजाइन छात्रों को एक कक्षा परियोजना दी, जिसे एक फैशन शो में प्रदर्शित किया जाएगा।

• लिवा (आदित्य बिड़ला ग्रुप) ने वर्ष 2018 में टीडी, सेमेस्टर-III के एकीकृत असाइनमेंट के भाग के रूप में फैब्रिक प्रायोजित किया और छात्रों ने निर्दिष्ट ब्रांडों के लिए शिबोरी, बैटिक और कढ़ाई का उपयोग करके नवीन सतहों का विकास किया।

• इको-तसर ने टेक्सटाइल डिजाइन के सेमेस्टर-V के छात्रों के लिए तसर यार्न का उपयोग करके अभिनव बुनाई विकसित करने के लिए छात्रों के लिए एक डिजाइन प्रतियोगिता प्रायोजित की।

• निफ्ट ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 27-29 जून, 2018 से मेसे फ्रैंकफर्ट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एंबिएंट और हेमटेक्स्टिल इंडिया 2018 व्यापार मेलों में भाग लिया। निफ्ट वाल ने अपने फाइनल स्नातक परियोजना के भाग के रूप में तीन टेक्सटाइल डिजाइन छात्रों द्वारा विकसित घरेलू और जीवन शैली उत्पादों को प्रदर्शित किया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

दिल्ली परिसर ने हरित परिसर बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए:

• दिल्ली परिसर के नए भवन में प्रकाश की बचत करने और इमारत को ठंडा रखने के लिए कांच के अग्रभाग बनाए हैं।

• परिसर में एक बेहतर अपशिष्ट, पानी, बिजली प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।

• रसोई अपशिष्ट को खाद में परिवर्तित करने के लिए कम्पोस्ट मशीन की खरीद करके अपशिष्ट प्रबंधन किया जा रहा है।

• कचरे को बायो-डिग्रेडेबल और नॉन-डिग्रेडेबल में अलग-अलग किया जाता है।

• इंसिनेटर्स के साथ सैनिटरी नैपकिन का स्वच्छता के साथ निपटान किया जाता है।

• कैंपस की संरक्षा और सुरक्षा के लिए ट्यूबलाइटों को एलईडी लाइटों और इलेक्ट्रिकल पैनल के साथ को बदलकर बिजली की बचत करना।

• पानी के संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की जाएगी।

• जल प्रबंधन - औद्योगिक आरओ स्थापित करना, जो पानी की बचत करेगा और उससे निकलने वाले अपशिष्ट पानी का उपयोग बागवानी के लिए किया जाएगा।

• नालियों में बहने वाले कचरे को कम करने के लिए परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा।

• सौर ऊर्जा उत्पादन, भवन की छत और खुले क्षेत्रों में भवन के ऊपर बिजली उत्पन्न करने के लिए सौर ऊर्जा सेल लगाएं जाएंगे।

• कैंपस अपने शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले कागजी कचरे को, एक बाहरी एजेंसी के माध्यम से हस्तनिर्मित कागज में परिवर्तित करके पुनः उपयोग में लाने लायक बनाने की योजना है।

पटना

पटना राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), पटना डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है। निफ्ट, पटना की स्थापना जून 2008 में कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत हुई थी।

संस्थान ने राज्य में फैशन शिक्षा में खुद को एक नेतृत्वकृता के रूप में चित्रित किया है। फैशन और प्रौद्योगिकी संस्थान अपने विकास प्रतिमान का पता लगाने और परिधान और सहयोगी उद्योग के लिए संरचनात्मक रोडमैप तैयार करने में उत्प्रेरक की तरह कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट पटना में आधुनिक शिक्षण कक्ष हैं, जो फर्नीचर, एसी और प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं। विभिन्न विभागों की प्रयोगशालाओं का विवरण:

- फैशन डिजाइन विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं-
  - पैटर्न मेकिंग लैब: पैटर्न मेकिंग मेज-10 स्टूल-40 के साथ, स्टीम आयरन -2, बॉयलर -1, ड्रेस फॉर्म- 220 (लगभग), वैक्यूम टेबल-2
  - परिधान निर्माण प्रयोगशाला: एसएनएलएस - 40, ओवर लॉक-4, फ्लैट लॉक-2, फीड अप दी आर्म-1, दो निडल लॉक स्टिच -1, निडल चेन स्टिच -1, ब्लाइंड स्टिच-1, बॉयलर-1, वैक्यूम टेबल-4, स्टूल-40
  - डिजाइन संग्रह लैब: एसएनएलएस (नया) - 20, स्टूल-20 (नए)+13 (पुराने) = 33, पैटर्न मेज-10
  - निटवेअर लैब: हाथ बुनाई मशीन- 4, लिंकिंग मशीन -1,
  - सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला- 35 कंप्यूटर
- फैशन प्रौद्योगिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं-
  - पैटर्न मेकिंग लैब: पैटर्न मेकिंग मेज - 14, स्टूल-40, हैंड आयरन-1, बॉडी फॉर्म-76
  - परिधान निर्माण प्रयोगशाला: एसएनएलएस - 48, फ्लैट लॉक -1, फीड अप दी आर्म -1, बटन होल मशीन -1, बटन अटैचिंग मशीन -1, फ्यूजिंग मशीन -1, हैंड आयरन -1, स्टूल- 32
  - सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला- 45 कंप्यूटर
- फैशन और लाइफ स्टाइल एक्सेसरीज विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं-
  - मशीन लैब: धातु के लिए खराद मशीन -1, ग्राईंडिंग मशीन -1, शीट बेंडिंग मशीन-1, सर्क्यलर सॉ-1, एयर ब्लोअर, स्पॉट और आर्क वेल्डिंग मशीन -1, बेल्ट और डिस्क सैंडर -1
  - सूचना प्रौद्योगिकी लैब-3 डी प्रिंटर -1 और 35 कंप्यूटर, ऑटो सीएडी, 3 डी एस मैक्स, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित हैं।
- फैशन संचार विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं-
  - मैक लैब: 36 कंप्यूटर, ऑटो सीएडी, फोटो शॉप, 3 डी एस मैक्स, वेब डिजाइन, कोरल ड्रा सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित।

• संसाधन केंद्र: – निफ्ट पटना में संसाधन केंद्र में 6000 से अधिक पुस्तकें और पत्रिकाएं उपलब्ध हैं और आरएफआईडी के साथ सुरक्षित है।
– ई-ग्रंथालय की सहायता से विभिन्न पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों तक पहुंच है
– सामग्री विंग: सामग्री विंग में विभिन्न वस्त्र, स्वैच और डिजाइन का संग्रह है
• निफ्ट कैंटीन: आधुनिक फर्नीचर के साथ स्वच्छ भोजन की उपलब्धता
• कन्या छात्रावास: केंद्र में छात्रावास में 230 छात्राओं को समायोजित करने की क्षमता है। एक कमरे में दो छात्राओं को रखा गया है। इसके अलावा सामान्य क्षेत्र, कॉमन हॉल, जिम की सुविधा, फ्रिज, ओवन, आयरन, प्रत्येक मंजिल पर वॉशिंग मशीन, समाचार पत्र की सुविधा उपलब्ध है।
• अन्य सुविधा: अच्छी तरह सुसज्जित जिम उपलब्ध है।
• खेल: इंडोर और आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट, वॉली बॉल कोर्ट, ओपन एरिया (एम्फीथिएटर), संगीत कक्ष, शाम को खेलने के लिए उचित प्रकाश व्यवस्था।

परियोजनाएं

निफ्ट पटना ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों के साथ कई परियोजनाएं पूरी की हैं।
इनमें से उल्लेखनीय हैं:
• टीआईएफएसी के साथ रेडीमेड गारमेंट्स क्लस्टर, पटना सिटी, बिहार के लिए प्रौद्योगिकी गैप विश्लेषण अध्ययन
• यूएसटीटीएडी: अल्पसंख्यक आयोग, भारत सरकार के साथ अल्पसंख्यकों के पारंपरिक पैतृक कला/ शिल्प (यूएसटीटीएडी) के संरक्षण के लिए मास्टर शिल्प कारीगर के कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना।
• भागलपुर (बिहार) मेगा हथकरघा क्लस्टर: भागलपुर मेगा हथकरघा क्लस्टर के एकीकृत और समग्र विकास के लिए रोडमैप तैयार करना ताकि यह अपनी योग्यता में सुधार कर सके, जो इसके सतत व्यापार और अपने कुल व्यापार में वृद्धि सुनिश्चित करेगा, परियोजना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के साथ प्रगति पर है।
• बिहार खादी का विकास: डाइंग और प्रिंटिंग, डिजाइन विकास, क्षमता निर्माण, मूल्य वर्धित खादी परिधान का उत्पादन और बिहार खादी ब्रांडिंग में अन्वेषण के साथ बिहार खादी के विकास का उद्देश्य है। निफ्ट पटना ने वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए बिहार खादी के समकालीनिकरण की रणनीति विकसित करने के लिए एक मिशन का प्रस्ताव दिया है। परियोजना बिहार बोर्ड खादी ग्रामोध्योग के साथ प्रगति पर है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

• बी. डेस (फैशन डिजाइन) की मेधा देवगन ने क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भारत कौशल प्रतियोगिता फैशन प्रौद्योगिकी कौशल में स्वर्ण पदक जीता। वह अबू धाबी, मेलबर्न और रूस में विश्व कौशल प्रतियोगिता 2019 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।
• बी. डेस (फैशन संचार) के छात्र सूरज हरीश असावा ने इंडिया स्किल्स बिहार 2018 में ग्राफिक डिजाइन प्रौद्योगिकी कौशल में सिल्वर मेडल जीता, 2018 में दिल्ली में नेशनल लेवल पर ग्राफिक डिजाइन प्रौद्योगिकी कौशल में स्वर्ण पदक जीता। अबू धाबी, 2018 में विश्व कौशल एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विश्व कौशल प्रतियोगिता 2019 ऑस्ट्रेलिया में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

• बी.एफटेक के अपूर्व अनुराग (परिधान उत्पादन) ने 'श्री राम चंद्र मिशन' द्वारा 'भारत और भूटान के लिए संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र' के सहयोग से आयोजित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता 2018 (स्नातक स्तर, हिंदी) में 7 वीं रैंक हासिल की।
• बी. डेस (फैशन संचार) के राम दुगु राकेश ने भारत कौशल बिहार 2018 में ग्राफिक डिजाइन प्रौद्योगिकी कौशल में रजत पदक जीता और राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 2018 में बिहार का प्रतिनिधित्व किया।
• प्रतीक कुमार सिंह बी. डेस (एक्सेसरी डिजाइन) ने इंडिया स्किल्स बिहार 2018 में विजुअल मर्चेंडाइजिंग स्किल में सिल्वर मेडल जीता और राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 2018 में बिहार का प्रतिनिधित्व किया।

राज्य का प्रतिनिधित्व

• बी. डेस (एक्सेसरी डिजाइन) की छात्रा अनन्या ने आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण (अगस्त 2018) द्वारा आयोजित ऑल इंडिया लोगो डिजाइन और टैगलाइन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता और केरल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित ओरियन केएसआईडी इनोवेशन अवार्ड के लिए शीर्ष 10 प्रतियोगियों में भी क्वालिफाई किया।
• बी. डेस (फैशन संचार) की विशाखा वासु ने इंडिया स्किल्स बिहार 2018 में विजुअल मर्चेंडाइजिंग स्किल में स्वर्ण पदक जीता और क्षेत्रीय कौशल प्रतियोगिता 2018 में बिहार का प्रतिनिधित्व किया।

कंवर्ज में प्रतिनिधित्व – सभी कार्यक्रमों में निफ्ट पटना के छात्रों द्वारा कुल 22 पदक जीते गए।

वर्ष के दौरान छात्रों के लिए आयोजित गतिविधियाँ

• शैक्षिक वर्ष 2018-19 की शुरुआत नए बैच के स्वागत के साथ हुई। 3-दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम 25, 26 और 27 जुलाई को आयोजित किया गया था, जो एक प्रेरक और औपचारिक मुलाकात थी जिसने छात्रों में एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्साह भर दिया।
• दैनिक भास्कर ने 27 जुलाई, 2018 को निफ्ट पटना में एक प्रतिभा खोज कैंपस कार्यक्रम "कॉलेज के सितारे" का आयोजन किया। छात्रों द्वारा कॉलेज से युवा प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का गठन किया गया।

• 7 अगस्त 2018 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर एक यार्न आर्ट इंस्टॉलेशन और बुनाई नमूना प्रदर्शनी लगाई गई। छात्रों को जातीय लिबास देने वाले रंगों के परिधान में तैयार किया गया था। इस कार्यक्रम के बाद पंडित विश्व मोहन भट्ट द्वारा संगीतमय प्रदर्शन किया गया, जो भारतीय क्लासिक संगीत के सबसे महान नामों में से एक है। उनके वाद्य यंत्रों की धुनों से छात्र मंत्रमुग्ध थे।

• पटना सेंट्रल के लायंस क्लब ने निफ्ट पटना परिसर के सेंट्रल हॉल में एक मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। आंखों की जांच, ईसीजी, रक्त परीक्षण, अस्थि घनत्व की जांच जैसे कई अन्य परीक्षण उपलब्ध हैं। परामर्श के लिए एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सकों से युक्त विशेषज्ञों की एक टीम मौजूद है। केंद्रीय हॉल में एक रक्तदान शिविर भी लगाया गया था, कई छात्रों और शिक्षकों ने नेक काम के लिए अपना रक्त दान किया। आयोजन बहुत सफल रहा।

• निफ्ट पटना ने 15 अगस्त, 2018 को 72 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की औपचारिक शुरुआत, ध्वज फहराने के साथ की। नुक्कड़ टीम द्वारा 'ए ट्रिब्यूट टू इंडियन आर्मी' विषय पर एक नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने भाषण और कविताएँ प्रस्तुत करके अपनी देशभक्ति की भावना को व्यक्त किया और पूरे जोश के साथ नृत्य, गायन और संगीत थिएटर का प्रदर्शन किया।

• निफ्ट पटना ने 18 अगस्त, 2018 को हमारे दिवंगत प्रधान मंत्री, राजीव गांधी की स्मृति में सद्भावना दिवस का आयोजन किया। सभी छात्रों और संकायों ने अपना योगदान देने और सद्भाव तथा भावनात्मक एकता के साथ एक राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

• एनआईसी पटना के परिसर में स्पिक मैके द्वारा 27 अगस्त, 2018 को एक संगीत प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। प्रसिद्ध हस्तियों, कलाकार जोड़ी पंडित रितेश मिश्रा और पंडित रजनीश मिश्रा ने अपने भावपूर्ण प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

• हमारे जीवन में गुरुजनों के महत्व को उजागर करने के लिए, निफ्ट पटना ने कॉलेज के शिक्षक निकाय को एक दिन समर्पित किया। 5 सितंबर, 2018 को संकायों के लिए विभिन्न खेलों और मजेदार गतिविधियों का आयोजन किया गया था जिसमें उन्होंने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और पूर्ण आनंद लिया।

• रेड एफएम निफ्ट पटना परिसर में आया और 8 सितंबर 2018 को 'टशनबाज' नाम से एक प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया। कॉलेज परिसर में आयोजित पहले दौर में फैशन वॉक सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल थी। छात्रों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की, जिनमें से कई को अगले दौर के लिए चुना गया था।

• हर वर्ष की भांति, रेडियो मिर्ची ने 14 सितंबर, 2019 को निफ्ट परिसर में मिर्ची यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया। इंटरएक्टिव शो में नृत्य, गायन, कॉमेडी और फैशन वॉक सहित बहुत सारी गतिविधियाँ आयोजित की गई।

• निफ्ट पटना ने नए छात्रों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेशर्स ईव का आयोजन किया। प्रतिभा दिखाने और अन्य मजेदार गतिविधियों की योजना बनाई गई थी जिसमें उन्होंने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में सबसे प्रतीक्षित, मिस्टर और मिस फ्रेशर्स की घोषणा की गई। यह खुशी-खुशी समाप्त हुआ क्योंकि सभी छात्र 15 सितंबर को डांस फ्लोर पर कमर कसने के लिए एकत्रित हुए।

• एक सप्ताह का सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30 अक्टूबर, 2018 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ। नुक्कड़ टीम ने भ्रष्टाचार और देश के विकास पर इसके प्रभावों पर एक अद्भुत प्रदर्शन प्रस्तुत किया। कई अन्य छात्र आकर्षक गतिविधियों जैसे वाद-विवाद और भाषण का भी आयोजन किया गया। हम भ्रष्टाचार को मिटाने और एक नए भारत के निर्माण के लिए एक साथ खड़े हों का संदेश देने के लिए 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन का आयोजन भी किया गया था।

• 70 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया गया था। इसकी शुरुआत ध्वजारोहण के बाद छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक और संगीतमय प्रदर्शन से हुई। पतंगबाजी और क्रिकेट जैसे आयोजन भी हुए।

• पहली बार विभागीय उत्सव, एफसी दिवस 1 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था। पूरे विभाग ने एक फ्लैश मोब की। विभाग ने छात्रों के साथ बातचीत करने और उनके क्षेत्र के दायरे के बारे में बताने के लिए लाइव ज्यूकबॉक्स और कई स्टाल लगाए थे। यह दिन खूब हिट रहा।

• कॉलेज परिसर में 1 से 3 मार्च 2019 तक 3 दिनों का क्राफ्ट बाजार आयोजित किया गया था। इस आयोजन के उदघाटन समारोह की शुरुआत कोणार्क नाट्य मंडप के 11 महान कलाकारों द्वारा गोटी पूआ के साथ हुई, जिसके बाद हमारे देश के हस्तशिल्प और हथकरघा की विविधता को दर्शाते हुए पारंपरिक शिल्प प्रदर्शन किया गया। बाजार प्रदर्शनी और बिक्री के लिए विभिन्न स्टालों में लगाए गए विभिन्न प्रकार के शिल्प का एक विस्तृत प्रदर्शन किया गया था। यह आंखों के लिए रंग और विभिन्न पारंपरिक शिल्पों को एक ही स्थान पर देखने का एक उपहार था।

• निफ्ट पटना का सबसे बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम, स्पेक्ट्रम 2019 दिनांक 2 और 3 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था। इस उत्सव में सांस्कृतिक, साहित्यिक, ईएसएसई और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। समारोह गाजे ख़ बाजे के प्रदर्शन और सांस्कृतिक जुलूस के साथ शुरू हुआ, जिसमें विभिन्न जातिय पृष्ठभूमि के छात्रों ने अपनी पारंपरिक वेषभूषा में तैयार होकर जश्न मनाया। उत्सव का उद्घाटन डेजर्ट स्टोर्म, प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा एक शास्त्रीय प्रदर्शन के साथ हुआ। मेगा उत्सव ईडीएम नाइट के साथ डीजे सोलक के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

• निफ्ट पटना के परिसर में 10 से 16 मार्च तक स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह का आयोजन किया गया था। पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। खाद्य सुरक्षा और खाद्य अपव्यय के प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड नाटक भी किया गया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

प्रथम बैच 2014-2018 के 29 छात्रों, फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज ने अलग-अलग कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। स्नातक समारोह के बाद, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना: सुश्री प्रीतिका सिंह।
• सबसे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य डिजाइन हस्तक्षेप: सुश्री ऐश्वर्या गुप्ता।
• डिजाइन पद्धति का सर्वाधिक अनुकरणीय अनुप्रयोग: श्री समरजीत कुमार।

फैशन संचार के बैच-2014-2018 के 25 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में सफलतापूर्वक स्नातक परियोजनाएं प्राप्त की है। स्नातक समारोह के दौरान, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार-I: सुश्री श्रेया यादव।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार-II: सुश्री तान्या बैरिया।
• सबसे अभिनव संचार डिजाइन: श्री अभिजीत कृष्णा।
• सामुदायिक सेवा प्रदर्शन पुरस्कार के साथ निफ्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता: सुश्री श्रेया यादव।

फैशन डिजाइन के बैच 2014-2018 के 30 छात्रों, ने सफलतापूर्वक विभिन्न कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की। स्नातक समारोह के दौरान, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

• सर्वश्रेष्ठ डिजाइन संग्रह - सुश्री प्रिया सिंह।
• सबसे रचनात्मक और अभिनव डिजाइन संग्रह - सुश्री भाग्य लक्ष्मी।
• समकालीन शैली में पारंपरिक कौशल का सर्वोत्तम उपयोग - श्री रॉबिन रॉय।
• उषा सर्वश्रेष्ठ परिधान निर्माण पुरस्कार- सुश्री कुमारी अनुपमा।

टेक्सटाइल डिजाइन बैच 2014-2018 के 30 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। स्नातक समारोह के दौरान, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार-1: सुश्री प्रियंका कुमारी घोष: शाही एक्सपोर्ट्स, गुड़गांव, दिल्ली- विशेष रूप से प्रिंट और चेक में महिलाओं के परिधानों पर उनके काम के लिए।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार - 2: सुश्री तेविंदा गौड़: आइकिया, दिल्ली-कोटा साड़ी पर उनके काम के लिए।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार - 3: सुश्री रीति चौधरी: किड्सवेयर पर दिल्ली-टीबर एंड टेबर, अपने काम के लिए।

फैशन प्रौद्योगिकी विभाग बैच 2014-2018 के 27 छात्रों ने सफलतापूर्वक विभिन्न कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना पूरी की। स्नातक समारोह के दौरान, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

• सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना, 2018 - श्री प्रवीर दास को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान परियोजना का पुरस्कार मिला।
• सबसे नवीन परियोजना, 2018- श्री सुमित प्रकाश।
• सर्वाधिक व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजना, 2018- सुश्री निधि राय।

फैशन अध्ययन प्रबंधन विभाग बैच 2016-2018 के 28 छात्रों ने विभिन्न कंपनियों में सफलता पूर्वक अपनी स्नातक परियोजना पूरी की। स्नातक समारोह के दौरान, छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (फैशन मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज) - सुश्री आस्था भाटिया।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (फैशन मर्चेंडाइजिंग) - श्री मोहम्मद शाबान सिद्दीकी।
• सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर परियोजना (विपणन) - सुश्री ईशा।

पीएचडी आरंभ और पूरी की गई

02 शिक्षक सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

• फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी विभाग ने 14 से 18 मार्च तक सेमेस्टर IV के लिए शिल्प कार्यशाला आयोजित की और 10 से 15 सितंबर 2018 तक सेमेस्टर V के लिए शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन के रूप में क्लस्टर पहल की है।
• फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी विभाग ने बैच 2015-2019 के लिए 19 से 21 मार्च 2018 तक सेमेस्टर VI के लिए और बैच 2016-2020 के लिए 06 से 08 मार्च 2019 तक कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।
• फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी विभाग ने सेमेस्टर VII के लिए 16 से 21 जुलाई तक क्राफ्ट आधारित डिजाइन परियोजना और 26 से 29 सितंबर 2018 तक परियोजना 'प्रोटोटाइप' का आयोजन किया।
• फैशन डिजाइन विभाग, सेमेस्टर V - सीआरडी ने उत्पाद की नई रेंज (परिधान) लाइन को डिजाइन करने के लिए पहचाने गए शिल्प के उपयोग का पता लगाने के लिए क्राफ्ट जरी वर्क क्राफ्ट क्लस्टर पटना सिटी का दौरा किया।
• फैशन डिजाइन विभाग, सेमेस्टर VII- सीबीडीपी, विषय शिल्प आधारित उत्पाद विकास के तहत भागलपुर का दौरा किया, जहां छात्रों को उत्पाद (परिधान) लाइन की एक नई रेंज डिजाइन करने के लिए पहचान किए गए शिल्प के उपयोग का पता लगाने के लिए चुना गया।
• फैशन डिजाइन छात्रों ने भागलपुर सिल्क बुनाई, सुजनी, मधुबनी, अप्लीक, टिकुली, जरी और उन क्षेत्रों की खोज की जहाँ शिल्प और क्लस्टर गतिविधि का आयोजन किया गया था वे भागलपुर और पटना थे।
• वस्त्र डिजाइन विभाग ने 18 से 20 अप्रैल, 2018 तक कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न शिल्पकारों में से बारह कारीगरों ने इस कार्यशाला में भाग लिया था, जहाँ सात प्रतिष्ठित वक्ताओं को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया था (जिसमें वस्त्र डिजाइन के शिक्षक भी शामिल हैं)।
• वस्त्र डिजाइन, बैच 2016 - 2020 के 33 छात्रों ने 10 से 19 जून, 2018 तक शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन विषय के लिए शिल्प क्लस्टर संबंधित गतिविधि के तहत भागलपुर का दौरा किया।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

• श्री विनायक यशराज, एसोसिएट प्रोफेसर, फैशन और जीवनशैली एक्सेसरी विभाग ने 18 जनवरी और 19 जनवरी 2019 को एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना में "डाइवर्स यूनिकनेस: एसीमिलेशन मल्टीकल्चर्लिज्म इन ईएलटी क्लासरूम: पोर्टेयल इन सेलेक्ट

मीडिया, इंगलिश विंग्लिश एंड माइंड योर लैंग्वेज" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री विनायक यशराज, एसोसिएट प्रोफेसर, फैशन और जीवनशैली एक्सेसरी विभाग ने 31 जनवरी, 2018 से 2 फरवरी, 2018 को बिट्स पिलानी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में : 'ड्रेसिंग के माध्यम से वास्तविक नारीत्व का निर्माण करके रूढ़िवादिता को तोड़ना: चुनिंदा भारतीय फिल्मों के माध्यम से एक तुलनात्मक पठन, गोयन का प्रतिनिधित्व करना' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• श्री जयंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग ने 14-16 दिसंबर 2018 के दौरान सीईटी, त्रिवेंद्रम में मानविकी कार्य और कार्य पर्यावरण (एचडबल्यूडबल्यूई) 2018 पर 16 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च शिक्षा संस्थान के जिम के लिए एक स्व-मापन फिटनेस उपकरण के डिजाइन' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर टेक्सटाइल डिजाइन विभाग द्वारा आईआईएचटी, गुवाहाटी के ऑडिटोरियम हॉल में 21 अप्रैल, 2018 को आयोजित "सस्टेनेबल डाइंग एंड वैल्यू एडिशन ऑन नेचुरल बेस्ड हैंडलूम एंड टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स" पर आमंत्रित वक्ता वार्ता के रूप में पत्र प्रस्तुत किया गया।

• श्री किस्लाय कश्यप, सहायक प्रोफेसर, फैशन मैनेजमेंट स्टडीज विभाग द्वारा इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई में 19 से 21 दिसंबर, 2018 को इंडियन इकोनॉमिक्स ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित 60 वें श्रम अर्थशास्त्र सम्मेलन में 'भारत में कपड़ा और परिधान निर्माण में श्रम उत्पादकता' पर प्रस्तुत किया गया।

शोध पत्र प्रकाशन

• श्री विनायक यशराज, एसोसिएट प्रोफेसर, फैशन और जीवनशैली एक्सेसरी विभाग ने 14 दिसंबर 2018 को बिहार (भारत) से सांस्कृतिक और फैशन की विशिष्टता का उद्भव अपनी विशिष्ट क्षेत्रीय पृष्ठभूमि में निहित है" शीर्षक से पत्र जर्नल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, जर्नल एट साइंस पब्लिशिंग ग्रुप में प्रकाशित किया।

• श्री कुणाल सिंघा, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन विभाग द्वारा "टेक्सटाइल्स इन ट्रांसपोर्टेशन" नामक पत्र एशियन टेक्सटाइल जर्नल, 2018 में प्रकाशित किया।

• श्री कुणाल सिंघा, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन विभाग द्वारा 'टेक्सटाइल रिसर्च मेथडोलॉजी में एफटीआईआर विश्लेषण' शीर्षक से पत्र एशियन टेक्सटाइल जर्नल, 2018 में प्रकाशित किया।

• कुणाल सिंघा सहायक प्रोफेसर, मेघना नारायण, निहारिका रानी, स्वर्गीय प्रीति भारती, श्रृष्टि सिंह, स्वाति ओझा कुमारी, टेक्सटाइल डिजाइन विभाग की छात्राओं द्वारा "डायस एफ्लुएंट ट्रीटमेंट यूजिंग सुपर एब्सॉर्बेंट पॉलिमर इन टेक्सटाइल्स" शीर्षक से पत्र एशियन डायर, 2018 में प्रकाशित किया।

• पेपर का शीर्षक 'फोटोक्रोमिक डाई केमिस्ट्री: यूज्ड इन टेक्सटाइल्स' एशियन डायर, 2018 में श्री कुणाल सिंघा, सहायक प्रोफेसर, अर्निका रंजन (छात्र), वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा प्रकाशित किया गया है।

• श्री कुणाल सिंघा, श्री जयंत कुमार (बीएफटेक) और डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग ने "रिसेंट एडवांसमेंट्स इन वियरेबल एंड स्मार्ट टेक्सटाइल्स: एन ओवरव्यू" शीर्षक से पत्र मटेरियल टुडे: प्रोसीडिंग्स, स्मार्ट-2018 कॉन्फ्रेंस, एचकेपीयू, चीन में प्रकाशित किया।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर द्वारा "कोलोरेशन ऑफ टेक्सटाइल यूजिंग रोस्टिड पिनट स्किन एन एग्रो-प्रोसेसिंग रेजीड्यू" शीर्षक से पत्र जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 2018 में प्रकाशित किया गया।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर द्वारा "इकोफ्रेंडली सिंगल बाथ डाइंग एंड फंक्शनल फिनिशिंग ऑफ वूल प्रोटीन विद कोकोनट शेल एक्सट्रेक्ट बायोमोलेक्यूल्स" शीर्षक से पत्र एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 2018 में प्रकाशित किया गया।

शिक्षक अभिविन्यास, प्रशिक्षण और विकास

• श्री राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 18 से 20 जुलाई तक निफ्ट गांधीनगर में ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन प्रक्रिया में एक टीओटी में भाग लिया, 23 से 27 जुलाई तक प्रोफेसर एलन मुर्रे द्वारा निफ्ट दिल्ली में कोर डिजाइन पेडागॉजी और फ्यूचर ट्रेंड्स, निफ्ट दिल्ली में 15 से 17 अक्टूबर 2018 को श्क्राफ्ट क्लस्टर पहलश पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री गुंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 16 से 18 जुलाई, 2018 तक निफ्ट दिल्ली में डिजिटल डिजाइन और संचार में एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एफसी 08 मार्च, 2019 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोशल डिजाइन (आईएसडी) के परिचय पर एक टीओटी में शामिल हुए।

• श्री कुमार विकास, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 15 मार्च से 18 जुलाई 2018 तक निफ्ट, नई दिल्ली में एक टीओटी और 08 मार्च 2019 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सामाजिक डिजाइन (आईएसडी) के लिए एक टीओटी में भाग लिया।

• एफडी से सुश्री स्वेता राजन शर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर), श्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा (एसोसिएट प्रोफेसर), सुश्री स्नेहा भटनागर (सहायक प्रोफेसर) और श्री धर्मेंद्र कुमार (सहायक प्रोफेसर) ने निफ्ट हैदराबाद में 25 से 28 जून 2018 के दौरान आयोजित शिक्षक कॉन्क्लेव में भाग लिया।

• सुश्री स्वेता राजन शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी ने 23-27 जुलाई, 2018 को निफ्ट दिल्ली में कोर डिजाइन और शिक्षाशास्त्र और भविष्य के रुझान पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, एफडी ने 16 से 21 जुलाई, 2018 तक निफ्ट नई दिल्ली में 'ट्रेंडोलॉजी' पर एक टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री स्नेहा भटनागर, सहायक प्रोफेसर, एफडी ने 11 मई को निफ्ट बेंगलुरु में डिजाइन कलेक्शन एक्सटर्नल ज्यूरी और 22 से 26 जुलाई 2018 तक निफ्ट मुंबई में फैशन सोसाइटी कल्चर पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री धर्मेंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफडी 15 से 19 जुलाई 2018 तक निफ्ट नई दिल्ली में डिजाइन फंडामेंटल पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एफसी, श्री कुमार विकास, सहायक प्रोफेसर एफसी, श्री गुंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए और डॉ. विकास कुमार, सहायक प्रोफेसर, एमएफएम ने सोशल डिजाइन (आईएसडी) के परिचय पर 08 मार्च, 2019 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री कुमार विकास, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 04 और 05 जनवरी, 2019 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्रिएटिव सोच पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री कुमार विकास, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने ड्राइंग पर एक टीओटी में भाग लिया, श्री गुंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 15 से 18 जुलाई 2018 को निफ्ट नई दिल्ली में डिजिटल डिजाइन और संचार पर एक टीओटी में भाग लिया।

• टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर, श्री कुणाल सिंघा, श्री लोकेश कुमार, सुश्री रजनी श्रीवास्तव और श्री जयंत कुमार जनवरी 2018 में निफ्ट यूनिवर्सल ट्रेनिंग प्रोग्राम, कोल्लम, केरल में और हैदराबाद में 25 से 28 जून 2018 तक निफ्ट डिजाइन शिक्षक कॉन्क्लेव 2018 में शामिल हुए।

• निफ्ट पटना के सहायक प्रोफेसर श्री लोकेश कुमार ने 3 से 7 जुलाई, 2018 तक समन्वयक प्रोफेसर कृपाल माथुर द्वारा आयोजित निफ्ट दिल्ली में डिजाइन प्रक्रिया पर टीओटी में भाग लिया। श्री लोकेश कुमार ने निफ्ट दिल्ली में टेक्सटाइल ऑन होम एंड स्पेसेस में 16 से 20 जुलाई 2018 तक प्रो. सुधा ढींगरा द्वारा संचालित टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री रजनी श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट पटना ने 16 से 20 जुलाई, 2018 तक निफ्ट दिल्ली में परिधान और फैशन पर प्रो. सुधा ढींगरा द्वारा संचालित टीओटी में भाग लिया।

• श्री किस्लाय कश्यप, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस ने जुलाई 2018 में आईआईएम बेंगलुरु में बिग डेटा और बिजनेस एनालिटिक्स पर एक टीओटी में भाग लिया।

• श्री किस्लाय कश्यप, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस 23 से 25 जनवरी 2019 तक निफ्ट दिल्ली में पाठ्यक्रम लेखन कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री टोनी शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एफएमएस ने अक्टूबर 2018 में निफ्ट मुंबई में क्रिएटिव एंटरप्रेन्योरशिप पर एक टीओटी में भाग लिया और फरवरी 2019 में आईआईएम अहमदाबाद में पारिवारिक व्यवसाय पर एक कार्यशाला आयोजित की।

• डॉ. विकास कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस ने अक्टूबर 2018 में निफ्ट पटना में ऑनलाइन शोध डेटाबेस के प्रभावी उपयोग पर ब्लूम्सबेरी और एब्स्कोहॉस्ट कार्यशाला में भाग लिया जनवरी 2019 में निफ्ट पटना में 'टर्निटिन' कार्यशाला और मार्च 2019 में हैंडलूम फैब्रिक पर बेस्ट से वेस्ट नेचुरल डाइंग पर निफ्ट पटना परिसर में एक कार्यशाला में भाग लिया।

• डॉ. ऋषिकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस ने 4 से 8 मार्च, 2019 तक निफ्ट कोलकाता में उपभोक्ता व्यवहार और न्यूरो मार्केटिंग पर एक टीओटी में भाग लिया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनी / व्यापार मेला / बैठकों में शिक्षक सहभागीता

• श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्रोफेसर ने अबू धाबी (27-29 नवंबर, 2018) में एक विशेषज्ञ के रूप में एशिया विश्व कौशल प्रतियोगिता में भाग लिया।

• श्री सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर- एफडी ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता, अबू धाबी 2018 में सुश्री मेधा देवगन, एफडी के छात्र, बैच 2015-2019 के संरक्षक के रूप में दौरा किया।

• श्री जयंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, वस्त्र डिजाइन विभाग ने 14-16 दिसंबर 2018 के दौरान सीईटी, त्रिवेंद्रम में आयोजित मानविकी कार्य और कार्य पर्यावरण (एचडबल्यूडबल्यूई) 2018 पर 16 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च शिक्षा संस्थान के जिम के लिए एक स्व-मापन फिटनेस उपकरण के डिजाइन' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

• सुश्री नीलिमा रेजिना टोपनो, एसोसिएट प्रोफेसर ने 5-9 दिसंबर, 2018 के डौतन हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में स्मार्ट टेक्सटाइल सम्मेलन में भाग लिया।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुतियाँ

पुस्तक और पुस्तक अध्याय प्रकाशन

• सुश्री जयति मुखर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, एफ एंड एलए विभाग ने 'शहरी सार्वजनिक स्थान के भौगोलिक सौंदर्यशास्त्र में परिवर्तन: पारंपरिक शिल्प और सामग्री के अनुप्रयोग' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है, जो एल्सेवियर इंक के लिए इम्तियाज चौधरी द्वारा संपादित अक्षय और सतत सामग्रियों के विश्वकोश के एक भाग के रूप में है।

• डॉ. पिंटू पंडित (सहायक प्रोफेसर टीडी), कुणाल सिंघा (सहायक प्रोफेसर टीडी) और संजय श्रीवास्तव (निदेशक, निफ्ट, पटना) "रिसाइकलिंग फ्रोम वेस्ट इन फैशन एंड टेक्सटाइल्स: ए सस्टेनेबल एंड सर्कुलर इकोनोमिक अप्रोच" पर स्वीकृत पुस्तक के लिए संपादकीय कार्य किया। इसे स्प्रिंजर पब्लिशिंग एलएलसी, जॉन विले एंड संस, यूएसए द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

• डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने 'सर्कुलर इकॉनोमी इन टेक्सटाइल्स एंड अपैरल' नामक पुस्तक के लिए 'अप-साइकल्ड एंड लो-कॉस्ट सस्टेनेबल बिजनेस' पर एक पुस्तक अध्याय लिखा है। वुडहेड प्रकाशन में प्रकाशित, एल्सेवियर, 2018

• डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर, टेक्सटाइल डिजाइन विभाग ने वुडहेड प्रकाशन, एल्सिएरियर, 2018 में प्रकाशित 'वाटर इन टेक्सटाइल एंड फैशन' शीर्षक वाली पुस्तक में 'कपड़ा प्रसंस्करण और इसके संरक्षण के लिए सतत रणनीतियाँ' नामक एक पुस्तक अध्याय लिखा है।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशाला

• एफ एंड एलए विभाग में उद्योग विशेषज्ञों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान निम्नानुसार हैं:

- श्री अभिषेक प्रकाश पॉल, निफ्ट कोलकाता के पूर्व छात्र ने फैशन पूर्वानुमान और ओद्योगिक ट्रेंड्स पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. चिरंजीत सरकार, मैकेनिकल इंजीनियर और सहायक प्रोफेसर, आईआईटी पटना ने 'एप्लाइड एर्गोनॉमिक्स में मानव इंटरफेस' पर व्याख्यान दिया।
- पेपर मॉडलिंग के विशेषज्ञ श्री संजय कुमार सिंह ने सेमेस्टर-III के छात्रों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री नीलांजन दास, एनआईडी के पूर्व छात्र और डिजिटल कलाकार ने स्केचिंग, रेंडरिंग और डिजाइन प्रक्रिया के चयनित विषयों पर व्याख्यान दिया।
- सुश्री नगमा खान, पूर छात्र नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी, यूके ने आईडीएम विषय होम एक्सेसरीज स्केचिंग एसेंशियल में डिजिटल प्रतिपादन विषय पर व्याख्यान दिया।
- श्री अनिमेष दीक्षित, विशेषज्ञ डिजाइनर और निफ्ट के पूर्व छात्र, फैशन ट्रेंड्स और पूर्वानुमान पर छात्रों को व्याख्यान दिया
- श्री अमिताभ पांडे, एनआईडी एलुमनी ने फ्लोटिंग मेजर विषय फोटोग्राफी एंड स्टोरी टेलिंग के अंतर्गत स्टोरी टेलिंग पर छात्रों को व्याख्यान दिया।

• फैशन संचार विभाग में उद्योग विशेषज्ञों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान निम्नानुसार हैं:

- निफ्ट के पूर्व छात्र श्री विशाल कुमार (2002 निफ्ट कोलकाता) एस्क्वायर निट कम्पोजिट लिमिटेड, ढाका, बांग्लादेश के हेड-डिजाइन एंड डेवलपमेंट द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान।

- "बेस्ट फ्रोम वेस्ट: वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा हथकरघा वस्त्रों का उपयोग करके प्राकृतिक रंगाई और छपाई पर एक सतत दृष्टिकोण' सेमिनार टेक्सटाइल डिजाइन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता डॉ. एस.आर. मौलिक, शिल्प सदन विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल थी। इस कार्यशाला में 30 से अधिक कारीगरों को प्राकृतिक रंगाई आधारित नवीनतम प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षित किया गया।

उद्योग संपर्क, दौरे और छात्र इंटर्नशिप

• एफ एंड एलए- बैच- 2016-2020, सेमेस्टर VI, हीरो साइकिल, पटना, एफडीडीआई, पटना।

• एफ एंड एलए- बैच- 2017-2021, सेमेस्टर III, सी.आई.पी.ई.टी, हाजीपुर, सेमेस्टर IV, एवन साइकिल, हाजीपुर।

• एफ एंड एलए - बैच - 2015-2019, सेमेस्टर VI, बाटा शू, पटना

• एफसी- VI: इंटर्नशिप (जून-जुलाई 2018): कॉनडे नास्ट ट्रैवलर इंडिया, स्पलैश फैशन, उत्सव अनुग्रह, जे वाल्टर थॉम्पसन, दी मिनिमलिस्ट, फ्रॉग लीडर्स, एडिडास, टॉमी हिलफिगर,

फ्यूचर ग्रुप, डेंटस इसोबर, सेवन लेयर्स, हाउस मसाबा, कैंप फायर, हाइब्रिड.को, पेपे जीन्स, यूसीबी, ई-मैगजीन, टेलर टेल पोडियम, टीसीजी मीडिया, जीबी सोशल मीडिया, रेड बैटन, मुन्ना एस फोटोग्राफी, टीसीजी मीडिया, अरविंद, इंपल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, स्टाइलक्रैकर, माइनल, गिन्नी एवं जॉनी, कुइल्ट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड।

• फैशन डिजाइन विभाग – टेक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु; झारक्राफ्ट, रांची, झारखंड; भारतीय हरित खादी ग्रामोदय संस्थान (ग्रीनवियर), लखनऊ; दी रेनबो ट्राइब-तुलसत्त्व, नई दिल्ली; गौरव इंटरनेशनल, गुड़गांव, हरियाणा; मीनू क्रिएशन्स, नोएडा; मैक्स रिटेल, बेंगलुरु; लेविस स्ट्रॉस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरू, इमारा (यूएसपीएल), बेंगलुरु; मदन ट्रेडिंग कंपनी, फरीदाबाद, हरियाणा; अजियो, बेंगलुरु; लॉजिकफ, गुड़गांव; न्यू टाइम्स ग्रुप, गुड़गांव; मंधाना इंडस्ट्रीज, मुंबई; एमईई फैशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली; इनमार्क रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु; जे जे एक्सपो इम्पो, नई दिल्ली।

• फाउंडेशन प्रोग्राम के छात्रों ने कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट्स, पटना, सरस मेला और क्राफ्ट बाजार, उपेंद्र महारथी शिल्प संस्कृति और इको पार्क का दौरा किया।

• वस्त्र डिजाइन छात्रों के विभाग ने भारतीय हरित खादी ग्रामोदय संस्थान, खानवा, बिहार का अपने फाइबर से फैब्रिक विषय के लिए दौरा किया है। छात्रों को इस यात्रा में कताई, बुनाई और रंगाई/ छपाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराया गया।

• बीएफटेक विभाग के बैच 2017-21 के छात्रों ने रीजेंट गारमेंट पार्क, कोलकाता का दौरा किया।

• एमएफएम विभाग के छात्रों ने इंटर्नशिप पूरी कर ली है और रिटेल, ब्रांड हाउस, एक्सपोर्ट हाउस, बाइंग हाउस, पब्लिक रिलेशन फर्म, विज्ञापन एजेंसी, ई-कॉमर्स, आदि जैसे क्षेत्रों में कई कंपनियों में स्नातक अनुसंधान परियोजना कर रहे हैं।

• एमएफएम-I के छात्रों ने कोलकाता में रीजेंट गारमेंट एंड अपैरल पार्क में स्थित एक्सोडस एक्सपोर्ट हाउस और जेपीएम टेक्सटाइल्स का दौरा किया। छात्रों ने कोलकाता में सिटी सेंटर-2 मॉल का भी दौरा किया।

स्थिरता के पहलु और हरित परिसर

• एलईडी लाइटिंग लगाई गई है।

• सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं।

• वाईफाई सिस्टम के लिए सौर पैनल स्थापित किए गए हैं।

• प्लास्टिक की खनिज पानी की बोतलों का न्यूनतम उपयोग।

• वायु शोधन संयंत्रों को मासिक आधार पर किराए पर रखा जा रहा है।

• वृक्षारोपण अभियान वर्ष में दो बार किया जाता है।

• परिसर में पुन: प्रयोज्य कटलरी और बर्तनों का उपयोग किया जाता है।

• कागज और कपडों के पुनर्चक्रण पर ध्यान दिया जा रहा है।

• हड्डी एवं जोड़ जागरूकता शिविर: डॉ. अमुल्या कुमार सिंह, एक प्रशंसित और प्रतिष्ठित ऑर्थोपेडिक सर्जन ने 4 अगस्त, 2018 को निफ्ट पटना में हड्डी और जोड़ जागरूकता शिविर का उद्घाटन किया।

• उत्पादकता सप्ताह: 15 फरवरी 2109 को बिहार राज्य उत्पादकता परिषद के साथ बड़े उत्साह और जोश के साथ निफ्ट पटना में उत्पादकता सप्ताह मनाया गया। उत्पादकता सप्ताह का विषय ष्फ्रोम वेस्ट टू प्रोफिट थ्रु रिड्यूस, रियूज एंड रीसाइक्ल" था।

• स्वच्छ भारत पखवाड़ा: 6 मार्च, 2019 को निफ्ट पटना में स्वच्छता पखवाड़ा -2019 का उद्घाटन किया गया, इस दौरान परिसर के आसपास प्रमुख स्थानों पर स्वच्छ भारत लोगो के बैनर लगाए गए और कर्मचारियों, शिक्षक और छात्रों द्वारा स्वच्छता पर समूहिक प्रतिज्ञा ली गई तथा कैंटीन और आवासीय क्वार्टर और हॉस्टल के आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई।

• स्वास्थ्य जागरूकता शिविर: निफ्ट पटना ने दात्री ब्लड स्टेम सेल दाताओं के पंजीकरण की सहायता से स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

• रक्त दान शिविर: 11 अगस्त 2018 को निफ्ट पटना में रक्त दान शिविर आयोजित किया गया, जहां कर्मचारियों और छात्रों ने रक्त दान किया।

• पीएमसी की मदद से कचरे का प्रबंधन।

रायबरेली

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

• रायबरेली कैंपस के एलडी विभाग की छात्रा सुश्री रुशाली यादव 5 मई, 2018 को कोरिया के सियोल में आयोजित "फेस ऑफ एशिया 2018" प्रतियोगिता में शीर्ष 10 स्थान पर रहीं और 'फेस ऑफ सोलको' में जीत हासिल की। अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति विनिमय कोरिया फाउंडेशन के लिए कोरिया मॉडल एसोसिएशन की देखरेख में और आधिकारिक तौर पर संस्कृति खेल और पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

• श्री जेफ डेविस, सेमेस्टर -VI के छात्र ने 28 मई से 15 जून, 2018 तक स्विस टेक्सटाइल कॉलेज, स्विट्जरलैंड में तीन सप्ताह के एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।

• सुश्री रुशाली यादव, एलडी सेमेस्टर VII की छात्रा ने सितंबर 2018 माह में इंडिया नेक्स्ट टॉप मॉडल (आईएनटीएम) 2018 में भाग लिया। आईएनटीएम उन सभी मॉडलों के लिए एक बड़ा अवसर है जो फैशन की दुनिया में करियर शुरू करना चाहती हैं और ग्लैमर उद्योग में रुचि रखती हैं। सुश्री रुशाली यादव ने टॉप -23 प्रतियोगियों में से टॉप -3 में अपनी जगह बनाई थी और ग्रैंड फिनाले तक पहुंची थी।

• डॉ. भारत साह, कैंपस निदेशक, रायबरेली कैंपस को निफ्ट मुख्यालय के दिनांक 1 जून, 2018 के पत्र द्वारा गुवाहाटी, असम में एक नया निफ्ट कैंपस स्थापित करने के प्रस्ताव के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उन्हें अब गुवाहाटी, असम में नए निफ्ट कैंपस की स्थापना के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

• रायबरेली परिसर का दीक्षांत समारोह - 2018 का आयोजन 7 सितंबर, 2018 को राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी, जायस, अमेठी (यूपी) में किया गया था। श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शामिल हुई। श्रीमती शारदा मुरलीधरन, आईएएस, डीजी निफ्ट, श्रीमती शर्मिला दुआ, डीन (अकादमिक) - निफ्ट और प्रोफेसर डॉ. पी. के. भट्टाचार्य, निदेशक, आरजीआईपीटी, जियास दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

• राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे) 31 अक्टूबर, 2018 को निफ्ट रायबरेली परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। निफ्ट रायबरेली परिसर में निदेशक के नेतृत्व में 'रन फॉर यूनिटी' आयोजित की गई।

• निफ्ट एचआर एप्स को नवंबर, 2018 में निफ्ट रायबरेली में लागू किया गया है।

• निफ्ट दिशानिर्देशों के अनुपालन में और 30 नवंबर, 2018 को रायबरेली कैंपस में ग्रुप 'सी' के प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों जिन्होंने 31 मार्च, 2018 तक 05 वर्ष या उससे अधिक का दीर्घकालिक अनुबंध पूरा किया था, के नियमितीकरण के मामलों पर विचार करने के लिए 30 नवंबर, 2018 को आयोजित चयन समिति की बैठक की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, 16 पात्र समूह 'सी' के कर्मचारियों की सेवाओं को 30 नवंबर, 2018 रायबरेली कैंपस में नियमित किया गया है।

• राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह 12-18 फरवरी, 2019 को रायबरेली कैंपस में "सर्कुलर इकोनॉमी फॉर प्रोडक्टिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी"

थीम के साथ मनाया गया, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम / प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे स्थापना चुनौती (कैंपस में स्क्रैप सामग्री के साथ और कोई भी पुनःउपयोग्य सामग्री), नुक्कड नाटक (विषय: जब प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो जाते हैं!), उत्पादकता नवाचार चुनौती और फैशन शो (विषय: रितु वसंत) सप्ताह के दौरान आयोजित किए गए थे।

• निफ्ट रायबरेली में 28 फरवरी और 1 मार्च, 2019 से निफ्ट रायबरेली परिसर में यूपी राज्य के विभिन्न कारीगरों के लिए 'क्राफ्ट बाजार' का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 30 कारीगरों ने हथकरघा और हस्तशिल्प अर्थात ब्रोकेड- बजरडीहा, वाराणसी, कपास और रेशम - कोटवा एवं रामनगर, वाराणसी, वुड क्राफ्ट- वाराणसी, दरी-सीतापुर, लाख खिलौने-वाराणसी, बोन नक्काशी- बाराबंकी और लखनऊ, मीनाकारी - जयपुर (राजस्थान), मूज घास (घास, पत्ती, रेड और फाइबर) - इलाहाबाद, ताराकोटा- लखनऊ, चिकनकारी - लखनऊ, गुलाबी मीनाकारी-वाराणसी, शजार स्टोन क्राफ्ट- बांदा, बास्केटरी वर्क्स - लखनऊ, वुड कार्विंग - नगीना (बिजनौर) और ज्वैलरी का काम - नगीना (बिजनौर)। क्राफ्ट बाजार के दौरान आमंत्रित किए गए कारीगरों के साथ सभी विभागों के छात्रों ने बातचीत की।

• अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2019 को रायबरेली कैंपस में 'भारतीय नारी और बढ़ते कदम' विषय पर भाषणों का आयोजन करके और पुरुष पितृसत्ता और नारीवाद पर वीडियो दिखाकर मनाया गया।

• रायबरेली परिसर में शिक्षक सदस्यों के लिए लैपटॉप नीति सफलतापूर्वक लागू की गई है।

• रायबरेली कैंपस में उद्योग नीति सफलतापूर्वक लागू की गई।

• निफ्ट रायबरेली पर बिना किसी वित्तीय भार के आईटीआई लिमिटेड के माध्यम से एप्रोच रोड बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

• व्यय निगरानी बैठक के दौरान, डीजी-निफ्ट ने अवगत कराया कि रायबरेली परिसर की खरीद प्रक्रिया सही दिशा में है।

• निफ्ट के नए पाठ्यक्रम के अनुसार सामान्य वैकल्पिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक पेश किए गए हैं। निफ्ट रायबरेली में नियुक्त अतिथि संकाय सदस्यों को छात्रों द्वारा उनके फीडबैक के माध्यम से 75% से अधिक रेटिंग दी गई है।

• निफ्ट रायबरेली ने खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार की एक परियोजना शुरू की है जिसमें माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय कैबिनेट मंत्री एमएसएमई श्री गिरिराज सिंह और माननीय मंत्री-खादी और ग्रामोद्योग (उत्तर प्रदेश सरकार) श्री सत्यदेव पचौरी की गरिमामयी उपस्थिति में 6 दिसंबर, 2018 को एक फैशन शो आयोजित किया गया था। इस फैशन शो में, प्रोफेशनल मॉडल्स ने रायबरेली कैंपस में प्रशिक्षण के दौरान खादी कामगार द्वारा विकसित संग्रह को प्रदर्शित किया।

• हमने खादी परियोजना के तीसरे वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसके तहत निफ्ट रायबरेली केवीआईबी द्वारा प्रायोजित खादी कामगारों को प्रशिक्षण दे रहा है।

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट में, दुनिया के जीवंत और सजीव परिसरों जैसी सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं प्रदान की गई हैं। रचनात्मक वास्तुकला और विशालता सभी निफ्ट इमारतों को परिभाषित करती है, जिनमें पूरी तरह से सुसज्जित व्याख्यान कक्ष, डिजाइन स्टूडियो और प्रयोगशालाएं, संसाधन केंद्र, गतिविधि केंद्र और छात्रावास स्थित हैं। शिक्षा संरचना व्यावहारिक सेट-अप और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से व्यावहारिक व क्रियाशील अनुभव पर जोर देती है। रायबरेली कैंपस व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दोनों प्रदान करने के लिए व्यापक और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और उपकरण प्रदान करता है। जुलाई, 2017 से, नए अकादमिक भवन का अधिग्रहण कर लिया गया। शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और संसाधन केंद्र जुलाई, 2017 से शुरू हो गए हैं।

छात्रों के लिए रायबरेली कैंपस में दी जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं उन्हें रचनात्मक विचारों को उत्पन्न करने और प्रयोग करने की आजादी प्रदान करती है।

• लेक्चर हॉल

पूर्ण रूप से सुसज्जित वातानुकूलित व्याख्यान हॉल अत्यधिक इंटरैक्टिव सत्रों के लिए डिजाइन की गई उन्नत शिक्षण पद्धति का उपयोग करते हैं।

• कंप्यूटर प्रयोगशाला

फैशन पेशेवरों की सफलता, एक सार्थक तरीके से फैशन और सूचना प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की उनकी क्षमता पर निर्भर करती है। आईटी सभी निफ्ट केंद्रों में एक महत्वपूर्ण विशेषता है और रायबरेली कैंपस में वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ उपलब्ध हैं।

• संसाधन केन्द्र

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, दिल्ली और प्रत्येक निफ्ट केंद्र में संसाधन केंद्र, सूचना और ज्ञान प्रबंधन के खंभे हैं। प्रत्येक संसाधन केंद्र में प्रिंट, दृश्य और रचनात्मक सामग्री संसाधनों का एक एकीकृत संग्रह है: यह अंतरराष्ट्रीय और समकालीन भारतीय फैशन के अध्ययन के लिए भारत में उपलब्ध जानकारी का एकमात्र व्यवस्थित रूप से प्रलेखित स्रोत है। संसाधन केंद्र डिजाइन समुदाय, उद्योग व्यवसायियों और उद्यमियों को सूचना सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

संसाधन केंद्र के संग्रह में निम्नलिखित शामिल हैं:

• किताबें, बाउंड, स्नातक परियोजनाएं, शिल्प दस्तावेज
• आवधिक पत्रिकाएं
• राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फैशन और वस्त्र पत्रिकाएं
• ऑडियो-विजुअल सामग्री
• रितु कुमार के भारतीय संग्रह, निफ्ट छात्रों द्वारा मेट्रो ड्रेस डिजाइन और निफ्ट छात्रों के संग्रह
• टेक्सटाइल संग्रह

पेश की गई सेवाएं:

• संदर्भ सेवा; ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक); ग्रंथसूची सेवा; अनुक्रमण सेवा; परिसंचरण सेवा; रिप्रोग्राफिक

सेवा; रंग सेवा; ई-बुक सेवा; ई-पत्रिका सेवाएं; छात्र परियोजनाएं (जीपी, शिल्प); ई-जर्नल और ऑनलाइन डेटाबेस; वर्तमान जागरूकता सेवाएं।

एंपीथियटर

रायबरेली परिसर में एंपीथियटर छात्र प्रस्तुतियों और डिजाइन संग्रह प्रदर्शन के लिए आदर्श है।

कैफेटेरिया

विभिन्न प्रकार के भोजन और कैफेटेरिया का दोस्ताना माहौल छात्रों को आराम करने और अपने साथियों के साथ बातचीत करने के लिए आदर्श स्थान है।

स्टेशनरी की दुकान

अच्छी तरह से स्थापित स्टेशनरी की दुकान छात्रों की दिन-प्रतिदिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए परिसर में उपलब्ध है।

छात्रावास

रायबरेली परिसर लड़कियों और लड़कों के लिए पूरी तरह से आवास प्रदान करता है। हॉस्टल परिसर को वाई-फाई और ब्रॉडबैंड इंटरनेट सुविधा के साथ हमेशा पेशेवर सुरक्षा प्रदान की जाता है। छात्रावास के कमरे, सभी आवश्यक वस्तुओं जैसे गद्दे, एयर कूलर और गीजर के साथ सुसज्जित हैं। हॉस्टल में टीवी, पत्रिकाएं, कुछ इनडोर और आउटडोर गेम जैसी मनोरंजक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य देखभाल

छात्रों को चिकित्सा सहायता सेवाएं नियमित रूप से कैंपस में आने वाले डॉक्टर के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। नियमित अंतराल पर छात्रों को सलाह देने के लिए परिसर में एक मनोवैज्ञानिक भी उपलब्ध है।

मनोरंजन क्षेत्र

छात्र गतिविधि क्लब, अर्थात्, सांस्कृतिक और नाटकीय क्लब, खेल, साहसिक और फोटोग्राफी क्लब, साहित्यिक क्लब और पर्यावरण और सामाजिक सेवा क्लब नियमित आधार पर मनोरंजन, खेल और लेसर गतिविधियों का विस्तृत रूप में आयोजन करते हैं। रायबरेली कैंपस में आयोजनों की मेजबानी करने के लिए पर्याप्त जगह है, जिससे छात्रों को अपनी व्यक्तिगत रुचियों को आरंभ करने और सामाजिक समस्याओं के प्रति काम करने का अवसर मिलता है।

जिम की सुविधा

निफ्ट रायबरेली परिसर में प्रमुख रूप से आवश्यक उपकरणों के साथ यूनिसेक्स जिम की सुविधा उपलब्ध है जिसमें बेहतर हृदय स्वास्थ्य और वजन घटाने के लिए एरोबिक और शक्ति प्रशिक्षण व्यायाम उपकरण दोनों शामिल हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और छात्रों के साथ-साथ निफ्ट रायबरेली परिसर के कर्मचारियों की मांसपेशियों की ताकत, संतुलन और लचीलेपन में सुधार करने में भी मदद करता है।

खेलों की सुविधा

बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट और वॉली बॉल कोर्ट निफ्ट रायबरेली परिसर में छात्रों के साथ-साथ निफ्ट रायबरेली परिसर के कर्मचारियों की शारीरिक फिटनेस और खेल प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

वाराणसी में निफ्ट रायबरेली के विस्तारित केंद्र द्वारा टेक्सटाइल्स के लिए सीएडी और होम एंड इंटिरियर्स के लिए टेक्सटाइल नामक दो सतत शिक्षा (सीई) कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

परियोजनाएं

आर्थिक स्थिरता में कारीगरों की सहायता के लिए रायबरेली कैंपस ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों में डिजाइन विकास, तकनीकी उन्नयन और कौशल विकास की दिशा में प्रमुख पहल कर रहा है। वर्तमान में निफ्ट रायबरेली द्वारा शुरू की जाने वाली कुछ प्रमुख परामर्श परियोजनाएं निम्नलिखित हैं-

- निफ्ट रायबरेली ने लखनऊ मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, लखनऊ के लिए ग्राहक संबंध सहयोगियों, रख-रखाव, मेट्रो ट्रेन ऑपरेटर, टिकटिंग स्टाफ के लिए वर्दी की डिजाइनिंग और नमूना विकास के लिए अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। फरवरी 2018 में परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- निफ्ट रायबरेली ने चालू वर्ष के दौरान खादी कामगारों / श्रमिकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया। 15 दिनों के तीन प्रशिक्षणों को खादी कामगारों के लिए डिजाइन कॉन्सेप्ट, पैटर्न डेवलपमेंट, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, सरफेस अलंकरण और स्टाइलिंग पर कार्यशाला के रूप में आयोजित किया गया है। इन प्रशिक्षणों से कुल 80 खादी कारीगर लाभान्वित हुए।
- निफ्ट रायबरेली ने खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार की एक परियोजना शुरू की है जिसमें माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय कैबिनेट मंत्री एमएसएमई श्री गिरिराज सिंह और माननीय मंत्री-खादी और ग्रामोद्योग (उत्तर प्रदेश सरकार) श्री सत्यदेव पचौरी की गरिमामयी उपस्थिति में 6 दिसंबर, 2018 को एक फैशन शो आयोजित किया गया था। इस फैशन शो में, प्रोफेशनल मॉडल्स ने रायबरेली कैंपस में प्रशिक्षण के दौरान खादी कामगार द्वारा विकसित संग्रह को प्रदर्शित किया।
- निफ्ट रायबरेली 'मास्टर शिल्पकारों और कारीगरों की क्षमता निर्माण और मास्टर शिल्पकारों के माध्यम से पारंपरिक कला और शिल्प के क्षेत्र में उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाने और अल्पसंख्यकों को बढ़ते बाजार में अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए, युवा पीढ़ी के प्रशिक्षण के प्रमुख उद्देश्य के साथ 'पारंपरिक कला/ शिल्प के लिए शिल्प कौशल और प्रशिक्षण में उन्नयन' (यूएसटीएडी) नामक एक परियोजना का भी कार्यान्वयन कर रहा है। यह परियोजना लखनऊ के कामदानी क्राफ्ट क्लस्टर और लखनऊ और बाराबंकी की हड्डी नक्काशी शिल्प क्लस्टर के विकास पर केंद्रित है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

कंवर्ज वह कार्यक्रम है जिसमें देश भर के सभी 16 निफ्ट परिसरों के छात्र छात्राओं ने विभिन्न खेल, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कंवर्ज - 2018 का आयोजन निफ्ट रायबरेली परिसर द्वारा 27 दिसंबर से 29 दिसंबर, 2018 तक किया गया था। निफ्ट रायबरेली परिसर के छात्रों को निम्नलिखित कार्यक्रमों में सफलता मिली:

• निफ्ट रायबरेली की थ्रो बॉल टीम में टीम की सदस्य सुश्री ट्विशा गुप्ता, सुश्री अंकिता सिंह, सुश्री आकांशा त्रिवेदी, सुश्री अनुजा भट, सुश्री दीपाली गिरि, सुश्री अपूर्व जोशी और सुश्री आयुषी सिन्हा ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान स्वर्ण पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की खो-खो टीम जिसमें टीम की सदस्य सुश्री अदिति, सुश्री एयरिन फूकन, सुश्री दीपाली गिरि, सुश्री ऋतु सरकार, सुश्री सानिका, सुश्री रिंकी ठाकुर, सुश्री ऋषिका राज, सुश्री श्वेता पटेल और सुश्री स्वाति तिवारी ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान स्वर्ण पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की सुश्री अनुप्रिया यादव ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान बैडमिंटन - महिला (एकल) में स्वर्ण पदक जीता।

• टीम कबड्डी - निफ्ट रायबरेली की लड़कियों में टीम की सदस्य सुश्री अदिति, सुश्री अंकिता सिंह, सुश्री रितु सरकार, सुश्री पूजा बोहरा और सुश्री ऋषिका राज शामिल हैं, जिन्होंने कन्वर्ज- 2018 के दौरान कांस्य पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की टीम बैडमिंटन (युगल - महिला) जिसमें सुश्री हर्षिता राय और सुश्री अनुप्रिया यादव शामिल थीं, ने कन्वर्ज- 2018 के दौरान कांस्य पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की टीम टेबल टेनिस (युगल - पुरुष) जिसमें श्री अश्विन कुमार गहलोतिया और श्री अक्षत मिश्रा शामिल हैं, ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान रजत पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की सुश्री इशिका ने शॉट पुट - 2018 के दौरान महिला वर्ग का रजत पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की सुश्री अदिति चतुर्वेदी ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान 200 मीटर दौड़ (महिला) में कांस्य पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की सुश्री अदिति चतुर्वेदी ने कन्वर्ज - 2018 के दौरान 400 मीटर दौड़ (लड़कियों) में रजत पदक जीता।

• क्विज टीम रायबरेली में टीम के सदस्य सुश्री सुरभि भोरा और सुश्री फिजा अख्तर ने कन्वर्ज-2018 के दौरान क्विज में स्वर्ण पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली की सुश्री पूर्णिमा यादव ने कन्वर्ज-2018 के दौरान साहित्यिक कार्यक्रम 'पाती' में स्वर्ण पदक जीता।

• निफ्ट रायबरेली के श्री गौरव अविनाश ने कन्वर्ज-2018 के दौरान 'फोटोग्राफी मोबाइल' इवेंट में गोल्ड मेडल जीता।

• निफ्ट रायबरेली के श्री अक्षत मिश्रा ने कन्वर्ज-2018 के दौरान 'मेमे मेकिंग' में रजत पदक जीता।

• टीम रायबरेली में टीम की सदस्य सुश्री पूर्णिमा यादव और पलक जैन ने कन्वर्ज-2018 के दौरान 'पहचान कौन' प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

• लेदर डिजाइन विभाग और ऐक्सेसरी डिजाइन विभाग का स्नातक शो, 'लीक्सोटिका' 28 मई, 2018 को गोल्डन ब्लॉसम इम्पीरियल रिजॉर्ट, लखनऊ में स्नातक होने जा रहे छात्रों (बैच 2014-18) के लिए आयोजित किया गया था। श्री नवनीत सहगल, आईएएस, प्रधान सचिव, खादी और ग्रामोद्योग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

• स्नातक अनुसंधान परियोजना शो - 2018 का आयोजन 28 मई, 2018 को मैसर्स गोल्डन ब्लॉसम इंपीरियल रिसॉर्ट्स, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश) में द्वितीय स्नातक बैच (2016-18) के लिए किया गया था। श्री ए. के. सिंह, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में और श्री राजीव मेहरोत्रा, प्रिंसिपल, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन प्रौद्योगिकी, अलीगंज, लखनऊ इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

• इस वर्ष, फैशन डिजाइन विभाग ने 18 मई 2019 को निफ्ट रायबरेली कैंपस में स्नातक परियोजना एवं डिजाइन संग्रह शो का आयोजन किया। स्नातक शो में, छात्रों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया और साथ ही साथ उन्होंने अपना संग्रह भी प्रस्तुत किया। फैशन डिजाइन में, सुश्री श्रुतिका वार्ष्णेय को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना' के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, सुश्री ईशा गुप्ता को 'समकालीन स्टाइलिंग में तकनीकी कौशल का सर्वोत्तम उपयोग' के लिए और सुश्री श्रुतिका वार्ष्णेय को 'सबसे रचनात्मक और अभिनव परियोजना' के लिए सम्मानित किया गया।

• फैशन और जीवनशैली एक्सेसरी एंड लेदर डिजाइन विभाग ने 27 मई, 2019 को केएलसी कॉम्प्लेक्स, उन्नाव, कानपुर में स्नातक शो का आयोजन किया था, जिसमें एफ एवं एलए और एलडी के स्नातक हो रहे छात्रों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

फैशन और जीवनशैली एक्सेसरी डिजाइन में, सुश्री शीतल भटेजा को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना' के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, सुश्री त्रिशला जोशी को 'सबसे अधिक व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य डिजाइन हस्तक्षेप' के लिए और सुश्री आकांक्षा श्रीधर और सुश्री अक्षिका सिंह को "डिजाइन पद्धति का सर्वाधिक अनुकरणीय अनुप्रयोग" के लिए सम्मानित किया गया।

लेदर डिजाइन में, सुश्री अर्पित सिंह को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना- I' के लिए, सुश्री भावना यादव को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना- II' के लिए और सुश्री जागृति सिंह को परियोजना 'सामग्री के सबसे नवीन उपयोग' के लिए सम्मानित किया गया।

• फैशन संचार विभाग और फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 28 मई, 2019 को हयात रीजेंसी, लखनऊ में क्रमशः स्नातक परियोजना शो और सेमिनार का आयोजन किया था।

इस स्नातक शो में, एफसी के छात्रों ने अपने काम का प्रदर्शन किया और मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट के छात्रों ने अपनी स्नातक अनुसंधान परियोजना प्रस्तुत की।

फैशन संचार में, सुश्री सादिया आफरीन को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना- I' और 'सबसे नवीन संचार डिजाइन' के लिए ट्रॉफी प्रदान की गई। सुश्री स्वेता कुमारी को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना- II" के लिए सम्मानित किया गया।

मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट में, सुश्री मेघा राजपाल को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना (फैशन मर्चेंडाइजिंग)' के लिए ट्रॉफी, सुश्री साज्योति अशोक निगम, "सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना (फैशन मार्केटिंग)' से सम्मानित किया गया और सुश्री प्रियंका नायल को 'सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना (फैशन मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस)' के लिए सम्मानित किया गया।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

एफडी- सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए 4-6 अप्रैल, 2018 तक रायबरेली कैंपस में ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, टाई एवं डाई और बाटिक पर शिल्प जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। लखनऊ की सुश्री माधुरी मिश्रा, शिल्प प्रदर्शन विशेषज्ञ और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने उक्त कार्यशाला में भाग लिया।

- एफडी- सेमेस्टर-IV के छात्रों ने 20 अप्रैल, 2018 को 'फोटोग्राफी' विषय के लिए सीतापुर क्लस्टर का दौरा किया था।
- एफसी- IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए अप्रैल, 2018 माह में बाराबंकी में बोन नक्काशी क्लस्टर की यात्रा की और विषय अनुसंधान पद्धति और दवारा प्रिंटर्स के लिए लखनऊ, उत्तर प्रदेश की यात्रा आयोजित की गई।
- एफडी-VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 4 सितंबर, 2018 को सीतापुर और 17 सितंबर, 2018 को बजरडीहा, वाराणसी में 'शिल्प आधारित उत्पाद विकास' विषय से संबंधित यात्रा का आयोजन किया गया।
- एडी VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'डीपी VI- सीबीडीपी प्रोटोटाइप' विषय के संबंध में 24-30 सितंबर, 2018 तक बाराबंकी, लखनऊ और वाराणसी में संबंधित शिल्प क्लस्टर स्थानों की यात्रा की गई।
- फैशन मैनेजमेंट अध्ययन विभाग के लिए 16-18 नवंबर, 2018 तक रायबरेली कैंपस में क्राफ्ट क्लस्टर इनिशिएटिव पॉलिसी के तहत बारानी ब्रोकेड (हैंडीक्राफ्ट), वाराणसी, बरनासी ब्रोकेड, (हस्तशिल्प), वाराणसी बोन नक्काशी, लखनऊ / हस्तशिल्प, लखनऊ और सीतापुर दरी हैंडलूम (सीतापुर) के कुल 12 कारीगरों की भागीदारी के साथ एक श्जागरूकता कार्यशालाश का आयोजन किया।
- एफसी-VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 17-22 नवंबर, 2018 तक विषय बोलचाल के पेपर के लिए डेटा एकत्र करने के लिए पर्यावरण क्लस्टर की यात्रा का आयोजन किया।
- एडी IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए 2-6 अप्रैल, 2019 के दौरान श्री रामेश्वर सिंह (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता) और श्री नंदू राम द्वारा लाख खिलौने, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) पर शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- एलडी सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए 17 से 19 मार्च, 2019 तक 'विभिन्न तकनीकों अर्थात स्क्रैचिंग, राइविंग ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग एवं लेदर पेंटिंग ऑन लेदर' पर शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया। कानपुर (यूपी) से आए शिल्पकार श्री कलीम अंसारी, कारीगर को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया था।
- एलडी VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए 1-3 अप्रैल, 2019 से 'गोल्डन एम्बॉसिंग ऑन लेदर' पर शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया है। एक शिल्पकार श्री शौकत अली उस्ता, स्टेट

अवार्डी (ऊंट के चमड़े पर गोल्डन नक्काशी, उस्ता कला), गाँव - उस्ताद का मोहल्ला, बादी कर्बला, बीकानेर (राजस्थान) को कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया था।

• 'कारीगर जागरूकता कार्यशाला '21-23 अप्रैल, 2019 को आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न शिल्पों के 10 कारीगरों ने एडी सेमेस्टर VI के छात्रों और एडी विभाग के शिक्षक सदस्यों के साथ भाग लिया था। कार्यशाला के दौरान सुश्री रेखा सिन्हा, महासचिव, रेखाकृति (एनजीओ) और प्रोपराइटर - रेखा मार्केटिंग कंपनी, लखनऊ (यू.पी.) और सुश्री अपर्णा मिश्रा, मालिक, मेसर्स रेडिएन्स कॉर्पोरेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ (उ.प्र.) द्वारा क्रमश: 22-23 अप्रैल, 2019 को विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

• रायबरेली परिसर में 26-30 अप्रैल, 2019 तक राजस्थान के बीकानेर के 12 कारीगरों के लिए 'कशिदा और हाथ की कढ़ाई' पर कारीगर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), लखनऊ में फैकल्टी समन्वयक (नॉर्थ) डॉ. आशीष भटनागर द्वारा 12 बीकानेर कारीगरों के लिए एंटरप्रेन्योर कौशल' पर विशेष इनपुट सत्रों की व्यवस्था की गई। एलडी सेमेस्टर- VI के छात्रों ने भी कार्यशाला में भाग लिया है। कार्यशाला के दौरान, कारीगरों ने निफ्ट शिक्षक और छात्रों के साथ रुझानों पर ज्ञान साझा करने और बाजार की मांगों को समझने के लिए बातचीत की।

• एफडीआई सेमेस्टर VI के छात्रों की आंशिक सहायता के साथ शिक्षक और विशेषज्ञों द्वारा 25-27 फरवरी, 2019 से एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें 12 कारीगरों ने भाग लिया।

• एमएफएम-II सेमेस्टर के छात्रों ने 9-13 मार्च, 2019 से बोन कार्विंग के लिए 5 दिनों की क्लस्टर यात्रा- सुश्री आकांक्षा श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर के पर्यवेक्षण में बाराबंकी और लखनऊ की हस्तशिल्प (समूह-I), सुश्री अदिति सोनी, सहायक प्रोफेसर के पर्यवेक्षण में लाख के खिलौने (हैंडीक्राफ्ट), वाराणसी (समूह-II) और श्री राजेश कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में बनारसी बुन, ब्रोकेड (हथकरघा) (समूह-III) की है।

पीएचडी आरंभ और पूरी की

08 शिक्षक सदस्य पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुतियाँ

• श्री लाल सिंह, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट रायबरेली ने 5-6 अक्टूबर, 2018 से कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "साउथ एशिया कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीडिसिप्लनेरी रिसर्च 2018" (एसएएमआर'18) में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिक्षक उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

i. शिक्षक प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर ने 16-17 जुलाई, 2018 से फैशन बेसिक्स 'पर निफ्ट, मुंबई से वीसी के माध्यम से टीओटी में भाग लिया।

• श्री के.के. बाबू, सहायक प्रोफेसर ने नई दिल्ली निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 से डिजिटल डिजाइन पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर ने 18-20 जुलाई, 2018 से निफ्ट गांधीनगर में 'बेसिक्स ऑफ ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग एंड डिजाइन प्रोसेस' पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर ने 23 - 27 जुलाई, 2018 से नई दिल्ली के निफ्ट में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रो. डॉ. एलन मुर्रे और डॉ. शालिनी सूद द्वारा संचालित 'कोर डिजाइन पेडागॉजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स' पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यन, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर अक्टूबर, 2018 से आईआईटी-गुवाहाटी में 'एर्गोनॉमिक्स इन डिजाइन एजुकेशन' में घरेलू प्रशिक्षण में शामिल हुए।

• सुश्री स्तुति सोनकर, सहायक प्रोफेसर, एफ एंड एलए ने 25-29 मार्च, 2019 को निफ्ट, दिल्ली में प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, एडी ने 'हीट एंड मास ट्रांसफर' (आईएसबीएन नंबर 978-81-935728-1-8), औरा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) नामक पुस्तक की सामग्री का संपादन किया।

• श्री सचिन वर्मा और श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 9-12 फरवरी, 2018 को बेंगलुरु में डिजिटल कौशल पर घरेलू प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 21 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में एक दिवसीय एडोब प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री अखिलेंद्र प्रताप सोनकर, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 23-27 जुलाई, 2018 से नई दिल्ली के निफ्ट में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रो. डॉ. एलन मुर्रे द्वारा संचालित 'कोर डिजाइन पेडागॉजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स' विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण में भाग लिया।

• मो. सोहैब अंसारी और श्री अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर, एफसी ने 25 से 29 मार्च, 2019 तक निफ्ट, दिल्ली में प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर, एलडी ने निफ्ट चेन्नई कैंपस में 19-21 जुलाई, 2018 से "फुटवियर डिजाइन स्टूडियो-आई" के गहन विषय पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) में भाग लिया।

• श्री लाल सिंह, सहायक प्रोफेसर, एलडी ने 23-27 जुलाई, 2018 से निफ्ट दिल्ली परिसर में "कोर डिजाइन पेडागॉजी और फ्यूचर ट्रेंड" विषय पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) में भाग लिया।

• श्री शिवेंद्र प्रकाश कुलदीप, सहायक प्रोफेसर, एलडी ने 9-10 जुलाई, 2018 से निफ्ट बेंगलुरु कैंपस में नए पाठ्यक्रम के लिए 'सीएमएस में बनाई गई नई सुविधाएँ' विषय पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) में भाग लिया।

ii. शिक्षकों का उद्योग से जुडाव

• श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर ने 4-23 जून, 2018 के दौरान मैसर्स ईस्ट-वेस्ट टेनर, कानपुर में शिक्षक उद्योग अटैचमेंट पूरा किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों/ बैठकों में शिक्षक की भागीदारी

• सुश्री अंचित कुमार, सहायक प्रोफेसर, एलडी ने नई दिल्ली में 28-30 नवंबर, 2018 को नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट, कंजर्वेशन एंड म्यूजियोलॉजी (एनएमआई) में एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

• श्री लाल सिंह, सहायक प्रोफेसर, श्री शिवेन्द्र प्रकाश कुलदीप, सहायक प्रोफेसर और श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर द्वारा लेदर, शू के घटक और प्रौद्योगिकी मेला "मीट एट आगरा- 2018" का दौरा किया गया जो 26-28 अक्टूबर, 2018 के दौरान आगरा में आयोजित किया गया था।

• श्री मोहम्मद सोहैब अंसारी, सहायक प्रोफेसर ने एफसी-VII सेमेस्टर के छात्रों के साथ नई दिल्ली में 'एग्जीबिशन एवं डिजाइन डिस्प्ले' विषय के लिए 15 अक्टूबर, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल गारमेंट फेयर (आईआईजीएफ), व्यापार मेले का दौरा किया।

• श्री रिमांशु पटेल, सहायक प्रोफेसर ने एफडी-VI सेमेस्टर के छात्रों के साथ नई दिल्ली में सरफेस डिजाइन टेक्निक्स-IV एंड फोरकास्ट बेस्ड डिजाइन डेवलपमेंट' विषय के लिए 18 जनवरी, 2019 को इंडिया इंटरनेशनल गारमेंट फेयर (आईआईजीएफ), ट्रेड फेयर का दौरा किया।

• श्री मोहम्मद सोहैब अंसारी, सहायक प्रोफेसर ने 1 फरवरी, 2019 को एफसी सेमेस्टर - VI के छात्रों के साथ लखनऊ क्राफ्ट मेले में संतकदा का दौरा किया।

• श्री रिमांशु पटेल, सहायक प्रोफेसर, 2 फरवरी, 2019 को एफडी-IV सेमेस्टर के छात्रों के साथ महिंद्रा सनातक शिल्प महोत्सव, लखनऊ का दौरा किया।

• श्री संजय कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर ने उद्योग एक्सपोजर के लिए 2-5 फरवरी, 2019 से एफसी- IV सेमेस्टर के छात्रों के साथ इंडिया आर्ट फेयर एवं सूरजकुंड मेला, दिल्ली (एनसीआर) का दौरा किया।

• श्री एसए वेंकटसुब्रमण्यन, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री भरत सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर ने इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर 2019 (आईआईएलएफ), चेन्नई और चौथे डिजाइनर मेले का दौरा किया, जो कि 3 फरवरी, 2019 को चर्म निर्यात परिषद द्वारा 'बैग डिजाइन' परियोजना (गहन विशिष्टता) विषय पर आयोजित किया गया था।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• एडी V सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'कंज्यूमर इंटरफेस डिजाइन' पर विशेष इनपुट सत्र 4 सितंबर, 2018 को सुश्री पूजा सिंह, वरिष्ठ दृश्य मर्चेंडाइजर, मैसर्स पैंटालून रिटेल लिमिटेड, लखनऊ द्वारा संचालित किया गया।

• श्री गौरव आसोलिया, पूर्व छात्र, एफ एंड एलए (एडी) - निफ्ट रायबरेली (बैच 2009-13) और वरिष्ठ यूआई डिजाइनर, मैसर्स स्टूडियो ब्रह्मा, नोएडा (यूपी) के साथ एडी सेमेस्टर III, V एवं VII के छात्रों के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था।

• एडी VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 19 सितंबर, 2018 को एनजीओ रेखाकृति और प्रोपराइटर, रेखा मार्केटिंग कंपनी, लखनऊ की महासचिव सुश्री रेखा सिन्हा द्वारा निफ्ट, रायबरेली परिसर में 'डीपी VI- क्राफ्ट बेस्ड डिजाइन प्रोजेक्ट' विषय पर प्री-विजिट ओरिएंटेशन व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• निफ्ट रायबरेली परिसर में 29 सितंबर, 2018 को डॉ मनीष त्रिवेदी (ऑर्थोपेडिक सर्जन) द्वारा संचालित एडी-V सेमेस्टर के छात्रों के लिए विषय 'एप्लाइड एर्गोनॉमिक्स' पर विशेष इनपुट सत्र की व्यवस्था की गई थी।

• एडी-वी सेमेस्टर के छात्रों के लिए प्री-विजिट ओरिएंटेशन लेक्चर आयोजित किया गया था, जो 22 अक्टूबर, 2018 को 'शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन' विषय पर सुश्री अमृता पांडा द्वारा आयोजित किया गया था।

• सुश्री रुचि भूषण श्रीवास्तव सीनियर डिजाइनर - मेसर्स तनिष्क, नई दिल्ली द्वारा 'डिजाइनरों के लिए सामग्री' विषय पर, एडी III सेमेस्टर, फैशन एक्सेसरीज-आईडीएम (एफडी, एलडी और एफसी-III सेमेस्टर) और शतकनीकी अध्ययन-II' एडी-V सेमेस्टर, बैच के लिए निफ्ट, रायबरेली परिसर में विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया था।

• श्री अक्षत शुक्ला, निफ्ट, रायबरेली के पूर्वछात्र और सह-संस्थापक और निदेशक, मैसर्स क्रॉसग्रेन (इंटीरियर, फर्नीचर और डिजाइन), कानपुर द्वारा एडी-IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए 31 मार्च 2019 को लिविंग स्पेस डेकोर प्रोजेक्ट (गहन विशेषज्ञता) पर एक कार्यशाला आयोजित की गई है।

• श्री अतुल कुमार मौर्य, शिक्षक और पूर्व सहायक डिजाइनर और मर्चेंडाइजर, मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा एडी-IV सेमेस्टर छात्रों के लिए 'फैशन ट्रेंड्स और फोरकास्टिंग' पर 12 अप्रैल, 2019 को एक उद्योग विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी।

• श्री राज किरण द्विवेदी, ग्राफिक डिजाइनर मैसर्स एस एरिना एनिमेशन, लखनऊ (यूपी) द्वारा 18.04.2019 को एफडी, एलडी एंड एफसी - IV सेमेस्टर, बैच 2017-21 के छात्रों के लिए 'फैशन एक्सेसरीज स्केचिंग एसेंशियल्स' और होम एक्सेसरीज स्केचिंग एसेंशियल्स (आईडीएम) पर विशेष इनपुट आयोजित किए गए हैं।

• श्री त्रिलोचन एस कालरा, मेंटर और श्री टी. धर्मेन्द्र, तकनीकी शिक्षक, मैसर्स निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली और लखनऊ द्वारा 29.04.2019 को एडी-IV सेमेस्टर बैच 2017-21 के छात्रों के लिए 'प्रोडक्ट फोटोग्राफी एंड स्टोरी टेलिंग (फ्लोटिंग)' पर विशेष इनपुट सत्र आयोजित किया गया।

• श्री सोहेब अंसारी द्वारा 22 सितंबर, 2018 को एफसी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए सुलेख कार्यशाला आयोजित की गई थी।

• एफसी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए रंगीन डिजिटल मीडिया (फ्लोटिंग) विषय के लिए विशेष इनपुट सत्र का आयोजन 28 सितंबर, 2018 को श्री रामेंद्रनाथ सरकार द्वारा किया गया था।

• एफसी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए विषय डिजाइन पद्धति के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान; उद्योग विशेषज्ञ सुश्री पूजा सिंह द्वारा संचालित किया गया था।

• 15 अक्टूबर, 2018 को निफ्ट की पूर्व छात्र सुश्री मधुर भरवानी द्वारा संचालित क्रिएटिव राइटिंग (गहन विशेज्ञता) और फैशन जर्नलिज्म के लिए एफसी-III और IV सेमेस्टर के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

• श्री हेमंत कुमार, निफ्ट एलुमनी द्वारा एफसी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए 01- 2 नवंबर, 2018 से लेटरफॉर्म और बेसिक ऑफ ग्राफिक डेसिंग (आईडीएम) के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

• 25 अक्टूबर, 2018 को श्री रितेश कनौजिया द्वारा स्पेस डिजाइन (आईडीएम) के परिचय के लिए एफसी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए उद्योग इनपुट सत्र आयोजित किया गया।

• पेपर इंजीनियरिंग कार्यशाला 25 से 28 अक्टूबर, 2018 तक श्री संजय कुमार सिंह द्वारा एफसी-V के छात्रों के लिए आयोजित की गई।

• सुश्री सलोनी महेन्द्रू, निफ्ट के पूर्व छात्र और उद्योग विशेषज्ञ द्वारा एफसी-V छात्रों के लिए फैशन स्टाइलिंग विषय के लिए उद्योग इनपुट सत्र आयोजित किया गया।

• श्री हितेंद्र नूनवाल, वरिष्ठ डिजाइनर, रितु कुमार, रितु प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फैशन स्टाइलिंग-II, एफसी-VI सेमेस्टर और ट्रेंड स्पॉटिंग एंड रिपोर्टिंग, (गहन) (एफसी- IV सेमेस्टर) विषय के लिए 1-2 अप्रैल 2019 से विशेषज्ञ इनपुट सत्र लिया गया था।

• श्री संजीव तिवारी, निफ्ट के पूर्व छात्र और चीफ विजुअल मर्चेंडाइजर - रिलायंस ट्रेंड्स (उप्र और उत्तराखण्ड) द्वारा 10 अप्रैल, 2019 को एफसी-IV सेमेस्टर के विषय 'स्टोर एक्सपीरियंस डिजाइन (ऑटो सीएडी)' के लिए विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया।

• श्री सौरभ अंकुर, क्रिएटिव हेड, माया अकादमी ऑफ एडवांस सिनेमैटिक्स - लखनऊ द्वारा 24 अप्रैल, 2019 को एफसी-VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया था।

• राजस्थान के बीकानेर में 5 दिनों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन प्रौद्योगिकी, रायबरेली, उत्तर प्रदेश से लेदर डिजाइन डिपार्टमेंट VII सेमेस्टर के 24 छात्रों के साथ, श्री भरत सिंह, सेंटर समन्वयक, लेदर डिजाइन विभाग और सुश्री अंकेत कुमार, सहायक प्रोफेसर द्वारा भाग लिया गया। इस कार्यशाला को उस्ता कला के प्राचीन शिल्पकार, मोहम्मद हनीफ उस्ता और उस्ता कला में राज्य अवार्डी श्री शौकत अली उस्ता द्वारा निर्देशित किया गया था। कार्यशाला 25 सितंबर, 2018 से शुरू हुई, इन दो स्थानीय विशेषज्ञ मास्टर कारीगरों के मार्गदर्शन में, निफ्ट रायबरेली के छात्रों ने क्षेत्र की यात्रा में समकालीन रूपांकनों और डिजाइनों के साथ उस्ता कला का उपयोग करते हुए अभिनव उत्पादों का उत्पादन किया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत स्वच्छता पखवाड़ा को बढ़ावा देने के लिए बीकानेर के स्थानीय लोगों को सफाई और स्वच्छता का महत्व भी बताया गया।

• निफ्ट चेन्नई के चमड़ा डिजाइन विभाग के डॉ. एम. अरावेंदन, प्रोफेसर और अध्यक्ष ने 12 अक्टूबर, 2018 को निफ्ट रायबरेली का दौरा किया। निदेशक डॉ. भरत साह, एलडी विभाग के सभी शिक्षक सदस्यों और छात्रों के साथ वार्ता की गई थी।

• "एडोब इन-डिजाइन / इलस्ट्रेटर" पर 30 अक्टूबर, 2018 को निफ्ट रायबरेली में कुल 23 छात्रों (सेमेस्टर-V) के लिए एक विशेष इनपुट सत्र की व्यवस्था की गई थी, जिसे डिजाइन शोध कर्ता श्री सूरज कुमार द्वारा संचालित किया गया था। यह सत्र दिलचस्प था और इसने एडोब सॉफ्टवेयर के बुनियादी कौशल को बढ़ाया।

• एलडी-VI सेमेस्टर के छात्रों की आईआईएलएफ चेन्नई यात्रा के दौरान 4 फरवरी, 2019 को सुश्री कैरोलीन रोचा, यूएसए के डिजाइनर द्वारा च्मडे़ की सतह पर डिजाइन और अलंकरण तकनीकोंष पर विशेष इनपुट में भाग लिया। उन्होंने 4 फरवरी, 2019 को मैसर्स गुड्स लेदर प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई का भी दौरा किया।

• श्री कलीम अहमद, एक्सपोर्ट मर्चेंडाइजर, सुपर हाउस प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर द्वारा 4 अप्रैल, 2019 को एलडी-IV सेमेस्टर छात्रों के लिए 'आईडीएम- लेदर उद्योग' पर विशेष इनपुट सत्र संचालित किया गया।

• श्री कलीम अहमद, एक्सपोर्ट मर्चेंडाइजर, सुपर हाउस प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर द्वारा 11 अप्रैल, 2019 को एलडी-IV सेमेस्टर छात्रों के लिए 'आईडीएम- गैर चमडा उद्योग' पर विशेष इनपुट सत्र संचालित किया गया।

• आईडीएम 2018 के लिए सेमेस्टर III के छात्रों के निर्धारित अभिविन्यास कार्यक्रम के अनुसार, आईडीएम सामान्य परिचय, आईडीएम सेमिनार और आईडीएम फेयर एंड वॉक का कार्यक्रम 23-30 सितंबर, 2018 को सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

• सुश्री गीता कुमार, अतिथि शिक्षक द्वारा 29 सितंबर, 2018 को फैशन पूर्वानुमान (ट्रेंड विश्लेषण और लघु एवं दीर्घ पूर्वानुमान), पूर्वानुमान प्रक्रिया (पर्यावरण, बाजार, उत्पाद), उत्पाद विकास प्रक्रिया (ट्रेंड विश्लेषण, रेफरिंग), इंटर डिसिप्लिनरी -माइनर (आईडीएम-पीजी) विषय 'फैशन नाउ' के लिए सोर्सिंग, कलर स्टोरी, फैब्रिक स्टोरी, सैंपलिंग और लाइन प्रेजेंटेशन 'फैशन मैनेजमेंट सेमेस्टर - I के छात्रों द्वारा चुने गए विषयों पर विशेष जानकारी दी गई।

• श्री प्रसून पराशर, अतिथि शिक्षक द्वारा एफडी-III, V एवं VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 27.09.2018 और 28.09.2018 को फैशन एक्सप्लोरेशन (आईडीएम) एफडी-III सेमेस्टर, फैब्रिक स्टडीज- एफडी-V सेमेस्टर इंडियन रिटेल (कॉमन इलेक्टिव) के लिए फैशन पूर्वानुमान - एफडी- VII सेमेस्टर पर विशेष इनपुट सत्र की व्यवस्था की गई थी।

• श्री हेमंत कुमार अतिथि शिक्षक द्वारा 31 अक्टूबर, 2018 को एफडी-V सेमेस्टर के छात्रों के लिए अनुसंधान आधारित डिजाइन विकास विषय के लिए विशेष इनपुट सत्र की व्यवस्था आयोजित की गई थी।

• एफडी- III और VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए गहन विशिष्टता वाले विषयों और टॉपिक (फैशन स्टाइलिंग और लक्जरी और वस्त्र), पूर्वानुमान अध्ययन, संग्रह का संक्षिप्त विवरण, डिजाइनिंग, निष्पादन, उच्च फैशन परिधानों का उत्पादन, उद्यमी विकास कार्यक्रम विषय एफडी में सीखे गए कौशल का उपयोग करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने और एफडी विभाग में फैशन डिजाइनिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अपने स्वयं के सेटअप में नौकरी के अवसर के साथ आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विशेष इनपुट सत्र की व्यवस्था, सुश्री सलोनी महेन्द्रू, अतिथि शिक्षक द्वारा 12-14 नवंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।

• श्री आशीष कुमार पाठक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, मैसर्स पाठक वर्मा एंड एसोसिएट्स के प्रबंध भागीदार और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एजुकेशन, लखनऊ (यूपी) के मालिक द्वारा एमएफएम-II सेमेस्टर के छात्रों के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर विशेष इनपुट सत्र लिया गया था।

• श्री अजय कटिंग, सहायक व्यापार प्रबंधक, मैसर्स निटक्राफ्ट एपरेल्स इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव (हरियाणा) द्वारा 5 मार्च, 2019 को एमएफएम-II के छात्रों के लिए, वाणिज्यिक और विनियामक दस्तावेजों जैसे बी/ एल, बी/ ई, और चालान आदि, एल/ सी के प्रकार और शिपमेंट के लिए कस्टम और पोर्ट की औपचारिकताएं, पोर्ट / वेयरहाउस में माल भेजना, 'एक्सपोर्ट मर्चेंडाइजिंग और एक्जिम डॉक्यूमेंटेशन' विषय के लिए दस्तावेज और भुगतान प्रवाह पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया था।

• सुश्री सुचि माथुर, लखनऊ स्थित एकधा, डिजाइन एंड इनोवेशन फर्म की संस्थापक द्वारा एमएफएम-II सेमेस्टर के छात्रों के लिए 7 मार्च, 2019 को विशेषज्ञ व्याख्यान (प्री विजिट) विषय क्लस्टर स्टडीज (अनुसंधान एवं प्रलेखन) के लिए आयोजित किया गया।

• एमएफएम-II सेमेस्टर के छात्र, 16 मार्च, 2019 को 'मर्चेंडाइजर्स के लिए फैशन सामग्री और उत्पादन प्रबंधन' विषय के टॉपिक को पूरा करने के लिए मैसर्स एमएलके, एक्सपोर्ट, लखनऊ (यूपी) के दौरे पर गए थे।

• श्री फखरे आजम, संस्थापक - इनेट प्रो एवं मैनेजिंग कंसल्टेंट द्वारा 18 मार्च, 2019 को एमएफएम-II के छात्रों के लिए मानव मस्तिष्क को समझने के लिए 'कंज्यूमर बिहेवियर एंड न्यूरोमार्केटिंग' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी।

• श्री अभिषेक पाठक, श्रेणी प्रबंधक (किड्सवेयर), मेसर्स सिटीलाइफ रिटेल लिमिटेड, गुड़गांव (हरियाणा) द्वारा एमएफएम-II के छात्रों के लिए 2 अप्रैल, 2019 को विषय चयन, मूल्यांकन, संबंध निर्माण, बातचीत और भुगतान की शर्तों, ओमनी चौनल खुदरा और बिक्री प्रबंधन की आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण पर विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी।

• श्री मनीष श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, मैसर्स बंधन बैंक, रायबरेली द्वारा एमएफएम-II के छात्रों के लिए 24 अप्रैल, 2019 को समकालीन विषय - जीएसटी जैसे उभरते / प्रासंगिक क्षेत्र, वित्त विषय के लिए कार्यकारी अधिकारियों लेखा सॉफ्टवेयर्स का उपयोग आदि पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रदान किया गया।

उद्योग संबंध (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

• एक्सेसरी डिजाइन विभाग के 25 छात्र, लेदर डिजाइन विभाग के 25 छात्र, फैशन डिजाइन विभाग के 27 छात्र, फैशन संचार विभाग के 27 छात्र और फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के 21 छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 08 सप्ताह की उद्योग इंटर्नशिप पूरी की।

• फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज विभाग (बैच 2015-19) के 25 छात्रों ने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 22 सप्ताह की स्नातक परियोजना को पूरा किया। इसी तरह, लेदर डिजाइन विभाग (बैच 2015-19) के 25 छात्रों ने 18 सप्ताह की स्नातक परियोजना को पूरा किया था, फैशन संचार विभाग के 27 छात्रों (बैच 2015-19) ने 16 सप्ताह की स्नातक परियोजना को पूरा किया था और फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के 21 छात्रों ने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में 14 सप्ताह की स्नातक अनुसंधान परियोजना को पूरा किया था ।

• लेदर डिजाइन विभाग- IV और VI सेमेस्टर (कुल 46 छात्रों) के लिए - विषय लेदर अध्ययन और प्रक्रियाएं- II के लिए एक दिन का टेनरी का दौरा 'सीमा टैनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर' के लिए आयोजित किया गया था और 28 मार्च, 2018 को उद्योग का दौरा 'ईस्ट-वेस्ट टैनर्स' कानपुर" विषय गैर-चमड़ा सामग्री और प्रक्रियाओं के लिए श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर और श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में आयोजित किया गया था।

• 24 अप्रैल, 2018 को 'सस्टेनेबिलिटी एंड क्राफ्ट स्टडीज' विषय के लिए किसी भी संबंधित शिल्प क्षेत्र में की गई पहल के अध्ययन के लिए, एफडी-IV छात्रों के लिए रेखाकृति, इलाहाबाद (सरकारी / गैर सरकारी संगठन / निजी क्षेत्र) के लिए यात्रा आयोजित की गई थी। इस यात्रा के बाद छात्र शिल्प क्षेत्र के कामकाज को समझने में सक्षम बने, शिल्प क्षेत्र के कामकाज से संबंधित शंकाओं और मुद्दों, लागू की गई विभिन्न योजनाएं / पहल जो शिल्प के साथ-साथ शिल्पकारों के लिए भी फायदेमंद हो सकती हैं।

• एफसी-VI सेमेस्टर के छात्रों ने 4 जून से 27 जुलाई, 2018 तक 8 सप्ताह का उद्योग इंटर्नशिप पूरा किया।

• लेदर डिजाइन (एलडी) सेमेस्टर IV के छात्रों ने विभिन्न शिल्पों काशीदा, मोजरी, शिवबाड़ी और लघु चित्रों का अध्ययन करने के लिए 25.06.2018 से 06.07.2018 तक बीकानेर, राजस्थान का दौरा किया।

• श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में 12 सितंबर, 2018 को स्केचिंग एंड रेंडरिंग "विषय के संबंध में, एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए लखनऊ में संग्रहालय और चिड़ियाघर की यात्रा का आयोजन किया गया था।

• श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर और सुश्री देवांशी टंडन कपूर, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में 17 सितंबर, 2018 को आईडीएम विषयों होम एक्सेसरीज और फैशन एक्सेसरीज के संबंध में, एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए लखनऊ (यूपी) में होम एंड फैशन एक्सेसरीज से संबंधित विभिन्न स्टोरों का दौरा किया गया।

• श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए 19 सितंबर, 2018 को फर्नीचर और हार्डवेयर (डीएस) विषय के बारे में लखनऊ में एक फर्नीचर कार्यशाला मैसर्स के.जी.एन. फर्नीचर, लखनऊ का दौरा किया।

• श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर की देखरेख में 28 सितंबर, 2018 को एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए विषय 'डिजाइनरों के लिए सामग्री' के लिए मैसर्स पूजा ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) का दौरा किया।

• श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर की देखरेख में 29 सितंबर, 2018 को एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए विषय शडिजाइनरों के लिए सामग्रीश विषय के लिए मैसर्स स्टोनमैन क्राफ्ट, आगरा (उत्तर प्रदेश) की यात्रा का आयोजन किया गया था।

• 30 सितंबर, 2018 को 'स्केचिंग एंड रेंडरिंग' विषय के संबंध में, मार्केट एक्सपोजर के लिए, आगरा में एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए यात्रा का आयोजन किया गया था।

• शिल्प आधारित उत्पाद विकास विषय से संबंधित एफडी-VII सेमेस्टर के छात्रों के लिए 13 अक्टूबर, 2018 को वाराणसी के बजरडीहा और 6 अक्टूबर, 2018 सीतापुर का दौरा प्रोटोटाइपिंग और उत्पादों के विकास के लिए दूसरी यात्रा के रूप में आयोजित किया गया था।

• फैब्रिक फंडामेंटल से संबंधित एफडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए स्पिनिंग मिल, रतापुर, रायबरेली में यात्रा का आयोजन किया गया।

• मर्चेंडाइजिंग विषय के लिए 30 अक्टूबर, 2018 को एफडी-V सेमेस्टर के छात्रों के लिए जेड-स्क्वायर मॉल, कानपुर की यात्रा आयोजित की गई थी।

• सुश्री गरिमा सिंह, अतिथि शिक्षक की देखरेख में 30 अक्तूबर, 2018 को फैशन एक्सप्लोरेशन -मॉडर्न और पोस्ट मॉडर्न फैशन विषय से संबंधित एफडी-आईडीएम (यूजी) के छात्रों के लिए 1857 के मेमोरियल म्यूजियम रेसीडेंसी और नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ का दौरा किया गया।

• 17 अक्टूबर, 2018 को फर्नीचर और हार्डवेयर (गहन विशेषज्ञता) के विषय के बारे में बाजार सर्वेक्षण के लिए लखनऊ में एडी-III सेमेस्टर के छात्रों के लिए यात्रा का आयोजन किया गया था।

• शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन विषय के संबंध में, 24-30 अक्टूबर तक बाराबंकी, लखनऊ और वाराणसी में अपने-अपने शिल्प क्लस्टर स्थानों पर, एडी-V सेमेस्टर के छात्रों के लिए यात्रा आयोजित की गई थी।

• लेदर, शू के घटक और प्रौद्योगिकी मेलाख्र 'मीट एट आगरा-2018', आगरा में 26-28 अक्टूबर, 2018 को आयोजित किया गया था। माननीय श्री सुरेश प्रभु, वाणिज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा उद्घाटन किए गए, लेदर, शू के घटक और प्रौद्योगिकी मेलाख्र 'मीट एट आगरा- 2018' में लेदर डिजाइन विभाग सेमेस्टर VII के छात्रों को अपने काम को बढ़ावा देने और प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

• लेदर डिजाइन विभाग-III और V सेमेस्टर के लिए "विषय फुटवियर / प्रोडक्ट डिजाइन स्टूडियो-I के लिए टेनरी का दौरा "सीमा टैनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर" में किया गया था और 27 नवंबर, 2018 को उद्योग का दौरा "ईस्ट-वेस्ट टेनर्स, कानपुर" विषय लेदर स्टडीज एंड प्रोसेसेस-III के लिए श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में आयोजित किया गया था।

• श्री रिमांशु पटेल, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में एफडी-VI

सेमेस्टर के छात्रों के लिए विषय विनिर्माण प्रक्रिया और निटवेअर' के लिए 19 जनवरी, 2019 को मैसर्स सेलेस्टियल निट्स और फैब्स प्राइवेट लिमिटेड, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा की यात्रा आयोजित की गई थी।

• श्री रिमांशु पटेल, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में 'सर्फेस डिजाइन टेक्निक्स-IV और पूर्वानुमान आधारित डिजाइन विकास' विषय के लिए 18 जनवरी, 2019 को एफडी-VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'इंडिया इंटरनेशनल गारमेंट फेयर (आईआईजीएफ)' ट्रेड फेयर की यात्रा का आयोजन किया गया। आईआईजीएफ का आयोजन परिधान और निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के सहयोग से इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) द्वारा किया गया था।

• एफसी-VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए 1 फरवरी, 2019 को लखनऊ क्राफ्ट मेले में संतकदा की यात्रा की व्यवस्था की गई है।

• श्री रिमांशु पटेल, सहायक प्रोफेसर की देखरेख में 2 फरवरी, 2019 को एफडी-IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए महिंद्रा सनातनक शिल्प महोत्सव, लखनऊ का दौरा किया गया।

• इंडस्ट्री एक्सपोजर के लिए 2-5 फरवरी, 2019 तक एफसी-IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए इंडिया आर्ट फेयर एंड सूरजकुंड मेला, दिल्ली (एनसीआर) यात्रा की व्यवस्था की।

• एडी-IV सेमेस्टर के 10 छात्रों के लिए यात्रा आयोजित की गई थी, जिन्होंने श्री एस. ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री बृज भूषण शर्मा, लैब असिस्टेंट की देखरेख में चेन्नई के लिए 2-4 फरवरी, 2019 से गहन विशिष्टता के रूप में 'बैग डिजाइन प्रोजेक्ट' विषय चुना है। 2 फरवरी, 2019 को, छात्रों ने विषय के लिए शविनिर्माण प्रक्रिया (मेजर) के लिए मैसर्स हाइडसाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विलानूर, पुडुचेरी का दौरा किया। 3 फरवरी, 2019 को छात्रों ने इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर 2019 (आईआईएलएफ), चेन्नई और चर्म निर्यात परिषद द्वारा आयोजित चौथे डिजाइनर मेले के दौरे का आयोजन किया, जो विषय बैग डिजाइन प्रोजेक्ट (गहन विशिष्टता) के बारे में आयोजित किया गया था। 4 फरवरी, 2019 को छात्रों ने विषय फैशन ट्रेंड्स एंड पूर्वानुमान (मेजर) के संबंध में चेन्नई फैशन स्ट्रीट का दौरा किया।

• 1 फरवरी, 2019 को मेसर्स सनतकाडा शिल्प उत्सव, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में एडी-IV एवं VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए दौरा आयोजित किया गया था।

• एलडी-VI सेमेस्टर के छात्र, श्री भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर, एलडी के साथ 1-3 फरवरी, 2019 से चेन्नई में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 2019 का दौरा किया।

• एलडी-VI सेमेस्टर के छात्रों ने आईआईएलएफ चेन्नई यात्रा के दौरान 4 फरवरी, 2019 को मैसर्स गुड्स लेदर प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई का दौरा किया।

• एलडी- IV सेमेस्टर के छात्रों ने सुश्री ए लैला तैयबजी द्वारा 'ए हैंडक्राफ्टेड डायवर्सिटी' के विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए 2 फरवरी, 2019 को मैसर्स सनतकाडा क्राफ्ट फेस्टिवल, लखनऊ (यू.पी.) का दौरा किया।

• एडी-IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए 6 फरवरी, 2019 को लिविंग स्पेस डेकोर प्रोजेक्ट (गहन विशिष्टता) विषय के बारे में स्पेस अध्ययन के लिए, मेसर्स अवध सेंटर, लखनऊ (यू.पी.) के लिए यात्रा का आयोजन किया गया था।

• 13 फरवरी, 2019 को रायबेरली परिसर में मैसर्स शाही लाइट्स एंड चंदेलर्स, लखनऊ के प्रबंध निदेशक, श्री अपूर्व माथुर द्वारा 'लाइटिंग फिक्स्चर की डिजाइनिंग' पर एडी छात्रों के लिए विशेष इनपुट सत्र संचालित किया। उन्होंने एडी छात्रों के लिए कक्षा परियोजनाओं के लिए संक्षिप्त भी प्रदान किया।

• एलडी-IV सेमेस्टर के छात्रों ने 28 मार्च, 2019 को विषय लेदर अध्ययन और प्रक्रिया II के लिए मेसर्स सुपर हाउस लिमिटेड, टेनरी- 1 कानपुर का दौरा किया।

• 29 मार्च, 2019 को 'विनिर्माण प्रक्रिया' विषय पर सैंड कास्टिंग पर लाइव डेमो के लिए फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड प्रौद्योगिकी, रायबरेली में एडी-IV सेमेस्टर के छात्रों ने यात्रा की।

• एलडी-IV सेमेस्टर के छात्रों ने 3 अप्रैल, 2019 को मेसर्स ईस्ट-वेस्ट टेनर्स, कानपुर में विषय परिधान डिजाइन स्टूडियो-II और फुटवियर डिजाइन स्टूडियो-II का दौरा किया।

• एलडी-IV सेमेस्टर के छात्रों ने विषय उत्पाद निर्माण और उत्पाद डिजाइन स्टूडियो-II के लिए 17 अप्रैल 2019 को मैसर्स अमीन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर (बैग डिवीजन) का दौरा किया।

• एलडी-IV और VI सेमेस्टर के छात्रों ने 18 अप्रैल, 2019 को लेदर स्टडीज फॉर जीवनशैली प्रोडक्ट एंड नॉन-लेदर मैटेरियल प्रोसेस विषय के लिए मैसर्स सुपर हाउस प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर (सेफ्टी फुटवियर डिवीजन) का दौरा किया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

• गर्ल्स हॉस्टल में सेनेटरी नैपकिन निपटान मशीनें स्थापित की गई है।

• परिसर में प्रमुख स्थानों पर वाणिज्यिक आरओ सिस्टम के साथ 27 वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं जो व्यापक एएमसी के तहत हैं।

• परिसर में जल संचयन प्रणाली मौजूद है।

• प्रकाश फिटिंग को धीरे-धीरे एलईडी लाइटों के साथ बदला जा रहा है। सभी खराब गैर-एलईडी लाइटों को अनिवार्य रूप से एलईडी लाइटों के साथ बदला जा रहा है।

• अपशिष्ट पदार्थ का बहुत पहले से ही इंस्टॉलेशन और पुनर्चक्रण उद्देश्यों के लिए विभिन्न कक्षा डिजाइन परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जा रहा है।

• कैंपस में उपयोग से बाहर हुए प्लास्टिक वॉटर स्टोरेज टैंक को छात्रों द्वारा वार्ता टेबल के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

• वर्तमान में 03 कम्पोस्ट पिट का उपयोग बायो-डिग्रेडेबल अपशिष्ट पदार्थों को खाद बनाने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

• कैंटीन में चाय परोसने के लिए मिट्टी के बर्तन (कुल्हड़) का उपयोग किया जा रहा है, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

• निफ्ट का सीवेज निपटान भारतीय टेलीफोन उद्योग (आईटीआई), रायबरेली के सीवेज उपचार संयंत्र से जुड़ा हुआ है।

शिलांग

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), शिलांग पूर्वोत्तर क्षेत्र में एकमात्र निफ्ट परिसर है और वर्ष 2008 में 2 स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ शुरू किया गया था। वर्तमान में इस परिसर में 3 पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं अर्थात् फैशन डिजाइन और एक्सेसरीज डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन और फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर।

आतंकवाद विरोधी दिवस - 21 मई, 2018

आतंकवाद विरोधी दिवस 2018 को निफ्ट शिलांग परिवार ने आतंकवाद के दुष्प्रभाव के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2018 - 21 जून 2018

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2018 की अनुपालना में, आर्ट ऑफ लिविंग शिलांग के योग विशेषज्ञों, को निफ्ट के स्टाफ सदस्यों को योग सिखाने और हमारे दैनिक जीवन में योग की आवश्यकता पर जोर देने के लिए आमंत्रित किया गया था। निफ्ट शिलांग के पूरे समुदाय ने पूरे मन से कार्यक्रम में हिस्सा लिया और विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास किया।

भीम ऐप के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना - 25 जून से 14 अगस्त 2018 तक निफ्ट शिलांग ने भारत सरकार की पहल के भाग के रूप में भीम ऐप के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ने शिलांग शहर में में विभिन्न शिविर / अभियान चलाए और पूरे कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:

1. आयोजित किए गए शिविर / अभियान / स्ट्रीट प्ले की कुल संख्या: 09
2. सप्ताह के दौरान आयोजित शिविरों / अभियान / स्ट्रीट प्ले में भागीदार कुल व्यक्तियों की संख्या: 2074
3. डिजिटल भुगतान के लिए भीम ऐप डाउनलोड करने के लिए संवेदनशील व्यक्तियों की संख्या: 1181

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

निफ्ट शिलांग ने समस्त देशवासियों के साथ हथकरघा बुनकरों को सम्मानित करने के लिए 7 अगस्त, 2018 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया।

स्वच्छता पखवाड़ा: 1-14 मार्च, 2019

संपूर्ण स्वच्छता और सफाई के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निफ्ट शिलांग परिसर के सामने के लॉन में सभी कार्मिकों, छात्रों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा लेने और विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा स्वच्छता पखवाड़े का उद्घाटन किया गया।

छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। नारा लेखन प्रतियोगिता के साथ-साथ निबंध प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग में तीन पुरस्कार प्रदान किए गए।

- डॉ. नताशा संगमा, एमबीबीएस और कैंपस डॉक्टर द्वारा 'स्वच्छता और सफाई के रखरखाव' विषय पर एक कार्यशाला परिसर में आयोजित की गई और सभी ने इसमें भाग लिया। कार्यशाला में, वक्ताओं ने दर्शकों को व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और सभी को इस महत्वपूर्ण संदेश को पारित करने पर जोर दिया।

• यौन उत्पीड़न पर एक कार्यशाला का आयोजन करके परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें उत्तर पूर्व नेटवर्क संगठन के विशेषज्ञों ने विषय से संबंधित नियमों के बारे में जागरूकता के महत्व पर शिक्षक, स्टाफ सदस्यों और छात्रों को संबोधित किया।

• वैश्विक जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण स्थिरता पर अधिकारियों/ शिक्षक सदस्यों / कर्मचारियों / छात्रों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें डॉ. देवेश वालिस, प्रमुख पर्यावरण अध्ययन विभाग, पूर्वोत्तर हिल्स विश्वविद्यालय, इस अवसर पर संसाधन व्यक्ति थे जिन्होंने व्याख्यान दिया।

• स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर इंटरएक्टिव अभियान के भाग के रूप में परिसर में छात्रों ने स्वच्छता और सफाई की वकालत करते हुए जागरूकता पैदा करने के लिए परिसर में पोस्टर लगाए।

• व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर एमएफएम विभाग के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए।

स्वतंत्रता दिवस – 15 अगस्त, 2018

निफ्ट शिलांग ने 72 वें स्वतंत्रता दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया और निफ्ट शिलांग परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का आयोजन किया।

'एंटी-रैगिंग' पर जागरूकता कार्यक्रम

'एंटी-रैगिंग' पर एक जागरूकता कार्यक्रम 16 अगस्त, 2018 को परिसर में आयोजित किया गया था, जहां दो विशेषज्ञों, शिलांग बार एसोसिएशन के सचिव, एडवोकेट किशोर सीएच गौतम, और श्री बी. डिएगन, एमपीएस, मेघालय पुलिस ने रैगिंग जैसे जघन्य अपराध और उन्हें प्रचलित कानूनों के अंतर्गत विभिन्न 'क्या करें (डू'ज)' और 'क्या न करें (डोंट)' से परिचित कराया।

अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, खोज बचाव और प्राथमिक चिकित्सा पर कार्यशाला

31 अगस्त, 2018 को, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों ने निफ्ट शिलांग परिसर में 'अग्नि संरक्षा, आपदा प्रबंधन, खोज बचाव और प्राथमिक उपचार' पर एक कार्यशाला आयोजित की और इसमें प्राथमिक चिकित्सा सहायता, खोज और बचाव, अग्निशमन विषय शामिल किए गए थे। अधिकारियों ने इन विषयों पर लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया और आपात स्थिति के बारे में जागरूकता और प्रतिक्रिया के बारे में सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए एक प्रस्तुति दी जिसमें शिलांग परिसर से सभी ने भाग लिया।

सद्भावना दिवस ' 20 अगस्त, 2018

सद्भावना दिवस निफ्ट शिलांग द्वारा मनाया गया और सभी धर्मों के साथ साथी नागरिक के बीच राष्ट्रीय एकता, शांति, प्रेम, स्नेह और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन – 14-30 सितंबर, 2018

हिंदी पखवाड़ा दिवस निफ्ट शिलांग के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्टाफ के सदस्यों और छात्रों द्वारा प्रश्नोत्तरी, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों के साथ मनाया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 का आयोजन: 30 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2018

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के संदेश को फैलाने और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पालन के लिए, छात्रों, शिक्षक सदस्यों और कर्मचारियों को शामिल करने के लिए परिसर में 'भ्रष्टाचार और आरटीआई अधिनियम' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस संबंध में, विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिनमें प्रतिज्ञा और मानव श्रृंखला का गठन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर चिपकाना, नुक्कड़ नाटक और श्रीमती अनीता खर्पर, संयुक्त सचिव, कार्मिक विभाग, मेघालय सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क रहने और भ्रष्टाचार मुक्त भारत की दिशा में काम करने की आवश्यकता और संस्थागत भ्रष्टाचार को रोकने के लिए आरटीआई अधिनियम का उपयोग कैसे किया जाए, पर एक भाषण शामिल था।

सांप्रदायिक सद्भावना ध्वज दिवस: 24 नवंबर, 2018

सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह एवं ध्वज दिवस आयोजित करने के लिए प्रचार सामग्री जैसे सद्भावना ध्वज स्टिकर मुद्रित किए गए और इस दिन के महत्व को बताने और जागरूकता लाने के लिए निफ्ट शिलांग के छात्रों और कर्मचारियों को ये ध्वज लगाए गए।

संविधान दिवस: 26 नवंबर, 2018

भारत के संविधान को अंगीकार करने के उपलक्ष्य में, निफ्ट शिलांग के कर्मचारियों और छात्रों ने भारत के संविधान में निर्धारित मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

गणतंत्र दिवस – 26 जनवरी 2019

70 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में, निफ्ट शिलांग कैंपस ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों द्वारा देशभक्ति के गीत, कविता पाठ और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए।

फैशन स्पेक्ट्रम 2019 (लापोंगनाई):

निफ्ट शिलांग का वार्षिक उत्सव 'फैशन स्पेक्ट्रम 2019 लापोंगनाई' 22-23 फरवरी, 2019 को परिसर में आयोजित किया गया था। इस वर्ष के कार्यक्रम को 'री-ड्रेस ... गेट इवन ... सस्टेन' थीम पर केंद्रित किया गया था और इस दौरान विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें शिलांग के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने भी भाग लिया। श्री। यशी ताशरिंग, आईएएस, मुख्य सचिव, मेघालय सरकार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

शैक्षणिक वर्ष (2019-2020) के लिए प्रवेश प्रचार: नवंबर 2018 – दिसंबर 2018

निफ्ट के प्रचार के भाग के रूप में और विशेष रूप से 2019 के लिए प्रवेश अभियान, के लिए निफ्ट शिलॉन्ग परिसर द्वारा गतिविधियाँ निम्नलिखित की गई हैं:

1. निफ्ट कार्यक्रमों के बारे में प्रिंट मीडिया / समाचार:

पूर्वोत्तर राज्यों में डीआईपीआर दरों के अनुसार अखबारों के विज्ञापन दिए गए थे। निफ्ट प्रवेश पर विज्ञापन करने के लिए पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र से कुल 14 समाचार पत्रों को कार्य आदेश जारी किए गए थे।

2. निफ्ट टीमों द्वारा प्रस्तुति / छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से कॉलेजों/ स्कूलों का

दौरा।

3. रेडियो चौनल और टीवी चौनल

बिग-एफएम, युवाओं के बीच एक लोकप्रिय रेडियो चौनल और उत्तर पूर्व में सबसे अधिक लोकप्रिय रेडियो चौनलों में से एक ने निफ्ट प्रवेश 2019 पर प्रसारण के लिए संपर्क किया और पूर्वोत्तर के 5 प्रमुख राज्यों की राजधानियों अर्थात शिलांग, गुवाहाटी, ईटानगर, आइजोल, अगरतला में 6 दिनों के लिए एक साथ प्रसारण किया।

4. प्रमुख स्थानों जैसे बाजार स्थान, मॉल, क्लब, पुस्तकालय, बड़ी पुस्तक की दुकानें, स्कूल इत्यादि पर बैनर और पोस्टर लगाना जहां अक्सर छात्र आते जाते रहते हैं।

5. पूर्वी हिमालयन एक्सपो स्टाल, शिलांग के 10 वें संस्करण के दौरान प्रवेश कियोस्क 11-16 दिसंबर, दिसंबर 2018 तक, पूर्वी हिमालयन एक्सपो स्टॉल, शिलांग के दौरान निफ्ट के पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई थी।

6. सोशल मीडिया

निफ्ट शिलांग के फेसबुक और ट्विटर पेज के माध्यम से निफ्ट एडमिशन का प्रचार किया गया।

7. प्रवेश के लिए स्थानीय भाषाओं में एससी, एसटी और डोमिसाइल उम्मीदवारों के बीच सूचना अभियान चलाया गया।

8. खासी, गारो और असमिया भाषा में पैम्फलेट / फ्लायर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और मूलनिवासी उम्मीदवारों के बीच सूचना अभियान के लिए मुद्रित और वितरित किया गया था।

अवसंरचना और सुविधाएं

अस्थायी परिसर में अवसंरचना

शिलांग कैंपस वर्तमान में ओल्ड नेग्रिम्स कैम्पस में स्थित अपने पारगमन परिसर से परिचालन कर रहा है जिसका कुल क्षेत्रफल 1.34 एकड़ है। यह स्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मेघालय सरकार का है।

विशेषताएं:

वीडियो सम्मेलन कक्ष; पूरी तरह से सुसज्जित डाइंग और प्रिंटिंग लैब; मैटिरियल और लेदर कार्यशालाएं; उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ आईटी लैब; थ्री डी प्रिंटर; परिसर और छात्रावास में कैंटीन / मेस सुविधा; वाई-फाई सक्षम 100 एमबीपीएस की उच्च गति इंटरनेट; गर्ल्स हॉस्टल बस परिवहन सुविधा; स्वास्थ्य देखभाल- चिकित्सक और नैदानिक मनोवैज्ञानिक; प्रिंट और नॉन-प्रिंट रेफरेंस मटीरियल और 5315 पुस्तकों के संग्रह, 25 पत्रिकाओं की सदस्यता, 10 ऑनलाइन डेटाबेस, 2 ई-पुस्तकों की सदस्यता, 3 ई-प्रकाशन और 76 पूर्वानुमान सदस्यता के साथ रिसोर्स सेंटर।

अस्थायी परिसर के रखरखाव के लिए विभिन्न कार्य किए गए, जिसमें मरम्मत और रखरखाव, खराब या अप्रचलित उपकरणों का निपटान और मशीनरी की सर्विसिंग शामिल हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

- सभी वॉश बेसिनों के साथ स्थापित किए गए 500 मिली क्षमता के तरल साबुन डिस्पेंसर की खरीद।
- सभी बाथरूमों में स्वास्थ्य नल की स्थापना।
- निफ्ट कैंपस में मामूली मरम्मत और रखरखाव का काम।
- अस्थायी परिसर में स्थापित 100 केवीए डीजी की सर्विसिंग।
- अस्थायी परिसर के सेप्टिक टैंक की सफाई।

स्थायी परिसर में बुनियादी ढांचा

निफ्ट स्थायी परिसर 20.13 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है और मावदियांग, उम्सवाली, न्यू शिलांग में स्थित है। स्थायी परिसर का कुल क्षेत्रफल 20.13 एकड़ है और 98% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और जल्द ही स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने की योजना है।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जल शोधन संयंत्र, उन्नत उपकरणों के साथ इंटीरियर वर्क्स और डिस्प्ले स्थापित किया गया है।

परियोजनाएं

निफ्ट शिलांग की पूर्ण और चल रही परियोजनाएं नीचे दी गई हैं:

1. परिधान; वाणिज्य और उद्योग निदेशालय, मेघालय सरकार के लिए एक्सेसरी विकास और प्रबंधन कौशल चरण-III, परियोजना की अवधि: 3 महीने और परियोजना का मूल्य: रु 18,00,000/- है।

2. परिधान का उद्यमिता विकास कार्यक्रम; एक्सेसरी विकास और प्रबंधन कौशल - परियोजना की अवधि: 15 दिन और परियोजना का मूल्य: रु 12,78,626/- है।

3. विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित तेरह डिजाइन और तकनीकी कार्यशालाएं।

री-भोई (मेघालय) में टेक्सटाइल क्राफ्ट; शिलांग (मेघालय) में लेदर क्राफ्ट; जवाई (मेघालय) में ब्लैक पॉटरी क्राफ्ट; एजवाल (मिजोरम) में जनजातीय कपड़ा शिल्प; लुइगपुई (मिजोरम) में जनजातीय कपड़ा शिल्प; कोहिमा (नागालैंड) में लकड़ी शिल्प; दीमापुर (नागालैंड) में वुड क्राफ्ट/ केन क्राफ्ट; कार्बी एंगलोंग (असम) में कार्बी टेक्सटाइल क्राफ्ट; धर्मनगर (त्रिपुरा) में जनजातीय आभूषण शिल्प; नल्चर (त्रिपुरा) में बेंत और बांस शिल्प; मेली लिंगडंग में लेपचा बुनाई शिल्प (सिक्किम); मितलघर (त्रिपुरा) में पॉटरी क्राफ्ट; नामची (सिक्किम) में लकड़ी पर नक्काशी शिल्प, परियोजना की अवधि: 25 दिन प्रति कार्यशाला और परियोजना का मूल्य: रु 39,00,000/- है।

ये परियोजनाएं वर्ष 2015-16 में पूरी हुई और वित्तीय निपटान वर्ष 2018-19 में पूरा हुआ।

4. असम के गोलाघाट जिले में श्याम / तुरंग टेक्सटाइल (पैट / एरी / मुगा सिल्क) और नागालैंड के कोहिमा जिले की लकड़ी पर नक्काशी के लिए 'पारंपरिक कला / शिल्प में उन्नयन के लिए कौशल और प्रशिक्षण' (यूएसटीटीएडी) की दिशा में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की परियोजना।

5. मेघालय में एकीकृत डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशालाएं- प्रत्येक परियोजना का मूल्य: रु 14,85,000/-

- उमरोई, री-भोई जिले में बुनाई और कढ़ाई
- शिलांग, पूर्वी खासी हिल्स जिले में लेदर शिल्प
- जवाई, जयंतिया हिल्स जिले में ब्लैक पॉटरी क्राफ्ट

6. कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार के अंतर्गत तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशालय (आईटीआई) के लिए ड्रेस कोड का डिजाइन। परियोजना की अवधि: 3 महीने और परियोजना का मूल्य: रु 3,00,000/- है।

7. वाणिज्य और उद्योग निदेशालय, मेघालय सरकार के लिए परिधान डिजाइनिंग और विनिर्माण पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण - परियोजना की अवधि: 15 दिन और परियोजना का मूल्य: रु 5,00,000/- है।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

उत्तर पूर्व इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (एनईआईजीआरआईएचएमएस) में, शिलॉन्ग वार्षिक कॉलेज उत्सव 'यूफोरिया 2018' में सुश्री अपूर्व पोरवाल, एमएफएम-II सेमेस्टर, इंटर कॉलेज डिबेट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया और सुश्री राशी रवि एवं सुश्री रिया जोशी एमएफएम-II को टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

निफ्ट शिलांग का 7 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 2018

निफ्ट शिलांग ने अपना 7 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 29 मई, 2018 को उत्तर पूर्वर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) कन्वेंशन हॉल, शिलांग में सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप माननीय गृह मंत्री, मेघालय सरकार श्री जेम्स पी. के. संगमा और माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री ए. एल. हेक की उपस्थिति में माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी मुख्य अतिथि थीं। दीक्षांत समारोह, छात्रों/ माता-पिता, वीआईपी और सरकार के विशेष आमंत्रित सदस्यों, प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि आदि की एक बड़ी सभा के साथ आयोजित किया गया था।

कुल मिलाकर 64 स्नातक छात्रों को दो स्नातक कार्यक्रमों अर्थात एक्सेसरी डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन और फैशन डिजाइन

में बैचलर ऑफ डिजाइन और एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम अर्थात् मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट में डिग्री प्रदान की गई। एनईएचयू कन्वेंशन हॉल शिलांग में 29 मई, 2018 को आयोजित फैशन डिजाइन विभाग के डिजाइन संग्रह शो (फैशनोवा) के मुख्य अतिथि माननीय गृह मंत्री, मेघालय सरकार श्री जेम्स पी. के. संगमा थे और विशिष्ट अतिथि श्रीमती सारिका अग्रवाल सिनरेम, आईडीएएस, निदेशक, मेघालय प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान थी।

28 मई, 2018 को होटल पाइनवुड एनेक्स, स्टेट कन्वेंशन सेंटर-III में आयोजित फैशन और जीवनशैली एक्सेसरीज विभाग के डिजाइन शोकेस के लिए मुख्य अतिथि श्री शैलेन्द्र चौधरी, एमडी एनईआरसीओआरएमपी और विशिष्ट अतिथि श्री एस.के. बारचुंग निदेशक, सेरीकल्चर एंड वीविंग विभाग, मेघालय सरकार थे।

फैशन मैनेजमेंट अध्ययन विभाग का स्नातक शो 2018 और पैनल चर्चा 28 मई, 2018 को होटल पाइनवुड एनेक्स, स्टेट कन्वेंशन सेंटर-III में आयोजित किया गया था। निम्नलिखित सम्मानित पैनलिस्ट को आमंत्रित किया गया था:

- डॉ. बसव रॉय चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, आईटी और विश्लेषिकी, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), शिलांग
- श्री करुणेश वोहरा, डिजाइन उद्यमी
- श्री निंगतम्बा राजकुमार, डिजाइन निदेशक, रेमंड्स इंडिया लिमिटेड
- श्री ऑगस्टाइन रीडिंग, एमडी, नाहन बिजनेस सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड, पी. आर. चीन

स्नातक परियोजनाएं

नीचे उल्लेखित कुछ कंपनियां हैं जहां छात्रों ने अपनी स्नातक परियोजना पूरी की:

फैशन डिजाइन विभाग

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड; फ्यूचर जीवनशैली फैशन; जुनिपर फैशन; पैरामाउंट प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड; पेपे जीन्स; रेमंड; स्पेंसर।

एक्सेसरी डिजाइन विभाग

एज्यूम एक्सपोर्ट जोधपुर; कैरेटलेन; कैरीप्रो; कासा डेकोर; सेंट्रोइड प्राइवेट लिमिटेड (कोजर्ट); क्लेमंगो डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड; देसी ड्रामा क्वीन; डिजाइन वन; गेज मशीन (टी. एस. ग्रुप); इंक्रेडिबल लेदर; इंटर गोल्ड (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड; लाल 10 (भगवानदास रिटेल प्राइवेट लिमिटेड); लेटिक; नागा डिजाइन; नप्पा डोरी; निकोबार डिजाइन पेट लिमिटेड; पॉल एडम्स बैग; रेडनिक ऑटो एक्सपोर्ट्स; तनिष्क; टीट्रो धोरा; ट्रेंट लिमिटेड; ट्रिप मशीन कंपनी; यूनाइटेड स्पोर्ट्सबिज प्राइवेट लिमिटेड; वोग क्राफ्ट्स एंड डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड; वुमडी बंगारू ज्वैलर्स।

मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट डिपार्टमेंट आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल लिमिटेड; आरव फैशन; बेवकूफ; डिजिटल मार्केटिंग (सोशल ऑरेंज); जेनेसिस लक्जरी; जया श्री टेक्सटाइल; जोया चौहान; जुनिपर फैशन; काकोचो फैशन प्राइवेट लिमिटेड; ओरिएंट क्राफ्ट; ओरिएंट क्राफ्ट लिमिटेड (एक्सपोर्ट हाउस); पेपे जीन्स; रेडनिक, एक्सपोर्ट्स; ऋचा एंड कंपनी (उद्योग विहार); श्री देवी एसोसिएट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड; वीएफ ब्रांड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है और पारंपरिक शिल्प जैसे बेंत और बांस के उत्पादों, कलात्मक बुनाई, काली मिट्टी के बर्तनों और लकड़ी-नक्काशी आदि के साथ गहरा रिश्ता है। फाइनल उत्पाद के डिजाइन में शामिल प्रक्रियाओं को सीखने, विक्रय संबंधी संभावनाओं और दिन प्रतिदिन की चुनौतियों को जानने और कारीगरों से जुड़ने के उद्देश्य से, विशेषज्ञों से समय-समय पर प्राप्त इनपुट के साथ छात्रों और शिक्षक सदस्यों द्वारा निम्नानुसार दौरे आयोजित किए गए थे:

1. शिल्प: बेंत और बांस हस्तशिल्प

यात्राओं की तारीख: 9-13 और 25-27 अप्रैल, 2018, 8-12 अक्टूबर, 2018

विभाग: फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी और फाउंडेशन कार्यक्रम डिजाइन

स्थान: सिंटेन गांव, मेघालय

2. शिल्प: ब्लैक पॉटरी

विभाग: फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी

स्थान: लारनाई और तिरशंग गांव, मेघालय

3. शिल्प: देव बर्मन और मणिपुरी समुदाय के बुने हुए हैंडलूम वस्त्र

यात्रा की तिथि: 31 मई से 9 जून, 2018

विभाग: फैशन डिजाइन स्थान: शंकला और बामुतिया, त्रिपुरा

4. शिल्प: बांस और बेंत शिल्प (बारपेटा, असम)
5. शिल्प: मास्क बनाना (माजुली, असम)
6. शिल्प: जलकुंभी आधारित शिल्प (खेतड़ी, असम)

यात्रा की तिथि: 22-26 अक्टूबर, 2018

विभाग: फैशन और जीवन शैली एक्सेसरी

कारीगर जागरूकता कार्यशाला

तिथियाँ: 25-27 अप्रैल, 2018

कारीगर जागरूकता कार्यशाला का उद्देश्य स्वदेशी शिल्प को विकसित करना, विभिन्न तकनीकों का अन्वेषण, रूपों और बाजार में स्थितिकरण के द्वारा कारीगरों की स्थिति का उत्थान करना था। प्रख्यात वक्ताओं द्वारा जानकारी साझा करने से संभावित अवसरों को मैप करने में मदद मिली। शिक्षक सदस्यों और छात्रों के साथ चर्चा और बातचीत ने रचनात्मक आदानों को गति दी जिससे

डिजाइन और विपणन के मामले में शिल्प क्लस्टर को काफी फायदा हुआ।

वक्ता:

1. श्री कामेश सलाम, सीईओ और दक्षिण एशिया बांस फाउंडेशन (एसएबीएफ) के संस्थापक, भारतीय बांस मिशन के सर्वोच्च समिति के सदस्य ने 'बांस और बेंत क्षेत्र प्रबंधन के लिए डिजाइन और रणनीति' पर भाषण दिया। उनके भाषण के मुख्य अंश नीचे दिए गए हैं:

- बाँस और उसकी विशेषताओं की परिभाषा
- बांस क्षेत्र में विकास और संभावना
- बांस का उत्पादन और उससे जुड़ी समस्याएं
- बांस क्षेत्र के लिए उपलब्ध उपकरण और बांस से निर्मित हस्तशिल्प का उत्पादन।
- बांस की कम उत्पादकता के कारण
- बांस / बेंत परियोजना के लिए तकनीकी जानकारी

2. श्री मेंडॉन पैरियाट मेघालय हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने 'मेघालय शिल्प: ट्रेंड्स एंड अर्बन मार्केट' पर एक व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान के प्रमुख अंश नीचे दिए गए हैं:

- दस्तकारी उत्पाद की यूएसपी को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।
- डिजाइन हस्तक्षेप का नेतृत्व शिल्प, सामग्री के गुणों और उपलब्धता, स्थिरता के दृष्टिकोण पर अच्छे शोध के द्वारा किया जाना चाहिए।
- निर्माण से विपणन तक सभी प्रक्रियाओं की समझ हो
- उत्पादक आउटपुट के उत्पादन की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करना
- आधुनिक डिजाइन को एकीकृत करना, छोटे उत्पाद बनाना जो समकालीन होने के साथ-साथ जातीय भी हों।

3. श्री सैलेक्स नगैरांगबम, निफ्ट बेंगलुरु और डोमस एकेडमी के पूर्व छात्र और 'सेलेक्स' के संस्थापक ने 'क्राफ्ट एंड डिजाइन: पास्ट, प्रेजेंट, और फ्यूचर चौलेंजेज' पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान के प्रमुख अंश निम्नलिखित हैं:

- उत्पादों के सौंदर्यीकरण के लिए फॉर्म्स, टेक्सचर, फिनिश खोज।
- नई सामग्री को शामिल करने की दिशा में दृष्टिकोण।
- बढ़ी हुई कार्यक्षमता और मानकीकरण।
- उत्पादों को व्यावसायिक रूप से स्वीकार्य होने के लिए रुझानों और पूर्वानुमानों का अध्ययन।
- ब्रांडिंग, पैकेजिंग, विपणन और संभव उद्यमशीलता एक नया बाजार खोलेगी।

निफ्ट शिलांग कैंपस और एनईएलए हैंडलूम प्रशिक्षण केंद्र सह उत्पादन इकाई (एनएचटीसीपीयू), मावकासियांग, शिलांग में शिल्प जागरूकता कार्यशाला तिथियां: 3-5 अक्टूबर, 2018

विभाग: एफएमएस - III सेमेस्टर

त्रिपुरा के शंकला और बामुतिया समूहों के हैंडलूम वस्त्रों पर निफ्ट शिलांग परिसर में क्राफ्ट जागरूकता कार्यशाला।

दिनांक: 26-29 मार्च, 2019

विभाग - एफडी - VI सेमेस्टर

शिल्प बाजार

निफ्ट शिलांग द्वारा डिजाइन किए गए शिल्प उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु कारीगरों के लिए एक मंच उपलब्ध कराने के लिए परिसर में 29 से 30 मार्च 2019 तक शिल्प बाजार 2018 का आयोजन किया गया था।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न भागों से कुल 12 कारीगरों और बुनकरों ने नीचे दिए गए कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें काले मिट्टी के बर्तनों से लेकर हाथ से बने वस्त्रों तक उनके उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था।

माजुली, असम = 4,

लरनाई ग्राम, मेघालय = 2,

सिनटेन ग्राम, मेघालय = 2,

बामुतिया, त्रिपुरा = 2,

शंकला, त्रिपुरा = 2,

इसके अलावा, निफ्ट शिलांग ने अपनी क्लस्टर यात्राओं के दौरान छात्रों द्वारा बनाए गए शिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया जो कि 3 कियोस्क में प्रदर्शित किए गए थे और री-भोई जिले और लारनाई समूहों में बनाए गए शिल्प उत्पादों का बाजार परीक्षण भी किया गया था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री के. एन. कुमार, आईएएस, मेघालय सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा किया गया था। प्रोफेसर एच. लामिन, प्रो-वाइस-चांसलर, एनईएचयू इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। श्रीमती सरिता अग्रवाल सिनारेम, आईडीएएस, निदेशक, एमएटीआई विशेष आमंत्रित अतिथि थी। इस आयोजन का समापन समारोह श्री कुलदीप सिंह धतवालिया, महानिदेशक, प्रेस सूचना ब्यूरो, पूर्वोत्तर क्षेत्र, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिती में किया जाएगा। डॉ. एंगम पाम, निदेशक, फील्ड प्रचार निदेशालय, एनई क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग, मेघालय इस अवसर पर विशेष आमंत्रित सदस्य था।

इस कार्यक्रम को संगीत कलाकारों द्वारा बैंड प्रदर्शन के माध्यम से जीवंत रखा गया था, जिसमें प्रख्यात कलाकारों ने निफ्ट के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए हैंडलूम डिजाइन के पहनावे को प्रदर्शित करते हुए एक फैशन-शो के साथ समापन किया गया था।

पीएचडी आरंभ और पूरी की गई

श्री अर्नब बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने 1 फरवरी, 2019 को पीएचडी के लिए अपना प्री-सबमिशन सेमिनार पूरा किया। प्रो. मोनिका अग्रवाल, निदेशक पीएचडी कर रही हैं।

प्रकाशन और शोध पत्र प्रस्तुतियाँ

• श्री ए. बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने जीईएम-इंडिया डेटा का उपयोग कर 'रिस्क कंस्ट्रक्ट एंड एंटरप्रेन्योरियल स्टेज: ईविडेंस ऑफ रीकंसिलियशन विषय पर एमराल्ड प्रकाशक द्वारा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमिता पर एक पत्रिका की समीक्षा की।

• श्री अर्नब बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और श्री एस. डी. बुहरॉय, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने टेलर एवं फ्रांसिस प्रकाशक द्वारा फैशन प्रैक्टिस जर्नल पर एक पत्रिका की समीक्षा की, जिसका शीर्षक 'मजौली विविंग क्लस्टर: 'उद्योग प्रतियोगी विश्लेषण और व्यवहार्य अर्थशास्त्र की अवधारणाओं का उपयोग करते हुए वीवर्स ड्राप आउट पर एक अध्ययन'।

• श्री अंगम निमाई, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने 3-4 मार्च, 2019 को कला और संस्कृति, परिवर्तन और निरंतरता पर डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'उत्तर पूर्व इंडिया में नागा ट्राइब्स की विजुअल कल्चर' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

शिक्षक अभिविन्यास, प्रशिक्षण एवं विकास

i. शिक्षक प्रशिक्षण (कार्यशालाएं और टीओटी)

• श्री देविंद्र नागर, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने 7 जनवरी से 21 मार्च, 2019 तक हांगकांग के सवाना कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन में मास्टर ऑफ लक्जरी और फैशन मैनेजमेंट पूरा किया।

• श्री आशीष के. कैथवास, सहायक प्रोफेसर ने 16-18 जुलाई, 2018 को गांधीनगर के निफ्ट में आभूषण विनिर्माण और डिजाइन प्रक्रिया के आधार पर टीटीटी में भाग लिया।

• सुश्री औरिनता दास, सहायक प्रोफेसर, नई दिल्ली के निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 तक डिजाइन फंडामेंटल्स पर टीओटी में शामिल हुई।

• श्री डोरजी टी वांग्दी, एसोसिएट प्रोफेसर ने नई दिल्ली के निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 तक डिजिटल डिजाइन और संचार पर टीओटी में भाग लिया।

• श्री एन. हाओकिप, सहायक प्रोफेसर, एडी ने नई दिल्ली के निफ्ट में 16-18 जुलाई, 2018 तक टीओटी में भाग लिया।

• श्री अमरदीप राभा, एसोसिएट प्रोफेसर ने नई दिल्ली के निफ्ट में 17-21 जुलाई, 2018 तक लक्जरी ब्रांडिंग, पहचान और स्थिति पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री अर्नब बनर्जी, सहायक प्रोफेसर ने 23-28 जुलाई, 2018 तक आईआईएम, बेंगुलुरु में बिग डेटा और बिजनेस इंटेलिजेंस पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सुश्री औरीनता दास, सहायक प्रोफेसर, फैशन सोसाइटी एंड कल्चर पर टीओटी में 23-25 जुलाई, 2018 को निफ्ट, मुंबई में उपस्थित हुई।

• सुश्री रिमी दास, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री दोरजी वांग्दी, एसोसिएट प्रोफेसर ने 23-27 जुलाई, 2018 तक नई दिल्ली में प्रोफेसर डॉ. एलन मरे द्वारा आयोजित कोर डिजाइन पेडागॉजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स पर प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सुश्री रिमी दास, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री अंगम निमाई, सहायक प्रोफेसर, ने नई दिल्ली के निफ्ट में 15-17 अक्टूबर, 2018 से क्राफ्ट क्लस्टर पहल पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• श्री एस. डी. बुहरॉय, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस, ने 29 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2018 तक निफ्ट, मुंबई में क्रिएटिव पैटर्न मेकिंग पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• सुश्री टीशिंग डी. भूटिया, सहायक प्रोफेसर, एफपी ने निफ्ट हेड ऑफिस में 23-25 नवंबर, 2018 तक पाठ्यक्रम लेखन पर कार्यशाला में भाग लिया।

• श्री अर्नब बनर्जी, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट कोलकाता में 4-8 मार्च, 2019 तक 'कंज्यूमर न्यूरोसाइंस: अंडर्स्टेंडिंग फैशन कंज्यूमर्स थ्रु न्यूरो-मार्केटिंग' पर अनुकूलित घरेलू प्रशिक्षण में भाग लिया।

• एफपी शिक्षक सदस्यों ने वीसी द्वारा सामाजिक डिजाइन का परिचय पर टीओटी में भाग लिया।

• सुश्री फिरालिंडा मारबानियांग, सहायक प्रोफेसर, एफडी विभाग नई दिल्ली में 24-29 मार्च, 2019 से शिक्षक प्रेरण कार्यक्रम में शामिल हुई।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रदर्शनियों / व्यापार मेलों/ बैठकों में शिक्षक की भागीदारी

• श्री अंगम निमाई, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस विभाग ने 24 अगस्त, 2018 को गुवाहाटी में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में 'कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और उद्यमिता' विषय पर एक चर्चा की।

• एफडी विभाग के शिक्षक सदस्यों ने छात्रों के साथ 2 नवंबर, 2018 को थडलास्केन, लाड मुखला, जवई में एनएच 7 संगीत समारोह का दौरा किया। एनएच 7 एक वार्षिक संगीत समारोह है, जो अपने विविध कलात्मक लाइनअप के लिए जाना जाता है और बड़ी संख्या में स्थापित और उभरते हुए स्थानीय कलाकारों के साथ कई अंतरराष्ट्रीय कृत्यों की मेजबानी करता है।

• सुश्री औरिनेता दास और सुश्री एम ब्लाह, एफडी विभाग के शिक्षक सदस्यों ने छात्रों के साथ 20 मार्च, 2019 को शिलांग में 7 वें अंतर्राष्ट्रीय लियो एक्सपो, 2019 का दौरा किया। यह एक्सपो मिस्र के देशों के व्यापारियों से बिक्री के लिए कई उत्पाद पेश करता है। थाईलैंड, तुर्की, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के एक्सपो में विभिन्न स्थानीय और क्षेत्रीय ब्रांडों के स्टॉल भी होंगे।

• 8 मार्च, 2019 को, एडी-IV सेमेस्टर के छात्रों ने अपने शैक्षिक अध्ययन दौरे के भाग के रूप में, शिलांग के लिए डॉन बॉस्को सेंटर फॉर इंडिजिनस कल्चर का दौरा किया। शिलांग में डॉन बॉस्को संग्रहालय एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जो उत्तर पूर्व भारत के स्वदेशी लोगों की समृद्ध और बहु-सांस्कृतिक जीवन शैली की झलक प्रदान करता है।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

• श्री सैलेक्स न्हेयांगबैंग, डिजाइनर और निफ्ट के पूर्व छात्र ने 26 अप्रैल, 2018 को फैशन डिजाइन के छात्रों के लिए 'स्थिरता और शिल्प अध्ययन' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

• जुलाई और अगस्त माह में, निम्नलिखित संसाधन व्यक्तियों ने विभिन्न ऐच्छिक और प्रमुख विषयों पर छात्रों के लिए नीचे दिए गए अनुसार विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की:

• 15 वर्षों के लंबे अनुभव के साथ योग शिक्षक श्री मलय मंडल द्वारा योग तकनीक।

• रॉयल ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, गुवाहाटी, संचार विभाग में श्री सत्यके डी कॉम भुइयन, मेंटर द्वारा व्यक्तित्व विकास।

• सेंट थॉमस लिम, सहायक प्रोफेसर, सेंट एंथनीज कॉलेज शिलांग द्वारा महत्वपूर्ण सोच पर वार्ता प्रस्तुत की ।

• श्री मेबनमफैंग लिंगदोह, एचओडी, मार्टिन लूथर क्रिश्चन विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा संगीत।

• सुश्री रिदहुनलिन लिंडम, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक, खेल और युवा मामले निदेशालय, मेघालय सरकार द्वारा फिटनेस।

• सुश्री बबीरा जी मोमिन, वरिष्ठ कोच, खेल और युवा मामले निदेशालय, मेघालय सरकार द्वारा खेल।

• अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, शिलांग के सहायक प्रोफेसर श्री अबीर सुकियांग द्वारा संचार।

• सुश्री वेंडी डखर, पेशेवर मेकअप विशेषज्ञ द्वारा सौंदर्य और मेकअप

• श्री दीपक सिंह, संयुक्त संपादक, मेघालय टाइम्स द्वारा फिल्म प्रशंसा।

• सुश्री जसबीन घोष दस्तीदार, प्रिंसिपल, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कल्चर, असम द्वारा भारतीय इतिहास।

• श्री धर्मेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय द्वारा फ्रेंच भाषा।

• डॉ. बसव रॉय चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम शिलांग ने 19 सितंबर, 2018 को फैशन मैनेजमेंट स्टडीज पर छात्रों के साथ बिजनेस एनालिटिक्स के परिचय पर बात की।

• टच स्टोन ट्रेनिंग के सीईओ विक्रमादित्य चौधरी ने 21-22 सितंबर, 2018 को अंतिम वर्ष के छात्रों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की।

• फैशन मैनेजमेंट स्टडीज के छात्रों ने 7 सितंबर, 2018 ने सीआईआई प्रायोजित पूर्वोत्तर स्टार्टअप और उद्यमिता आउटरीच 2018, शिलांग का दौरा किया।

• मिस्टर क्रेग डोमिनिक पिंटो, निफ्ट शिलांग एलुमनीस ने 31 अक्टूबर, 2018 को फैशन मैनेजमेंट स्टडीज के छात्रों के लिए कॉर्पोरेट व्यवसाय नैतिकता पर एक विशेष वार्ता प्रस्तुत की।

• सुश्री दीपशिखा, पीएचडी शोध छात्र, आईआईटी गुवाहाटी ने 24 अक्टूबर, 2018 को फ्यूचर बिजनेस ट्रेंड्स पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की।

• श्री करुणेश वोहरा, निफ्ट के पूर्व छात्र और मुंच डिजाइन वर्कशॉप के सीईओ और प्रमुख डिजाइनर ने पोस्ट मॉडर्न इंडिया- वैश्वीकरण और आभासी डिजाइन और "दी बिजनेस ऑफ डिजाइन" तकनीकी युग में 6-7 मार्च, 2019 को विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की।

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

सुश्री औरीनता दास, सहायक प्रोफेसर, एफडी विभाग ने एफडी विभाग के छात्रों के साथ 22-25 अगस्त, 2018 को मुंबई में आयोजित लक्मे फैशन वीक के 2018 संस्करण में भाग लिया।

सभी एमएफएम सेमेस्टर I के छात्र श्री एस. डी. बुहरॉय, सहायक प्रोफेसर, एफएमएस के साथ 8-12 अक्टूबर, 2018 तक दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उद्योग यात्रा के लिए गए। यात्रा के दौरान उन्होंने शाही उद्योग, फेन्डी लक्जरी रिटेल जैसे प्रसिद्ध उद्योगों का दौरा किया। छात्रों ने शिल्प बाजार अर्थात् दिली हाट और राज्य शिल्प एम्पोरियम का भी दौरा किया।

फाउंडेशन प्रोग्राम डिजाइन विभाग के छात्रों ने 6-7 फरवरी, 2019 से एनईएलए हैंडलूम प्रशिक्षण केंद्र सह उत्पादन इकाई (एनएचटीसीपीयू), मवाकसियांग उमरोह शिलांग का दौरा किया, जो पारंपरिक हैंडलूम फैब्रिक (एरी सिल्क) बुनाई का प्रशिक्षण प्रदान करता है।

फैशन डिजाइन के छात्रों ने अपने उद्योग यात्रा कार्यक्रम के भाग के रूप में 11-15 फरवरी, 2019 के दौरान निम्नलिखित विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया:

• मैसर्स शाही एक्सपोर्ट्स, फरीदाबाद, भारत का सबसे बड़ा परिधान निर्माता और निर्यातक

• मैसर्स अनुपम टेक्स, फरीदाबाद, मुद्रित टी-शर्ट, मेन्स टी-शर्ट और जींस के निर्माता

• मेसर्स एलिगेंट ओवरसीज, गुड़गांव, प्रमुख निर्यातक और टी-शर्ट के विक्रेता, जैकेट

छात्र अपनी औद्योगिक यात्रा के भाग के रूप में भारतीय डिजाइन मेला 2019, ओखला और एनएसआईसी प्रदर्शनी परिसर का दौरा किया। इसके अलावा नीचे कुछ प्रसिद्ध उद्योग घरानों की सूची है जहाँ शिलांग के छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप पूरी की थी:

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड; बेवकोफ ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड; कैरेटलेन; फ्यूचर ग्रुप्स; जेनेसिस लक्जरी फैशन प्राइवेट लिमिटेड; जुनिपर फैशन प्राइवेट लिमिटेड; ऑलिव प्लेनेट; ओरिएंट क्राफ्ट लिमिटेड; पल्लवी फोले बुटीक और ज्वेल्स; पेपे जीन्स; रेडनिक एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड; रेमंड ग्रुप; राइजोम डिजाइन इंक; रितु कुमार; स्पेंसर रिटेल; दी पर्पल टर्टल; वीएफ ब्रांड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड; वोग क्राफ्ट्स एंड डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड; वुमिडि बंगारू ज्वेलर्सज; सफेद डोमस डिजाइन

प्लेसमेंट रिपोर्ट

वर्ष 2017 -18 के लिए आरआईसी शिलांग द्वारा प्रस्तुत कैंपस प्लेसमेंट रिपोर्ट नीचे दी गई है:

विभाग का नाम	पदस्थापित छात्रों की संख्या		कुल
फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर	10	3	13
फैशन डिजाइन	5	13	18
एक्सेसरी डिजाइन	10	2	12

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

स्थिरता और हरित परिसर के लिए निम्नलिखित पहल की गई:

- निफ्ट स्थायी परिसर में जल शोधन संयंत्र की स्थापना
- निफ्ट स्थायी परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना
- अस्थायी परिसर में पुराने फर्नीचर की मरम्मत।
- निफ्ट अस्थायी परिसर में वृक्षारोपण
- कचरे के उचित निपटान और परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु व्हील डस्टबिन की स्थापना।

• वेस्ट टू वैल्थ: 'कचरे का पुनर्चक्रण' पर 14 मार्च, 2019 को एक कार्यशाला आयोजित की गई थी और इसमें अधिकारियों/ शिक्षक सदस्यों / कर्मचारियों / छात्रों / हाउसकीपिंग स्टाफ / कैंटीन और कैफेटेरिया के कर्मचारियों ने भाग लिया, जिसमें सुश्री लिज्डडा डखर, शिक्षक सदस्य और विशेषज्ञ, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, मेघालय सरकार ने दर्शकों को कचरा पृथक्करण के महत्व पर जानकारी दी।

श्रीनगर

महत्वपूर्ण लैंडमार्क और उपलब्धियां

निफ्ट श्रीनगर की छात्रा, सुश्री इशना बिष्ट, एफडी सेमेस्टर VII ने छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत एफआईटी में अपनी इंटर्नशिप पूरी की है। निफ्ट श्रीनगर की छात्रा, सुश्री अदिति डांगे, एफसी, सेमेस्टर V, सत्र 2019-2020 में एक वर्ष के छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत एफआईटी न्यूयॉर्क में शामिल होने जा रही है। कैम्पस के निदेशक और 02 शिक्षक सदस्यों अर्थात् श्री सैयद अजहर, सहायक प्रोफेसर और सुश्री नौशीन काजी, सहायक प्रोफेसर की टीम ने जम्मू कश्मीर के महामहिम राज्यपाल से मुलाकात की और उनके समक्ष निफ्ट श्रीनगर की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कैम्पस के निदेशक और 02 शिक्षक सदस्यों अर्थात् श्री सैयद अजहर, सहायक प्रोफेसर और श्री विजय कांत वर्मा, सहायक प्रोफेसर ने निफ्ट एडमिशन विशेष रूप से 35% मूल निवासियों के लिए आरक्षित सीटों हेतु प्रचार के लिए कारगिल, लेह और लद्दाख का दौरा किया।

अवसंरचना और सुविधाएं

निफ्ट श्रीनगर वर्तमान में अपने अस्थायी परिसर से परिचालित हो रहा है और इसमें छात्रों के साथ-साथ शिक्षक के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं (जीसी लैब के साथ नवीनतम एसएनएलएस मशीनें, पैटर्न बनाने वाली लैब, कंप्यूटर लैब आदि) उपलब्ध है। पिछले वित्तीय वर्ष में नए 20 कंप्यूटर, 2 प्रिंटर स्कैनर, 2 ए3 आकार के स्कैनर प्रिंटर, कॉलेज बस (32 सीटर), छात्रों के लिए कैंपस वाहन, लॉकर्स, विभागीय भंडारण अलमारी, नई कक्षाओं के लिए फर्नीचर खरीदे गए थे। सामग्री प्रयोगशाला और स्टेशनरी आउटलेट स्थापित करने के लिए एक नया स्पेस / कक्ष बनाया गया था।

परियोजनाएं

निफ्ट श्रीनगर अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार के की यूएसटीटीएडी परियोजना में भी योगदान दे रहा है, जिसके अंतर्गत उन्होंने नैदानिक अध्ययन और टिल्ला कढ़ाई शिल्प में दो कार्यशालाएँ पूरी की हैं। लगभग 50 नए उत्पादों को डिजाइन और विकसित किया गया है जिन्हें क्राफ्ट म्यूजियम, नई दिल्ली में भी प्रदर्शित किया गया था।

छात्र प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

निफ्ट रायबरेली में आयोजित कन्वर्ज 2018 में 50 छात्रों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम में 3 पदक जीते। निफ्ट श्रीनगर ने अपने पहले स्पेक्ट्रम, दो दिवसीय कार्यक्रम को आयोजित किया, जहां कई स्थानीय कॉलेजों ने इस आयोजन में भाग लिया। निफ्ट श्रीनगर ने विभिन्न खेलों, सांस्कृतिक और साहित्यिक आयोजनों में विभिन्न पदक और प्रमाण पत्र जीते। स्पेक्ट्रम इवेंट में निफ्ट श्रीनगर के छात्रों द्वारा एक फैशन शो का आयोजन और संचालन भी किया गया।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

बैच 2016-2020 के छात्रों ने 5 चुने हुए कलस्टरों के साथ काम किया और चयनित शिल्प (टिल्ला कढ़ाई, सोजनी कढ़ाई, कानी शॉल बुनाई, पापियर माचे मोल्डिंग और पेंटिंग) पर अनुसंधान और प्रलेखन किया। मुद्रित दस्तावेजों को निफ्ट हेड ऑफिस में जमा किया गया था। बैच 2017-2021 ने चयनित शिल्प (विलो-विकर, पश्मीना वीविंग, कॉपर-वेयर, सोजनी एम्ब्रायडरी, नमदा, आरी वर्क और क्रिवेल एम्ब्रायडरी) के अनुसंधान और प्रलेखन और नैदानिक अध्ययन के लिए 7 क्लस्टर चुने हैं। फैशन संचार 2016-2020 बैच के छात्रों ने स्थानीय शिल्प के विपणन और ब्रांडिंग पर काम किया और शिल्प में गतिविधियों को उजागर करने के लिए वीडियो वृत्तचित्र बनाया।

शिक्षक अभिमुखीकरण, प्रशिक्षण एवं विकास

निफ्ट श्रीनगर के शिक्षक ने नई दिल्ली में सीसी-सीपी मीट, नई दिल्ली में सीआईसी मीट, निफ्ट हैदराबाद में पाठ्यक्रम पुनर्गठन कार्यशाला, शिमला में यूनिवर्सल प्रशिक्षण और साथ ही निफ्ट नई दिल्ली में इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएं

उद्योग और परिसर द्वारा संचालित की गई बाहरी गतिविधियाँ

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II फैक्टरी वुड आर्ट

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II पेपरसिटी

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II अब्दुल कादिर शेख एवं सन (अखरोट लकड़ी इकाई)

फैशन डिजाइन सेमेस्टर IV शिल्प संग्रहालय (एचआईटी)

फैशन डिजाइन सेमेस्टर VI शिल्प संग्रहालय (आईसीसीआईएफ)

फैशन डिजाइन सेमेस्टर एफडी VI शुद्ध बुनाई (डाइंग और प्रिंटिंग यूनिट)

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II जकुरा (खतीब स्टूडियो)

फैशन संचार सेमेस्टर VI जकुरा (खतीब स्टूडियो)

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II खय्यम क्लस्टर

फैशन संचार सेमेस्टर IV तनिष्क शोरूम

फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II शिल्प संग्रहालय और कागज की लुगदी क्लस्टर

फैशन संचार सेमेस्टर IV और फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II फोटोग्राफी निलनागलेक

फैशन संचार सेमेस्टर IV और फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II चारारी-ए-शरीफ श्राइन

फैशन संचार सेमेस्टर IV और फाउंडेशन प्रोग्राम सेमेस्टर II दाचीगाम / एसपीएस संग्रहालय

फैशन संचार सेमेस्टर IV एवं VI रेडियो कश्मीर

फैशन डिजाइन सेमेस्टर VI एवं IV शिल्प संग्रहालय

उद्योग संपर्क (यात्रा और छात्र इंटर्नशिप)

एफसी बैच 2016-2020 के कुल 13 छात्रों ने नई दिल्ली, मुंबई, बनारस और अन्य शहरों में विभिन्न कंपनियों के साथ 8 सप्ताह की इंटर्नशिप की।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर

परिसर के सभी छात्रों ने सिडको औद्योगिक एस्टेट में सफाई अभियान में भाग लिया। परिसर के भीतर वृक्षारोपण भी किया गया था।

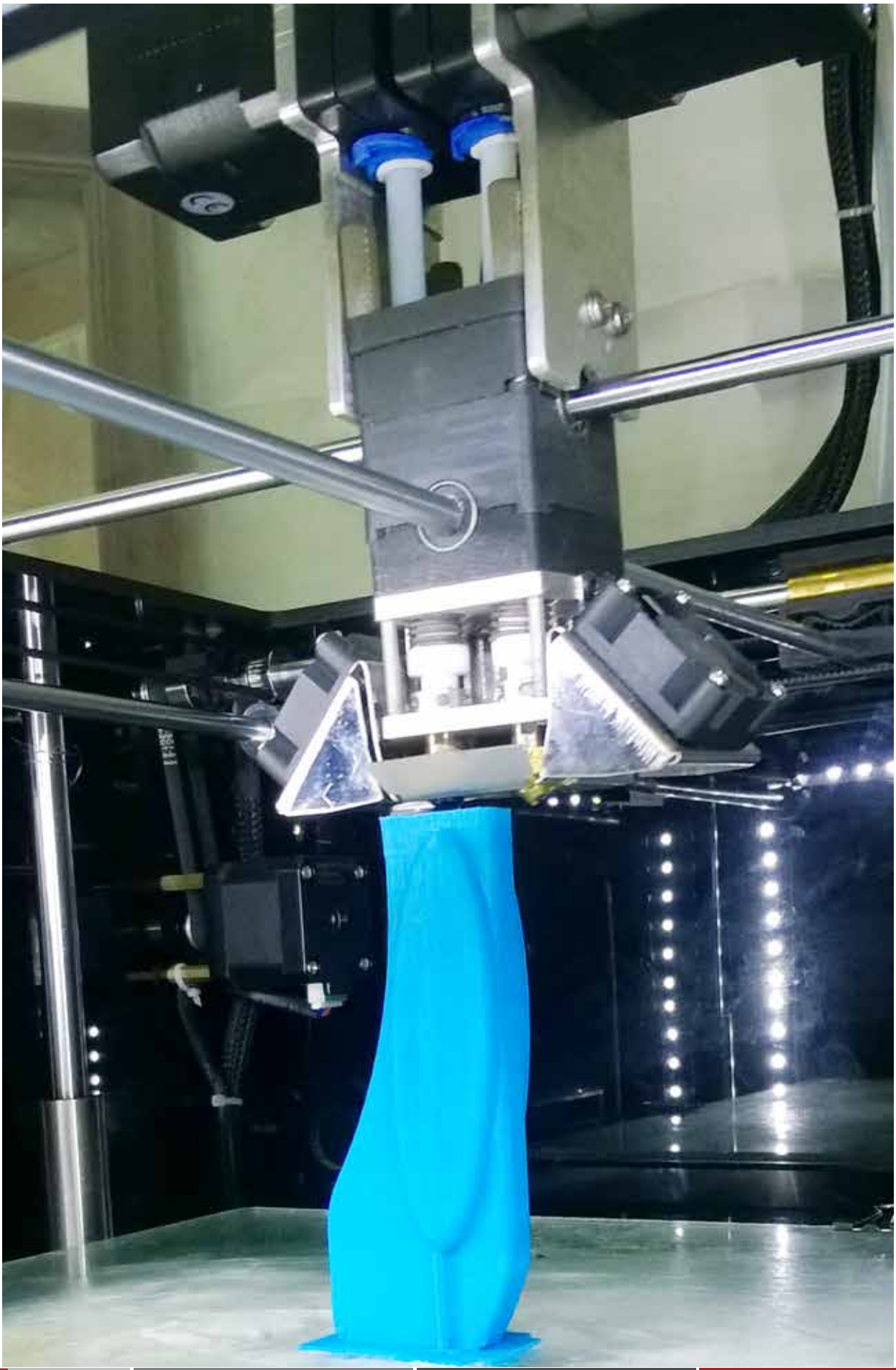

लेखा परीक्षक रिपोर्ट और लेखों का विवरण
वित्तीय वर्ष 2018-19

31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के लेखा खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2006 की धारा 21(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा शर्तें) अधिनियन 1971 की धारा 19 (2) के तहत राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), नई दिल्ली की दिनांक 31 मार्च, 2019 के अनुसार तुलन पत्र तथा उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा-परीक्षा की है। इन वित्तीय वक्तव्यों में बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पटना, रायबरेली, शिलांग और श्रीनगर में स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के 16 केंद्रों के खाते भी शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करना निफ्ट प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय वक्तव्यों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, सर्वश्रेष्ठ लेखांकन प्रक्रियाओं के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानकों और प्रकटन संबंधी मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन संव्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। विधि, नियम और विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) तथा कार्यकुशलता एवं कार्य निष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन देनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हो, तो निरीक्षण रिपोर्ट / सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से अलग-अलग रिपोर्ट की गई हैं।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम लेखापरीक्षा की ऐसी योजना बनाएँ और उसका कार्यनिष्पादन इस प्रकार करें कि हमें इस संबंध में यह युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त हो सके कि वित्तीय वक्तव्य मिथ्या कथन से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच के आधार पर परीक्षण किया जाना शामिल होता है। लेखापरीक्षा में प्रबंधन के द्वारा उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करना शामिल है, साथ ही साथ वित्तीय वक्तव्यों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारी ऑडिट हमारी राय को एक युक्तिसंगत आधार प्रदान करेगी।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम यह सूचित करते हैं कि:

i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

ii) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहारित तुलन पत्र, आय और व्यय लेखा खाता तथा प्राप्ति और भुगतान लेखे, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), नई दिल्ली द्वारा समुचित लेखा पुस्तकें और अन्य प्रासंगिक अभिलेख रखे गए हैं, जहां तक कि लेखा बहियों की हमारे द्वारा की गई परीक्षा से प्रतीत होता है।

iv) हम यह भी सूचित करते हैं कि:

लेखा खातों पर टिप्पणियां

क तुलन पत्र

क. 1 देयताएं

क.1.1 रिजर्व और अधिशेष (अनुसूची -2) - पूंजी रिजर्व: सरकारी अनुदान

क.1.1.1 वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान - ₹ 31.40 करोड़

उपर्युक्त विवरण में फरवरी, 2018 में श्रीनगर में निफ्ट स्थायी परिसर के निर्माण के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर राज्य औद्योगिक विकास निगम (जे. एंड के. सिडको) को भुगतान की गई ₹ 5.00 करोड़ के अनुदान की राशि शामिल नहीं है, इस तथ्य के बावजूद कि जे. एंड के. सिडको द्वारा मार्च 2019 में संस्थान को प्रस्तुत किए गए उपयोगिता प्रमाणपत्र में उपरोक्त अनुदान का विवरण शामिल था। इसलिए, यह राशि 31 मार्च, 2019 को संस्थान के लेखा खातों में बनी हुई है।

इसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान में 5.00 करोड़ रुपये की राशि का अल्पकथन हुआ है और इसी राशि का पूंजीगत प्रगति कार्य (सीडबल्यूआईपी) में भी परिणामस्वरूप अल्पकथन हुआ है।

क.1.1.2 सरकारी अनुदान - अप्रयुक्त सरकारी अनुदान - ₹100.01 करोड़

उपरोक्त में श्रीनगर में निफ्ट स्थायी परिसर के निर्माण के लिए कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर राज्य औद्योगिक

विकास निगम (जे. एंड के. सिडको) को भुगतान की गई अग्रिम राशि ₹ 30.48 करोड़ शामिल हैं। जे. एंड के. सिडको ने मार्च 2019 में 35.48 करोड़ रुपए (राज्य सरकार के 5 करोड़ रुपए के हिस्से सहित) के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। हालांकि, संस्थान ने इस अग्रिम राशि को समायोजित नहीं किया और 31 मार्च, 2019 को उपर्युक्त सरकारी अनुदान को अभी भी अप्रयुक्त सरकारी अनुदान के रूप में दिखाया गया है।

इसके परिणामस्वरूप अप्रयुक्त सरकारी अनुदान में 30.48 करोड़ रुपए की राशि का अतिकथन हुआ है और वर्ष के दौरान इसी राशि का पूंजीकृत अनुदान में अल्पकथन हुआ है। इसके अलावा, इसके परिणामस्वरूप वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिम में रु 29.93 करोड़[1] की राशि का अतिकथन हुआ है और इसके कारण सीडब्ल्यूआईपी में भी इतनी ही राशि का अल्पकथन हुआ है।

क. 2 परिसंपत्तियां

क.2.1 अचल परिसंपत्तियां (अनुसूची-8)

क.2.1.1 जारी पूंजीगत कार्य (भवन) - ₹230.77 करोड़

(i) वर्ष 2017-18 के लिए संस्थान के खातों पर सीएजी की टिप्पणी संख्या-क.2.1.1 का संदर्भ लें, जिसमें यह बताया गया था कि संस्थान ने दिल्ली केंद्र के लड़कियों के छात्रावास और रसोई ब्लॉक का पूंजीकरण नहीं किया है, जिसका जुलाई 2015 से उपयोग किया जा रहा है। दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) ने अगस्त, 2018 में दिल्ली केंद्र के पूरे परिसर को सौंप दिया है। इंगित किए जाने के बावजूद, संस्थान ने अभी तक इसे पूंजीकृत नहीं किया है और ₹58.73 करोड़ की राशि का पूरा व्यय जारी पूंजीगत कार्य (सीडबल्यूआईपी) में रखा गया है। इसके अलावा, जून 2018 में डीएसआईआईडीसी को भुगतान की गई राशि रुपए 3.00 करोड़ को ठेकेदार को अग्रिम के रूप में दिखाया गया है।

उपरोक्त भवन के गैर पूंजीकरण के परिणामस्वरूप सीडब्ल्यूआईपी में 58.73 करोड़ रुपए की राशि का और रुपए 3.00 करोड़ की राशि द्वारा ठेकेदार को अग्रिम का अतिकथन हुआ है और इसके परिणामस्वरूप अचल परिसंपत्तियां (भवन) में 60.73 करोड़ (₹1.00 करोड़ का मूल्यह्रास प्रदान करने के बाद) की राशि का अल्पकथन हुआ है।

इसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान ₹1.00 करोड़ रुपये की राशि से आस्थगित राजस्व आय और प्रभारित मूल्यह्रास का भी अल्पकथन हुआ है।

(ii) उपरोक्त में 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार श्रीनगर, जम्मू कश्मीर में निफ्ट परिसर के निर्माण के लिए जम्मू-कश्मीर सिडको को प्रदान किए गए 5.97 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि शामिल है। श्रीनगर परिसर द्वारा 5.97 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि सहित रुपए 35.55 करोड़ की राशि को जारी कार्य (डबल्यूआईपी) में दिखाया गया है। तदनुसार, सीडब्ल्यूआईपी का मूल्य संस्थान द्वारा दर्ज किए गए 35.55 करोड़ रुपए के बजाय केवल 29.58 करोड़ (₹ 35.55 करोड़ - ₹ 5.97 करोड़) होना चाहिए था और ₹5.97 करोड़ की शेष राशि ठेकेदार को अग्रिम के रूप में दिखाया जाना चाहिए था। यह मुद्दा वर्ष 2017-18 के लिए संस्थान के खातों पर सीएजी की टिप्पणी संख्या क.2.1.1 (ii) में भी उठाया गया था। हालांकि, इस संबंध में कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

इसके परिणामस्वरूप सीडब्ल्यूआईपी में 5.97 करोड़ रुपए की राशि का अतिकथन हुआ है और वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों में को उसी राशि का अल्पकथन हुआ है।

(iii) उपरोक्त में अक्टूबर, 2014 में अस्थायी परिसर से स्थायी परिसर में स्थानांतरित करते समय पटना कैंपस द्वारा बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए), पटना को सौंपी गई अचल संपत्तियों का मूल्य 0.72 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। इन अचल संपत्तियों के भुगतान के संबंध में किसी भी समझौते की अनुपस्थिति में और संस्थान की मांग के लिए बीआईएडीए की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं होने के मद्देनजर, इन अचल संपत्तियों को बट्टे खाते में डाला जाना चाहिए था।

सीडब्ल्यूआईपी में उपरोक्त परिसंपत्तियों को शामिल करने के परिणामस्वरूप पूंजीगत प्रगत कार्य में ₹ 0.72 करोड़ का अतिकथन हुआ है और परिणामी अधिशेष में भी उसी सीमा तक अतिकथन हुआ है।

क.2.2 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची-11)

क.2.2.1 विविध देनदार - ₹ 25.06 करोड़

(i) उपर्युक्त में 10 करोड़ रुपये की राशि शामिल है जो छठे केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के कारण वेतन और भत्तों के प्रति अतिरिक्त देयता के कारण वस्त्र मंत्रालय से वसूलनीय रूप में दिखाया गया है। चूंकि वस्त्र मंत्रालय द्वारा उपरोक्त राशि जारी नहीं की गई है और उन्होंने यह अवगत कराया गया है कि छठे वेतन आयोग के बाबत कोई अतिरिक्त राशि

[1] जम्मू-कश्मीर सिडको ने वर्ष 2017-18 के लिए संस्थान को प्रस्तुत यूसी के अनुसार उन्हें प्रदान की गई राशि से अधिक 0.55 करोड़ रुपए व्यय किए हैं। उसी राशि को संस्थान द्वारा वर्ष 2018-19 के दौरान समायोजित किया गया था।

नहीं दी जाएगी, इस संदिग्ध वसूली के लिए आवश्यक प्रावधान किया जाना चाहिए था जैसा कि लगातार वर्ष 2011-12 से अलग लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पहले ही टिप्पणी की जा चुकी है।

बार-बार बताए जाने के बावजूद संस्थान द्वारा संदिग्ध वसूली के लिए प्रावधान नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप ऋण और अग्रिमों के साथ-साथ अधिशेष में 10.00 करोड़ रूपए का अतिकथन हुआ है।

(ii) उपर्युक्त में व्यापार सुविधा केन्द्र, वाराणसी में विजुयल मर्चेंडाइजिंग, मुख्य द्वार और खुले स्थान की सजावट के लिए संस्थान द्व ारा किए गए कार्यों के लिए वस्त्र मंत्रालय से वसूली योग्य 0.51 करोड़ रुपए की राशि शामिल नहीं है।

इसके परिणामस्वरूप विविध देनदारों के साथ-साथ अधिशेष में भी ₹ 0.51 करोड़ की राशि का अल्पकथन हुआ है।

क.2.2.2 प्राप्य दावे: टीडीएस और वसूली योग्य कर (अनुबंध - 27) - ₹ 2.83 करोड़

वर्ष 2006-07 से 2018-19 के लिए फाइल की गई आयकर रिटर्न (आईटीआर) के अनुसार, 2.59 करोड़ रुपए टीडीएस काटा गया और कर विभाग के पास जमा किया गया और इसके लिए मार्च 2019 तक कर विभाग ने 1.16 करोड़ रुपए की राशि का रिफंड जारी किया है। इस प्रकार, टीडीएस प्राप्य को, 1.43 करोड़ रुपए दिखाया जाना चाहिए था, जबकि, संस्थान ने वर्ष 2006-07 से 2018-19 तक के वर्षों के लिए 1.87 करोड़ रुपए की राशि को आयकर विभाग से टीडीएस प्राप्य के रूप में दिखाया गया है।

इसके परिणामस्वरूप प्राप्य दावों में 0.44 करोड़ रुपए का अतिकथन हुआ है और अधिशेष में इसी राशि का अतिकथन हुआ है।

क.2.2.3 अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या अन्य प्रकार में वसूलनीय या प्राप्य मूल्य- 61.76 करोड़ रुपए

उपरोक्त में राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरयूडीएसआईसीओ) को फर्नीचर और फिक्स्चर की खरीद के लिए 3.10 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान शामिल है। उपरोक्त परिसंपत्ति अक्टूबर 2017 में संस्थान को आरयूडीएसआईसीओ से कुल ₹ 4.10 करोड़ की लागत पर प्राप्त हुई थी, हालांकि, संस्थान ने अभी तक इसे पूंजीकृत नहीं किया है।

इसके परिणामस्वरूप अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या अन्य प्रकार में वसूलनीय या प्राप्य मूल्य का 3.10 करोड़ रुपए द्वारा अतिकथन हुआ है और अचल परिसंपत्तियों में 4.10 करोड़ रुपए की राशि का अल्पकथन हुआ है और विविध लेनदार में भी 1.00 करोड़ रुपए की राशि का अल्पकथन हुआ है।

ख. 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

ख.1 आस्थगित राजस्व आय- ₹ 21.78 करोड़

पूर्व अवधि आय - ₹ 32.37 करोड़

उपर्युक्त में लेखा मानक (एएस)-12 (सरकारी अनुदान का लेखाकरण) के कार्यान्वयन के कारण आय और व्यय खाते में बुक किए गए 51.14 करोड़ (₹ 21.78 करोड़ रुपये वर्तमान वर्ष के दौरान और ₹ 29.36 करोड़ पूर्व वर्ष के लिए) की स्थगित मूल्यह्रास की राशि शामिल हैं। संस्थान ने रुपए 698.94 करोड़ (शुद्ध आस्थगित मूल्यह्रास) की सरकारी अनुदान को पूंजीकृत किया है, हालांकि, सरकारी अनुदान से संबंधित शुद्ध परिसंपत्ति का मूल्य ₹ 664.23 करोड़ दिखाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2019 को खाता बहियों में पूंजीकृत अनुदान और इससे बनाई गई शुद्ध परिसंपत्ति में 34.71 करोड़ रुपए का अंतर उत्पन्न हो गया है।

पिछले वर्ष की अलग ऑडिट रिपोर्ट में बताए जाने के बावजूद संस्थान ने 31 मार्च, 2019 तक सरकारी अनुदान और स्वयं के फंड से बनाई गई संपत्ति के बीच के अंतर को समायोजित नहीं किया है।

ग सामान्य टिप्पणी

(i) संस्थान ने विभिन्न ठेकेदारों और उसके कर्मचारियों को लंबे समय से लंबित अग्रिम भुगतानों के लिए 0.62 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान आय और व्यय खाते के माध्यम से प्रभारित करने की बजाय, सीधे कॉर्पस / कैपिटल फंड की अनुसूची में किया है।

(ii) संस्थान द्वारा सृजित की गई अचल परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। (क) केंद्रीय अनुदान, (ख) राज्य अनुदान, (ग) एंडॉवमेंट निधि और (घ) स्वयं के स्रोतों से सृजित परिसंपत्तियां। अनुसूची 8 - समेकित अचल परिसंपत्तियों का विवरण तदनुसार संस्थान द्वारा चार उप-अनुसूचियों में तैयार किया गया है अर्थात क्रमश: 8-क, 8-ख, 8-ग और 8-घ, हालांकि, इन उप-अनुसूचियों को वित्तीय विवरण का हिस्सा नहीं बनाया गया है। लेखापरीक्षा के दौरान यह भी संज्ञान में आया कि 31 मार्च, 2019 को निर्धारित / एंडोमेंट फंड से खरीदी गई संपत्ति अनुसूची संख्या-1 (कॉर्पस / कैपिटल फंड), अनुसूची संख्या- 3 (निर्धारित / एंडॉवमेंट निधि) और अनुसूची संख्या-8-सी (एंडॉवमेंट निधि से अचल परिसंपत्ति) में दिखाए गए आंकड़ों का मिलान नहीं हो रहा है और उपर्युक्त सभी तीनों अनुसूचियां अलग-अलग आंकड़े प्रदर्शित कर रही हैं (क्रमश: रु 7.64 करोड़, रु 5.57 करोड़ और

रु 8.56 करोड़)। इसलिए, ऑडिट यह प्रमाणित करने में असमर्थ है कि वास्तव में निर्धारित / एंडॉवमेंट निधि से कितनी परिसंपत्तियां खरीदी गई हैं।

(iii) संस्थान में छह निर्धारित / एंडॉवमेंट निधि अर्थात गतिविधि शुल्क निधि, विभाग विकास निधि, पूर्व छात्र संघ कोष, केंद्र विकास निधि, परिसर विकास निधि और सतत शिक्षा कार्यक्रम निधि हैं। लेखापरीक्षा ने पाया कि संस्थान ने इन निर्धारित / एंडॉवमेंट निधि में आय को जमा करने की एक समान प्रथा का पालन नहीं किया, क्योंकि आय और व्यय खाते के माध्यम से 7.27 करोड़ रुपए की आय को क्रेडिट किया गया है और 6.20 करोड़ रुपए की राशि को सीधे निधियों में जमा किया गया है। संस्थान को इस संबंध में एक समान नीति का पालन करना चाहिए।

(iv) मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निर्धारित / एंडॉवमेंट निधि का अंतिम शेष 231.18 करोड़ रुपए था, तथापि, संस्थान द्वारा अग्रेनीत प्रारंभिक शेष 1.19 करोड़ राशि द्वारा अधिक है। अंतर का कारण मुख्यालय से प्राप्य अनुदान पर परिसरों द्वारा अलग-अलग प्रस्तुत किए गए है। जिसे समायोजित किए जाने की आवश्यकता है।

घ. अनुदान सहायता

निफ्ट में विगत वर्षों से संबंधित रुपए 32.17 करोड़[2] की अप्रयुक्त अनुदान राशि शेष थी। भारत सरकार ने वर्ष 2018-19 के दौरान निफ्ट को 18.63 करोड़ रुपए की राशि का अनुदान दिया है। इसके अलावा, 11.85 करोड़ रुपए का अनुदान जो पिछले वर्ष के दौरान खातों में शेष था, को अब इसमें जोड़ दिया गया है। अप्रयुक्त अनुदान राशि को जमा कर दिया गया है और इस पर 1.68 करोड़ रुपए की ब्याज राशि अर्जित की गई है। ₹ 64.33 करोड़ के कुल अनुदान में से, 2.32 करोड़ (पूंजीगत व्यय के लिए कुल 1.98 करोड़ रुपए और राजस्व के लिए 0.34 करोड़ रुपए) का उपयोग किया गया है और चालू वर्ष में 31 मार्च, 2019 को अप्रयुक्त शेष की राशि 62.01 करोड़ रुपए है।

संस्थान के पास पूर्व वर्षों के दौरान राज्य सरकारों से प्राप्त अनुदान रुपए 65.17 करोड़ रुपए की अप्रयुक्त राशि शेष थी। इसके अलावा, चालू वर्ष में 0.69 करोड़ का अनुदान वापस जोड़ दिया गया है जिसे पिछले वर्ष के दौरान गलत तरीके से समायोजित किया गया था। वर्ष 2018-19 के दौरान उपलब्ध अनुदान को जमा कर दिया गया है और इस पर 2.01 करोड़ रुपए की ब्याज राशि अर्जित की गई है। ₹ 67.87 करोड़ की कुल अनुदान राशि में से, वर्ष 2018-19 के दौरान 29.88 करोड़ रुपए की अनुदान राशि उपयोग की गई थी और 31 मार्च, 2019 को 37.99 करोड़ रुपए की अनुदान राशि अनुपयुक्त रही।

हालांकि, अनुदान के लेखांकन में विसंगतियों के कारण जैसा कि टिप्पणी संख्या क.1.1.1 और घ द्वारा इंगित किया गया है, वित्तीय विवरणों ने प्राप्त की गई अनुदान की सही स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं किया है।

v) पूर्ववर्ती अनुच्छेद में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे, लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और लेखों की टिप्पणियों के साथ पठित है और ऊपर उल्लेखित महत्वपूर्ण मामलों और अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, आम तौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

क) यह 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के वित्तीय विवरण के तुलन पत्र से संबंधित है; तथा

ख) यह उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों एवं अधिशेष से संबंधित है।

हस्ता / -
(कमलजीत सिंह रामूवालिया)
महानिदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा
एवं पदेन सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड- II
नई दिल्ली

[2] पिछले वर्ष की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) के अनुसार, अप्रयुक्त अनुदान की शेष राशि 65.18 करोड़ रुपए थी, हालाँकि, प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार इसे 32.17 करोड़ रुपए दिखाया गया है। प्रबंधन द्वारा इस राशि का समायोजन प्रदान नहीं किया गया था।

पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

आंतरिक लेखा परीक्षा संस्थान द्वारा नियुक्त की गई चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म द्वारा की जा रही है और यह वर्ष 2018-19 के लिए पूरी हो गई है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निफ्ट के कार्यकलापों, आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं है और अपर्याप्त है। अनुदान और एंडॉवमेंट निधि के लेखांकन और प्रस्तुति, अचल परिसंपत्तियों का लेखांकन और इसके पूंजीकरण के लिए प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है।

3. अचल परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:

वर्ष 2018-19 के लिए, बेंगलुरू परिसर को छोड़कर अन्य की अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन पूरा कर लिया गया है। भुवनेश्वर परिसर के मामले को छोड़कर, कोई विसंगति नहीं मिली है, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड (आईडीसीओ) द्वारा आपूर्ति की गई परिसंपत्तियों के समायोजन का कार्य जारी था (अक्टूबर 2019)।

4. माल सूची (इन्वेंट्री) के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:

निफ्ट द्वारा 31.03.2019 तक कोई भी माल सूची (इन्वेंट्री) नहीं बनाई गई थी।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता:

संस्थान ने वर्ष 2018-19 के दौरान सांविधिक देय राशि नियमित रूप से जमा की थी।

हस्ता / -
निदेशक (बीमा)

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर-लाभ संगठन)
संस्था का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र

राशि लाख रुपये में

कॉरपस / पूंजीगत निधि और देयताएं	अनुसूची	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
कॉरपस / पूंजीगत निधि	1	62,189.04	48,882.83
आरक्षित और अधिशेष	2	79,895.39	81,800.98
निर्धारित/अक्षय निधि	3	24,537.81	23,118.23
सुरक्षित ऋण और उधार	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण और उधार	5	0.00	0.00
आस्थागत क्रेडिट देयताएं	6	0.00	0.00
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	7	23,382.16	23,959.94
कुल		**1,90,004.40**	**1,77,761.98**
परिसंपत्तियाँ			
अचल परिसंपत्तियाँ	8	73,118.80	72,488.41
निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश	9	0.00	0.00
निवेश - अन्य	10	3,253.25	6,391.27
चल संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	1,13,632.35	98,882.30
विविध व्यय (बट्टे खाते या समायोजित होने की सीमा तक)		0.00	0.00
कुल		**1,90,004.40**	**1,77,761.98**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	26	संलग्न
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियाँ	27	संलग्न

द्वारा समेकित :
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए पराग हंगेकर)	**(सुप्रिया मिश्रा)**	**(बीके पांडे)**	**(शारदा मुरलीधरन)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले.)**	**निदेशक (वि.व.ले.)**	**महानिदेशक**
सदस्यता संख्या 110096			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21-06-2019

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर-लाभ संगठन)
संस्था का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

राशि लाख रुपये में

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
क. आय			
बिक्री / सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान / सब्सिडी	13	378.99	449.42
फीस / अंशदान	14	32,354.22	27,806.38
निवेश से आय	15	239.72	66.67
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	0.00	0.00
ब्याज अर्जित	17	4,534.98	4,477.50
अन्य आय	18	484.23	460.17
तैयार स्टॉक और प्रगत कार्य में कमी/वृद्धि	19	0.00	0.00
आस्थगित राजस्व आय		2,177.59	2,689.10
कुल - (क)		**40,169.73**	**35,949.24**
ख. व्यय			
शैक्षणिक व्यय	20	6982.82	5,540.56
स्थापना व्यय	21	14,950.54	13,626.58
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	4,419.24	3,945.47
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	23	0.00	0.00
ब्याज / बैंक शुल्क और कमिशन	24	1.52	1.39
मूल्यह्रास (साल के अंत में शुद्ध कुल अनुसूची - 8 से संबंधित)		3,249.78	3,506.49
कुल - (ख)		**29603.91**	**26,620.50**
वर्ष के लिए व्यय पर आय का आधिक्य शेष ग = (क-ख)		**10,565.82**	**9,328.74**
जमा: पूर्व अवधि आय (घ)	25	3,237.46	17,307.31
घटा: पूर्व अवधि व्यय (ड़)		471.89	1,064.18
व्यय पर आय का आधिक्य निवल शेष (ग+ घ-ड़)		**13,331.39**	**25,571.87**
डीडीएफ / सीडीएफ को हस्तांतरित		727.00	567.93
कॉरपस/पूंजीगत निधि में अंतरित अधिशेष/बकाया		**12,604.39**	**25,003.94**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	26	संलग्न	
आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियाँ	27	संलग्न	

द्वारा समेकित :
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए पराग हंगेकर)	**(सुप्रिया मिश्रा)**	**(बीके पांडे)**	**(शारदा मुरलीधरन)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले.)**	**निदेशक (वि.व.ले.)**	**महानिदेशक**

सदस्यता संख्या 110096

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 21-06-2019

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर-लाभ संगठन)
राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान
31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा

राशि लाख रुपये में

प्राप्तियां	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018	भुगतान	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
अथ शेष			**व्यय**		
क) हाथ नगदी	1.25	1.23	शैक्षणिक व्यय	5546.99	4215.25
ख) बैंक शेष			स्थापन व्यय	11996.00	11860.01
अनुसूचित बैंकों के खातों में शेष	29771.14	28814.61	प्रशासनिक व्यय	3652.22	3063.98
जमा खातों में शेष	62923.31	55660.37	पूर्व अवधि व्यय	147.29	98.24
			पूर्वदत्त व्यय	68.44	55.45
मुख्यालय द्वारा प्राप्त अनुदान					
भारत सरकार से			**मुख्यालय द्वारा परिसरों को हस्तांतरित अनुदान**		
(क) पूंजी	1863.00	4000.00	भारत सरकार से		
(ख) राजस्व	0.00	0.00	(क) पूंजी	1978.00	3946.57
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	28.82	348.29	(ख) राजस्व	0.00	0.00
अन्य स्रोत से			(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	0.00	350.42
(क) पूंजी	0.00	2.53			
(ख) राजस्व	0.00	1.97	अन्य स्रोत से		
			(क) पूंजी	100.77	7.12
परिसरों द्वारा प्राप्त अनुदान			(ख) राजस्व	12.75	15.70
(या तो मुख्यालय या केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या किसी निकाय से सीधे)					
केन्द्र सरकार /राज्य से			अक्षय निधि		
(क) पूंजी	115.00	2176.03	(क) पूंजी	779.29	381.56
(ख) राजस्व	0.00	0.00	(ख) राजस्व	0.00	0.13
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	18.78	378.33			
अन्य स्रोत से					
(क) पूंजी	0.00	0.00	**अचल संपत्ति भुगतान और सीडब्ल्यूआईपी**		
(ख) राजस्व	48.70	43.79			
अक्षय निधि			क) केंद्र सरकार के अनुदान से संपत्ति की खरीद	55.06	68.58

(क) पूंजी	719.95	374.29	ख) राज्य सरकार के अनुदान से संपत्ति की खरीद	162.57	189.04
(ख) राजस्व	71.67	8.01	ग) अन्य निधियों से संपत्ति की खरीद	1184.00	652.36
			घ) सीडब्ल्यूआईपी भुगतान	271.89	1464.22
शुल्क से आय					
क) आवेदन शुल्क/ प्रवेश शुल्क	986.11	832.01			
(ख) ट्यूशन शुल्क	19927.24	18127.11	**निर्धारित निधि का उपयोग**		
ग) सीई कार्यक्रम शुल्क	940.65	603.67	(क) अक्षय निधि का पूंजी उपयोग	264.19	381.07
(घ) हॉस्टल शुल्क	2882.01	2408.10	(ख) अक्षय निधि का राजस्व उपयोग	12.51	15.94
(ड़) पुस्तकालय शुल्क	886.28	673.91	(ग) अन्य निर्धारित निधि पूंजी	156.42	174.05
(च) अग्रिम में प्राप्त शुल्क	6684.55	5946.40	(घ) अन्य निर्धारित निधि राजस्व	196.46	168.92
(छ) जब्त शुल्क	23.37	49.31			
(ज) अन्य विविध शुल्क	679.28	441.22			
			निवेश		
निवेश से आय	54.67	25.02			
			एलआईसी छुट्टी नकदीकरण योजना	471.62	3182.20
प्राप्त ब्याज			एलआईसी ग्रैच्युइटी योजना	0.00	224.83
क) बैंक खाते पर ब्याज	4190.98	5106.97			
ख) अनुदान पर ब्याज	423.91	384.41			
ग) अक्षय निधि पर ब्याज	1138.68	1212.66	**रिफंड/ अग्रिम**		
घ) अन्य निर्धारित निधि पर ब्याज	275.88	350.37	क) ठेकेदारों को अग्रिम	1580.25	89.33
			ख) कर्मचारी अग्रिम	710.95	467.40
परियोजनाएं - कार्यशाला प्राप्तियाँ			ग) धरोहर राशि	134.50	115.90
क) कार्यशाला और परियोजनाएं से अधिशेष	35.15	33.11	घ) सुरक्षा जमा (छात्र)	262.87	397.91
ख) परियोजना देयताएं (निवल)	281.56	148.94	ड) सुरक्षा जमा (वेंडर)	95.18	119.91
			च) शुल्क वापसी	29.00	39.88
अन्य आय			छ) कोई अन्य वापसी	102.05	299.32
क) पूर्व अवधि आय	47.26	19.54			
ख) परिसंपत्तियों की बिक्री या निपटान	8.56	6.03			

ग) अतिथि गृह प्रभार	7.01	11.48	**पी.वाई. देयता के लिए भुगतान**		
घ) लीज आवास की लाइसेंस शुल्क	3.93	1.25	पूर्व वर्ष का प्रावधान इस साल भुगतान किया	3144.19	4440.01
ड़) आयकर वापसी	19.08	51.48	पूर्व वर्ष की वैधानिक देयता का भुगतान इस साल किया	311.22	233.73
च) अन्य विविध आय	318.13	187.11			
			ब्याज और बैंक शुल्क का भुगतान	1.52	0.59
अंतर परिसर प्राप्तियाँ	228.09	1012.70			
कोई अन्य प्राप्ति			अंतर परिसर भुगतान	986.55	1427.21
क) ठेकेदार से प्राप्त अग्रिम	52.41	61.33			
ख) सुरक्षा जमा सप्लायर / ठेकेदार	134.44	93.57			
ग) सुरक्षा जमा छात्र	497.10	452.11	**अंतिम शेष**		
घ) धरोहर राशि	151.51	117.09	क) नगदी हाथ	1.01	1.25
ड़) पूर्व छात्र निधि	75.64	72.57	ख) बैंक शेष		
च) स्टाफ अग्रिम वापसी	240.14	163.30	अनुसूचित बैंकों के खातों में शेष	32547.83	29771.14
छ) विविध प्राप्ति	768.32	440.29	जमा खतों में	70559.97	62923.29
कुल	**137523.56**	**130842.51**	**कुल**	**137523.56**	**130842.51**

द्वारा समेकित :
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./-	**ह./-**	**ह./-**	**ह./-**
(सीए पराग हंगेकर)	**(सुप्रिया मिश्रा)**	**(बीके पांडे)**	**(शारदा मुरलीधरन)**
साझेदार	**उप निदेशक (वि.व.ले.)**	**निदेशक (वि.व.ले.)**	**महानिदेशक**
सदस्यता संख्या 110096			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21-06-2019

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर-लाभ संगठन)
संस्था का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 1 : कॉरपस / पूंजीगत निधि — **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
वर्ष के प्रारम्भ में शेष राशि	48,882.83		23,006.55	
जमा: एंडॉमेंट /डीडीएफ /सीडीएफ आदि से खरीदी गई परिसंपत्ति (अनुलग्नक 1)	764.15		739.41	
घटा: वर्ष के दौरान समायोजन / हस्तांतरण	62.33		-132.93	
जमा/घटा: आय व्यय लेखे से निवल अधिशेष / घाटा	12,604.39	62,189.04	25,003.94	48,882.83
वर्ष के अंत में शेष		**62,189.04**		**48,882.83**

अनुसूची 2 : आरक्षित और अधिशेष — **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 पूंजीगत आरक्षित				
सरकारी अनुदान				
पूंजीकृत / अप्रयुक्त सरकारी अनुदान				
वर्ष के प्रारम्भ में शेष राशि	9,734.14		10,457.37	
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	1,863.00		3,381.35	
जमा: मुख्यालय द्वारा हस्तांतरित और परिसर द्वारा प्राप्त अनुदान	3,199.95		2,702.00	
जमा: सरकारी अनुदान पर ब्याज (अनुसूची 17 से)	470.17		413.36	
घटा: समायोजन और हस्तांतरण	2,093.48		4,781.07	
घटा: मंत्रालय को वापस की गई अनुदान	0.00		0.00	
घटा: राजस्व घाटे के प्रति समायोजित अनुदान	34.53		6.74	
घटा: वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	3138.16		2,432.13	
कुल	**10,001.08**		**9,734.14**	
पूंजीकृत / प्रयुक्त सरकारी अनुदान				
वर्ष के प्रारम्भ में शेष राशि	91,738.35		85,131.38	
जमा: वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	3,139.81		6,530.10	

घटा: समायोजन / हस्तांतरण, यदि कोई हो	198.95		76.87	
कुल	**94,679.21**		**91,738.35**	
घटा: पूंजी निधि समायोजन (आस्थगित मूल्यह्रास)				
पूर्व वर्ष तक	19,671.51		0.95	
वर्ष के दौरान	2,177.59		2,689.10	
पूर्व समय विधि के लेखे के अनुसार	2,935.80		16,981.46	
कुल	**24,784.90**	**79,895.39**	**19,671.51**	**81,800.98**
2. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित				
पूर्व लेखे के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान वृद्धि	0.00		0.00	
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	**0.00**	0.00	**0.00**
3. विशेष आरक्षित				
पूर्व लेखे के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान वृद्धि	0.00		0.00	
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	**0.00**	0.00	**0.00**
4. सामान्य आरक्षित				
पूर्व लेखे के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान वृद्धि	0.00		0.00	
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	**0.00**	0.00	**0.00**
वर्ष के अंत में शेष		**79,895.39**		**81,800.98**

अनुसूची 3 : निर्धारित / अक्षय निधि **राशि लाख रुपये में**

विवरण	गतिविधि शुल्क निधि	विभाग विकास निधि	पूर्व छात्र संघ निधि	केंद्र विकास निधि	परिसर अक्षय निधि	सतत शिक्षा कार्यक्रम निधि	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
क) अथ शेष	762.13	4,586.86	505.63	960.73	60.37	165.05	7,040.75	6,283.63
निधि में वृद्धि								
i दान /अनुदान	0.00	0.00	0.00	5.20	30.00	0.00	35.20	25.98
ii वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	32.09	214.56	25.63	42.23	0.17	12.55	327.23	254.35

iii वर्ष के दौरान हस्तांतरित	168.96	570.96	7.80	66.56	2.55	48.18	865.01	998.78
iv अन्य वृधि	125.71	276.00	5.22	28.63	33.25	13.21	482.02	50.09
उपजोड़ (क)	**1,088.89**	**5,648.39**	**544.28**	**1,103.35**	**126.33**	**238.99**	**8,750.20**	**7,612.84**
ख) निधि के उद्देश्यों की ओर उपयोगिता/ व्यय								
i पूंजीगत व्यय	14.16	139.42	0.00	30.77	20.89	0.00	205.24	241.83
ii राजस्व	145.79	543.64	1.72	11.58	6.29	0.20	709.22	330.26
उपजोड़ (ख)	**159.96**	**683.06**	**1.72**	**42.34**	**27.18**	**0.20**	**914.46**	**572.09**
परिसर निधि ग = क - ख	**928.93**	**4,965.33**	**542.55**	**1,061.01**	**99.15**	**238.79**	**7,835.76**	**7,040.75**

राशि लाख रुपये में

विवरण	**निफ्ट विकास निधि**	**अक्षय निधि**	**31 मार्च 2019**	**31 मार्च 2018**
घ) निधियों का प्रारंभिक शेष (प्रिंसिपल फंड) (केवल मुख्यालय में)	137.30	10,000.00	10,137.30	10,137.30
निधियों में वृद्धि				
i दान / अनुदान (केवल मुख्यालय में)	0.00	0.00	0.00	0.00
ii अन्य (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00	0.00	0.00
उपजोड़ (घ)	**137.30**	**10,000.00**	**10,137.30**	**10,137.30**
ड़) (i) परिसर द्वारा मुख्यालय से प्राप्त अनुदान	0.00	610.97	610.97	294.05
(ii) परिसर द्वारा मुख्यालय से प्राप्तनीय अनुदान	0.00	-122.98	-122.98	177.08
उपजोड़ (ड़)	**0.00**	**487.99**	**487.99**	**471.13**
च) निधियों का प्रारंभिक शेष (ब्याज) (केवल मुख्यालय में)	127.53	5,931.80	6,059.33	5,190.54
निधियों में वृद्धि				
i वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	19.17	1,138.87	1,158.04	1,212.01
ii. अन्य वृद्धि/ हस्तांतरण	0.00	14.99	14.99	0.09
उपजोड़ (च)	**146.70**	**7,085.66**	**7,232.36**	**6,402.64**
कुल छ = (घ + ड़ + च)	**284.00**	**17,573.65**	**17,857.65**	**17,011.07**

ज) निधि के उद्देश्यों की ओर उपयोगिता/ व्यय				
i पूंजीगत व्यय	0.00	352.58	352.58	497.09
ii राजस्व व्यय	0.00	10.98	10.98	43.05
iii मुख्यालय द्वारा परिसर को आंतरित राशि (केवल मुख्यालय में)	12.75	779.29	792.04	393.45
उपजोड़ (ज)	**12.75**	**1,142.85**	**1,155.60**	**933.59**
कुल झ = (ज-छ)	**271.25**	**16,430.80**	**16,702.05**	**16,077.48**
वर्ष के अंत में निवल शेष (ग+झ)			**24,537.81**	**23,118.23**

अनुसूची 4 : सुरक्षित ऋण और उधारी **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 केन्द्र सरकार		0.00		0.00
2 राज्य सरकार		0.00		0.00
3 वित्तीय संस्थान				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
4 बैंक				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
5 अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6 डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7 अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5 : असुरक्षित ऋण और उधारी **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 केन्द्र सरकार		0.00		0.00
2 राज्य सरकार		0.00		0.00
3 वित्तीय संस्थान				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	
ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
4 बैंक				
क) अवधि ऋण	0.00		0.00	

ख) ब्याज अर्जित और देय	0.00	0.00	0.00	0.00
5 अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6 डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7 अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 6 : आस्थगित ऋण देयताएं **राशि लाख रुपये में**

विवरण	**31 मार्च 2019**		**31 मार्च 2018**	
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य संपत्ति की जमानत के जरिये सुरक्षित स्वीकृति		0.00		0.00
ख) अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 7 : वर्तमान देयताएं और प्रावधान **राशि लाख रुपये में**

विवरण	**31 मार्च 2019**		**31 मार्च 2018**	
क) चालू देयताएं				
1 परियोजना देयताएं (अनुलग्नक -2)		1,440.54		1,254.88
2 विविध लेनदार				
क) वस्तुओं / सेवाओं के लिए (अनुलग्नक-3)	1,270.07		1,241.22	
ख) अन्य (अनुलग्नक -4)	2,191.03	3,461.10	1,438.75	2,679.97
3 छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क (अनुलग्नक -5)		7,735.11		6,800.74
4 सुरक्षा जमा धरोहर राशि और प्रतिधारण (अनुलग्नक 6)		2,286.35		2,188.46
5. ब्याज अर्जित किया गया लेकिन देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार	0.00		0.00	
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	0.00	0.00	0.00	0.00
6 वैधानिक देयताएं (अनुलग्नक-7)		341.70		294.18
7 अन्य चालू देयताएं (अनुलग्नक-8)		1,101.04		1,162.79
कुल (क)		**16,365.84**		**14,381.00**
ख प्रावधान				
1 कराधान के लिए		0.00		0.00

2 ग्रैच्युटी (अनुलग्नक -9)		81.71		3,864.91
3 छुट्टी का नगदीकरण (अनुलग्नक -10)		3,794.87		2,941.78
4 भवन डब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान (अनुलग्नक -11)		1,208.83		1,541.82
5 अन्य प्रावधान (अनुलग्नक 12)		1,930.91		1,230.44
6 व्यापार वारंटी / दावे		0.00		0.00
कुल (ख)		**7,016.32**		**9,578.94**
कुल (क + ख)		**23,382.16**		**23,959.94**

अनुसूची 8 : अचल परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष के आरंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान	
क. अचल परिसंपत्तियां							
1 भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) लीजहोल्ड	597.39	0.00	0.00	597.39	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्ड भूमि पर	12,680.44	79.14	0.12	12,759.46	1,415.52	213.01	
ख) लीजहोल्ड भूमि पर	25,748.66	5,312.55	-140.80	31,202.01	3,286.19	720.69	
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) संस्थान की भूमि से इतर पर आधार मूल संरचनाए	38.45	0.00	0.00	38.45	36.52	0.00	
3. क्लास रूम उपकरण	5,840.83	425.01	92.32	6,173.53	4,207.86	412.18	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	241.66	26.22	15.22	252.65	159.94	16.98	
ख) भारी वाहन	188.46	29.37	0.00	217.83	112.06	15.79	
5. फर्नीचर, फिक्सचर	4,349.48	363.27	-6.45	4,719.22	1,952.41	256.05	
6. कार्यालय उपकरण	1,069.07	164.39	9.11	1,224.36	781.19	80.45	
7. कंप्यूटर /सहायक उपकरण							
क) हार्डवेयर	7,585.67	1,057.77	181.70	8,461.73	5,408.91	667.79	
ख) सॉफ्टवेयर	2,355.54	126.40	157.53	2,324.42	2,031.42	100.09	
8. विद्युत उपकरण	4,133.82	452.82	-14.33	4,600.96	2,446.47	457.52	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	78.01	17.28	0.00	95.30	55.26	8.26	
10. किताबें	2,003.21	314.55	19.86	2,297.91	1,614.15	152.73	
11. किताबें और पत्रिकाएँ	568.67	123.06	0.11	691.61	545.23	119.81	
12. ट्यूब वेल और पानी की आपूर्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना परिसंपत्ति	279.91	0.00	0.00	279.91	250.38	0.18	
14. छात्रावास उपकरण	479.93	53.18	3.98	529.14	123.46	33.87	
15. अन्य अचल परिसंपत्ति	1,277.31	31.66	0.00	1,308.98	1,009.97	66.03	
वित्त वर्ष 2018-19 का कुल (क)	**69,516.52**	**8,576.66**	**318.35**	**77,774.84**	**25,436.94**	**3,321.43**	
वित्त वर्ष 2017-18 का कुल	**62,663.54**	**6,942.01**	**87.03**	**69,516.50**	**22,063.79**	**3,501.29**	
ख पूंजीगत प्रगत कार्य							
भवन	27,887.17	863.55	5,673.96	23,076.77	0.00	0.00	
मार्गस्थ पूंजीगत सामान	396.46	402.01	297.97	500.50	0.00	0.00	
अन्य	173.08	122.05	5.25	289.88	0.00	0.00	
कुल पूंजीगत प्रगत कार्य (ख)	**28456.71**	**1387.61**	**5977.18**	**23867.14**	**0.00**	**0.00**	
कुल योग (क+ख)	**97973.23**	**9964.27**	**6295.53**	**101641.98**	**25436.94**	**3321.43**	

नोट 1: वर्ष के दौरान मूल्यह्रास में पिछले वर्ष की संपत्ति 975.25 लाख (प्रगत कार्य - भवन) के पूंजीकरण के कारण पूर्व वर्ष समायोजन खाते में लिए गए 76.85 लाख रुपए शामिल

नोट 2: राज्य सरकार की निधि के लिए वर्ष के दौरान मूल्यह्रास रुपए 277.31 लाख (पूर्व वर्ष 430.65 लाख) को आस्थगित राजस्व आय में शामिल किया गया है और इससे संबंधित

राशि लाख रुपये में

			परिशोधन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती / समायोजन पर	31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	47.84	5.20	0.00	53.04	544.34	549.55
	0.06	1,628.47	0.00	0.00	0.00	0.00	11,130.99	11,264.92
	-9.77	4,016.65	0.00	0.00	0.00	0.00	27,185.36	22,462.46
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	36.52	0.00	0.00	0.00	0.00	1.92	1.92
	39.63	4,580.41	0.00	0.00	0.00	0.00	1,593.12	1,632.97
	13.86	163.06	0.00	0.00	0.00	0.00	89.58	81.71
	0.00	127.85	0.00	0.00	0.00	0.00	89.98	76.40
	27.43	2,181.04	0.00	0.00	0.00	0.00	2,538.19	2,397.06
	6.89	854.73	0.00	0.00	0.00	0.00	369.63	287.89
	129.21	5,947.51	0.00	0.00	0.00	0.00	2,514.22	2,176.76
	80.85	2,050.67	0.00	0.00	0.00	0.00	273.75	324.12
	-2.58	2,906.56	0.00	0.00	0.00	0.00	1,694.40	1,687.35
	0.00	63.52	0.00	0.00	0.00	0.00	31.78	22.75
	0.00	1,766.88	0.00	0.00	0.00	0.00	531.02	389.06
	0.11	664.93	0.00	0.00	0.00	0.00	26.68	23.44
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	250.57	0.00	0.00	0.00	0.00	29.34	29.53
	2.47	154.86	0.00	0.00	0.00	0.00	374.28	356.47
	0.08	1,075.91	0.00	0.00	0.00	0.00	233.07	267.35
	288.25	**28,470.13**	**47.84**	**5.20**	**0.00**	**53.04**	**49,251.65**	**44,031.71**
	128.17	**25,436.95**	**42.64**	**5.20**	**0.00**	**47.84**	**44,031.71**	**40,557.11**
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	23,076.77	27,887.17
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	500.50	396.46
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	289.88	173.08
	0.00	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**23867.15**	**28456.70**
	288.25	**28470.13**	**47.84**	**5.20**	**0.00**	**53.04**	**73118.80**	**72488.41**

ल हैं।

। आंकड़े पिछले वर्ष के मूल्यह्रास में शामिल किए गए हैं।

अनुसूची 9 : निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश राशि लाख रुपये में

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
2 अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
3 शेयर		0.00		0.00
4 डिबेंचर और बॉन्ड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उपक्रम		0.00		0.00
6 अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 10 : अन्य निवेश राशि लाख रुपये में

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 सरकारी प्रतिभूतियों में (आरबीआई बांड- बिक्री योग्य नहीं)		0.00		0.00
2 अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
3 शेयर		0.00		0.00
4 डिबेंचर और बॉन्ड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उपक्रम		0.00		0.00
6 अन्य (अनुलग्नक-29)		3,253.25		6,391.27
कुल		**3,253.25**		**6,391.27**

अनुसूची 11 : चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि राशि लाख रुपये में

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
क. चालू परिसंपत्ति:				
1. मालसूची				
क) स्टोर और पुर्जे (निफ्ट दुकानें (पुराना) स्टॉक्स)(अनुलग्नक-13)	0.00		0.00	
ख) लूज औजार	0.00		0.00	
ग) सोवनेर का स्टॉक	0.00		0.00	
- तैयार माल	0.00		0.00	
- प्रगत कार्य	0.00		0.00	
- कच्चा माल	0.00	0.00	0.00	0.00
2. विविध देनदार				
क) बकाया ऋण (अनुलग्नक 14)	2,506.12		2,459.81	
ख) प्राप्य	0.00	2,506.12	0.00	2,459.81
3. हाथ में नकद (अनुलग्नक-15)		1.01		1.25
4. बैंक में शेष				
क) अनुसूचित बैंक में जमा				
- जमा खाते में (अनुलग्नक 16)	68,934.32		61,242.61	

- बैंक खाते में (अनुलग्नक-17)	34,173.48		31,451.83	
ख) गैर-अनुसूचित बैंक के साथ				
- जमा खाते में	0.00		0.00	
- बैंक खाते में	0.00	1,03,107.80	0.00	92,694.44
5 डाकघर बचत खाते में		0.00		0.00
कुल (क)		**1,05,614.93**		**95,155.50**
ख ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां				
1 ऋण:				
क) स्टाफ (अनुलग्नक 18)	5.23		6.81	
ख) संस्था के समान गतिविधियों /उद्देश्य वाली संस्थाओं को	0.00		0.00	
ग) अन्य	0.00	5.23	0.00	6.81
2 अग्रिम और अन्य राशि नकद या प्रकार या मूल्य में वसूली योग्य				
क) पूंजी खाते पर (अनुलग्नक 19)	5,106.60		1,312.12	
ख) पूर्व भुगतान (अनुलग्नक- 20)	122.69		103.04	
ग) सुरक्षा जमा का भुगतान (अनुलग्नक- 21)	226.47		204.73	
घ) कर्मचारी (अनुलग्नक- 22)	90.24		125.18	
ड़) परियोजना अग्रिम (अनुलग्नक- 23)	582.96		479.42	
च) अन्य (अनुलग्नक 24)	47.02	6,175.98	182.04	2,406.53
3 अर्जित आय:				
क) निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश पर	0.00		0.00	
ख) अन्य निवेश पर	0.00		0.00	
ग) ऋण और अग्रिम पर	0.00		0.00	
घ) सावधि जमा / बैंक जमा पर ब्याज (अनुलग्नक- 25)	2,038.80		1,712.75	
ड़) अन्य (अनुलग्नक- 26)	0.06	2,038.86	0.03	1,712.78
4 प्राप्य दावे: टीडीएस और टैक्स वसूली (अनुलग्नक 27)		283.27		254.29
5 अंतर परिसर / मुख्यालय (अनुलग्नक- 28)		-485.91		-653.62
निफ्ट मुख्यालय		3,890.28		3,996.78
निफ्ट बेंगलुरु		-1,047.39		-1,026.99
निफ्ट भोपाल		104.90		79.05
निफ्ट भुवनेश्वर		206.46		182.47
निफ्ट चेन्नई		268.30		279.47
निफ्ट गांधीनगर		-805.47		-828.25
निफ्ट हैदराबाद		-649.84		-616.82
निफ्ट जोधपुर		400.66		375.21
निफ्ट कांगड़ा		176.53		151.79
निफ्ट कन्नूर		69.74		70.15
निफ्ट कोलकाता		-839.54		-857.01
निफ्ट मुंबई		248.99		230.19
निफ्ट दिल्ली		-2,698.30		-2,612.75

निफ्ट पटना		361.51		337.41
निफ्ट शिलाँग		108.54		72.28
निफ्ट रायबरेली		80.78		59.99
निफ्ट प्रोजेक्ट सेल		69.47		87.16
निफ्ट श्रीनगर		54.85		19.93
निफ्ट सूरत विस्तार		0.00		0.00
निफ्ट मुख्यलय ग्रुप ग्रेच्युटी ट्रस्ट		-486.36		-653.68
कुल (ख)		**8,017.42**		**3,726.79**
कुल (क + ख)		**1,13,632.35**		**98,882.30**

अनुसूची 12 : बिक्री / सेवा (परियोजना) से आय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1. बिक्री से आय				
क) तैयार माल की बिक्री	0.00		0.00	
ख) कच्चे माल की बिक्री	0.00		0.00	
ग) कबाड़ की बिक्री	0.00		0.00	
2. सेवाओं से प्राप्त आय				
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	0.00		0.00	
ख) प्रोफेशनल / कंसल्टेंसी सेवाएं (परियोजना)	0.00		0.00	
ग) एजेंसी कमीशन और ब्रोक्रेज	0.00		0.00	
घ) रखरखाव सेवाएं (उपकरण /संपत्ति)	0.00		0.00	
ड़) अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13 : अनुदान / सब्सिडी **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
(प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी)				
1. केंद्र सरकार		34.53		10.70
2. राज्य सरकार		0.00		2.87
3. सरकारी एजेंसियां (क्लस्टर पहल)		344.46		435.85
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		0.00		0.00
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		0.00		0.00
6. अन्य		0.00		0.00
कुल		**378.99**		**449.42**

अनुसूची 14 : फीस/सदस्यता शुल्क **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1. प्रवेश शुल्क / आवेदन शुल्क		990.67		841.94
2. वार्षिक शुल्क / शिक्षा शुल्क / सदस्यता शुल्क				
शिक्षा शुल्क	25,790.87		22,461.53	
घटा: मुख्यालय शेयर	912.39	24,878.49	849.90	21,611.63
3. सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क (सीई कार्यक्रम फीस)		1,228.78		705.05
4. छात्रावास शुल्क		3,489.50		3,244.75

5. जब्त की गई फीस		23.77		50.89
6. पुस्तकालय शुल्क-छात्र और अन्य		1,006.61		846.99
7. अन्य शुल्क		736.39		505.12
कुल		**32,354.22**		**27,806.38**

अनुसूची 15 : निवेश से आय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियों पर	0.00	0.00	0.00	0.00
2) लाभांश				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियों पर	0.00	0.00	0.00	0.00
3) किराया		0.00		0.00
4) अन्य (ग्रेच्युटी और छुट्टी नगदीकरण के निवेश पर ब्याज)		239.72		66.67
कुल		**239.72**		**66.67**

अनुसूची 16 : रॉयल्टी से आय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2 प्रकाशन से आय		0.00		0.00
3 अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 17 : अर्जित ब्याज **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1) सावधि जमा पर:				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	3,934.04		4,019.84	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
ग) संस्थानों के साथ (भारत सरकार के बॉण्ड)	0.00		0.00	
घ) अन्य	0.00		0.00	
	3,934.04		4,019.84	
2) बचत खातों पर:				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	1,066.44		806.58	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
ग) संस्थानों के साथ	0.00		0.00	
घ) अन्य	0.00		0.00	
	1,066.44		806.59	
घटा: अनुसूची 2 में हस्तांतरित सरकारी अनुदान पर ब्याज	470.17	4,530.31	354.16	4,472.27
3) ऋण पर ब्याज				
क) कर्मचारी / स्टाफ	1.09		0.98	

ख) अन्य	3.57	4.66	4.25	5.23
4) डेबटर्स और अन्य प्राप्य पर ब्याज		0.00		0.00
कुल		**4,534.98**		**4,477.50**

अनुसूची 18 : अन्य आय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 परिसंपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ				
क) स्वामित्व वाली परिसंपत्ति	6.10		2.73	
ख) अनुदान से प्राप्त या नि:शुल्क अर्जित परिसंपत्ति	0.00	6.10	0.00	2.73
2 परियोजनाएं और कार्यशालाएं				
परियोजना से आय	692.34		1,247.90	
घटा: परियोजना व्यय	622.57	69.77	1,185.45	62.44
3 निर्यात प्रोत्साहन प्राप्त		0.00		0.00
4 लाइसेंस शुल्क-पट्टेदारी आवास से		6.15		5.84
5 अतिथि गृह प्रभार		8.39		11.39
6 विविध सेवाओं के लिए शुल्क		0.00		0.00
7 विविध आय (छात्रावास, पुस्तकालय और अन्य प्राप्तियां सहित)		393.83		377.76
कुल		**484.23**		**460.17**

अनुसूची 19 : स्टॉक में वृद्धि / कमी **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
1 अंतिम स्टॉक				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) प्रगति कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
2 घटा: प्रारंभिक स्टॉक				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) प्रगत कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00
निवल वृद्धि/कमी		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 20 : शैक्षणिक व्यय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
क) शैक्षणिक व्यय:				
प्रवेश व्यय	227.21		348.96	
विज्ञापन खर्च	172.67		23.23	
कक्षा व्यय	34.99		31.49	
कक्षा उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव	20.39		17.27	
पाठ्यचर्या /पाठ्यक्रम विकास व्यय	73.51		6.55	
दीक्षांत समारोह व्यय	131.27		108.13	
बस / कार किराया	51.92		32.04	
अतिथि शिक्षक	997.85		639.40	
विदेशी शिक्षक शुल्क	0.00		0.00	
आईआईएलएफ व्यय	0.38		0.00	

बीमा व्यय (छात्र)	65.78		55.07	
निर्णायक मंडल व्यय	330.85		183.80	
छात्रवृत्ति और शुल्क सब्सिडी	335.27		159.96	
छात्र कल्याण व्यय	35.94		23.68	
शिक्षक यात्रा व्यय (भारत)	156.32		108.32	
विदेशों में मेले दौरे / संगोष्ठी	17.51		1.62	
शिक्षक/ छात्र द्वारा भारत यात्रा	16.71		7.56	
प्रशिक्षण व्यय	135.11		96.78	
संगोष्ठी और सम्मेलन व्यय	22.07		23.20	
प्रोमोशन व्यय	9.18		13.55	
कॉन्क्लेव / एफ प्रोग्राम, छात्र दौरे	20.56		8.44	
शिल्प दस्तावेजीकरण	6.16		13.52	
प्लेसमेंट / प्री प्लेसमेंट व्यय	18.36		19.41	
डिजाइन संग्रह	19.21		19.50	
डिस्प्ले और प्रदर्शनी	6.47		4.19	
डिप्लोमा परियोजनाएं / स्नातक शो	149.59		132.37	
कंवर्ज व्यय	97.01		46.47	
विभागीय बैठक	16.17		13.70	
परीक्षा / पुनः परीक्षा व्यय	6.37		10.46	
प्रमाणन, पुरस्कार, ट्राफियां व्यय	4.73		0.66	
ओपन हाउस व्यय	0.46		0.20	
पत्रिका और आवधिक	87.11		38.40	
डाक और टेलीग्राम	2.29		3.37	
फैशन स्पेक्ट्रम	43.10		40.36	
उन्मुखीकरण कार्यक्रम	23.73		23.96	
फिल्ड स्टडी	30.86		26.32	
पूर्व छात्र एसोसिएशन व्यय	2.44		0.20	
सदस्यता शुल्क	4.11		5.34	
विविध व्यय – अकादमिक	9.26		16.07	
आतिथ्य व्यय	13.72		6.63	
इंटरनेट व्यय	44.18		45.43	
मुद्रण और प्रकाशन व्यय	18.25		17.14	
कंप्यूटरो की मरम्मत और रखरखाव	92.69		75.97	
संसाधन केंद्र व्यय	17.60		16.58	
लाइब्रेरी व्यय संसाधन केंद्र (टीए / डीए संसाधन)	0.68		2.57	
अन्य व्यय	8.38		17.79	
पीएचडी व्यय	22.53		31.68	
उद्योग यात्रा शुल्क	33.72		11.26	
सामान्य परीक्षा बोर्ड	5.64		9.00	
डिजाइन सुत्रा	0.00		0.00	
टेक्सटाइल इंडिया 2017	0.00		29.63	
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2018	0.00		76.95	
सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सदस्यता शुल्क	118.91		93.63	

क्लस्टर पहल हथकरघा व्यय	147.98		186.34	
क्लस्टर पहल हस्तशिल्प व्यय	237.92		236.59	
संयुक्त पीजी ब्रिज पाठ्यक्रम	0.00		3.69	
फैकल्टी कॉन्क्लेव	0.00		0.00	
ब्रांडिंग और सामाजिक मीडिया व्यय	0.00		0.00	
छात्र अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	0.00		0.00	
क्षमता निर्माण संकाय (एफओटीडी)	0.00		0.00	
उद्योग जुड़ाव व्यय	2.74		0.00	
कुल (क)		**4,147.86**		**3,164.46**
ख) छात्रावास व्यय				
किराया- छात्रावास	59.53		79.43	
फर्निचर / फिक्स्चर किराया प्रभार	0.00		1.11	
बिजली बिल -छात्रावास	469.10		434.86	
पानी बिल- छात्रावास	74.57		68.04	
टेलीफोन हॉस्टल	0.33		0.43	
इंटरनेट व्यय	3.70		5.51	
अखबार / पत्रिकाएँ	2.00		3.61	
मैस प्रभार	629.10		599.15	
छात्रावास उपकरण / फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	71.94		76.84	
विविध खर्च छात्रावास शैक्षिक	92.82		85.94	
सुरक्षा व्यय - छात्रावास	643.19		470.84	
हाउस कीपिंग व्यय - छात्रावास	458.40		335.41	
अन्य	0.00		0.00	
कुल (ख)		**2,504.68**		**2,161.17**
ग) सीई कार्यक्रम व्यय		**330.28**		**214.93**
कुल (क + ख + ग)		**6,982.82**		**5,540.56**

अनुसूची 21 : स्थापना व्यय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
क) वेतन और मजदूरी		8,579.27		8,349.14
ख) भत्ते और बोनस		4,275.36		3,090.03
ग) भविष्य निधि / जीएसएलआई में अंशदान		947.84		919.54
घ) अन्य फंड में अंशदान (ईडीआईएल प्रीमियम)		17.31		13.70
ड़) कर्मचारी कल्याण व्यय		48.20		38.52
च) कर्मचारी सेवानिवृति और टर्मिनल लाभ पर व्यय		1,035.10		1,182.90
छ) भर्ती खर्च		38.92		15.29
ज) केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया		0.00		0.00
झ) अन्य		8.54		17.45
कुल		**14,950.54**		**13,626.58**

अनुसूची 22 : अन्य प्रशासनिक व्यय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च 2019		31 मार्च 2018	
क) प्रशासनिक व्यय				
विज्ञापन	13.41		17.59	
आतिथ्य	29.04		22.58	
हिंदी व्यय	24.43		15.26	
ईंधन व्यय	17.10		14.29	
विधिक और व्यावसायिक प्रभार	38.62		25.00	
स्थानीय यात्रा व्यय	3.81		3.87	
डाक और तार	8.04		10.44	
मुद्रण और स्टेशनरी	106.37		105.82	
पत्रिकाएँ एवं आवधिक	0.12		0.51	
फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	143.29		123.10	
वाहनो की मरम्मत और रखरखाव	55.13		44.17	
टेलीफोन व्यय	28.74		32.44	
भारत में यात्रा	124.27		98.00	
विदेश यात्रा	2.87		0.00	
पारिसंपत्ति बेचने पर घाटा	6.64		3.09	
सुरक्षा व्यय	1,078.70		948.19	
अन्य व्यय	44.66		58.71	
जुर्माना / पेनल्टी / ब्याज	0.28		0.32	
बट्टे खाते में डाली गई अचल परिसंपत्ति	0.19		0.00	
बीओजी व्यय	12.56		7.83	
लीवरीज	0.42		0.74	
मरम्मत और रखरखाव उपकरण	34.40		27.43	
वाहनों का किराया	90.70		85.94	
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	30.20		29.69	
सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क (सी एडं एजी)	4.50		5.45	
अन्य शुल्क और व्यय	0.90		7.68	
विदेशी मुद्रा विनिमय पर हानि / लाभ	0.30		0.00	
अतिथि गृह व्यय	11.38		10.53	
बीमा	11.55		27.78	
कुल (क)		**1,922.60**		**1,726.45**
ख) भवन रखरखाव व्यय				
बीमा – भवन	27.00		0.00	
मरम्मत और रखरखाव भवन	380.75		295.99	
डीजी सेट व्यय	48.97		40.21	
हाउसकीपिंग व्यय	789.04		652.25	
संपत्ति कर	125.88		110.63	
विद्युत व्यय और जल प्रभार	812.28		776.86	

बागवानी	18.69		14.59	
भवन का किराया	288.75		326.71	
अन्य	5.28		1.77	
कुल (ख)		**2,496.64**		**2,219.01**
कुल (क+ख)		**4,419.24**		**3,945.47**

अनुसूची 23: अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय **राशि लाख रुपये में**

विवरण	**31 मार्च 2019**		**31 मार्च 2018**	
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान		0.00		0.00
ख) संस्थानों / संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 24: ब्याज/ बैंक प्रभार और कमीशन **राशि लाख रुपये में**

विवरण	**31 मार्च 2019**		**31 मार्च 2018**	
क) स्थायी ऋण		0.00		0.00
ख) अन्य ऋण (बैंक खाता प्रभार सहित)		0.00		0.00
ग) अन्य (बैंक प्रभार और ब्याज भुगतान)		1.52		1.39
कुल		**1.52**		**1.39**

अनुसूची 25: पूर्व अवधि समायोजन **राशि लाख रुपये में**

विवरण	**31 मार्च 2019**		**31 मार्च 2018**	
आय				
शैक्षणिक आय	33.95		6.24	
स्थापना आय	25.95		4.36	
प्रशासनिक आय	29.82		9.32	
विविध आय	62.25		179.69	
बट्टे खाते में डाली गई मूल्यह्रास राशि वापस	2,990.53		17,070.85	
अनुदान सहायता (राजस्व)	54.17		10.31	
वापस किए गए अवैतनिक बिलों का दायित्व	40.79	3,237.46	26.54	17,307.31
व्यय				
शैक्षणिक व्यय	47.91		35.16	
स्थापना व्यय	6.59		28.69	
प्रशासनिक व्यय	7.05		883.32	
मूल्यह्रास	174.03		29.24	
फुटकर व्यय	232.95		87.78	
बट्टे खाते में डाले गए विविध अग्रिम	3.35	471.89	0.00	1,064.18
पूर्व अवधि निवल व्यय		**2,765.58**		**16,243.13**

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर-लाभ संगठन)
संस्था का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2019 के वार्षिक खातों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 26-महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां:

लेखांकन नीतियां:

1. वार्षिक लेखा खाते भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार प्रोद्भवन के आधार पर ऐतिहासिक लागत परिपाटी के तहत और 'भारत के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई)' द्वारा जारी लागू लेखा मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। इन लेखांकन नीतियों और मानकों को लगातार लागू किया गया है। वार्षिक लेखा खातों को सुनाम प्रतिष्ठान के आधार पर तैयार किया गया है।

2. केन्द्रीय / राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान को मान्यता

केंद्रीय / राज्य सरकार से अनुदान की गणना आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 12 के अनुसार की गई है अर्थात 'सरकारी अनुदान को तभी मान्यता दी जाती है जब यह पूरी तरह से निश्चित हो कि अंतत: इसका संग्रह किया जाएगा'।

i सरकारी अनुदान जो राजस्व से संबंधित है आय और व्यय में संबंधित अवधि की लागत जिनके लिए वे क्षतिपूर्ति करना चाहते हैं को एक व्यवस्थित आधार पर स्वीकार किया जाता है। इस प्रकार की अनुदान को अलग से आय और व्यय लेखा में 'अनुदान सहायता' शीर्षक के तहत दिखाया जाता है।

ii मूल्यह्रसित अचल परिसंपत्ति से संबंधित सरकारी अनुदान को आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। स्थगित आय को संपत्ति के उपयोगी जीवन के दौरान व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर आय और व्यय खाते में मान्यता प्रदान की जाती है। आय का इस तरह का आवंटन ऐसी अवधि और अनुपात में किया जाता है, जिसमें संबंधित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास शुल्क लिया जाता है।

iii गैर-मौद्रिक संपत्तियों के रूप में सरकारी अनुदान रियायती दर पर दी गई हैं और उन्हें उनके अधिग्रहण लागत के आधार पर गिना जाता हैं। गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियां जो कि मुफ्त में दी गई हैं, को सामान्य मान के रूप में दर्ज किया गया है।

3. छात्रों, परियोजना से शुल्क और परामर्श शुल्क की मान्यता

छात्रों से शुल्क

छात्रों से प्राप्त शुल्क को उपार्जन के आधार पर लेखांकित किया गया है।

परियोजना और परामर्श शुल्क

परियोजना और परामर्श शुल्क को परियोजना के पूरा होने पर लेखांकित किया जाता है।

4. निवेश

वर्तमान निवेश को लागत या उचित बाजार मूल्य, जो भी कम हो पर दर्शाया गया है, सिवाय इसके जब निवेश के मूल्य में स्थायी गिरावट हो रही है।

5. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

अचल परिसंपत्तियों को उनके मूल लागत में माल भाड़ा, सीमा शुल्क, अधिग्रहण और स्थापना से संबंधित अन्य आकस्मिक व्यय सहित में से संचयी मूल्यह्रास को कम करने दर्शाया गया है।

i) वर्ष के दौरान भवन निर्माण, अंदरूनी कार्य आदि पर किए गए व्यय को, यदि काम पूरा नहीं हुआ है तो 'प्रगति में पूंजीगत कार्य' के तहत बुक किया गया है ।

ii) 30 सितंबर को या उससे पहले अधिग्रहित परिसंपत्तियों पर निर्धारित दर का 100% की दर से और 30 सितंबर के बाद अधिग्रहित परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास 50% की दर से प्रभारित किया गया है।

iii) मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर निम्नलिखित निर्धारित दरों पर प्रभारित किया गया है:

विवरण	मूल्यह्रास की दर
भवन	1.63%
कक्षा उपकरण	15.00%
कंप्यूटर हार्डवेयर	16.21%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	16.21%
शिक्षक/ अधिकारी / छात्र के लिए लैपटाप	25.00%

बिजली मशीनरी	15.00%
फर्नीचर व फिक्सचर / फिटिंग	06.33%
कार्यालय उपकरण	15.00%
पुस्तकें	20.00%
संसाधन केंद्र संग्रह	20.00%
हॉस्टल उपकरण	6.33%
मोटर कार (हल्के वाहन)	9.50%
बस (भारी वाहन)	11.31%
परियोजना परीसंपत्तियां	संपत्ति वर्ग के अनुसार
पुस्तकें और पत्रिकाएँ	100.00%
अन्य परिसंपत्तियां	संपत्ति वर्ग के अनुसार

iv) अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास सकल मूल्य के 95% तक प्रावधानित किया गया है और इसके बाद कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है।

v) परिसंपत्तियों की बिक्री / विलोप / हस्तांतरण पर मूल्यह्रास विक्रय / विलोप / हस्तांतरण की तारीख तक ही प्रदान क्या गया है।

vi) निफ्ट के शिक्षक और अधिकारियों को लैपटॉप, नोटबुक और इसी तरह के पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को प्रदान करने के लिए एक नई लैपटॉप नीति को शासक मंडल (बीओजी) द्वारा दिनांक 11.12.2018 की बैठक में अनुमोदित किया गया है। नीति में शिक्षक/ अधिकारियों को पहले से ही दिए गए लैपटॉप भी शामिल किए गए हैं। तदनुसार, ऐसे लैपटॉप पर मूल्यह्रास 5% के मूल्य को बरकरार रखते हुए वित्तीय वर्ष 2018-19 से 25% की दर से प्रदान किया गया है। इस संबंध में, दिनांक 30 जनवरी, 2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या- निफ्ट / एचओ / लैपटॉप पॉलिसी / 2018/07 और दिनांक 3 मई, 2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या- निफ्ट/ एचओ / लैपटॉप पॉलिसी को सभी निफ्ट परिसरों में प्रसारित किया गया है।

6. बीमा दावा

बीमा दावों का लेखांकन 'यथा निपटान आधार' पर किया जाता है'।

7. विदेशी मुद्रा लेनदेन

विदेशी मुद्रा लेनदेन की तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर दर्ज किया जाता है। इस अवधि के दौरान तय किए गए विदेशी मुद्रा के अंतर से उत्पन्न विनिमय अंतर को आय और व्यय लेखे में लेखांकिन किया जाता है। विदेशी मुद्रा से अधिग्रहण की गई परिसंपत्तियों को संव्यवहार के समय पूंजीकृत किया जाता है।

विदेशी मुद्रा में परिभाषित मौद्रिक चालू परिसंपत्तियां और मौद्रिक चालू देनदारियों को तुलन पत्र की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर से परिवर्तित किया जाता है । परिणामी अंतर आय और व्यय लेखे में दर्ज किया जाता है।

8. कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ और अन्य लाभ

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार छुट्टी नकदीकरण और ग्रेच्युटी का प्रावधान किया गया है और इसके अलावा भारत सरकार के नियमों के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के लिए प्रावधान किया गया है जो एलआईसी के बीमांकिक मूल्यांकन में शामिल नहीं थे।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, निफ्ट ने सभी निफ्ट कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट बनाया है।

निफ्ट मुख्यालय सहित सभी निफ्ट परिसरों के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 में एलआईसी से समूह ग्रैच्युटी पॉलिसी और समूह छुट्टी नकदीकरण पॉलिसी ली गई है।

9. गृह निर्माण अग्रिम, कार अग्रिम और स्कूटर अग्रिम आदि अग्रिमों पर कर्मचारियों से वसूल किया जाने वाले ब्याज का लेखांकन वसूली के वर्ष में किया जाता है।

10. कार्यालय ज्ञापन सं- निफ्ट / एचओ / एफ एंड ए / 2018-19 दिनांक 12 दिसंबर, 2018 के अनुसार; सुरक्षा जमा के लिए छात्रों से कोई भी दावा जो संस्थान छोड़ने की तारीख से एक वर्ष और अन्य के मामले में तीन वर्ष की अवधि में प्राप्त नहीं होता है, सुरक्षा जमा को आय के रूप में माना जा सकता है।

अनुसूची 27- आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियाँ

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण लेखांकन लेनदेन के संबंध में कुछ अतिरिक्त प्रकटीकरण के साथ-साथ खातों का हिस्सा बनने वाली टिप्पणियां।

1. वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्ति और भुगतान खाते में संस्थान की वास्तविक प्राप्ति और वास्तविक भुगतान को लिया गया है।

2. आय और व्यय खाता और तुलन पत्र, लेखांकन वर्ष के अंत में देनदारियों, पूर्वदत व्यय, अग्रिम भुगतान, प्रावधान आदि के विधिवत लेखांकन और भुगतान खातों से तैयार की गई है।

3. पिछले वर्ष आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के आंकड़ों के साथ संगत बनाने के लिए पुन: व्यवस्थित/ पुनर्गठित किया गया है।

आकस्मिक देयताएं

1. संस्था के खिलाफ ऋण का दावा रु 135.97 लाख (2018-19) रु 168.49 लाख (2017-18) को स्वीकार नहीं किया गया।

2. निम्नलिखित के संबंध में:

- संस्था की ओर से / द्वारा दी गई बैंक गारंटी रु शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)
- संस्था की ओर से बैंक द्वारा खोले गए क्रेडिट पत्र रु शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)
- बैंकों के साथ छूट बिल शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)

3. निम्नलिखित के संबंध में विवादित मांग:

आयकर रुपये 0.43 लाख (2018-19) रु 6.62 लाख (2017-18)

बिक्री कर/ सेवा कर/ जीएसटी रु शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)

नगरपालिका कर रु शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)

4. आदेशों के गैर निष्पादन के लिए पक्षों से दावों के संबंध में, लेकिन संस्थान द्वारा जवाब दिया गया रु शून्य (2018-19) रु शून्य (2017-18)।

पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

पूंजीगत खाते पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों का अनुमानित मूल्य और (अग्रिम की निवल राशि) के लिए प्रदान नहीं किया गया है रुपए 21150.02 लाख (2018-19) रुपए 2139/- लाख (2017-18)।

परिसर वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

क्रम सं	परिसर	रुपए लाख में
1	बेंगलुरू	102.46
2	शिलांग	65.17
3	रायबरेली	65.79
4	मुंबई	2207.18
5	कन्नूर	337.89
6	चेन्नई	116.94
7	मुख्यालय	345.95
8	श्रीनगर	16437.00
9	कांगड़ा	1302.00
10	हैदराबाद	169.64
	कुल	**21150.02**

लीज दायित्व

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्त पट्टे की व्यवस्था के तहत किराए के लिए भविष्य का दायित्व वर्ष (2018-19) के लिए रु शून्य और वर्ष (2017-18) के लिए रुपए 22 लाख है।

परिसर के लिए लीज किराया बहुत कम है, लगभग 1-1000 रुपए। इसलिए, लेखा मानक (एएस) 19 'लीज' के अनुसार आवश्यक, भविष्य के भुगतान के लिए प्रकटीकरण खातों की टिप्पणियों में नहीं किया गया है।

चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: प्राप्त होने पर कम से कम उस तिथि में तुलन पत्र में बताए गए उनके मूल्य की राशि के बराबर हैं।

कराधान

निफ्ट की आय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत छूट प्राप्त है। इसलिए लेखा खातों में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

विदेशी मुद्रा लेनदेन **(राशि लाख रुपए लाख में)**

विवरण	31 मार्च 2019	31 मार्च 2018
1. सीआईएफ गणना के आधार पर आयात का मूल्य		
क) तैयार माल की खरीद	शुन्य	शुन्य
ख) कच्चा माल और घटक (पारगमन सहित)	शुन्य	शुन्य
ग) पूंजीगत वस्तुएं	68.24	शुन्य
घ) स्टोर, पुर्जे और उपभोग्यताएं	शुन्य	शुन्य
ड़) पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद	105.47	185.70
च) सॉफ्टवेयर की खरीद	89.68	शुन्य
2. विदेशी मुद्रा में व्यय		
क) यात्रा	20.01	0.93
ख) वित्तीय संस्थानों/ बैंक को विदेशी मुद्रा में प्रेषण और ब्याज भुगतान	शुन्य	शुन्य
ग) अन्य व्यय		
- बिक्री पर कमीशन	शुन्य	शुन्य
- विधिक और व्यावसायिक व्यय	8.11	5.60
- विविध व्यय	0.73	92.76
- सदस्यता शुल्क	शुन्य	0.87
- ईटीआईडीआई परियोजना के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पंजीकरण शुल्क	शुन्य	565.54
3. कमाई		
एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	91.18	शुन्य

खातों पर अन्य टिप्पणियां:

1. विभिन्न राज्य सरकारों ने अपने राज्य में परिसर की स्थापना के लिए निफ्ट परिसरों को जमीन नि: शुल्क या रियायती दर पर भूमि प्रदान की है। भूमि को आईसीएआई द्वारा जारी किए गए 'लेखांकन मानक 10: अचल परिसंपत्ति के लिए लेखांकन' के मुताबिक अचल परिसंपत्ति के रूप में वास्तव में भुगतान की गई राशि या नाममात्र मूल्य (अर्थात रुपए 1/ 100/ 1000/, जो भी अधिक हो, पर दर्ज की गई है। हालांकि, उन परिसरों के मामले में जिसने जमीन के मूल्य को 1/- रूपए, 100/- या 1000/- रुपए दर्ज किया है, आंकडों को लाख में पूर्णांक किए जाने के कारण, भूमि अचल परिसंपत्ति अनुसूची-8 में दिखाई नहीं दे रही है।

खातों में दर्ज भूमि का विवरण नीचे दिया गया है: -

विवरण	31 मार्च, 2019 को लेखे में दर्ज मूल्य	लीजहोल्ड / फ्रीहोल्ड	भूमि का क्षेत्रफल
निफ्ट मुख्यालय	रु 119.27 लाख	लीजहोल्ड	3.796 एकड़
निफ्ट बेंगलुरु	रु 1*	लीजहोल्ड	18067.36 वर्गमीटर
निफ्ट भोपाल	रु 1	फ्रीहोल्ड	29 एकड़

निफ्ट भुवनेश्वर	रु 1	लीजहोल्ड	10.046 एकड़
निफ्ट चेन्नई	रु शून्य**	लीजहोल्ड	7.29 एकड़
निफ्ट दिल्ली	रु 215.79 लाख ***	लीजहोल्ड	1837.29 वर्ग मीटर
निफ्ट गांधीनगर	रु शून्य 1	लीजहोल्ड फ्रीहोल्ड	20,000 वर्ग मीटर 6,000 वर्ग मीटर
निफ्ट हैदराबाद	रु शून्य	फ्रीहोल्ड	9.25 एकड़
निफ्ट जोधपुर	रु 1	लीजहोल्ड	20 एकड़
निफ्ट कांगड़ा	रु 1 ****	–	26 एकड़
निफ्ट कन्नूर	रु 1000	लीजहोल्ड	3.774 हेक्टेयर
निफ्ट कोलकाता	रु 9.78 लाख	लीजहोल्ड	3.276 एकड़
निफ्ट मुंबई	रु 252.54 लाख	फ्रीहोल्ड	10 एकड़
निफ्ट पटना	रु 210 रुपए	फ्रीहोल्ड	5.999 एकड़
निफ्ट रायबरेली	रु शून्य*****	लीजहोल्ड	11.46 एकड़
निफ्ट शिलाँग	रु शून्य	लीजहोल्ड	20.13 एकड़
निफ्ट श्रीनगर	रु शून्य		भूमि अभी तक श्रीनगर परिसर के कब्जे में नहीं है।

* भूमि बेंगलुरु विकास प्राधिकरण से 30 वर्ष के पट्टे पर है।

** भूमि दर्ज नहीं की गई है क्योंकि जमीन का टाइटल निफ्ट चेन्नई के पक्ष में पारित नहीं किया गया है और यह सिद्ध करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि तमिलनाडु सरकार से निफ्ट, चेन्नई को संपत्ति का हस्तांतरण हुआ है।

*** निफ्ट मुख्यालय और दिल्ली परिसर एक ही जमीन पर स्थित हैं। हालांकि वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 1873.26 वर्गमीटर की एक अतिरिक्त भूमि डीडीए, नई दिल्ली द्वारा 215.79 करोड़ रुपए की लागत पर आवंटित किया गया है और निफ्ट द्वारा इसका अधिग्रहण कर लिया गया है।

**** भूमि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी शिक्षा विभाग को निफ्ट परिसर के निर्माण के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है।

***** वर्तमान में निफ्ट रायबरेली परिसर 11.46 एकड़ जमीन पर चल रहा है जो 15 दिसम्बर 2013 से मैसर्स आईटीआई लिमिटेड रायबरेली से 4 वर्ष 11 महीने की अवधि के लिए पट्टे पर लिया गया है। निफ्ट रायबरेली को जमीन आवंटित नहीं की गई है इसलिए इसे खाते में बुक नहीं किया गया है बल्कि निफ्ट रायबरेली, परिसर के लिए किराए का भुगतान कर रहा है।

2. सरकारी अनुदान से खरीदी गई संपत्ति पर मूल्यह्रास को आस्थगित राजस्व आय के रूप में माना जाता है और संपत्ति के उपयोगी जीवन के व्यवस्थित आधार पर हर वर्ष आय और व्यय लेखों में मान्यता प्रदान की जाती है। चालू वित्त वर्ष के लिए राजस्व आय के रूप में मानी गई अनुदान रु 2177.59 लाख (पिछले वर्ष 2689.10 लाख रुपये) है।

3. ग्रेच्युटी अधिनियम, 1972 के भुगतान संबंधी प्रावधान संस्थान के लिए लागू हैं। इसलिए, संस्थान द्वारा निफ्ट के कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों का प्रबंधन करने के लिए एक ग्रेच्युटी ट्रस्ट बनाया गया है। एक अलग तुलन पत्र, आय और व्यय लेखा तथा प्राप्ति और भुगतान लेखा तैयार किया जा रहा है। बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेच्युटी खर्च के लिए कुल 586. 90 लाख रुपए वर्ष 2018-19 (पिछले वर्ष 1104.55 लाख रुपये) का प्रावधान किया गया है।

4. संस्थान के कर्मचारियों के अवकाश नकदीकरण के संबंध में देयताओं के भुगतान की दिशा में सभी निफ्ट परिसरों के लिए अलग से अवकाश नकदीकरण योजनाएं खरीदी गई हैं। इसलिए, एलआईसी की बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018-19 में 3794.87 लाख रुपये (पूर्व वर्ष 2941.78 लाख रुपये) की राशि का संस्थान की बहियों में अवकाश नकदीकरण के लिए संचित प्रावधान किया गया है।

5. निर्धारित / अक्षय निधि के निवेश पर ब्याज आय संबंधित निधि में जमा की जा रही है।

6. सरकारी अनुदान के निवेश पर ब्याज आय सरकारी अनुदान खाते में जमा की जा रही है।

7. प्रबंधन की राय में, 31.03.2019 को मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: इनके भुनाने पर कम से कम

उस तिथि में तुलन पत्र में बताए गए उनके मूल्य की राशि के बराबर हैं।

8. सभी ज्ञात और निश्चित देनदारियां और 31.03.2019 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष से संबंधित सभी आय और व्यय को संस्थान द्वारा लगातार जारी की गई लेखांकन नीति के मुताबिक खातों में विधिवत रूप से प्रदान किया गया / लेखांकन किया गया है।

9. आम तौर पर, डीडीएफ, सीडीएफ, और एनडीएफ इत्यादि जैसे विभिन्न निर्धारित निधियों के लिए योगदान / अंतरण सीधे निर्धारित निधि में किया गया है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, डीडीएफ फंड और सीडीएफ फंड के प्रारंभिक शेष के अलावा ब्याज सहित क्रमश: 1061.53 लाख रुपए और 142.62 लाख रुपए अंतरण किए गए हैं।

10. संस्थान ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई निधियों से पूर्व वित्तीय वर्ष 2017-18 में 6530.10 लाख रुपये की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 3139.81 लाख रुपये की अनुदान राशि पूंजीकृत की गई है।

पूंजीकृत अनुदान का विवरण निम्नानुसार है:

राशि लाख रुपये में

विवरण	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2017-18
भुवनेश्वर	1.65	226.92
चेन्नई	32.26	37.33
दिल्ली	0.00	460.00
गांधीनगर	75.87	0.00
जोधपुर	1500.96	303.06
कांगड़ा	1385.34	48.93
कन्नूर	7.81	287.75
मुंबई	5.00	513.10
पटना	49.25	34.49
रायबरेली	33.94	97.63
शिलांग	3.60	702.14
श्रीनगर	44.14	3818.75
कुल	**3139.81**	**6530.10**

11. मौजूदा वित्त वर्ष 2018-19 में विभिन्न परिसरों से संबंधित विभिन्न न्यायालयों / ट्रिब्यूनल में 57 कानूनी मामले लंबित हैं, जिनके लिए अनुमानित आकस्मिक देयताएं पिछले वित्त वर्ष 2017-18 में रुपए 34.23 लाख की तुलना में रुपए 112.24 लाख है। हालांकि निफ्ट इन कानूनी मामलों के कोई भी देयता प्रत्याशित नहीं करता है और तदनुसार कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

12. तुलन पत्र, आय और व्यय लेखा, प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा और अनुसूचियों में आंकड़े लाख रुपए में दर्शाए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए आंकड़ों को दो दशमलव बिंदु सहित पूर्णांकित किया गया है । कुछ स्थानों पर आंकड़ों को बराबर/ मिलान करने के लिए रुपए 0.01 / - लाख रुपये का समायोजन (वृद्धि / कटौती) किया गया है।

13. चालू वर्ष या पिछले वर्ष की कुछ मदों अर्थात चालू देयताएं और प्रावधान, चालू परिसंपत्तियां और ऋण और अग्रिम, व्यय और आय, अचल परिसंपत्तियां और पूंजीगत निधि इत्यादि को जब आवश्यक हुआ, पुनर्गठन / पुनर्वर्गीकरण / एकत्रीकरण किया गया है।

14. पारगमन में परिसंपत्ति रु 458.48 लाख (पिछले वर्ष 396.46 लाख रुपये) तथा पूंजीगत वस्तुओं के शीर्ष प्रावधान के तहत देयताओं के संबंध में माल की वास्तविक प्राप्ति के बिना आपूर्तिकर्ताओं के आपूर्ति आदेश के आधार पर खातों में दर्ज किया गया है।

15. अनुसूची-2 के तहत: वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पूंजीकृत / प्रयुक्त सरकारी अनुदान से आरक्षित और अधिशेष में रु 3139. 81 लाख को पूंजीकृत अनुदान के रूप में जोड़ा गया है जबकि रु 3138.16 लाख की पूंजीकृत / प्रयुक्त सरकारी अनुदान में कटौती की गई है, जिससे रुपये 1.65 लाख रुपए का अंतर उत्पन्न हो गया है। रु 1.65 लाख का अंतर भुवनेश्वर परिसर से संबंधित हैं जहां निफ्ट परिसर की ओर से राज्य सरकार द्वारा राशि सीधी खर्च की गई है।

16. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान निफ्ट रायबरेली के परिसर को किराए पर देने के लिए 264.08 लाख रुपये के किराये प्रभार को निर्धारित किए गए हैं और इसे अनुसूची 22 "अन्य प्रशासनिक व्यय" के तहत दिखाया गया है। रुपये 264.08 लाख में से, 86.48

लाख रुपये (टीडीएस के भुगतान के बाद) मैसर्स आई.टी.आई. लिमिटेड, रायबरेली को देय है। मैसर्स आईटीआई लिमिटेड को देय किराए का संचित शेष रु 31 मार्च, 2019 को 329.17 लाख रुपए (रुपए 242.69 लाख प्लस 86.48 लाख रुपये) है।

17. एफ एंड एसी और बीओजी द्वारा अनुमोदित, 1.33 लाख रुपये की बकाया स्टाफ अग्रिमों की राशि को बट्टे खाते में डाला गया है और अन्य स्टाफ अग्रिमों पर 19.63 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, पुराने ठेकेदार को 2.01 लाख रुपये की अग्रिम राशि को बट्टे खाते में डाला गया है और आगे अन्य अग्रिम पर 40.79 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

18. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, सुरक्षा जमा, प्रतिधारण धन और रु 37.57 लाख की धरोहर राशि जो तीन वर्ष से अधिक पुराने लावारिस थे उन्हें नीति के अनुसार आय माना गया है।

19. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए निफ्ट की आय का संवीक्षा मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है और तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान उनसे टीडीएस का 36.32 लाख रुपये का रिफंड प्राप्त किया गया है।

द्वारा समेकित :
बाटलीबोई और पुरोहित
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 101048 डब्ल्यू

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए पराग हंगेकर)	(सुप्रिया मिश्रा)	(बीके पांडे)	(शारदा मुरलीधरन)
साझेदार	उप निदेशक (वि.व.ले.)	निदेशक (वि.व.ले.)	महानिदेशक
सदस्यता संख्या 110096			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21-06-2019

अनुलग्नक 1: अक्षय निधि/डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी गई परिसंपत्ति राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1010201	अक्षय निधि से अधिग्रहित संपत्ति	421.64	540.01
1010202	डीडीएफ / सीडीएफ से अधिग्रहित संपत्ति	342.51	199.40
	कुल	**764.15**	**739.41**

अनुलग्नक 2: परियोजनाएं देयताएं राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040401	परियोजनाओं से प्राप्त राशि	1440.54	1254.88
	कुल	**1440.54**	**1254.88**

अनुलग्नक 3: वस्तु और सेवाओं के लिए विविध लेनदार राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040509	मेस फीस देय	150.26	136.27
1040201	विविध लेनदार मुख्यालय	0.00	14.05
1040202	विविध लेनदार दिल्ली	0.00	0.00
1040203	विविध लेनदार कोलकाता	344.42	333.06
1040204	विविध लेनदार चेन्नई	0.73	0.73
1040205	विविध लेनदार हैदराबाद	0.10	0.10
1040206	विविध लेनदार मुंबई	0.00	0.00
1040207	विविध लेनदार गांधीनगर	4.28	4.08
1040208	विविध लेनदार बेंगलुरू	0.00	92.69
1040209	विविध लेनदार रायबरेली	22.65	11.72
1040210	विविध लेनदार शिलांग	193.59	195.90
1040211	विविध लेनदार पटना	135.11	146.06
1040212	विविध लेनदार कन्नूर	124.72	0.00
1040213	विविध लेनदार भोपाल	0.00	0.00
1040214	विविध लेनदार कांगड़ा	0.33	50.00
1040215	विविध लेनदार भुवनेश्वर	81.69	75.47
1040216	विविध लेनदार जोधपुर	0.00	27.58
1040217	विविध लेनदार श्रीनगर	212.18	153.52
	कुल	**1270.07**	**1241.22**

अनुलग्नक 5: छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040511	छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क	2915.11	2777.67
1040512	छात्रों से प्राप्त अग्रिम शिक्षा शुल्क	4820.00	4023.08
	कुल	**7735.11**	**6800.74**

अनुलग्नक 6: सुरक्षा जमा / धरोहर राशि / प्रतिधारण राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040301	सुरक्षा जमा (छात्रावास)	337.03	326.72
1040302	सुरक्षा जमा (शैक्षणिक)	866.25	784.85
1040303	सुरक्षा जमा (संसाधन केंद्र)	46.21	52.60
1040304	सुरक्षा जमा (विक्रेता)	702.62	672.73
1040305	धरोहर राशि	62.67	56.34
1040306	रिटेंशन	51.48	80.10
1040307	सुरक्षा जमा (अन्य)	220.10	215.12
	कुल	**2286.35**	**2188.46**

अनुलग्नक 7: सांविधिक उत्तरदायित्व अन्य राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040101	ईपीएफ देय	102.08	64.51
1040102	सीपीएफ	11.54	23.67
1040103	जीपीएफ (अग्रिम की वसूली)	0.28	0.93
1040103A	जीपीएफ (अग्रिम की वसूली)	0.00	0.00
1040104	वीपीएफ	5.30	4.78
1040105	जीएलआईएस	0.39	1.77
1040106	ईडीएलआई देय	0.00	0.00
1040107	प्रोफेशनल कर देय	0.72	0.51
1040108	सेवा कर देय	0.00	0.00
1040109	वेतन पर टीडीएस	59.97	44.84
1040110	ठेकेदार पर टीडीएस	21.98	91.55
1040111	प्रोफेशनल सर्विस पर टीडीएस	39.95	22.55
1040112	किराए पर टीडीएस	14.41	10.92
1040113	अन्य पर टीडीएस	7.88	1.58
1040114	अन्य सांविधिक कर और शुल्क	0.00	0.01
1040115	सीजीईजीआईएस देय	0.03	0.04
1040116	सीजीएचएस देय	0.07	0.09
1040117	हाउसिंग लाइसेंस फीस	0.14	0.06
1040118	वैट देय	0.00	0.00
1040119	नियमित फैकल्टी / स्टाफ पर टीडीएस	0.09	0.06
1040120	टीडीएस पर शिक्षा कर	0.00	0.00
1040121	एनपीएस नियोक्ता का अंशदान	0.14	0.06
1040122	एनपीएस कर्मचारी का अंशदान	0.00	0.00
1040123	जीएसटी सीजीएसटी देय	16.31	9.79
1040124	जीएसटी एसजीएसटी देय	16.31	9.79
1040125	जीएसटी आईजीएसटी देय	18.40	6.67
1040126	जीएसटी यूटीजीएसटी देय	0.00	0.00
1040127	जीएसटी प्रतिपूर्ति कर	0.00	0.00
1040128	टीडीएस सीजीएसटी देय	9.03	0.00

1040129	टीडीएस एसजीएसटी देय	8.90	0.00
1040130	टीडीएस आईजीएसटी देय	2.85	0.00
1040131	ईपीएफ सरकारी शेयर देय (कार्मिक)	0.00	0.00
1040132	टीसीएस देय	0.00	0.00
1040521	ग्रैचुइटी दावे देय	4.93	0.00
	कुल	**341.70**	**294.18**

अनुलग्नक 8: अन्य वर्तमान देयताएं **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040501	वेतन देय	828.36	719.74
1040502	मकान किराया भत्ता (एच आर ए) देय	0.28	0.27
1040503	अतिथि संकाय को देय राशि	52.98	30.48
1040504	एलआईसी वेतन बचत स्कीम देय	1.36	1.04
1040505	वेतन वसूली जैसे कोर्ट, लोन इत्यादि	0.30	0.58
1040506	पीएलआई देय	0.55	0.55
1040507	अग्रिम आय प्राप्त	80.70	59.36
1040508	छात्रवृत्ति और पुरस्कार राशि देय	114.28	80.57
1040601	क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला भुवनेश्वर	0.00	1.33
1040602	क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला कोलकाता	0.00	1.72
1040603	क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला चेन्नई	0.00	1.15
1040510	छात्र बीमा दावा देय	0.23	0.23
1040513	पुराने चेक	73.16	69.10
1040514	आईआरएस (एसोसिएशन)	0.00	0.00
1040516	क्लस्टर पहल (वस्त्र मंत्रालय)	1.28	7.14
1040519	क्लस्टर पहल हथकरघा	-53.12	23.08
1040520	क्लस्टर पहल हस्तशिल्प	-28.14	146.34
1040522	स्नातक परियोजना हस्तशिल्प (वस्त्र मंत्रालय)	20.51	17.79
1040523	स्नातक परियोजना हथकरघा (वस्त्र मंत्रालय)	8.31	2.29
	कुल	**1101.04**	**1162.79**

अनुलग्नक 9: ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040801	ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान	0.00	242.87
1040805	कर्मचारी समूह ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान	81.71	3622.04
	कुल	**81.71**	**3864.91**

अनुलग्नक 10: छुट्टी नगदीकरण के लिए प्रावधान **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040802	छुट्टी नगदीकरण के लिए प्रावधान	47.86	54.44
1040806	कर्मचारी समूह छुट्टी नगदीकरण के लिए प्रावधान	3747.01	2887.33
	कुल	**3794.87**	**2941.78**

अनुलग्नक 11: डब्ल्यूआईपी **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040701	डब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान	1208.83	1541.82
	कुल	**1208.83**	**1541.82**

अनुलग्नक 12: अन्य प्रावधान **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1040803	पेंशन के लिए प्रावधान	-0.07	-0.07
1040804	प्रतिनियुक्त के एलएससी के लिए प्रावधान	61.55	68.02
1040901	विक्रेता व्यय के लिए प्रावधान	909.10	671.25
1040902	सीई कार्यक्रम के लिए प्रावधान	112.87	104.11
1040903	खराब और संदिग्ध ऋणों का प्रावधान	62.33	0.00
10401001	सांविधिक/ आंतरिक/ सीएजी लेखा परीक्षा शुल्क के लिए प्रावधान	32.98	31.72
10401101	कर्मचारी खर्च के लिए प्रावधान	321.09	314.44
10401201	सीपीडब्ल्यूडी कार्यों के लिए प्रावधान	431.07	40.97
	कुल	**1930.91**	**1230.44**

अनुलग्नक 13: इनवेंटरी **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070101	अंतिम शेष इनवेंटरी	0.00	0.00
	कुल	**0.00**	**0.00**

अनुलग्नक 14: विविध देनदार **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071101	पक्षों से वसूली योग्य राशि	47.11	198.65
1071102	वस्त्र मंत्रालय से वसूली योग्य राशि	1019.83	1113.97
1071103	परियोजना से वसूली योग्य राशि	23.18	25.94
1071104	राज्य सरकार से वसूली योग्य राशि	260.67	276.61
1071105	मार्जिन राशि	0.00	0.00
1071106	सीपीडब्ल्यूडी जमा कार्य	123.71	28.31
1071107	अन्य से वसूली योग्य राशि	752.20	645.56
1071108	कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	34.67	24.94
1071109	छात्रों से वसूली योग्य राशि	244.75	145.84
	कुल	**2506.12**	**2459.81**

अनुलग्नक 15: हाथ में नगदी **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070201	हाथ में नगदी	1.01	1.25
	कुल	**1.01**	**1.25**

अनुलग्नक 16: जमा खाता **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070401	यूबीआई में सावधि जमा	29229.08	28883.29
1070402	एक्सिस बैंक में सावधि जमा	5022.13	450.00
1070403	एचडीएफसी बैंक के साथ सावधि जमा	0.00	0.00
1070404	आईडीबीआई बैंक के साथ सावधि जमा	3269.13	3.34
1070405	अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	1657.05	2973.94
1070406	सावधि जमा (एंडॉवमेंट फंड)	15700.31	14879.93
1070407	सावधि जमा (सामान्य निधि)	14056.62	14052.11
1070408	सावधि जमा / निवेश ईएफ- बेंगलुरू	0.00	0.00
1070409	सावधि जमा / निवेश ईएफ- भोपाल	0.00	0.00
1070410	सावधि जमा / निवेश ईएफ- भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070411	सावधि जमा / निवेश ईएफ- चेन्नई	0.00	0.00
1070412	सावधि जमा / निवेश ईएफ- दिल्ली	0.00	0.00
1070413	सावधि जमा / निवेश ईएफ- गांधीनगर	0.00	0.00
1070414	सावधि जमा / निवेश ईएफ- हैदराबाद	0.00	0.00
1070415	सावधि जमा / निवेश ईएफ- जोधपुर	0.00	0.00
1070416	सावधि जमा / निवेश ईएफ- कांगड़ा	0.00	0.00
1070417	सावधि जमा / निवेश ईएफ- कन्नूर	0.00	0.00
1070418	सावधि जमा / निवेश ईएफ- कोलकाता	0.00	0.00
1070419	सावधि जमा / निवेश ईएफ- मुंबई	0.00	0.00
1070420	सावधि जमा / निवेश ईएफ- पटना	0.00	0.00
1070421	सावधि जमा / निवेश ईएफ- रायबरेली	0.00	0.00
1070422	सावधि जमा / निवेश ईएफ- शिलांग	0.00	0.00
1070423	सावधि जमा / निवेश ईएफ- श्रीनगर	0.00	0.00
1070424	सावधि जमा / निवेश ईएफ-मुख्यालय	0.00	0.00
	निफ्ट सामान्य फंड	0.00	0.00
	कुल	**68934.32**	**61242.61**

अनुलग्नक 17: बैंक खाता **(राशि लाख रुपये में)**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
	यूबीआई बैंक	33283.27	30480.12

	एसबीआई बैंक	157.60	15.62
	एक्सिस बैंक	240.40	232.60
	आईडीबीआई बैंक	0.13	0.13
	एचडीएफसी बैंक	0.00	0.00
	एसबीबीजे खाते	483.15	596.35
	कोई अन्य बैंक	8.93	0.01
	बैंक अक्षय निधि	0.00	0.00
	अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	0.00	127.00
	कुल	**34173.48**	**31451.83**

अनुलग्नक 18: स्टाफ ऋण **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070601	त्यौहार अग्रिम मुख्यालय	0.00	0.00
1070602	त्यौहार अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
1070603	त्यौहार अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1070604	त्यौहार अग्रिम चेन्नई	0.00	0.02
1070605	त्यौहार अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
1070606	त्यौहार अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
1070607	त्यौहार अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
1070608	त्यौहार अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1070609	त्यौहार अग्रिम राएबरेली	0.00	0.00
1070610	त्यौहार अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1070611	त्यौहार अग्रिम पटना	0.00	0.00
1070612	त्यौहार अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070613	त्यौहार अग्रिम भोपाल	0.00	0.02
1070614	त्यौहार अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
1070615	त्यौहार अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070616	त्यौहार अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
1070617	त्यौहार अग्रिम श्रीनगर	0.00	0.00
1070618	कम्प्यूटर अग्रिम मुख्यालय	1.20	1.54
1070619	कम्प्यूटर अग्रिम दिल्ली	0.00	0.19
1070620	कंप्यूटर अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1070621	कंप्यूटर अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
1070622	कंप्यूटर अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
1070623	कम्प्यूटर अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
1070624	कम्प्यूटर अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
1070625	कंप्यूटर अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1070626	कंप्यूटर अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00

1070627	कंप्यूटर अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1070628	कंप्यूटर अग्रिम पटना	0.00	0.00
1070629	कम्प्यूटर अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070630	कंप्यूटर अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
1070631	कम्प्यूटर अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
1070632	कम्प्यूटर अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070633	कम्प्यूटर अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
1070634	कम्प्यूटर अग्रिम श्रीनगर	0.00	0.00
1070635	स्कूटर अग्रिम मुख्यालय	0.02	0.07
1070636	स्कूटर अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
1070637	स्कूटर अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1070638	स्कूटर अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
1070639	स्कूटर अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
1070640	स्कूटर अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
1070641	स्कूटर अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
1070642	स्कूटर अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1070643	स्कूटर अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
1070644	स्कूटर अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1070645	स्कूटर अग्रिम पटना	0.00	0.00
1070646	स्कूटर अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070647	स्कूटर अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
1070648	स्कूटर अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
1070649	स्कूटर अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070650	स्कूटर अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
1070651	स्कूटर अग्रिम श्रीनगर	0.00	0.00
1070652	मोटर कार अग्रिम मुख्यालय	0.24	0.24
1070653	मोटर कार अग्रिम दिल्ली	0.71	1.22
1070654	मोटर कार अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1070655	मोटर कार अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
1070656	मोटर कार अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
1070657	मोटर कार अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
1070658	मोटर कार अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
1070659	मोटर कार अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1070660	मोटर कार अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
1070661	मोटर कार अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1070662	मोटर कार अग्रिम पटना	0.00	0.00
1070663	मोटर कार अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070664	मोटर कार अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
1070665	मोटर कार अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.11

1070666	मोटर कार अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070667	मोटर कार अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
1070668	एचबीए अग्रिम मुख्यालय	3.06	3.40
1070669	एचबीए अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
1070670	एचबीए अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1070671	एचबीए अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
1070672	एचबीए अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
1070673	एचबीए अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
1070674	एचबीए अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
1070675	एचबीए अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1070676	एचबीए अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
1070677	एचबीए अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1070678	एचबीए अग्रिम पटना	0.00	0.00
1070679	एचबीए अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070680	एचबीए अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
1070681	एचबीए अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
1070682	एचबीए अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070683	एचबीए अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
	कुल	**5.23**	**6.81**

अनुलग्नक 19: पूंजीगत खातों पर अग्रिम **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070501	ठेकेदारों को अग्रिम	689.22	884.42
1070502	निर्माण एजेंसियां को अग्रिम	4417.38	427.70
	कुल	**5106.60**	**1312.12**

अनुलग्नक 20: पूर्व भुगतान **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071301	पूर्वदत्त बीमा	43.49	40.52
1071302	पूर्वदत्त एएमसी प्रभार	2.60	9.14
1071303	पूर्वदत्त अन्य (कृपया शीर्ष वार निर्दिष्ट करें।)	76.60	53.39
	कुल	**122.69**	**103.04**

अनुलग्नक 22: स्टाफ अग्रिम **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071801	एलटीसी अग्रिम मुख्यालय	0.00	0.00
1071802	एलटीसी अग्रिम दिल्ली	0.05	0.47

1071803	एलटीसी अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
1071804	एलटीसी अग्रिम चेन्नई	0.45	0.00
1071805	एलटीसी अग्रिम हैदराबाद	0.36	0.00
1071806	एलटीसी अग्रिम मुंबई	0.39	0.00
1071807	एलटीसी अग्रिम गांधीनगर	0.18	0.00
1071808	एलटीसी अग्रिम बेंगलुरू	0.00	0.00
1071809	एलटीसी अग्रिम रायबरेली	0.00	0.44
1071810	एलटीसी अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
1071811	एलटीसी अग्रिम पटना	0.43	0.84
1071812	एलटीसी अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1071813	एलटीसी अग्रिम भोपाल	0.00	0.19
1071814	एलटीसी अग्रिम कांगड़ा	0.00	1.55
1071815	एलटीसी अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
1071816	एलटीसी अग्रिम जोधपुर	0.24	0.00
1071817	एलटीसी अग्रिम श्रीनगर	0.00	0.00
1071818	एलटीसी अग्रिम	0.00	2.32
1070684	अन्य अग्रिम मुख्यालय	21.47	21.25
1070685	अन्य अग्रिम दिल्ली	10.40	5.72
1070686	अन्य अग्रिम कोलकाता	0.51	1.75
1070687	अन्य अग्रिम चेन्नई	2.00	0.92
1070688	अन्य अग्रिम हैदराबाद	2.85	3.14
1070689	अन्य अग्रिम मुंबई	6.05	0.02
1070690	अन्य अग्रिम गांधीनगर	2.50	0.00
1070691	अन्य अग्रिम बेंगलुरू	0.00	2.79
1070692	अन्य अग्रिम रायबरेली	1.50	1.76
1070693	अन्य अग्रिम शिलांग	16.56	0.48
1070694	अन्य अग्रिम पटना	4.35	2.24
1070695	अन्य अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
1070696	अन्य अग्रिम भोपाल	0.55	0.02
1070697	अन्य अग्रिम कांगड़ा	6.48	3.75
1070698	अन्य अग्रिम भुवनेश्वर	5.51	3.19
1070699	अन्य अग्रिम जोधपुर	6.33	2.23
1070700	अन्य एडवांस्ड श्रीनगर	1.07	0.00
1070703	मेडिकल अग्रिम	0.00	70.12
	कुल	**90.24**	**125.18**

अनुलग्नक 23: परियोजनाओं के लिए अग्रिम राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070901	परियोजनाओं के लिए अग्रिम	365.94	290.06
1071701	जारी परियोजना	217.02	189.36
	कुल	**582.96**	**479.42**

अनुलग्नक 24: अन्य अग्रिम राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1070701	पार्टियों को अग्रिम	25.53	163.10
1070702	अग्रिम किराया	1.67	1.67
1070503	सप्लायरों को अग्रिम	7.25	8.99
1070504	सेवा प्रदाता के लिए अग्रिम	7.96	8.28
1070801	छात्र को अग्रिम	4.61	0.00
1070802	ब्याज मुक्त लैपटॉप ऋण	0.00	0.00
	कुल	**47.02**	**182.04**

अनुलग्नक 25: सावधि जमा पर अर्जित ब्याज राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071001	सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	1903.82	1590.84
1070425	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- बेंगलुरू	0.00	0.00
1070426	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- भोपाल	0.00	0.00
1070427	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- भुवनेश्वर	0.00	0.00
1070428	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- चेन्नई	0.00	0.00
1070429	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ-दिल्ली	0.00	0.00
1070430	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ-गांधीनगर	134.98	116.56
1070431	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- हैदराबाद	0.00	0.00
1070432	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- जोधपुर	0.00	0.00
1070433	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ-कांगड़ा	0.00	0.00
1070434	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- कन्नूर	0.00	0.00
1070435	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- कोलकाता	0.00	0.00
1070436	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- मुंबई	0.00	0.00
1070437	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- पटना	0.00	0.00
1070438	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- रायबरेली	0.00	0.00
1070439	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- शिलांग	0.00	0.00
1070440	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ- श्रीनगर	0.00	0.00
1070441	सावधि जमा / निवेश पर अर्जित ब्याज ईएफ-मुख्यालय	0.00	5.34
	कुल	**2038.80**	**1712.75**

अनुलग्नक 26: अन्य पर अर्जित ब्याज राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071002	कर्मचारी से वसूली योग्य ब्याज	0.00	0.03
1071003	अन्य से वसूली योग्य ब्याज	0.06	0.00
	कुल	**0.06**	**0.03**

अनुलग्नक 27: प्राप्य दावे राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071201	टीडीएस प्राप्य (2010-11) तक	28.15	31.93
1071202	टीडीएस प्राप्य (2011-12)	0.18	0.18
1071203	टीडीएस प्राप्य (2012-13)	0.33	0.33
1071204	टीडीएस प्राप्य (2013-14)	4.90	5.20
1071205	टीडीएस प्राप्य (2014-15)	3.06	9.92
1071206	टीडीएस प्राप्य (2015-16)	30.95	31.20
1071209	टीडीएस प्राप्य (2016-17)	38.90	38.90
1071210	टीडीएस प्राप्य (2017-18)	42.45	40.73
1071211	जीएसटी इनपुट सीजीएसटी	15.70	21.80
1071212	जीएसटी इनपुट एसजीएसटी	15.69	21.79
1071213	जीएसटी इनपुट आईजीएसटी	0.54	32.20
1071214	जीएसटी रिवर्स चार्ज सीजीएसटी	-1.42	0.88
1071215	जीएसटी रिवर्स चार्ज एसजीएसटी	-1.42	0.88
1071216	जीएसटी रिवर्स चार्ज आईजीएसटी	0.00	0.00
1071217	जीएसटी रिवर्स चार्ज यूटीजीएसटी	0.00	0.00
1071208	सेवा कर वसूली योग्य	8.50	8.50
1071207	अन्य कर (वसूली योग्य)	9.83	9.83
1071218	टीडीएस प्राप्य (2018-19)	38.22	0.00
1071219	टीडीएस- सीजीएसटी प्राप्य (2018-19)	0.21	0.00
1071220	टीडीएस- एसजीएसटी प्राप्य (2018-19)	0.21	0.00
1071221	टीडीएस- आईजीएसटी प्राप्य (2018-19)	48.30	0.00
	कुल	**283.27**	**254.29**

अनुबंध 28: इंटर कैंपस राशि लाख रुपये में

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1071501	निफ्ट मुख्यालय	3890.28	3996.78
1071502	निफ्ट बेंगलुरू	-1047.39	-1026.99
1071503	निफ्ट भोपाल	104.90	79.05
1071504	निफ्ट भुवनेश्वर	206.46	182.47

1071505	निफ्ट चेन्नई	268.30	279.47
1071506	निफ्ट गांधीनगर	-805.47	-828.25
1071507	निफ्ट हैदराबाद	-649.84	-616.82
1071508	निफ्ट जोधपुर	400.66	375.21
1071509	निफ्ट कांगड़ा	176.53	151.79
1071510	निफ्ट कन्नूर	69.74	70.15
1071511	निफ्ट कोलकाता	-839.54	-857.01
1071512	निफ्ट मुंबई	248.99	230.19
1071513	निफ्ट दिल्ली	-2698.30	-2612.75
1071514	निफ्ट पटना	361.51	337.41
1071515	निफ्ट शिलांग	108.54	72.28
1071516	निफ्ट रायबरेली	80.78	59.99
1071517	निफ्ट परियोजना कक्ष	69.47	87.16
1071518	निफ्ट श्रीनगर	54.85	19.93
1071519	निफ्ट सूरत विस्तार	0.00	0.00
1071520	निफ्ट मुख्यालय ग्रुप ग्रैच्युइटी ट्रस्ट	-486.36	-653.68
	कुल	**-485.91**	**-653.62**

अनुलग्नक 29: निवेश **राशि लाख रुपये में**

टैली ईआरपी 9 के अनुसार खाता कोड	विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
1060101	निवेश	0.00	0.00
1071901	एलआईसी ग्रुप ग्रेच्युटी फंड	0.00	3433.00
1071902	एलआईसी ग्रुप छुट्टी नगदीकरण निधि	3253.25	2958.27
	कुल	**3253.25**	**6391.27**

अमित अग्रवाल एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
लखनऊ, चंडीगढ़, गाजियाबाद, पटना

दूसरा तल, रामदीरी हाउस
दादी जी लेन, बोरिंग रोड
पटना - 800001, बिहार

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

निफ्ट कर्मचारियों की समूह ग्रैच्युटी ट्रस्ट के न्यासियों के लिए

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने इसके साथ संलग्न निफ्ट कर्मचारियों की समूह ग्रैच्युटी ट्रस्ट (दी 'ट्रस्ट') के वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान खाता और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकरण संबंधी जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

ट्रस्ट का प्रबंधन, ट्रस्ट के वित्तीय प्रदर्शन के अनुसार भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखा मानक के अनुसार ट्रस्ट का वित्तीय प्रदर्शन आम तौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जिम्मेदार है, जो वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में वित्तीय कथन की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार प्रस्तुत करता है और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण भौतिक गलतफहमी से मुक्त होता है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों की हमारी ऑडिट (लेखा परीक्षा) के आधार पर एक राय व्यक्त करने की है। हमने भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा ऑडिट (लेखा परीक्षा) करें ताकि तार्किक आश्वासन प्राप्त कर सकें कि वित्तीय विवरण तथ्यात्मक गलतबयानी से मुक्त हैं ।

वित्तीय विवरणों में वर्णित राशियों और खुलासे से संबंधित लेखा परीक्षा साक्ष्य जुटाने के लिए प्रक्रिया का निष्पादन करना लेखा परीक्षा में शामिल है । चयन की गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करती हैं जिसमें, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों में तथ्यात्मक गलतबयानी के मूल्यांकन का जोखिम शामिल है । उन जोखिमों के मूल्यांकन में ट्रस्ट द्वारा तैयार किए गए वित्तीय विवरण जो एक सच्ची और निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, के प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण पर लेखा परीक्षक विचार करते हैं ताकि परिस्थितियों के अनुरुप उपयुक्त लेखा परीक्षा की प्रक्रिया को डिजाइन कर सकें । लेखा परीक्षा में मूल्यांकन की उपयुक्तता अथवा प्रयोग की गई लेखाकरण नीतियां और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करने के साथ साथ वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का समग्र मूल्यांकन भी शामिल है ।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य जुटाए हैं, वे वित्तीय विवरणों पर हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं ।

अभिमत

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के लिए और उपरोक्त स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण भारत में आमतौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं ;

क) 31 मार्च, 2019 को ट्रस्ट की स्थिति की तुलन पत्र के मामले में;

ख) यह उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट के आय और व्यय खाते में हानि के मामले में ; तथा

ग) उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट के प्राप्तियां और भुगतान खाते के मामले में।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए हैं हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में, विधि द्वारा आवश्यक खाते की उचित बहियाँ ट्रस्ट द्वारा अब तक रखी गई हैं जैसा कि उन बहियों की हमारी परीक्षा से प्रकट होता है।

ग) तुलन पत्र, आय और व्यय खाता, प्राप्ति और भुगतान खाता और इस रिपोर्ट द्वारा ऑडिट की गई खाते की पुस्तकों के सम्मत है।

घ) हमारी राय में, आय और व्यय खाता और प्राप्तियाँ और भुगतान खाता, भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखा मानक का अनुपालन करते हैं।

ड़) उपर्युक्त के अलावा, हम रिपोर्ट करते हैं कि निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट को आयकर विभाग से अलग पैन प्राप्त करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह इकाई दिनांक 30 मार्च, 2017 के प्रमाणपत्र संख्या-डीआई 639270244390 38पी के द्वारा इंडिया ट्रस्ट अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है।

तिथि: 19 जून 2019
स्थान: नई दिल्ली

कृते : अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

ह. / -
(सीए अंकित कुमार)
साझेदार
सदस्यता संख्या 432749

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र

राशि लाख रुपये में

देयताएँ	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18	परिसंपत्तियाँ	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18
ग्रेच्युटी खाता (देयताएं)			**ग्रेच्युटी खाता (निवेश)**		
प्रारम्भिक शेष	3,865.67	1.58	पीएवी निवेश का अंतिम शेष	4,013.84	2,757.63
जोड़ें: वर्ष के दौरान भुगतान किया गया प्रीमियम	1,083.46	2,731.65	निफ्ट परिसरों से प्राप्य राशि	538.44	1,085.21
जोड़ें: योगदान देय	616.37	1,102.84	बैंक में शेष राशि	33.09	22.82
घटाएँ: संबंधित इकाइयों को प्राप्त अंशदान का हस्तांतरण	-1239.49				
जोड़ें: वर्ष के दौरान व्यय पर आय की अधिकता	259.36	29.60			
कुल	**4,585.37**	**3,865.67**	**कुल**	**4,585.37**	**3,865.67**

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते: निफ्ट ग्रेच्युटी ट्रस्ट अकाउंट

कृते: अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए अंकित कुमार)	**(शारदा मुरलीधरन)**	**(सुहेल अनवर)**	**(बीके पांडे)**
साझेदार	**महानिदेशक**	**निदेशक (प्रशासन)**	**निदेशक (वि0 व0 ले0)**
सदस्यता संख्या 432749			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 19-06-2019

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

राशि लाख रुपये में

व्यय	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18	आय	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18
प्रशासन एवं अन्य प्रभार			**निवेश पर अर्जित ब्याज**		
मोरटेलिटी चार्ज (एमओसी)	9.31	0.02	अवधि के लिए एमएफआर	17.64	2.27
पोल प्रशासकीय प्रभार (पीएसी)	0.84	0.00	अवधि के लिए एआईआर	255.78	33.37
निधि प्रबंधन प्रभार	16.43	2.14			
एमओसी पीएसी और एफएमसी पर सेवा कर	4.78	0.39	**बैंक खाते पर अर्जित/ उपार्जित ब्याज**		
बैंक प्रभार	0.00	0.00	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	8.62	5.20
वर्ष के दौरान ग्रैच्युइटी दावों का भुगतान	0.00	8.68	**अन्य आय**		
तुलन पत्र में हस्तांतरित व्यय पर आय की अधिकता	259.36	29.60	पूर्व अवधि की आय	8.68	
कुल	**290.72**	**40.84**	**कुल**	**290.72**	**40.84**

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते: निफ्ट ग्रेच्युटी ट्रस्ट अकाउंट

कृते: अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए अंकित कुमार)	**(शारदा मुरलीधरन)**	**(सुहेल अनवर)**	**(बीके पांडे)**
साझेदार	**महानिदेशक**	**निदेशक (प्रशासन)**	**निदेशक (वि0 व0 ले0)**
सदस्यता संख्या 432749			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 19-06-2019

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा

राशि लाख रुपये में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18	भुगतान	चालू वर्ष 2018-19	पूर्व वर्ष 2017-18
प्रारम्भिक शेष	2,762.83	1.58	**भुगतान किया गया व्यय/ प्रभार**		
वर्ष के दौरान निफ्ट परसरों द्वारा ग्रेच्युटी ट्रस्ट में अंशदान	1,085.12	2,731.65	एमओसी प्रभार	9.31	0.02
एलआईसी से प्राप्त दावे	58.73	0.00	पीएसी प्रभार	0.84	0.00
निवेश पर अर्जित ब्याज			निधि प्रबंधन प्रभार	16.43	2.14
अवधि के लिए एमएफआर	17.64	2.27	एमओसी, पीएसी और एफएमसी पर सेवा कर	4.78	0.39
अवधि के लिए एआईआर	255.78	33.37	बैंक प्रभार	0.00	0.00
बैंक खाते पर अर्जित ब्याज	8.62	5.20	एलआईसी ग्रैच्युइटी ट्रस्ट को भुगतान	1,083.46	0.00
पूर्व अवधि की आय	0.00	0.00	वर्ष के दौरान ग्रैच्युइटी दावों का भुगतान / निपटान	58.73	8.68
			अंतिम शेष राशि (निफ्ट द्वारा एलआईसी समूह ग्रैच्युटी निवेश में दिया गया अंशदान)	3,015.16	2,762.83
कुल	**4,188.72**	**2,774.06**	**कुल**	**4,188.72**	**2,774.06**

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते: निफ्ट ग्रेच्युटी ट्रस्ट अकाउंट

कृते: अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए अंकित कुमार)	**(शारदा मुरलीधरन)**	**(सुहेल अनवर)**	**(बीके पांडे)**
साझेदार	**महानिदेशक**	**निदेशक (प्रशासन)**	**निदेशक (वि0 व0 ले0)**
सदस्यता संख्या 432749			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 19-06-2019

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और टिप्पणियाँ

1. वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार:

ट्रस्ट का वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत अवधारणा के तहत, संचय आधार और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों ('जीएएपी') तथा 'भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किया गया है।

2. राजस्व मान्यता:

ट्रस्ट की आय लेखा मानक 9 के अनुसार मान्यता प्राप्त है और प्रोद्भवन आधार पर लेखा खातों में लेखांकित की गई है।

3. निवेश:

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार दीर्घकालिक निवेश को दर्शाया गया है। ट्रस्ट का निवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की नई समूह ग्रेच्युटी कैश संचय योजना में किया गया है।

ग्रेच्युटी योजना के अनुसार चालू वित्त वर्ष के निवेश मूल्य में निवेश पर अर्जित ब्याज को भी शामिल किया गया है (पुनर्निवेश)।

4. निवेश पर ब्याज:

ट्रस्ट के निवेश में निवेश पर अर्जित ब्याज आय को पुन: निवेश किया गया है।

5. व्यय:

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत फंड विवरण के अनुसार व्यय को संचय आधार पर दर्शाया गया है।

6. कर्मचारी लाभ (ग्रेच्युटी):

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत बयान के अनुसार और आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लागू लेखा मानक 15 के अनुसार, अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बैलेंस शीट की तारीख को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य के ग्रेच्युटी लाभ के आधार पर ट्रस्ट अपने दायित्व का लेखांकन करता है।

7. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां:

माप में पर्याप्त मात्रा में अनुमान लगाने वाले प्रावधान को मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व उत्पन्न होता है और इस बात की प्रबल संभावना रहती है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। आकस्मिक देनदारियों को मान्य नहीं किया गया है बल्कि टिप्पणियों में खुलासा किया गया है। आकस्मिक परिसंपत्ति को न तो वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई है और न ही इनका खुलासा किया गया है।

8. वित्तीय विवरण में आंकड़े लाख रुपये में दिखाए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए, आंकड़े दो दशमलव अंकों के साथ लाख में पूर्णांक किए गए हैं।

9. प्रस्तुत वर्ष के संबंधित आंकड़े वर्तमान वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप, जहां आवश्यक हो, फिर से समूहित किया गया है।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते: निफ्ट ग्रेच्युटी ट्रस्ट अकाउंट

कृते: अमित अग्रवाल एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 008359 सी

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(सीए अंकित कुमार)	(शारदा मुरलीधरन)	(सुहेल अनवर)	(बीके पांडे)
साझेदार	महानिदेशक	निदेशक (प्रशासन)	निदेशक (वि0 व0 ले0)
सदस्यता संख्या 432749			

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 19-06-2019

बेंगलुरु

सुश्री सुसान थॉमस, आईआरएस
कैम्पस निदेशक

बेंगलुरु निफ्ट परिसर,
नंबर 21, 16 वां क्रॉस स्ट्रीट
27 वां मुख्य रोड, सेक्टर I
एचएसआर (होसुर सरजपुरा रोड) लेआउट,
बेंगलूर - 560 102 (कर्नाटक)
फोन: (080) 22552550-55
फैक्स: (080) 25632566

भोपाल

श्री अरिंदम दास,
कैम्पस निदेशक
प्रो. समीर सूद,
संयुक्त निदेशक

भोपाल निफ्ट परिसर,
एमपी भोज (ओपन) यूनिवर्सिटी कैम्पस,
कोलार रोड,
भोपाल -462016 (एमपी)
फोन: (0755) 2493636 / 736
फैक्स: (0755) 2493635

भुवनेश्वर

प्रो. संजय श्रीवास्तव,
कैंपस निदेशक
डॉ. बिनया भूषण जेना,
संयुक्त निदेशक

भुवनेश्वर निफ्ट परिसर,
आईडीसीओ प्लॉट न. -24
केआईआईटी प्रबंधन स्कूल के सामने
चांडक इंडस्ट्रियल एस्टेट,
भुवनेश्वर - 751024, ओडिशा
फोन: (0674) 2305700, 2305701
फैक्स: 0674-2305710

चेन्नई

प्रो. डॉ. अनीता मनोहर,
कैम्पस निदेशक
श्री बी. नरसिम्हन,
संयुक्त निदेशक

निफ्ट परिसर चेन्नई,
राजीव गांधी सलाई, तारामनी,
चेन्नई - 600 113, तमिलनाडु
फोन: (044) 22542759
फैक्स: (044) 22542769

गांधीनगर

श्री अरिंदम दास,
कैम्पस निदेशक

गांधीनगर निफ्ट परिसर,
जीएच-ओ रोड, इंफो सिटी के पीछे,
डीएआईआईसीटी के पास
गांधीनगर -382007, गुजरात
फोन: (079) 23265000,
23240832, 23240834
फैक्स: (07 9) 23240772

हैदराबाद

प्रो. वी. शिवलिंगम
कैम्पस निदेशक (आई / सी)
डॉ. जी. एच. एस. प्रसाद,
संयुक्त निदेशक

हैदराबाद निफ्ट परिसर,
हाईटेक सिटी के सामने,
साइबरबाद पोस्ट,
मधापुर, हैदराबाद -500 081, तेलंगाना
फोन: (040) 23110841 /42/ 43, 23110630
फैक्स: (040) 23114536

जोधपुर

डॉ. विजया देशमुख,
कैंपस डायरेक्टर

जोधपुर निफ्ट परिसर,
निफ्ट कैंपस करवर,
जोधपुर - 342 037, राजस्थान:
फोन: (0291) - 2659558, 2659556
फैक्स: (0291) 2659556

कांगड़ा

प्रो. डॉ. सिबिचन के. मैथ्यू,
कैंपस डायरेक्टर (आई / सी)
श्री डी. के. रंगरा,
संयुक्त निदेशक

कांगड़ा निफ्ट परिसर,
छेब, कांगड़ा -16001 (एचपी)
फोन: (01892) 263872
फैक्स: (01892) 260871

कन्नूर

डॉ. ए. के. खरे,
कैम्पस निदेशक

कन्नूर निफ्ट परिसर,
धर्मसाला, मंगलतुरम्बा,
कन्नूर - 670 562 (केरल)
फोन: (0497) 2784780-86

कोलकाता

कर्नल सुब्रतो विश्वास (सेवानिवृत्त)
कैंपस डायरेक्टर
श्री खुशाल जांगिड़,
संयुक्त निदेशक

कोलकाता निफ्ट परिसर,
प्लॉट नं. 3 बी, ब्लॉक- एलए,
सेक्टर -III, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता -700 106 (पश्चिम बंगाल)
फोन: (033) 23358872, 23358351
फैक्स: (033) 23358351, 23355734

मुंबई

प्रो. डॉ. पवन गोदियावाला,
कैम्पस निदेशक
श्री बृजेश मधुकर देवरा,
संयुक्त निदेशक

मुंबई निफ्ट परिसर,
प्लॉट नंबर 15, सेक्टर 4, खारघर,
नवी मुंबई - 410210 (महाराष्ट्र)
फोन: (022) 27747000, 27747100
फैक्स: (022) 27745386

नई दिल्ली

प्रो. डॉ. वंदना नारंग,
परिसर निदेशक
सुश्री नीनु टेकचंदानी,
संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली निफ्ट परिसर,
हौज खास,
गुलमोहर पार्क के सामने
नई दिल्ली - 110016
फोन: (011) 26867704, 26542149,
26542214
फैक्स: (011) 26542151

पटना

प्रो. संजय श्रीवास्तव,
कैंपस निदेशक
श्री एन. एस. बोरा
संयुक्त निदेशक

पटना निफ्ट परिसर,
मिठापुर फार्म
पटना -800001 (बिहार)
फोन: (0612) 2340032/ 64/ 54
फैक्स: (0612) 2360078, 2366835

रायबरेली

डॉ. भरत साह,
कैंपस डायरेक्टर
श्री अखिल सहाय,
संयुक्त निदेशक

रायबरेली निफ्ट परिसर,
दूरभाष नगर,
सेक्टर - II,
रायबरेली - 229 010 (यूपी)
फोन: (0535) 2702422/ 31
फैक्स: (0535) 2702423/ 24/ 29

शिलांग

सुश्री मोनिका अग्रवाल,
कैम्पस निदेशक
श्री मृणाल सजवान,
संयुक्त निदेशक (आई / सी)

शिलांग निफ्ट परिसर,
ओल्ड एनईआईजीआरआईएचएमएस परिसर
श्सीश ब्लॉक, पाश्चर हिल्स, लॉमली, पोलो
शिलांग - 7900 001, मेघालय
फोन: (0364) 2590240/ 253
फैक्स: (0364) 25907676

श्रीनगर (जोएंडके)

श्री डी. पी. सोलंकी,
परिसर निदेशक (आई / सी)
श्री एस के झा,
संयुक्त निदेशक

श्रीनगर निफ्ट परिसर,
सिडको, इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ
श्रीनगर - 191 132
जम्मू - कश्मीर
फोन: 0914 2300994/ 95

मुद्रक: विद्या प्रेस प्रा. लि., 9810049515